दृक्सिद्धं निरयणञ्च चित्रापक्षीयमुत्तमम् । "विद्यापीठस्य पञ्चाङ्गम्" भूमौ विजयतेतराम्।।

ISSN 2229-3450

दृक्सिद्ध निरयण भारतीय







राजा-मंगल

विक्रम संवत्-२०७८
शक-संवत्-१९४३

मन्त्री-मंगल

भा०गणराज्य-संवत् ७४-७५
ईशवीय-सन् २०२१-२०२२

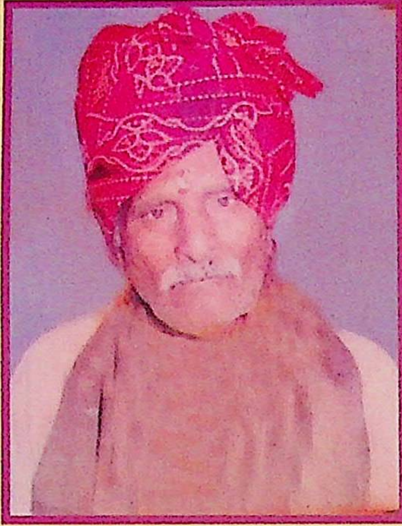
विद्यापीठ-पञ्चाङ्ग

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय-विश्वविद्यालय)
बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली - ११००१६

वर्ष : ३९

संवत्सर - राक्षस

मूल्य रु. ५०/-

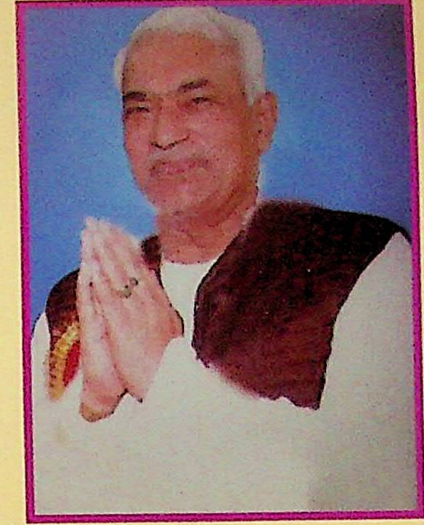


पञ्चाङ्ग-प्रवर्तक
स्व. म.म.पं. कल्याणदत्त शर्मा
''राष्ट्रपति-सम्मानित''

प्रधान-सम्पादक
प्रो० रमेश कुमार पाण्डेय
कुलपति

सम्पादक :
प्रो. प्रेमकुमार शर्मा
आचार्य, ज्योतिष-विभाग
प्रमुख, वेदवेदाङ्गसंकाय

प्रो. बिहारीलाल शर्मा
आचार्य, ज्योतिष-विभाग



प्रेरणास्रोत
स्व. प्रो. शुकदेव चतुर्वेदी
''राष्ट्रपति-सम्मानित''

सम्पादक मण्डल

1. प्रो. विनोद कुमार शर्मा 'आचार्य एवं ज्योतिषविभागाध्यक्ष'
2. प्रो. नीलम ठगेला 'आचार्या, ज्योतिष-विभाग'
3. प्रो. दिवाकर दत्त शर्मा 'आचार्य, ज्योतिष-विभाग'
4. प्रो. परमानन्द भारद्वाज 'आचार्य, ज्योतिष-विभाग'
5. डॉ. सुशील कुमार 'सह आचार्य, ज्योतिष-विभाग'
6. डॉ. फणीन्द्र कुमार चौधरी 'सह आचार्य, ज्योतिष-विभाग'
7. डॉ. रश्मि चतुर्वेदी 'सह आचार्य, ज्योतिष-विभाग'

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय-विश्वविद्यालय)
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110 016

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली - ११००१६

संक्षिप्त-परिचय

भारत की राजधानी दिल्ली में एक अन्तर्राष्ट्रिय संस्कृत-संस्थान के अभाव की पूर्ति के लिए स्वर्गीय ''प्रधानमन्त्री श्री लालबहादुर शास्त्री जी'' की प्रेरणा से अखिल भारतीय संस्कृत साहित्य सम्मेलन ने विजयदशमी विक्रम-संवत् २०२० को संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना की। उस समय इस विद्यापीठ का नाम अखिल भारतीय संस्कृत विद्यापीठ रखा गया और भारत के तत्कालीन प्रधानमन्त्री श्री लालबहादुर शास्त्री जी ने इसके शासन निकाय की अध्यक्षता स्वीकार की। स्वर्गीय श्री शास्त्री जी की प्रेरणा एवं उनकी संस्कृत तथा भारतीय संस्कृति में अगाध निष्ठा से विद्यापीठ की समस्त प्रवृत्तियों को बड़ा बल मिला और अपनी स्थापना के दो-तीन वर्षों में ही इस विद्यापीठ ने देश के संस्कृत-शिक्षण-संस्थानों में अपना विशिष्ट स्थान बना लिया।

उनके निधन के उपरान्त विद्यापीठ की स्थापना में उनके महनीय योगदान और इस संस्था के साथ शास्त्री जी के ऐतिहासिक सम्बन्धों को ध्यान में रखते हुए दिनांक ०२ अक्टूबर १९६६ ई० को भारत की तत्कालीन प्रधानमन्त्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने भारत सरकार द्वारा इसका अधिग्रहण करके इसका नाम श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ रखने की घोषणा की। श्रीमती इन्दिरा गांधी ने स्वयं विद्यापीठ के सभापति पद को स्वीकार किया। उनके सभापतित्व तथा तत्कालीन दिल्ली के उपराज्यपाल डॉ. आदित्य नाथ झा के कार्यवाहक सभापतित्व में इस विद्यापीठ ने प्रगति का एक महत्त्वपूर्ण दौर पूरा किया।

प्रधानमन्त्री श्रीमती इन्दिरा गांधी की घोषणा के अनुसार भारत सरकार ने शिक्षा मन्त्रालय में स्वायत्तसंस्था के रूप में ०१ अप्रैल १९६७ को विद्यापीठ का अधिग्रहण कर इसके संचालन के लिए एक सभा नियुक्त की। दिनांक २१ दिसम्बर १९७० ई. से इस विद्यापीठ का प्रबन्ध 'राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान' के अन्तर्गत दिया गया तब से इस विद्यापीठ का नाम 'श्री लाल बहादुर शास्त्री केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ' रखा गया।

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग की अधिसूचना सं. F.२/४५ U.३ दिनांक १६ नवम्बर १९८७ द्वारा इस विद्यापीठ को ''मानित-विश्वविद्यालय'' का स्तर प्रदान किया गया।

इसके संचालन के लिए श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ नाम से एक स्वायत्त समिति का पंजीकरण कर इसकी व्यवस्था उक्त समिति को स्थानान्तरित की गई है। मानित-विश्वविद्यालय के रूप में इसका उद्घाटन भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति म. म. रामास्वामी वैंकटरामन् द्वारा २३ फरवरी १९९१ को किया गया।

भारत सरकार द्वारा जारी अधिसूचना सं. F. No. 4-4/2018-Skt-II दिनाङ्क १७.०४.२०२० के अनुसार श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ (मानित-विश्वविद्यालय) को श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (केन्द्रीय-विश्वविद्यालय) घोषित किया गया। श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा जारी अधिसूचना सं. F.No.1(149)/ LBSV/Admn/2019-20/20 दिनाङ्क ३०.०४.२०२० के अनुसार केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में कार्य प्रारम्भ किया गया। विद्यापीठ के संस्थापक कुलपति **पद्मश्री श्रद्धेय डॉ. मण्डन मिश्र जी** ने अप्रतिम समर्पण भाव से इस कल्पवृक्ष का आरोपण किया, वर्तमान में इसके **कुलाध्यक्ष महामहिम राष्ट्रपति श्रीरामनाथ कोविंद जी** के मार्गदर्शन में एवं **कुलाधिपति डॉ. हरिगौतम जी** के कुशल नेतृत्व में यह विश्वविद्यालय पल्लवित, पुष्पित एवं फलीभूत हो रहा है।

वर्तमान में यह विश्वविद्यालय शास्त्री, शिक्षा-शास्त्री, आचार्य, शिक्षाचार्य, विशिष्टाचार्य, विद्यावारिधि एवं विद्या-वाचस्पति उपाधियों के लिए अध्ययन-अध्यापन, प्रशिक्षण एवं शोध कार्य की व्यवस्था कर रहा है।

विश्वविद्यालय ने अब तक ५३० पी-एच.डी. तथा ११२ उच्चकोटि के प्रकाशन राष्ट्र को समर्पित किए हैं। वर्तमान में ४४१ विद्यार्थी विभिन्न विभागों में शोध के लिए पंजीकृत हैं, जिनमें ४९ छात्र ज्योतिष शास्त्र के विविध विषयों पर शोधकार्य कर रहे हैं। जुलाई २०१३ से ज्योतिष विभाग द्वारा षाण्मासिक **'भैषज्य-ज्योतिषमञ्जूषा'** शोध-पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों एवं शोधकर्ताओं के शोधात्मक आलेख त्रैमासिक शोध पत्रिका **''शोधप्रभा''** में भी प्रकाशित किये जाते हैं ।

प्रस्तावना

भारतीय ज्योतिष-शास्त्र की एक प्रमुख विशेषता है, कि यह प्रत्यक्ष शास्त्र है। सौरमण्डलीय ग्रहों की गति, स्थिति, उदय, अस्त, मार्गत्व, वक्रत्व, ग्रहण एवं चन्द्रकलाओं की ह्रास-वृद्धि आदि कुछ ऐसी घटनायें हैं, जो हजारों-हजारों वर्षों से इसकी प्रत्यक्षता की गवाही दे रही हैं। ज्योतिष-शास्त्र में प्रत्यक्षता का अर्थ होता है- **''गणितागत परिणाम का ज्यों का त्यों दिखलाई देना।''** उदाहरणार्थ जिस समय गणित से पूर्णिमा आए और उस समय चन्द्रमा का परिपूर्ण बिम्ब दिखलाई दे अथवा जिस समय सूर्य या चन्द्रमा का ग्रहण गणित से निकाला जाए और उसी समय सूर्य या चन्द्रमा का ग्रहण पड़े अथवा गणित से ग्रहों के उदयास्त का जो समय बतलाया जाए, उसी समय ग्रहों का उदयास्त हो, इस प्रकार के गणितागत परिणामों का यथावत् घटित होना प्रत्यक्षता कही जाती है।

'प्रत्यक्षं ज्योतिषं शास्त्रम्' की उद्घोषणा करने वाले वसिष्ठ एवं पाराशर प्रभृति महर्षियों ने इस प्रकार के सत्यों एवं सिद्धांतों को दो प्रकारों से ज्ञात किया था। १-अन्तर्दृष्टि (Intuition) एवं, २-पर्यवेक्षण (Observation)। अन्तर्दृष्टि या दिव्यदृष्टि एक ऐसी वैयक्तिक क्षमता है, जिसके द्वारा विचार-तरंगों में आन्दोलित तथ्यों को यथावत् आत्मसात् किया जा सकता है। तथ्य एवं सत्य दोनों को जानने की यह एक सयुक्तिक विधा है। क्योंकि यह विचारणीय पदार्थ के विहित गुण-दोषों का ही विवेचन नहीं करती, वरन् यह सर्वथा उदासीन या तटस्थ रहकर उसके सम्पूर्ण स्वरूप का यथावत् अवलोकन भी करती है। इसलिए अन्तर्दृष्टि अभिज्ञान (Intuitive Cognition) में सदैव एक मौलिक प्रकार की निश्चिन्तता एवं विश्वसनीयता पाई जाती है।

हमारे महर्षियों ने इसके साथ-साथ पर्यवेक्षण का सतत उपयोग किया था। वे अकेली-अकेली एवं सामूहिक घटनाओं को बार-बार घटित होने वाली ग्रहों की गतिविधियों के प्रकाश में ध्यानपूर्वक देखते थे और ग्रहों की गतिविधियों की आवृत्ति के साथ-साथ उनकी जनसमुदाय पर पड़ने वाली शारीरिक एवं मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रियाओं का अवलोकन करते थे। इस प्रकार सैंकड़ों वर्षों के पर्यवेक्षण ने क्रान्तिद्रष्टा ऋषियों को समाहित कर दिया, कि राशिचक्र की राशिविशेष में ग्रहविशेष की विशिष्ट गतिविधि का तत्काल जन्म लेने वाले एवं जीवित मानवों पर एक सविशेष प्रकार का प्रभाव पड़ता है।

इस प्रकार की अन्तर्दृष्टि एवं पर्यवेक्षण की विधियों में ग्रह-नक्षत्रों की समस्त गतिविधियों एवं उनके मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का एकत्र संकलित स्वरूप भारतीय ज्योतिषशास्त्र है। यदि संक्षेप में कहा जाए तो यह शास्त्र उन सत्यों एवं सिद्धांतों का ज्ञानकोष है - जिनके द्वारा ग्रह-नक्षत्रों की समस्त गतिविधियों एवं उनके समस्त परिणामों को जाना जा सकता है। भारतीय ज्योतिष-शास्त्र के मनीषियों की यह सर्वसम्मत मान्यता है, कि जीवन में घटित होने वाली समस्त घटनायें ग्रह-नक्षत्रों की गतिविधियों के साथ सापेक्षता रखती हैं। ग्रहों की गति एवं स्थिति को काल कहते हैं। चूँकि यह शास्त्र ग्रहों की गतिविधि अर्थात् काल तथा जीवन में घटित होने वाली घटना अर्थात् उसका परिणाम इन दोनों के बारे में सांगोपांग विवेचन करता है, अतः यह कालविज्ञान कहलाता है। काल के विविध मानों में तिथि, नक्षत्र, योग, करण एवं वार - ये पाँच अंग प्रधान होते हैं, जिन्हें पञ्चाङ्ग कहते हैं। इनकी जानकारी के बिना न तो श्रौत एवं स्मार्त्त कर्मों का विधान किया जा सकता है और न ही नित्य, नैमित्तिक एवं प्रायश्चित्त कर्मों का अनुष्ठान किया जा सकता है। सभी प्रकार के व्रत, पर्व एवं उत्सवों की जानकारी हमें पञ्चाङ्ग से ही मिलती है। अतः समस्त धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यों के यथासमय सम्पादन में पञ्चाङ्ग हमारी सर्वाधिक सहायता करता है।

पञ्चाङ्ग में तिथ्यादि के मानों को अप्रत्यक्ष या अदृश्य कहकर उनकी स्थूल गणना, मकरन्द एवं ग्रहलाघव आदि की सारिणियों से करने के आग्रह और प्रमाण के लिए सूर्य-सिद्धांत का उल्लेख किया जाता है, जबकि सूर्य सिद्धांतकार दृक्तुल्यता के समर्थक हैं, यथा -

तत्तद्गतिवशान्नित्यं यथा दृक्तुल्यतां ग्रहाः।
प्रयान्ति तत्प्रवक्ष्यामि स्फुटीकरणमादरात्॥

इसके साथ-साथ सिद्धान्त ग्रन्थों के प्रणेता प्रायः सभी आयार्चों ने दृक्तुल्य ग्रहों के द्वारा तिथ्यादि आनयन को व्रत-पर्व, एवं उत्सवों के लिए उपयोगी माना है,

यथा - **यस्मिन् पक्षे यत्र काले येन दृग्गणितैक्यकम्।**
दृश्यते तेन पक्षेण कुर्यात्तिथ्यादिनिर्णयम् ॥ - वशिष्ठ
यात्राविवाहोत्सवजातकादौ खेटैः स्फुटैरेव फलस्फुटत्वम्।
स्यात्प्रोच्यते तेन नभश्चराणां स्फुटक्रिया दृग्गणितैक्यकृद्या॥

-भास्कराचार्य

तेभ्यः स्याद् ग्रहणादिदृक्सममियं प्रोक्ता मया सा तिथिः।
ग्राह्या मंगलधर्मनिर्णयविधावेषा यतो दृक्समा॥ -तिथिचिन्तामणि

मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार एवं राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा प्रवर्तित शास्त्रचूडामणि योजना में राष्ट्रपति-सम्मानित ज्योतिष यन्त्रालय जयपुर के भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. म.म. पं0 कल्याणदत्त शर्मा जी की सेवायें इस विद्यापीठ को प्राप्त हुईं । श्री शर्मा जी वेधशाला एवं भारतीय गणित के प्रमुख विद्वान् थे। उनके अहर्निश चिन्तन एवं प्रयत्न से विद्यापीठ-पञ्चाङ्ग का श्रीगणेश हुआ।

श्री शर्मा जी को भी इस कार्य को आगे बढ़ाने के लिए एक कर्मठ एवं शास्त्रीय परम्परा में निष्णात प्रो. ओंकारनाथ चतुर्वेदी जी का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। परिणाम स्वरूप इन दोनों विद्वानों ने सन् १९८२ ई. के ग्रीष्मावकाश में अथक परिश्रम से वि. संवत् २०४० के पञ्चाङ्ग-गणित का कार्य सम्पन्न करके इसे सम्पादन के लिए तत्कालीन ज्योतिष- विभागाध्यक्ष प्रो. शुकदेव चतुर्वेदी जी को सौंपा। प्रो. चतुर्वेदी जी ने शीघ्र ही इसका सम्पादन करके विद्यापीठ पञ्चाङ्ग के प्रकाशनार्थ पञ्चाङ्ग गोष्ठी का प्रस्ताव विद्यापीठ के संस्थापक कुलपति एवं तत्कालीन प्राचार्य श्रद्धेय पद्मश्री डॉ. मण्डन मिश्र जी को प्रस्तुत किया।

दिनांक ०५ अक्टूबर १९८२ को विद्यापीठ में सम्पन्न पञ्चाङ्गगोष्ठी के अनुसार इस पञ्चाङ्ग का निर्माण ग्रीन्विच से पूर्वी रेखांश ७७°-१२', उत्तरी अक्षांश २८°-३८' अर्थात् भारत की राजधानी दिल्ली को आधार मानकर चित्रापक्षीय एवं निरयण पद्धति से किया गया है। इस पञ्चाङ्ग में दैनिक स्पष्टग्रह, दैनिक लग्नसारिणी, जन्म-पत्री एवं वर्षफल के निर्माण की सुगम सारिणियाँ, उत्तरी भारत के प्रमुख नगरों की लग्न सारिणियाँ, व्रत-पर्व एवं उत्सवों की वर्गीकृत सूची, मांगलिक मुहूर्तों की तालिका, राहुकाल, लोकभविष्य एवं मेलापक जैसे लोकोपयोगी विषयों का समावेश किया गया है, जो एक प्रमुख पञ्चाङ्ग के लिए आवश्यक होते हैं।

वि. संवत् २०७८ के विद्यापीठ-पञ्चाङ्ग के व्रत-पर्व एवं उत्सवों का धर्मशास्त्रीय नियमों के आधार पर निर्णय करने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन दिनाङ्क १९, २०, एवं २१ जनवरी २०२१ को विश्वविद्यालय में किया गया, जिसमें ज्योतिष-विभागाध्यक्षचर प्रो. ओंकारनाथ चतुर्वेदी, एवं ज्योतिष-विभागीय प्राध्यापकों प्रो. प्रेम कुमार शर्मा, प्रो. बिहारी लाल शर्मा, प्रो. विनोद कुमार शर्मा, प्रो. नीलम ठगेला, प्रो. दिवाकर दत्त शर्मा, प्रो. परमानन्द भारद्वाज, डॉ. सुशील कुमार, डॉ. रश्मि चतुर्वेदी, अतिथि प्राध्यापक डॉ. रतीश झा, अंशकालीन पाठ्यक्रम प्राध्यापक श्री खेमराज रेग्मी एवं धर्मशास्त्र प्राध्यापिका डॉ. मीनाक्षी मिश्र ने भाग लिया। इसका सम्पादन प्रो. प्रेम कुमार शर्मा एवं प्रो. बिहारी लाल शर्मा द्वारा ज्योतिष-विभागीय विद्वानों के सहयोग से किया गया। पञ्चाङ्ग के प्रकाशनार्थ वित्ताधिकारी एवं कुलसचिव (प्रभारी) श्रीमती अलका राय, उपकुलसचिव (लेखा) श्री अजय कुमार टण्डन का प्राशासनिक कार्यों में अद्वितीय सहयोग रहा है। मैं इन सभी महानुभावों को धन्यवाद देता हूँ। विद्यापीठ-पञ्चाङ्ग का यह उनतालीसवाँ अंक विज्ञजनों के हाथों में समर्पित करते हुए मैं अपार हर्ष का अनुभव कर रहा हूँ। आशा है आपका आशीर्वाद एवं परामर्श हमारे इस प्रयास को और अधिक उपयोगी बनाने में सहायक होगा।

माघ शुक्ल पञ्चमी, मंगलवार
वसन्त पञ्चमी
दिनाङ्क १६ फरवरी २०२१ ई.

प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय
कुलपति
प्रधान-सम्पादक

विषय-सूची

श्रीमङ्गलमूर्त्तये नमः

श्रीवाग्देवतायै नमः

सूर्य आत्मा जगतस्तस्थुषश्च
सोमसूर्यानिलाकल्पामकल्पामिन्दुशेखराम्।
पञ्चबिन्दुं हरेः शक्तिं पञ्चकृत्यकरीं नुमः॥
पञ्चदेवात्मको भूत्वा पञ्चशक्तिसमन्वितः।
पञ्चसृष्टिमधिष्ठाय प्रपञ्चरहितोऽवतु ॥
प्राप्ते नूतनवत्सरे प्रतिगृहे कुर्याद् ध्वजारोपणम्
स्नानं मङ्गलमाचरेद्द्विजवरैः सार्धं सुपूजोत्सवम् ।
देवानां गुरुयोषिताञ्च विभवाऽलङ्कारवस्त्रादिभिः
सम्पूज्यो गणकः फलञ्च श‍ृणुयात्तस्माच्च लाभप्रदम्॥
पारिभद्रस्य पत्राणि कोमलानि विशेषतः।
सुपुष्पाणि समानीय चूर्णं कृत्वा विधानतः॥
मरीचिहिङ्गुलवणजीरकेण च संयुतम्।
अजमोदायुतं कृत्वा भक्षयेद् रोगशान्तये॥

संवत्सरादिफलश्रवणमाहात्म्यम्-

राज्यं स्यादचलं नृपश्रवणतो मन्त्रीश्रवात् कौशलं,
धान्येशाद् विमला स्थिरा च सुरसावाणी भवेन्मेघपात्।
धर्मे बुद्धिरधिष्ठिता रसपतेर्दीर्घायुषत्वं भवेत्,
सस्येशाद् विमलामतिः शुभकरी राजा बलिः श्रूयताम्॥

अथ कल्पादितो गतवर्षाणि १९७२९४९१२२ सृष्टितो गताब्दाः१९५५८८५१२२ कृतयुगप्रमाणं १७२८००० अस्मिन् युगे श्रीविष्णुमत्स्यकच्छपवराहनृसिंहाऽवताराः। त्रेतायुगप्रमाणं १२९६००० युगेऽस्मिन् श्रीवामनपरशुराम-रामचन्द्राऽवताराः। द्वापरयुगप्रमाणं ८६४००० अस्मिन् युगे कृष्णबलरामावतारौ। कलियुगप्रमाणं ४३२००० तन्मध्येऽहिंसाव्रती श्री बुद्धाऽवतारोऽभवत्। साम्प्रतं गतकलिवर्षाणि ५१२० भोग्यवर्षाणि ४२६८८० । कलियुगस्य ८२१ वर्षावशेषकाले कल्क्यवतारः स्यात्।

कार्तिकशुक्लनवम्यां प्रथमप्रहरे श्रवणनक्षत्रे वृद्धियोगे कृतयुगोत्पत्तिः। तत्र पापं ० पुण्यं २०। वैशाखशुक्लतृतीयायां चन्द्रे रोहिणीनक्षत्रे द्वितीयप्रहरे शोभनयोगे त्रेतायुगोत्पत्तिः। तत्र पापं ५ पुण्यं १५। माघकृष्णामावस्यायां शुक्रे तृतीयप्रहरे धनिष्ठानक्षत्रे वरीयान्योगे द्वापरोत्पत्तिः। तत्र पापं १० पुण्यं १०। भाद्रपदकृष्णत्रयोदश्यां रवौ कृत्तिकानक्षत्रे व्यतीपातयोगे निशीथे कलियुगोत्पत्तिः। तत्र पापं १५ पुण्यं ५।

श्रीरामरावणयुद्धतो गता वत्सराः ८८०१६२ । श्रीकृष्णावतारतो गताब्दाः ५२५६ । महाभारतयुद्धतो गताब्दाः ५१२१ । श्रीमहावीर (जैन) निर्वाणसम्वत् २५४६-२५४७ । श्रीबुद्धसम्वत् २६४३ - २६४४। श्रीमन्नृपतिवीर-विक्रमादित्यराज्यात् गताब्दाः २०७७ । श्रीशालिवाहनराज्यात् गताब्दाः १९४२, श्रीलक्ष्मणसम्वत् ९१२-९१३ । अंग्रेजीसम्वत् २०२१-२०२२ ई. सन्, फसली सन् १४२८-१४२९ । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये 'राक्षसः' नामसम्वत्सरः। तत्र मेषाऽर्कसमये गतमासादिः ००/१२/४२/०० भोग्यमासादिः ११/१७/२८/०० सङ्कल्पादौ वर्षान्तं यावत् 'राक्षसः' नाम सम्वत्सरः प्रयोक्तव्यः। इन्द्राग्निदेवदैवतं युगम्। वर्षनाम 'श्रावण' इति। मेघनाम 'संवर्तः'। रोहिणीनिवासः 'समुद्रतटे'। समयनिवासः 'रजकगृहे।' भारतीयगणराज्य- सम्वत् ७२ - ७३ ।

आकाशस्थ ग्रहमन्त्रिपरिषद्

(विभागाधिकारियों के नाम तथा उनके शुभाशुभ फल)

'राक्षस' सम्वत्सर का फल-

प्रजायां मध्यमसुखं तदधीशाहवोन्वहम् ।
निष्क्रिया राक्षसाब्दे तु राक्षसा इव जन्तवः॥

राक्षस नामक संवत्सर में प्रजा को मध्यम सुख की प्राप्ति होती है। राजाओं में प्रतिदिन युद्ध की स्थिति बनी रहती है तथा सभी जीव राक्षसी वृत्ति का आचरण करते हैं।

कोद्रवाः शालिमुद्गाश्च पीड्यन्ते च वरानने।
शुकधान्यानि ज्ञायन्ते राक्षसे मुखराज्ञः प्रजाः॥

राक्षस संवत्सर में कोदो, शाली और मूँग की हानि होती है। स्थूल धान की अच्छी उपज होती है तथा प्रजावर्ग वाचाल होते हैं।

कोद्रवाशालिमुद्गादि पीडिता स्युर्वरानने।
सर्वधान्यानि चार्धाङ्गि राक्षसे पीडिताः प्रजाः॥

राक्षस सम्वत्सर में कोदो, शालिधान और मूँग की उपज अच्छी होती है तथा इसके अतिरिक्त अन्य सभी धान्य नष्ट होते हैं परिणामस्वरूप प्रजा पीड़ित अर्थात् दुःखी रहती है।

" राक्षसः क्षयकरस्तथा ग्रीष्मधान्यजननः"

राक्षस सम्वत्सर में सभी प्रकार के पदार्थों, द्रव्यों और धान्यों की हानि होती है किन्तु ग्रीष्म धान्य (यव, गेहुँ, चना इत्यादि) की उत्पत्ति अच्छी होती है।

नश्यन्ति सर्वसस्यानि रोगार्तिश्च महर्घता।
प्रजानाशो भयं घोरं राक्षसे गौरि। पीडनम्॥

भगवान शिव पार्वती से कहते है कि! राक्षस नाम सम्वत्सर में प्राकृतिक प्रकोपों एवं अव्यवस्था के कारण फसलों की हानि, विभिन्न रोगों एवं महामारी से जनता पीड़ित रहती है। आवश्यक वस्तुओं के मूल्यों में महंगाई बढ़ेगी तथा हर तरफ भय-पीड़ा का वातावरण रहता है तथा युद्ध, प्राकृतिक प्रकोपों आदि से व्यापक जन-धन हानि होती है।

स्वस्वकार्येरताः सर्वेमध्यसस्यार्घवृष्टयः।
राक्षसाब्देऽखिला लोका राक्षसा इव निष्क्रियाः॥

राक्षस नामक सम्वत्सर में सभी प्राणी स्वार्थवश अपने-अपने कार्यो में संलिप्त रहेंगे। मध्यम वृष्टि होने के बावजूद भी सभी धान्यों के मूल्यों में वृद्धि होगी। विश्व के सभी लोग राक्षसों की तरह आचरण करने लगेंगे अर्थात् जनता की राक्षसीय प्रवृत्ति रहेगी।

राजा मंगल का फल -

भौमे नृपे वह्निभयं नराणां चौराकुलं पार्थिवविग्रहश्च।
दुःखं प्रजाव्याधिवियोगपीडा स्वल्पं पयो मुञ्चति वारिवाहः॥

चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा को मंगलवार होने के कारण नव आनन्द नामक संवत्सर का राजा मंगल है।

यदि वर्षेश अर्थात् वर्ष का राजा मंगल हो तो मनुष्यों को अग्निभय, चोरों के उत्पात से आक्रान्त, राजाओं में विग्रह, जनता को दुःख तथा रोग से पीड़ा होती है। पृथ्वी पर बादलों द्वारा स्वल्प वर्षा होगी।

जनता भ्रमिता सर्वाश्चतुष्पदाः प्रपिडिताः।
त्रिफला सकला धात्री नौकावाहनवत्सरे ॥

मंगल के वर्षेश होने के कारण प्रजा अग्निभय, चोर भय, युद्ध, दुःख और रोग आदि से पीड़ित रहेगी। वर्तमान संवत् का वाहन नौका होने के कारण पूर्ण संवत्सर जनता भ्रमित रहेगी। चौपायों को पीड़ा एवं कष्ट होगाा तथा पृथ्वी विविध प्रकार की फसलों, वनस्पतियों एवं फलों की उत्पत्ति से हरी-भरी रहेगी।

मन्त्री मंगल का फल -

अवनिजो ननु मंत्रिपदं गतो भवति दस्युगदादिजवेदना।
जनपदेषु जयं सुखसंचयं न बहु गोषु पयो द्विजकर्म च॥

नव संवत्सर में मन्त्री मंगल होने से जनता चोरों और रोगों से पीड़ित रहेगी। जनपदों में विजय से सुख की वृद्धि होगी, गायों के दूध की उपलब्धि न्यूनतम मात्रा में होगी तथा विप्रलोग स्वकर्म में संलग्न रहेंगे।

धान्येश बुध का फल -

बहुसस्ययुता पृथ्वी रसानां च महर्घता।
नीतियुक्ताः सदा भूपा बुधे धान्याधिपे सति॥

धान्येश बुध होने से पृथ्वी विभिन्न फसलों से भरपूर रहेगी तथा रसीले पदार्थों के मूल्य में वृद्धि होगी। राजा लोग नीति पूर्वक कार्यों मे संलग्न रहेंगे।

सस्येश शुक्र का फल -

शुक्रो यदा धन्यपतिर्धरायां मेघो जलं वर्षति शोभनं च।
गोधूमशालीक्षुघनप्रियंगुवृक्षेषु पुष्पाणि सुखप्रदानि ॥

यदि सस्येश शुक्र हो तो पृथ्वी पर मेघों के बरसने से शोभन वर्षा होती है। धान, गेहूँ, ईख, नागरमोथा, कंगुनी का उत्पादन अधिक मात्रा में होता है तथा वृक्षों में फूल और फल सुख देने वाले होते हैं।

मेघेश मंगल का फल -

अवनिजे जलदस्य पतौ भूवि श्रुतिविचारविहीनपराभवाः।
क्वचिदपि प्रचुरं जलमल्पकं क्वचिदपि प्रचुरं बहुतापदम्॥

यदि मेघेश मंगल हो तो राजा तथा प्रजा का शास्त्रविहीन आचरण होता है परिणामस्वरूप राष्ट्र की पराजय की स्थिति निरंतर बनी रहती है। देश में कुछ स्थानों पर अधिक तो कहीं अल्प वर्षा (खण्डवृष्टि) मनुष्यों को संतापदायक होती है।

रसेश सूर्य का फल -

रसपतौ तरणौ धरणी तदा विरसभोगतथाल्पपयोधरा।
वसनतैलघृतप्रियमानवाः सुखरसं च भुनक्ति महीपतिः॥

संवत् का रसेश रवि होने पर पृथ्वी पर वर्षा की कमी होती है तथा परिणाम स्वरूप रस पदार्थों का उत्पादन अल्प मात्र में होता है। भोग्य साधनों की कमी रहती है। मनुष्यों को वस्त्र, तेल, घी अधिक प्रिय होते हैं तथा राजा लोग सुखभोग करते हैं।

नीरसेश शुक्र का फल -

कर्पूरागरुगन्धानां हेममौक्तिकवाससाम् ।
अर्घवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो भृगुर्यदि ॥

इस संवत् में नीरसेश शुक्र है अतः कपूर, अगर-तगर, सुगन्धित वस्तु, सुवर्ण, वस्त्र तथा मोती आदि के मूल्यों में वृद्धि होती है।

दुर्गेश चन्द्र का फल -

गढपतिर्मृगलांछनको यदा नृपसुराज्यविलासितपौरजाः।
बहुधनेक्षुजगोरसभोगिनो नरवरा नरवर्णितविग्रहाः ॥

यदि संवत्सर में दुर्गेश चन्द्रमा हो तो सुव्यवस्थित शासन से जनता प्रसन्न रहती है। बहुत वर्षा के कारण जनता गोरस, ईख तथा रस पदार्थों का उपभोग पर्याप्त मात्रा में करती है तथा शासकों का यशोगान करती है।

फलेश चन्द्र का फल -

यदि विधुः फलपो द्रुमराशयः फलयुता व्रतिभिः कुसुमैर्युताः।
द्विजमुखा वरभोगसमन्विता नृपतयो नयनाटनतत्पराः ॥

यदि संवत्सर में फलेश चन्द्रमा हो तो वृक्षों पर अधिक फल-फूल, विप्र लोग उत्तम भोग पदार्थों का उपभोग करते हैं तथा राजा लोग नीति-निपुणता से व्यवहार करते हैं।

धनेश गुरु का फल -

सुमनसां च गुरुर्द्रविणाधिपो वणिजवृत्तिपराः सुखभाजनाः।
फलितपुष्पितभूमिरुहाः सदा विविधद्रव्ययुता भुवि मानवाः॥

वर्तमान संवत् में धनेश गुरु होने से व्यापारी वर्ग विशेष करके फूल के व्यापारियों को विशिष्ट लाभ होगा। वृक्ष फल-पुष्पों से सुशोभित रहेंगे तथा मनुष्य विविध द्रव्यों से युक्त रहेंगे।

श्रावण नामक वर्ष का फल -

श्रावणवर्षे क्षेमं सम्यक् सस्यानि पाकमुपयान्ति।
क्षुद्रा ये पाखण्डाः पीडयन्ते ये च तदभक्ताः॥

श्रावण नामक वर्ष में सभी धान्य अर्थात् सभी फसलें अच्छी तरह पक जाती हैं, तथा क्षुद्र (क्रूर), पाखण्डी (वेदनिंदक) और उनके भक्त लोग पीड़ित होते हैं।

श्रावणः सस्यसम्पन्नः क्षेमारोग्यकरः शिवः।
धान्यं समर्घतां याति सम्यग्वर्षति वासवः॥
क्षुद्रान् पाखण्डिनः सर्वान् तद्भक्तांश्चोपतापयेत् ॥

रोहिणी वास -

विक्रम संवत् २०७८ में मेष संक्रान्ति का प्रवेश 'भरणी' नक्षत्र में होने से रोहिणी वास 'समुद्र तट' में रहेगा।

रोहिणी वास का फल-

यदि समुद्र तट में रोहिणी का वास हो तो देश में सुवृष्टि अर्थात् बहुत अच्छी वर्षा होती है।

'तटे वृष्टिः सुशोभना'

अर्थात् तट पर रोहिणी का वास होने से आगामी वर्ष उपयोगी एवं उत्तम वर्षा होने के योग घटित होंगे। परिणामस्वरूप धान्य, चावल, चने, गन्ने, वृक्ष, घास, जड़ी-बूटियों, पौधों की पैदावार अच्छी होगी। प्रजा में अन्न, धन एवं अन्य सुख-साधनों प्रसाधनों आदि की वृद्धि होगी।

यदि विविधिष्ण्यपतति तटस्थम् ।
शुभजलवृष्टिः धन-कणवृद्धिः॥'

सम्वत् (समय) का वास-

विक्रम सम्वत् २०७८ में रोहिणी वास तट में होने से सम्वत् का वास धोबी (रजक) के घर में होगा।

सम्वत् वास का फल -

सम्वत्सर का वास रजक-गृह में होने से इस वर्ष बावड़ी, कुआँ, तालाब, नदी, नद तथा वन जल से भरपूर रहेंगे।

वापीकूपतडागानि नदीनदवनानि च।
जलपूर्णानि दृश्यन्ते वासो रजकवेश्मनि ॥

सम्वत् का वाहन -

चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा को जो वार होता है, वही उस सम्वत् का राजा होता है। इस प्रकार सम्वत् २०७८ का राजा मंगल होने के कारण इस सम्वत् (समय) का वाहन बैल (वृषभ) होगा।

सम्वत् वाहन का फल -

सम्वत् का वाहन 'वृषभ' होने के कारण वर्षा पर्याप्त एवं अच्छी (अधिक) होगी, विशेषकर पहाड़ी क्षेत्रों में वर्षा अधिक होगी। नदियों

में पानी का वेग (बहाव) अधिक होगा, कहीं बाढ़ादि के कारण क्षति होगी। वृक्षों पर फल-फूल की पैदावार अच्छी होगी तथा पशुओं का चारा-घास, तृणादि का उत्पादन भी बहुलता में होगी। राजनेताओं में परस्पर आरोप-प्रत्यारोप लगने से कुछ राज्यों में अस्थिरता एवं छत्रभंग (राज्य-परिवर्तन) होगा।

अन्य मत के अनुसार सम्वत् का वाहन नौका (नाव) होगा। सम्वत् का वाहन नौका होने से सर्वत्र सभी प्रकार की फसलों के उत्पादन में कमी तथा कहीं अकालजन्य परिस्थितियाँ बनेंगीं। लोगों (जनता) को प्राकृतिक अथवा राजनीतिक कारणों से इधर-उधर अर्थात् एक राज्य से दूसरे राज्यों में पलायन करना पड़ेगा। पशुओं, चौपायों आदि को रोग होने से पीड़ा एवं कष्ट होगा।

जनता भ्रमिता सर्वाश्चतुष्पदाः प्रपीडिताः।
विफला सकला धात्री नौकावाहनवत्सरे ॥

सुबुध्नादि द्वादश नागों में नाग विचार एवं फल -

विक्रम सम्वंत् २०७८ में बारह नागों में (सुबुद्ध) नामक नाग होगा। सुबुद्ध नामक नाग होने से जनता बुद्धिमता से अपने कार्यों में संलग्न रहेगी। इस सम्बत् में वर्षा अच्छी होगी, काष्ठ के मूल्य में वृद्धि होगी तथा सभी प्रकार का उत्पादन अच्छा होगा।

"सुबुद्धो बुद्धिकर्ता च काष्ठवृष्टिशुभावहः।"
अथवा
सुबुघ्न-नाम सहितो भुजंगोजायते तदा।
नृणां सुबुद्धिकर्तास्यात् मध्यवृष्टिप्रदायकः॥

चतुर्मेघ विचार -

नव सम्वत् २०७८ में आवर्तकादि चतुर्मेघों में से संवर्त नामक मेघ है।

संवर्त नामक मेघ फल-

संवत् २०७८ में संवर्त नामक मेघ होने से भयंकर वृष्टि, वायुवेग से अनेक स्थानों पर जनता एवं सम्पदा की भारी हानि होती हैं।

- संवर्तो जलपूरितः / सांवर्ते वायुपीडनम्।

संवर्त नामक मेघ होन से लोगों में कामवासना बढ़ती है, धार्मिक एवं शुभकार्यों में अभिरूचि कम होती है तथा व्यर्थ के कार्यों में संलग्न रहते हैं। शासक वर्ग प्रजा की भलाई के कार्यों में कम ध्यान देकर निज कार्यों में अधिक तत्पर रहता है। पूर्वी वायु वेग से देश के पूर्वी क्षेत्रों में अधिकतम जन-धन की हानि होती है तथा मक्का, धान आदि फसलों की हानि होती है।

कामाधिक्यं स्वल्पताधर्मकार्ये पृथ्वीपालास्तत्परा नान्यकार्ये ।
संवर्ताख्यो नीरदः स्यादिह यत्र प्रांचो वायुर्वातिसर्वत्रतत्र ॥

नवमेघ विचार एवं फल-

सम्वत् २०७८ में आवर्तकादि नवमेघों में से 'आवर्त' नामक मेघ है। आवर्त नामक मेघ होने पर आँधी-तूफान अधिक आता है, कहीं खण्डवृष्टि तथा कहीं वृष्टि की कमी के कारण सूखा पड़ता है।

- आवर्ते मन्दतोयम्। / आवर्ते वृष्टिहानिः स्यात।

आवर्त नामक मेघ होने से पृथ्वी चिन्ता और युद्ध की चीत्त्कार से व्याप्त रहती है। संवत् में अल्पवृष्टिकारक मेघ होते हैं फलस्वरूप प्रतिकूल वातावरण एवं वर्षा की कमी के कारण पृथ्वी पर सभी प्रकार के धान्य-फसलों की हानि होती है, जिससे भूखमरी आदि स्थितियाँ उत्पन्न होती हैं परिणामस्वरूप खाद्यान्न पदार्थों के मूल्यों में अप्रत्याशित वृद्धि होती है।

आवर्तके महावर्तो हाहाकाराकुला मही।
अल्पतोयकरो मेघो गर्जते भयदो खः॥

विक्रम शुभ सम्वत् २०७८ की वर्ष प्रवेशकालीन एवं जगत्-लग्न कुण्डलियाँ-

नववर्षप्रवेश-कुण्डली

३ | २ मं. रा. | १ शु. | १२ सु. चं. बु. | ४ | ५ | ११ गु. | ६ | ८ के. | १० श. | ७ | ९

१२ अप्रैल, सन् २०२१ ई०, ०८ घं. ०१ मि. (भा.मा.स.)

जगल्लग्न-कुण्डली

११ गु. | १२ चं. बु. | १० श. | ९ | ८ के. | १ सू. शु. | ७ | २ रा. | ४ | ६ | ३ मं. | ५

१३ अप्रैल, सन् २०२१ ई०, २६ घं. ३३ मि. (भा.मा.स.)

गत प्रमादी नामक विक्रम संवत् २०७७ की समाप्ति के अनन्तर 'प्रमादी' नामक विक्रम संवत् २०७८ का प्रवेश १२ अप्रैल, २०२१ ई. सोमवार तदनुसार चैत्र कृष्ण पक्ष (सोमवती अमावस) अमावस चैत्र मास, ३० प्रविष्टे को प्रातः काल में ०८ घं. ०१ मि. पर रेवती नक्षत्र, वैधृति नामक योग, मीनस्थ चन्द्र के समय स्थिर वृष लग्न में होगा, किन्तु वासान्तिक नवरात्रों का शुभारम्भ अग्रिम दिन १३ अप्रैल, २०२१ ई. को प्रातः सूर्योदय काल से होगा । इस संवत् में वासान्तिक नवरात्रे १३ अप्रैल, २०२१ ई. से २१ अप्रैल, २०२१ ई. तक रहेंगे। शास्त्रानुसार श्रीरामनवमी का पर्व २१ अप्रैल, २०२१ ई. बुधवार को मनाया जाएगा।

नवरात्र के प्रथम दिन अर्थात् नवसंवत्सर चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा के दिन किसी योग्य विद्वान द्वारा विधिपूर्वक घटस्थापन, सम्वत्सर पूजन एवं श्री गणेश, विष्णु, शिव और देवी दुर्गा पूजन करने का शास्त्रों में विशेष माहात्म्य प्रतिपादित है। इस दिन सम्पूर्ण अग्रिम नवीन सम्वत्सर के मंगलमय यापन हेतु विद्वान् ब्राह्मणों का विधिपूर्वक पूजन एवं सम्मान कर, उन्हें विविध प्रकार के दानों से सन्तुष्ट एवं प्रसन्न कर, नानाविधपक्वान्नों, फलों और मिठाईयों आदि का भोजन करवाकर उनके मुखारविन्द से परिवार के समस्त सदस्यों को संवत् का नाम, संवत् का वास, राजा और मन्त्री आदि का फल श्रवण करने का विधान भी शास्त्रोल्लिखित है। जो बुद्धिमान व्यक्ति चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा को सम्वत्सर का पवित्र फल सुनता है वह धनाढ्य और बहुत अन्न वाला होता है तथा वर्ष भर के लिए उसके शरीर की समस्त पीड़ाएँ (व्याधियाँ) दूर हो जाती हैं। शाके को सुनने से मनुष्य को पुण्य प्राप्त होता है, सम्वत्सर से सम्पत्तिवान् होता है, संवत् के राजा का फल सुनने से राजकुल में विजय होती है, मन्त्री का फल बुद्धि देता है, धनाधिप से धान्य, रसाधिप से रस तथा सस्येश से समस्त सुख मिलते हैं। अतः सिद्धिदायक सम्वत्सर के फल को अवश्य सुनना चाहिए।

नवविक्रम संवत् २०७८ में ग्रहों की अकाशीय-कौंसिल (ग्रह-परिषद्) के दस पदाधिकारों में से अतिविशिष्ट महत्त्वपूर्ण, मुख्य और सर्वोच्च राजा और मन्त्री के पदों के नेतृत्त्व के साथ-साथ मेघेश पद के नेतृत्त्व का अधिकार युद्धप्रिय और अग्नितत्त्व प्रधान मंगल ग्रह को प्राप्त है। रसेश पद के नेतृत्त्व का अधिकार सूर्य ग्रह को , दुर्गेश और फलेश पदों के नेतृत्त्व का अधिकार चन्द्र ग्रह को धान्येश पद के नेतृत्त्व का अधिकार बुध ग्रह को, धनेश पद के नेतृत्व का अधिकार गुरु ग्रह को तथा सस्येश और नीरसेश मुख्य दो पदों के नेतृत्त्व का अधिकार शुक्र ग्रह को प्राप्त है।

उपर्युक्त विवरण से यह स्पष्ट है कि विक्रम संवत् २०७८ में ग्रहों की कौंसिल (परिषद्) के दस पदाधिकारों में से चार अतिविशिष्ट पदों के नेतृत्त्व का अधिकार क्रूर ग्रहों तथा अन्य छः पदों के नेतृत्त्व का अधिकार सौम्य ग्रहों को प्राप्त है। इस वर्ष शनि ग्रह को कोई भी पदाधिकार प्राप्त नहीं है।

ग्रह परिषद् के अवलोकन से ज्ञात होता है कि नव-संवत् २०७८ में विश्व एवं भारत में राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक, व्यावसायकि आदि क्षेत्रों में अनिश्चितता का वातावरण बना रहेगा तथा देश की सीमाओं पर भी सुरक्षा के दृष्टि से विक्षुब्ध, अशांत, अस्थिर और अनिशित वातावरण रहेगा। विश्व के अनेक देशों में प्रभुसत्ता, टकराव, प्रतिद्वन्दिता की प्रवृत्तियाँ बढ़ेंगीं। भारत का पड़ोसी देशों पाकिस्तान, चीन, नेपाल, बंग्लादेश आदि के साथ विरोध, उग्र, तनावजन्य विक्षुब्ध वातावरण के फलस्वरूप विवादास्पद युग की शुरूआत होगी। नव विक्रम संवत् में सीमा क्षेत्रों पर युद्धजन्य परिस्थितियाँ उत्पन्न होंगीं तथा देश के भीतर साम्प्रदायिक, जातिगत एवं क्षेत्रवाद के आधार पर तनावजन्य अस्थिर एवं अशांत वातावरण रहेगा।

राजा एवं मंत्री दोनों मुख्य पदों के अधिकार क्रूरतम, अग्नि-तत्त्व प्रधान मंगल ग्रह को प्राप्त होने से संवत् २०७८ में भारत, पाकिस्तान, नेपाल, चीन, ईरान आदि देशों में परस्पर युद्ध, उपद्रव, राजनैतिक वैमनस्य, तोड़-फोड़ एवं हिंसक घटनाएँ अधिक मात्रा में घटित होंगीं, इसके अतिरिक्त चोरी-डकैती, ठगी, लूटमार, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, व्यभिचार तथा अग्नि-जन्य घटनाएँ अधिकतम घटित होंगीं। जनता विभिन्न गम्भीर एवं असाध्या रोगों तथा आवश्यक द्रव्यों, पदार्थों के मूल्यों में अप्रत्याशित-वृद्धि से ग्रस्त एवं त्रस्त रहेगी। राजनेता जनता के साथ निरंकुश एवं मनमाना व्यवहार करेंगे। नव विक्रम संवत् २०७८ में सेनापति चन्द्र, राजा और मंत्री भौम का मित्र होने से भारतदेश अपनी कुशल नीतियों द्वारा सीमा क्षेत्रों पर दुश्मन देशों की सेनाओं और शक्तियों का संहार करने में समर्थ रहेगा। सस्येश और नीरसेश शुक्र के होने से जनता का चारित्रिक एवं नैतिक पतन होगा। जनता विभिन्न प्रकार के पित्त, त्वचा, मधुमेह, दृष्टिजन्य रोगों तथा यौन-रोगों आदि गम्भीर एवं क्लिष्ट रोगों से पीड़ित रहेगी। फसलों की भी विविध प्रकार के रोगों से हानि होगी। धान्येश बुध होने से भारत के उत्तरी क्षेत्रों में वर्षा की कमी रहेगी, किन्तु फलेश चन्द्र होने से कुछ क्षेत्रों में फल-फूल, अनाज आदि फसलों की अच्छी पैदावार होगी। विश्व के अनेक राष्ट्र स्वायत्तता एवं सुरक्षा की दृष्टि से परमाणु हथियारों की वृद्धि करने में लगे रहेंगे।

रसेश पद का अधिकार सूर्य को प्राप्त होने से देश में कहीं सुखे तथा कहीं बाढ़ आदि के प्रकोप से अकाल-जन्य स्थितियाँ उत्पन्न होंगीं। श्रेष्ठ वर्ग एवं ब्राह्मण वर्ग के अधिकांश लोग अपने वेदविहित, शास्त्रादि आचरण मर्यादाओं एवं कर्त्तव्यों से च्युत रहेंगे। जनता में प्रेम की कमी तथा उग्रता, प्रतिशेध, आवेश की भावनाएँ बढ़ेंगीं। जनता में गरीबी एवं अमीरी के बीच का अन्तर बढ़ेगा।

नव विक्रम संवत् २०७८ का प्रवेश वृष लग्न में होने तथा लग्नेश की व्यय भाव में स्थिति एवं लग्न में मंगल एवं राहु की युति होने से उत्तर दिशा के सीमा प्रान्तों पर अशांति और असुरक्षा का वातावरण बना रहेगा। उत्तरी प्रान्तों, उत्तरी सीमाओं और उत्तरी देशों में भयंकर प्राकृतिक आपदाओं, उग्रवाद, आतंकवाद, युद्ध एवं विस्फोट आदि से भारी जन-धन की हानि होगी। विश्व के किसी प्रमुख नेता की गलत नीतियों द्वारा विश्व एवं देश के समक्ष गम्भीर संकट समुपस्थित हो सकते हैं, तथा विश्व अथवा एशिया के किसी विशिष्ट प्रमुख नेता की पदच्युति या संहार भी संभव है। भारत देश की प्रभाव राशि मकर में १४ सितम्बर, २०२१ ई. से २० नवम्बर २०२१ ई. तक गुरु-शनि युति होने से क्लिष्ट एवं पेचिदा रोगों, युद्ध, दुर्भिक्ष आदि से जनता का विनाश तथा अनाज आदि भोग पदार्थों की कमी होगी। १३ अप्रैल, २०२१ ई. को मंगल ग्रह के मिथुन राशि में प्रवेश करने से शनि के साथ षडष्टक योग बनने से पाकिस्तान, चीन, नेपाल और रूस आदि देशों की नीतियाँ एवं योजनएँ भारत, अमेरिका एवं पश्चिमी देशों को प्रभावित करेंगीं।

संवत् २०७८ में लग्नस्थ, मंगल-राहु की युति तथा राजा और मंत्री का पद मंगल को प्राप्त होने से उत्तरी-पश्चिमी देशों एवं प्रान्तों में भयंकर

अग्नि-जन्य, विस्फोट, हिंसात्मक, साम्प्रदायिक, उपद्रव, उग्रवाद, आतंकवाद तथा कामाधिक्य के कारण बलात्कार-व्यभिचार, आदि घटनाएँ घटित होंगीं। संवत् २०७८ में २० जुलाई, २०२१ ई. से संवत् के अंत तक शनि, मंगल और गुरु की स्थिति निश्चित रूप से कई देशों में भयंकर उग्रवाद अथवा युद्धात्मक वातावरण से भारी जन-धन की हानि करेगी।

भारत की प्रभाव राशि मकर में संवत् पर्यन्त शनि की स्थिति होने से भारत में आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने के लिए विविध नए आयाम बनेंगे तथा बहु-राष्ट्रीय कम्पनियाँ भारत में निवेश करेंगीं, परिणाम स्वरूप भारत की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, जिससे भारत देश महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर होगा। वर्ष प्रवेश कुंडली के सप्तम भाव में केतु की स्थिति होने से वैश्विक स्तर पर उथल-पुथल एवं युद्धजन्य स्थितियाँ उत्पन्न होंगीं तथापि भारत के धैर्य एवं संयम की वैश्विक स्तर पर प्रशंसा होगी।

नव विक्रम संवत् २०७८ में जगत् लग्न मकर तथा लग्नेश शनि की लग्न में स्थिति एवं मंगल के साथ षडष्टक योग के कारण राजनीतिज्ञों में परस्पर घोर वैमनस्य और वैमत्य रहेगा, किन्तु मंगल पर गुरु की पूर्ण दृष्टि होने से शासन-तन्त्र द्वारा देश-हित में लिए गए निर्णय निरस्त नहीं होंगे। भारत की प्रभाव राशि मकर में शनि की स्वगृह-स्थिति से वैश्विक स्तर पर भारत की ख्याति, प्रतिष्ठा एवं गरिमा में वृद्धि होगी।

गोचर ग्रह स्थिति के आधार पर भारत को शनि-मंगल-सूर्य-शुक्र एवं राहु जन्य अशुभ, नेष्ट फलस्वरूप पाकिस्तान, चीन, उत्तर कोरिया आदि देशों से सजग एवं सचेष्ट रहने की आवश्यकता है। इस वर्ष देश में कई स्थानों पर घोषित-वा-अघोषित युद्धजन्य परिस्थितियाँ उत्पन्न होंगीं, तथा जनता परेशान एवं दुखी रहेगी। नव संवत् २०७८ में जगत् लग्न कुण्डली के एकादश भाव में केतु की स्थिति होने से वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारी उथल-पुथल होगी तथा सम्पूर्ण विश्व वाणिज्य क्षेत्र में आदान-प्रदान की कमी से घोर आर्थिक मंदी के शिकंजे में आ जाएगा। लग्न पर मंगल की उच्च दृष्टि विश्व में भयावह वातावरण एवं उथल-पुथल का संकेत कर रही है। किन्तु मंगल पर गुरु ग्रह की पूर्ण एवं शुभ दृष्टि से अमरीका सहित प्रमुख देश विश्व-शांति हेतु प्रयासरत रहेंगे परन्तु गोपनीय रूप से अमरिका, चीन, रूस, उत्तरी कोरिया, ईरान, भारत और पाकिस्तान आदि सभी देश अपनी परमाणु एवं ऊर्जा-शक्ति की आढ में अत्याधुनिक संहारक हथियारों के संग्रह में संलिप्त रहेंगे। जगत् लग्न में भारत की प्रभाव राशि मकर पर मंगल की उच्च दृष्टि तथा शनि की स्वराशि में स्थिति होने के कारण विश्व-पटल एवं राजनैतिक-मञ्च पर भारत की प्रतिष्ठा एवं वर्चस्व में वृद्धि होगी। वर्ष कुंडली एवं जगत् लग्न कुंडली में ग्रहों की स्थिति के आधार पर कुछ देशों और प्रान्तों में महामारी, भूकम्प, भूस्खलन, उल्कापात, विद्युत्-पात, अग्निदाह, बाढ़ और सूखे के कारण भारी जन-धन की हानि होगी। जगत् लग्न जिस व्यक्ति के जन्म लग्न अथवा जन्म राशि से ६, ८ या १२ भाव में स्थित होते हुए किञ्चित-मात्र भी पाप प्रभाव में हो तो उस व्यक्ति विशेष के लिए संवत् कष्टप्रद और अशुभ फलदायक होता है।

शनि की साढ़ेसाती एवं ढैय्या का फल-

गोचर में जब शनि जिस जातक की जन्मराशि से बारहवीं राशि में प्रवेश करता है तब तत्सम्बन्धी जातक को साढ़ेसाती प्रारम्भ होती है। शनि मध्यमगति से एक राशि में ढाई वर्ष रहता है। वास्तव में जब शनि जातक की राशि पर या उसकी राशि से अग्रिम या पृष्ठस्थ राशियों पर गोचरीय भ्रमण करता है तब जातक पर शनि का शुभ और अशुभ प्रभाव भारी मात्रा में पड़ता है। शनि मध्यममान से एक राशि में अढ़ाई वर्ष रहता है। इस प्रकार जातक की राशि और उसकी राशि से पृष्ठीय तथा अग्रिम निकटस्थ राशियों में शनि स्थिति का प्रभाव अधिकतम साढ़े सात वर्ष तक रहता है। शनि का साढ़ेसात वर्ष तक प्रभाव होने के कारण ही इसे शनि की साढ़ेसाती कहते हैं। संस्कृत में इसे बृहत्-कल्याणी, मराठी में बड़ी पनोति कहते हैं। जन्मराशि से गोचरीय भ्रमण में बारहवां शनि शिर पर, जन्मराशि

का शनि हृदय या छाती पर तथा दूसरा शनि पांवों पर आया हुआ कहा जाता है। इन राशियों का शनि अत्यन्त दुष्ट एवं नीच लोगों से नाना प्रकार का कष्ट-पीड़ा एवं क्लेशदायक, पुत्र और पशुओं को पीड़ादायक, वाहनादि की हानि, रोग, मृत्यु, विदेशगमन, धन समृद्धि का विनाश, पति-पत्नी के परस्पर सुख का अभाव, राजभय, बन्धन और अन्यसुखों का अभाव करने वाला होता है।

द्वादशे जन्मगे राशौ द्वितीये च शनैश्चरः ।
सार्धानि सप्तवर्षाणि तदा दुःखैः युतो भवेत् ॥

शनि ग्रह जब जिस जातक की जन्मराशि से चौथी या आठवीं राशि में गोचरीय भ्रमण से प्रवेश करता है तब तत्सम्बन्धी जातक को शनि की क्रमशः चतुर्थस्थ एवं अष्टमस्थ ढैय्या प्रारम्भ होती है। इस प्रकार की शनि स्थिति का अशुभ प्रभाव भी जातक पर भारी मात्रा में पड़ता है। संस्कृत में इसे लघुकल्याणी तथा गुजराती व मराठी में छोटी पनोति कहते हैं। राशि से चौथी एवं आठवीं राशि में गोचरीयभ्रमण करने वाला शनि व्याधि, रोग, कष्ट, दुःख, पीड़ा, परेशानी, मृत्यु, अग्नि और शस्त्रभय, प्रदेशगमन, क्लेश एवं चिन्ता तथा भाई-बन्धुओं के साथ विरोध उत्पन्न करने वाला होता है।

लघुकल्याणी प्रददाति वै रविसुतो राशे चतुर्थाष्टमे,
व्याधिं बन्धुविरोधं विदेशगमनं, क्लेशं च चिन्ताधिकम् ॥

शास्त्रों में तथा लोकव्यवहार में शनि की साढ़ेसाती एवं ढैय्या का फल बहुत ही दुःखदायक एवं अनिष्टकारी माना गया है परन्तु यह सत्य नहीं है। शनि जातक की जन्मकुण्डली में अपनी विशेष स्थिति, दृष्टि, युति एवं अन्य ग्रहों से सम्बन्ध के आधार पर ही अच्छा और बुरा फल देता है।

जातक की जन्मकुण्डली में शनि और चन्द्रमा यदि पापयुक्त, पापदृष्ट या पापकर्त्री योग में न हो तथा शनि अपनी मित्रराशि, स्वराशि मूलत्रिकोण राशि या उच्चराशि का होकर प्रशस्त ३, ६, ११ भावों में स्थित हो तथा महादशा, अन्तर्दशा, प्रत्यन्तर्दशा, गोचर एवं अन्य शुभ योगकारक ग्रहों के आधर पर श्रेष्ठ समय चल रहा हो तो साढ़ेसाती एवं ढैय्या का अशुभ एवं अनिष्टकारी प्रभाव या तो होता ही नहीं है या बिल्कुल न्यूनतम होता है। शनि केन्द्रेश, त्रिकोणेश आदि के आधार पर शुभ या राजयोग कारक होकर शुभ भावों में स्थित हो या उसका अन्य उच्चादि राशियों में स्थित राजयोग कारक, शुभ एवं मित्र ग्रहों के साथ शुभ सम्बन्ध हो तथा गोचर में भी शुभप्रभाव युक्त हो तो साढ़ेसाती या ढैय्या जातक को विपुल धन-धान्य, राजसी सुख एवं मान-सम्मान, ख्याति, पद-प्रतिष्ठा, वैभव सब कुछ प्रदान करने वाली होती है।

विक्रम संवत् २०७८ में २४ जनवरी, सन् २०२० ई., से मकर राशि में संचरणशील शनिदेव नव वि. संवत् २०७८ के आरम्भ (१३ अप्रैल, २०२१ ई.,) से संवत् की समाप्ति (०१ अप्रैल, २०२१ ई.,) तक क्रमशः मार्गी, वक्री तथा पुनः मार्गी गति से मकर राशि में ही संचरण करेंगे। नव वि. संवत् २०७८ के आरम्भ १३ अप्रैल, २०२१ ई. से २२ मई, २०२१ ई. तक मार्गी गति से तदनन्तर २३ मई, २०२१ ई. से १० अक्तूबर, २०२१ ई. तक वक्री गति से तदनन्तर ११ अक्तूबर २०२१ से पुनः संवत् की समाप्ति पर्यन्त मार्गी गति से शनिदेव मकर राशि में ही संचरण करेंगे। अतः वि. संवत् २०७८ के प्रारम्भ से समाप्ति पर्यन्त धनु, मकर और कुम्भ राशि वाले जातकों पर शनि की साढ़ेसाती का शुभाशुभ प्रभाव तथा मिथुन और तुला राशि वाले जातकों पर शनि की ढैय्या का शुभाशुभ प्रभाव पड़ेगा। गोचर में वक्री ग्रहों के फल के विषय में मिलता है कि शनि, भौम आदि क्रूर ग्रह वक्री होने पर अधिकतम अशुभफल तथा गुरु, शुक्र आदि सौम्य ग्रह वक्री होने पर अधिकतम शुभफल देते हैं। यथा-

यदा क्रूरग्रहो वक्री अतिचारी तु सौम्यकः ।
पीडा व्याधि भयं तत्र दुर्भिक्षं राज्यविग्रहम्॥

नव संवत् २०७८ में शनिदेव जब वक्री गति से संचरण करेंगे तब शनि के अशुभ प्रभाव से प्रभावित जातक और जातिकाओं को मानसिक,

शारीरिक, आर्थिक, पारिवारिक विविध प्रकार की समस्याओं, संकटों और दु:खों से ग्रस्त और त्रस्त होना पड़ता है। समाज में राजनैतिक टकराव, अव्यवस्था, अत्यधिक महँगाई, गम्भीर रोग, महामारी, भय, दु:ख, उपद्रव, हिसंक घटनाएँ, अस्थिरता, असन्तोष, बाढ़, भूकम्प, भूस्खलन, दुर्भिक्ष आदि विविध प्राकृतिक प्रकोपों का भय एवं असुरक्षा का वातावरण बनता है।

परन्तु शनि साढ़ेसाती एवं ढ़ैय्या के शुभाशुभ प्रभाव की मात्रा जातक की जन्मकुण्डली में शनि की स्थिति पर निर्भर होती है। यदि जन्मकुण्डली में शनि नीच राशि, शत्रुराशि, अस्त, वक्री, पापाक्रान्त, पाप ग्रहों से युत या दृष्ट हो तो शनि की साढ़ेसाती एवं ढ़ैय्या का बुरा प्रभाव जातक पर अधिकतम होगा, इसके विपरीत यदि जन्मकुण्डली में शनि अपनी उच्च राशि, मूलत्रिकोण राशि, स्वराशि, मित्रराशि, मार्गी, शुभाक्रान्त, शुभग्रहों से युत या दृष्ट आदि शुभ स्थिति में हो तो शनि की साढ़ेसाती एवं ढ़ैय्या का अशुभ प्रभाव जातक पर नहीं पड़ेगा या न्यूनतम ही पड़ेगा किन्तु यदि शनि योगकारक आदि होकर षोडशवर्ग, अष्टकवर्ग एवं षड्बल आदि के आधार पर बली सिद्ध हो तो शनि की साढ़ेसाती एवं ढ़ैय्या में जातक को अप्रत्याशित सफलता और सम्पन्नता आदि अनेक शुभफलों की प्राप्ति होती है। जिन जातकों की जन्मकुण्डली में शनि पाप स्थिति या सम्बन्ध में होता है उन्हें शनि की साढ़ेसाती एवं ढ़ैय्या में मानसिक व्यथा, रोग-पीड़ा, दु:ख-कष्ट, गृह-क्लेश, चोर-भय, अग्निभय, जलभय, राजभय, राजदण्ड, पदच्युति एवं अवनति आदि अशुभफलों की प्राप्ति होती है।

शनि के अशुभ प्रभाव से बचने के लिए शास्त्रों में प्रतिपादित उपायों को विधिपूर्वक सम्पन्न करने या करवाने से निश्चित रुप से लाभ होता है।

(१) शनिवासरी अमावस्या को सायंकाल में सूर्यास्त के बाद शनि पूजन, मन्त्र जाप एवं स्तोत्र पाठ करना चाहिए।

(२) प्रत्येक शनिवार को सायंकाल में शनि के बीजमन्त्रों, पौराणिक मन्त्रों या वैदिक मन्त्रों का संकल्पपूर्वक जाप करना चाहिए।

(३) शनिवार को सुन्दरकाण्ड का पाठ करना या सुनना चाहिए।

(४) शनिवार सायंकाल को पीपल वृक्ष के पास या शनि मन्दिर में तेल का दीपक जलाना चाहिए।

(५) प्रतिदिन या शनिवार को प्रात:काल में भगवान शिव का पूजन करके, पीपल वृक्ष के समीप शनि स्तोत्र का पाठ करके कच्ची लस्सी में काले तिल डालकर वृक्षमूल में लस्सी चढ़ानी चाहिए।

(६) शनिवार का व्रत रखना चाहिए।

(७) काले घोड़े की नाल या नाव के तल में लगी हुई कील से निर्मित अँगूठी या शनियन्त्र या नीलम रत्न जड़ित मुद्रिका को विधिपूर्वक शुभ मुहूर्त में निर्माण करवाकर शुभमुहूर्त में शनिवार को विधियुक्त पूजा करके धारण करना चाहिए।

(८) शनिवार को बन्दरों को गुड़ और चना खिलाना चाहिए।

(९) शनिवार को पक्षियों को सप्तधान्य डालना श्रेयस्कर है।

(१०) शनिवार को सप्तधान्यादि का या काले पदार्थों, काले वस्त्रों आदि का दान करना चाहिए।

(११) शनि साढ़ेसाती, ढैय्या एवं शनि पाया के अधिकतम अशुभ फल की शान्ति के लिए बीज मन्त्रों, वैदिक मन्त्रों या महामृत्युञ्जय आदि मन्त्रों का पर्याप्त संख्या में जाप एवं हवन करना चाहिए।

(१२) छायापात्र दान, तुलादान, भूदान, स्वर्णदान आदि का दान करना चाहिए।

(१३) तेल में मुख देखकर उस तेल में उड़द की दाल के नानाविध मीठे और नमकीन पक्वान्न बनाकर गरीबों, मजदूरों, कुष्ठरोगियों आदि को खिलाने चाहिए, इसके अतिरिक्त काले कुत्ते, भैंसे या साँड आदि को खिलाना भी श्रेयस्कर रहेंगें।

शानिजन्य अरिष्ट दोषों के शमनार्थ प्रदत्त उपायों को किसी विशेष शुभ-मुहूर्त में शनिवार से प्रारम्भ करके प्रतिदिन या प्रत्येक शनिवार को करना चाहिए तथा विशेष उपायों को शनैश्चरी अमावस्या को करना या करवाना चाहिए। उपरोक्त किसी भी उपाय को करने से निश्चित रूप से शनि-जनित अरिष्टों की शान्ति होती है।

आय व्यय चक्र द्वारा शुभाशुभ फल -

संवत् में लाभ-हानि का ज्ञान करने हेतु आय-व्यय चक्र -

आय-व्यय चक्र (विंशोत्तरी मतानुसार)
(सम्वतसर २०७८ का राजा-मंगल)

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
आय	०२	११	०२	११	१४	०२	११	०२	१४	०८	०८	१४
व्यय	१४	०५	०५	१४	११	०५	०५	१४	०२	०५	०५	०२

आगामी सम्वत्सर में जातक से सम्बन्धित शुभाशुभ फल ज्ञात करने हेतु आय-व्यय बोधक चक्र में जातक की राशि के लाभ-हानि अंकों के योग में से एक घटाकर शेष को ८ से भाग दें। भाग देने पर यदि शेष, १, २, ६, ७ बचे तो अभीष्ट सम्वत् में जातक को उत्तम लाभ होगा। शेष ३, ४, ५ या ८ हो तो लाभ से अधिक व्यय होने से परेशानियाँ बढ़ती हैं। अर्थात् शेष ०१ में लाभ, ०२ में सौख्य, ०३ में क्लेश, ०४ में रोग, ०५ में मिथ्या अपवाद, ०६ में सम्मान, ०७ में विजय, ०८ या ० में हानि समझनी चाहिए।

यथोक्तम् -

लाभव्ययौ समौ कृत्वा एकहीनं तु कारयेत्।
अष्टभिस्तु हरेद्भागं शेषाङ्के फलमादिशेत्।।
लाभं सौख्यं तथा क्लेशं रोगं लोकापवादनम्।
सम्मानं विजयं हानिं कथितं पूर्वसूरिभिः।।

राशि स्वामी के ध्रुवाङ्कों द्वारा संवत् २०७८ में लाभ-व्यय ज्ञान -

संवत् में जिस जातक से सम्बन्धित लाभ-व्यय ज्ञान अपेक्षित हो सर्वप्रथम उस जातक की राशि स्वामी के ध्रुवाङ्कों में अभीष्ट वर्ष के राजा के ध्रुवाङ्कों को जोड़ देते हैं। योगफल को ३ से गुणाकर, गुणनफल में ५ जोड़कर १५ से भाग देने पर जो शेष बचे वह लाभ होता है। लब्धि को 3 से गुणा करने पर गुणनफल में ५ जोड़ने तथा योगफल में १५ से भाग देने पर जो शेष रहे वह खर्च जानना चाहिए। सम्वत् २०७८ में मेषादि द्वादश राशियों के जातकों हेतु लाभ-हानि की मात्रा का समानुपातीय ज्ञान ध्रुवाङ्क चक्र द्वारा स्पष्ट है।

लाभ-हानि चक्र (ध्रुवाङ्कों के आधार पर)

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
आय	०८	०२	०५	१४	०२	०५	०२	०८	११	१४	१४	११
व्यय	१४	०८	०५	०२	१४	०५	०८	१४	०५	१४	१४	०५

इतीदं वत्सरफलं वत्सरादि - तिथौ शुभम् ।
यः श्रृणोति नरो भक्त्या स सुखी वत्सरं भवेत्।।

प्रो. विनोद कुमार शर्मा
आचार्य एवं अध्यक्ष
ज्योतिष-विभाग

विक्रम संवत् २०७८ सन् २०२१-२०२२ ई. में मेषादि द्वादश राशियों का मासिक-फल

मेष (ARIES) चु, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ ।

यह वर्ष आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। वर्षारम्भ में राशीश मंगल राशि से तृतीय स्थान में रहेगा और भाग्येश गुरु की एकादश स्थान से विशेष पंचम दृष्टि शुभ फलदायक रहेगी, अतः उत्साह एवं पराक्रम में वृद्धि रहेगी, शत्रुपक्ष निर्बल रहेगा, धर्म में रुचि बढ़ेगी, सामाजिक व धार्मिक कार्यों को करने से समाज में मान-सम्मान व यश बढ़ेगा। कार्य-व्यवसाय में लाभ के अवसर मिलेंगे १४ अप्रैल से १४ मई तक सूर्य इस राशि पर स्वोच्य का रहेगा अत एव कार्यक्षेत्र व व्यवसाय में उन्नति होगी, रोजगार के नवीन अवसर प्राप्त होंगे, अनेक संसाधनों से धनागम, उच्च प्रतिष्ठित लोगों के सम्पर्क से मान-सम्मान में वृद्धि, उच्चशिक्षा प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होगा २ जून से मंगल के स्वनीच राशि में रहने के कारण स्वास्थ्य मध्यम रहेगा, बनते कार्यों में व्यवधान उत्पन्न होंगे। भवन, भूमि वाहन संबधी कार्यों में कठिनाई रहेगी। शेष वर्ष उतार-चढ़ाव भरा रहेगा शान्ति हेतु हनुमदुपासना श्रेयस्कर रहेगी।

चैत्र शुक्ल पक्ष-वैशाख (१३ अप्रैल से २६ मई २०२१ ई. तक)

यह समय आपके लिए अनुकूल फलदायक रहेगा। एकादश स्थान से भाग्येश गुरु की दृष्टि राशीश मंगल पर हरेगी अतः चिरलंवित मनोकामनाएँ पूर्ण करने का अवसर प्राप्त होगा। उत्साह व पराक्रम में वृद्धि रहेगी, अनेक लंवित कार्य अपने विवेक से सुलझाने में सक्षम रहेंगे अतः मनोबल उच्च रहेगा, समाज में अग्रणी रहेंगे, मान-सम्मान, भूमि भवन वाहन का सौख्य रहेगा। भातृपक्ष व राज्य पक्ष से सहयोग व लाभ प्राप्त होगा। धनागम के अनेक संसाधन प्रशस्त होंगे। १४, १५, १६, २४, २५, २६, २७ अप्रैल एवं २, ३, ४, १२, १३, १४, २१, २२, २३ मई के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (२७ मई से २४ जुलाई २०२१ ई, तक)

यह समय आपके लिए अनुकूल फलदायक रहेगा। भूमि, भवन, वाहन का सौख्य रहेगा बन्धुवर्ग व परीजनों का सहयोग रहने से उन्नति के अनेक मार्ग प्रशस्त होंगे। कार्य-व्यवसाय के क्षेत्र में अनेक लाभकारी योजनाएँ क्रियान्वित होगी। निर्माण कार्यों में पूँजी निवेश से उत्तम लाभ प्राप्त होगा। परिवार में सुख-शन्ति का वातावरण रहेगा। माता का स्वास्थ्य किञ्चित नरम रहेगा। सन्तान पक्ष से सहयोग रहेगा। २९, ३०, ३१ मई ८, ९, १०, १७, १८, १९, २६, २७, २८ जून एवं ५, ६, ७, १५, १६, १७, २३, २४ जुलाई के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

श्रावण-भाद्रपद (२५ जुलाई से २० सितम्बर २०२१ ई, तक)

यह समय आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा। सन्तान पक्ष से शिक्षा के उच्च अवसर प्राप्त होंगे। गृह निर्माण के कार्यो से मान-सम्मान व धनागम के अनेक संसाधन बनेंगे। मातृपक्ष, बन्धुवर्ग व रिश्तेदारों के सहयोग से आय के स्त्रोतों में वृद्धि होगी परिवार कुटुम्ब में शान्ति सुख व मांगलिक कार्यों का वातावरण बनेगा। सन्तान पक्ष की उन्नति से संतोष रहेगा। १, २, ३, ११, १२, १९, २०, २१, २९, ३० अगस्त एवं ७, ८, ९, १६, १७, १८ सितम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

आश्विन-कार्तिक (२१ सितम्बर से १९ नवम्बर २०२१ ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। ६ सितम्बर से मंगल कन्या राशि में सञ्चार करेगा अतः शत्रु वर्ग प्रबल रहेगा, लाभकारी योजनाएँ किञ्चित लम्बित रहेगी। स्वास्थ्य भी नरम रहेगा। संक्रमण ज्वारादि से शरीर क्षीण रहेगा। लाभ के स्त्रोत बने रहेंगे। किसी पुराने झगड़े व मुकदमें का परिणाम आपके पक्ष में आ सकता है। भूमि, भवन व वाहन में द्रव्य निवेश लाभकारी रहेगा। २५, २६, २७ सितम्बर ५, ६, १३, १४,

१५, २२, २३, २४ अक्टूबर एवं १, २, ३, ९, १०, १९ नवम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

मार्गशीर्ष-पौष (२० नवम्बर २०२१ ई. से १७ जनवरी २०२२ ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। व्यवसाय एवं कार्यक्षेत्र में नवीन अनुबन्ध हो सकते हैं। साझेदारी के कार्य से धनागम के मार्ग प्रशस्त होंगे। दूर पास की यात्राएँ रोजगार के नवीन अवसर प्रदान करेंगी। पति/पत्नी से कुछ वैचारिक मतभेद व अनबन रह सकती हैं जिससे दामपत्य सुख में न्यूनता रहेगी रोजगार की नवीन योजनाएँ क्रियान्वित होने से संतोष रहेगा। देश-विदेश की यात्राएँ व्यय में वृद्धि करेगी। २०, २९, ३० नवम्बर ७, ८, ९, १६, १७, १८, २६, २७, २८ दिसम्बर एवं ३, ४, ५, १३, १४ जनवरी के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण पक्ष (१८ जनवरी से ०१ अप्रैल २०२२ ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में आकस्मिक विदेश यात्राओं से व्यय में वृद्धि रहेगी। शत्रुवर्ग की ईर्ष्या का सामना करना पड़ेगा किन्तु उत्तरार्ध में भाग्येश गुरु के शुभफल से कठिनाईयों का अन्त होगा। आर्थिक, सामाजिक, मानसिक, शारिरीक सुदृढ़ता प्राप्त होगी। कार्य व्यवसाय में धनागम के अनेक मार्ग प्रशस्त होंगे। परिवार व बन्धु वर्ग का सहयोग सफलता की ऊँचाइयों पर ले जाएगा। २२, २३, २४, ३०, ३१ जनंवरी ९, १०, ११, १९, २०, २७, २८ फरवरी एवं ८, ९, १०, १८, १९, २६, २७ मार्च के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

वृष (TAURUS) ई, उ, ए, ओ, वा, वि, वू, वे, वो।

यह वर्ष आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। वर्षारम्भ से वर्षभर राहु का विपरीत संचार रहेगा। संघर्ष की अधिकता रहेगी। बनते कार्यो में विघ्नों का सामना करना पड़ सकता है। १७ मार्च २०२१ से अप्रैल तक शुक्र स्वोच्च मीन राशिस्थ रहेगा, फलस्वरूप अकस्मात धन लाभ तथा कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी। साथ ही धन व्यय का भी योग रहेगा १० अप्रैल २०२१ से ०३ मई तक शुक्र द्वादशस्थ होगा फलस्वरूप शारीरिक कष्ट चोट तथा दुर्घटना की स्थिति रहेगी। खर्च की अधिकता हो सकती है। ०४ मई से २० मई तक वृषभ राशि गत शुक्र होगा इस अवधि में बिगड़े हुए कार्यों में सुधार होगा, शुभ समाचारों से मन प्रसन्न रहेगा। ३० अक्टूबर से ०७ दिसम्बर तक अष्टम धनु राशि में भावस्थ होने से पारिवारिक स्थिति असन्तोष रहेगा। कृषि उद्योग व राजनीति के क्षेत्र में बाधाएँ रहेगी। छोटे लोगों से सावधानी लाभदायक होगा। स्थान परिवर्तन व वाद-विवाद कलह का कारण बनेगा। वात-कफादि-विकार होगा, दुर्गापाठ व वाल्मीकि रामायण का सुन्दरकाण्ड पाठ से श्रेयस्कर फल मिलेगा।

चैत्र शुक्ल पक्ष-वैशाख (१३ अप्रैल से २६ मई २०२१ ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में संर्घष की स्थिति रहेगी। परन्तु शुक्र के उच्च राशि में होने से अकस्मात् धन की प्राप्ति होगी। व्यापार व रोजगार सम्बन्धि नवीन योजनाएँ कार्यान्वित होंगी। आय की उच्च स्तरीय वृद्धि होगी। बहुत से कार्यों में सुधार होगा। साथ ही खर्च के साधनों में भी बढ़ोतरी होगी। दूर व पास की आकस्मिक यात्राएँ व्ययकारी रहेगी। १७, १८, १९, २६, २७ अप्रैल एवं ४, ५, ६, १४, १५, १६, २३, २४, २५ मई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (२७ मई से २४ जुलाई २०२१ ई, तक)

यह समय आपके लिए निम्न फलदायक होगा। मासारम्भ में शुक्र द्वादशस्थ राशि में रहेगा, फलस्वरूप शारीरिक कष्ट की सम्भावना रहेगी। उत्तेजना में वृद्धि होगी, मन खिन्न रहेगा। साथ ही व्यर्थ के खर्चो में भी बढ़ोत्तरी होगी। बहुत से बनते हुए कार्यों में विघ्न होगा। विदेश जाने की स्थिति रहेगी। नेत्र व पेट से सम्बन्धित रोग होने की सम्भावना रहेगी। ३१ मई १, २, १०, ११, १२, २०, २१, २८, २९ जून एवं ८, ९, १०, १७, १८ जुलाई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

श्रावण-भाद्रपद (२५ जुलाई से २० सितम्बर २०२१ ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में क्रोध के कारण पारिवारिक स्थिति अस्थिर रहेगी। पति/पत्नि का वैचारिक गतिरोध असिमित रहेगा। कम आय और खर्च अधिक होने की सम्भावना रहेगी। अधिक परिश्रम व अधिक पुरुषार्थ करने पर गुजारे लायक धन की प्राप्ति होगी। आपको कार्यों व व्यवसायों में अनेक प्रकार के उतार-चढ़ाव होते रहेंगे। मासान्त तक कुछ योजनाओं की पूर्ति व समय उत्तम रहेगा। पैत्रिक सम्पति की प्राप्ति होगी। २५, २३, २७ जुलाई १, २, ३, १३, १४, १५, २२, २३ अगस्त एवं १, २, ९, १०, ११, १८, १९ सितम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

आश्विन-कार्तिक (२१ सितम्बर से १९ नवम्बर २०२१ ई. तक)

यह समय आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा। गत किये गये प्रयासो के फलस्वरूप सुख व प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। पारिवारिक भाव में शुक्र का संचार होने से बहूत से कार्य लाभप्रद रहेगे। धन का सदुपयोग होने से धैर्य व संतोष रहेगा। १० अगस्त तक निर्वाह के योग बनेंगे, पति/पत्नि के प्रेम सम्बन्ध मधुर रहेंगे, प्रिय मित्रों से मुलाकात होंगे। धार्मिक क्रियाओं से रूचि रहेगी। मासान्त में समय निम्न रहेगा। २८, २९, ३० सितम्बर ७, ८, ९, १५, १६, १७, २५, २६, २७ अक्टूबर एवं ३, ४, १२, १३, १४ नवम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

मार्गशीर्ष-पौष (२० नवम्बर २०२१ ई. से १७ जनवरी २०२२ ई, तक)

यह समय आपके लिए निम्न फलदायक रहेगा। विद्यार्थियों को अध्ययन के क्षेत्र में अरूचि रहेगी। मन खिन्न रहेगा। तथा स्थिति में भी कुछ विघ्नों का सामना होगा। अनावश्यक वाद-विवाद की सम्भावना रहेगी। वाणी पर संयम रखे अनावश्यक क्रोध हानिकारक रहेगा। शरीर से कष्ट रहेगा। मूत्र-विकार, वात-विकार की सम्भावना रहेगी। बहूत से जातकों को सन्तान सुख में विलम्ब होगा। २१, २२, २३, नवम्बर १, २, ९, १०, ११, १८, १९, २०, २८, २९, ३० दिसम्बर एवं ५, ६, ७, १५, १६, १७ जनवरी के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण पक्ष (१८ जनवरी से ०१ अप्रैल २०२२ ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में नवीन कार्यो की योजना बनेगी। सरकारी अनुबन्धों से धनागम के मार्ग प्रशस्त होगें केतु व शुक्र के सहियोग के कारण मानसिक स्थिति अच्छि रहेगी। विशिष्ट व्यक्तियों से मुलाकात होगी। नवीन कार्यों में बढ़ोत्तरी होगी। शुभ संदेश मिलते रहेंगे। पदोन्नति की संभावना रहेगी। धन संग्रह के कारण मन प्रसन्न रहेगा। भौतिक सुखों की प्राप्ति होगी। स्त्री पक्ष से मन सुखी रहेगा। २५, २६ जनवरी १, २, ३, ११, १२, १३, २०, २१, २२ फरवरी एवं १, २, ३, ११, १२, १३, २०, २१, २२, २८, २९, ३० मार्च के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

मिथुन (GEMINI) क, कि, कु, घ, ङ, छ के, को, ह ।

वह वर्ष आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मान-सम्मान रोजगार, आर्थिक एवं पारिवारिक सुख की दृष्टि से यह वर्ष शुभफलदायक रहेगा। नये-नये रोजगार स्थापित करेंगे एवं धनागम के कई स्त्रोत प्राप्त होंगे। आर्थिक प्राप्ति एवं दाम्पत्य सुख से मन प्रसन्न रहेगा। छठें स्थान में राहु की स्थिति भूमि भवन-वाहन के सुख में बाधाएँ दे सकती है। शिक्षा एवं व्यापार हेतु विदेश गमन का योग बनेगा। छठें स्थान का शनि शत्रुपक्ष से कष्ट दे सकता है साथ ही आकास्मिक लाभ एवं विदेश यात्रा का भी योग बनेगा। वर्ष के मध्य में भूमि भवन वाहनादि का योग है, व्यय की अधिकता से मानसिक चिन्ता एवं तनाव रहेगा। शत्रुपक्ष के अनेक प्रयासों के पश्चात भी मनोबल बना रहेगा। संतानपक्ष से सौख्य रहेगा। दाम्पत्य-जीवन में हर्ष व उत्साह का वातावरण रहेगा। वर्ष के उत्तरार्ध में कठिन परिश्रम एवं संघर्ष से समय-समय पर कार्य सिद्धि होते रहेंगे। न्यायालयादि के लम्बित कार्य

सम्पूर्णता को प्राप्त होंगे। कुटुम्ब-परिवार में सामजस्य रहेगा अनिष्ट निकृति हेतु गणपति की अचर्ना श्रेयस्कर रहेगी।

चैत्र शुक्ल पक्ष-वैशाख (१३ अप्रैल से २६ मई २०२१ ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में मातृ-कष्ट, भ्रातृपक्ष से असहयोग से मन खिन्न रहेगा। २० मई से राशीश के वक्री होने से शारीरिक कष्ट और मानसिक उलझन की स्थिति रहेगी, त्वचा-रोग, कफ-पित्त-वायु विकार, संक्रमण रोगों से सतर्क रहें। मासान्त में आर्थिक, पारिवारिक व व्यवसायिक स्थिति सुधरने से किञ्चित तनाव घटेगा। शत्रुवर्ग से मानसिक कष्ट प्राप्त होगा। सूझ-बूझ विवेक से स्थिति संभलेगी। २०, २१, २२, २८, २९, ३० अप्रैल एवं ७, ८, ९, १७, १८, १९, २६ मई के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (२७ मई से २४ जुलाई २०२१ ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ कार्य क्षेत्र में पराक्रम व बल पर अर्थिक लाभ होगा। थोड़े प्रयास से ही कार्य-सिद्धि होगी, भ्रातृपक्ष के सहयोग से व्यवसाय में उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। भूमि-भवन-वाहनादि के क्रय-विक्रय में सावधानी बरतना हितकार रहेगा। धोखा-धड़ी से हानि हो सकती है। माता के सहयोग से पैतृक सम्पति प्राप्त होगी। गृहसज्जा व मनोरंजन में रूचि बढ़ेगी, परिवार कुटुम्ब में मांगलिक कार्यों से मन प्रसन्न रहेगा। ३, ४, ५, १३, १४, १५, २२, २३, ३० जून एवं १, २, १०, ११, १२, १९, २०, २१ जुलाई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

श्रावण-भाद्रपद (२५ जुलाई से २० सितम्बर २०२१ ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मान-सम्मान में वृद्धि समाज के कल्याणकारी कार्यों से यश-प्राप्ति होगी, सन्तान पक्ष व स्त्रीपक्ष से सहयोग रहेगा। धनागम व लाभ के मार्ग प्रशस्त होंगे, स्थायी कोष में वृद्धि होगी, बन्धु बान्धवों के सहयोग से नए-नए रोजगार स्थापित करेंगे। आय के स्रोतों में वृद्धि होगी शत्रुवर्ग षडयन्त्र करेगा। किन्तु असफल रहेगा। मासान्त में त्वचा रोग, संक्रमक रोग, पित्त, कफ-वायु विकार से सतर्क रहें। २८, २९, ३० जुलाई ६, ७, ८, १६, १७, २४, २५, २६ अगस्त एवं ३, ४, ५, १२, १३, २० सितम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

आश्विन-कार्तिक (२१ सितम्बर से १९ नवम्बर २०२१ ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ राशि से दशम स्थान में राशीश की स्थिति के कारण कार्यक्षेत्र एवं व्यवसायिक दृष्टि से अनुकूल फल की प्राप्ति होगी, पैतृक संपत्ति का लाभ मिलेगा, समुदाय मे मान-सम्मान व यश की प्राप्ति होगी। मध्य में अनेक वर्षो से लम्बित कार्य सिद्ध होंगे। मनोनुकूल फल से प्रसन्नचित्त रहेंगे। पारिवारिक वातावरण सौहार्दपूर्ण रहेगा। मासान्त में स्वास्थ्य किञ्चित नरम रहेगा। औषधि आदि पर व्यय बढ़ेगा। पित्त-कफ-वायु विकार, स्कन्धों में पीड़ा, भोजन नली संबंधी समस्याओं से सर्तक रहें। २१, २२, ३० सितम्बर १, २, ९, १०, ११, १७, १८, १९, २८, २९, ३० अक्टूबर एवं ५, ६, ७, १४, १५, १६ नवम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

मार्गशीर्ष-पौष (२० नवम्बर २०२१ ई. से १७ जनवरी २०२२ ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। कार्यक्षेत्र में कठिन परिश्रम व पराक्रम थे बल पर लाभ होगा व्यवसायिक योजना को क्रियान्वित करने की आवश्यकता रहेगी। भूमि-भवन-वाहन सम्बन्धी समस्याएँ मन को व्यथित करेगी। समीप-दूर की यात्राएँ लाभकारी रहेगी। विदेश गमन का भी अवसर प्राप्त होगा। तीर्थ यात्राओं व शोभा यात्राओं में रूचि बढ़ेगी। परिवार-कुटुम्ब में मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। २४, २५, २६ नवम्बर ३, ४, ११, १२, १३, २१, २२, २३, ३०, ३१ दिसम्बर एवं ८, ९, १७ जनवरी के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण पक्ष (१८ जनवरी से ०१ अप्रैल २०२२ ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी, लाभ के मार्ग प्रशस्त होंगे भाग्य बली रहेगा, अनेक कार्य सहज ही सिद्ध होंगे। धनलाभ के स्त्रोत बनेंगे। संतान पक्ष से शिक्षा-दीक्षा संबंधी शुभ-समाचार मिलेंगे। मासान्त में बन्धु-बान्धवों के सहयोग से नए रोजगार स्थापित करेंगे। शत्रुपक्ष को पराजित करने में सफल रहेंगे। वाहन चलाते समय विशेष ध्यान रखें, पैर में चोट-चपेट लग सकती है। १८, १९, २६, २७, २८ जनवरी ३, ४, ५, १४, १५, १६, २३, २४, २५ फरवरी एवं १३, १४, १५, २२, २३, २४, ३०, ३१ मार्च के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

कर्क (CANCER) हि, हू, हे, हो, डा, डि, डू, डे, डो।

यह समय आपके लिए सामान्य प्रभाव वाला रहेगा। वर्षारम्भ में शुभ संकेतों की सम्भावना रहेगी, परन्तु सप्तमेश, अष्टमेश शनि का वर्षभर प्रभाव रहेगा। अधिकांश कार्य विलम्ब से होने की सम्भावना रहेगी। नवीन कार्य योजनाओं को चिन्ता वढ़ सकती है आय के साधन निम्न बने रह सकते है। वर्षभर में स्त्री पक्ष से कलह व अपमान पति/पत्नी में वैचारिक वैमनस्य व प्रेम के सम्बन्धों में विघ्न की सम्भावना रहेगी। शत्रुपक्ष से षड्यन्त्रों की स्थिति रहेगी। किन्तु भाई बन्धु व पितृपक्ष से सहयोग प्राप्त होता रहेगा। धार्मिक क्रियाकलापों में वृद्धि होगी। नये लोगों से मान सम्मान मिलने की स्थिति रहेगी। उदरपीड़ा, वातदोष, रक्तविकार गम्भीर चोट व कफादि की सम्भावना रहेगी सम्पूर्ण वर्ष अष्टम स्थान में गुरु की स्थिति वित्त एवं सौख्य के लिए बाधक रहेगी। आय-व्यय का संतुलन प्रभावित रहेगा, तथापि राशीश से मित्रता होने से समाज में कार्य व्यवहार चलता रहेगा। कार्य-व्यवसाय में नरमी के बाद भी आय की सम्भावना बनी रहेगी। अरिष्ट परिहार हेतु शनि का दान (काला वस्त्र, लोहा) एवं गुरु की पूजा श्रेयस्कर रहेगी।

चैत्र शुक्ल पक्ष-वैशाख (१३ अप्रैल से २६ मई २०२१ ई. तक)

यह समय आपके लिए मध्यम फलदायक रहेगा। भाग्य किञ्चित मन्दफलदायक रहेगा। आयात-निर्यात संबंधी कार्य व्यवसाय से किञ्चित लाभ मार्ग प्रशस्त होंगे। पति/पत्नी से सम्बन्ध सुधरेंगे, लम्बित कार्य की सिद्धि आनन्ददायक रहेगी। कार्य क्षेत्र व व्यवसाय में किए गए प्रयासो से उत्तरोत्तर सफलता मिलेगी। आय-व्यय की व्यवस्था में संतुलन की कमी से वित्तीय क्षेत्र में असफलता का सामना करना पड़ सकता है। १३, १४, २२, २३, ३० अप्रैल एवं १, २, ९, १०, ११, १९, २०, २१ मई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (२७ मई से २४ जुलाई २०२१ ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में समय संर्घषपूर्ण रहेगा। कार्यक्षेत्र व व्यवसाय में कड़ी प्रतियोगिता का सामना करना पड़ सकता है, कठोर परिश्रम अपेक्षित रहेगा। पति/पत्नी से संबंध कटु रहेंगे। समीप-दूर की यात्राएँ व्यय कारक रहेंगे। मासान्त में शत्रु पक्ष से वाद-विवाद व झगड़े की संभावना रहेगी। अतः वाणी पर संयम रखना आवश्यक होगा। २७, २८, २९ मई ५, ६, ७, १५, १६, २४, २५ जून एवं ३, ४, ५, १२, १३, १४, २१, २२, २३ जुलाई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

श्रावण-भाद्रपद (२५ जुलाई से २० सितम्बर २०२१ ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में कार्यक्षेत्र में उत्तम लाभ प्राप्त होगा, नवीन रोजगारों की योजनाएँ कार्याविन्त होगी। साझेदारों से नवीन अनुबन्ध लाभफलदायक सिद्ध होंगे। पति/पत्नी से वैचारिक मतभेद रहेगा। देश-विदेश की यात्राओं का सुअवसर प्राप्त होगा, अनावश्यक वाद-विवाद से दूरी बनाना ही श्रेयस्कर रहेगा। ३०, ३१ जुलाई ९, १०, ११, १८, १९, २७, २८ अगस्त एवं ५, ६, ७, १४, १५ सितम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

आश्विन-कार्तिक (२१ सितम्बर से १९ नवम्बर २०२१ ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में स्वास्थ्य किञ्चित नरम रहेगा। वायु-विकारों से उदरपीड़ा, शीरशूल से कष्ट रहेगा। कार्यक्षेत्र में शत्रुभय व कठिन प्रतियोगिता का सामना करना पड़ेगा। मानसिक तनाव व धन की चिन्ता रहेगी। अनेक प्रयासों के पश्चात् धनागम व लाभ के मार्ग प्रशस्त होंगे। मासान्त में परिस्थितियाँ परिवर्तित होंगी। २३, २४, २५ सितम्बर २, ३, ४, ११, १२, १३, १९, २०, ३०, ३१ अक्टूबर एवं ७, ८, ९, १६, १७ नवम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

मार्गशीर्ष-पौष (२० नवम्बर २०२१ ई. से १७ जनवरी २०२२ ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में परिवार कुटुम्ब में गृह क्लेश से मन संतप्त रहेगा। पति/पत्नी से वैमनस्य दाम्पत्य सुख का ह्रास होगा, कार्य व्यवसाय में कठिन प्रतियोगिता का सामना करना पड़ेगा उन्नति के लिए किए गए प्रयासों को आंशिक सफलता प्राप्त होगी। स्वस्थ पक्ष से भी अनुकूल नहीं रहेगा। उदर-विकार, संक्रमण, ज्वरादि कष्ट रहेगा। क्षय रोग एवं गठिया से शरीर रक्षा आवश्यक होगी। २६, २७, २८ नवम्बर ५, ६, १३, १४, १५, २३, २४, २५ दिसम्बर एवं १, २, १०, ११, १२ जनवरी के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण पक्ष (१८ जनवरी से ०१ अप्रैल २०२२ ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में भूमि-वाहन-भवन सम्बन्धी समस्याएँ उत्पन्न होगी, आकस्मिक व्यय मानसिक कष्ट का कारण बनेंगे। कार्य व्यवसाय मन्द गति से चलेगा। भूमि भवन क्रिय के बार-बार अवसर बनेंगे। लेकिन मनवाञ्छित मूल्य प्राप्त नहीं हो पाएगा। अतः कार्य लम्बित होंगे उदर-विकार पीलिया, टायफाइड आदि रोगों से शरीर की रक्षा करना अपेक्षित होगी। २०, २१, २२, २९, ३० जनवरी ६, ७, ८, १६, १७, १८, २५, २६, २७ फरवरी ६, ७, ८, १५, १६, १७, २४, २५, २६ मार्च एवं १ अप्रैल के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

सिंह (LEO) म, मि, मु, मे, मो, टा, टि, टू, टे।

यह वर्ष आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। सम्पूर्ण वर्ष शनि स्वगृही होकर राशि से छठे स्थान में संचरण करेंगे। अतः शारीरिक कष्ट, मानसिक तनाव से ग्रस्त रहेंगे। उदर विकार, कोष्ठबद्धता रक्तचाप, विषमज्वर, नेत्ररोग, मेरुदण्ड संबंधी कष्टादि से शरीर रक्षा आवश्यक होगी। संतान पक्ष से वैचारिक मतभेद, सौहार्द की कमी रहेगी। १४ जनवरी २०२२ में शनि से युति कार्य-व्यवसाय एवं व्यापार के क्षेत्र में हानिदायक रहेगी। प्रतिस्पर्धा के कारण व्यवसाय में शत्रुवर्ग प्रबल रहेगा। आर्थिक रूप से लाभ हानि के उतार चढ़ाव से मन क्लान्त रहेगा। वर्षान्त में स्थिति कुछ संभलेगी। पति/पत्नी से संबंध सुधरेंगे, परिवार व कुटुम्ब से शन्ति का वातावरण रहेगा। राजकीय क्षेत्रों में राहत मिलेगा। उच्चाधिकारियों से समन्वय होने से धनागम के मार्ग प्रशस्त होंगे।

चैत्र शुक्ल पक्ष-वैशाख (१३ अप्रैल से २६ मई २०२१ ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। अधिकांश समय व्यर्थ के कार्यो में व्यतित होगा। पूर्वार्द्ध में किए गए प्रयासों से स्वास्थ उत्तम रहेगा समाज व समुदाय में अग्रणी रहेंगे। मासान्त में मान-सम्मान व यश प्राप्ति होगी, घर परिवार में हर्षोल्लास की स्थिति रहेगी। वातावरण के अनुकूल धनलाभ के अवसर बनेंगे। यदा-कदा व्यय की अधिकता से मन खिन्न रहेगा। १४, १५, १६, २४, २५, २६, २७ अप्रैल एवं २, ३, ४, १२, १३, १४, २१, २२, २३ मई के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (२७ मई से २४ जुलाई २०२१ ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। शत्रुओं की संख्या में वृद्धि होगी। लड़ाई झगड़े की सम्भावना रहेगी। सन्तान पक्ष से दुखी

रहेंगे। कलह के कारण परिवार की स्थिति विरोधात्मक रहेगी, पिता के कारण भी परिश्रम की स्थिति रहेगी। मासान्त में आय प्रति के स्त्रोत बनेंगे। धार्मिक क्षेत्र से जुड़ाव रहेगा, शोभा यात्राओं व तीर्थाटनों से मन प्रसन्न रहेगा, उन्नति के नये मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रयत्न करने पर सफलता मिलेगी। २९, ३०, ३१ मई ८, ९, १०, १७, १८, १९, २६, २७, २८ जून एवं ५, ६, ७, १५, १६, १७, २३, २४ जुलाई के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

श्रावण-भाद्रपद (२५ जुलाई से २० सितम्बर २०२१ ई, तक)

यह समय आपके लिए उत्तमफलदायक रहेगा। मासारम्भ में तृतीयेश के प्रभाव से पुरूषार्थ में वृद्धि होगी। बहुत से काम सहजता से होंगे। वृहस्पति अस्त रहने से भाग्येश शुक्र शुभ फलदायक रहेगा। प्रेमी युगलों के प्रेम का विस्तार होगा। विवाह के योग बनेंगे। मध्यम गति से कार्य में विस्तार रहेगा, मासान्त में कार्यों में परिवर्तन रहेगा। पिता/माता की स्थिति प्रतिकूल होगी। माता का स्वास्थ्य नरम रहेगा। शारीरिक व मानसिक कष्ट रहेगा। परन्तु कुछ कार्य सरलता से बनेंगे। १, २, ३, ११, १२, १९, २०, २१, २९, ३० अगस्त एवं ७, ८, ९, १६, १७, १८ सितम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

आश्विन-कार्तिक (२१ सितम्बर से १९ नवम्बर २०२१ ई. तक)

यह समय आपके लिए मध्यम फलदायक रहेंगा। पारिवारिक स्थिति में वैमनस्यता रहेगी। सहयोगी से लाभ होने की सम्भावना रहेगी। मित्रों से सावधान रहें उन्नति करने के लिए विशेष परिश्रम अपेक्षित रहेगा। अत्याधिक भागदौड़ करने पर भी आय से व्यय की मात्रा अधिक रहेगी। आदित्य स्तोत्रपाठ एवं सूर्य की पूजा लाभदायक रहेगी। २५, २६, २७ सितम्बर ५, ६, १३, १४, १५, २२, २३, २४ अक्टूबर एवं १, २, ३, ९, १०, १९ नवम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

मार्गशीर्ष-पौष (२० नवम्बर २०२१ ई. से १७ जनवरी २०२२ ई, तक)

यह समय आपके लिए पूर्वापेक्षा उत्तम फलदायक रहेगा। लम्बे समय से चली आ रही स्वस्थ समस्याओं से छुटकारा मिलेगा। व्यय पर भी नियन्त्रण लगेगा। वृथा भ्रमण व शत्रु परास्त होंगे, कार्य सिद्धि से मन प्रसन्न होगा। यश मान-सम्मान व समुदाय में अग्रणी रहेंगे, बन्धु-बान्धवों का सहयोग रहेगा। शारीरिक मानसिक, भौतिक रूप से सुदृढ़ होंगे, मन में शान्ति रहेगी। २०, २९, ३० नवम्बर ७, ८, ९, १६, १७, १८, २६, २७, २८ दिसम्बर एवं ३, ४, ५, १३, १४ जनवरी के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण पक्ष (१८ जनवरी से ०१ अप्रैल २०२२ ई, तक)

यह समय आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा, बन्धु मित्रों के सहयोग से कार्य व्यवसाय में कोई बड़ा सौदा या अनुबन्ध होने से व्यापार में उन्नति व धनागम के मार्ग प्रशस्त होंगे। नवीन भवन, वाहन का सुख प्राप्त होगा। रोजगार परक नवीन योजनाएँ फलीभूत होंगी। संतान पक्ष से संतोष रहेगा। उदर-विकार, अपच, विषमज्वर, संक्रमण से स्वास्थ्य रक्षा आवश्यक होगी। २२, २३, २४, ३०, ३१ जनवरी ९, १०, ११, १९, २०, २७, २८ फरवरी एवं ८, ९, १०, १८, १९, २६, २७ मार्च के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

कन्या (VIRGO) टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो।

यह वर्ष आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा। वर्षारम्भ में ०७ जुलाई तक बुध दशम स्थान में मिथुन राशि पर रहेगा फलस्वरूप भूमि-भवन-वाहनादि का उत्तम सुख प्राप्त होगा। मातृपक्ष से सहयोग रहेगा, पैतृक संपति, जमीन जायदाद की प्राप्ति होगी। कार्य व्यवसाय में उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार हेतु देश-विदेश की लाभदायक यात्राएँ होंगी। कार्यक्षेत्र का विस्तार एवं धनागम के अनेक स्रोत बनेंगे। मिश्र-बन्धु-बान्धवों

से सहयोग व मधुर संबन्ध रहेंगे। विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष विशेष रहेगा। २५ जुलाई से कर्क राशि में स्थित बुध प्रतियोगिताओं में सफलतादायक रहेगा। देशाटन पर्यटन व विदेश गमन के बार-बार अवसर प्राप्त होंगे। संतान पक्ष की शिक्षा-दीक्षा से संतुष्ट व प्रसन्न रहेंगे तृतीय स्थान में राहु के स्थिति भायों एवं पति/पत्नी से संबधों में असंतुष्टि दे सकती है, अकारण वाद-विवाद अहितकारी रहेगा। यदा-कदा स्वास्थ नरम रहेगा। कफ-पित्त-वायु प्रकोप, संक्रमण हाथ पैरो में पीड़ा, अपचादि रोगों से सामना हो सकता है। गायत्री मन्त्र का जाप एवं गणपति अर्चना श्रेयस्कर रहेगी।

चैत्र शुक्ल पक्ष-वैशाख (१३ अप्रैल से २६ मई २०२१ ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा मासारम्भ में राशीश के धन स्थान में स्थित होने से कार्य व्यपार के क्षेत्र में थोड़े से प्रयास से ही लाभ व उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। कार्यसिद्धि से मन प्रसन्न रहेगा। अनायास लाभ स्थायीकोष में वृद्धि करेंगे। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा भौतिक सुख सुविधाओं का सौख्य रहेगा। पति/पत्नी का सहयोग संतुष्टि प्रदान करेगा। उतरार्द्ध में सब वर्ग से अहयोग किञ्चित चिन्तादायक रहेगा। भ्रातृपक्ष से भूमि-भवन के लाभांश पर वाद-विवाद हो सकता है। संयम बरतें। १७, १८, १९, २६, २७ अप्रैल एवं ४, ५, ६, १४, १५, १६, २३, २४, २५ मई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (२७ मई से २४ जुलाई २०२१ ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में कार्यक्षेत्र में सफलता व्यापार उत्तम रहेगा, कार्य सिद्धि व इच्छा पूर्ति होगी, अध्ययन व शिक्षा की दृष्टि से अनुकूल समय है, विद्यार्थियों को प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता प्राप्त होगी। राशि पर पूरे वर्ष राहु के स्थिति होने से असमंजस बना रहेगा, शत्रुपक्ष परास्त होगा भ्रातृपक्ष से असहयोग व मन-मुटाव रहेगा, धैर्य से संबंध सुधर सकते हैं। ३१ मई १, २, १०, ११, १२, २०, २१, २८, २९ जून एवं ८, ९, १०, १७, १८ जुलाई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

श्रावण-भाद्रपद (२५ जुलाई से २० सितम्बर २०२१ ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा मासारम्भ में कार्यक्षेत्र में सफलता, उन्नति की योजनाओं एवं क्रियान्वन से धनागम के स्रोत बनेंगे। समीप-दूर की लाभदायक यात्राएँ सिद्ध होगी। पति/पत्नी से मधुर सम्बन्ध व दाम्पत्य सौख्य रहेगा। उतरार्द्ध में समय थोड़ा कष्टदायक रहेगा। भ्रातृपक्ष से मन-मुटाव माता से असहयोग पिता-पुत्र वैमनस्य, धन हानि से मन खिन्न रहेगा। स्वास्थ्य भी नरम रहेगा। पित्त-वायु-विकार कन्धों में पीड़ा, वृक्क-मूत्रादि रोग, भोजन-नली के कष्ट, स्मृति-हानि से शारिरीक कष्ट हो सकता है सावधानी बरतें। २५, २३, २७ जुलाई १, २, ३, १३, १४, १५, २२, २३ अगस्त एवं १, २, ९, १०, ११, १८, १९ सितम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

आश्विन-कार्तिक (२१ सितम्बर से १९ नवम्बर २०२१ ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। प्रारम्भ में व्यवसाय, व्यापार में लाभ व उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। मातृपक्ष से असहयोग रहेगा, भ्रातृपक्ष से भी मनमुटाव रहेगा। समीप-दूर की यात्राएँ लाभकारी रहेगी विदेश गमन का भी अवसर मिलेगा। स्वास्थ्य किञ्चित नरम रहेगा। जल संक्रमण, उदर पीड़ा, वायु विकार, श्वसन संबंधी समस्याओं से सामना हो सकता है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। २८, २९, ३० सितम्बर ७, ८, ९, १५, १६, १७, २५, २६, २७ अक्टूबर एवं ३, ४, १२, १३, १४ नवम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

मार्गशीर्ष-पौष (२० नवम्बर २०२१ ई. से १७ जनवरी २०२२ ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। प्रारम्भ में किञ्चित

चिन्ता, व तनाव के कारण कार्यक्षेत्र भी प्रभावित रहेगा, लाभकारी कार्य व धनागम लम्बित रहेगा। बन्धु-बान्धुवों के सहयोग से व्यापार के रूके हुए कार्य सफल होंगे। संतान पक्ष से हर्ष रहेगा। पत्नी/पति का स्वास्थ्य नरम रहेगा। मातृ-पक्ष से सहयोग व मातृपक्ष से मतभेद रहेगा। पित-व्यथा-वायु विकार संक्रमण रोगों से सर्तकता आवश्यक है। चोट-चपेट का ध्यान रखें। २१, २२, २३, नवम्बर १, २, ९, १०, ११, १८, १९, २०, २८, २९, ३० दिसम्बर एवं ५, ६, ७, १५, १६, १७ जनवरी के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण पक्ष (१८ जनवरी से ०१ अप्रैल २०२२ ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। पूर्वार्द्ध में धनहानि, मान-सम्मान में कमी, स्थान परिवर्तन परिवार-कुटुम्ब में भय कलह का वातावरण रहेगा। भ्रातृपक्ष से वाद-विवाद घर के बड़े बुजुर्गों का स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। नवम स्थान में सूर्य-शनि की युति, पिता-पुत्र में वैमनस्य, पति-पत्नी में कटुता का कारण बनेगी। विदेश गमन अथवा स्थानच्युति के रूप में अलगाव की स्थिति बनेगी। पित्त दोष, नेत्र-पीड़ा उदर विकार से बचाव आवश्यक है। २५, २६ जनवरी १, २, ३, ११, १२, १३, २०, २१, २२ फरवरी एवं १, २, ३, ११, १२, १३, २०, २१, २२, २८, २९, ३० मार्च के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

तुला (LIBRA) रा, री, रू, रे, रो, ता, ति, तू, ते।

यह वर्ष आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। शनि की ढैय्या का प्रभाव वर्षभर रहेगा। वर्षारम्भ में परिवारिक समस्याएँ रहेंगी। अनावश्यक खर्च होंगे। व्यर्थ की चिंताएँ रहेंगी। पति/पत्नी में वैचारिक मतभेद सामंजस्य व सौहार्द की कमी रहेगी। परिवार में अनावश्यक कलह व असंतुष्टि का वातारण रहेगा। १७ मार्च से ९ अप्रैल तक शुक्र स्वोच्च मीन राशि में रहेगा। फलस्वरूप वाहन, भूमि, भवन आदि सुख में वृद्धि होगी व खर्च भी होते रहेंगे। १० अप्रैल से ३ मई तक शुक्र की तुला राशि पर स्वग्रही दृष्टिपात होगा। फलस्वरूप मान सम्मान, धन-लाभ व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पदोन्नति के अवसर व मनोवांछित कार्य योजनाओं की सिद्धि होगी। ११ अगस्त से शुक्र कन्या राशि में होंगे। फलस्वरूप वृथा दौड़ धूप व धन हानि होगी। पिता के स्वास्थ पर नकारात्मक प्रभाव रहेगा। वर्षान्त तक कार्यक्षेत्र में उतार-चढ़ाव व रोजभार में कमी होगी। व्यर्थ बातों में क्रोध से बचे, वाणी पर संयम रखे, पैतृक सम्पत्ति की बटने की सम्भावना रहेगी। पति/पत्नी व प्रेमी युगलों में बिछड़ाव की सम्भावना रहेगी कार्यक्षेत्र से अधिक व्यय से बचे, २८ मार्च के बाद स्थिति परिवर्तित होगी।

चैत्र शुक्ल पक्ष-वैशाख (१३ अप्रैल से २६ मई २०२१ ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में विद्या व बुद्धि में विकास होगा। अध्ययन क्षेत्र में विकास के अवसर प्राप्त होंगे। शुक्र उच्च राशि में स्थित रहेगा। जिससे आय के नवीन साधन बनेंगे। मित्र व अपनत्व के सहयोग से कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। पदोन्नति के अवसर से मन प्रसन्न रहेगा। २०, २१, २२, २८, २९, ३० अप्रैल एवं ७, ८, ९, १७, १८, १९, २६ मई के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (२७ मई से २४ जुलाई २०२१ ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। पूर्वाद्ध में रूके हुए कार्य बनेंगे। परिश्रम से धनलाभ में सफलता रहेगी। उपलब्धियों से मन प्रसन्न रहेगा। भ्रातृपक्ष से सहयोग मिलता रहेगा। बन्धुओं व सहियोगियों की सहायता से कारोवार में वृद्धि होगी। नवीन गृह निर्माण की योजनाएँ कार्यान्वित होंगी। मासान्त में कार्यों में विलम्ब होने की सम्भावना रहेगी। ३, ४, ५, १३, १४, १५, २२, २३, ३० जून एवं १, २, १०, ११, १२, १९, २०, २१ जुलाई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

श्रावण-भाद्रपद (२५ जुलाई से २० सितम्बर २०२१ ई, तक)

यह समय आपके लिए निम्न फलदायक रहेगा। मासारम्भ में शुक्र अष्टमस्थ होने से संर्घषमयी परिस्थितियाँ रहेंगी। व्यापार में उतार-चढ़ाव व परेशानियाँ रहेंगी। स्थान परिवर्तन से मन खिन्न रहेगा। व्यर्थ के कार्यों में समय व्यर्थ होगा। कार्यक्षेत्र में शत्रु भय व कठिन परिश्रम की स्थिति बनी रहेगी। अनेक प्रयासों के बाद भी सफलता प्राप्ति विलम्ब से होगी। २८, २९, ३० जुलाई ६, ७, ८, १६, १७, २४, २५, २६ अगस्त एवं ३, ४, ५, १२, १३, २० सितम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

आश्विन-कार्तिक (२१ सितम्बर से १९ नवम्बर २०२१ ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा पूर्वाद्ध में विघ्न-बाधाओं के बावजूद व्यवसाय क्षेत्र में धीरे-धीरे सुधार होंगे। भूमि-भवन-वाहन आदि की प्राप्ति से मन प्रसन्न रहेगा। जीवन में भौतिक सुख साधनों की सौख्यता रहेगी। पत्नी/पति व परिवारिक स्थिति में सुधार होगा। मासान्त में गुरु व शुक्र के सम्बन्ध से विरोधियों में वृद्धि की सम्भावना रहेगी। २१, २२, ३० सितम्बर १, २, ९, १०, ११, १७, १८, १९, २८, २९, ३० अक्टूबर एवं ५, ६, ७, १४, १५, १६ नवम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

मार्गशीर्ष-पौष (२० नवम्बर २०२१ ई. से १७ जनवरी २०२२ ई, तक)

यह समय आपके लिए मध्यम फलदायक रहेगा। शनि ढैय्या का प्रभाव रहेगा। शुक्र नीचस्थ होने के कारण शिरशूल, उदरपीड़ा-वात-रक्तदोष की सम्भावना रहेगी। कृषि क्षेत्र में विलम्ब होगा, राजनीति के कार्य में हानि की सम्भावना रहेगी। तनाव व धन की चिन्ता रहेगी। निकट बन्धुओं से कपटता की स्थिति रहेगी। २४, २५, २६ नवम्बर ३, ४, ११, १२, १३, २१, २२, २३, ३०, ३१ दिसम्बर एवं ८, ९, १७ जनवरी के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण पक्ष (१८ जनवरी से ०१ अप्रैल २०२२ ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। शत्रुभय की सम्भावना रहेगी। मानसिक तनाव होगा। पति/पत्नी के सम्बन्ध में वैमनस्य रहेगा। व्यर्थ की भागदौड़ लगी रहेगी। पिता-पुत्र में विरोध संघर्ष व वाद-विवाद से परिवार में कलह का वातावरण बनेगा। शुक्र-गुरु व शनि की लग्नस्थ दृष्टियाँ रहने से घरेलू हालात में विशेष परिवर्तन होंगे। मान-सम्मान में कमी रहेगी। अपयश की प्राप्ति होगी। व्यर्थ की चर्चा से बचे। १८, १९, २६, २७, २८ जनवरी ३, ४, ५, १४, १५, १६, २३, २४, २५ फरवरी एवं १३, १४, १५, २२, २३, २४, ३०, ३१ मार्च के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

वृश्चिक (SCORPIO) तो, न, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू।

यह वर्ष आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। वर्षारम्भ में स्वास्थ्य नरम रहेगा। अष्टम स्थान में राशीश, कठिनाइयाँ अड़चनों एवं बाधाओं को उत्पन्न करने वाला होगा किन्तु मित्र ग्रह धनेश-पंचमेश गुरु की विशेष दृष्टि राशि पर होने से कष्टों का निवारण भी शीघ्र हो जाएगा। ०२ जून से भाग्य स्थान में कर्क राशि पर निचस्थ होते हुए भी भाग्य शुभ फलदायक रहेगा। वर्ष के मध्य में कार्य व्यवसाय व रोजगार संबधी सुअवसर प्राप्त होंगे। धनेश गुरु की दृष्टि आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने वाली रहेगी। नवीन व्यापार आरम्भ होने से धनागम के अनेक स्रोत उत्पन्न होंगे। मनोवाञ्छित फल प्राप्ति, भौतिक सुख संसाधनों का सौख्य रहेगा। संतान पक्ष की उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्त होने से संतोष रहेगा। वर्षान्त में पराक्रम में वृद्धि रहेगी उत्साह व स्फूर्ति से आत्मबल उच्च रहेगा। भ्रातृ व मातृ पक्ष से सहयोग मिलेगा। पुश्तैनी जमीन-जयदाद का लाभांश प्राप्त होने से प्रसन्नता रहेगा। हनुमदुपासना श्रेयस्कर रहेगा।

चैत्र शुक्ल पक्ष-वैशाख (१३ अप्रैल से २६ मई २०२१ ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। राशीश मंगल की स्थिति राशि से अष्टम स्थान में रहेगी अतएव स्वास्थ्य नरम रहेगा उच्च रक्तचाप विषम, संक्रमण आदि स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रस्त रहेंगे कार्य व्यवसाय के क्षेत्र में प्रति द्वन्दीयों की ईर्ष्या का सामना करना पड़ेना किन्तु मित्र ग्रह गुरु के चतुर्थ स्थान में रहने से धनागम के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। परिवार कुटुम्ब में सुख शान्ति रहेगी। संतान पक्ष को उच्च शिक्षा के अवसर प्राप्त होने से संतोष रहेगा। १३, १४, २२, २३, ३० अप्रैल एवं १, २, ९, १०, ११, १९, २०, २१ मई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (२७ मई से २४ जुलाई २०२१ ई, तक)

यह समय आपके लिए उत्तम फल प्रदान करने वाला रहेगा। राशीश की स्थिति नीचस्थ भाग्य स्थान में होने व शनि से दृष्ट होने के कारण नवीन रोजगार की योजनाएँ कठिनाई से क्रियान्वित होंगी किसी लम्बित मुकदमे का फैसला आपके पक्ष में आ सकता है। पराक्रम व उत्साह में वृद्धि रहेगी। समाज के कल्याणकारी कार्यों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेंगे। आध्यात्म के क्षेत्र में रूचि बढ़ेगी। तीर्थाटन व शोभा यात्राओं में सहभागिता रहेगी। भ्रातृ पक्ष से सहयोग व सौख्य रहेगा। २७, २८, २९ मई ५, ६, ७, १५, १६, २४, २५ जून एवं ३, ४, ५, १२, १३, १४, २१, २२, २३ जुलाई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

श्रावण-भाद्रपद (२५ जुलाई से २० सितम्बर २०२१ ई, तक)

यह समय आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा। राशीश मंगल की स्थिति राशि से दशम स्थान में रहेगी। फलस्वरूप धनेश-पंचमेश मित्र ग्रह गुरु की पूर्ण दृष्टि कार्य क्षेत्र में उन्नति व सफलता की नवीन उचाईयों तक ले जाएगी। रोजगार के अनेक अवसर प्राप्त होंगे। पूँजी निवेश से उत्तम धनागम के मार्ग प्रशस्त होंगे। होटल रेस्टोरेंट व वित्तीय क्षेत्रों में द्रव्य निवेश से आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। माता का सहयोग व आत्मसंतोष रहेगा। ३०, ३१ जुलाई ९, १०, ११, १८, १९, २७, २८ अगस्त एवं ५, ६, ७, १४, १५ सितम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

आश्विन-कार्तिक (२१ सितम्बर से १९ नवम्बर २०२१ ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में राशीश मंगल के राशि से एकादश भाव में सञ्चार करने से वर्षों से लम्बित अनेक मनोकामनाएँ पूर्ण होंगी। कार्य व्यवसाय संबधी योजनाएँ क्रियान्वित होंगी, आय के विभिन्न स्रोतों से धनागम बना रहेगा। मास के उत्तरार्ध में व्यय की अधिकता रहेगी। आय-व्यय का संतुलन प्रभावित रहेगा। वृथा भ्रमण व तनाव से मन खिन्न रहेगा। २३, २४, २५ सितम्बर २, ३, ४, ११, १२, १३, १९, २०, ३०, ३१ अक्टूबर एवं ७, ८, ९, १६, १७ नवम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

मार्गशीर्ष-पौष (२० नवम्बर २०२१ ई. से १७ जनवरी २०२२ ई, तक)

यह समय आपको मिश्रित फल प्रदान करने वाला रहेगा। मासारम्भ में व्यय की अधिकता रहेगी। शरीर अस्वस्थ रहेगा। शिर शूल, रक्तचाप, संक्रमण ज्वर, रक्ताल्पता आदि रोगों के उपचार पर व्ययाधिक्य से मन असंतुष्ट रहेगा, मास के उत्तरार्ध में स्वास्थ्य लाभ होगा। शरीरिक, मानसिक, आर्थिक, सामाजिक, मान-सम्मान यश, आर्थिक उन्नति के अनेक अवरूद्ध प्राप्त होंगे। द्रव्य संचय एवं धनागम के मार्ग प्रशस्त होंगे। २६, २७, २८ नवम्बर ५, ६, १३, १४, १५, २३, २४, २५ दिसम्बर एवं १, २, १०, ११, १२ जनवरी के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण पक्ष (१८ जनवरी से ०१ अप्रैल २०२२ ई, तक)

यह समय आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा। मासारम्भ में आर्थिक रूप से सुदृढ़ता के अवसर प्राप्त होंगे कार्य व्यवसाय व रोजगार के क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी। धनागम के स्रोंतो में वृद्धि रहेगी। परिवार

में सुख शान्ति का वातावरण रहेगा। मांगलिक कार्यों का आयोजन करेंगे। उत्साह व स्फूर्ति से मनोबल उच्च रहेगा। पराक्रम में वृद्धि भूमि भवन वाहन का लाभ प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा तथा आय में वृद्धि के सुअवसर प्राप्त होते रहेंगे। २०, २१, २२, २९, ३० जनवरी ६, ७, ८, १६, १७, १८, २५, २६, २७ फरवरी ६, ७, ८, १५, १६, १७, २४, २५, २६ मार्च एवं १ अप्रैल के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

धनु (SANGITTARIUS) ये, यो, भा, भी, भू, ध, फ, ढ़, भे।

यह वर्ष आपके लिए प्राय: कष्टकारी रहेगा। शनि की साढ़ेसाती का प्रभाव शारीरिक एवं मानसिक रूप से व्यथित करेगा। आर्थिक स्थिति कमजोर रह सकती है। कार्यक्षेत्र व रोजगार में व्यवधान एवं कठिनाईयाँ, परिश्रम में वृद्धि करेगें। राशीश गुरु की कुम्भ राशि में स्थिति पराक्रम व प्रयासों में वृद्धि करेगी किन्तु मनोवाञ्छित फल प्राप्ति में रुकावटे आएगी। राशीश गुरु के २४ जून से वक्री होने के कारण एवं १४ सितम्बर से अपनी नीच राशि मकर में शनि से युक्त होने से आर्थिक व पारिवारिक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। नवीन रोजगार संबधी योजनाएँ लम्बित रहेगी। आय-व्यय का संतुलन प्रभावित करेगा २० नवम्बर से राशीश पुन: मार्गी होकर कुम्भ में प्रवेश करेगा अत: समस्याओं एवं पारिवारिकविवादों से राहत मिलेगी। तथापि सम्पूर्ण वर्ष स्वगृही शनि के धनस्थान में होने से धनागम में उतार चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी कष्टपरिहार हेतु शनि का दान व गुरु की अर्चना श्रेयस्कर रहेगी।

चैत्र शुक्ल पक्ष-वैशाख (१३ अप्रैल से २६ मई २०२१ ई. तक)

यह समय आप के लिए उत्तम फलदायक रहेगा। लम्बित कार्यो की सिद्धि, कार्यक्षेत्र में मनोनूकुल लाभ व व्यापार में उन्नति रहेगी। आत्म सम्मान में वृद्धि यशकार रहेगी, धार्मिक कृत्यों व अध्यात्म में रूचि बढ़ेगी। विदेश की यात्राओं व प्रवास के सुअवसर प्राप्त होंगे। व्यय की अधिकता रहेगी। किन्तु धन का सद्प्रयोग होने से संतुष्टि रहेगी। सन्तान पक्ष से सहयोग किञ्चिद कम रहेगा। १४, १५, १६, २४, २५, २६, २७ अप्रैल एवं २, ३, ४, १२, १३, १४, २१, २२, २३ मई के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (२७ मई से २४ जुलाई २०२१ ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मास के आरम्भ में भ्रातृपक्ष से सहयोग रहेगा। कार्य-व्यवसाय के क्षेत्र में आलस्य के कारण लाभ किञ्चित संकुचित रहेंगे। मातृपक्ष से जमीन जायदाद संबंधी समस्याएँ उत्पन्न होंगी। २९, ३०, ३१ मई ८, ९, १०, १७, १८, १९, २६, २७, २८ जून एवं ५, ६, ७, १५, १६, १७, २३, २४ जुलाई के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

श्रावण-भाद्रपद (२५ जुलाई से २० सितम्बर २०२१ ई, तक)

यह मास आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। सेवारत लोगों के लिए यह समय प्रोन्नति एवं स्थान्तरण का रहेगा। धनागम में वृद्धि किन्तु दामपत्य सुख की हानि रहेगी। कार्यक्षेत्र व व्यापार में नवीन रोजगार की योजनाएँ क्रियान्वित होंगी, नये अनुबन्ध्य लाभ-मार्गो की वृद्धि में सहायक होंगे। मासान्त में राजकीय पक्ष से किञ्चित कठिनाईयाँ तनाव का कारण बनेगी संयम व सर्तकता अपेक्षित रहेगी। १, २, ३, ११, १२, १९, २०, २१, २९, ३० अगस्त एवं ७, ८, ९, १६, १७, १८ सितम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

आश्विन-कार्तिक (२१ सितम्बर से १९ नवम्बर २०२१ ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में वृथा भ्रमण, अपव्यय से मन खिन्न रहेगा। पितृपक्ष से सहयोग व मार्गदर्शन से स्थिति संभलेगी आयात-निर्यात के क्षेत्र में पूँजी निवेश लाभकारी रहेगा। विदेश यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। धर्म-कर्म में आस्था रहेगी। अध्यात्म

में रूचि होने से मन में संतोष सौख्य रहेगा। २५, २६, २७ सितम्बर ५, ६, १३, १४, १५, २२, २३, २४ अक्टूबर एवं १, २, ३, ९, १०, १९ नवम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

मार्गशीर्ष-पौष (२० नवम्बर २०२१ ई. से १७ जनवरी २०२२ ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में कार्य क्षेत्र व व्यापार में यदा-कदा समस्याएँ उत्पन्न होंगी, किन्तु सूझ-बूझ व धैर्य से समाधान भी हो जायेगा। दूर-पास की आकस्मिक यात्राएँ व्यय का कारण होंगी, किन्तु मासान्त में आर्थिक स्थिति में निरन्तर सुधार होगा। सुखद व अनुकूल परिणामों से मन में संतोष व संतुष्टि रहेगी। पिता पुत्र से किञ्चित मन मुटाव रहेगा। २०, २९, ३० नवम्बर ७, ८, ९, १६, १७, १८, २६, २७, २८ दिसम्बर एवं ३, ४, ५, १३, १४ जनवरी के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण पक्ष (१८ जनवरी से ०१ अप्रैल २०२२ ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। भूमि-भवन-वाहन संबन्धी कार्यों में रूचि रहेगी किन्तु कार्यसिद्धि हेतु कठिन परिश्रम व अड़चनों का सामना करना पड़ेगा। बार-बार व्यवधानों से लाभ मार्ग अवरूद्ध होंगे। प्रगति की गति मन्द रहेगी। मासान्त में कार्यक्षेत्र व्यवसाय में व्यवसाय में व्यस्तता बढ़ेगी। साथ ही लाभ के अनुकूल परिणाम समुदाय में अग्रणी रहने का अवसर प्राप्त होगा। २२, २३, २४, ३०, ३१ जनवरी ९, १०, ११, १९, २०, २७, २८ फरवरी एवं ८, ९, १०, १८, १९, २६, २७ मार्च के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

मकर (CAPRICORN) भो, ज, जी, खि, खु, खे, खो, ग, गी।

यह वर्ष आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। सम्पूर्ण वर्ष राशीश शनि मकर राशि पर ही संचरण करेंगे अतः अर्थिक मानसिक व शारिरीक रूप से उतार चढ़ाव बने रहेंगे। द्वादशेश गुरु की स्थिति, शनि की दूसरी राशि कुम्भ में मार्गी व वक्री होते हुए लगातार शुभाशुभ फलप्रदान करेगी, धनु राशि वालों के लिए भी साढ़े साती एवं ढैय्या का प्रभाव रहेगा। वर्षारम्भ में मकर राशि के जातक धर्म व अध्यात्म के प्रति समर्पित रहेंगे। स्वास्थ्य की दृष्टि से मिश्रित फलप्राप्त होगा, सन्धि पीड़ा, गठिया, मेरूदण्ड संबंधी समस्याएँ, नसों में खिचाव, दांत संबंधी कष्ट से प्रभावित रहेंगे। कार्य-व्यवसाय व रोजगार के क्षेत्र में सफलता के मार्ग प्रशस्त होंगे, परन्तु लाभांश लम्बित रहने से कठिनाईयों का सामना होगा, तथापि भौतिक सुखसंसाधनों में वृद्धि होगी, बैंक बैंलेंस वित्त संबंधी मामले अनुकूल रहेंगे, धनागम के अनेक स्रोत विकसित होंगे। १४ जनवरी से राशीश शनि की युति सूर्य से होगी अतः पिता पुत्र में मतभेद वैमनस्य उत्पन्न होगा, भ्रातृपक्ष से असहयोग, आलस्य की अधिकता एवं पराक्रम की हानि रहेगी। पति/पत्नी से संबंध किञ्चित कटु रहेंगे। शिवोपासना एवं शनि का दान अभीष्ट सिद्ध हेतु श्रेयसकर रहेगा।

चैत्र शुक्ल पक्ष-वैशाख (१३ अप्रैल से २६ मई २०२१ ई. तक)

यह मास आप के लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में व्ययाधिक्य रहेगा। आय-व्यय का सन्तुलन प्रभावित होगा। आकस्मिक खर्च मन को व्यथित करेगा। पति पत्नी से मन मुटाव रहेगा। मासान्त में स्थिति संभलेगी, कार्यक्षेत्र में उन्नति हेतु कठिन परिश्रम अपेक्षित रहेगा। कड़ी प्रतियोगिता के पश्चात ही कार्यक्षेत्र से उत्तम धन लाभ व संचय होगा। परिवार में सौख्य रहेगा। १७, १८, १९, २६, २७ अप्रैल एवं ४, ५, ६, १४, १५, १६, २३, २४, २५ मई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (२७ मई से २४ जुलाई २०२१ ई, तक)

यह समय आपके लिए संतोष जनक रहेगा कार्य व्यवसाय में स्थिरता आने से मन प्रसन्न रहेगा। व्यवस्थापिक क्षेत्रों से धनागम में वृद्धि रहेगी। धन-संचय व लाभ मार्गों से वृद्धि से मनोबल उच्च रहेगा। पुत्र को उच्च शिक्षा व रोजगार में सफलता रहेगी। कार्यक्षेत्र में उन्नति की नवीन

योजनाएँ फलीभूत होंगी व आशातीत सफलता प्राप्त होगी। समाज बन्धु-बान्धवों में यश मान सम्मान प्राप्त होगा। ३१ मई १, २, १०, ११, १२, २०, २१, २८, २९ जून एवं ८, ९, १०, १७, १८ जुलाई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

श्रावण-भाद्रपद (२५ जुलाई से २० सितम्बर २०२१ ई, तक)

यह समय आप के लिए शुभ फलदायक रहेगा। मासारम्भ में कार्यक्षेत्र व्यवसाय में उत्तरोत्तर वृद्धि से मनोबल उच्च रहेगा। लाभ के विभिन्न मार्गों से धनागम मन को प्रसन्न करेगा। समुदाय में मान-सम्मान यश रहेगा। परोपकार में सहभागिता रहेगी। राजकीय कार्यों में उच्चपदस्थ अधिकारियों से संपर्कवक्षात् लाभ प्राप्ति के अवसर मिलेंगे। शारीरिक मानसिक व भौतिक सुख रहेगा। २५, २३, २७ जुलाई १, २, ३, १३, १४, १५, २२, २३ अगस्त एवं १, २, ९, १०, ११, १८, १९ सितम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

आश्विन-कार्तिक (२१ सितम्बर से १९ नवम्बर २०२१ ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में कार्यक्षेत्र में अवरोध व मन्द गति से मन खिन्न रहेगा। लाभमार्ग किञ्चित संकुचित रहेंगे। किन्तु उत्तरार्ध में परिस्थितियाँ परिवर्तित होंगी। कड़ी प्रतियोगिता होते हुए भी लाभ मार्ग प्रशस्त रहेंगे। वायुविकार सन्धिवात एवं हृदय शूल रहेगी। परिवार कुटुम्ब से सहयोग मिलेगा। २८, २९, ३० सितम्बर ७, ८, ९, १५, १६, १७, २५, २६, २७ अक्टूबर एवं ३, ४, १२, १३, १४ नवम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

मार्गशीर्ष-पौष (२० नवम्बर २०२१ ई. से १७ जनवरी २०२२ ई, तक)

यह समय आपके लिए उत्तम रह सकता है। बिगड़ते हुए कार्यों की बनने की स्थिति रहेगी, मन अशान्त रहेगा, परन्तु भूमि-भवन-वाहन आदि क्रय की योजना बनती रहेगी, पूजन आदि व माङ्गलिक कार्यों से जुड़ाव होता रहेगा। धन आय के साधनों में सुधार के साथ खर्च में वृद्धि हो सकती है। अध्यायनरतों को मानसिक तनाव रहेगा। साथ ही विद्यार्थी भविष्य को लेकर अध्ययन से दूर हो ऐसे योग बनते रहेंगे। २१, २२, २३, नवम्बर १, २, ९, १०, ११, १८, १९, २०, २८, २९, ३० दिसम्बर एवं ५, ६, ७, १५, १६, १७ जनवरी के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण पक्ष (१८ जनवरी से ०१ अप्रैल २०२२ ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक होगा अनेक प्रकार के विघ्नों की सम्भावना होगी, मासारम्भ मे विघ्न के बाद भी आय के साधन बनते रहेंगे। लड़ाई झगड़ा व कोट-कचहरी सम्बन्धि समस्याएँ भी हो सकती है। व्यर्थ के कार्यों में समय नष्ट होता रहेगा, शरीर के नीचले भाग से सम्बन्धित कष्ट की स्थिति व घर में मानसिक तनाव की स्थिति रहेगी, पूर्व नियोजित हुई योजनाओं के लिए मार्ग प्रशस्त होता रहेगा। २५, २६ जनवरी १, २, ३, ११, १२, १३, २०, २१, २२ फरवरी एवं १, २, ३, ११, १२, १३, २०, २१, २२, २८, २९, ३० मार्च के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

कुम्भ (AQUARIUS) गू, गे, गो, स, सि, से, सू, सो, द।

यह वर्ष आपके लिए भूमि वाहन और भवन का सुख प्रदान करने वाला रहेगा, भवन निर्माण के कारण व्यय-आधिक्य भी रहेगा, वृथा-भ्रमण व संघर्ष से कभी-कभी मन खिन्न रहेगा, २४ जून से १४ सितम्बर के मध्य में भवन निर्माण सम्बन्धी अनेक बाधाओं का भी सामना करना पड़ेगा किन्तु अन्त में सब समस्याओं का हल हो जायेगा और गृह परिवर्तन का भी योग बनेगा, धर्म व शिक्षा के क्षेत्र में जुड़ने के अवसर प्रापत होंगे। तीर्थाटन और पुण्य के कार्यों में अभिरूचि बढ़ेगी, देश-विदेश की लाभप्रद यात्राएँ धनागम के स्रोतों में वृद्धि करेंगी, कष्ट निवारण हेतु बृहस्पति का दान विष्णु स्तोत्र का पाठ श्रेयस्कर रहेगा। यह वर्ष आपके लिए मिश्रित

फलदाय रहेगा। इस वर्ष राशीश गुरु कुम्भ राशि में संचरण करेंगे, वर्षारम्भ में २४ जून को कुम्भ में वक्री होंगे और १४ सितम्बर तक वक्री ही रहेंगे और मकर राशि में प्रवेश करेंगे, १८ अक्टूबर से मकर राशि में मार्गी होकर २० नवम्बर को कुम्भ राशि में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में राशि से तृतीय भाव में स्थित होने के कारण दूर-समीप यात्राओं का अवसर प्राप्त होगा। बन्धु- बान्धवों एवं भातृ पक्ष से सहयोग रहेगा, कार्यक्षेत्र में व्यस्तता रहेगी और विलम्बित कार्य पूर्णता को प्राप्त होंगे, विघ्न-बाधाओं के रहते हुए भी धनागम व आय प्राप्ति के स्रोत बने रहेंगे। जब-जब गुरु वक्री होंगे तब-तब भ्रातृपक्ष से वैमनस्य रहेगा, वैचारिक मतभेद होने के कारण मानसिक कष्ट रहेगा।

चैत्र शुक्ल पक्ष-वैशाख (१३ अप्रैल से २६ मई २०२१ ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में किसी से अनावश्यक वाद-विवाद झगड़े का कारण बन सकता है। अतः वाणी पर संयम आवश्यक है। मासान्त में समय उत्तम रहेगा। धनागम के अनेक मार्ग प्रशस्त होंगे। कार्य-व्यवसाय के अनेक मार्ग प्रशस्त होंगे, कार्य-व्यवसाय में उत्तम लाभ प्राप्ति व कुटुम्ब-परिवार सुख प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। २०, २१, २२, २८, २९, ३० अप्रैल एवं ७, ८, ९, १७, १८, १९, २६ मई के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (२७ मई से २४ जुलाई २०२१ ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ के स्वास्थ किञ्चित नरम रहेगा। संक्रमण, ज्वर व वातकफ विकारों से कष्ट रहेगा। व्ययाधिक्य व आकस्मिक यात्राओं से मन खिन्न रहेगा। मातृपक्ष से असहयोग रहेगा। पति/पत्नी एवं संतान से असहयोग रहेगा। उत्तरार्ध में स्थिति संभलेगा। ३, ४, ५, १३, १४, १५, २२, २३, ३० जून एवं १, २, १०, ११, १२, १९, २०, २१ जुलाई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

श्रावण-भाद्रपद (२५ जुलाई से २० सितम्बर २०२१ ई, तक)

यह समय आपके लिए मध्यम फलदायक रहेगा। कुछ पुराने कार्य योजनाओं की सिद्धि होगी। नवीन योजनाओं में विलम्ब होता रहेगा। नेत्र व उदरपीड़ा की स्थिति बनी रहेगी। व्यर्थ के भागदौड़ में समय नष्ट होगा। पारिवारिक सुख में सुधार की सम्भावना है। परस्त्री/परपुरुष के साथ सम्बन्ध की सम्भावना बनेगी। प्रेमी युगलों की विवाह की सम्भावना बनेगी नजदीकी लोगों से जुड़ाव रहेगा, आय व व्यय दोनों के साधनों में वृद्धि रहेगी। २८, २९, ३० जुलाई ६, ७, ८, १६, १७, २४, २५, २६ अगस्त एवं ३, ४, ५, १२, १३, २० सितम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

आश्विन-कार्तिक (२१ सितम्बर से १९ नवम्बर २०२१ ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। वैचारिक मतभेद के कारण पारिवारिक कलह होगा। भाई-बन्धुओं में मनमुटाव व द्वेष की स्थिति रहेगी। मासान्त तक विदेश भ्रमण के समाचार मिलने की सम्भावना रहेगी राजकीय पक्ष से लाभ रहेगा। बाहर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी क्रोध व उत्तेजना में वृद्धि रहेगी। खर्च में वृद्धि रहेगी, वाणी पर संयम से लाभ होगा। २१, २२, ३० सितम्बर १, २, ९, १०, ११, १७, १८, १९, २८, २९, ३० अक्टूबर एवं ५, ६, ७, १४, १५, १६ नवम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

मार्गशीर्ष-पौष (२० नवम्बर २०२१ ई. से १७ जनवरी २०२२ ई, तक)

यह समय आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा। मासारम्भ में मातृपक्ष से सहयोग रहेगा, भूमि-भवन-वाहन प्राप्ति से मन प्रसन्न रहेगा। छोटे भाइयों के सहयोग से नवीन कारोबार की योजनाएँ फलीभूत होंगी। समीप-दूर की यात्राएँ लाभपद्र रहेंगी। जीवन में भौतिक सुख संसाधनों का सौख्य रहेगा। २४, २५, २६ नवम्बर ३, ४, ११, १२, १३, २१, २२, २३, ३०, ३१ दिसम्बर एवं ८, ९, १७ जनवरी के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण पक्ष (१८ जनवरी से ०१ अप्रैल २०२२ ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में स्वास्थ किञ्चित नरम रहेगा। वायुविकारों से उदरपीड़ा, शिरशूल से कष्ट रहेगा। कार्यक्षेत्र में शत्रु भय व कठिन प्रतियोगिता का सामना करना पड़ेगा मानसिक तनाव व धन की चिन्ता रहेगी अनेक प्रयासों के पश्चात धनागम व लाभ के मार्ग प्रशस्त होंगे। मासान्त में परिस्थितियाँ परिवर्तित होंगी। १८, १९, २६, २७, २८ जनवरी ३, ४, ५, १४, १५, १६, २३, २४, २५ फरवरी एवं १३, १४, १५, २२, २३, २४, ३०, ३१ मार्च के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

मीन (PISCES) दी, दु, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची।

यह वर्ष आपके लिए सामान्य फलदायक रहेगा। वर्षारम्भ में पारिवारिक समस्याओं से संघर्ष करना पड़ेगा स्वास्थ्य नरम रहेगा, अनावश्यक दौड़-धूप विदेश प्रवास व्यवसाय में मंदी का सामना करना पड़ सकता है अनावश्यक खर्च में वृद्धि शारिरीक कष्ट की भी सम्भावना है उदर-विकार, वृक्क-विकार, शिर शूल, पित्त-कफ-वायु विकार, पथरी पीड़ा से कष्ट हो सकता है। अनुज भ्राताओं से वैचारिक मतभेद रहेगा परिवार से सहयोग न होने से मन खिन्न रहेगा। पति/पत्नी से अनबन रहेगा। संतान पक्ष की शिक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी चिन्ता रहेगी। पुत्र की शिक्षा पर अत्यधिक खर्च से तनाव हो सकता है वर्षान्त में स्थिति किञ्चित सुधरेगी, व्यापार रोजगार में उतार-चढ़ाव होते हुए भी जीवन यापन सरलतापूर्वक चलता रहेगा। परिवार कुटुम्ब के वातावरण में भी शांति का वातावरण बनेगा। कष्ट निवारण हेतु कदली पूजन कर पीला वस्त्र दान करें, शिवार्चन भी लाभकारी रहेगा।

चैत्र शुक्ल पक्ष-वैशाख (१३ अप्रैल से २६ मई २०२१ ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। पूर्वार्द्ध में अनेक वर्षो से लम्बित कार्य सिद्ध होंगे। रूका धन प्राप्त होगा। भौतिक सुख संसाधनों की वृद्धि होगी। वाहन प्राप्ति, भवन-प्रवेश नवीन कार्यालय की स्थापना भी प्रसन्नता व, आत्मविश्वास में वृद्धि करेगा। भ्रातृपक्ष से सहयोग रहेगा। पैतृक संपति में लाभांश हर्ष प्रदान करेगा। पति/पत्नी से संबंध सामान्य होंगे दाम्पत्य सुख प्राप्त होगा। १३, १४, २२, २३, ३० अप्रैल एवं १, २, ९, १०, ११, १९, २०, २१ मई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (२७ मई से २४ जुलाई २०२१ ई, तक)

यह समय आपके लिए मध्यम फलदायक रहेगा। पूर्वार्द्ध में कार्यक्षेत्र में उन्नति, व वृद्धि के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। धनागम व स्थायी कोष में वृद्धि से मन प्रसन्न रहेगा। पति/पत्नी से संबंध कटु रहेंगे। पारिवारिक वातावरण बोझील रहेगा। उत्तरार्द्ध में कार्यक्षेत्र में बाधाएँ, व्ययाधिक्य, शत्रुओं के षडयन्त्र से मानसिक कष्ट रहेगा। संयम व विवेक से कार्य करें। वाणी व अहंकार पर नियन्त्रण से स्थिति संभलेगी। २७, २८, २९ मई ५, ६, ७, १५, १६, २४, २५ जून एवं ३, ४, ५, १२, १३, १४, २१, २२, २३ जुलाई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

श्रावण-भाद्रपद (२५ जुलाई से २० सितम्बर २०२१ ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। पूर्वार्द्ध में भूमि-भवन संबंधी झगड़ों से मन व्यथित रहेगा। भाग्यवशात् उच्चाधिकारी के सहयोग से मामला सुलझ जाएगा। समीप दूर की देश-विदेश यात्राएँ लाभकारी रहेगी। धार्मिक अनुष्ठानों व तीर्थ यात्राओं में सहभागिता रहेगी। समाज-सेवा में अग्रणी रहेगे बुजुर्गों की सेवा व गुरुजनों का आर्शीवाद प्राप्त होगा। माता का सहयोग रहेगा, संतानपक्ष से हर्ष व संतुष्टि रहेगा। पित वायु विकार, उदर पीड़ा से कष्ट रहेगा। ३०, ३१ जुलाई ९, १०, ११, १८, १९, २७, २८ अगस्त एवं ५, ६, ७, १४, १५ सितम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

आश्विन-कार्तिक (२१ सितम्बर से १९ नवम्बर २०२१ ई. तक)

यह समय आपके लिए शुभफलदायक रहेगा। पूर्वार्द्ध में कार्यक्षेत्र में सफलता, धनागम के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। नई-नई योजनाएँ कार्यान्वित होने से लाभ के मार्ग प्रशस्त होंगे। भवन-भूमि-वाहनादि का प्रचुर सुख प्राप्त होगा। भ्रातृपक्ष से सहयोग माता का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। उत्तरार्ध में स्वास्थ्य किञ्चित नरम रहेगा। पैरो में पीड़ा, उदर-पीड़ा कफ-वायु विकार टायफायड पीलिया, आदि संक्रामक रोगों से सतर्क रहे शुत्रुपक्ष प्रयत्न करने पर भी हानि नहीं पहुँचा पाएगा। २३, २४, २५ सितम्बर २, ३, ४, ११, १२, १३, १९, २०, ३०, ३१ अक्टूबर एवं ७, ८, ९, १६, १७ नवम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

मार्गशीर्ष-पौष (२० नवम्बर २०२१ ई. से १७ जनवरी २०२२ ई, तक)

यह समय आपके लिए शुभफलदायक रहेगा। पूर्वार्द्ध में मातृपक्ष, कुटुम्ब जनों मातृपक्ष के सहयोग से हर्ष व उत्साह बना रहेगा। मानसम्मान में वृद्धि, यश प्राप्ति, समुदाय में अग्रणी रहेंगे। अनेक स्रोतों व साधनों से लाभ प्राप्ति व धनागम होगा। स्थायी कोष में वृद्धि से मन प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र का विस्तार व जलीय संसाधनों से प्रचुर लाभ मिलेगा। परिवार में संतुष्टि, सुख व हर्ष का वातावरण रहेगा। भौतिक संसाधनों का भी सुख प्राप्त होगा। २६, २७, २८ नवम्बर ५, ६, १३, १४, १५, २३, २४, २५ दिसम्बर एवं १, २, १०, ११, १२ जनवरी के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण पक्ष (१८ जनवरी से ०१ अप्रैल २०२२ ई, तक)

यह समय आपके लिए शुभफलदायक रहेगा। भ्रातृपक्ष से सहयोग व कार्य व्यापार में सहायता मिलेगी पूर्वार्द्ध में भूमि-भवन-वाहनादि का उत्तम लाभ होगा राशीश के राशि से चतुर्थ स्थान में स्थित होने के फलस्वरूप माता का सहयोग मिलेगा, गृह प्राप्ति पैतृक सम्पत्ति का लाभ होगा। संतानपक्ष से हर्ष व संतुष्टि रहेगी उच्चशिक्षा व पर्यटन हेतु देश-विदेश-यात्रा संभव है। परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा। पति/पत्नी से संबंध मधुर रहेंगे। २०, २१, २२, २९, ३० जनवरी ६, ७, ८, १६, १७, १८, २५, २६, २७ फरवरी ६, ७, ८, १५, १६, १७, २४, २५, २६ मार्च एवं १ अप्रैल के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

प्रो. नीलम ठगेला
ज्येतिष-विभाग

विक्रम सम्वत् २०७८, ईश्वीय सन् २०२१ - २२ व्रत, पर्व एवं उत्सव

चैत्र शुक्ल पक्ष (दि. १३ अप्रैल से २७ अप्रैल २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा	१३ अप्रैल	मंगल	वासन्तिक नवरात्र प्रा., घटस्थापन, गुड़ी पड़वा, युगादि भारतीय नववर्षारम्भ वैशाखी, रामायण नवाह्न प्रा., कल्पादि, चन्द्रदर्शन, मेष संक्रान्ति २६:३३ बजे।
द्वितीया	१४ अप्रैल	बुध	मेष सं. पुण्यकाल सूर्योदय से मध्याह्न तक, सिन्धारा, झूलेलाल जयन्ती, अम्बेडकर जयन्ती।
तृतीया	१५ अप्रैल	गुरु	मत्स्य जयन्ती (अपराह्न काल), गणगौरी तृतीया, मन्वादि, हिमाचल दिवस।
चतुर्थी	१६ अप्रैल	शुक्र	विनायक चतुर्थी, रोहिणी व्रत।
षष्ठी	१८ अप्रैल	रवि	यमुना छठ, स्कन्द षष्ठी।
अष्टमी	२० अप्रैल	मंगल	महानिशा पूजा, दुर्गाष्टमी, मेला मनसा देवी, मेला बाहुफोर्ट जम्मू।
नवमी	२१ अप्रैल	बुध	श्री रामनवमी व्रत, श्री राम जयन्ती (मध्याह्न काल), श्री तारा जयन्ती, (औली जैन प्रा.), रामायण नवाह्न समा., नवरात्र समा.।
दशमी	२२ अप्रैल	गुरु	नवरात्र व्रत पारणा।
एकादशी	२३ अप्रैल	शुक्र	कामदा एकादशी व्रत। (सर्वेषाम्)
द्वादशी	२४ अप्रैल	शनि	शनि प्रदोष व्रत।
त्रयोदशी	२५ अप्रैल	रवि	महावीर जयन्ती (जैन), अनङ्ग त्रयोदशी।
चतुर्दशी	२६ अप्रैल	सोम	पूर्णिमा व्रत।
पूर्णिमा	२७ अप्रैल	मंगल	सत्यव्रत, मन्वादि, सिद्धाचल यात्रा, हनुमज्जयन्ती (दाक्षिणात्य), औली जैन समा., वैशाख स्नान प्रा.।

चैत्र कृष्ण पक्ष (दि. २८ अप्रैल से ११ मई २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा	२८ अप्रैल	बुध	प्रतिपदाक्षय
द्वितीया	२९ अप्रैल	गुरु	चन्द्रोदय २१:४९ बजे, चतुर्थी व्रत।
पंचमी	१ मई	शनि	श्रमिक दिवस।
षष्ठी	२ मई	रवि	कोकिला षष्ठी, आर्यभट जयन्ती।
सप्तमी/अष्टमी	३ मई	सोम	शर्करा सप्तमी, कालाष्टमी।
अष्टमी	४ मई	मंगल	शीतलाष्टमी।
एकादशी	७ मई	शुक्र	वरूथिनी एकादशी व्रत (स.), वल्लभाचार्य जयन्ती।
द्वादशी	८ मई	शनि	शनि प्रदोष व्रत।
त्रयोदशी	९ मई	रवि	मास शिवरात्रि।
अमावस्या	११ मई	मंगल	भौमवती अमावस्या।

वैशाख शुक्ल पक्ष (दि. १२ मई से २६ मई २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
द्वितीया	१३ मई	गुरु	चन्द्रदर्शन, रोहिणी व्रत, ईद उल फित्तर।
द्वितीया/ तृतीया	१४ मई	शुक्र	परशुराम जयन्ती (प्रदोष काल), वृष संक्रान्ति २३/२५ बजे, सं. पुण्यकाल मध्याह्नोत्तर।,
तृतीया	१५ मई	शनि	अक्षय तृतीया, त्रेतायुगादि, बद्री केदार यात्रा, मातङ्गी जयन्ती, विनायक चतुर्थी।
पंचमी	१७ मई	सोम	आद्य गुरु शंकराचार्य जयन्ती, सूरदास जयन्ती, रामानुज जयन्ती।
सप्तमी	१९ मई	बुध	गंगोत्पत्ति, गंगा सप्तमी।
अष्टमी	२० मई	गुरु	दुर्गाष्टमी (मध्याह्न व्यापिनी), श्री बगलामुखी जयन्ती।

विक्रम सम्वत् २०७८, ईश्वीय सन् २०२१ – २२ व्रत, पर्व एवं उत्सव

वैशाख शुक्ल पक्ष (दि. २१ मई से २६ मई २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
नवमी	२१ मई	शुक्र	सीता नवमी, जानकी नवमी, मैथिली दिवस।
दशमी	२२ मई	शनि	मोहिनी एकादशी व्रत (स्मा.)।
एकादशी	२३ मई	रवि	मोहिनी एकादशी व्रत (वै.), कल्कि ज. (सायंकाल)
त्रयोदशी	२४ मई	सोम	सोम प्रदोष व्रत।
चतुर्दशी	२५ मई	मंगल	पूर्णिमा व्रत, नृसिंह जयन्ती (प्रदोष काल), श्री छिन्नमस्ता जयन्ती।
पूर्णिमा	२६ मई	बुध	बुद्ध पूर्णिमा, बुद्ध जयन्ती (उदयकाल) सत्यव्रत, वैशाख स्नान समा., कूर्म जयन्ती (मध्याह्नकाल), खग्रास चन्द्र ग्रहण।

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष (दि. २७ मई से १० जून २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
प्रतिप्रदा	२७ मई	गुरु	नारद जयन्ती।
तृतीया/चतुर्थी	२९ मई	शनि	चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय २२:४७ बजे।
षष्ठी	३१ मई	सोम	विश्व तम्बाकू निषेध दिवस।
सप्तमी	१ जून	मंगल	भानु सप्तमी।
अष्टमी	२ जून	बुध	कालाष्टमी।
एकादशी	५ जून	शनि	विश्व पर्यावरण दिवस।
एकादशी	६ जून	रवि	अपरा एकादशी व्रत (स.)।
द्वादशी	७ जून	सोम	सोम प्रदोष व्रत।
त्रयोदशी	८ जून	मंगल	मास शिवरात्रि।
अमावस्या	१० जून	गुरु	वट सावित्री व्रत, भावुका अमावस्या, रोहिणी व्रत, सूर्य ग्रहण (भारत में अदृश्य)।

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष (दि. ११ जून से २४ जून २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा	११ जून	शुक्र	चन्द्र दर्शन, काशी दशाश्वमेध स्नान प्रा.।
तृतीया	१३ जून	रवि	रम्भा तृतीया, महाराणा प्रताप जयन्ती।
चतुर्थी	१४ जून	सोम	विनायक चतुर्थी।
पंचमी	१५ जून	मंगल	मिथुन संक्रान्ति ६:०१ बजे, सं. पुण्यकाल मध्याह्न तक।
षष्ठी	१६ जून	बुध	अरण्य षष्ठी, विन्ध्यवासिनी पूजा।
अष्टमी	१८ जून	शुक्र	दुर्गाष्टमी, मेला क्षीर भवानी (काश्मीर), श्री धूमावती जयन्ती।
दशमी	२० जून	रवि	गंगा दशहरा, रामेश्वर प्रतिष्ठा, गंगावतरण।
एकादशी	२१ जून	सोम	गायत्री जयन्ती, निर्जला एकादशी व्रत, वर्ष का सबसे बड़ा दिन। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस, सायन दक्षिणायन प्रा.।
द्वादशी	२२ जून	मंगल	भौम प्रदोष व्रत।
पूर्णिमा	२४ जून	गुरु	पूर्णिमा व्रत, सत्यव्रत, वट सावित्री व्रत (दाक्षिणात्य), वट पूर्णिमा, कबीरदास जयन्ती, मन्वादि (वैवस्वत)।

आषाढ़ कृष्ण पक्ष (दि. २५ जून से १० जुलाई २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
तृतीया	२७ जून	रवि	चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय २२:१० बजे।
सप्तमी	१ जुलाई	गुरु	भानु सप्तमी, कालाष्टमी।
एकादशी	५ जुलाई	सोम	योगिनी एकादशी व्रत (स.)।

विक्रम सम्वत् २०७८, ईश्वीय सन् २०२१ - २२ व्रत, पर्व एवं उत्सव

आषाढ़ कृष्ण पक्ष (दि. २५ जून से १० जुलाई २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
त्रयोदशी	७ जुलाई	बुध	प्रदोष व्रत, रोहिणी व्रत।
चतुर्दशी	८ जुलाई	गुरु	मास शिवरात्रि।
अमावस्या	९ जुलाई	शुक्र	अमावस्या श्राद्धादि।
अमावस्या	१० जुलाई	शनि	शनैश्चरी अमावस्या।

आषाढ़ शुक्ल पक्ष (दि. ११ जुलाई से २४ जुलाई २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा	११ जुलाई	रवि	गुप्त नवरात्रारम्भ, चन्द्र दर्शन।
द्वितीया	१२ जुलाई	सोम	श्री जगन्नाथ रथयात्रा, मनोरथ द्वितीया।
तृतीया	१३ जुलाई	मंगल	विनायक चतुर्थी।
षष्ठी/ सप्तमी	१६ जुलाई	शुक्र	कुसुम्बा षष्ठी, कुमार षष्ठी, शीतला सप्तमी, कर्क संक्रान्ति १६:५३ बजे, सं. पुण्यकाल सूर्योदय से १६:५३ तक।
अष्टमी	१७ जुलाई	शनि	दुर्गाष्टमी, शीतलाष्टमी, अष्टाह्निक प्रा.।
नवमी	१८ जुलाई	रवि	भड्डली नवमी, गुप्त नवरात्र समा.।
एकादशी	२० जुलाई	मंगल	देवशयनी एकादशी व्रत (स.), चातुर्मास्यारम्भ।
द्वादशी	२१ जुलाई	बुध	वासुदेव द्वादशी, प्रदोष व्रत।
चतुर्दशी/पूर्णिमा	२३ जुलाई	शुक्र	पूर्णिमा व्रत, पवन परीक्षा।
पूर्णिमा	२४ जुलाई	शनि	गुरु पूर्णिमा, व्यास पूर्णिमा, अष्टाह्निक पर्व समा., सत्यव्रत, सन्यासियों का चातुर्मास्यारम्भ, कोकिला व्रत, जयापार्वती व्रत।

श्रावण कृष्ण पक्ष (दि. २५ जुलाई से ८ अगस्त २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा/ द्वितीया	२५ जुलाई	रवि	हिण्डोले प्रा. (व्रजमण्डल), अशून्य शयन व्रत
तृतीया	२६ जुलाई	सोम	श्रावण सोमवार व्रत।
चतुर्थी	२७ जुलाई	मंगल	चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय २१:५३ बजे, मंगला गौरी व्रत।
पंचमी	२८ जुलाई	बुध	नाग पञ्चमी (बंगाल, बिहार)।
सप्तमी	३० जुलाई	शुक्र	भानु सप्तमी, शीतला सप्तमी।
अष्टमी	३१ जुलाई	शनि	कालाष्टमी।
नवमी	२ अगस्त	सोम	श्रावण सोमवार व्रत।
दशमी	३ अगस्त	मंगल	मंगला गौरी व्रत, रोहिणी व्रत।
एकादशी	४ अगस्त	बुध	कामिका एकादशी व्रत। (स.)
द्वादशी	५ अगस्त	गुरु	प्रदोष व्रत।
त्रयोदशी	६ अगस्त	शुक्र	मासशिवरात्रि।
अमावस्या	८ अगस्त	रवि	हरियाली अमावस्या।

श्रावण शुक्ल पक्ष (दि. ९ अगस्त से २२ अगस्त २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा	९ अगस्त	सोम	चन्द्रदर्शन, श्रावण सोमवार व्रत।
द्वितीया	१० अगस्त	मंगल	सिन्धारा, मंगला गौरी व्रत।
तृतीया	११ अगस्त	बुध	हरियाली तीज, मधुश्रवा तृतीया, स्वर्णगौरी व्रत।
चतुर्थी	१२ अगस्त	गुरु	विनायक चतुर्थी, दूर्वा गणपति व्रत।
पंचमी	१३ अगस्त	शुक्र	नाग पञ्चमी, ऋग्यजु हिरण्यकेशी श्रावणी उपाकर्म, कल्कि जयन्ती (सायंकाल)।

विक्रम सम्वत् २०७८, ईश्वीय सन् २०२१ - २२ व्रत, पर्व एवं उत्सव

श्रावण शुक्ल पक्ष (दि. ९ अगस्त से २२ अगस्त २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
षष्ठी	१४ अगस्त	शनि	वर्ण षष्ठी।
सप्तमी	१५ अगस्त	रवि	शीतला सप्तमी, भानु सप्तमी, तुलसीदास जयन्ती, स्वतन्त्रता दिवस।
अष्टमी/ नवमी	१६ अगस्त	सोम	दुर्गाष्टमी, मेला श्री नयना देवी, मेला ज्वालाजी, मेला चिन्तपूर्णी, श्रावण सोमवार व्रत, सिंह संक्रान्ति २५/१७ बजे ।
दशमी	१७ अगस्त	मंगल	सिंह सं. पुण्यकाल, मध्याह्न तक, मंगला गौरी व्रत।
एकादशी	१८ अगस्त	बुध	पुत्रदा (पवित्रा) एकादशी व्रत (स्मा+वै.)।
द्वादशी	१९ अगस्त	गुरु	पुत्रदा एकादशी व्रत (निम्बार्क)।
त्रयोदशी	२० अगस्त	शुक्र	प्रदोष व्रत।
चतुर्दशी	२१ अगस्त	शनि	पूर्णिमा व्रत।
पूर्णिमा	२२ अगस्त	रवि	रक्षा बन्धन, सत्यव्रत, श्रावणी उपाकर्म, हयग्रीवावतार, अमरनाथ दर्शन, हिण्डोले समा. (व्रजमण्डल), संस्कृत दिवस।

भाद्रपद कृष्ण पक्ष (दि. २३ अगस्त से ७ सितम्बर २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा/द्वितीया	२३ अगस्त	सोम	अशून्य शयन व्रत।
तृतीया	२५ अगस्त	बुध	कज्जली तृतीया, बहुला चतुर्थी, चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय।
षष्ठी	२८ अगस्त	शनि	बलराम जयन्ती, हल षष्ठी, चन्दन षष्ठी, चम्पा षष्ठी।
सप्तमी	२९ अगस्त	रवि	शीतला सप्तमी, भानु सप्तमी।

भाद्रपद कृष्ण पक्ष (दि. २३ अगस्त से ७ सितम्बर २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
अष्टमी	३० अगस्त	सोम	कालाष्टमी, श्री कृष्ण जयन्ती (निशीथ काल) श्री कृष्ण जन्माष्टमी व्रत, श्री महाकाली जयन्ती (निशीथ काल)
नवमी	३१ अगस्त	मंगल	रोहिणी व्रत, गोगा नवमी, गोकुलोत्सव।
एकादशी	३ सितम्बर	शुक्र	अजा एकादशी व्रत (स.)।
द्वादशी	४ सितम्बर	शनि	शनि प्रदोष व्रत।
त्रयोदशी	५ सितम्बर	रवि	पर्यूषण पर्वारम्भ (जैन), मासशिवरात्रि, डाकिनी चतुर्दशी, शिक्षक दिवस।
चतुर्दशी	६ सितम्बर	सोम	अमावस्या श्राद्धादि, कुशोत्पाटिनी अमावस्या।
अमावस्या	७ सितम्बर	मंगल	अमावस्या स्नानदानादि।

भाद्रपद शुक्ल पक्ष (दि. ८ सितम्बर से २० सितम्बर २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
द्वितीया	८ सितम्बर	बुध	चन्द्र दर्शन।
तृतीया	९ सितम्बर	गुरु	सामवेदियों का उपाकर्म, हरतालिका तीज, अर्ध्यदान, वराह जयन्ती (अपराह्न काल)।
चतुर्थी	१० सितम्बर	शुक्र	गणेश चतुर्थी व्रत, विनायक चतुर्थी (महाराष्ट्र), चन्द्र दर्शन निषेध, चन्द्रास्त २०/५४ बजे, कलङ्क चतुर्थी, पत्थर चौथ, जैन संवत्सरी चतुर्थी पक्ष।
पंचमी	११ सितम्बर	शनि	ऋषि पंचमी, जैन संवत्सरी पंचमी पक्ष।
षष्ठी	१२ सितम्बर	रवि	स्कन्द षष्ठी, सूर्य षष्ठी, बलदेव छठ, लोलार्क षष्ठी, ललिता षष्ठी, मेला देव छठ (व्रजमण्डल), स्वामी कार्तिकेय दर्शन।

विक्रम सम्वत् २०७८, ईश्वीय सन् २०२१ - २२ व्रत, पर्व एवं उत्सव

भाद्रपद शुक्ल पक्ष (दि. ८ सितम्बर से २० सितम्बर २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
अष्टमी	१४ सितम्बर	मंगल	राधाष्टमी, दुर्गाष्टमी, दूर्वाष्टमी, महालक्ष्मी व्रतारम्भ, हिन्दी दिवस।
नवमी	१५ सितम्बर	बुध	श्री चन्द नवमी, अदुःख नवमी, मेला श्री रामदेव जी (राज.)।
दशमी	१६ सितम्बर	गुरु	कन्या संक्रान्ति २५/१३ बजे।
एकादशी	१७ सितम्बर	शुक्र	कन्या सं. पुण्यकाल मध्याह्न तक, पार्श्व परिवर्तिनी एकादशी व्रत (स.), वामन द्वादशी, वामन जयन्ती (मध्याह्न काल)।
द्वादशी/ त्रयोदशी	१८ सितम्बर	शनि	श्री भुवनेश्वरी जयन्ती, शनि प्रदोष व्रत, ओणम।
चतुर्दशी	१९ सितम्बर	रवि	अनन्त चतुर्दशी, गणेश विसर्जन।
पूर्णिमा	२० सितम्बर	सोम	पूर्णिमा व्रत, सत्य व्रत, पूर्णिमा श्राद्ध, प्रौष्ठपदी पूर्णिमा, महालयारम्भ।

आश्विन कृष्ण पक्ष (दि. २१ सितम्बर से ६ अक्टूबर २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा	२१ सितम्बर	मंगल	प्रतिपदा श्राद्ध।
द्वितीया	२२ सितम्बर	बुध	अशून्य शयन व्रत, विषुवद् दिन, शरत् सम्पात, दक्षिण गोल प्रा., द्वितीया श्राद्ध।
द्वितीया/तृतीया	२३ सितम्बर	गुरु	तृतीया का श्राद्ध।
तृतीया/ चतुर्थी	२४ सितम्बर	शुक्र	चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय २०/२१ बजे, चतुर्थी श्राद्ध, भरणी श्राद्ध।
चतुथी/पंचमी	२५ सितम्बर	शनि	पंचमी श्राद्ध।

आश्विन कृष्ण पक्ष (दि. २१ सितम्बर से ६ अक्टूबर २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
षष्ठी	२७ सितम्बर	सोम	षष्ठी श्राद्ध, रोहिणी व्रत।
सप्तमी	२८ सितम्बर	मंगल	सप्तमी श्राद्ध, कालाष्टमी, महालक्ष्मी व्रत समा.।
अष्टमी	२९ सितम्बर	बुध	जीवितपुत्रिका व्रत, जीमूतवानव्रत, अष्टमी श्राद्ध।
नवमी	३० सितम्बर	गुरु	सधवा नवमी, मातृ नवमी, नवमी श्राद्ध, अन्वष्टका श्राद्ध।
दशमी	१ अक्टूबर	शुक्र	दशमी श्राद्ध।
एकादशी	२ अक्टूबर	शनि	इन्दिरा एकादशी व्रत (स.), गाँधी जयन्ती, श्री लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती, एकादशी श्राद्ध।
द्वादशी	३ अक्टूबर	रवि	द्वादशी श्राद्ध, मघा श्राद्ध, सन्यासियों का श्राद्ध।
त्रयोदशी	४ अक्टूबर	सोम	सोम प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि, त्रयोदशी श्राद्ध।
चतुर्दशी	५ अक्टूबर	मंगल	चतुर्दशी श्राद्ध, विष-शस्त्रादि से हतों का श्राद्ध।
अमावस्या	६ अक्टूबर	बुध	अमावस्या श्राद्ध, सर्वपितृ अमावस्या, सर्व पितृ विसर्जन, पितृ पक्ष समा., गजच्छाया योग।

आश्विन शुक्ल पक्ष (दि. ७ अक्टूबर से २० अक्टूबर २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा	७ अक्टूबर	गुरु	चन्द्रदर्शन, मातामह श्राद्ध, शारदीय नवरात्र प्रा., घटस्थापन, महाराजा अग्रसेन जयन्ती।
तृतीया/चतुर्थी	९ अक्टूबर	शनि	विनायक चतुर्थी।
पंचमी	१० अक्टूबर	रवि	उपांग ललिता व्रत, ललिता पञ्चमी।
षष्ठी	११ अक्टूबर	सोम	सरस्वती आवाहन, पत्रिका प्रवेश। बिल्वाभिमन्त्रण (ज्येष्ठा नक्षत्र में)।

विक्रम सम्वत् २०७८, ईश्वीय सन् २०२१ - २२ व्रत, पर्व एवं उत्सव

आश्विन शुक्ल पक्ष (दि. ७ अक्टूबर से २० अक्टूबर २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
सप्तमी	१२ अक्टूबर	मंगल	महानिशीथ पूजन।
अष्टमी	१३ अक्टूबर	बुध	दुर्गाष्टमी, महाष्टमी, औली जैन प्रा., सन्धि पूजा।
नवमी	१४ अक्टूबर	गुरु	सरस्वती बलिदान, महानवमी, त्रिशूलिनी पूजा, नवमी व्रत।
दशमी	१५ अक्टूबर	शुक्र	अपराजिता पूजा, विजयादशमी, सरस्वती विसर्जन, विद्यापीठ स्थापना दिवस, नवरात्र पारणा, शमी पूजा, शस्त्र पूजा, दशहरा, सीमोल्लंघन।
एकादशी	१६ अक्टूबर	शनि	पापांकुशा एकादशी व्रत (स.), मेला भरत मिलाप, मध्वाचार्य जयन्ती।
द्वादशी	१७ अक्टूबर	रवि	पद्मनाभ द्वादशी, प्रदोष व्रत, तुला संक्राति १३/१२ बजे, सं. पुण्यकाल ९/१२ बजे से १७/१२ बजे तक।
चतुर्दशी/ पूर्णिमा	१९ अक्टूबर	मंगल	कोजागरा व्रत, रास महोत्सव, लक्ष्मी पूजन, कोजागरी पूर्णिमा।
पूर्णिमा	२० अक्टूबर	बुध	पूर्णिमा व्रत, सत्यव्रत, बाल्मीकि जयन्ती, मीराबाई जयन्ती, औली जैन समा. कार्तिक स्नान प्रा., शरत् पूर्णिमा।

कार्तिक कृष्ण पक्ष (दि. ३१ अक्टूबर से ४ नवम्बर २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
चतुर्थी	२४ अक्टूबर	रवि	रोहिणी व्रत, चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय २०:०० बजे, करवा चौथ, करक चतुर्थी।
पंचमी	२६ अक्टूबर	मंगल	स्कन्द षष्ठी।

कार्तिक कृष्ण पक्ष (दि. ३१ अक्टूबर से ४ नवम्बर २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
सप्तमी/ अष्टमी	२८ अक्टूबर	गुरु	अहोई अष्टमी, कालाष्टमी, राधा कुण्ड स्नान रात्रि समाप्ति पर अरूणोदय में।
एकादशी	१ नवम्बर	सोम	रमा एकादशी व्रत (स.), गोवत्स द्वादशी।
द्वादशी	२ नवम्बर	मंगल	भौम प्रदोष व्रत, धनतेरस, धनवन्तरि जयन्ती, यम दीपदान।
त्रयोदशी/ चतुर्दशी	३ नवम्बर	बुध	मासशिवरात्रि, हनुमज्जयन्ती, नरक चतुर्दशी, रूप चौदस, यमदीप दान।
अमावस्या	४ नवम्बर	गुरु	अमावस्या, दीपावली, महालक्ष्मी पूजन, केदारगौरी व्रत, कमला जयन्ती (प्रदोषकाल), महावीर निर्वाण दिवस, दयानन्द निर्वाण दिवस, शंकराचार्य निर्वाण दिवस, श्री महाकाली पूजा, उल्का भ्रमण, विद्यापीठ संस्थापक कुलपति डॉ. मण्डन मिश्र निर्वाण दिवस।

कार्तिक शुक्ल पक्ष (दि. ५ नवम्बर से १९ नवम्बर २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा	५ नवम्बर	शुक्र	गोवर्धन पूजा, अन्नकूट, विश्वकर्मा पूजा, गो पूजा।
द्वितीया	६ नवम्बर	शनि	चन्द्रदर्शन, भ्रातृ द्वितीया, यम द्वितीया, चित्र गुप्त पूजन, यमुना स्नान (मथुरा)।
चतुर्थी	८ नवम्बर	सोम	विनायक चतुर्थी।
पंचमी	९ नवम्बर	मंगल	लाभ पञ्चमी, ज्ञान पंचमी, पाण्डव पंचमी, सायंकालीन सूर्य अर्घ्यदान।

विक्रम सम्वत् २०७८, ईश्वीय सन् २०२१ - २२ व्रत, पर्व एवं उत्सव

कार्तिक शुक्ल पक्ष (दि. ५ नवम्बर से १९ नवम्बर २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
षष्ठी	१० नवम्बर	बुध	छठ पूजा, सूर्य षष्ठी, प्रतिहार षष्ठी व्रत, प्रातः कालीन सूर्य को अर्घ्य दान।
सप्तमी/ अष्टमी	११ नवम्बर	गुरु	अष्टाह्निक पर्व प्रा., गोपाष्टमी, दुर्गाष्टमी, मेला गोचारण (मथुरा), औली जैन. प्रा.।
नवमी	१२ नवम्बर	शुक्र	अक्षय नवमी, सत्य युगादि, कूष्माण्ड नवमी, मथुरा परिक्रमा।
दशमी	१३ नवम्बर	शनि	मेला कंस (मथुरा)
एकादशी	१४ नवम्बर	रवि	प्रबोधिनी/देवोत्थान एकादशी व्रत (स्मा.), तुलसी विवाह, कालिदास जयन्ती, भीष्मपंचक प्रा., चातुर्मास्य समा. (सन्यासी), बाल दिवस।
द्वादशी	१५ नवम्बर	सोम	देवोत्थन/प्रबोधिनी एकादशी व्रत (वैष्णव एवं निम्बार्क), मन्वादि।
द्वादशी/ त्रयोदशी	१६ नवम्बर	मंगल	भौम प्रदोष व्रत, वृश्चिक संक्रान्ति १३:०३ बजे, सं. पुण्यकाल सूर्योदय से १३:०३ बजे तक।
त्रयोदशी	१७ नवम्बर	बुध	वैकुण्ठ चतुर्दशी।
चतुर्दशी	१८ नवम्बर	गुरु	मणिकर्णिका स्नान, काशी विश्वनाथ स्थापना दिवस, पूर्णिमा व्रत, देव दीपावली।
पूर्णिमा	१९ नवम्बर	शुक्र	सत्यव्रत, भीष्म पंचक समा., पुष्कर स्नान, गुरु नानक जयन्ती, मेला गढ़गंगा (मुक्तेश्वर), मेला हरिहर क्षेत्र, औली जैन समा., कार्तिक स्नान समा., मन्वादि।

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष (दि. २० नवम्बर से ४ दिसम्बर २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा	२० नवम्बर	शनि	रोहिणी व्रत।
चतुर्थी	२३ नवम्बर	मंगल	चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय २०:१४ बजे।
अष्टमी	२७ नवम्बर	शनि	कालभैरव जयन्ती, कालाष्टमी।
एकादशी	३० नवम्बर	मंगल	उत्पन्ना एकादशी व्रत (स्मा.+वै.)।
द्वादशी	१ दिसम्बर	बुध	उत्पन्ना एकादशी व्रत (निम्बार्क)।
त्रयोदशी	२ दिसम्बर	गुरु	प्रदोष व्रत, मासशिवरात्रि।
अमावस्या	४ दिसम्बर	शनि	शनैश्चरी अमावस्या, खग्रास सूर्य ग्रहण (भारत में अदृश्य)।

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष (दि. ५ दिसम्बर से १९ दिसम्बर २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा/द्वितीया	५ दिसम्बर	रवि	चन्द्रदर्शन।
चतुर्थी	७ दिसम्बर	मंगल	विनायक चतुर्थी।
पंचमी	८ दिसम्बर	बुध	पंचमी, सीताराम विवाह, विहार पंचमी, नाग पंचमी (दाक्षिणात्य), स्वामी हरिदास जयन्ती, रामदास जयन्ती, बाबू बैजनाथ जयन्ती।
षष्ठी	९ दिसम्बर	गुरु	स्कन्द षष्ठी, चम्पा षष्ठी।
अष्टमी	११ दिसम्बर	शनि	दुर्गाष्टमी।
एकादशी	१४ दिसम्बर	मंगल	मोक्षदा एकादशी व्रत (स.), गीता जयन्ती, मौनी एकादशी (जैन) पं. मदनमोहन मालवीय जयन्ती।
द्वादशी	१५ दिसम्बर	बुध	मत्स्य द्वादशी, धनु संक्रान्ति २७:४४ बजे।
त्रयोदशी	१६ दिसम्बर	गुरु	प्रदोष व्रत, अनंग त्रयोदशी, धनु सं. पुण्यकाल १०:०८ बजे तक।

विक्रम सम्वत् २०७८, ईश्वीय सन् २०२१ - २२ व्रत, पर्व एवं उत्सव

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष (दि. ५ दिसम्बर से १९ दिसम्बर २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
चतुर्दशी	१७ दिसम्बर	शुक्र	पिशाचमोचन श्राद्ध।
चतुर्दशी/पूर्णिमा	१८ दिसम्बर	शनि	रोहिणी व्रत, पूर्णिमा व्रत, दत्तात्रेय जयन्ती, त्रिपुरभैरवी जयन्ती (प्रदोष व्यापिनी)।
पूर्णिमा	१९ दिसम्बर	रवि	सत्यव्रत, पूर्णिमा स्नानदानादि।

पौष कृष्ण पक्ष (दि. २० दिसम्बर २०२१ से २ जनवरी २०२२ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
द्वितीया	२१ दिसम्बर	मंगल	वर्ष का सबसे छोटा दिन, उत्तरायण प्रा.।
तृतीया	२२ दिसम्बर	बुध	चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय।
षष्ठी	२५ दिसम्बर	शनि	क्रिसमस दिवस, ईसामसीह जयन्ती।
सप्तमी	२६ दिसम्बर	रवि	कालाष्टमी।
एकादशी	३० दिसम्बर	गुरु	सफला एकादशी व्रत (स.)।
द्वादशी	३१ दिसम्बर	शुक्र	रूप द्वादशी, प्रदोष व्रत।
त्रयोदशी/चतुर्दशी	१ जनवरी	शनि	मास शिवरात्रि, आंग्ल नववर्षारम्भ।
अमावस्या	२ जनवरी	रवि	अमावस्या।

पौष शुक्ल पक्ष (दि. ३ जनवरी से १७ जनवरी २०२२ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
द्वितीया	४ जनवरी	मंगल	चन्द्र दर्शन।
चतुर्थी	६ जनवरी	गुरु	विनायक चतुर्थी।
अष्टमी	१० जनवरी	सोम	दुर्गाष्टमी।
दशमी	१२ जनवरी	बुध	स्वामी विवेकानन्द जयन्ती।
एकादशी	१३ जनवरी	गुरु	पुत्रदा एकादशी व्रत (स.), लोहड़ी।
द्वादशी	१४ जनवरी	शुक्र	रोहिणी व्रत, मकर संक्रान्ति १४:२९ बजे, सं. पुण्यकाल सूर्यास्त तक।
त्रयोदशी	१५ जनवरी	शनि	शनिप्रदोष व्रत।

पौष शुक्ल पक्ष (दि. ३ जनवरी से १७ जनवरी २०२२ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
पूर्णिमा	१७ जनवरी	सोम	पूर्णिमा व्रत, सत्यव्रत, माघ स्नान प्रा., शाकम्भरी जयन्ती।

माघ कृष्ण पक्ष (दि. १८ जनवरी से १ फरवरी २०२२ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
तृतीया/चतुर्थी	२१ जनवरी	शुक्र	संकष्ट चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय २१:०० बजे, संकट चौथ, गणेशोत्पत्ति, तिल चतुर्थी।
सप्तमी/अष्टमी	२५ जनवरी	मंगल	कालाष्टमी, हिमाचल प्रदेश पूर्ण राज्य दिवस।
नवमी	२६ जनवरी	बुध	गणतन्त्र दिवस।
एकादशी	२८ जनवरी	शुक्र	षट्तिला एकादशी व्रत (स्मा.+वै.)।
द्वादशी	२९ जनवरी	शनि	षट्तिला एकादशी व्रत (निम्बार्क)।
त्रयोदशी	३० जनवरी	रवि	प्रदोष व्रत, मासशिवरात्रि।
चतुर्दशी/अमावस्या	३१ जनवरी	सोम	श्राद्धादि अमावस्या, यम तर्पण।
अमावस्या	१ फरवरी	मंगल	भौमवती अमावस्या, अमावस्या स्नानदानादि, मौनी अमावस्या, प्रयाग स्नान।

माघ शुक्ल पक्ष (दि. २ फरवरी से १६ फरवरी २०२२ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा/द्वितीया	२ फरवरी	बुध	गुप्त नवरात्र प्रा. (शिशिर), चन्द्र दर्शन।
चतुर्थी	४ फरवरी	शुक्र	विनायक चतुर्थी, तिल चतुर्थी।
पंचमी	५ फरवरी	शनि	वसन्त पंचमी, श्री पंचमी, सरस्वती पूजन।
षष्ठी	६ फरवरी	रवि	स्कन्द षष्ठी।
सप्तमी	७ फरवरी	सोम	रथ सप्तमी, भानु सप्तमी, अचला सप्तमी।
अष्टमी	८ फरवरी	मंगल	भीष्माष्टमी, दुर्गाष्टमी, मन्वादि।
नवमी	१० फरवरी	गुरु	रोहिणी व्रत, गुप्त नवरात्र (शिशिर) समा.।

विक्रम सम्वत् २०७८, ईश्वीय सन् २०२१ - २२ व्रत, पर्व एवं उत्सव

माघ शुक्ल पक्ष (दि. २ फरवरी से १६ फरवरी २०२२ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
एकादशी	१२ फरवरी	शनि	जया एकादशी व्रत (स.), कुम्भ संक्रान्ति २७:२७ बजे।
द्वादशी	१३ फरवरी	रवि	भीष्म द्वादशी, तिल द्वादशी, कुम्भ सं पुण्यकाल सूर्योदय से मध्याह्न तक।
त्रयोदशी	१४ फरवरी	सोम	सोम प्रदोष व्रत, मरु महोत्सव जैसलमेर (राज.) प्रा.।
चतुर्दशी	१५ फरवरी	मंगल	हजरत अली जन्म दिवस।
पूर्णिमा	१६ फरवरी	बुध	माघी पूर्णिमा, पूर्णिमा व्रत, सत्यव्रत, गुरु रविदास जयन्ती, मरु महोत्सव समा., माघ स्नान समा., श्री ललिता जयन्ती।

फाल्गुन कृष्ण पक्ष (दि. १७ फरवरी से २ मार्च २०२२ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
तृतीया/चतुर्थी	१९ फरवरी	शनि	चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय २०: ५२ बजे।
सप्तमी/अष्टमी	२३ फरवरी	बुध	कालाष्टमी।
अष्टमी	२४ फरवरी	गुरु	हलाष्टमी, जानकी अष्टमी।
दशमी	२६ फरवरी	शनि	महर्षि दयानन्द सरस्वती जयन्ती, विजया एकादशी व्रत (स्मा.)।
एकादशी	२७ फरवरी	रवि	विजया एकादशी व्रत (वै.+नि.)।
त्रयोदशी	२८ फरवरी	सोम	सोम प्रदोष व्रत।
चतुर्दशी	१ मार्च	मंगल	महा शिवरात्रि व्रत।
अमावस्या	२ मार्च	बुध	महाशिवरात्रि व्रत पारणा, युगादि अमावस्या।

फाल्गुन शुक्ल पक्ष (दि. ३ मार्च से १८ मार्च २०२२ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
द्वितीया	४ मार्च	शुक्र	चन्द्र दर्शन, फुलैरादोज, रामकृष्ण परमहंस जयन्ती।
चतुथी	६ मार्च	रवि	विनायक चतुर्थी।

फाल्गुन शुक्ल पक्ष (दि. ३ फरवरी से १८ मार्च २०२२ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
अष्टमी	१० मार्च	गुरु	रोहिणी व्रत, दुर्गाष्टमी, अष्टाह्निक पर्व प्रा., औली जैन प्रा., होलाष्टक प्रा.।
एकादशी	१४ मार्च	सोम	आमलकी एकादशी व्रत (स.), रङ्गभरी एकादशी, मीन संक्रान्ति २४:१६ बजे।
द्वादशी	१५ मार्च	मंगल	भौम प्रदोष व्रत, मीन सं. पुण्यकाल सूर्योदय से, गोविन्द द्वादशी।
चतुर्दशी	१७ मार्च	गुरु	अष्टाह्निक पर्व समा, होलाष्टक समा., औली जैन समा., पूर्णिमा व्रत, होलिका दहन, २२:१५ से २३:२७ भद्रापुच्छभाग में।
पूर्णिमा	१८ मार्च	शुक्र	होली, सत्यव्रत, घुलैण्डी, घूलिवन्दन, आम्रकलिका प्राशन, वसन्तोत्सव, चैतन्य महाप्रभु जयन्ती, मन्वादि।

चैत्र कृष्ण पक्ष (दि. १९ मार्च से १ अप्रैल २०२२ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
तृतीया	२१ मार्च	सोम	चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय २१:५१ बजे।
चतुथी/पंचमी	२२ मार्च	मंगल	रंग पंचमी, मेला नवचण्डी प्रा. (मेरठ)।
षष्ठी	२३ मार्च	बुध	एकनाथ षष्ठी।
अष्टमी	२५ मार्च	शुक्र	मेला नवचण्डी (मेरठ) समा., कालाष्टमी, शीतलाष्टमी बासोडा।
एकादशी	२८ मार्च	सोम	पापमोचिनी एकादशी व्रत (स.)।
द्वादशी	२९ मार्च	मंगल	भौम प्रदोष व्रत।
त्रयोदशी	३० मार्च	बुध	मासशिवरात्रि।
चतुर्दशी/अमावस्या	३१ मार्च	गुरु	अमावस्या श्राद्धादि।
अमावस्या	१ अप्रैल	शुक्र	अमावस्या स्नानदानादि, मेला पेह्वा (पृथुदक) हरियाणा, बैंक अवकाश, विक्रम संवत् २०७८ समाप्त।

विक्रम संवत् २०७८ के वर्गीकृत व्रत, पर्वों की सूची

।। विनायक चतुर्थी व्रत ।।

चैत्र	शु.	चतुर्थी	१६ दिसम्बर २०२१ई.
वैशाख	शु.	चतुर्थी	१५ मई ”
ज्येष्ठ	शु.	चतुर्थी	१४ जून ”
आषाढ़	शु.	चतुर्थी	१३ जुलाई ”
श्रावण	शु.	चतुर्थी	१२ अगस्त ”
भाद्रपद	शु.	चतुर्थी	१० सितम्बर ”
आश्विन	शु.	चतुर्थी	०९ अक्टूबर ”
कार्तिक	शु.	चतुर्थी	०८ नवम्बर ”
मार्गशीर्ष	शु.	चतुर्थी	०७ दिसम्बर ”
पौष	शु.	चतुर्थी	०६ जनवरी २०२२ई.
माघ	शु.	चतुर्थी	०४ फरवरी ”
फाल्गुन	शु.	चतुर्थी	०६ मार्च ”

।। संकष्ट चतुर्थी व्रत ।।

वैशाख	कृ.	चतुर्थी	२९ अप्रैल २०२१ई.
ज्येष्ठ	कृ.	चतुर्थी	२९ मई ”
आषाढ़	कृ.	चतुर्थी	२७ जून ”
श्रावण	कृ.	चतुर्थी	२७ जुलाई ”
भाद्रपद	कृ.	चतुर्थी	२५ अगस्त ”
आश्विन	कृ.	चतुर्थी	२४ सितम्बर ”
कार्तिक	कृ.	चतुर्थी	२४ अक्टूबर ”
मार्गशीर्ष	कृ.	चतुर्थी	२३ नवम्बर ”
पौष	कृ.	चतुर्थी	२२ दिसम्बर ”
माघ	कृ.	चतुर्थी	२१ जनवरी २०२२ ई.
फाल्गुन	कृ.	चतुर्थी	१९ फरवरी ”
चैत्र	कृ.	चतुर्थी	२१ मार्च ”

।। दुर्गाष्टमी व्रत ।।

चैत्र	शु.	अष्टमी	२० अप्रैल २०२१ ई.
वैशाख	शु.	अष्टमी	२० मई ”
ज्येष्ठ	शु.	अष्टमी	१८ जून ”
आषाढ़	शु.	अष्टमी	१७ जुलाई ”
श्रावण	शु.	अष्टमी	१६ अगस्त ”
भाद्रपद	शु.	अष्टमी	१४ सितम्बर ”
आश्विन	शु.	अष्टमी	१३ अक्टूबर ”
कार्तिक	शु.	अष्टमी	११ नवम्बर ”
मार्गशीर्ष	शु.	अष्टमी	११ दिसम्बर ”
पौष	शु.	अष्टमी	१० जनवरी २०२२ ई.
माघ	शु.	अष्टमी	०८ फरवरी ”
फाल्गुन	शु.	अष्टमी	१० मार्च ”

।। कालाष्टमी व्रत ।।

वैशाख	कृ.	अष्टमी	०३ मई २०२१ ई.
ज्येष्ठ	कृ.	अष्टमी	०२ जून ”
आषाढ़	कृ.	अष्टमी	०१ जुलाई ”
श्रावण	कृ.	अष्टमी	३१ जुलाई ”
भाद्रपद	कृ.	अष्टमी	३० अगस्त ”
आश्विन	कृ.	अष्टमी	२८ सितम्बर ”
कार्तिक	कृ.	अष्टमी	२८ अक्टूबर ”
मार्गशीर्ष	कृ.	अष्टमी	२७ नवम्बर ”
पौष	कृ.	अष्टमी	२६ दिसम्बर ”
माघ	कृ.	अष्टमी	२५ जनवरी २०२२ई.
फाल्गुन	कृ.	अष्टमी	२३ फरवरी ”
चैत्र	कृ.	अष्टमी	२५ मार्च ”

।। एकादशी व्रत ।।

चैत्र	शु.	कामदा	२३ अप्रैल २०२१ ई.
वैशाख	कृ.	वरूथिनी	०७ मई ”
वैशाख	शु.	मोहिनी (स्मा.)	२२ मई ”
वैशाख	शु.	मोहिनी (वै.)	२३ मई ”
ज्येष्ठ	कृ.	अपरा	०६ जून ”
ज्येष्ठ	शु.	निर्जला	२१ जून ”
आषाढ़	कृ.	योगिनी	०५ जुलाई ”
आषाढ़	शु.	देवशयनी	२० जुलाई ”
श्रावण	कृ.	कामिका	०४ अगस्त ”
श्रावण	शु.	पुत्रदा (स्मा.+वै.)	१८ अगस्त ”
श्रावण	शु.	पुत्रदा (नि.)	१९ अगस्त ”
भाद्रपद	कृ.	अजा	०३ सितम्बर ”
भाद्रपद	शु.	पार्श्व परिवर्तिनी	१७ सितम्बर ”
आश्विन	कृ.	इन्दिरा	०२ अक्टूबर ”
आश्विन	शु.	पापांकुशा	१६ अक्टूबर ”
कार्तिक	कृ.	रमा	०१ नवम्बर ”
कार्तिक	शु.	देवोत्थान (स्या.)	१४ नवम्बर ”
कार्तिक	शु.	देवोत्थान (वै.+नि.)	१५ नवम्बर ”
मार्गशीर्ष	कृ.	उत्पन्ना (स्या.+वै.)	३० नवम्बर ”
मार्गशीर्ष	कृ.	उत्पन्ना (नि.)	०१ दिसम्बर ”
मार्गशीर्ष	शु.	मोक्षदा	१४ दिसम्बर ”
पौष	कृ.	सफला	३० दिसम्बर ”
पौष	शु.	पुत्रदा	१३ जनवरी २०२२ ई.
माघ	कृ.	षट्तिला (स्मा.+वै.)	२८ जन.२०२२ई.
माघ	कृ.	षट्तिला (नि.)	२९ जन ”
माघ	शु.	जया	१२ फरवरी ”
फाल्गुन	कृ.	विजया (स्मा.)	२६ फरवरी ”
फाल्गुन	कृ.	विजया (वै.+नि.)	२७ फरवरी ”
फाल्गुन	शु.	आमलकी	१४ मार्च ”
चैत्र	कृ	पापमोचिनी	२८ मार्च ”

।। प्रदोष व्रत ।।

चैत्र	शु.	त्रयोदशी	२५ अप्रैल २०२१ई.
वैशाख	कृ.	”	०८ मई ”
वैशाख	शु.	”	२४ मई ”
ज्येष्ठ	कृ.	”	०७ जून ”
ज्येष्ठ	शु.	”	२२ जून ”
आषाढ़	कृ.	”	०७ जुलाई ”
आषाढ़	शु.	”	२१ जुलाई ”
श्रावण	कृ.	”	०५ अगस्त ”
श्रावण	शु.	”	२० अगस्त ”
भाद्रपद	कृ.	”	०४ सितम्बर ”
भाद्रपद	शु.	”	१८ सितम्बर ”
आश्विन	कृ.	”	०४ अक्टूबर ”
आश्विन	शु.	”	१७ अक्टूबर ”
कार्तिक	कृ.	”	०२ नवम्बर ”
कार्तिक	शु.	”	१६ नवम्बर ”
मार्गशीर्ष	कृ.	”	०२ दिसम्बर ”

विक्रम संवत् २०७८ के वर्गीकृत व्रत, पर्वों की सूची

मास	पक्ष	तिथि	दिनांक
मार्गशीर्ष	शु.	त्रयोदशी	१६ दिसम्बर२०२१ई.
पौष	कृ.	"	३१ दिसम्बर "
पौष	शु.	"	१५ जनवरी २०२२ ई.
माघ	कृ.	"	३० जनवरी "
माघ	शु.	"	१४ फरवरी "
फाल्गुन	कृ.	"	२८ फरवरी "
फाल्गुन	शु.	"	१५ मार्च "
चैत्र	कृ.	"	२६ मार्च "

॥ मास शिवरात्रि ॥

मास	पक्ष	तिथि	दिनांक
वैशाख	कृ.	चतुर्दशी	०९ मई २०२१ ई.
ज्येष्ठ	"	"	०८ जून "
आषाढ़	"	"	०८ जुलाई "
श्रावण	"	"	०६ अगस्त "
भाद्रपद	"	"	०५ सितम्बर "
आश्विन	"	"	०४ अक्टूबर "
कार्तिक	"	"	०३ नवम्बर "
मार्गशीर्ष	"	"	०२ दिसम्बर "
पौष	"	"	०१ जनवरी २०२२ई.
माघ	"	"	३० जनवरी "
फाल्गुन	"	"	०१ मार्च "
चैत्र	"	"	३० मार्च "

॥ अमावस्या श्राद्धादि ॥

मास	पक्ष	तिथि	दिनांक
वैशाख	कृ.	अमावस्या	११ मई २०२१ ई.
ज्येष्ठ	"	"	१० जून "
आषाढ़	"	"	०९ जुलाई "
श्रावण	कृ.	अमावस्या	०८ अगस्त २०२१ ई.
भाद्रपद	"	"	०६ सितम्बर "
आश्विन	"	"	०६ अक्टूबर "
कार्तिक	"	"	०४ नवम्बर "
मार्गशीर्ष	"	"	०४ दिसम्बर "
पौष	"	"	०२ जन.२०२२ ई.
माघ	"	"	३१ जनवरी "
फाल्गुन	"	"	०२ मार्च "
चैत्र	"	"	३१ मार्च "

॥ सत्यनारायण व्रत ॥

मास	पक्ष	तिथि	दिनांक
चैत्र	शु.	पूर्णिमा	२७ अप्रैल २०२१ ई.
वैशाख	"	"	२६ मई "
ज्येष्ठ	"	"	२४ जून "
आषाढ़	"	"	२४ जुलाई "
श्रावण	"	"	२२ अगस्त "
भाद्रपद	"	"	२० सितम्बर "
आश्विन	"	"	२० अक्टूबर "
कार्तिक	"	"	१९ नवम्बर "
मार्गशीर्ष	"	"	१९ दिसम्बर "
पौष	"	"	१७ जनवरी २०२२ई.
माघ	"	"	१६ फरवरी "
फाल्गुन	"	"	१८ मार्च "

॥ पूर्णिमा व्रत ॥

मास	पक्ष	तिथि	दिनांक
चैत्र	शु.	पूर्णिमा	२६ अप्रैल २०२१ ई.
वैशाख	"	"	२५ मई "
ज्येष्ठ	शु.	पूर्णिमा	२४ जून २०२१ ई.
आषाढ़	"	"	२३ जुलाई "
श्रावण	"	"	२१ अगस्त "
भाद्रपद	"	"	२० सितम्बर "
आश्विन	"	"	२० अक्टूबर "
कार्तिक	"	"	१८ नवम्बर "
मार्गशीर्ष	"	"	१८ दिसम्बर"
पौष	"	"	१७ जनवरी २०२२ ई.
माघ	"	"	१६ फरवरी "
फाल्गुन	"	"	१७ मार्च "

॥ संक्रान्तियों का पुण्यकाल ॥

राशि	दिनांक	पुण्यकाल
मेष	१४ अप्रैल २०२१ ई.	सूर्योदय से
वृष	१४ मई "	मध्याह्नोत्तर
मिथुन	१५ जून "	मध्याह्न तक
कर्क	१६ जुलाई "	सूर्यो. से १६:५३ तक
सिंह	१७ अगस्त "	मध्याह्न तक
कन्या	१७ सितम्बर "	मध्याह्न तक
तुला	१७ अक्टूबर "	६:१२ से १७:१२ तक
वृश्चिक	१६ नवम्बर "	सूर्यो. से १३:०३ तक
धनु	१६ दिसम्बर "	१०:०८ तक
मकर	१४ जनवरी २०२२ ई.	सूर्योदय तक
कुम्भ	१३ फरवरी "	सूर्योदय से
मीन	१५ मार्च "	सूर्योदय से

॥ दशावतार जयन्तियाँ ॥

जयन्ती	तिथि	दिनांक
श्री मत्स्य जय.	चै.शु.३	१५ अप्रैल २०२१ई
श्रीराम जय.	चै.शु.९	२१ अप्रैल "
श्री परशुराम जय.	वै.शु.३	१४ मई "
श्री नृसिंह जय.	वै.शु.१४	२५ मई "
श्री बुद्ध जय.	वै.शु.१५	२६ मई "
श्री कूर्म जय.	वै.शु.१५	२६ मई "
श्री कल्कि जय.	श्रा.शु.६	१३ अगस्त "
श्री कृष्ण जय.	भा.शु.८	३० अगस्त "
श्री वाराह जय.	भा.शु.३	०९ सितम्बर"
श्री वामन जय.	भा.शु.१२	१७ सितम्बर"

॥ दशमहाविद्या जयन्तियाँ॥

जयन्ती	तिथि	दिनांक
श्री तारा जय.	चै.शु.९	२१ अप्रैल २०२१ ई.
श्री मातंगी जय.	वै.शु.३	१५ मई "
श्री बगलामुखी जय.	वै.शु.८	२० मई "
श्री छिन्नमस्तका जय.	वै.शु.१४	२५ मई "
श्री धूमावती जय.	ज्ये.शु.८	१८ जून "
श्री काली जय.	भा.कृ.८	३० अगस्त "
श्री भुवनेश्वरी जय.	भा.शु.१२	१८ सितम्बर "
श्री कमला जय.	का.कृ.३०	०४ नवम्बर "
श्री त्रिपुरभैखी जय.	मा.शु.१५	१८ दिसम्बर "
श्री ललिता जय.	मा.शु.१५	१६ फरवरी२०२२ ई

डॉ. सुशील कुमार
सह-आचार्य
ज्योतिष-विभाग

ग्रहों के राशि एवं नक्षत्रचार (भा. स्टैं.टा.) विक्रम संवत् २०७८

॥ निरयण सूर्य संक्रमण (राशिचार)॥

दिनाङ्क	वार	राशि	प्रा. समय
१३.०४.२०२१	मंगल	मेष	२६:३३
१४.०५.२०२१	शुक्र	वृष	२३:२५
१५.०६.२०२१	मंगल	मिथुन	०६:०१
१६.०७.२०२१	शुक्र	कर्क	१६:५३
१६.०८.२०२१	सोम	सिंह	२५:१७
१६.०९.२०२१	गुरु	कन्या	२५:१३
१७.१०.२०२१	रवि	तुला	१३:१२
१६.११.२०२१	मंगल	वृश्चिक	१३:०३
१६.१२.२०२१	गुरु	धनु	२७:४४
१४.०१.२०२२	शुक्र	मकर	१४:२९
१२.०२.२०२२	शनि	कुम्भ	२७:२७
१४.०३.२०२२	सोम	मीन	२४:१६

॥ मंगल राशिचार ॥

दिनाङ्क	वार	राशि	प्रा. समय
१३.०४.२०२१	मंगल	मिथुन	२५:१४
०२.०६.२०२१	बुध	कर्क	०६:५२
२०.०७.२०२१	मंगल	सिंह	१७:५५
०५.०९.२०२१	रवि	कन्या	२७:५८
२१.१०.२०२१	गुरु	तुला	२६:०२
०४.१२.२०२१	शनि	वृश्चिक	२९:५८
१६.०१.२०२२	रवि	धनु	१६:३१
२६.०२.२०२२	शनि	मकर	१५:५९

॥ बुध राशिचार ॥

दिनाङ्क	वार	राशि	प्रा. समय
१६.०.२०२१	शुक्र	मेष	२०:५८
३०.०४.२०२१	शुक्र	वृष	२९:४१
२६.०५.२०२१	बुध	मिथुन	०८:३१
०२.०६.२०२१	बुध	वृष	२६:३४
०७.०७.२०२१	बुध	मिथुन	११:१३
२५.०७.२०२१	रवि	कर्क	११:४२
०८.०८.२०२१	रवि	सिंह	२५:३३
२६.०८.२०२१	गुरु	कन्या	११:१९
२२.०९.२०२१	बुध	तुला	०८:१०
०१.१०.२०२१	शुक्र	कन्या	२७:०१
०२.११.२०२१	मंगल	तुला	०९:५४
२०.११.२०२१	शनि	वृश्चिक	२८:५०
०९.१२.२०२१	गुरु	धनु	३०:०५
२९.१२.२०२१	बुध	मकर	११:३१
०६.०३.२०२२	रवि	कुम्भ	११:२२
२४.०३.२०२२	गुरु	मीन	१०:५७

॥ गुरु राशिचार ॥

दिनाङ्क	वार	राशि	प्रा. समय
१४.०९.२०२१	मंगल	मकर	१४:२१
२०.११.२०२१	शनि	कुम्भ	२३:३१

॥ शुक्र राशिचार ॥

दिनाङ्क	वार	राशि	प्रा. समय
०४.०५.२०२१	मंगल	वृष	१३:३६
२८.०५.२०२१	शुक्र	मिथुन	२४:०१
२२.०६.२०२१	मंगल	कर्क	१४:२२
१७.०७.२०२१	शनि	सिंह	०९:२६
११.०८.२०२१	बुध	कन्या	११:३२
०५.०९.२०२१	रवि	तुला	२४:५०
०२.१०.२०२१	शनि	वृश्चिक	०९:४७
३०.१०.२०२१	शनि	धनु	१६:११
०८.१२.२०२१	बुध	मकर	१३:५१
३०.१२.२०२१	गुरु	धनु	०७:५९
२७.०२.२०२२	रवि	मकर	१०:२०
३१.०३.२०२२	गुरु	कुम्भ	०८:४१

नोटः शनि वर्षभर मकर राशि में संचार करेगा एवं राहु वर्षभर वृष राशि में संचार करेगा।

॥ सायन सूर्य संक्रमण (राशिचार) ॥

दिनाङ्क	वार	राशि	प्रा. समय
१९.०४.२०२१	सोम	वृष	२६:०३
२०.०५.२०२१	गुरु	मिथुन	२५:०७
२१.०६.२०२१	सोम	कर्क	०९:०२
२२.०७.२०२१	गुरु	सिंह	१९:५६
२२.०८.२०२१	रवि	कन्या	२७:०५
२२.०९.२०२१	बुध	तुला	२४:५१
२३.१०.२०२१	शनि	वृश्चिक	१०:२१
२२.११.२०२१	सोम	धनु	०८:०४
२१.१२.२०२१	मंगल	मकर	२१:२९
२०.०१.२०२२	गुरु	कुम्भ	०८:०९
१८.०२.२०२२	शुक्र	मीन	२२:१३
२०.०३.२०२२	रवि	मेष	२१:०३

॥ सूर्य नक्षत्रचार ॥

दिनाङ्क	वार	राशि	प्रा. समय
१३.०४.२०२१	मंगल	अश्वि.	२६:३३
२७.०४.२०२१	मंगल	भर.	१८:२४
११.०५.२०२१	मंगल	कृत्ति.	१२:३४
२५.०५.२०२१	मंगल	रोहि.	०८:४६
०८.०६.२०२१	मंगल	मृग.	०६:४१
२२.०६.२०२१	मंगल	आर्द्रा	०५:३९
०५.०७.२०२१	सोम	पुन.	२९:१७
१९.०७.२०२१	सोम	पुष्य	२८:४५
०२.०८.२०२१	सोम	आश्ले.	२७:४२
१६.०८.२०२१	सोम	मघा	२५:१७
३०.०८.२०२१	सोम	पू.फा.	२१:२०
१३.०९.२०२१	सोम	उ.फा.	१५:०७
२७.०९.२०२१	सोम	चित्रा	०६:४२
१०.१०.२०२१	रवि	स्वा.	१९:३८
२३.१०.२०२१	शनि	विशा.	३०:१३
०६.११.२०२१	शनि	विशा.	१४:२०
१९.११.२०२१	शुक्र	अनु.	२०:२५
०२.१२.२०२१	गुरु	ज्ये.	२४:४५
१५.१२.२०२१	बुध	मूल	२७:४४
२८.१२.२०२१	मंगल	पू.षा.	३०:०२

ग्रहों के राशि एवं नक्षत्रचार (भा. स्टैं.टा.) विक्रम संवत् २०७८

११.०१.२०२२	मंगल	उ.षा.	०७:५७
२४.०१.२०२२	सोम	श्रव.	१०:२०
०६.०२.२०२२	रवि	धनि.	१३:२४
१९.०२.२०२२	शनि	शत.	१७:५७
०४.०३.२०२२	शुक्र	पू.भा.	२४:११
१८.०३.२०२२	शुक्र	उ.भा.	०८:३७
३१.०३.२०२२	गुरु	रेव.	१६:२५

॥ मंगल नक्षत्रचार ॥

दिनाङ्क	वार	राशि	प्रा. समय
२४.०४.२०२१	शनि	आर्द्रा	२५:३८
१६.०५.२०२१	रवि	पुन.	२३:०७
०७.०६.२०२१	सोम	पुष्य	१७:०२
२९.०६.२०२१	मंगल	आश्ले.	०७:२८
२०.०७.२०२१	मंगल	मघा	१७:५५
१०.०८.२०२१	मंगल	पू.फा.	२३:३१
३१.०८.२०२१	मंगल	उ.फा.	२३:०६
२१.०९.२०२१	मंगल	हस्त	१५:४५
११.१०.२०२१	सोम	चित्रा	२४:३८
३१.१०.२०२१	रवि	स्वाति	२५:१८
२०.११.२०२१	शनि	विशा.	१७:२७
०६.१२.२०२१	गुरु	अनु.	२५:०६
२८.१२.२०२१	मंगल	ज्ये.	२४:४०
१६.०१.२०२२	रवि	मूल	१६:३१
०३.०२.२०२२	गुरु	पू.षा.	२५:१८
२१.०२.२०२२	सोम	उ.षा.	२८.०१
११.०३.२०२२	शुक्र	श्रव.	२५:३२
२९.०३.२०२२	मंगल	धनि.	१९:१९

॥ बुध नक्षत्रचार ॥

दिनाङ्क	वार	राशि	प्रा. समय
१६.०४.२०२१	शुक्र	अश्वि.	२०:५८
२२.०४.२०२१	गुरु	भरणी	२८:२४
२९.०४.२०२१	गुरु	कृत्ति.	१३:२४
०६.०५.२०२१	गुरु	रोहि.	१७:३५
१६.०५.२०२१	रवि	मृग.	१२:०३
१६.०६.२०२१	बुध	रोहि.	२२:१६
२८.०६.२०२१	सोम	मृग.	२४:३४
१२.०७.२०२१	सोम	आर्द्रा	१५:४४
२०.०७.२०२१	मंगल	पुन.	११:५६
२६.०७.२०२१	सोम	पुष्य	२६:०१
०२.०८.२०२१	सोम	आश्ले.	१०:२३
०८.०८.२०२१	शुक्र	मघा	२५:३३
१६.०८.२०२१	गुरु	पु.फा.	०६:४६
२४.०८.२०२१	मंगल	उ.फा.	०७:२६
०२.०९.२०२१	गुरु	हस्त	१०:३१
१३.०९.२०२१	सोम	चित्रा	१५:४६
०८.१०.२०२१	शुक्र	हस्त	२७:३४
२८.१०.२०२१	गुरु	चित्रा	१७:०१
०६.११.२०२१	शनि	स्वा.	१६:३१
१४.११.२०२१	रवि	विशा.	२३:११
२३.११.२०२१	मंगल	अनु.	०७:०८
०१.१२.२०२१	बुध	ज्ये.	१८:०१
०९.१२.२०२१	गुरु	मूल	३०:०५
१८.१२.२०२१	शनि	पू.षा.	१७:४१
२६.१२.२०२१	रवि	उ.षा.	३०:४३
०५.०१.२०२२	बुध	श्रव.	१८:०२
२२.०१.२०२२	शनि	उ.षा.	२५:१६
१८.०२.२०२२	शुक्र	श्रव.	३०:२२
०१.०३.२०२२	मंगल	धनि.	२०:३१
१०.०३.२०२२	गुरु	शत.	१६:४३
१८.०३.२०२२	शुक्र	पू.भा.	२१:०७
२५.०३.२०२२	शुक्र	उ.भा.	२६:४२

॥ गुरु नक्षत्रचार ॥

दिनाङ्क	वार	राशि	प्रा. समय
२२.०५.२०२१	शनि	शत.	०६:४६
२०.०७.२०२१	मंगल	धनि.	१०:२३
०२.०१.२०२२	रवि	शत.	१५.५१
०२.०३.२०२२	बुध	पू.भा.	११:१०

॥ शुक्र नक्षत्रचार ॥

दिनाङ्क	वार	राशि	प्रा. समय
२०.०४.२०२१	मंगल	भर.	२५:०५
०१.०५.२०२१	शनि	कृत्ति	२०:२६
१२.०५.२०२१	बुध	रोहि.	१६:३२
२३.०५.२०२१	रवि	मृग.	१३:१६
०३.०६.२०२१	गुरु	आर्द्रा	१०:५३
१४.०६.२०२१	सोम	पुन.	०६:०८
२५.०६.२०२१	शुक्र	पुष्य	०८:१३
०६.०७.२०२१	मंगल	आश्ले.	०८:१६
१७.०७.२०२१	शनि	मघा	०६:२६
२८.०७.२०२१	बुध	पू.फा.	१२:००
०८.०८.२०२१	रवि	उ.फा.	१६:१२
१९.०८.२०२१	गुरु	हस्त	२२:२४
३१.०८.२०२१	मंगल	चित्रा	०७:१६
११.०९.२०२१	शनि	स्वा.	१६:१७
२३.०९.२०२१	गुरु	विशा.	११:३८
०५.१०.२०२१	मंगल	अनु.	१०:०४
१७.१०.२०२१	रवि	ज्ये.	१७:२५
३०.१०.२०२१	शनि	मूल	१६:११
१३.११.२०२१	शनि	पू.षा.	२०:५०
०१.१२.२०२१	बुध	उ.षा.	१६:३५
०५.०१.२०२२	बुध	पू.षा.	१८:३७
२२.०२.२०२२	मंगल	उ.षा.	२२:३६
१०.०३.२०२२	गुरु	श्रवण	२७:५४
२४.०३.२०२२	गुरु	धनि.	२१:४६

॥ शनि नक्षत्रचार ॥

दिनाङ्क	वार	राशि	प्रा. समय
१७.०२.२०२२	गुरु	धनि.	२५:२०

॥ राहु नक्षत्रचार ॥

दिनाङ्क	वार	राशि	प्रा. समय
०५.१०.२०२१	मंगल	रोहि.	२०:४१

॥ केतु नक्षत्रचार ॥

दिनाङ्क	वार	राशि	प्रा. समय
०१.०६.२०२१	मंगल	ज्ये.	२५:२१
०८.०२.२२२	मंगल	अनु.	१६:००

डॉ. सुशील कुमार
सह-आचार्य, ज्योतिष विभाग

ग्रहों के वक्रत्व-मार्गत्व एवं उदयास्त (भा. स्टैं.टा.) विक्रम संवत् २०४८

॥ ग्रहों का वक्रत्व - मार्गत्व ॥

दिनाङ्क	वार	राशि	प्रा. समय
२६.०५.२०२१	बुध	२८:०४	वक्री
२२.०६.२०२१	बुध	२७:३०	मार्गी
२७.०६.२०२१	बुध	१०:४०	वक्री
१८.१०.२०२१	बुध	२०:४७	मार्गी
१४.०१.२०२२	बुध	१७:११	वक्री
०४.०२.२०२२	बुध	०६:४३	मार्गी
२०.०६.२०२१	गुरु	२०:३५	वक्री
१८.१०.२०२१	गुरु	११:००	मार्गी
१६.१२.२०२१	शुक्र	१६:०६	वक्री
२६.०१.२०२२	शुक्र	१४:१६	मार्गी
२३.०५.२०२१	शनि	१४:४६	वक्री
११.१०.२०२१	शनि	०७:४७	मार्गी

॥ ग्रहों का उदयास्त ॥

दिनाङ्क	वार	राशि	प्रा. समय
२७.०४.२०२१	बुध	उदय	२४:५२
०२.०६.२०२१	बुध	अस्त	१४:०३
२२.०६.२०२१	बुध	उदय	२२:१६
२३.०७.२०२१	बुध	अस्त	१६:५८
१४.०८.२०२१	बुध	उदय	२०:१०
२८.०६.२०२१	बुध	अस्त	२१:५४

॥ ग्रहों का उदयास्त ॥

दिनाङ्क	वार	राशि	प्रा. समय
१५.१०.२०२१	बुध	उदय	१२:४२
१२.११.२०२१	बुध	अस्त	११:०६
२०.१२.२०२१	बुध	उदय	०८:३३
१८.०१.२०२२	बुध	अस्त	१२:०८
२८.०१.२०२२	बुध	उदय	१६:५१
१४.०३.२०२२	बुध	अस्त	२१:४६
२२.०२.२०२२	गुरु	अस्त	१८:१२
२५.०३.२०२२	गुरु	उदय	०६:२२
१६.०४.२०२१	शुक्र	उदय	१८:४५
०६.०१.२०२२	शुक्र	अस्त	१७:३४
११.०१.२०२२	शुक्र	उदय	०८:१८
२२.०१.२०२२	शनि	अस्त	१७:४७
२४.०२.२०२२	शनि	उदय	१८:५७

डॉ. सुशील कुमार
सह-आचार्य
(ज्योतिष विभाग)

सर्वार्थसिद्धियोग विक्रम सम्वत् २०७८, ईश्वीय सन् २०२१ - २२

दिनाङ्क २०२१ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि.	समाप्त घं. मि.
अप्रैल १३	मंगल	०६:०२	१४:१९
१४	बुध	१७:२२	३०:०१
२५	रवि	०५:५०	२५:५४
२९	गुरु	०५:४६	१४:२९
मई ०२	रवि	०८:५९	२९:४४
०३	सोम	०८:२२	२९:४३
०९	रवि	१७:२८	२९:३९
११	मंगल	२३:३१	२९:३७
१२	बुध	२६:४०	२९:३६
१७	सोम	१३:२२	२९:३३
१८	मंगल	१४:५५	२९:३२
२३	रवि	०५:३१	१२:१२
२६	बुध	०५:२९	२५:१५
३०	रवि	०५:२८	१६:४१
३१	सोम	०५:२८	१६:०१
जून ०४	शुक्र	२०:४७	२९:२७
०६	रवि	०५:२७	२६:२७
०८	मंगल	०५:३६	२९:२७
०९	बुध	०५:२७	२९:२७
१४	सोम	०५:२७	२०:२६
१५	मंगल	०५:२७	२१:४२
२३	बुध	०५:२८	११:४८
२६	शनि	२६:३६	२९:३०

दिनाङ्क २०२१ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि.	समाप्त घं. मि.
जुलाई ०१	गुरु	२७:४९	२९:३१
०२	शुक्र	०५:३१	२९:३२
०४	रवि	०५:३२	०९:०५
०६	मंगल	०५:३३	१५:२०
०७	बुध	०५:३३	२९:३४
०९	शुक्र	२३:१४	२९:३४
११	रवि	०५:३४	२६:२२
१७	शनि	२५:३२	२९:३८
१९	सोम	२२:२७	२९:४०
२४	शनि	१२:४०	२९:४३
२९	गुरु	१२:०२	२९:४४
३०	शुक्र	०५:४५	२९:४६
अगस्त ०२	सोम	२२:४३	२९:४८
०४	बुध	०५:४८	२८:२५
०६	शुक्र	०६:३७	२९:५०
०८	रवि	०५:५०	०९:१९
१४	शनि	०६:५६	२९:४८
१६	सोम	०५:५५	२७:०२
२०	शुक्र	२१:२४	२९:५८
२१	शनि	०५:५८	२०:२१
२४	मंगल	१९:४७	३०:००
२६	गुरु	०६:००	३०:०१
२७	शुक्र	०६:०१	२४:४७

दिनाङ्क २०२१ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि.	समाप्त घं. मि.
३०	सोम	०६:३९	३०:०३
सितम्बर ०१	बुध	०६:०३	१२:३४
०२	गुरु	१४:५७	३०:०४
०३	शुक्र	०६:०४	१६:४२
०८	बुध	१५:५५	३०:०७
११	शनि	०६:०८	११:२२
१३	सोम	०६:०९	०८:२३
२१	मंगल	०६:१३	२९:०६
२३	गुरु	०६:१४	३०:१५
२४	शुक्र	०६:१५	०८:५४
२७	सोम	०६:१६	३०:१७
३०	गुरु	०६:१८	३०:१८
अक्टूबर ०६	बुध	०६:२१	२३:१९
१५	शुक्र	०६:२६	०९:१६
१९	मंगल	०६:२९	१२:१२
२१	गुरु	०६:३०	१६:१७
२३	शनि	२१:५३	३०:३२
२५	सोम	०६:३३	२८:१०
२८	गुरु	०६:३५	३०:३५
नवम्बर ०३	बुध	०६:३८	०९:५७
०५	शुक्र	२६:२२	३०:४१
०७	रवि	२१:०४	३०:४३
१४	रवि	१६:३१	३०:४७

दिनाङ्क २०२१ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि.	समाप्त घं. मि.
१६	मंगल	२०:१४	३०:५०
२०	शनि	०६:५२	३०:५३
२२	सोम	०६:५३	१०:४३
२५	गुरु	०६:५६	१८:४९
२८	रवि	२२:०५	३०:५९
दिसम्बर ०३	शुक्र	१३:४४	३१:०३
०५	रवि	०७:४७	२८:५४
१२	रवि	०७:०८	२३:५९
१४	मंगल	०७:१०	२८:४०
१८	शनि	०७:१२	१३:४८
२६	रवि	०७:१६	३१:१६
३०	गुरु	२४:३४	३१:१८
३१	शुक्र	०७:१८	२२:०४
२०२२ ई.			
जनवरी ०२	रवि	०७:१८	१६:२३
११	मंगल	०७:१९	११:०९
१२	बुध	१४:००	३१:१९
१७	सोम	२८:३७	३१:१९
१८	मंगल	३०:४२	३१:१९
२३	रवि	०७:१७	३१:१७
२७	गुरु	०८:५१	३१:१४
३०	रवि	२४:२२	३१:१४
३१	सोम	२१:५७	३१:१४

सर्वार्थसिद्धियोग विक्रम सम्वत् २०७८

दिनाङ्क २०२२ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि.	समाप्त घं. मि.
फरवरी ०६	रवि	१७:१०	३१:१०
०८	मंगल	२१:२७	३१:०६
०९	बुध	०७:०६	३१:०८
१४	सोम	११:५२	३१:०४
१५	मंगल	१३:४८	३१:०३
२०	रवि	०७:००	१६:४२
२३	बुध	१४:४०	३०:५७
२४	गुरु	०६:५६	१३:३१
२७	रवि	०८:४८	३०:५२
२८	सोम	०७:०६	२६:१६
मार्च ०४	शुक्र	२५:५१	३०:४६
०६	रवि	०६:४१	२७:५१
०८	मंगल	०६:४३	३०:४२
०९	बुध	०६:४२	३०:४१
१३	रवि	२०:०६	३०:३७
१४	सोम	०६:३७	२२:०८
१५	मंगल	०६:३५	२३:३३
२३	बुध	०६:२६	१८:५२
२७	रवि	०६:२१	१३:३२
२८	सोम	०६:२०	१२:२४
अप्रैल ०१	शुक्र	१०:४०	३०:११

गुरुपुष्ययोग विक्रम सम्वत् २०७८

दिनाङ्क २०२१ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि.	समाप्त घं. मि.
सितम्बर ३०	गुरु	२५:३३	३०:१७
अक्टूबर २८	गुरु	०६:४१	३०:३४
नवम्बर २५	गुरु	०६:००	१८:४६

रविपुष्ययोग विक्रम सम्वत् २०७८

दिनाङ्क २०२१ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि.	समाप्त घं. मि.
जून १३	रवि	१६:००	२६:२७
जुलाई ११	रवि	०५:३५	२६:२२
अगस्त ०८	रवि	०६:५०	०६:१६
२०२२ ई.			
मार्च १३	रवि	२०:०६	३०:३७

त्रिपुष्करयोग विक्रम सम्वत् २०७८

दिनाङ्क २०२१ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि.	समाप्त घं. मि.
अप्रैल १८	रवि	२६:०१	२६:५६
२४	शनि	०६:२२	१६:१८
२७	मंगल	१६:१५	२६:४७
मई ०२	रवि	१४:५०	२६:४३
जून १२	शनि	१६:५७	२०:१८
२२	मंगल	०५:२८	१०:२२
२६	शनि	०५:२६	१८:११

त्रिपुष्करयोग विक्रम सम्वत् २०७८

दिनाङ्क २०२१ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि.	समाप्त घं. मि.
जुलाई ०६	मंगल	०५:३३	१५:२०
अगस्त १५	रवि	०५:५४	०६:५२
२४	मंगल	०५:५६	१६:०५
२८	शनि	२७:३५	३०:०२
२९	रवि	०६:०२	२३:२६
सितम्बर ०७	मंगल	२८:३७	३०:०७
अक्टूबर १७	रवि	०६:५२	१७:३६
नवम्बर ०२	मंगल	०६:३८	११:३१
दिसम्बर २१	मंगल	०७:१४	१४:५४
२५	शनि	२६:०५	३१:१६
२६	रवि	०७:१६	२०:०८
२०२२ ई.			
जनवरी ०४	मंगल	०७:१९	१०:५६
फरवरी १३	रवि	०६:२७	१८:४२
२२	मंगल	१८:३५	३०:५७
२७	रवि	०८:४८	२६:४३
मार्च ०८	मंगल	२४:३१	३०:४२

द्विपुष्करयोग विक्रम सम्वत् २०७८

दिनाङ्क २०२१ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि.	समाप्त घं. मि.
मई २३	रवि	१२:१२	२७:३६

द्विपुष्करयोग विक्रम सम्वत् २०७८

दिनाङ्क २०२१ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि.	समाप्त घं. मि.
जून ०१	मंगल	०५:२८	१६:०७
जुलाई २५	रवि	११:१७	२८:०४
सितम्बर १८	शनि	०६:१२	०६:५५
२८	मंगल	०६:१७	१८:१७
नवम्बर २१	रवि	०६:३६	१६:४८
३०	मंगल	२६:१४	३१:०१
२०२२ ई.			
जनवरी २५	मंगल	०७:१७	०७:४६
मार्च १९	शनि	२३:३७	३०:३०
२०	रवि	०६:३०	१०:०७
२९	मंगल	०६:१६	११:२८

अमृसिद्धियोग विक्रम सम्वत् २०७८

दिनाङ्क २०२१ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि.	समाप्त घं. मि.
अप्रैल १३	मंगल	०६:०२	१४:१६
२५	रवि	०५:५०	२५:२४
२८	बुध	१७:१२	२६:४२
मई २३	रवि	०५:३१	१२:१२
२६	बुध	०५:२६	२५:१५
जून ०४	शुक्र	२०:४७	२६:२३
२३	बुध	०५:२८	११:४८

अमृतसिद्धियोग विक्रम सम्वत् २०७८

सिद्धियोग विक्रम सम्वत् २०७८, ईश्वीय सन् २०२१ - २२

दिनाङ्क २०२१ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि.	समाप्त घं. मि.
जुलाई ०२	शुक्र	०५:३१	२९:२८
३०	शुक्र	०५:४१	१४:०२
सितम्बर २७	सोम	१७:४१	३०:१३
३०	गुरु	२५:३३	३०:१४
अक्टूबर २३	शनि	२१:५३	३०:३०
२८	गुरु	०९:४१	३०:३४
नवम्बर १६	मंगल	२०:१४	३०:५०
२०	शनि	०६:५२	३०:४९
२२	सोम	०६:५०	१०:४३
२५	गुरु	०६:५४	१८:४९
दिसम्बर १४	मंगल	०७:१०	२८:४०
१८	शनि	०७:१४	१३:४८
२६	रवि	२९:२५	३१:१३
२०२२ ई.			
जनवरी ११	मंगल	०७:१९	११:०९
२३	रवि	११:०९	३१:१७
फरवरी २०	रवि	०६:५९	१४:४२
२३	बुध	१४:४०	३०:५६
मार्च ०४	शुक्र	२५:५१	३०:४६
२३	बुध	०६:२६	१८:५२
अप्रैल ०१	शुक्र	१०:४०	३०:१५

दिनाङ्क २०२१ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि.	समाप्त घं. मि.
अप्रैल १४	बुध	०५:५९	१२:४८
२०	मंगल	०५:५५	२४:४४
२२	गुरु	०५:५३	२३:३६
२३	शुक्र	०५:५२	२१:४८
२५	रवि	०५:५०	१६:१३
२८	बुध	०५:४७	२५:३४
मई ०४	मंगल	०५:४२	१३:११
०६	गुरु	०५:४१	१४:११
०७	शुक्र	०५:४०	१५:३२
०९	रवि	०५:३८	१९:३१
१२	बुध	२७:०६	२९:३४
१५	शनि	०८:००	२९:३०
१७	सोम	११:३५	२९:२९
१९	बुध	०५:२८	१२:५०
२३	रवि	२७:३९	२९:२६
२९	शनि	०६:३८	२८:०४
३१	सोम	०५:२४	२५:०६
जून ०१	मंगल	२४:४६	२९:२४
०३	गुरु	२६:२३	२९:२३
०४	शुक्र	२८:०८	२९:२३
०८	मंगल	०५:२७	११:२५
१०	गुरु	०५:२७	१६:२२

दिनाङ्क २०२१ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि.	समाप्त घं. मि.
११	शुक्र	०५:२७	१८:३१
१३	रवि	०५:२७	२१:४१
१६	बुध	२२:४६	२९:२३
१९	शनि	०५:२८	१८:४६
२१	सोम	०५:२८	१३:३२
२२	मंगल	१०:२२	२९:२४
२४	गुरु	०५:२९	२४:१०
२५	शुक्र	०५:२९	२०:५९
२७	रवि	०५:३०	१५:५४
३०	बुध	१३:१९	२९:२७
जुलाई ०३	शनि	०५:३२	१७:३१
०५	सोम	०५:३३	२२:३१
०६	मंगल	२५:०३	२९:२९
०८	गुरु	२९:१७	२९:३०
१३	मंगल	०५:३६	०८:२४
१५	गुरु	०५:३७	०७:१६
१७	शनि	२६:४१	२९:३५
१९	सोम	२२:००	२९:३६
२१	बुध	०५:४०	१६:२७
२५	रवि	२८:०४	२९:४३
अगस्त ०१	रवि	०५:४७	०७:५७
०४	बुध	१५:१८	२९:४५

दिनाङ्क २०२१ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि.	समाप्त घं. मि.
०७	शनि	०५:५०	१९:१२
०९	सोम	०५:५१	१८:५७
१०	मंगल	१८:०६	२९:५२
१२	शुक्र	१३:४३	२९:५४
१५	रवि	०९:५२	२९:५२
१८	बुध	२५:०६	२९:५६
२१	शनि	०५:५८	१९:०१
२३	सोम	०५:५९	१६:३१
२४	मंगल	१६:०५	२९:५६
२६	गुरु	१७:१४	२९:५७
२७	शुक्र	१८:४९	३०:०१
२९	रवि	२३:२६	३०:०२
सितम्बर ०२	गुरु	०६:०४	०६:२२
०३	शुक्र	०६:०४	०७:४४
०५	रवि	०६:०५	०८:२२
०८	बुध	०६:०७	२६:३४
१४	मंगल	०६:१०	१३:१०
१६	गुरु	०६:११	०९:३७
१७	शुक्र	०६:०७	०८:०८
२२	बुध	०६:१४	३०:१४
२५	शनि	०६:१५	१०:३६
२७	सोम	०६:१६	१५:४३

सिद्धियोग विक्रम सम्वत् २०७८, ईश्वीय सन् २०२१ - २२

दिनाङ्क २०२१ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि.	समाप्त घं. मि.
२८	मंगल	१८:१७	३०:१३
३०	गुरु	२२:०६	३०:१८
अक्टूबर ०१	शुक्र	२३:०४	३०:१५
०३	रवि	२२:३०	३०:१६
०६	शनि	०७:४६	२८:५६
११	सोम	०६:२४	२३:५१
१२	मंगल	२१:४८	३०:२५
१४	गुरु	१८:५३	३०:२६
१७	रवि	१७:३६	३०:२८
२३	शनि	२७:०२	३०:२८
२७	बुध	१०:५१	३०:३१
३०	शनि	०६:३६	१४:४४
नवम्बर ०१	सोम	०६:३७	१३:२२
०२	मंगल	११:३१	३०:३५
०४	गुरु	०६:४०	२६:४४
०५	शुक्र	०६:४०	२३:१५
०७	रवि	०६:४२	१६:२२
१०	बुध	०८:२५	३०:४१
१६	मंगल	०८:०२	३०:४६
१८	गुरु	१२:०१	३०:४७
१९	शुक्र	१४:२७	३०:५२

दिनाङ्क २०२१ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि.	समाप्त घं. मि.
२१	रवि	१६:५२	३०:५४
२७	शनि	३०:०४	३०:५४
दिसम्बर ०१	बुध	०७:०१	२३:३६
११	शनि	१६:१३	३१:०६
१३	सोम	२१:३३	३१:१०
१५	बुध	०७:०७	२६:०२
१८	शनि	०७:१२	०७:२५
२०	सोम	०७:०६	१२:३७
२१	मंगल	१४:५४	३१:१४
२३	गुरु	१८:२८	३१:१४
२४	शुक्र	१६:३५	३१:१६
२६	रवि	२०:०८	३१:१३
२०२२ ई.			
जनवरी ०१	शनि	०७:१८	२७:४२
०३	सोम	०७:१८	२०:३२
०४	मंगल	१७:१६	३१:१८
०६	गुरु	१२:३०	३१:१६
०७	शुक्र	११:११	३१:१६
०९	रवि	११:०६	३१:१६
१५	शनि	२४:५७	३१:१६
१९	बुध	०७:१६	३१:१८

दिनाङ्क २०२२ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि.	समाप्त घं. मि.
२२	शनि	०७:१८	०६:१५
२४	सोम	०७:१७	०८:४४
२५	मंगल	०७:४६	३०:२६
२७	गुरु	०७:१६	२६:१७
२८	शुक्र	०७:१६	२३:३६
३०	रवि	०७:१४	१७:२६
फरवरी ०२	बुध	०८:३१	३०:१६
०८	मंगल	०७:०६	३१:०६
१०	गुरु	११:०८	३१:०७
११	शुक्र	१३:५२	३१:०६
१३	रवि	१८:४२	३१:०५
१६	शनि	२१:५७	३१:००
२१	सोम	१६:५८	३०:५६
२३	बुध	०६:५७	१६:५७
२७	रवि	२६:४३	३०:४८
मार्च ०५	शनि	२०:३८	३०:४१
०७	सोम	२२:३३	३०:३६
०९	बुध	०६:४०	२६:५७
१२	शनि	०६:३६	०८:०८
१४	सोम	०६:३३	१२:०६
१५	मंगल	१३:१२	३०:३४

दिनाङ्क २०२२ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि.	समाप्त घं. मि.
१७	गुरु	१३:३०	३०:३२
१८	शुक्र	१२:४७	३०:२७
२०	रवि	१०:०७	३०:२४
२३	बुध	२६:१७	३०:२१
२६	शनि	०६:२३	२०:०२
२८	सोम	०६:१६	१६:१५
२९	मंगल	१४:३९	३०:१८
३१	गुरु	१२:२३	३०:१६
अप्रैल ०१	शुक्र	११:५४	३०:१४

अमृतयोग विक्रम सम्वत् २०७८

दिनाङ्क २०२१ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि.	समाप्त घं. मि.
अप्रैल १३	मंगल	१०:१७	३०:०१
१५	गुरु	०५:५६	१५:२७
१६	शुक्र	०५:५६	१८:०६
१७	शनि	२०:३३	२९:५७
२६	सोम	१२:४४	२९:४८
२९	गुरु	०५:४६	२२:१०
३०	शुक्र	०५:४५	१९:१०
मई ०१	शनि	१९:४३	२९:४४
१०	सोम	२१:५६	२९:३७

अमृतयोग विक्रम सम्वत् २०७८, ईश्वीय सन् २०२१ - २२

दिनाङ्क २०२१ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि.	समाप्त घं. मि.	दिनाङ्क २०२१ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि.	समाप्त घं. मि.	दिनाङ्क २०२१ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि.	समाप्त घं. मि.	दिनाङ्क २०२१ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि.	समाप्त घं. मि.
१२	बुध	०५:३६	२७:०६	०४	रवि	०५:३२	१९:५६	सितम्बर ०६	सोम	०७:३९	३०:०२	नवम्बर ०२	मंगल	०६:३८	११:३१
१६	रवि	१०:०१	२९:२९	०६	मंगल	०५:३३	२५:०३	०७	मंगल	२८:३७	३०:०३	०८	सोम	१३:१७	३०:४३
१७	सोम	०५:३३	११:३५	१०	शनि	०६:४६	२९:३५	०९	गुरु	०६:०७	२४:१९	१०	बुध	०६:४४	०८:२५
१८	मंगल	१२:३३	२९:२८	१८	रवि	२४:२९	२९:३९	१०	शुक्र	०६:०८	२१:५८	११	गुरु	०६:५४	२९:५२
२०	गुरु	०५:३२	१२:२३	१९	सोम	०५:३९	२२:००	११	शनि	१९:३७	३०:०५	१२	शुक्र	०६:४५	२९:३१
२१	शुक्र	०५:३१	११:११	२०	मंगल	१९:१८	२९:४०	२०	सोम	०६:०९	२९:२९	१३	शनि	२९:४८	३०:४७
२२	शनि	०६:१६	२९:३१	२२	गुरु	०५:४१	१३:३३	२३	गुरु	०६:५८	३०:१४	१६	मंगल	०६:४९	०८:०२
२६	बुध	१६:४४	२९:२९	२३	शुक्र	०५:४२	१०:४४	२४	शुक्र	०८:३०	३०:१४	२०	शनि	०६:५२	१७:०५
३०	रवि	०५:२८	२६:१३	२४	शनि	०८:०७	२९:४३	२६	रवि	०६:१६	१३:०५	२४	बुध	२७:०४	३०:५६
जून ०१	मंगल	०५:२८	२४:४६	२८	बुध	२६:४९	२९:४५	२८	मंगल	०६:१७	१८:१७	२९	सोम	०६:५९	२८:१४
०५	शनि	०५:२७	२९:२७	अगस्त ०२	सोम	१०:२८	२९:४८	अक्टूबर ०२	शनि	०६:१९	२३:११	३०	मंगल	२६:१४	३१:०१
१४	सोम	२२:३४	२९:२७	०४	गुरु	१७:१०	२९:४५	०६	बुध	१६:३५	३०:१७	दिसम्बर ०२	गुरु	०७:०२	२०:२७
१६	बुध	०५:२७	२२:४४	०६	शुक्र	१८:२८	२९:४६	१०	रवि	०६:२३	२६:१५	०३	शुक्र	०७:०२	१६:५९
१७	गुरु	२२:००	२९:२७	०८	रवि	०५:५०	१९:२०	१२	मंगल	०६:२४	२१:४८	०४	शनि	१३:१३	३१:०४
१८	शुक्र	२०:४०	२९:२८	१०	मंगल	०५:४८	१८:०६	१६	शनि	०६:२७	१७:३८	०८	बुध	२१:२६	३१:०७
२०	रवि	०५:२८	१६:२२	१४	शनि	०५:५४	११:५१	२०	बुध	२०:२६	३०:२६	१२	रवि	२०:०३	३१:०९
२२	मंगल	०५:२८	१०:२२	१८	बुध	०५:५६	२५:०६	२५	सोम	०६:३३	३०:३३	१३	सोम	०७:०९	२१:३३
२८	सोम	१४:१६	२९:२९	१९	गुरु	२२:५४	२९:५७	२७	बुध	०६:३४	१०:५१	१४	मंगल	२३:३६	३१:११
३०	बुध	०५:३०	१३:१९	२०	शुक्र	२०:५०	२९:५८	२८	गुरु	१२:४९	३०:३४	१६	गुरु	०७:११	२८:४१
जुलाई ०१	गुरु	१४:०२	२९:३०	२२	रवि	०५:५९	१७:३२	२९	शुक्र	१४:१०	३०:३९	१७	शुक्र	०७:१२	३१:१२
०२	शुक्र	१५:२९	२९:३२	२४	मंगल	०५:५९	१६:०५	३१	रवि	०६:३७	१४:२७	१९	रवि	०७:११	१०:०५
				२८	शनि	०६:०१	२०:५७								

अमृतयोग विक्रम सम्वत् २०७८

दिनाङ्क २०२१ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि.	समाप्त घं. मि.	दिनाङ्क २०२२ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि.	समाप्त घं. मि.
२१	मंगल	०७:१४	१४:५४	१६	बुध	२२:२६	३१:०२
२५	शनि	०७:१६	२०:१०	२०	रवि	२१:०६	३१:००
२९	बुध	१६:१२	३१:१८	२१	सोम	०६:५९	१९:५८
२०२२ ई.				२२	मंगल	१८:३५	३०:५७
जनवरी ०२	रवि	०७:१८	२४:०३	२४	गुरु	०६:५६	१५:०४
०४	मंगल	०७:१९	१७:१९	२५	शुक्र	०६:५५	१२:५८
०८	शनि	०७:१९	१०:४३	२६	शनि	१०:३९	३०:५३
१२	बुध	१४:४९	३१:१९	मार्च ०२	बुध	२३:०५	३०:४९
१६	रवि	२७:१९	३१:१९	०६	रवि	२१:१२	३०:४४
१७	सोम	०७:१९	२९:१८	०७	सोम	०६:४४	२२:३३
१८	मंगल	३०:५४	३१:१९	०८	मंगल	२४: ३१	३०:४२
२०	गुरु	०८:०५	३१:१८	१०	गुरु	०६:४१	२९:३५
२१	शुक्र	०८:५२	३१:१८	११	शुक्र	०६:४०	३०:४०
२३	रवि	०७:१८	०९:१२	१३	रवि	०६:३८	१०:२२
२५	मंगल	०७:१७	०७:४९	१५	मंगल	०६:३४	१३:१२
३१	सोम	१४:१८	३१:१४	१९	शनि	०६:३१	११:३८
फरवरी ०२	बुध	०७:१३	०८:३१	२३	बुध	०६:२६	२६:१७
०३	गुरु	०७:१२	२८:३८	२४	गुरु	२४:१०	३०:२४
०४	शुक्र	०७:१२	२७:४७	२५	शुक्र	२२:०५	३०:२३
०५	शनि	२७:४७	३१:११	२७	रवि	०६:२१	१८:०४
१२	शनि	०७:०६	१६:२८	२९	मंगल	०६:१९	१४:३९

रवियोग विक्रम सम्वत् २०७८

दिनाङ्क २०२१ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि.	समाप्त घं. मि.	दिनाङ्क २०२१ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि.	समाप्त घं. मि.
अप्रैल १५	गुरु	२०:३२	२९:५९	जून १५	मंगल	२१:४२	२९:२७
१६	शुक्र	०५:५९	२३:४०	१६	बुध	०५:२७	२२:१४
१७	शनि	०२:३३	२९:०१	१८	शुक्र	२१:३७	२९:२८
२१	बुध	०७:५८	२९:५२	१९	शनि	०५:२८	२९:२८
२३	शुक्र	०५:५२	०७:४१	२०	रवि	०५:२८	१८:४९
२४	शनि	२८:२३	२९:५०	२३	बुध	११:४८	२९:२६
२५	रवि	०५:५०	२५:५४	२४	गुरु	०५:२९	०९:११
मई ०२	रवि	०८:५९	२९:४३	२९	मंगल	२५:०३	२९:३१
०३	सोम	०५:४३	०८:२२	३०	बुध	०५:३१	२६:०३
१५	शनि	०८:३९	२९:३४	जुलाई १२	सोम	२७:१४	२९:३६
१६	रवि	०५:३४	११:१४	१३	मंगल	०५:३६	२७:४१
१७	सोम	१३:२२	२९:३३	१४	बुध	२७:४२	२९:३७
१८	मंगल	०५:३३	१४:५५	१५	गुरु	०५:३७	२७:२१
२०	गुरु	१५:५७	२९:३२	१७	शनि	२५:३२	२९:३८
२१	शुक्र	०५:३२	२९:३१	१८	रवि	०५:३८	२९:३९
२२	शनि	०५:३१	१४:०५	१९	सोम	०५:३९	२२:२७
२४	सोम	०९:४९	२९:३०	२०	मंगल	०५:४०	२०:३२
२५	मंगल	०५:३०	०७:०६	२२	गुरु	१६:२५	२९:४१
२५	मंगल	०८:४५	२८:११	२३	शुक्र	०५:४१	१४:२६
३१	सोम	१६:०१	२९:२८	२९	गुरु	१२:०२	२९:४५
जून ०१	मंगल	०५:२८	१६:०७	३०	शुक्र	०५:४५	१४:०२
१३	रवि	१९:००	२९:२७	अगस्त ११	बुध	०९:३२	२९:५२
१४	सोम	०५:२७	२०:३६	१२	गुरु	०५:३२	०८:५२

रवियोग विक्रम सम्वत् २०७८, ईश्वीय सन् २०२१ - २२

दिनाङ्क २०२१ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि.	समाप्त घं. मि.
अगस्त १३	शुक्र	०७:५९	२९:५४
१५	रवि	२८:२६	२९:५५
१६	सोम	०५:५५	२५:१६
१६	सोम	२७:०२	२९:५५
१७	मंगल	०५:५५	२९:५५
१८	बुध	०५:५४	२४:०७
२०	शुक्र	२१:२४	२९:५७
२१	शनि	०५:५७	२०:२१
२७	शुक्र	२४:४७	३०:०१
२८	शनि	०६:०१	२७:३५
सितम्बर ०९	गुरु	१४:३१	३०:०७
१०	शुक्र	०६:०७	१२:५७
११	शनि	११:२३	३०:०८
१२	रवि	०६:०८	०९:५५
१६	गुरु	०६:१०	२८:०८
१८	शनि	२७:२१	३०:१२
१९	रवि	०६:१२	२७:२८
२६	रवि	१४:३३	३०:१६
२७	सोम	१७:४१	३०:१६
२८	मंगल	०६:१६	२०:४४
अक्टूबर ०८	शुक्र	१८:५९	३०:२२
०९	शनि	०६:२२	१६:४७
१०	रवि	१४:४४	१९:३७

दिनाङ्क २०२१ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि.	समाप्त घं. मि.
अक्टूबर ११	सोम	१२:५६	३०:२४
१२	मंगल	०६:२४	११:२६
१४	गुरु	०६:३५	३०:२५
१५	शुक्र	०६:२५	३०:२५
१६	शनि	०६:२६	०९:२२
१८	सोम	१०:४९	३०:२८
१९	मंगल	०६:२८	१२:१२
२७	बुध	०७:०८	३०:३४
२८	गुरु	०६:३४	०९:४०
नवम्बर ०७	रवि	२१:०५	३०:४२
०८	सोम	०६:४२	१८:४९
०९	मंगल	१६:५९	३०:४४
१०	बुध	०६:४४	१५:४१
१२	शुक्र	१४:५३	३०:४६
१३	शनि	०६:४६	३०:४७
१४	रवि	०६:४७	१६:३१
१६	मंगल	२०:१४	३०:५०
१७	बुध	०६:५०	२२:४३
२५	गुरु	१८:४९	३०:५७
२६	शुक्र	०६:५७	२०:३६
दिसम्बर ०६	सोम	२६:१९	३१:०५
०७	मंगल	०७:०५	२४:११
०८	बुध	२२:४२	३१:०६

दिनाङ्क २०२१ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि.	समाप्त घं. मि.
दिसम्बर ०९	गुरु	०७:०६	२१:५१
११	शनि	२२:३२	३१:०८
१२	रवि	०७:०८	३१:०९
१३	सोम	०७:०९	२६:०५
१७	शुक्र	१०:४०	३१:१२
१८	शनि	०७:१२	१३:४८
२४	शुक्र	२८:०९	३१:१६
२५	शनि	०७:१६	२९:०५
२०२२			
जनवरी ०५	बुध	०८:४६	३१:११
०६	गुरु	०७:१९	३१:१९
०७	शुक्र	०७:१९	३०:१९
१०	सोम	०८:४९	३१:१९
११	मंगल	०७:१९	०७:५५
११	मंगल	११:१०	३१:१९
१२	बुध	०७:१९	३१:१९
१३	गुरु	०७:१९	१७:०७
१५	शनि	२३:२१	३१:१९
१६	रवि	०७:१९	२६:०९
२३	रवि	११:०९	३१:१७
२४	सोम	०७:१९	१०:१९
२४	सोम	११:१५	३१:१७
२५	मंगल	०७:१७	१०:५४

दिनाङ्क २०२२ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि.	समाप्त घं. मि.
फरवरी ०३	गुरु	१६:३४	३१:१२
०४	शुक्र	०७:१२	१५:५८
०५	शनि	१६:०८	३१:११
०६	रवि	०७:११	१३:२३
०६	रवि	१७:१०	३१:१०
०७	सोम	०७:१०	१८:५८
०९	शुक्र	२४:२३	३१:०८
१०	शनि	०७:०८	३१:०७
११	रवि	०७:०७	३०:३७
१४	सोम	११:५३	१३:४९
२२	मंगल	१५:३६	३०:५७
२३	बुध	०६:५७	१४:४०
मार्च ०५	शनि	२६:२९	३०:४६
०६	रवि	०६:४६	२७:५१
०८	मंगल	०६:४३	३०:४२
०९	बुध	०६:४२	०८:३१
११	शुक्र	१४:३५	३०:३९
१२	शनि	०६:२९	३०:३८
१३	रवि	०६:३८	२०:०६
१५	मंगल	२३:३३	३०:३४
१६	बुध	०६:३४	२४:२१
२३	बुध	१८:५३	३०:२५
२४	गुरु	०६:२५	१७:३०

विक्रम सम्वत् २०७८ ईश्वीय सन् २०२१-२२ दैनिक राहुकाल सारिणी (नई दिल्ली), (भा. स्टैं. टा. घण्टा/मिनट)

अप्रैल २०२१

दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति
१	गुरु	१३:५८	१५:३२
२	शुक्र	१०:५१	१२:२४
३	शनि	०९:१६	१०:५०
४	रवि	१७:०६	१८:४०
५	सोम	०७:४१	०९:१५
६	मंगल	१५:३२	१७:०७
७	बुध	१२:२३	१३:५८
८	गुरु	१३:५८	१५:३३
९	शुक्र	१०:४७	१२:२२
१०	शनि	०९:१२	१०:४७
११	रवि	१७:०९	१८:४४
१२	सोम	०७:३४	०९:१०
१३	मंगल	१५:३३	१७:०९
१४	बुध	१२:२१	१३:५७
१५	गुरु	१३:५७	१५:३४
१६	शुक्र	१०:४४	१२:२१
१७	शनि	०९:०७	१०:४४
१८	रवि	१७:११	१८:४८
१९	सोम	०७:२८	०९:०६
२०	मंगल	१५:३५	१७:१२
२१	बुध	१२:२०	१३:५७
२२	गुरु	१३:५७	१५:३५
२३	शुक्र	१०:४१	१२:१९
२४	शनि	०९:०३	१०:४१
२५	रवि	१७:१४	१८:५२
२६	सोम	०७:२३	०९:०२
२७	मंगल	१५:३६	१७:१५
२८	बुध	१२:१८	१३:५७
२९	गुरु	१३:५७	१५:३६
३०	शुक्र	१०:३९	१२:१८

मई २०२१

दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति
१	शनि	०८:५९	१०:३९
२	रवि	१७:१७	१८:५६
३	सोम	०७:१८	०८:५८
४	मंगल	१५:३८	१७:१८
५	बुध	१२:१८	१३:५८
६	गुरु	१३:५८	१५:३८
७	शुक्र	१०:३७	१२:१७
८	शनि	०८:५६	१०:३७
९	रवि	१७:२०	१९:०१
१०	सोम	०७:१४	०८:५५
११	मंगल	१५:४०	१७:२१
१२	बुध	१२:१७	१३:५९
१३	गुरु	१३:५९	१५:४०
१४	शुक्र	१०:३६	१२:१७
१५	शनि	०८:५४	१०:३५
१६	रवि	१७:२३	१९:०५
१७	सोम	०७:११	०८:५३
१८	मंगल	१५:४२	१७:२४
१९	बुध	१२:१७	१४:००
२०	गुरु	१४:००	१५:४२
२१	शुक्र	१०:३५	१२:१७
२२	शनि	०८:५२	१०:३५
२३	रवि	१७:२६	१९:०९
२४	सोम	०७:०९	०८:५२
२५	मंगल	१५:४४	१७:२७
२६	बुध	१२:१८	१४:०१
२७	गुरु	१४:०१	१५:४५
२८	शुक्र	१०:३५	१२:१८
२९	शनि	०८:५१	१०:३५
३०	रवि	१७:२९	१९:१३
३१	सोम	०७:०७	०८:५१

जून २०२१

दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति
१	मंगल	१५:४६	१७:३०
२	बुध	१२:१९	१४:०३
३	गुरु	१४:०३	१५:४७
४	शुक्र	१०:३५	१२:१९
५	शनि	०८:५१	१०:३५
६	रवि	१७:३२	१९:१६
७	सोम	०७:०७	०८:५१
८	मंगल	१५:४८	१७:३३
९	बुध	१२:२०	१४:०४
१०	गुरु	१४:०५	१५:४९
११	शुक्र	१०:३६	१२:२०
१२	शनि	०८:५१	१०:३६
१३	रवि	१७:३५	१९:१९
१४	सोम	०७:०७	०८:५२
१५	मंगल	१५:५०	१७:३५
१६	बुध	१२:२१	१४:०६
१७	गुरु	१४:०६	१५:५१
१८	शुक्र	१०:३७	१२:२२
१९	शनि	०८:५३	१०:३७
२०	रवि	१७:३६	१९:२१
२१	सोम	०७:०८	०८:५३
२२	मंगल	१५:५२	१७:३७
२३	बुध	१२:२३	१४:०८
२४	गुरु	१४:०८	१५:५२
२५	शुक्र	१०:३९	१२:२३
२६	शनि	०८:५४	१०:३९
२७	रवि	१७:३८	१९:२२
२८	सोम	०७:१०	०८:५५
२९	मंगल	१५:५३	१७:३८
३०	बुध	१२:२४	१४:०९

विक्रम सम्वत् २०७८ ईश्वीय सन् २०२१-२२ दैनिक राहुकाल सारिणी (नई दिल्ली), (भा. स्टैं. टा. घण्टा/मिनट)

जुलाई २०२१				अगस्त २०२१				सितम्बर २०२१			
दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति	दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति	दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति
१	गुरु	१४:०९	१५:५३	१	रवि	१७:३०	१९:११	१	बुध	१२:२०	१३:५६
२	शुक्र	१०:४०	१२:२५	२	सोम	०७:२४	०९:०५	२	गुरु	१३:५५	१५:३०
३	शनि	०८:५६	१०:४०	३	मंगल	१५:४८	१७:२९	३	शुक्र	१०:४५	१२:२०
४	रवि	१७:३८	१९:२२	४	बुध	१२:२६	१४:०७	४	शनि	०९:१०	१०:४५
५	सोम	०७:१२	०८:५७	५	गुरु	१४:०७	१५:४७	५	रवि	१७:०३	१८:३७
६	मंगल	१५:५४	१७:३८	६	शुक्र	१०:४६	१२:२६	६	सोम	०७:३६	०९:१०
७	बुध	१२:२५	१४:१०	७	शनि	०९:०६	१०:४६	७	मंगल	१५:२७	१७:०१
८	गुरु	१४:१०	१५:५४	८	रवि	१७:२६	१९:०६	८	बुध	१२:१८	१३:५२
९	शुक्र	१०:४२	१२:२६	९	सोम	०७:२६	०९:०६	९	गुरु	१३:५१	१५:२५
१०	शनि	०८:५८	१०:४२	१०	मंगल	१५:४५	१७:२५	१०	शुक्र	१०:४४	१२:१७
११	रवि	१७:३७	१९:२१	११	बुध	१२:२६	१४:०५	११	शनि	०९:१०	१०:४४
१२	सोम	०७:१५	०८:५९	१२	गुरु	१४:०५	१५:४४	१२	रवि	१६:५६	१८:२९
१३	मंगल	१५:५३	१७:३७	१३	शुक्र	१०:४६	१२:२५	१३	सोम	०७:३८	०९:१०
१४	बुध	१२:२६	१४:१०	१४	शनि	०९:०७	१०:४६	१४	मंगल	१५:२१	१६:५४
१५	गुरु	१४:१०	१५:५३	१५	रवि	१७:२१	१९:००	१५	बुध	१२:१६	१३:४८
१६	शुक्र	१०:४३	१२:२७	१६	सोम	०७:२९	०९:०८	१६	गुरु	१३:४७	१५:२०
१७	शनि	०९:००	१०:४३	१७	मंगल	१५:४१	१७:२०	१७	शुक्र	१०:४३	१२:१५
१८	रवि	१७:३६	१९:१९	१८	बुध	१२:२४	१४:०२	१८	शनि	०९:११	१०:४३
१९	सोम	०७:१८	०९:०१	१९	गुरु	१४:०२	१५:४०	१९	रवि	१६:४९	१८:२१
२०	मंगल	१५:५२	१७:३५	२०	शुक्र	१०:४६	१२:२४	२०	सोम	०७:४०	०९:११
२१	बुध	१२:२७	१४:१०	२१	शनि	०९:०८	१०:४६	२१	मंगल	१५:१६	१६:४७
२२	गुरु	१४:०९	१५:५२	२२	रवि	१७:१५	१८:५३	२२	बुध	१२:१३	१३:४४
२३	शुक्र	१०:४४	१२:२७	२३	सोम	०७:३१	०९:०९	२३	गुरु	१३:४४	१५:१४
२४	शनि	०९:०२	१०:४५	२४	मंगल	१५:३७	१७:१४	२४	शुक्र	१०:४२	१२:१२
२५	रवि	१७:३४	१९:१६	२५	बुध	१२:२२	१३:५९	२५	शनि	०९:११	१०:४२
२६	सोम	०७:२१	०९:०३	२६	गुरु	१३:५९	१५:३५	२६	रवि	१६:४२	१८:१२
२७	मंगल	१५:५१	१७:३३	२७	शुक्र	१०:४५	१२:२२	२७	सोम	०७:४२	०९:१२
२८	बुध	१२:२७	१४:०९	२८	शनि	०९:०९	१०:४५	२८	मंगल	१५:११	१६:४०
२९	गुरु	१४:०८	१५:५०	२९	रवि	१७:०९	१८:४५	२९	बुध	१२:११	१३:४०
३०	शुक्र	१०:४५	१२:२७	३०	सोम	०७:३४	०९:०९	३०	गुरु	१३:४०	१५:०९
३१	शनि	०९:०४	१०:४५	३१	मंगल	१५:३२	१७:०७				

विक्रम सम्वत् २०७८ ईश्वीय सन् २०२१-२२ दैनिक राहुकाल सारिणी (नई दिल्ली), (भा. स्टैं. टा. घण्टा/मिनट)

अक्टूबर २०२१

दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति
१	शुक्र	१०:४१	१२:१०
२	शनि	०९:१२	१०:४१
३	रवि	१६:३५	१८:०४
४	सोम	०७:४४	०९:१२
५	मंगल	१५:०५	१६:३४
६	बुध	१२:०९	१३:३७
७	गुरु	१३:३६	१५:०४
८	शुक्र	१०:४०	१२:०८
९	शनि	०९:१३	१०:४०
१०	रवि	१६:२९	१७:५६
११	सोम	०७:४६	०९:१३
१२	मंगल	१५:०१	१६:२७
१३	बुध	१२:०७	१३:३३
१४	गुरु	१३:३३	१४:५९
१५	शुक्र	१०:४०	१२:०६
१६	शनि	०९:१४	१०:४०
१७	रवि	१६:२३	१७:४९
१८	सोम	०७:४९	०९:१५
१९	मंगल	१४:५६	१६:२१
२०	बुध	१२:०५	१३:३०
२१	गुरु	१३:३०	१४:५५
२२	शुक्र	१०:४०	१२:०५
२३	शनि	०९:१६	१०:४०
२४	रवि	१६:१८	१७:४३
२५	सोम	०७:५२	०९:१६
२६	मंगल	१४:५३	१६:१७
२७	बुध	१२:०५	१३:२८
२८	गुरु	१३:२८	१४:५२
२९	शुक्र	१०:४१	१२:०४
३०	शनि	०९:१८	१०:४१
३१	रवि	१६:१४	१७:३७

नवम्बर २०२१

दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति
१	सोम	०७:५५	०९:१८
२	मंगल	१४:५०	१६:१३
३	बुध	१२:०४	१३:२७
४	गुरु	१३:२७	१४:४९
५	शुक्र	१०:४२	१२:०४
६	शनि	०९:२०	१०:४२
७	रवि	१६:१०	१७:३२
८	सोम	०७:५९	०९:२१
९	मंगल	१४:४७	१६:०९
१०	बुध	१२:०४	१३:२६
११	गुरु	१३:२६	१४:४७
१२	शुक्र	१०:४४	१२:०५
१३	शनि	०९:२३	१०:४४
१४	रवि	१६:०७	१७:२८
१५	सोम	०८:०३	०९:२४
१६	मंगल	१४:४६	१६:०६
१७	बुध	१२:०५	१३:२६
१८	गुरु	१३:२६	१४:४६
१९	शुक्र	१०:४६	१२:०६
२०	शनि	०९:२६	१०:४६
२१	रवि	१६:०५	१७:२५
२२	सोम	०८:०८	०९:२७
२३	मंगल	१४:४६	१६:०५
२४	बुध	१२:०७	१३:२६
२५	गुरु	१३:२७	१४:४६
२६	शुक्र	१०:४९	१२:०८
२७	शनि	०९:३०	१०:४९
२८	रवि	१६:०५	१७:२४
२९	सोम	०८:१३	०९:३१
३०	मंगल	१४:४६	१६:०५

दिसम्बर २०२१

दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति
१	बुध	१२:०९	१३:२८
२	गुरु	१३:२८	१४:४६
३	शुक्र	१०:५२	१२:१०
४	शनि	०९:३४	१०:५२
५	रवि	१६:०५	१७:२३
६	सोम	०८:१७	०९:३५
७	मंगल	१४:४८	१६:०६
८	बुध	१२:१२	१३:३०
९	गुरु	१३:३०	१४:४८
१०	शुक्र	१०:५५	१२:१३
११	शनि	०९:३८	१०:५६
१२	रवि	१६:०७	१७:२४
१३	सोम	०८:२२	०९:३९
१४	मंगल	१४:५०	१६:०८
१५	बुध	१२:१५	१३:३३
१६	गुरु	१३:३३	१४:५१
१७	शुक्र	१०:५९	१२:१६
१८	शनि	०९:४२	१०:५९
१९	रवि	१६:१०	१७:२७
२०	सोम	०८:२६	०९:४३
२१	मंगल	१४:५३	१६:१०
२२	बुध	१२:१९	१३:३६
२३	गुरु	१३:३७	१४:५४
२४	शुक्र	११:०३	१२:२०
२५	शनि	०९:४६	११:०३
२६	रवि	१६:१३	१७:३०
२७	सोम	०८:२९	०९:४७
२८	मंगल	१४:५७	१६:१४
२९	बुध	१२:२२	१३:४०
३०	गुरु	१३:४०	१४:५८
३१	शुक्र	११:०६	१२:२३

विक्रम सम्वत् २०७८ ईश्वीय सन् २०२१-२२ दैनिक राहुकाल सारिणी (नई दिल्ली), (भा. स्टैं. टा. घण्टा/मिनट)

जनवरी २०२२				फरवरी २०२२				मार्च २०२२			
दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति	दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति	दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति
१	शनि	०९:४९	११:०६	१	मंगल	१५:१७	१६:३८	१	मंगल	१५:२६	१६:५३
२	रवि	१६:१७	१७:३५	२	बुध	१२:३४	१३:५६	२	बुध	१२:३३	१४:००
३	सोम	०८:३२	०९:४९	३	गुरु	१३:५६	१५:१७	३	गुरु	१४:००	१५:२७
४	मंगल	१५:०१	१६:१९	४	शुक्र	११:१३	१२:३५	४	शुक्र	११:०६	१२:३३
५	बुध	१२:२६	१३:४४	५	शनि	०९:५१	११:१३	५	शनि	०९:३८	११:०५
६	गुरु	१३:४४	१५:०२	६	रवि	१६:४१	१८:०३	६	रवि	१६:५५	१८:२३
७	शुक्र	११:०९	१२:२७	७	सोम	०८:२८	०९:५१	७	सोम	०८:०९	०९:३७
८	शनि	०९:५१	११:०९	८	मंगल	१५:२०	१६:४२	८	मंगल	१५:२८	१६:५६
९	रवि	१६:२२	१७:४०	९	बुध	१२:३५	१३:५८	९	बुध	१२:३२	१४:००
१०	सोम	०८:३३	०९:५१	१०	गुरु	१३:५८	१५:२१	१०	गुरु	१४:००	१५:२८
११	मंगल	१५:०५	१६:२३	११	शुक्र	११:१२	१२:३५	११	शुक्र	११:०३	१२:३१
१२	बुध	१२:२९	१३:४७	१२	शनि	०९:४९	११:१२	१२	शनि	०९:३३	११:०२
१३	गुरु	१३:४८	१५:०६	१३	रवि	१६:४५	१८:०८	१३	रवि	१६:५८	१८:२७
१४	शुक्र	११:११	१२:२९	१४	सोम	०८:२५	०९:४८	१४	सोम	०८:०२	०९:३२
१५	शनि	०९:५२	११:११	१५	मंगल	१५:२२	१६:४६	१५	मंगल	१५:२९	१६:५९
१६	रवि	१६:२७	१७:४६	१६	बुध	१२:३५	१३:५९	१६	बुध	१२:३०	१४:००
१७	सोम	०८:३४	०९:५३	१७	गुरु	१३:५९	१५:२३	१७	गुरु	१४:००	१५:२९
१८	मंगल	१५:०९	१६:२८	१८	शुक्र	११:११	१२:३५	१८	शुक्र	१०:५९	१२:२९
१९	बुध	१२:३१	१३:५०	१९	शनि	०९:४६	११:१०	१९	शनि	०९:२७	१०:५८
२०	गुरु	१३:५१	१५:१०	२०	रवि	१६:४९	१८:१३	२०	रवि	१७:०१	१८:३२
२१	शुक्र	११:१२	१२:३२	२१	सोम	०८:२०	०९:४५	२१	सोम	०७:५५	०९:२६
२२	शनि	०९:५३	११:१२	२२	मंगल	१५:२५	१६:५०	२२	मंगल	१५:३०	१७:०२
२३	रवि	१६:३२	१७:५१	२३	बुध	१२:३४	१४:००	२३	बुध	१२:२८	१३:५९
२४	सोम	०८:३३	०९:५३	२४	गुरु	१४:००	१५:२५	२४	गुरु	१३:५९	१५:३१
२५	मंगल	१५:१३	१६:३३	२५	शुक्र	११:०८	१२:३४	२५	शुक्र	१०:५५	१२:२७
२६	बुध	१२:३३	१३:५३	२६	शनि	०९:४२	११:०८	२६	शनि	०९:२२	१०:५५
२७	गुरु	१३:५४	१५:१४	२७	रवि	१६:५२	१८:१८	२७	रवि	१७:०३	१८:३६
२८	शुक्र	११:१३	१२:३४	२८	सोम	०८:१५	०९:४१	२८	सोम	०७:४८	०९:२१
२९	शनि	०९:५२	११:१३					२९	मंगल	१५:३१	१७:०४
३०	रवि	१६:३६	१७:५७					३०	बुध	१२:२५	१३:५८
३१	सोम	०८:३१	०९:५२					३१	गुरु	१३:५८	१५:३१

* क्रान्ति सारिणी *

दिनांक	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१
जनवरी	२३	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२१	२१	२१	२१	२१	२०	२०	२०	२०	२०	१९	१९	१९	१९	१९	१८	१८	१८	१८	१७	१७
+	२	५७	५१	४५	३९	३२	२४	१७	९	००	५१	४१	३१	२१	१०	५९	४८	३६	२४	११	५८	४४	३०	१६	२	४७	३२	१६	००	४४	२७
फरवरी	१७	१६	१६	१६	१६	१५	१५	१५	१४	१४	१४	१३	१३	१३	१२	१२	१२	११	११	११	१०	१०	९	९	९	८	८	८	७	×	×
+	११	५३	३६	१८	००	४२	२३	५	४६	२६	७	४७	२७	७	४६	२६	५	४४	२२	१	३९	१८	५६	३४	११	४९	२७	४	५२	×	×
मार्च	७	७	६	६	६	५	५	५	४	४	३	३	३	२	२	१	१	१	०	+ ०	–०	०	०	१	१	२	२	२	३	३	४
+	४१	१८	५५	३२	९	४६	२३	०	३६	१३	४९	२६	२	३८	१५	५१	२७	४	४१	१६	८	३१	५५	१९	४२	६	२९	५३	१६	४०	३
अप्रैल	४	४	५	५	५	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१४	१४	१४	×
	२६	४९	१२	३५	५८	२१	४४	६	२८	५१	१३	३५	५७	१९	४०	२	२३	४४	५	२५	४६	६	२६	४६	६	२६	४५	४	२३	४१	×
मई	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१
–	०	१८	३६	५३	११	२८	४४	१	१७	३३	४९	४	१९	३४	४८	२	१६	२९	४३	५५	८	२०	३२	४३	५४	५	१५	२५	३५	४१	५३
जू न	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२ ३	×
–	१	९	१७	२४	३१	३८	४४	४९	५५	०	४	८	१२	१५	१८	२०	२२	२४	२५	२६	२७	२७	२६	२५	२४	२२	२०	१८	१५	११	×
जुलाई	२३	२३	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२०	२०	२०	२०	२०	१९	१९	१९	१९	१९	१८	१८	१८
–	८	४	५९	५४	४९	४३	३७	३१	२४	१६	९	१	५२	४३	३४	२५	१५	५	५४	४३	३२	२०	८	५६	४३	३०	१७	३	४९	३५	२०
अगस्त	१८	१७	१७	१७	१७	१६	१६	१६	१५	१५	१५	१५	१४	१४	१४	१३	१३	१३	१२	१२	१२	११	११	११	१०	१०	१०	९	९	९	८
–	५	५०	३५	१९	३	४७	३०	१३	५६	३९	२१	३	४५	२७	८	४०	३१	११	५२	३२	१३	५३	३२	१२	५१	३१	१०	४९	२७	६	४५
सितम्बर	८	८	७	७	६	६	६	५	५	५	४	४	३	३	३	२	२	१	१	१	०	–०	+०	०	०	१	१	१	२	२	×
–	२३	१	३९	१७	५५	३३	१०	४८	२५	८	४०	१७	५४	३१	८	४५	२२	५९	३५	१२	४९	२५	२	२१	४५	८	३१	५५	१८	४१	×
अक्टूबर	३	३	३	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१४
+	५	२८	५१	१४	३८	१	२४	४७	९	३२	५५	१८	४०	३	२५	४७	९	३१	५३	१४	३६	५७	१८	३९	००	२१	४१	२	२२	४१	१
नवम्बर	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	×
+	२०	४०	५९	१७	३६	५४	१२	२९	४७	४	२१	३७	५३	९	२५	४०	५५	१०	२४	३८	५१	४	१७	३०	४२	५३	५	१५	२६	३६	×
दिसम्बर	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३
+	४६	५५	४	१२	२०	२८	३५	४१	४८	५३	५९	४	८	१२	१५	१८	२१	२३	२५	२६	२६	२७	२६	२६	२४	२३	२१	१८	१५	११	७

नोट : रवि क्रान्ति २१ मार्च से २२ सितम्बर तक उत्तरा (–) तथा २३ सितम्बर से २० मार्च तक दक्षिणा (+) होती है। क्रान्ति अंश और कला में हैं।

* चर सारिणी *

क्रान्त्यंश →	२		४		६		८		१०		१२		१४		१६		१८		२०		२२		२४	
अक्षांश ↓	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.
२	०	१७	०	३४	०	५०	१	०७	१	२४	१	४२	२	००	२	१८	२	३६	२	५४	३	१४	३	३४
४	०	३४	१	०७	१	४२	२	१५	२	५०	३	२४	४	००	४	३६	५	१२	५	५०	६	२९	७	०८
६	०	५०	१	४२	२	३२	३	२३	४	१५	५	०७	६	००	६	५४	७	५०	८	४६	९	४४	१०	४४
८	१	०७	२	१५	३	२३	४	३२	५	४१	६	५१	८	०२	९	१४	१०	२८	११	४४	१३	०१	१४	२१
९	१	१६	२	३२	३	४९	५	०६	६	२४	७	४३	९	०१	१०	२५	११	४८	१३	१३	१४	५१	१६	१०
१०	१	२४	२	४९	४	१४	५	४१	७	०८	८	३६	१०	०५	११	३६	१३	०८	१४	४३	१६	२०	१८	०१
११	१	३३	३	०७	४	४१	६	१६	७	५१	९	२८	११	०६	१२	४७	१४	२९	१६	१३	१८	००	१९	५२
१२	१	४२	३	२४	५	०७	६	५१	८	३६	१०	२१	१२	०९	१४	००	१५	५०	१७	४५	१९	४२	२१	४३
१३	१	५०	३	४२	५	३४	७	२६	९	२०	११	१५	१३	१२	१५	११	१७	१२	१९	१७	२१	२५	२३	३६
१४	२	००	४	००	६	००	८	०२	१०	०५	१२	०९	१४	१५	१६	२४	१८	३५	२०	५०	२३	०८	२५	३०
१५	२	०९	४	१८	६	२७	८	३८	१०	५०	१३	०४	१५	१९	१७	३८	१९	५९	२२	२३	२४	५२	२७	२४
१६	२	१८	४	३६	६	५४	९	१४	११	३६	१३	५९	१६	२४	१८	५२	२१	२३	२३	५८	२६	३७	२९	२०
१७	२	२६	४	५४	७	२२	९	५१	१२	२२	१४	५४	१७	२९	२०	०७	२२	४८	२५	३३	२८	२३	३१	१८
१८	२	३६	५	१२	७	५०	१०	२८	१३	०८	१५	५०	१८	३५	२१	२३	२४	१४	२७	१०	३०	१०	३३	१६
१९	२	४५	५	३१	८	१८	११	०६	१३	५५	१६	४७	१९	४२	२२	४०	२५	४२	२८	४८	३१	५९	३५	१६
२०	२	५४	५	५०	८	४६	११	४३	१४	४३	१७	४५	२०	५०	२३	५८	२७	१०	३०	२७	३३	४९	३७	१८
२१	३	०४	६	०९	९	१५	१२	२२	१५	३१	१८	४३	२१	५८	२५	१७	२८	४०	३२	०७	३५	४१	३९	४२
२२	३	१४	६	२८	९	४४	१३	०१	१६	२०	१९	४२	२३	०८	२६	३६	३०	१०	३३	४९	३७	३५	४१	२७
२३	३	२४	६	४८	१०	१४	१३	४१	१७	१०	२०	४२	२४	१८	२७	५७	३१	४३	३५	३३	३९	३०	४३	३४
२४	३	३४	७	०८	१०	४४	१४	२१	१८	०१	२१	४३	२५	३०	२९	२०	३३	१६	३७	१८	४१	२७	४५	४४
२५	३	४४	७	२८	११	१४	१५	०२	१८	५२	२२	४५	२६	४२	३०	४४	३४	५२	३९	०५	४३	२६	४७	५६
२६	३	५४	७	४९	११	४५	११	४३	१९	४४	२३	४८	२७	५६	३२	०९	३६	२८	४०	५४	४५	२८	५०	१०
२७	४	०४	८	१०	१२	१७	१६	२६	२०	३६	२४	५२	२९	१२	३३	३६	३८	०७	४२	४५	४७	३१	५२	२७
२८	४	१५	८	३१	१२	४९	१७	०९	२१	३१	२५	५७	३०	२८	३५	०५	३९	४८	४४	३८	४९	३७	५४	४७
२९	४	२६	८	५३	१३	२२	१७	५२	२२	२६	२७	०४	३१	४७	३६	३५	४१	३०	४६	३३	५१	४५	५७	०९
३०	४	३७	९	१५	१३	५५	१८	३७	२३	२२	२८	१२	३३	०६	३८	०७	४३	१५	४८	३१	५३	५७	५९	३५
३१	४	४९	९	३८	१४	२९	१९	२३	२४	२०	२९	२१	३४	२८	३९	४१	४५	०२	५०	३२	५६	१२	६२	०४
३३	५	१२	१०	२५	१५	३९	२०	५७	२६	१८	३१	४४	३७	१६	४२	५६	४८	४४	५४	४१	६०	५१	६७	०३
३५	५	३६	११	१४	१६	५३	२२	३७	२८	२२	३४	१४	४०	१३	४६	२०	५२	३६	५९	०४	६५	४४	७२	४०
४०	६	४३	१३	२७	२०	१४	२७	०५	३४	०२	४१	०६	४८	१८	५५	४१	६३	१७	७१	०८	७९	१६	८७	४५
४५	८	०१	१६	०२	२४	०८	३२	१८	४०	३७	४९	०५	४७	४५	६६	३९	७५	५०	८५	२२	९५	१९	१०५	४५
५०	९	३२	१९	०७	२८	४६	३८	३४	४८	३१	५८	४२	६९	०९	७९	५६	९१	०८	१०२	५०	११५	०८	१२८	११
५५	११	२६	२२	५६	३४	३२	४६	१९	५८	२०	७०	४१	८३	२६	९६	४२	११०	३५	१२५	१७	१४०	५८	१५७	५६
१३ ४'	१	४४	३	५४	५	५१	७	५०	९	५०	११	५१	१३	५४	१६	००	१८	०८	२०	१९	२२	३३	२४	५२
१८ ५५'	२	४५	५	३०	८	१५	११	०३	१३	५१	१६	४३	१९	३६	२२	३३	२५	३४	२८	४०	३१	५०	३५	०६
२२ ३४'	३	२०	५	४०	१०	०१	१३	२४	१६	४८	२०	१६	२३	४७	२७	२३	३१	०२	३४	४८	३८	४०	४२	३९
२८ ३८'	४	२२	८	४५	१३	१०	१७	३६	२२	०६	२६	४९	३१	१८	३६	०२	४०	३१	४५	५१	५०	५८	५६	१६

✱ वेलान्तर सारिणी ✱

दिनांक	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१
जनवरी	०३	४	४	४	५	५	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३
-	३२	००	२८	४५	२२	४५	९	३४	०	२४	४८	११	३५	५७	१९	३९	००	१९	३८	५६	१४	३०	४७	०२	१७	३०	४३	५८	६	१६	२६
फरवरी	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१२	१२	१२	×	×
-	३०	४०	५०	५६	१	५	९	१२	१४	१५	१६	१५	१५	१३	११	८	४	०	५५	४९	४२	३४	२७	१९	१०	००	५१	४०	३४	×	×
मार्च	१२	१२	१२	११	११	११	११	१०	१०	१०	१०	९	९	९	९	८	८	८	७	७	७	७	६	६	६	५	५	५	४	४	४
-	२९	१७	५	५२	३९	२५	११	५६	४१	२५	१०	५४	३८	२१	५	४८	३१	१३	५६	३८	२१	०३	४५	२७	९	५१	३३	१४	५६	३८	२०
अप्रैल	४	३	३	३	२	२	२	२	१	१	१	०	०	-०	+०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	×
-	२	४२	२६	८	५१	३४	१७	०	४३	२६	१०	५४	३८	२४	९	१४	२०	३३	४७	०	१३	२४	३६	४७	५८	८	१८	२७	३६	४४	×
मई	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	२	२	२	२	२
+	५२	५९	६	१२	१८	२२	२७	३१	३५	३८	४०	४२	४३	४३	४३	४२	४१	३९	३७	३३	३०	२६	२२	१६	११	४	५८	५१	४४	३५	२७
जून	२	२	२	१	१	१	१	१	०	०	०	०	०	+०	-०	०	०	०	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	×
+	१९	१०	०	५०	४०	२९	१९	७	५६	४४	३२	२०	८	१३	१७	३०	४३	५६	९	२२	३६	४९	२	१५	२८	४०	५३	६	१८	३०	×
जुलाई	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६
-	४२	५३	४	१५	२६	३६	४६	५६	५	१३	२२	३०	३७	४४	५१	५७	२	७	१२	१६	२०	२३	२५	२६	२८	२८	२८	२७	२७	२५	२२
अगस्त	६	६	६	६	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	३	३	३	३	२	२	२	२	१	१	१	१	०	०
-	१८	१४	१०	४	५९	५२	४६	३९	३१	२२	१३	३	५३	४२	३१	१९	७	५४	४१	२७	१३	५८	४३	१७	१२	५५	३८	२०	३	४५	२७
सितम्बर	०	०	०	०	१	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	१	८	८	८	९	९	९	×
+	०८	१९	३१	५१	१०	३०	५१	११	३२	५३	१४	३५	५६	१७	३८	०	२१	४२	३	२४	४६	०७	२८	४९	९	३०	५१	११	३१	५१	×
अक्टूबर	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६
+	११	३०	४९	७	२६	४४	२	१९	३६	५२	८	२३	३८	५२	६	१९	३२	४३	५५	००	१६	२५	३४	४२	५०	५६	३	८	१३	१७	२०
नवम्बर	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१४	१४	१४	१४	१३	१३	१३	१३	१२	१२	१२	११	११	×
+	२२	२४	२५	२४	२४	२२	१९	१६	१२	६	००	५३	४६	२८	२८	१७	६	५४	४१	२७	१३	५७	४२	२५	८	४९	३०	१०	५०	२९	×
दिसम्बर	११	१०	१०	९	९	९	८	८	७	७	६	६	६	५	५	४	४	३	३	२	२	१	१	०	+०	-०	०	१	१	२	२
+	८	४५	२२	५८	३४	९	४४	१७	५१	२४	५७	२९	१	३२	०	३४	५	३६	३	३७	७	३७	७	३९	७	२९	५२	२२	५१	२०	४९

नोट : २६ दिसम्बर से १४ अप्रैल तक तथा १५ जून से ३१ अगस्त तक वेलान्तर ऋण (-) १५ अप्रैल से १४ जून तक तथा १ सितम्बर से २५ दिसम्बर तक वेलान्तर धन (+) होता है। वेलान्तर मिनट एवं सेकेण्ड में हैं।

* स्पष्टान्तर सारिणी *

मास	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१
जनवरी (-)	२४ २४	२४ ५६	२५ १९	२५ ४६	२६ १३	२६ ३९	२७ ०५	२७ ३०	२७ ५६	२८ २०	२८ ४४	२९ ०८	२९ ३१	२९ ५३	३० १५	३० २६	३० ५७	३१ १७	३१ ३६	३१ ५५	३२ १२	३२ ३०	३२ ४६	३३ ०२	३३ १७	३३ ३१	३३ ४५	३३ ५७	३४ ०९	३४ २०	३४ ३१
फरवरी (-)	३४ ४०	३४ ४९	३५ ५७	३५ ०४	३५ १०	३५ १५	३५ २०	३५ २४	३५ २७	३५ २९	३५ ३०	३५ ३१	३५ ३०	३५ २९	३५ २८	३५ २५	३५ २२	३५ १७	३५ १३	३५ ०७	३५ ०१	३४ ५४	३४ ४६	३४ ३७	३४ २६	३४ १९	३४ ०८	३३ ५७	३३ ५०		
मार्च (-)	३३ ४६	३३ ३४	३३ २१	३३ ०८	३२ ५४	३२ ४०	३२ २६	३२ ११	३१ ५५	३१ ३९	३१ २३	३१ ०६	३० ४९	३० ३२	३० १५	२९ ५७	२९ ३९	२९ २०	२९ ०२	२८ ४४	२८ २५	२८ ०६	२७ ४७	२७ २८	२७ ०९	२६ ५०	२६ ३१	२६ १२	२५ ५३	२५ ३४	३५ १६
अप्रैल (-)	२४ ५७	२४ ३८	२४ २०	२४ ०२	२३ ४४	२३ २७	२३ ०९	२२ ५२	२२ ३५	२२ १९	२१ ५८	२१ ४३	२१ २७	२१ १२	२० ५८	२० ४३	२० ३०	२० १६	२० ०३	१९ ५१	१९ ३९	१९ २७	१९ १७	१९ ०६	१८ ५६	१८ ४७	१८ ३८	१८ २९	१८ २२	१८ १४	
मई (-)	१८ ०८	१८ ०२	१७ ५६	१७ ५१	१७ ४७	१७ ४३	१७ ३९	१७ ३७	१७ ३५	१७ ३३	१७ ३२	१७ ३१	१७ ३१	१७ ३२	१७ ३३	१७ ३५	१७ ३७	१७ ४०	१७ ४३	१७ ४७	१७ ५१	१७ ५६	१८ ०१	१८ ०७	१८ १३	१८ १९	१८ २६	१८ ३३	१८ ४१	१८ ४९	१८ ५८
जून (-)	१९ ०७	१९ १६	१९ २६	१९ ३५	१९ ४६	१९ ५६	२० ०७	२० १७	२० २९	२० ४०	२० ५१	२१ ०३	२१ १५	२१ २७	२१ ३९	२१ ५१	२२ ०३	२२ १५	२२ २८	२२ ४०	२२ ५२	२३ ०४	२३ १६	२३ २९	२३ ४१	२३ ५२	२४ ०४	२४ १६	२४ २७	२४ ३८	
जुलाई (-)	२४ ५०	२५ ००	२५ ११	२५ २१	२५ ३१	२५ ४१	२५ ५१	२६ ००	२६ ०८	२६ १७	२६ २५	२६ ३३	२६ ४०	२६ ४७	२६ ५३	२६ ५९	२७ ०४	२७ ०९	२७ १४	२७ १८	२७ २१	२७ २४	२७ २७	२७ २९	२७ ३०	२७ ३१	२७ ३१	२७ ३१	२७ ३०	२७ २९	२७ २७
अगस्त (-)	२७ २४	२७ २१	२७ १७	२७ १३	२७ ०८	२७ ०२	२६ ५६	२५ ४९	२६ ४२	२६ ३४	२६ २५	२६ १६	२६ ०६	२५ ५६	२५ ४५	२५ ३४	२५ २२	२५ ०९	२४ ५६	२४ ४२	२४ २८	२४ १४	२३ ५८	२३ ४३	२३ २७	२३ १०	२२ ५३	२२ ३६	२२ १८	२१ ५९	२१ ४१
सितम्बर (-)	२१ २२	२१ ०२	२० ४३	२० २३	२० ०२	१९ ४२	१९ २१	१९ ००	१८ ३८	१८ १७	१७ ५५	१७ ३३	१७ ११	१६ ४९	१६ २७	१६ ०५	१५ ४३	१५ २०	१४ ५८	१४ ३६	१४ १४	१३ ५१	१३ २९	१३ ०८	१२ ४६	१२ २४	१२ ०३	११ ४२	११ २१	११ ००	
अक्टूबर (-)	१० ४०	१० २०	१० ००	०९ ४१	०९ २२	०९ ०४	०८ ४६	०८ २८	०८ ११	०७ ५४	०७ ३८	०७ २३	०७ ०८	०६ ५४	०६ ४०	०६ २७	०६ १४	०६ ०२	०५ ५१	०५ ४१	०५ ३१	०५ २२	०५ १३	०५ ०६	०४ ५९	०४ ५३	०४ ४८	०४ ४३	०४ ४०	०४ ३७	०४ ३५
नवम्बर (-)	०४ ३३	०४ ३३	०४ ३४	०४ ३५	०४ ३७	०४ ४०	०४ ४४	०४ ४८	०४ ५४	०५ ००	०५ ०८	०५ १६	०५ २५	०५ ३४	०५ ४५	०५ ५६	०६ ०८	०६ २१	०६ ३५	०६ ५०	०७ ०५	०७ २१	०७ ३८	०७ ५५	०८ १४	०८ ३२	०८ ५२	०९ १२	०९ ३३	०९ ३५	
दिसम्बर (-)	१० १७	१० ४०	११ ०३	११ २७	११ ५१	१२ १६	१२ ४१	१३ ०७	१३ ३३	१३ ५९	१४ २६	१४ ५३	१५ २१	१५ ४९	१६ १७	१६ ४५	१७ १४	१७ ४२	१८ ११	१८ ४०	१९ ०९	१९ ३८	२० ०७	२० ३६	२१ ०५	२१ ३४	२२ ०३	२२ ३१	२३ ००	२३ २८	२३ ५६

स्प्ष्टान्तर संस्कार का प्रयोग स्थानीय (लोकल) समय को मानक (स्टैण्डर्ड) में, तथा मानक समय को स्थानीय समय में बदलने के लिए किया जाता है। यदि स्पष्टान्तर ऋणात्मक (-) हो तो धन (+) और धनात्मक (+) हो तो ऋण (-) अर्थात् विपरीत संस्कार स्थानीय समय में करने से स्थानीय समय मानक समय में बदल जाता है। तथा मानक समय को स्थानीय समय में बदलने के लिए ऋण हो तो ऋण एवं धन हो तो धन यथावत् संस्कार किया जाता है। दिल्ली का स्पष्टान्तर सभी महीनों में ऋणात्मक (-) है।

ग्रहण-विवरण विक्रम संवत् २०७८

विक्रम संवत् २०७८ (१३ अप्रैल २०२१ से १ अप्रैल २०२२ ई. तक) वर्ष भर सम्पूर्ण विश्व में चार ग्रहण घटित होंगे।

१ खग्रास चन्द्रग्रहण (२६ मई २०२१ ई. बुधवार)

२. कंकण सूर्यग्रहण (१० जून २०२१ ई. गुरुवार)

३. खण्डग्रास चन्द्रग्रहण (१९ नवम्बर २०२१ ई. शुक्रवार)

४. खग्रास सूर्यग्रहण (४ दिसम्बर २०२१ ई. शनिवार)

विक्रम संवत् २०७८ में कुल चार ग्रहण घटित होंगे। जिसमें दो सूर्य ग्रहण और दो चन्द्रग्रहण होंगे। तीन ग्रहण भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में दृष्टिगोचर होंगे। एक मात्र ४ दिसम्बर २०२१ ई. को घटित होने वाला खग्रास सूर्य ग्रहण भारत में दृष्टिगोचर नहीं होगा।

भारत में दृश्य खग्रास चन्द्रग्रहण का विवरण-

खग्रास चन्द्रग्रहण वैशाख शुक्ल पूर्णिमा तदनुसार २६ मई, २०२१ ई. बुधवार को पड़ेगा। यह चन्द्र ग्रहण अनुराधा नक्षत्र एवं वृश्चिक राशि में खण्डग्रास के रूप में पूर्वी भारत यथा पश्चिम बंगाल, अरूणाचल प्रदेश, नागालैण्ड, आसाम, त्रिपुरा, मेघालय, पूर्वी उड़ीसा, मिजोरम, मणिपुर में सायं काल ग्रस्तोदित होगा। यह कम समय के लिए दिखाई देगा। शेष भारत में यह ग्रहण दृष्टिगोचर नहीं होगा।

भारत के अतरिक्त यह ग्रहण पूर्व एशिया, ऑस्ट्रेलिया, पैसिफिक सागर, अमेरिका, प्रशान्त तथा हिन्द महासागर में दृष्टिगोचर होगा।

पूर्वीभारत जहाँ का चन्द्रोदय सायं काल ६ बजकर २३ मिनट से पूर्व होगा, वहीं यह चन्द्रग्रहण दृष्टिगोचर होगा।

खग्रास चन्द्रग्रहण का भारतीय मानक समयानुसार विवरण इस प्रकार से हैं-

ग्रहण स्पर्श काल - १५ बजकर १५ मिनट

ग्रहण मध्य काल - १६ बजकर ४९ मिनट

ग्रहण मोक्ष काल - १८ बजकर २३ मिनट

ग्रहण का सूतक काल

इस ग्रहण का सूतक काल २६ मई २०२१ ई. को प्रातः ६ बजकर १५ मिनट से प्रारम्भ हो जाएगा। जहाँ ग्रहण दृश्य होगा वहीं सूतक माना जाएगा। अर्थात् ग्रस्तोदय चन्द्र ग्रहण जिन नगर एवं प्रान्तों में दिखाई देगा। ग्रहण का स्नान, दान जप अनुष्ठानादि का माहात्म्य भी उन्हीं नगर एवं प्रान्तों में प्रभावी होगा। जिन नगर एवं प्रान्तों में यह ग्रहण दृश्य नहीं होगा वहाँ सूतक नहीं होने के कारण शुभ कार्य भी इससे प्रभावित नहीं होगा।

ग्रहण का राशिफल

यह ग्रहण अनुराधा एवं ज्येष्ठा नक्षत्र पर तथा चन्द्र राशि वृश्चिक पर घटित होगा। अतः इन राशि एवं नक्षत्र में उत्पन्न जातकों के लिए कष्टप्रद रहेगा। इन राशि एवं नक्षत्रों के जातकों को ग्रहण के समय चन्द्र के मन्त्र एवं स्तोत्रों का पाठ, शास्त्रोक्त चन्द्रमा के लिए विहित वस्तु का दान करना चाहिए। इसके अतिरिक्त महामृत्युञ्जय मन्त्र का जाप औषधि स्नान आदि उपाय शुभ रहेगा।

मेषादि द्वादश राशियों में उत्पन्न जातकों के ग्रहण का फल निम्नलिखित है-

राशि	फल
मेष	शत्रु भय, एवं विजय धनागमन
वृष	स्त्री/पति कष्ट, मानसिक कष्ट, उद्योग में अवरोध।
मिथुन	संघर्ष, गुप्त चिन्ता, रोग पीड़ा।
कर्क	मान नाश, खर्च अधिक, व्यवसाय में बाधा।
सिंह	कार्यसिद्धि, धन का लाभ, सुख प्राप्ति।
कन्या	धन लाभ, शुभ कार्यों में खर्च, मानसिक सुख प्राप्ति।
तुला	धन हानि, धन व्यय, व्यर्थ यात्रा, चोट, शारीरिक कष्ट।
वृश्चिक	शारीरिक पीड़ा, चोट, मानसिक चिन्ता।
धनु	धन हानि, व्यर्थ खर्च व्यवसायिक धन का हानि।
मकर	धन की वृद्धि, धन लाभ, पारिवारिक खुशी।
कुम्भ	रोग भय, शारीरिक कष्ट, एवं चिन्ता।
मीन	संतति चिन्ता कष्ट एवं मान हानि।

ग्रहण का जन जीवन पर प्रभाव

यह ग्रहण उत्तरायण में घटित हो रहा है। अतः इसका प्रभाव शिक्षा से आजीविका चलाने वाले तथा अस्त्र शस्त्र से जीवन यापन करने वाले अर्थात् ब्राह्मण एवं क्षत्रिय के लिए कष्टप्रद रहेगा। सार रूप से शिक्षा जगत् एवं सैनिक के लिए विशेष रूप से कष्टदायक रहेगा।

उत्तरायणसन्दृष्टो ब्रह्मक्षत्रविनाशनः। (गर्गः)

यह ग्रहण वृश्चिक राशि में घटित हो रहा है। अतः उदुम्बर, मद्र और चोल देश में निवास करने वाले लोगों, वृक्ष एवं वनस्पतियों, युद्ध करने वाले लोगों (सैनिकों, उग्रवादियों आदि) के लिए कष्टप्रद रहेगा।

अलिन्यथोदुम्बरमद्रचोलान् द्रुमान् सयौधेयविषायुधीयान्।

(बृ. सं. रा. आ. श्लो.-४०)

यह ग्रहण वैशाख पूर्णिमा को भूमण्डल पर दृष्टिगोचर हो रहा है। अतः इसका प्रभाव सम्पूर्ण संसार में सुभिक्ष होगा परन्तु कपास, तिल एवं मूंग की फसल के लिए उत्तम नहीं है। इक्ष्वाकु, यौधेय और कलिंग देश में राजनैतिक तथा प्राकृतिक उपद्रव के कारण कष्टप्रद रहेगा।

वैशाखमासे ग्रहणे विनाशमायान्ति कर्पासतिलाः समुद्गाः।
इक्ष्वाकुयौधेयशकाः कलिङ्गाः सोपप्लवाः किन्तु सुभिक्षमस्मिन्॥

(बृ. सं. रा. आ. श्लो.-७५)

कंकण सूर्यग्रहण का विवरण -

कंकण सूर्यग्रहण ज्येष्ठ अमावस्या तदनुसार १० जून २०२१ ई. गुरुवार को पड़ेगा। यह ग्रहण भारत के पूर्वोत्तर अर्थात् अरूणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में तथा जम्मू कश्मीर के कुछ क्षेत्रों में सूर्यास्त के समय मे स्वल्प ग्रास के रूप में दृष्टिगोचर होगा। इसके अतरिक्त भारत के अन्य क्षेत्रों में स्वल्प ग्रास के कारण दृष्टिगोचर नहीं होगा।

भारत के अतिरिक्त इस भूलोक पर दिखाई देने वाले ग्रहण का विवरण इस प्रकार है-

प्रायः यह ग्रहण यूरोप के अधिकांश देशों में उत्तरी अमेरिका एवं उत्तरी एशिया के क्षेत्रों में खण्डग्रास के रूप दृष्टिगोचर होगा तथा ग्रीनलैण्ड, उत्तर कैनेडा, रूस में यह ग्रहण कंकणाकृति के रूप में दृष्टिगोचर होगा।

ग्रहण का विवरण भारतीय मानक समयानुसार इस प्रकार से है-

ग्रहण स्पर्श काल	१३ बजकर ४१ मिनट
ग्रहण मध्य काल	१६ बजकर १३ मिनट
ग्रहण मोक्ष काल	१८ बजकर ४२ मिनट

ग्रहण का सूतक काल-

भारत के सुदूर पूर्वोत्तर प्रान्त में यह सूर्य ग्रहण ग्रस्तास्त दृष्टिगोचर होगा। अतः वहाँ पर केवल सूतक लगेगा। इसके अतिरिक्त भारत के अन्य प्रदेशों में सूतक का विचार न होने के कारण सभी धार्मिक एवं मांगलिक कार्य किये जा सकते हैं। ग्रस्तास्त स्वल्प सूर्यग्रहण उत्तर पूर्वी अरूणांचल

प्रदेश के अनिनि में १७ बजकर ५४ मिनट से १८ बजकर ०१ मिनट तक, पासिघाट में १८ बजे से १८ बजकर ०२ मिनट तक, बालिगाम १७ बजकर ५६ मिनट से १७ बजकर ५७ मिनट तक एवं **जम्मू कश्मीर** के पासु में १७ बजकर ५४ मिनट से १८ बजकर १५ मिनट तक, नागिर १८ बजकर ०२ मिनट से १८ बजकर १० मिनट तक, बाल्टिट में १८ बजकर ०१ मिनट से १८ बजकर १२ मिनट तक, शिंगशल में १७ बजकर ५५ मिनट से १८ बजकर १७ मिनट तक, इन प्रमुख नगरों में अत्यल्प ग्रास के रूप में दिखाई देगा।

ग्रहण का राशिफल -

यह ग्रहण रोहिणी तथा मृगशिरा नक्षत्र एवं वृष राशि में घटित होगा। अतः इस ग्रहण का प्रभाव इन नक्षत्रों एवं वृष राशि में उत्पन्न जातकों के लिए कष्टदायक रहेगा। इन राशि के जातकों को ग्रहण के समय सूर्य मन्त्र एवं स्तोत्र का पाठ, सूर्य के लिए शास्त्रोक्त वस्तु का दान करना चाहिए।

विशेष इष्ट मन्त्र, महामृत्युञ्जय मन्त्र का जाप करना सबके लिए लाभकारी होगा। औषधि स्नान आदि उपाय करना शुभ रहेगा। मेषादि द्वादश राशियों में उत्पन्न जातकों के लिए ग्रहण फल निम्नलिखित है-

राशि	फल
मेष	धन हानि, शारीरिक कष्ट।
वृष	शारीरिक पीड़ा।
मिथुन	धन हानि।
कर्क	धन लाभ।
सिंह	शारीरिक कष्ट।
कन्या	संतति चिन्ता एवं कष्ट।
तुला	सुख प्राप्ति, धनागम।
वृश्चिक	स्त्री / पति कष्ट।
धनु	संघर्ष, रोग पीड़ा।
मकर	खर्च की अधिकता।
कुम्भ	कार्यसिद्धि, धन लाभ, सुख प्राप्ति।
मीन	धन लाभ, मानसिक सुखी।

ग्रहण का जन जीवन पर प्रभाव-

यह ग्रहण वृष राशि में घटित हो रहा है। अतः गौ का पालन करने वालों (अहीर आदि जाति के लोगों) चतुष्पद पशुओं एवं समाज के सज्जन मनुष्यों के लिए कष्टप्रद रहेगा।

गोपाः पशवोऽथ गोमिनो मनुजा ये च महत्त्वमागताः।
पीडामुपयान्ति भास्करे ग्रस्ते शीतकरेऽथवा वृषे॥

(बृ. सं. रा. आ. श्लो.-३६)

यह ग्रहण ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या को पृथ्वी पर दृष्टिगोचर होगा, अतः राजा, ब्राह्मण, राजपत्नी, धान्य, वृष्टि, महागण, पृथ्वी के उत्तरी भूभाग (चीन आदि) में रहने वाले लोगों के लिए इस ग्रहण का प्रभाव कष्टप्रद रहेगा। साल्व देशवासी एवं निषाद इनके लिए भी अशुभ सूचक रहेगा।

ज्येष्ठे नरेन्द्रद्विजराजपत्न्यः सस्यानि वृष्टिश्च महागणाश्च।
प्रध्वंसमायान्ति नराश्च सौम्याः साल्वैः समेताश्च निषादसङ्घाः॥

(बृ. सं. रा. आ. श्लो.-७६)

खण्डग्रास चन्द्रग्रहण का विवरण -

यह खण्डग्रास चन्द्रग्रहण कार्तिक पूर्णिमा तदनुसार १९ नवम्बर, २०२१ ई. शुक्रवार को घटित हो रहा है। भारत में यह ग्रहण सायं काल चन्द्रोदय के समय पूर्वी राज्यों में यथा-आसाम, अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी प्रान्तों में ग्रस्तोदय स्वल्पग्रास के रूप में दृष्टिगोचर होगा अतः यह ग्रहण भारत के इन प्रान्तों में भी बहुत कम समय के लिए दिखलाई देगा। इसके अतिरिक्त शेष भारत में यह ग्रहण दृष्टिगोचर नहीं होगा।इस ग्रहण का अवलोकन भारत के सुदूर पूर्वी भाग सहित अन्य देशों में जैसे पूर्व एशिया, ऑस्ट्रेलिया, उत्तरी यूरोप, अमेरिका, उत्तर पश्चिम अफ्रीका, पैसिफिक सागर में खण्डग्रास की आकृति में दिखाई देगा।

खण्डग्रास चन्द्रग्रहण का विवरण भारतीय मानक समयानुसार इस प्रकार से है-

ग्रहण स्पर्श काल १२ बजकर ४९ मिनट

ग्रहण मध्य काल १४ बजकर ३३ मिनट

ग्रहण मोक्ष काल १६ बजकर १७ मिनट

ग्रहण का सूतक काल-

इस खण्डग्रास चन्द्रग्रहण का सूतक सम्पूर्ण भारत के सिर्फ दो राज्यों (आसाम, अरूणाचल प्रदेश) के पूर्वी क्षेत्रों में लागू होगा अर्थात् इन दो राज्यों में धार्मिक तथा मांगलिक कार्य बाधित होंगे। जहाँ ग्रहण दृश्य नहीं होगा वहाँ सूतक का विचार नहीं होगा। अतः वहाँ शास्त्र विहित सभी प्रकार के धार्मिक एवं मांगलिक कार्य निर्बाधित सम्पन्न किये जा सकते हैं। भारतीय मानक समयानुसार चन्द्रोदय १६ बजकर १७ मिनट से पूर्व जहाँ होगा वहाँ यह ग्रहण दृश्य होगा।

ग्रहण का राशिफल-

यह ग्रहण कृतिका नक्षत्र एवं वृष राशि में घटित हो रहा है अतः इन राशि एवं नक्षत्रों में उत्पन्न जातकों के लिए कष्टप्रद रहेगा। मेषादि द्वादश राशियों में उत्पन्न जातकों के ग्रहण का फल अधोलिखित है-

मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
धन हानि शारीरिक कष्ट।	शारीरिक पीड़ा।	धन हानि।	धनागम।	शारीरिक कष्ट।	संतति व्यथा।	धनागम, सुखप्राप्ति।	स्त्री / पति कष्ट।	रोग पीड़ा, संघर्ष।	खर्च की अधिकता।	कार्यसिद्धि, धन लाभ।	धन लाभ, मानसिक प्रसन्नता

ग्रहण का जन-जीवन पर प्रभाव-

यह ग्रहण दक्षिणायन में घटित हो रहा है। अतः इसका प्रभाव वैश्य (व्यापारी वर्ग) और शूद्रों के लिए कष्टप्रद रहेगा।

दक्षिणायनगो राहुर्वैश्यशूद्रविनाशनः (गर्गः)

यह ग्रहण कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा को भूमण्डल पर दृश्य होगा। अतः इसका प्रभाव अग्नि से आजिविका चलाने वाले (लोहार, सोनार आधुनिक कल कारखाने आदि), मगध देश में रहने वाले लोग, पूर्व दिशा के राजा, कोशल, कल्माष, शूरसेन और काशी में निवास करने वाले लोगों, मन्त्रियों और नौकरों के सहित कलिंग देश का राजा इन सब के लिए यह ग्रहण कष्टप्रद रहेगा साथ ही संसार में क्षेम और सुभिक्ष होगा।

कार्त्तिक्यामनलोपजीविमगधान् प्राच्याधिपान् कोशलान्
कल्माषानथ शूरसेनसहितान् काशींश्च सन्तापयेत्।
हन्यादाशु कलिङ्गदेशनृपतिं सामात्यभृत्यं तमो
दृष्टं क्षत्रियतापदं जनयति क्षेमं सुभिक्षान्वितम् ॥

बृ. सं. रा. आ. श्लो-६९

खग्रास सूर्य ग्रहण (४ दिसम्बर २०२१ ई. शनिवार)

यह ग्रहण सूर्य की स्थिति वशात् भारत में नहीं दिखाई देगा। यह खग्रास सूर्य ग्रहण मार्गशीर्ष अमावस्या, शनिवार तदनुसार ४ दिसमबर २०२१ ई., को प्रातः काल भारतीय मानक समयानुसार १० बजकर ५९ मिनट से प्रारम्भ होकर १५ बजकर ०८ मिनट तक पृथ्वी पर दिखाई देगा। यह खण्डग्रास सूर्य ग्रहण भूमण्डल के हिन्द महासागर, दक्षिणी अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया के दक्षिणी भूभाग, अन्टार्टिका, अटलाण्टिक, आदि क्षेत्रों में दृष्टिगोचर हो सकेगा।

डॉ. फणीन्द्र कुमार चौधरी
सह-आचार्य, ज्योषि-विभागक

प्रदेश के अनिनि में १७ बजकर ५४ मिनट से १८ बजकर ०१ मिनट तक, पासिघाट में १८ बजे से १८ बजकर ०२ मिनट तक, बालिगाम १७ बजकर ५६ मिनट से १७ बजकर ५७ मिनट तक एवं **जम्मू कश्मीर** के पासु में १७ बजकर ५४ मिनट से १८ बजकर १५ मिनट तक, नागिर १८ बजकर ०२ मिनट से १८ बजकर १० मिनट तक, बाल्टिट में १८ बजकर ०१ मिनट से १८ बजकर १२ मिनट तक, शिंगशल में १७ बजकर ५५ मिनट से १८ बजकर १७ मिनट तक, इन प्रमुख नगरों में अत्यल्प ग्रास के रूप में दिखाई देगा।

ग्रहण का राशिफल –

यह ग्रहण रोहिणी तथा मृगशिरा नक्षत्र एवं वृष राशि में घटित होगा। अतः इस ग्रहण का प्रभाव इन नक्षत्रों एवं वृष राशि में उत्पन्न जातकों के लिए कष्टदायक रहेगा। इन राशि के जातकों को ग्रहण के समय सूर्य मन्त्र एवं स्तोत्र का पाठ, सूर्य के लिए शास्त्रोक्त वस्तु का दान करना चाहिए।

विशेष इष्ट मन्त्र, महामृत्युञ्जय मन्त्र का जाप करना सबके लिए लाभकारी होगा। औषधि स्नान आदि उपाय करना शुभ रहेगा। मेषादि द्वादश राशियों में उत्पन्न जातकों के लिए ग्रहण फल निम्नलिखित है–

मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
धन हानि, शारीरिक कष्ट।	शारीरिक पीड़ा।	धन हानि।	धन लाभ।	शारीरिक कष्ट।	संतति चिन्ता एवं कष्ट।	सुख प्राप्ति, धनागम।	स्त्री / पति कष्ट।	संघर्ष, रोग पीड़ा।	खर्च की अधिकता।	कार्यसिद्धि, धन लाभ, सुख प्राप्ति।	धन लाभ, मानसिक सुखी।

ग्रहण का जन जीवन पर प्रभाव–

यह ग्रहण वृष राशि में घटित हो रहा है। अतः गौ का पालन करने वालों (अहीर आदि जाति के लोगों) चतुष्पद पशुओं एवं समाज के सज्जन मनुष्यों के लिए कष्टप्रद रहेगा।

गोपाः पशवोऽथ गोमिनो मनुजा ये च महत्त्वमागताः।
पीडामुपयान्ति भास्करे ग्रस्ते शीतकरेऽथवा वृषे॥

(बृ. सं. रा. आ. श्लो.–३६)

यह ग्रहण ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या को पृथ्वी पर दृष्टिगोचर होगा, अतः राजा, ब्राह्मण, राजपत्नी, धान्य, वृष्टि, महागण, पृथ्वी के उत्तरी भूभाग (चीन आदि) में रहने वाले लोगों के लिए इस ग्रहण का प्रभाव कष्टप्रद रहेगा। साल्व देशवासी एवं निषाद इनके लिए भी अशुभ सूचक रहेगा।

ज्येष्ठे नरेन्द्रद्विजराजपत्न्यः सस्यानि वृष्टिश्च महागणाश्च।
प्रध्वंसमायान्ति नराश्च सौम्याः साल्वैः समेताश्च निषादसङ्घाः॥

(बृ. सं. रा. आ. श्लो.–७६)

खण्डग्रास चन्द्रग्रहण का विवरण –

यह खण्डग्रास चन्द्रग्रहण कार्तिक पूर्णिमा तदनुसार १९ नवम्बर, २०२१ ई. शुक्रवार को घटित हो रहा है। भारत में यह ग्रहण सायं काल चन्द्रोदय के समय पूर्वी राज्यों में यथा–आसाम, अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी प्रान्तों में ग्रस्तोदय स्वल्पग्रास के रूप में दृष्टिगोचर होगा अतः यह ग्रहण भारत के इन प्रान्तों में भी बहुत कम समय के लिए दिखलाई देगा। इसके अतिरिक्त शेष भारत में यह ग्रहण दृष्टिगोचर नहीं होगा।इस ग्रहण का अवलोकन भारत के सुदूर पूर्वी भाग सहित अन्य देशों में जैसे पूर्व एशिया, ऑस्ट्रेलिया, उत्तरी यूरोप, अमेरिका, उत्तर पश्चिम अफ्रीका, पैसिफिक सागर में खण्डग्रास की आकृति में दिखाई देगा।

खण्डग्रास चन्द्रग्रहण का विवरण भारतीय मानक समयानुसार इस प्रकार से है-

ग्रहण स्पर्श काल	१२ बजकर ४९ मिनट
ग्रहण मध्य काल	१४ बजकर ३३ मिनट
ग्रहण मोक्ष काल	१६ बजकर १७ मिनट

ग्रहण का सूतक काल-

इस खण्डग्रास चन्द्रग्रहण का सूतक सम्पूर्ण भारत के सिर्फ दो राज्यों (आसाम, अरूणाचल प्रदेश) के पूर्वी क्षेत्रों में लागू होगा अर्थात् इन दो राज्यों में धार्मिक तथा मांगलिक कार्य बाधित होंगे। जहाँ ग्रहण दृश्य नहीं होगा वहाँ सूतक का विचार नहीं होगा। अतः वहाँ शास्त्र विहित सभी प्रकार के धार्मिक एवं मांगलिक कार्य निर्बाधित सम्पन्न किये जा सकते हैं। भारतीय मानक समयानुसार चन्द्रोदय १६ बजकर १७ मिनट से पूर्व जहाँ होगा वहाँ यह ग्रहण दृश्य होगा।

ग्रहण का राशिफल-

यह ग्रहण कृतिका नक्षत्र एवं वृष राशि में घटित हो रहा है अतः इन राशि एवं नक्षत्रों में उत्पन्न जातकों के लिए कष्टप्रद रहेगा। मेषादि द्वादश राशियों में उत्पन्न जातकों के ग्रहण का फल अधोलिखित है-

मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
धन हानि शारीरिक कष्ट।	शारीरिक पीड़ा।	धन हानि।	धनागम।	शारीरिक कष्ट।	संतति व्यथा।	धनागम, सुखप्राप्ति।	स्त्री / पति कष्ट।	रोग पीड़ा, संघर्ष।	खर्च की अधिकता।	कार्यसिद्धि, धन लाभ।	धन लाभ, मानसिक प्रसन्नता

ग्रहण का जन-जीवन पर प्रभाव-

यह ग्रहण दक्षिणायन में घटित हो रहा है। अतः इसका प्रभाव वैश्य (व्यापारी वर्ग) और शूद्रों के लिए कष्टप्रद रहेगा।

दक्षिणायनगो राहुर्वैश्यशूद्रविनाशनः (गर्गः)

यह ग्रहण कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा को भूमण्डल पर दृश्य होगा। अतः इसका प्रभाव अग्नि से आजिविका चलाने वाले (लोहार, सोनार आधुनिक कल कारखाने आदि), मगध देश में रहने वाले लोग, पूर्व दिशा के राजा, कोशल, कल्माष, शूरसेन और काशी में निवास करने वाले लोगों, मन्त्रियों और नौकरों के सहित कलिंग देश का राजा इन सब के लिए यह ग्रहण कष्टप्रद रहेगा साथ ही संसार में क्षेम और सुभिक्ष होगा।

कार्त्तिक्यामनलोपजीविमगधान् प्राच्याधिपान् कोशलान्
कल्माषानथ शूरसेनसहितान् काशींश्च सन्तापयेत्।
हन्यादाशु कलिङ्गदेशनृपतिं सामात्यभृत्यं तमो
दृष्टं क्षत्रियतापदं जनयति क्षेमं सुभिक्षान्वितम् ॥

बृ. सं. रा. आ. श्लो-६९

खग्रास सूर्य ग्रहण (४ दिसम्बर २०२१ ई. शनिवार)

यह ग्रहण सूर्य की स्थिति वशात् भारत में नहीं दिखाई देगा। यह खग्रास सूर्य ग्रहण मार्गशीर्ष अमावस्या, शनिवार तदनुसार ४ दिसमबर २०२१ ई., को प्रातः काल भारतीय मानक समयानुसार १० बजकर ५९ मिनट से प्रारम्भ होकर १५ बजकर ०८ मिनट तक पृथ्वी पर दिखाई देगा। यह खण्डग्रास सूर्य ग्रहण भूमण्डल के हिन्द महासागर, दक्षिणी अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया के दक्षिणी भूभाग, अन्टार्टिका, अटलाण्टिक, आदि क्षेत्रों में दृष्टिगोचर हो सकेगा।

डॉ. फणीन्द्र कुमार चौधरी
सह-आचार्य, ज्योषि-विभागक

संदिग्ध व्रत-पर्व निर्णय विक्रम संवत् २०७८

श्री रामनवमी (दिनांक २१ अप्रैल २०२१ बुधवार)

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जन्म चैत्र शुक्ल मध्याह्नव्यापिनी नवमी तिथि में हुआ था। यथा-

"चैत्रशुक्लनवम्या मध्याह्ने दाशरथिरामाभिव्यक्तिः (धर्मसिन्धु)

तदनुसार इस वर्ष श्री रामनवमी का पर्व दिनांक २१ अप्रैल २०२१ बुधवार को मनाना शास्त्रसम्मत होगा।

श्री परशुराम जयन्ती (दिनांक १४ मई २०२१ शुक्रवार)

वैशाखस्य सिते पक्षे तृतीयां पुनर्वसौ।

निशायां प्रथमे यामे समये हरिः ॥ (निर्णयसिन्धु)

इस वर्ष दिनांक १४ मई २०२१ शुक्रवार को तृतीया तिथि प्रदोषकाल व्यापिनी है, अतः इस दिन परशुरामजयन्ती मनाना शास्त्रोचित होगा।

अक्षय तृतीया (दिनांक १५ मई २०२१ शनिवार)

अक्षय तृतीया का पर्व सूर्योदयकालव्यापिनी तृतीया तिथि में मनाने का विधान है। यह दिन बहुत ही पवित्र माना गया है। इस दिन जप, तप, होम, दान एवं स्नान आदि करने से 'अक्षयपुण्य' की प्राप्ति होती है। इसीलिए इस तिथि का नाम अक्षयतृतीया पड़ा है।

इस वर्ष दिनांक १५ मई २०२१ शनिवार को तृतीया तिथि सूर्योदयकालव्यापिनी है, अतः इसदिन अक्षय तृतीया का पर्व मनाना शास्त्रसम्मत होगा।

गंगा जयन्ती (दिनांक १८ मई २०२१ मंगलवार)

वैशाख शुक्ल सप्तमी तिथि को गंगा की उत्पत्ति हुई थी। गंगा का पूजन मध्याह्नव्यापिनी सप्तमी तिथि में करना चाहिए। यदि दोनों दिन सप्तमी तिथि मध्याह्नव्यापिनी हो तो पहिली लेनी चाहिए। यथा

वैशाखशुक्लसप्तम्यां गंगोत्पत्तिस्तस्यां मध्याह्नव्यापिन्यां गंगा पूजनं कार्यम्। दिनद्वयेतद्व्याप्तौ पूर्वा ॥ (धर्मसिन्धु)

इस वर्ष १८ मई एवं १९ मई २०२१ को दोनों दिन सप्तमी तिथि मध्याह्नव्यापिनी है। अतः शास्त्रवचनानुसार यह पर्व दिनांक १८ मई २०२१ मंगलवार को मनाना प्रशस्त होगा।

मोहिनि एकादशीव्रत (दिनांक २२ मई २०२१ स्मार्त्त)

(दिनांक २३ मई २०२१ वैष्णव)

वैशाख शुक्ल एकादशी को मोहिनी एकादशी कहा जाता है। इस वर्ष दिनांक २२ मई २०२१ शनिवार को १ घं. १६ मि. तक दशमी तिथि है। इसके पश्चात् एकादशी का प्रारम्भ हो रहा है, और आगे द्वादशी तिथि का क्षय है। धर्मशास्त्रानुसार दशमीयुता एकादशी में स्मार्त्तो को तथा वैष्णवों को द्वादशी त्रयोदशी युता में चाहिए।

उक्त नियमानुसार इस वर्ष मोहिनी एकादशी व्रत दिनांक २२ मई २०२१ शनिवार को स्मार्त्तसम्प्रदाय के अनुयायी तथा दिनांक २३ मई २०२१ रविवार को वैष्णव सम्प्रदाय के अनुयायी को करना शास्त्रोचित होगा।

श्री कल्कि जयन्ती (दिनांक १३ जुलाई २०२१ शुक्रवार)

श्रावण मास के शुक्ल पक्ष में सायंकाल व्यापिनी षष्ठीतिथि को कल्कि का जन्म हुआ। इस दिन कल्कि जयन्ती मनाने का विधान है यथा-

श्रावणशुक्लषष्ठयां सायं कल्किर्जातः॥ (धर्मसिन्धु)

इस वर्ष दिनांक १३ जुलाई २०२१ शुक्रवार को षष्ठी तिथि सायाह्नव्यापिनी है, अतः इस दिन श्री कल्कि जयन्ती मनाई जाएगी।

कुशोत्पाटिनी अमावस्या (दिनांक ०६ सितम्बर २०२१ सोमवार)

हिन्दुओं के धार्मिक क्रिया कलापों में कुश की अनिवार्यता होती है। वर्ष भरके धार्मिक कृत्यों के लिए कुशा का संचयन किया जाता है। यथा-

पूणाकाले सर्वदैव कुशहस्तो भवेच्छुचिः।

कुशेन रहिता पूजा विफला कथिता मया ॥ (शब्दकल्पद्रुम)

इस दिन संचित कुशा वर्षभर पवित्र रहती है। द्वितीयाप्रहरव्यापिनी अमावस्या तिथि में कुशोत्पाटन का विधान है। यथा

समित्पुष्प-कुशादिनां द्वितीय प्रहरो मतः॥

इस वर्ष दिनांक ६ सितम्बर २०२१ सोवमार को अमावस्या तिथि द्वितीय प्रहरव्यापिनी है, अतः इस दिन कुशोत्पाटन करना प्रशस्त होगा।

आश्विन कृष्ण षष्ठी का श्राद्ध (दिनांक २७ सितम्बर २०२१ ई. सोमवार)

शास्त्रों में श्राद्ध के निमित्त अपराह्नव्यापिनी तिथि प्रशस्त मानी गई है। यथा -

पार्वणे त्वपराहनव्यापिनी ग्राह्या ॥ (धर्मसिन्धु)

इस वर्ष षष्ठी तिथि दिनांक २६ सितम्बर २०२१ को १३ घं. ५ मि. पर आरम्भ हो रही है तथा अग्रिम दिन २७ सितम्बर २०२१ को १५ घं. ४३ मि. तक व्याप्त है। २६ सितम्बर अपराह्न का समय- १३ घं. २४ मि. - १५ घं. ४७ मि. तक का है। एवं २७ सितम्बर को अपराह्न का समय १३ घं. २२ मि. - १५ घं. ४४ मि. तक का है। यहाँ दोनों दिन षष्ठी तिथि लगभग समान रूप से अपराह्नव्यापिनी है। ऐसे धर्मशास्त्रानुसार यदि तिथि का मान ६० घटी से अधिक हो तो दूसरे दिन श्राद्ध करने का निर्देश देता है। यहाँ षष्ठी तिथि का मान ६० घटी से अधिक है अतः इस वर्ष दिनांक २७ सितम्बर २०२१ सोमवार को षष्ठी तिथि का श्राद्ध करना शास्त्रोचित होगा।

विशेष - इस वर्ष दिनांक २६ सितम्बर २०२१ ई को कोई श्राद्ध नहीं होगा।

गजछायायोग (दिनांक ६ अक्टूबर २०२१ बुधवार)

आश्विन कृष्णपक्ष में अमावस्या तिथि के दिन सूर्य एवं चन्द्रमा यदि दोनों हस्त नक्षत्र में हो तो 'गजछाया' नामक योग बनता है। इस योग बनता है। इस योग पितृतपर्व एवं पिण्डदान पितरों के लिए मोक्षपद्र हुआ करता है। इस दिन दान एवं स्नान का विशेष महत्त्व है। यथा-

हस्तनक्षत्रे सूर्ये सति चाँद्रहस्तनक्षत्रयुतामावस्या।

'गजछाया' तस्यां श्राद्धदानादि कार्यम् । (धर्मसिन्धु)

इस वर्ष दिनांक ६ अक्टूबर २०२१ बुधवार को पुण्यप्तद 'गजछाया योग' बन रहा है। अतः इस दिन श्राद्ध, स्नान एवं दान करने से पुण्य फलो की प्राप्ति बतलाई गई।

कोजागर व्रत (दिनांक १९ अक्टूबर २०२१ मंगलवार)

आश्विन मास की निशीथव्यापिनी पूर्णिमा को कोजागर व्रत करने का विधान है। इस दिन धन समृद्धि हेतू विशेष रूप से लक्ष्मी की पूजा अर्चना करने का विधान है। यथा-

आश्विन पौर्णमास्यां कोजागरव्रतम् ।

सा पूर्वत्रैव निशीथव्याप्तौ पूर्वा ॥ (धर्मसिन्धु)

इस वर्ष दिनांक १९ अक्टूबर २०२१ ई मंगलवार को पूर्णिमा तिथि निशीथकालव्यापिनी है, अतः इस दिन कोजागरव्रत करना शास्त्रोचित होगा।

अहोई अष्टमी व्रत -

कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को सन्तान की दीर्घायु एवं मगल कामना के लिए अहोई माता का व्रत किया जात है। यह व्रत चन्द्रोदयव्यापिनी अष्टमी तिथि में करने का विधान है-

सा चन्द्रोदयव्यापिनी ग्राह्या॥

उक्त वचनानुसार इस वर्ष दिनांक ७ नवम्बर २०२१ शुक्रवार को अष्टमी तिथि चन्द्रोदयव्यापिनी है, अतः इस दिन अहोई माता का व्रत करना प्रशस्त होगा।

होलिकादहन (दिनांक १७ मार्च २०२२ गुरुवार)

भद्रारहित प्रदोषकालव्यापिनी फाल्गुन पूर्णिमा तिथि को होलिकादहन करने का विधान है। यथा-

सा प्रदोषव्यापिनी भद्रारहिता ग्राह्या ॥ (धर्मसिन्धु)

इस वर्ष दिनांक १७ मार्च २०२२ ई. गुरुवार को पूर्णिमा तिथि प्रदोषव्यापिनी है, किन्तु इस दिन प्रदोषकाल में भद्रा व्याप्त है, तथा निशीथकाल के बाद जाकर समाप्त हो रही है। ऐसे समय में भद्रा के मुखपुच्छ का विचार कर होलिकादहन करना चाहिए। ऐसा शास्त्रीय नियम है। यथा-

परदिने प्रदोषस्पर्शाभावे पूर्वदिने यदि निशीथात्प्राक्

भद्रासमाप्तिस्तदा भद्रावसानोत्तरमेव होलिकादीपनम्॥

निशीथोत्तरं भद्रासमाप्तौ भद्रामुखं त्यक्त्वा भद्रायामेव ॥

(धर्मसिन्धु)

अतः शास्त्रक्चनानुसार भद्रामुखपुच्छविचारोपरान्त दिनांक १७ मार्च २०२२ ई. गुरुवार को भद्रापुच्छभाग में भारतीय समयानुसार २२ घं. १५ मि. से २३ घं. २७ मि. तक होलिका दहन करना शास्त्रसम्मत होगा।

डॉ. रश्मि चतुर्वेदी

(ज्योतिष-विभाग)

विक्रम संवत् २०७८ के माङ्गलिक मुहूर्तों के लिए काल-शुद्धि

कालशुद्धि

सामान्यतया गुरु एवं शुक्र के अस्तकाल, श्राद्धपक्ष, भीष्मपञ्चक, होलिकाष्टक, पौषमास व चैत्रमास तथा अधिकमास में विवाहादि संस्कारों एवं अन्य माङ्गलिक कार्य के लिए वर्जित काल माना गया है। उपनयन संस्कार चैत्रमास में भी किया जाता है तथा पुरातन गृहप्रवेश गुरु-शुक्र के अस्तकाल में भी किया जा सकता है। इस वर्ष वि.सं. २०७८ के माङ्गलिक मुहूर्तों के सन्दर्भ में कालशुद्धि का विवरण निम्न है।

१. गुरु अस्त

विक्रम संवत् २०७८ में फाल्गुन कृष्ण पक्ष ६ भौमवार से चैत्र कृष्ण ८ शुक्रवार तदनुसार २२ फरवरी २०२२ से २५ मार्च २०२२ तक गुर्वस्त रहेगा। गुर्वस्त से ३ दिन पूर्व में वृद्धावस्था तथा उदय के ३ दिन बाद बाल्यावस्था का समय माङ्गलिक कार्यों में वर्जित है।

२. शुक्र अस्त

इस वर्ष में चैत्र शुक्ल पक्ष १ भौमवार से चैत्र शुक्ल ७ सोमवार तदनुसार १३ अप्रैल २०२१ से १९ अप्रैल २०२१ तक एवं ७ जनवरी २०२२ से ११ जनवरी २०२२ तक शुक्रास्त रहेगा। उदय अस्त से ३ दिन की वृद्धा व बाल्यावस्था का समय शुभकार्यों में वर्जित है।

३. श्राद्ध पक्ष

विक्रम संवत् २०७८ में श्राद्धपक्ष का समय दिनांक २१ सितम्बर, २०२१ से ०६ अक्टूबर, २०२१ तक रहेगा। इस कालावधि में माङ्गलिक कार्य वर्जित हैं।

४. भीष्मपञ्चक

इस वर्ष कार्तिक शुक्ल ११ रविवार से कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा शुक्रवार तदनुसार १४ नवम्बर २०२१ से १९ नवम्बर २०२१ तक भीष्मपञ्चक रहेंगे जो माङ्गलिक कार्यों में त्याज्य हैं।

५. पौष सौर-मास

विक्रम संवत् २०७८ में १५ दिसम्बर २०२१ से १३ जनवरी २०२२ तक (मार्गशीर्ष शुक्ल १२ बुधवार से पौष शुक्ल १२ शुक्रवार तक) सौर पौष मास का समय विवाहादि संस्कारों में वर्जित है।

६. होलिकाष्टक

इस वर्ष दिनांक १० मार्च २०२२ से १८ मार्च २०२२ तक (फाल्गुन शुक्लाष्टमी से फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा तक) होलिकाष्टक के कारण शुभकार्य वर्जित रहेंगे।

७. चैत्र सौर-मास

विक्रम संवत् २०७८ फल्गुन शुक्ल ११ सोमवार से वर्षान्त तक तदनुसार दिनांक १४ मार्च २०२२ से ०१ अप्रैल २०२२ तक चैत्रमास का समय माङ्गलिक मुहूर्तों के लिए त्याज्य रहेगा।

विवाह मुहूर्त्त विक्रम संवत् २०७८

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	विवाह लग्न में त्रिबल शुद्धि हेतु			लत्तादि दस दोषों का विवरण	रेखा योग	लग्न एवं पूजादि विवरण
				गुरुराशि	सूर्यराशि	चन्द्रराशि			
१४ अप्रैल २०२१ से १५ मई २०२१ तक वैशाख सौर मास									
२५.०४.२०२१	चैत्र शुक्ल १३	रवि	हस्त	कुम्भ	मेष	कन्या	। । । । । ० ० । । ।	८	दि. ल. ३ मं. दान, ६ चं.मं. दान, गोधूलि, १०
२६.०४.२०२१	चैत्र शुक्ल १४	सोम	*चित्रा	कुम्भ	मेष	क/तु.	। ० । । । । । ० । ।	८	दि. ल. ३ मं. दान
२७.०४.२०२१	चैत्र शुक्ल १५	भौम	स्वाति	कुम्भ	मेष	तुला	। । । । ० ० ० ० । ।	६	दि. ल. ३, ६ मं. दान
२८.०४.२०२१	वैशाख कृष्ण ०२	बुध	अनुराधा	कुम्भ	मेष	वृश्चिक	। । । । । । । । । ।	१०	गोधूलि, १०, ११ श. दान
२९.०४.२०२१	वैशाख कृष्ण ०३	गुरु	अनुराधा	कुम्भ	मेष	वृश्चिक	। । । । । । । । । ।	१०	दि. ल. ३, च. मं. दान
३०.०४.२०२१	वैशाख कृष्ण ०४	शुक्र	मूल	कुम्भ	मेष	धनु	। । । । । । । ० । ।	९	दि. ल. ६, मं. दान, गोधूलि, १०, ११ श.दान
०१.०५.२०२१	वैशाख कृष्ण ०५	शनि	मूल	कुम्भ	मेष	धनु	। । । । । । । ० । ।	९	दि. ल. १ सू. दान
०३.०५.२०२१	वैशाख कृष्ण ०७	सोम	उ.षा.	कुम्भ	मेष	मकर	। ० । । । । । । । ।	९	दि. ल. १ सू. दान
०४.०५.२०२१	वैशाख कृष्ण ०८	भौम	*धनिष्ठा	कुम्भ	मेष	म/कु.	। । ० । । ० ० ० । ।	६	ल. गोधूलि (१९ बजे से) १० श दान ११, च.श.दान
०५.०५.२०२१	वैशाख कृष्ण ०९	बुध	*धनिष्ठा	कुम्भ	मेष	कुम्भ	। । ० । । ० ० ० । ।	६	दि. ल. १ सू. दान
०७.०५.२०२१	वैशाख कृष्ण ११	शुक्र	उ.भा.	कुम्भ	मेष	मीन	० ० । । । । । ० । ।	७	ल. १० श. दान, ११, श. दान
०८.०५.२०२१	वैशाख कृष्ण १२	शनि	उ.भा.	कुम्भ	मेष	मीन	० ० । । । । । ० । ।	७	दि. ल. १, सू. दान
०८.०५.२०२१	वैशाख कृष्ण १२	शनि	रेवती	कुम्भ	मेष	मीन	। । । । । ० ० । । ।	८	ल. १० व ११ श. दान
०९.०५.२०२१	वैशाख कृष्ण १३	रवि	रेवती	कुम्भ	मेष	मीन	। । । । । ० ० । । ।	८	दि. ल. १ सू. दान, ३ म. दान
१३.०५.२०२१	वैशाख शुक्ल ०२	गुरु	रोहिणी	कुम्भ	मेष	वृष	। । ० । । ० । । । ।	८	ल. १० व ११ श. दान, १२ शु. दान

नोटः- लत्तादि दस दोषों का क्रमशः उल्लेख किया गया है दोष को शून्य (0) तथा दोषरहित को रेखा (।) द्वारा सूचित किया गया है।
*ताराङ्कित अश्विनी, चित्रा, श्रवण व धनिष्ठा कात्यायनोक्त नक्षत्रों में विवाह मुहूर्त्त दिये गये हैं।

विवाह मुहूर्त्त विक्रम संवत् २०७८

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	विवाह लग्न में त्रिबल शुद्धि हेतु			लत्तादि दस दोषों का विवरण	रेखा योग	लग्न एवं पूजादि विवरण
				गुरुराशि	सूर्यराशि	चन्द्रराशि			
१६ मई २०२१ से १५ जून २०२१ तक ज्येष्ठ सौर मास									
२१.०५.२०२१	वैशाख शुक्ल ०९	शुक्र	उ.फा.	कुम्भ	वृष	सिं/क.	। ० । । । ० । ० । ।	७	दि. ल. ७, बु. शु. दान, १ के. दान
२२.०५.२०२१	वैशाख शुक्ल १०	शनि	उ.फा.	कुम्भ	वृष	कन्या	। ० । । । । । ० । ।	८	दि.ल. ३ म. दान
२२.०५.२०२१	वैशाख शुक्ल १०	शनि	हस्त	कुम्भ	वृष	कन्या	। । । । । । ० । । ।	०६	दि. ल. ६ च. म. दान
२३.०५.२०२१	वैशाख शुक्ल ११	रवि	हस्त	कुम्भ	वृष	कन्या	। । । । । ० ० । । ।	०८	दि. ल. ३ म. दान
२३.०५.२०२१	वैशाख शुक्ल १२	रवि	*चित्रा	कुम्भ	वृष	क/तु.	० । । । । ० । । । ।	०८	दि. ल. ६ च. म. दान, ७ शु.बु. दान, १० श. दान
२४.०५.२०२१	वैशाख शुक्ल १३	सोम	*चित्रा	कुम्भ	वृष	तुला	० । । । । । । । । ।	०६	दि. ल. ३ म. दान
२४.०५.२०२१	वैशाख शुक्ल १३	सोम	स्वाति	कुम्भ	वृष	तुला	। ० । ० । । । । । ।	०८	दि. ल. ६, १० श. दान ११ श. दान
२६.०५.२०२१	वैशाख शुक्ल १५	बुध	अनुराधा	कुम्भ	वृष	वृश्चिक	। । ० । । ० । ० । ।	०७	दि. ल. ६, म. दान, ७ शु. दान, १० श.दान, ११ श. दान
२७.०५.२०२१	ज्येष्ठ कृष्ण ०१	गुरु	मूल	कुम्भ	वृष	धनु	। ० । । ० । । । । ।	०८	ल. ११ श. दान, १२, १ के. दान
२८.०५.२०२१	ज्येष्ठ कृष्ण २/३	शुक्र	मूल	कुम्भ	वृष	धनु	। ० । । ० । । । । ।	०८	दि. ल., ६ मं. दान, ७ शु. दान, गोधूलि
०५.०६.२०२१	ज्येष्ठ कृष्ण ११	शनि	रेवती	कुम्भ	वृष	मीन	। । । । । ० ० ० । ।	०७	दि. ल. ३
०५.०६.२०२१	ज्येष्ठ कृष्ण ११	शनि	*अश्विनी	कुम्भ	वृष	मेष	। । । । । । । । । ।	१०	ल. ११ श. दान, १२
०६.०६.२०२१	ज्येष्ठ कृष्ण ११/१२	रवि	अश्विनी	कुम्भ	वृष	मीन	। । । । । । । । । ।	१०	दि. ल. ३, ११ शनि दान, १२

नोटः- लत्तादि दस दोषों का क्रमशः उल्लेख किया गया है दोष को शून्य (0) तथा दोषरहित को रेखा (।) द्वारा सूचित किया गया है।

***ताराङ्कित अश्विनी, चित्रा, श्रवण व धनिष्ठा कात्यायनोक्त नक्षत्रों में विवाह मुहूर्त्त दिये गये हैं।**

विवाह मुहूर्त्त विक्रम संवत् २०७८

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	विवाह लग्न में त्रिबल शुद्धि हेतु			लत्तादि दस दोषों का विवरण	रेखा योग	लग्न एवं पूजादि विवरण
				गुरुराशि	सूर्यराशि	चन्द्रराशि			
१६ जून २०२१ से १५ जुलाई २०२१ तक आषाढ़ सौर मास									
१८.०६.२०२१	ज्येष्ठ शुक्ल ०८	शुक्र	हस्त	कुम्भ	मिथुन	कन्या	। ० । । । । ० । । ।	०८	ल. ११ च. श. दान, १ च. दान
१९.०६.२०२१	ज्येष्ठ शुक्ल ०९	शनि	हस्त	कुम्भ	मिथुन	कन्या	। ० । । । ० ० । । ।	०७	दि. ल. ६ च. दान, ७, गोधूलि
१९.०६.२०२१	ज्येष्ठ शुक्ल ०९	शनि	*चित्रा	कुम्भ	मिथुन	कन्या	। । । । । ० । ० । ।	०८	ल. ११ च. श. दान, १ च दान
२०.०६.२०२१	ज्येष्ठ शुक्ल १०	रवि	*चित्रा	कुम्भ	मिथुन	तुला	। । । । । । । ० । ।	०९	दि. ल. ३, सू. दान, ६
२०.०६.२०२१	ज्येष्ठ शुक्ल १०	रवि	स्वाति	कुम्भ	मिथुन	तुला	। । । ० । । ० । । ।	०८	ल. गोधूलि
२४.०६.२०२१	ज्येष्ठ शुक्ल १५	गुरु	मूल	कुम्भ	मिथुन	धनु	। । । ० । ० । ० ० ।	०६	दि. ल.७ मं. बु. दान, गोधूलि ११ श. शु. दान
२८.०६.२०२१	आषाढ़ कृष्ण ०४	सोम	*धनिष्ठा	कुम्भ	मिथुन	कुम्भ	। । । । । । ० ० । ।	०८	दि. ल. ७ बु दान, गोधूलि, ११ च. शु. दान
०१.०७.२०२१	आषाढ़ कृष्ण७/८	गुरु	उ.भा.	कुम्भ	मिथुन	मीन	। । । । । ० । ० । ।	०८	दि. ल. ३ सू. दान, गोधूलि, ११ श. शु दान
०२.०७.२०२१	आषाढ़ कृष्ण ०८	शुक्र	रेवती	कुम्भ	मिथुन	मीन	। । । । । । ० ० । ०	०७	दि. ल. ३ सू., गोधूलि, ११ श. शु. दान
०३.०७.२०२१	आषाढ़ कृष्ण ०९	शनि	*अश्विनी	कुम्भ	मिथुन	मेष	। । । । । ० । ० । ।	०८	दि. ल. ३ सू. दान, गोधूलि, ११ शु. श. दान, १२
१६ जुलाई २०२१ से १५ अगस्त २०२१ तक श्रावण सौर मास (केवल हि.प्र., जम्मू काश्मीर एवं पञ्जाब)									
१८.०७.२०२१	आषाढ़ शुक्ल ०९	रवि	स्वाति	कुम्भ	कर्क	तुला	। । । ० । ० ० । । ।	७	दि. ल. ६ मं. दान, गोधूलि
२१.०७.२०२१	आषाढ़ शुक्ल ११	बुध	मूल	कुम्भ	कर्क	धनु	० । । ० । । । । । ।	८	ल.गोधूलि, १२ शु दान, १, ३
२२.०७.२०२१	आषाढ़ शुक्ल १२	गुरु	मूल	कुम्भ	कर्क	धनु	० । । ० । । । । । ।	८	दि. ल. ६ मं. शु. दान, ७

नोटः- लत्तादि दस दोषों का क्रमशः उल्लेख किया गया है दोष को शून्य (0) तथा दोषरहित को रेखा (।) द्वारा सूचित किया गया है।
*ताराङ्कित अश्विनी, चित्रा, श्रवण व धनिष्ठा कात्यायनोक्त नक्षत्रों में विवाह मुहूर्त्त दिये गये हैं।

विवाह मुहूर्त्त विक्रम संवत् २०७८

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	विवाह लग्न में त्रिबल शुद्धि हेतु			लत्तादि दस दोषों का विवरण	रेखा योग	लग्न एवं पूजादि विवरण
				गुरुराशि	सूर्यराशि	चन्द्रराशि			
२३.०७.२०२१	आषाढ़ शुक्ल १५	शुक्र	उ.षा.	कुम्भ	कर्क	मकर	। । । । ० ० । । । ।	८	ल. १२ शु दान, १
२४.०७.२०२१	आषाढ़ शुक्ल १५	शनि	उ.षा	कुम्भ	कर्क	मकर	। । । । ० । । । । ।	९	दि. ल. ६ शु दान, ७
२५.०७.२०२१	श्रावण कृष्ण १/२	रवि	*धनिष्ठा	कुम्भ	कर्क	म./कु	। । । । । ० ० । । ।	८	दि. ल. ७, १२ शु. दान, १
२६.०७.२०२१	श्रावण कृष्ण ०३	सोम	*धनिष्ठा	कुम्भ	कर्क	कुम्भ	। । । । । । ० । । ।	०९	दि. ल. ६ स्वल्पकाल
२८.०७.२०२१	श्रावण कृष्ण ०५	बुध	उ.भा.	कुम्भ	कर्क	मीन	। । । । । ० । ० । ०	०७	दि. ल. ६ गोधूलि, १२ च.शु. दान
२९.०७.२०२१	श्रावण कृष्ण ०६	गुरु	उ.भा	कुम्भ	कर्क	मीन	। । । । । । । ० । ०	०८	दि. ल. ०७, च.दान. ६ गोधूलि १२ च.शु.दान
२९.०७.२०२१	श्रावण कृष्ण ०६	गुरु	रेवती	कुम्भ	कर्क	मीन	। । । । । । । । । ।	१०	गोधूलि, १२, च.शु. दान
३०.०७.२०२१	श्रावण कृष्ण ०७	शुक्र	*अश्विनी	कुम्भ	कर्क	मेष	० । । ० । ० । ० । ।	०६	ल. १२, गु. शु. दान, १ च. दान ३, शु. दान
३१.०७.२०२१	श्रावण कृष्ण ०८	शनि	*अश्विनी	कुम्भ	कर्क	मेष	० । । ० । । । ० । ।	०७	दि. ल. ६ (१६:३७ तक)
०४.०८.२०२१	श्रावण कृष्ण ११	बुध	मृगशीर्ष	कुम्भ	कर्क	वृ./मि	। । । । । । ० ० । ।	८	दि. ल. ६ शु. गु. दान, ६, च.दान,गोधू. १२ शु.गु. दान १,३ च.शु दान
११.०८.२०२१	श्रावण शुक्ल ०३	बुध	उ.फा.	कुम्भ	कर्क	सिं/क	। । ० । । । । । । ।	९	दि. ल. ६, गोधूलि, ३, २८/११ तक
१२.०८.२०२१	श्रावण शुक्ल ०४	गुरु	हस्त	कुम्भ	कर्क	कन्या	० । । । । ० ० ० । ।	६	ल. गोधूलि, ३
१३.०८.२०२१	श्रावण शुक्ल ०५	शुक्र	*चित्रा	कुम्भ	कर्क	क/तु	। ० । । । । । । । ।	९	दि. ल. ६, ९, गोधूलि, ३
१४.०८.२०२१	श्रावण शुक्ल ०६	शनि	स्वाति	कुम्भ	कर्क	तुला	। । । । । । ० ० । ०	७	दि. ल. ६, ९, गोधूलि

नोटः- लत्तादि दस दोषों का क्रमशः उल्लेख किया गया है दोष को शून्य (0) तथा दोषरहित को रेखा (।) द्वारा सूचित किया गया है।
***ताराङ्कित अश्विनी, चित्रा, श्रवण व धनिष्ठा कात्यायनोक्त नक्षत्रों में विवाह मुहूर्त्त दिये गये हैं।**

विवाह मुहूर्त्त विक्रम संवत् २०७८

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	विवाह लग्न में त्रिबल शुद्धि हेतु			लत्तादि दस दोषों का विवरण	रेखा योग	लग्न एवं पूजादि विवरण
				गुरुराशि	सूर्यराशि	चन्द्रराशि			
१६ अगस्त २०२१ से १६ सितम्बर २०२१ तक भाद्रपद सौर मास									
१६.०८.२०२१	श्रावण शुक्ल १२	गुरु	उ.षा.	कुम्भ	सिंह	ध/म.	० । । । । ० । । । ।	८	ल. १, शु. दान
२०.०८.२०२१	श्रावण शुक्ल १३	शुक्र	उ.षा.	कुम्भ	सिंह	मकर	० । । । । ० । । । ।	८	दि. ल. ६, ७ शु दान, ९ च. दान, गोधूलि
२२.०८.२०२१	श्रावण शुक्ल १५	रवि	*धनिष्ठा	कुम्भ	सिंह	कुम्भ	। । ० । । । ० ० । ।	७	दि. ल. ७ शु. दान, ९, १० मं. बु. दान
२४.०८.२०२१	भाद्रपद कृष्ण ०२	भौम	उ.भा	कुम्भ	सिंह	मीन	। । । ० ० । । । । ।	८	ल. ३
२५.०८.२०२१	भाद्रपद कृष्ण ०३	बुध	उ.भा	कुम्भ	सिंह	मीन	। । । ० ० ० । । । ।	७	दि. ल., ९ (१६/१६ वाद) १० मं. बु. दान, गोधूलि
३१.०८.२०२१	भाद्रपद कृष्ण ०९	भौम	मृगशीर्ष	कुम्भ	सिंह	वृ/मि.	। । । । । । ० ० । ।	८	दि. ल. १०, मं. दान, गोधूलि १ बु. शु. दान ३ च. दान
०१.०९.२०२१	भाद्रपद कृष्ण १०	बुध	मृगशीर्ष	कुम्भ	सिंह	मिथन	। । । । । । ० ० । ।	८	दि. ल. ६, ७ शु. दान
१६ सितम्बर २०२१ से १६ अक्टूबर २०२१ तक आश्विन सौर मास									
०७.१०.२०२१	आश्विन शुक्ल०१	गुरु	स्वाति	मकर	कन्या	तुला	० ० । । । ० ० । । ।	६	ल. ५ (२६/५१ बाद)
०८.१०.२०२१	आश्विन शुक्ल०२	शुक्र	स्वाति	मकर	कन्या	तुला	० ० । । । । ० । । ।	७	दि. ल. ७ च दान, ९ १० श. दान
११.१०.२०२१	आश्विन शुक्ल ०६	सोम	मूल	मकर	कन्या	धुन	। । । । । ० । । । ।	९	दि. ल. ११, बु. मं. दान, ५
१२.१०.२०२१	आश्विन शुक्ल०७	भौम	मूल	मकर	कन्या	धनु	। । । । । । । । । ।	१०	दि. ल. ७ मं. दान
१३.१०.२०२१	आश्विन शुक्ल०८	बुध	उ.षा.	मकर	कन्या	ध/म	। । । । । ० । ० । ०	७	दि. ल. ११, श. दान गोधूलि, १
१४.१०.२०२१	आश्विन शुक्ल०९	गुरु	उ.षा.	मकर	कन्या	मकर	। । । । । । । ० । ।	९	दि. ल. ७ मं., रा. दान

नोटः- लत्तादि दस दोषों का क्रमशः उल्लेख किया गया है दोष को शून्य (0) तथा दोषरहित को रेखा (।) द्वारा सूचित किया गया है।

*ताराङ्कित अश्विनी, चित्रा, श्रवण व धनिष्ठा कात्यायनोक्त नक्षत्रों में विवाह मुहूर्त्त दिये गये हैं।

विवाह मुहूर्त्त विक्रम संवत् २०७८

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	विवाह लग्न में त्रिबल शुद्धि हेतु			लत्तादि दस दोषों का विवरण	रेखा योग	लग्न एवं पूजादि विवरण
				गुरुराशि	सूर्यराशि	चन्द्रराशि			
१७ अक्टूबर २०२१ से १६ नवम्बर २०२१ तक कार्तिक सौर मास									
१९.१०.२०२१	आश्विन शुक्ल १४	भौम	रेवती	मकर	तुला	मीन	। । । । ० ० ० ० । ।	६	दि. ल. ११, श. मं. बु. दान
२०.१०.२०२१	आश्विन शुक्ल १५	बुध	रेवती	मकर	तुला	मीन	। । । । ० ० ० ० । ।	६	दि. ल. ९
२०.१०.२०२१	आश्विन शुक्ल १५	बुध	*अश्विन	मकर	तुला	मेष	० ० । । ० । । ० । ।	६	दि. ल. ११, श. मं. बु. दान, गोधूलि
२१.१०.२०२१	कार्तिक कृष्ण ०१	गुरु	*अश्विन	मकर	तुला	मेष	० ० । । ० । । ० । ।	६	दि. ल. ६, ११, श. मं. दान
२४.१०.२०२१	कार्तिक कृष्ण ०४	रवि	रोहिणी	मकर	तुला	वृष	। । । । ० । । । । ।	९	दि. ल. ११, श. बु. दान, गोधूलि, ३ च. दान
२५.१०.२०२१	कार्तिक कृष्ण ०५	सोम	मृगशीर्ष	मकर	तुला	वृ./मि.	। । । । ० । ० ० । ।	७	दि. ल. ११, श. दान, गोधूलि, ३ च.शु.दान,५
०२.११.२०२१	कार्तिक कृष्ण १३	भौम	हस्त	मकर	तुला	कन्या	। ० । । । । ० । । ।	८	ल. ५
०७.११.२०२१	कार्तिक शुक्ल ०३	रवि	मूल	मकर	तुला	धनु	। । ० । । । । । । ।	९	ल. ५
०८.११.२०२१	कार्तिक शुक्ल ०४	सोम	मूल	मकर	तुला	धनु	। । ० । । । । । । ।	९	दि. ल. ९ च. दान, ११ श. दान
११.११.२०२१	कार्तिक शुक्ल ०८	शुक्र	*धनिष्ठा	मकर	तुला	कुम्भ	। । ० । । । ० ० । ।	७	ल. ५ च. दान, ६
१६ नवम्बर २०२१ से १५ दिसम्बर २०२१ तक मार्गशीर्ष सौर मास									
२०.११.२०२१	मार्गशीर्ष कृष्ण ०१	शनि	रोहिणी	मकर	वृश्चिक	वृष	। । । । ० । । ० । ।	८	दि. ल.९, च.दान,११ श.दान, १२मं.बु.दान, ५,६
२१.११.२०२१	मार्गशीर्ष कृष्ण ०२	रवि	मृगशीर्ष	कुम्भ	वृश्चिक	वृ/मि	। । । । । ० ० । । ।	८	दि.ल.९, च.दान, ११ श. दान,१२ मं.दान गोधूलि, ६
२२.११.२०२१	मार्गशीर्ष कृष्ण ०३	सोम	मृगशीर्ष	कुम्भ	वृश्चिक	मिथुन	। । । । । । ० । । ।	९	दि. ल. ९, च. दान

नोटः- लत्तादि दस दोषों का क्रमशः उल्लेख किया गया है दोष को शून्य (0) तथा दोषरहित को रेखा (।) द्वारा सूचित किया गया है।

***ताराङ्कित अश्विनी, चित्रा, श्रवण व धनिष्ठा कात्यायनोक्त नक्षत्रों में विवाह मुहूर्त्त दिये गये हैं।**

विवाह मुहूर्त्त विक्रम संवत् २०७८

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	विवाह लग्न में त्रिबल शुद्धि हेतु			लत्तादि दस दोषों का विवरण	रेखा योग	लग्न एवं पूजादि विवरण
				गुरुराशि	सूर्यराशि	चन्द्रराशि			
२८.११.२०२१	मार्गशीर्ष कृष्ण ०९	रवि	उ.फा.	कुम्भ	वृश्चिक	सिं/क	। । । । । । । ० । ।	९	ल. ९, च. दान, ७ मं. रा. दान
२९.११.२०२१	मार्गशीर्ष कृष्ण १०	सोम	उ.फा.	कुम्भ	वृश्चिक	कन्या	। । । । । । । ० । ।	९	दि. ल.९,१०, श. दान, ११ श. दान
३०.११.२०२१	मार्गशीर्ष कृष्ण ११	भौम	हस्त	कुम्भ	वृश्चिक	कन्या	। । । । । ० ० ० । ।	७	दि. ल. ९, १०, श. दान, ११ श.दान, गोधूलि
३०.११.२०२१	मार्गशीर्ष कृष्ण ११	भौम	*चित्रा	कुम्भ	वृश्चिक	कन्या	। । । । । । । ० । ।	९	ल. ९ च. दान
०१.१२.२०२१	मार्गशीर्ष कृष्ण १२	बुध	*चित्रा	कुम्भ	वृश्चिक	तुला	। । । । । । । ० । ।	९	दि. ल. ९, ११ श. दान, गोधूलि
०१.१२.२०२१	मार्गशीर्ष कृष्ण १२	बुध	स्वाति	कुम्भ	वृश्चिक	तुला	। । । । । । ० । । ।	९	ल. ९
०२.१२.२०२१	मार्गशीर्ष कृष्ण १३	गुरु	स्वाति	कुम्भ	वृश्चिक	तुला	। । । । । । ० । । ।	९	दि. ल. ९, १० श. दान, ११ श. दान
०७.१२.२०२१	मार्गशीर्ष शुक्ल ०४	भौम	उ.षा.	कुम्भ	वृश्चिक	मकर	। । ० । । । । । । ।	९	दि. ल., ९, १० चं.श.दान, ११ च श. दान
०८.१२.२०२१	मार्गशीर्ष शुक्ल ०५	बुध	*धनिष्ठा	कुम्भ	वृश्चिक	मकर	। । ० । । ० ० । । ।	७	ल. ९, ७
०९.१२.२०२१	मार्गशीर्ष शुक्ल ०६	गुरु	*धनिष्ठा	कुम्भ	वृश्चिक	म/कु	। । ० । । । ० । । ।	८	दि. ल. ९, ११ श. च. दान
११.१२.२०२१	मार्गशीर्ष शुक्ल ०८	शनि	उ.भा.	कुम्भ	वृश्चिक	मीन	। । । । । । । । । ।	१०	ल. ७
१२.१२.२०२१	मार्गशीर्ष शुक्ल ०९	रवि	उ.भा.	कुम्भ	वृश्चिक	मीन	। । । । । । । । । ०	९	दि. ल. ९, १० श. दान, ११ श.दान, गोधूलि
१३.१२.२०२१	मार्गशीर्ष शुक्ल १०	सोम	रेवती	कुम्भ	वृश्चिक	मीन	। ० । । । । ० ० । ।	७	दि. ल. ९, १० श. दान, ११ श.दान, गोधूलि

नोटः- लत्तादि दस दोषों का क्रमशः उल्लेख किया गया है दोष को शून्य (०) तथा दोषरहित को रेखा (।) द्वारा सूचित किया गया है।

***ताराङ्कित अश्विनी, चित्रा, श्रवण व धनिष्ठा कात्यायनोक्त नक्षत्रों में विवाह मुहूर्त्त दिये गये हैं।**

विवाह मुहूर्त्त विक्रम संवत् २०७८

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	विवाह लग्न में त्रिबल शुद्धि हेतु			लत्तादि दस दोषों का विवरण	रेखा योग	लग्न एवं पूजादि विवरण
				गुरुराशि	सूर्यराशि	चन्द्रराशि			
१४ जनवरी २०२१ से ११ फरवरी २०२१ तक माघ सौर मास									
२२.०१.२०२२	माघ कृष्ण ०४	शनि	उ.फा.	कुम्भ	मकर	सिं/क	। । । । । ० । ० । ।	८	ल. ६ च. दान, ७
२३.०१.२०२२	माघ कृष्ण ०५	रवि	उ.फा.	कुम्भ	मकर	कन्या	। । । । । ० । ० । ।	८	दि. ल. ११ च. श. दान
२३.०१.२०२२	माघ कृष्ण ०५	रवि	हस्त	कुम्भ	मकर	कन्या	। । । । । । ० । । ।	९	गोधूलि, ६, च. दान, ७ च. शु. दान
०५.०२.२०२२	माघ शुक्ल ०५	शनि	उ.भा.	कुम्भ	मकर	मीन	। । । । । ० ० ० । ।	०७	दि. ल. ११ श. दान, १२ च. दान
०५.०२.२०२२	माघ शुक्ल ०५	शनि	रेवती	कुम्भ	मकर	मीन	। । । । । ० । । । ।	०९	गोधूलि, ७ च. दान, ९ म. दान
०६.०२.२०२२	माघ शुक्ल ०६	रवि	रेवती	कुम्भ	मकर	मीन	। । । । । । । । । ।	१०	दि. ल. ११ श., १२ च. दान, १ च. दान
०६.०२.२०२२	माघ शुक्ल ०६	रवि	*अश्विनी	कुम्भ	मकर	मेष	। । । । । । । । । ।	१०	गोधूलि, ६ च. दान
०७.०२.२०२२	माघ शुक्ल ०७	सोम	*अश्विनी	कुम्भ	मकर	मेष	। । । । । ० । । । ।	०९	दि. ल. ११ श. दान, १२
१०.०२.२०२२	माघ शुक्ल ०९	गुरु	रोहिणी	कुम्भ	मकर	वृष	। । । । ० । ० । । ।	०८	दि. ल. ११ श. दान, १२, १, गोधूलि
१२ फरवरी २०२२ से १३ मार्च २०२२ तक फाल्गुन सौर मास									
१८.०२.२०२१	फाल्गुन कृष्ण ०२	शुक्र	उ.फा.	कुम्भ	कुम्भ	सिं/क	। । । । । । ० । । ।	९	गोधूलि, ६ च. दान, ७ शु. दान
१९.०२.२०२१	फाल्गुन कृष्ण ०३	शनि	उ.फा.	कुम्भ	कुम्भ	कन्या	। । । । । । ० । । ।	९	दि. ल. ११ सू. च. दान, १ च. दान

नोटः- लत्तादि दस दोषों का क्रमशः उल्लेख किया गया है दोष को शून्य (0) तथा दोषरहित को रेखा (।) द्वारा सूचित किया गया है।

***ताराङ्कित अश्विनी, चित्रा, श्रवण व धनिष्ठा कात्यायनोक्त नक्षत्रों में विवाह मुहूर्त्त दिये गये हैं।**

अशुद्ध विवाह मुहूर्त्त विक्रम संवत् २०७८

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	दोष विवरण	दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	दोष विवरण
२२.०४.२०२१	चैत्र शुक्ल १०	गुरु	मघा	लग्नाभाव	२७.०६.२०२१	आषाढ़ कृष्ण ०३	रवि	*श्रवण	शनियुति
२४.०४.२०२१	चैत्र शुक्ल १२	शनि	उ.फा.	मृत्युवाण	०६.०७.२०२१	आषाढ़ कृष्ण १२	भौम	रोहिणी	राहुयति
०२.०५.२०२१	वैशाख कृष्ण ०६	रवि	उ.षा.	भद्रा, लग्नामाघ	१३.०७.२०२१	आषाढ़ कृष्ण ०३	सोम	मघा	शनिवेध
०३.०५.२०२१	वैशाख कृष्ण ०७	सोम	*श्रवण	शनि युति, मृत्युवाण	११.०६.२०२१	ज्येष्ठ शुक्ल ०१	शुक्र	मृगशीर्ष	सूर्ययुति
१४.०५.२०२१	वैशाख शुक्ल ०३	शुक्र	रो./मृग.	अशुद्ध संक्रान्ति दोष	१७.०७.२०२१	आषाढ़ शुक्ल ०८	शनि	*चित्रा	मृत्युवाण
१९.०५.२०२१	वैशाख शुक्ल ०७	बुध	मघा	शनिवेध	१९.०७.२०२१	आषाढ़ शुक्ल १०	सोम	अनुराधा	केतु युति
२०.०५.२०२१	वैशाख शुक्ल ०८	गुरु	मघा	शनिवेध	२४.०७.२०२१	आषाढ़ शुक्ल १५	शनि	*श्रावण	शनियुति
२९.०५.२०२१	ज्येष्ठ कृष्ण ३/४	शनि	उ.षा.	भौमवेध	२५.०७.२०२१	श्रावण कृष्ण १/२	रवि	श्रावण	शनियुति
३०.०५.२०२१	ज्येष्ठ कृष्ण ०५	रवि	उ.षा.	भौमवेध	०३.०८.२०२१	श्रावण कृष्ण १०	भौम	रोहिणी	राहुयुति
३१.०५.२०२१	ज्येष्ठ कृष्ण ०६	सोम	श्रवण	शनियुति	०९.०८.२०२१	श्रावण शुक्ल ०१	सोम	मघा	शनिवेध/भौमप्रति
०१.०६.२०२१	ज्येष्ठ कृष्ण ०७	भौम	धनिष्ठा	भद्रा	१०.०८.२०२१	श्रावण शुक्ल ०२	भौम	मघा	शनिवेध/भौमप्रति
०३.०६.२०२१	ज्येष्ठ कृष्ण ०९	गुरु	उ.भा.	मृत्युवाण	१८.०८.२०२१	श्रावण शुक्ल ११	बुध	मूल	मृत्युवाण-भद्रा
०४.०६.२०२१	ज्येष्ठ कृष्ण १०	शुक्र	उ.भा./रे.	मृत्युवाण - भद्रा	२०.०८.२०२१	श्रावण शुक्ल १३	शुक्र	श्रवण	शनियुति
०९.०६.२०२१	ज्येष्ठ कृष्ण १४	बुध	रोहिणी	रिक्ता तिथि दोष	२१.०८.२०२१	श्रावण शुक्ल १४	शनि	श्रवण	शनियुति, भद्रा
				क्षीणचन्द्र	२५.०८.२०२१	भाद्रपद कृष्ण ०३	बुध	रेवती	भुजंगपात
११.०६.२०२१	ज्येष्ठ शुक्ल ०१	शुक्र	मृगशीर्ष	सूर्ययुति	२६.०८.२०२१	भाद्रपद कृष्ण ०४	गुरु	रेवती	भुजंगपात
१६.०६.२०२१	ज्येष्ठ शुक्ल ०६	बुध	मघा	मृत्युवाण	२६.०८.२०२१	भाद्रपद कृष्ण ०४	गुरु	अश्विनी	भौमवेध
१७.०६.२०२१	ज्येष्ठ शुक्ल ०७	गुरु	उ.फा.	भद्रा	२७.०८.२०२१	भाद्रपद कृष्ण ०५	शुक्र	अश्विनी	भोमवेध
१८.०६.२०२१	ज्येष्ठ शुक्ल ०८	शुक्र	उ.फा.	व्यतीयात	३०.०८.२०२१	भाद्रपद कृष्ण ०८	सोम	रोहिणी	राहुयुति
२२.०६.२०२१	ज्येष्ठ शुक्ल १२	भौम	अनु.	केतुयुति	३१.०८.२०२१	भाद्रपद कृष्ण ०९	भौम	रोहिणी	राहुयुति
२३.०६.२०२१	ज्येष्ठ शुक्ल १४	बुध	अनु.	केतुयुति	०५.०९.२०२१	भाद्रपद कृष्ण १३	रवि	मघा	सूर्ययुति
२६.०६.२०२१	आषाढ़ कृष्ण ०२	शनि	उ.षा.	मृत्युवाण	०८.०९.२०२१	भाद्रपद शुक्ल ०२	बुध	उ.फा.	भौमयुति

अशुद्ध विवाह मुहूर्त्त विक्रम संवत् २०७८

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	दोष विवरण	दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	दोष विवरण
०८.०९.२०२१	भाद्रपद शुक्ल ०२	बुध	हस्त	त्रयोदशदिनात्मक पक्ष	०९.११.२०२१	कार्तिक शुक्ल ०५	भोम	उ.षा.	भुजंगपात
०९.०९.२०२१	भाद्रपद शुक्ल ०३	गुरु	हस्त	त्रयोदशदिनात्मक पक्ष	१०.११.२०२१	कार्तिक शुक्ल ०६	बुध	उ.षा.	भुजंगपात
०९.०९.२०२१	भाद्रपद शुक्ल ०३	गुरु	चित्रा	त्रयोदशदिनात्मक पक्ष	११.११.२०२१	कार्तिक शुक्ल ०७	गुरु	श्रवण	शनियुति, भद्रा
१०.०९.२०२१	भाद्रपद शुक्ल ०४	शुक्र	चित्रा	त्रयोदशदिनात्मक पक्ष	२६.११.२०२१	मार्गशीर्ष कृष्ण ०७	शुक्र	मघा	शनिवेध
११.०९.२०२१	भाद्रपद शुक्ल ०५	शनि	स्वाति	त्रयोदशदिनात्मक पक्ष	२७.११.२०२१	मार्गशीर्ष कृष्ण ०८	शनि	मघा	शनिवेध
१२.०९.२०२१	भाद्रपद शुक्ल ०६	रवि	अनुराधा	त्रयोदशदिनात्मक पक्ष	०५.१२.२०२१	मार्गशीर्ष शुक्ल १/२	रवि	मूल	भुजंगपात
१४.०९.२०२१	भाद्रपद शुक्ल ०७	भौम	मूल	त्रयोदशदिनात्मक पक्ष	०८.१२.२०२१	मार्गशीर्ष शुक्ल ०५	बुध	उ.षा.	शनियुति
१७.०९.२०२१	भाद्रपद शुक्ल ११	शुक्र	*श्रवण	शनियुति	१४.१२.२०२१	मार्गशीर्ष शुक्ल ११	भौम	आश्विनी	मृत्युवाण, मासान्त
१८.०९.२०२१	भाद्रपद शुक्ल १२/१३	शनि	*धनिष्ठा	शनियुति	१५.०१.२०२२	षौष शुक्ल १३	शनि	मृगशीर्ष	सूर्यवेध, संक्रान्ति
०७.१०.२०२१	आश्विन शुक्ल ०१	गुरु	चित्रा	वैधतियोग	२०.०१.२०२२	माघ कृष्ण ०२	गुरु	मघा	शनिवेध
१०.१०.२०२१	आश्विन शुक्ल ०५	रवि	अनुराधा	केतुयुति	२४.०१.२०२२	माघ कृष्ण ०६	सोम	हस्त	मृत्युवाण
१४.१०.२०२१	आश्विन शुक्ल ०९	गुरु	श्रवण	शनियुति	२४.०१.२०२२	माघ कृष्ण ०६	सोम	*चित्रा	मृत्युवाण
१५.१०.२०२१	आश्विन शुक्ल १०	शुक्र	श्रवण	शनियुति	२५.०१.२०२२	माघ कृष्ण ०७	भौम	*चित्रा	मृत्युवाण
१५.१०.२०२१	आश्विन शुक्ल १०	शुक्र	धनिष्ठा	भुजंगपात, भद्रा	२५.०१.२०२२	माघ कृष्ण ०७	भौम	स्वाति	भुजंगपात
१६.१०.२०२१	आश्विन शुक्ल ११	शनि	धनिष्ठा	भुजंगपात, भद्रा	२६.०१.२०२२	माघ कृष्ण ०९	बुध	स्वाति	भुजंगपात
१८.१०.२०२१	आश्विन शुक्ल १३	सोम	उ.भा.	मृत्युवाण	२७.०१.२०२२	माघ कृष्ण १०	गुरु	अनुराधा	केतुयुति
१९.१०.२०२१	आश्विन शुक्ल १४	भौम	उ.भा	मृत्युवाण	२९.०१.२०२२	माघ कृष्ण १२	शनि	मूल	भौमयुति
३०.१०.२०२१	कार्तिक कृष्ण ०९	शनि	मघा	शनिवेध, भद्रा	०२.०२.२०२२	माघ कृष्ण ०२	बुध	*धनिष्ठा	मृत्युवाण
०१.११.२०२१	कार्तिक कृष्ण ११	सोम	उ.फा.	वैधृति दोष	११.०२.२०२२	माघ शुक्ल १०	शुक्र	मृगशीर्ष	वैधृति, मासान्त
०२.११.२०२१	कार्तिक कृष्ण १२	भौम	उ.फा.	वैधृति दोष	१६.०२.२०२२	माघ शुक्ल १५	बुध	मघा	शनिवेध
०६.११.२०२१	कार्तिक शुक्ल ०२	शनि	अनुराधा	केतुयुति	१७.०२.२०२१	फाल्गुन कृष्ण ०१	गुरु	मघा	शनिवेध

द्विरागमन मुहूर्त्त विक्रम सम्वत् २०७८

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न एवं पूजादि विवरण
२६.०४.२०२१	वैशाख कृष्ण ०३	गुरु	अनुराधा	ल. १ व २ च.के.दान
०३.०५.२०२१	वैशाख कृष्ण ०७	सोम	उ.षा./श्र.	ल. १ व २ के. दान
०५.०५.२०२१	वैशाख कृष्ण १०	बुध	श.	ल. ६
१३.०५.२०२१	वैशाख शुक्ल ०२	गुरु	रोहिणी	ल. १ व २ के दान, ६
२४.११.२०२१	मार्गशीर्ष कृष्ण ०५	बुध	पुनर्वसु	ल. १२ मं. दान
२५.११.२०२१	मार्गशीर्ष कृष्ण ०६	गुरु	पुष्य	ल. १२ मं. दान
२६.११.२०२१	मार्गशीर्ष कृष्ण १०	सोम	उ.फा.	ल. १२ मं. दान भद्रा १६:५८ से
०१.१२.२०२१	मार्गशीर्ष कृष्ण १२	बुध	चित्रा	ल. अभिजित
०८.१२.२०२१	मार्गशीर्ष शुक्ल ०५	बुध	श्रवण	ल. १२
०९.१२.२०२१	मार्गशीर्ष शुक्ल ०६	गुरु	धनिष्ठा	ल. १२
१०.१२.२०२१	मार्गशीष शुक्ल ०७	शुक्र	शतमिषा	ल. १२
१३.१२.२०२१	मार्गशीष शुक्ल १०	सोम	रेवती	ल. १२

सर्वदेव प्रतिष्ठा मुहूर्त्त विक्रम सम्वत् २०७८

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न एवं पूजादि विवरण
१३.०५.२०२१	वैशाख शुक्ल ०२	गुरु	रोहिणी	ल. २, ५
१७.०५.२०२१	वैशाख शुक्ल ०५	सोम	पुनर्वसु	ल. २, ५
२४.०५.२०२१	वैशाख शुक्ल १३	सोम	चित्रा	ल. २
२८.०५.२०२१	ज्येष्ठ कृष्ण ०२	शुक्र	मूल	ल. २ च. दान. ५

सर्वदेव प्रतिष्ठा मुहूर्त्त विक्रम सम्वत् २०७८

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न एवं पूजादि विवरण
११.०६.२०२१	ज्येष्ठा शुक्ल ०१	शुक्र	मृगशिरा	ल. ५
२१.०६.२०२१	ज्येष्ठा शुक्ल ११	सोम	स्वाति	ल. ५
१५.०७.२०२१	आषाढ़ शुक्ल ०५	गुरु	उ.फा.	ल. ५
०२.०२.२०२२	माघ शुक्ल १/२	बुध	धनिष्ठा	ल. ११, १२, गु. दान
०७.०२.२०२२	माघ शुक्ल ०७	सोम	अश्विनी	ल. ११, १२, गु. दान
११.०२.२०२२	माघ शुक्ल १०	शुक्र	मृगशिरा	ल. ११, १२, गु. दान
१४.०२.२०२२	माघ शुक्ल १३	सोम	पुनर्वसु	ल.११,१२

मुण्डन संस्कार मुहूर्त्त विक्रम सम्वत् २०७८

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न एवं पूजादि विवरण
०३.०५.२०२१	वैशाख कृष्ण ०७	सोम	श्रवण	ल. ५ (८:२२ से)
१७.०५.२०२१	वैशाख शुक्ल ०५	सोम	पुनर्वसु	ल. २, सू. रा. दान
२४.०५.२०२१	वैशाख शुक्ल १३	सोम	चित्रा/स्वाति	ल. ५, ६
२४.०१.२०२२	माघ कृष्ण ०७	सोम	हस्त	ल.१०,सू.रा.दा, भद्रा८:४४ से
२८.०१.२०२२	माघ कृष्ण ११	शुक्र	ज्येष्ठा	ल. ११, १२
०२.०२.२०२२	माघ शुक्ल ०२	बुध	धनिष्ठा	ल. ११,१२
०३.०२.२०२२	माघ शुक्ल ०३	गुरु	शतभिषा	ल. ११,१२
०७.०२.२०२२	माघ शुक्ल ०७	सोम	अश्विनी	ल. ११,१२
११.०२.२०२२	माघ शुक्ल १०	शुक्र	मृगशीर्ष	ल. ११,१२
१४.०२.२०२२	माघ शुक्ल १३	सोम	पु./पुष्य	ल. ११,१२ अभिजीत

उपनयन संस्कार मुहूर्त्त विक्रम सम्वत् २०७८

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न एवं पूजादि विवरण
२६.०४.२०२१	वैशाख कृष्ण ०३	गुरु	अनुराधा	ल.२,रा.दा.,भद्रा ११:३८ से
१३.०५.२०२१	वैशाख शुक्ल ०२	गुरु	रोहिणी	ल. २, रा. दा. अभिजीत
१६.०५.२०२१	वैशाख शुक्ल ०५	रवि	आ./पुन.	ल. अभिजीत, ५
१७.०५.२०२१	वैशाख शुक्ल ०५	सोम	पुनर्वसु	ल. ५
२१.०५.२०२१	वैशाख शुक्ल १०	शुक्र	पू.फा.	ल.५
२८.०५.२०२१	ज्येष्ठ कृष्ण ०२	शुक्र	मूल	ल.५
३०.०५.२०२१	ज्येष्ठ कृष्ण ०५	रवि	उ.षा.	ल.५, च. दान
१३.०६.२०२१	ज्येष्ठ शुक्ल ०३	रवि	पुनर्वसु	ल. ५, ६, श. गु. दान
२०.०६.२०२१	ज्येष्ठ शुक्ल १०	रवि	चित्रा	ल. ५, ६ श. गु. दान
११.०७.२०२१	आषाढ़ शुक्ल ०२	रवि	पुष्य	ल. ३, ६ गु. श. दान
१२.०७.२०२१	आषाढ़ शुक्ल ०३	सोम	आश्लेषा	ल. ३, ६ गु. श. दान
१५.०७.२०२१	आषाढ़ शुक्ल ०५	गुरु	उ.फा.	ल. ३
१६.०१.२०२२	माघ कृष्ण ०२	बुध	आश्लेषा	ल. ११ गु. दान
२०.०१.२०२२	माघ कृष्ण ०३	गुरु	आश्लेषा	ल. १०, रा. शु. दान
२३.०१.२०२२	माघ कृष्ण ०५	रवि	उ.फा.	ल. अभिजीत
०२.०२.२०२२	माघ शुक्ल ०२	बुध	धनिष्ठा	ल. ११
०३.०२.२०२२	माघ शुक्ल ०३	गुरु	शतभिषा	ल. ११
११.०२.२०२२	माघ शुक्ल १०	शुक्र	मृगशीर्ष	ल. ११
१३.०२.२०२२	माघ शुक्ल १२	रवि	आर्द्रा	ल. ११
१८.०२.२०२२	फाल्गुन कृष्ण ०२	शुक्र	पू.फा.	ल. ११

गृहारम्भ मुहूर्त्त विक्रम सम्वत् २०७८

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न एवं पूजादि विवरण
२४.०४.२०२१	चैत्र शुक्ल १२	शनि	उ.फा.	ल. ३ श. दान, चक्रशुद्धि
२६.०४.२०२१	वैशाख कृष्ण ०३	गुरु	अनुराधा	ल. २, चक्रशुद्धि
०३.०५.२०२१	वैशाख कृष्ण ०७	सोम	उ.षा.	ल. २, चक्रशुद्धि, अभाव
०६.०५.२०२१	वैशाख कृष्ण १०	गुरु	शतमिषा	ल. २, चक्रशुद्धि, अभाव
०७.०५.२०२१	वैशाख कृष्ण ११	शुक्र	उ.भा.	ल. २, चक्रशुद्धि, अभाव
०८.०५.२०२१	वैशाख कृष्ण १२	शनि	उ.भा.	ल.२,३ श.दान, च.शु., अ.
१३.०५.२०२१	वैशाख शुक्ल ०२	गुरु	राहिणी	ल. २, चक्रशुद्धि, अभाव
२६.०७.२०२१	श्रावण कृष्ण ०३	सोम	धनि./शत.	ल. ६, चक्रशुद्धि
०४.०८.२०२१	श्रावण कृष्ण ११	बुध	मृगशीर्ष	ल. ६, सु. दान, च.शु.अ.
११.०८.२०२१	श्रावण शुक्ल ०३	बुध	उ.फा.	ल. ६, च. शु. दान
१३.०८.२०२१	श्रावण शुक्ल ०५	शुक्र	हस्त./चि.	ल. ६, चक्रशुद्धि, अभाव
२२.११.२०२१	मार्ग कृष्ण ०३	सोम	मृगशीर्ष	ल. ८, चक्रशुद्धि
२६.११.२०२१	मार्ग कृष्ण १०	सोम	उ.फा.	ल. ८, चक्रशुद्धि, अभाव
०१.१२.२०२१	मार्ग कृष्ण १२	बुध	चित्रा	ल. ८, चक्रशुद्धि, अभाव
०२.१२.२०२१	मार्ग कृष्ण १३	गुरु	स्वाति	ल. ८, चक्रशुद्धि, अभाव
१०.१२.२०२१	मार्ग शुक्ल ०७	शुक्र	शतभिषा	ल. ८, चक्रशुद्धि, अभाव
१३.१२.२०२१	मार्ग शुक्ल १०	सोम	रेवति	ल. अभिजित, चक्रशुद्धि
१५.०१.२०२२	पौष शुक्ल १३	शनि	मृगशीर्ष	ल.११ श. दान, अभि.चक्रशुद्धि
२७.०१.२०२२	माघ शुक्ल १०	गुरु	अनुराधा	ल.१२, गु.च.दान,च.शु.अ.
०२.०२.२०२२	माघ शुक्ल ०२	बुध	धनिष्ठा	ल.१२, शु.च.दान, च.शु.अ.

गृहारम्भ मुहूर्त्त विक्रम सम्वत् २०७८

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न एवं पूजादि विवरण
०३.०२.२०२२	माघ शुक्ल ०३	गुरु	शतभिषा	ल. १२, अभिजित,च.शु.
०५.०२.२०२२	माघ शुक्ल ०५	शनि	उ.भा.	ल. १२, अभिजित,च.शु.
११.०२.२०२२	माघ शुक्ल १०	शुक्र	मृगशिरा	ल. १२, चक्रशुद्धि
१४.०२.२०२२	माघ शुक्ल १३	सोम	पुष्य	ल. अभिजित ११:५३ से च.शु.
१९.०२.२०२२	फाल्गुनी कृष्ण ०३	शनि	उ.फा.	ल. १२, चक्रशुद्धि

पुरातन गृह प्रवेश मुहूर्त्त विक्रम सम्वत् २०७८

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न एवं पूजादि विवरण
१७.०४.२०२१	चैत्र शुक्ल ०५	शनि	मृगशीर्ष	ल.२, बु.मु.दान,च.शु.अ.
२४.०४.२०२१	चैत्र शुक्ल १२	शनि	उ.फा.	ल. अभि., चक्रशुद्धि
२९.०४.२०२१	वैशाख कृष्ण ०३	गुरु	अनुराधा	ल.२ बु.शु.दान, च.शु.अ
०३.०५.२०२१	वैशाख कृष्ण ०७	सोम	उ.षा.	ल.२, शु. दान,च.शु.अ.
०६.०५.२०२१	वैशाख कृष्ण १०	गुरु	शतभिषा	ल. २, चक्रशुद्धि
०७.०५.२०२१	वैशाख कृष्ण ११	शुक्र	उ.भा.	ल. अभि. चक्रशुद्धि
०८.०५.२०२१	वैशाख कृष्ण १२	शनि	उ.भा.	ल. २, चक्रशुद्धि
१३.०५.२०२१	वैशाख शुक्ल ०२	गुरु	रोहिणी	ल. २, च.शु.अभाव
१५.०५.२०२१	वैशाख शुक्ल ०३	शनि	मृगशीर्ष	ल. २, च.शु.अभाव
१७.०५.२०२१	वैशाख शुक्ल ०६	सोम	पुष्य	ल. ५ के. दान,च.शुद्धि
२२.०५.२०२१	वैशाख शुक्ल १०	शनि	उ.फा.	ल. २, ६, चक्रशुद्धि
२४.०५.२०२१	वैशाख शुक्ल १३	सोम	स्वाति	ल. ५ के दान ६,च. शुद्धि

पुरातन गृह प्रवेश मुहूर्त्त विक्रम सम्वत् २०७८

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न एवं पूजादि विवरण
०२.०६.२०२१	ज्येष्ठ कृष्ण ०८	बुध	शतभिषा	ल.२,५ के दान,६च.शु.,अ.
०४.०६.२०२१	ज्येष्ठ कृष्ण १०	शुक्र	उ.भा.	ल. २,६, चक्रशुद्धि
०५.०६.२०२१	ज्येष्ठ कृष्ण ११	शनि	रेवती	ल. २, ६, चक्रशुद्धि
११.०६.२०२१	ज्येष्ठ शुक्ल ०१	शुक्र	मृगशीर्ष	ल. २, च. शु, अभाव
१७.०७.२०२१	आषाढ शुक्ल ०८	शनि	चित्रा	ल.५ के दान, ६ चक्रशुद्धि
२६.०७.२०२१	श्रावण कृष्ण ०३	सोम	धनिष्ठा	ल. ५ के दान, ६ च.शु.अ.
२८.०७.२०२१	श्रावण कृष्ण ०५	बुध	उ.भा	ल.६ (१०:४५ से) च.श.,अ.
२९.०७.२०२१	श्रावण कृष्ण ०६	गुरु	उ.भा	ल. ६, चक्रशुद्धि, अभाव
०४.०८.२०२१	श्रावण कृष्ण ११	बुध	मृगशीर्ष	ल. ५ के दान, ६ च.शुद्धि
११.०८.२०२१	श्रावण शुक्ल ०३	बुध	उ.फा.	ल. ५ के दान, ६, च.शु., अ.
१३.०८.२०२१	श्रावण शुक्ल ०५	शुक्र	चित्रा	ल. ६, चक्रशुद्धि
१४.०८.२०२१	श्रावण शुक्ल ०६	शनि	चि./स्वा.	ल. ६, चक्रशुद्धि
१८.१०.२०२१	आश्विन शुक्ल १३	सोम	उ.भा.	ल. ८, चक्रशुद्धि
२५.१०.२०२१	कार्तिक कृष्ण ०५	सोम	मृगशीर्ष	ल. ८, ९, च.शु., अभाव
२९.१०.२०२१	कार्तिक कृष्ण ०८	शुक्र	पुष्य	ल. ८, चक्रशुद्धि, अभाव
०६.११.२०२१	कार्तिक शुक्ल ०२	शनि	अनुराधा	ल. ८, ९, च.श., अभाव
१०.११.२०२१	कार्तिक शुक्ल ०६	बुध	उ.षा.	ल. ८, ९, चक्रशुद्धि
१३.११.२०२१	कार्तिक शुक्ल १०	शनि	शतभिषा	ल. ८, ९, चक्रशुद्धि
१५.११.२०२१	कार्तिक शुक्ल १२	सोम	उ.भा.	ल. ८, चक्रशुद्धि
२०.११.२०२१	मार्गशीर्ष कृष्ण ०१	शनि	रोहिणी	ल. ८, ९ च.शु., अभाव
२२.११.२०२१	मार्गशीर्ष कृष्ण ०३	सोम	मृगशीर्ष	ल.९ (९/८ तक) च.शु.,अ.
२५.११.२०२१	मार्गशीर्ष कृष्ण ०६	गुरु	पुष्य	ल. अभिजित, च.शु.,अ.
२९.११.२०२१	मार्गशीर्ष कृष्ण १०	सोम	उ.फा.	ल. ९, चक्रशुद्धि

पुरातन गृह प्रवेश मुहूर्त्त विक्रम सम्वत् २०७८

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न एवं पूजादि विवरण
०१.१२.२०२१	मार्गशीर्ष कृष्ण १३	बुध	चित्रा	ल. ६, चक्रशुद्धि
०२.१२.२०२१	मार्गशीर्ष कृष्ण १३	गुरु	स्वाति	ल. ६, चक्रशुद्धि
०६.१२.२०२१	मार्गशीर्ष शुक्ल०६	गुरु	धनिष्ठा	ल. ६, चक्रशुद्धि
१०.१२.२०२१	मार्गशीर्ष शुक्ल०७	शुक्र	शतभिषा	ल. ६, चक्रशुद्धि
१५.०१.२०२२	पौष शुक्ल १३	शनि	मृगशीर्ष	ल. अभिजित चक्रशुद्धि
२२.०१.२०२२	माघ कृष्ण ०५	शनि	उ.फा.	ल.१२ (१०:३८ से) च.शु.अ.
२७.०१.२०२२	माघ कृष्ण १०	गुरु	अनुराधा	ल. १२, चक्रशुद्धि
०२.०२.२०२२	माघ शुक्ल ०१	बुध	धनिष्ठा	ल. १२, चक्रशुद्धि, अभाव
०३.०२.२०२२	माघ शुक्ल ०२	गुरु	शत.	ल. १२, चक्रशुद्धि, अभाव
०५.०२.२०२२	माघ शुक्ल ०५	शनि	उ.भा.	ल. १२, चक्रशुद्धि, अभाव
११.०२.२०२२	माघ शुक्ल १०	गुरु	मृग.	ल. १२, चक्रशुद्धि
१४.०२.२०२२	माघ शुक्ल १३	सोम	पुष्य	ल. अभिजित, चक्रशुद्धि
१६.०२.२०२२	फाल्गुन कृष्ण ०२	शनि	उ.फा.	ल. १२, चक्रशुद्धि, अभाव
२१.०२.२०२२	फाल्गुन कृष्ण ०५	सोम	चित्रा	ल. अभिजित च.शु., अ.
२४.०२.२०२२	फाल्गुन कृष्ण ०८	गुरु	अनुराधा	ल. १२, चक्रशुद्धि, अभाव
०४.०३.२०२२	फाल्गुन शुक्ल ०२	शुक्र	उ.भा.	ल. १२, चक्रशुद्धि, अभाव
०५.०३.२०२२	फाल्गुन शुक्ल ०३	शनि	रेवती	ल. १२, चक्रशुद्धि, अभाव
०६.०३.२०२२	फाल्गुन शुक्ल ०७	बुध	रोहिणी	अभिजित, चक्रशुद्धि
१०.०३.२०२२	फाल्गुन शुक्ल ०८	गुरु	रोहिणी	ल. १२, अभिजित,च.शुद्धि
२४.०५.२०२२	फाल्गुन शुक्ल १२	सोम	चित्रा	ल. २, चक्रशुद्धि

नूतन गृहप्रवेश मुहूर्त्त विक्रम सम्वत् २०७८

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न एवं पूजादि विवरण
२६.०४.२०२१	वैशाख कृष्ण ०३	गुरु	अनुराधा	ल.२ बु.शु.दा.च.शु.अ.
०३.०५.२०२१	वैशाख कृष्ण ०७	सोम	उ.षा.	ल.२ शु.दा,च.शु.अभाव
०८.०५.२०२१	वैशाख कृष्ण १२	शनि	उ.भा./रे	ल.२ चक्रशुद्धि
१३.०५.२०२१	वैशाख शुक्ल ०२	गुरु	रोहिणी	ल. २ चक्रशुद्धि, अभाव
१५.०५.२०२१	वैशाख शुक्ल ०३	शनि	मृगशीर्ष	ल. २ चक्रशुद्धि, अभाव
२२.०५.२०२१	वैशाख शुक्ल १०	शनि	उ.फा.	ल. २, ६ चक्रशुद्धि
२४.०५.२०२१	वैशाख शुक्ल १३	सोम	चित्रा	ल. ५, के.दान,६ च.शुद्धि
०४.०६.२०२१	ज्येष्ठ कृष्ण १०	शुक्र	उ.भा.	ल. २, ६ चक्रशुद्धि
०५.०६.२०२१	ज्येष्ठ कृष्ण ११	शनि	रेवती	ल. २, ६ चक्रशुद्धि
११.०६.२०२१	ज्येष्ठ शुक्ल ०१	शुक्र	मृगशिरा	ल. २, च.शु. अभाव
१५.०१.२०२२	पौष शुक्ल १३	शनि	मृगशिरा	ल. अभिजीत, चक्रशुद्धि
२७.०१.२०२२	माध कृष्ण १०	गुरु	अनुराधा	ल. १२, चक्रशुद्धि
०५.०२.२०२२	माघ शुक्ल ०५	शनि	उ.भा.	ल. १२, च. शु. अभाव
१०.०२.२०२२	माघ शुक्ल १०	गुरु	रोहिणी	ल. १२ चक्रशुद्धि
११.०२.२०२२	माघ शुक्ल ११	शुक्र	मृगशीर्ष	ल. १२ चक्रशुद्धि
१६.०२.२०२२	फाल्गुन कृष्ण ०३	शनि	उ.फा.	ल. १२ च.शु. अभाव

माङ्गलिक मुहूर्त्तों के निर्णेता - प्रो. परमानन्द भारद्वाज, आचार्य ज्योषित-विभाग

ॐ गण्ड-मूलादि-जन्म विचार ॐ

अश्विनी, आश्लेषा, मघा, ज्येष्ठा, मूल एवं रेवती - ये ६ नक्षत्र गण्डमूल कहलाते हैं। इन नक्षत्रों में उत्पन्न बालक, माता, पिता, कुल या स्वयं को अरिष्टदायक होता है। यदि यह अरिष्ट से बच जाये तो अपने बल-बुद्धि से संसार में सुखपूर्व दीर्घायु प्राप्त करता है। इसलिए गण्डमूल में उत्पन्न शिशु के पिता को २७ दिन तक उसका मुख नहीं देखना चाहिए। और फिर प्रसूति-स्नान के बाद गण्डमूल की शान्ति गौदान आदि देकर बालक का मुख देखना चाहिए।

मूलनिवास-चक्र

मास के अनुसार	वैशा. ज्ये. मार्ग. फा.	चै.श्रा.का.पौ.	आषा. आश्वि.भाद्र. माघ
लग्न के अनुसार	२, ५, ८, ११	३, ६, ९, १२	१, ४, ७, १०
मूल निवास स्थान	पाताल	भूमि	स्वर्ग
फल	शुभ	कुलनाश	शुभ

मूल-आश्लेषा चरण-फल

मूल चरण-फल		आश्लेषा चरण-फल		समय-फल	
१	पितृनाश	१	शांति से शुभ	दिन में	पिता को भय
२	मातृनाश	२	धन नाश	सन्ध्या में	स्वशरीर भय
३	धननाश	३	मातृनाश	रात्रि में	माता को भय
४	शान्ति से शुभ	४	पितृनाश		

मूलजन्म में वृक्ष विभाग

विभाग	मूल	स्तम्भ	त्वचा	शाखा	पत्र	पुष्प	फल	शिखा
घटी	७	८	१०	११	१२	५	४	३
फल	मूल नाश	वंशनाश	मातृ-क्लेश	मातुल-कष्ट	राज्य लाभ	मन्त्री	प्रचुर लक्ष्मी	अल्पाय

मूल-पुरुष-चक्र

विभाग	शिर	मुख	स्कन्ध	बाहु	हाथ	हृदय	नाभि	गुप्तांग	जानु	पैर
घटी	५	७	४	८	३	९	२	१०	६	६
फल	राजा	पितृ-नाश	बली	बली	दानी	मन्त्री	ज्ञानी	कामी	बुद्धि-मान	बुद्धि-मान

मूल-कन्या-चक्र

विभाग	शिर	मुख	कण्ठ	हृदय	भुजा	हाथ	गुप्तांग	जंघा	जानु	पैर
घटी	४	६	५	५	१०	८	४	४	४	१०
फल	पशु-नाश	धन-नाश	धन-लाभ	कुटिलता	धन लाभ	धर्म-नाश	कामिनी	ज्ये.मातुल-नाश	भ्रातृ-नाश	विधवा

आश्लेषा नक्षत्रोत्पन्न पुत्र/कन्या-अङ्गविभाग

विभाग	शिर	मुख	नेत्र	ग्रीवा	स्कन्ध	हाथ	हृदय	नाभि	गुह्य	पैर
घटी	५	७	२	३	४	८	११	६	९	५
फल	पुत्र प्राप्ति	पितृ-नाश	मातृ-नाश	स्त्री-लम्पट	गुरु भक्ति	बली	आत्म-घाती	भ्रम	तपस्वी हानि	धन

आश्लेषा-वृक्ष-चक्र

विभाग	फल	पुष्प	पत्ता	शाखा	त्वचा	लता	स्कन्ध
घटी	१०	५	९	७	१३	१२	४
फल	धन	धन	राजभय	हानि	भ्रातृहानि	पितृहानि	अल्पायु

अभुक्त मूल-विचार-

ज्येष्ठा नक्षत्र के अन्त की ४ घटी मतान्तर से १ घटी और मूल नक्षत्र के प्रारम्भ की ४ घटी मतान्तर से आधी घटी अभुक्त मूल होता है। इस समय में कदाचित् बालक का जन्म हो, तो बालक के पिता को ८ वर्ष तक मतान्तर से ६ मास तक उसका मुख नहीं देखना चाहिए। इसकी शान्ति के लिए रुद्रार्चन अभिषेक एवं महामृत्युञ्जय की विधि सहित अभुक्त मूल शान्ति कर शुभ मुहूर्त में बालक का मुख देखना चाहिए ।

वि. सं. २०७८, शाके १९४३, चैत्र शुक्ल पक्ष (दि. १३ अप्रैल से २७ अप्रैल २०२१ ई.), उत्तरायण, उत्तर गोल, वसन्त/ग्रीष्म ऋतु, के. अहर्गण ३६६०, अयनांश २४°/०८'/५८

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैण्डर्ड समय में)
३१	३८	१	मं.	१०	३७	१०	१७	अश्वि.	२०	३७	१४	१६	वि.	२३	०२	ब.	१०	३७	६:०२	६:४१	चैत्र २३	वैशाख १	श. ३०	अप्रै. १३	मेष	गण्डमूल समा. १४:१६ बजे, सूर्य अश्विनी में (A)
३१	४२	२	बु.	१६	५७	१२	४८	भ.	२८	२२	१७	२२	प्री.	२५	३०	कौ.	१६	५७	६:०१	६:४२	२४	२	रम. १	१४	वृष २४:०६	मेष सं. पुण्यकाल सूर्योदय से मध्याह्न तक, (B)
३१	४६	३	गु.	२३	३७	१५	२७	कृ.	३६	२०	२०	३२	आयु.	२८	१७	ग.	२३	३७	६:००	६:४२	२५	३	२	१५	वृष	भद्रा २८:४७ से, मत्स्य जयन्ती (अपराह्न काल),(C)
३१	५०	४	शु.	३०	१७	१८	०६	रो.	४४	१२	२३	४०	सौ.	३०	५७	वि.	३०	१७	५:५६	६:४३	२६	४	३	१६	वृष	भद्रा १८:०६ बजे तक, बुध अश्विनी, (D)
३१	५४	५	श.	३६	२७	२०	३३	मृ.	५१	२७	२६	३३	शो.	३३	१७	ब.	०३	३०	५:५८	६:४४	२७	५	४	१७	मिथुन १३:४९	शुक्रोदय १८:४५ बजे, १८ अप्रैल
३१	५८	६	र.	४१	३५	२२	३५	आ.	५७	४०	२६	०१	अति.	३४	५२	कौ.	०६	१०	५:५७	६:४४	२८	६	५	१८	मिथुन	यमुना छठ, स्कन्द षष्ठी।
३२	०२	७	सो.	४५	१५	२४	०२	पुन.	६०	००	-	-	सु.	३५	२२	ग.	१३	४०	५:५६	६:४५	२९	७	६	१९	कर्क २४:२९	भद्रा २४:०२ से, सायन सूर्य वृष में २६:०३ बजे, (E)
३२	०६	८	मं.	४७	०२	२४	४४	पुन.	०२	२२	०६	५२	धृ.	३४	३०	वि.	१६	२५	५:५५	६:४५	३०	८	७	२०	कर्क	भद्रा १२:२९ बजे तक, शुक्र भरणी में २५:०५ बजे (F)
३२	१०	९	बु.	४६	४२	२४	३५	पु.	०५	१०	०७	५८	शू.	३२	००	बा.	१७	१०	५:५४	६:४६	रा.वै. १	९	८	२१	कर्क	गण्डमूल प्रा.०७:५८ बजे, राष्ट्रीय वैशाख प्रा.(G)
३२	१४	१०	गु.	४४	१७	२३	३६	आश्ले.	०५	५५	०८	१५	गं.	२७	४७	तै.	१५	४७	५:५३	६:४६	२	१०	९	२२	सिंह ८:१५	बुध भरणी में २८:२४ बजे, शुक्र बाल्यत्व समा. (H)
३२	१८	११	शु.	३९	५०	२१	४८	म.	०४	३२	०७	४१	वृ.	२१	५७	व.	१२	१०	५:५२	६:४७	३	११	१०	२३	सिंह	भद्रा १०:४८ से २१:४८ बजे तक, (I)
३२	२२	१२	श.	३३	३७	१९	१८	पू.फा. उ.फा.	०१ ५६	१७ २०	०६ २८	२२ २३	ध्रु.	१४	३५	ब.	०६	४७	५:५१	६:४८	४	१२	११	२४	कन्या ११:५६	मंगल आर्द्रा में २५:३८ बजे, शनि प्रदोष व्रत।
३२	२६	१३	र.	२५	५७	१६	१३	ह.	५०	१०	२५	५४	व्या. ह.	०५ ५६	५७ २०	कौ.	००	०२	५:५०	६:४८	५	१३	१२	२५	कन्या	महावीर जयन्ती (जैन), अनङ्ग त्रयोदशी।
३२	२९	१४	सो.	१७	१७	१२	४४	चि.	४३	१२	२३	०६	व.	४६	०५	व.	१७	१७	५:४९	६:४९	६	१४	१३	२६	तुला १२:३२	भद्रा १२:४४ से २२:५४ बजे तक, पूर्णिमा व्रत।
३२	३३	१५	मं.	०८	०२	०९	०१	स्वा.	३५	५०	२०	०८	सि.	३५	३५	ब.	०८	०२	५:४८	६:४९	७	१५	१४	२७	तुला	सूर्य भरणी में १८:२३ बजे, बुध उदय २४:५२ बजे।(J)

(A) मेष संक्रान्ति २६:३३ बजे, मंगल मिथुन में २५:१४ बजे।, वासन्तिक नवरात्रा प्रा., घटस्थापन, गुड़ी पड़वा, युगादि भारतीय नववर्षारम्भ वैशाखी, रामायण नवाह्न प्रा., कल्पादि, चन्द्रदर्शन। (B) मु. रमजान प्रा., सिन्धारा, झूलेलाल जयन्ती, अम्बेडकर जयन्ती। (C) गणगौरी तृतीया, मन्वादि, हिमाचल दिवस। (D) मेष राशि में २०:५८, विनायक चतुर्थी, रोहिणी व्रत। (E) ग्रीष्म ऋतु प्रा., शुक्र पश्चिम में उदय १८:४५ बजे।, (F) महानिशा पूजा, दुर्गाष्टमी, मेला मनसा देवी, मेला बाहुफोर्ट जम्मू। (G) श्री रामनवमी व्रत, श्री राम जयन्ती (मध्याह्न काल), श्री तारा जयन्ती, (औली जैन प्रा.), रामायण नवाह्न समा., नवरात्र समा.। (H) १८:४५ बजे।, नवरात्र व्रत पारणा। (I) गण्डमूल समा. ७:४१, कामदा एकादशी व्रत।(सर्वेषाम्)। (J) सत्यव्रत, मन्वादि, सिद्धाचल यात्रा, हनुमज्जयन्ती (दाक्षिणात्य), औली जैन समा., वैशाख स्नान प्रा.।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	००	०३	०२	००	१०	००	०९	०१	०७
अं.	०६	०३	०३	०७	०२	१२	१८	१८	१८
क.	०१	०६	४५	०७	३१	२२	२८	५६	५६
वि.	४५	४२	३०	३६	२१	२५	२२	०३	०३
गति	५८ ३४	७६३ ५७	३६ २०	१२७ ३०	०६ ४८	७४ ०६	०३ ०७	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	अश्वि. २ चं.	पुन. ४ चं.	मृग. ४ चं.	अश्वि. ३ चं.	धनि. ३ चं.	अश्वि. ४ चं.	श्रव. ३ चं.	रोहि. ३ चं.	ज्ये. १ चं.

२० अप्रैल २०२१ ई., प्रातः ६:२७

रा. २ | सू.बु.शु. १ | १२ | गु. ११ | मं. ३ | चं. ४ | १० श. | ५ | ७ | ९ | ६ | ८ के.

चैत्र शु. ८, मंगलवार

विक्रम संवत् २०७८ चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तदनुसार १३ अप्रैल २०२१ ई. मंगलवार से राक्षस नामक नव-संवत्सर का प्रारम्भ हो रहा है। अतः नित्य नैमित्तिक कर्मानुष्ठान आदि के संकल्प में संवत्सर के अन्त तक इसका प्रयोग किया जायेगा। इस संवत्सर का राजा एवं मन्त्री मंगल होने के कारण सीमाओं पर सैनिक गतिविधियों के बढ़ने के साथ-साथ टकराव बढ़ने की भी सम्भावना है। उग्रवाद, नक्सलवाद एवं आतंकवाद से समाज में भयावह वातावरण रहेगा। अग्निकाण्ड बम विस्फोट एवं यानदुर्घटनाओं से जन-धन की हानि होगी। वर्षा की कमी से कई देशों में दुर्भिक्ष एवं मँहगाई से जनता त्रस्त रहेगी।

२७ अप्रैल २०२१ ई., प्रातः ६:२७

रा. २ | सू.बु.शु. १ | १२ | गु. ११ | मं. ३ | ४ | १० श. | ५ | ७ चं. | ९ | ६ | ८ के.

चैत्र शु. १५, मंगलवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	००	०६	०२	२०	१०	००	०९	०१	०७
अं.	१२	११	०८	२१	०३	२१	१८	१८	१८
क.	५०	१९	००	५८	३७	००	४८	३३	३३
वि.	५८	२३	०७	१२	२९	५६	१६	४७	४७
गति	५८ २०	६१२ ४७	३६ २५	१२४ ११	०८ ५८	७४ ००	०२ २९	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	अश्वि. ४ चं.	स्वा. २ चं.	आर्द्रा. १ चं.	भरणी ३ चं.	धनि. ४ चं.	भर. ३ चं.	श्रव. ३ चं.	रोहि. ३ चं.	ज्ये. १ चं.

ॐ गण्ड-मूलादि-जन्म विचार ॐ

अश्विनी, आश्लेषा, मघा, ज्येष्ठा, मूल एवं रेवती – ये ६ नक्षत्र गण्डमूल कहलाते हैं। इन नक्षत्रों में उत्पन्न बालक, माता, पिता, कुल या स्वयं को अरिष्टदायक होता है। यदि यह अरिष्ट से बच जाये तो अपने बल-बुद्धि से संसार में सुखपूर्व दीर्घायु प्राप्त करता है। इसलिए गण्डमूल में उत्पन्न शिशु के पिता को २७ दिन तक उसका मुख नहीं देखना चाहिए। और फिर प्रसूति-स्नान के बाद गण्डमूल की शान्ति गौदान आदि देकर बालक का मुख देखना चाहिए।

मूलनिवास-चक्र

मास के अनुसार	वैशा. ज्ये. मार्ग. फा.	चै.श्रा.का.पौ.	आषा. आश्वि.भाद्र. माघ
लग्न के अनुसार	२, ५, ८, ११	३, ६, ९, १२	१, ४, ७, १०
मूल निवास स्थान	पाताल	भूमि	स्वर्ग
फल	शुभ	कुलनाश	शुभ

मूल-आश्लेषा चरण-फल

मूल चरण-फल		आश्लेषा चरण-फल		समय-फल	
१	पितृनाश	१	शांति से शुभ	दिन में	पिता को भय
२	मातृनाश	२	धन नाश	सन्ध्या में	स्वशरीर भय
३	धननाश	३	मातृनाश	रात्रि में	माता को भय
४	शान्ति से शुभ	४	पितृनाश		

मूलजन्म में वृक्ष विभाग

विभाग	मूल	स्तम्भ	त्वचा	शाखा	पत्र	पुष्प	फल	शिखा
घटी	७	८	१०	११	१२	५	४	३
फल	मूल नाश	वंशनाश	मातृ-क्लेश	मातुल-कष्ट	राज्य लाभ	मन्त्री	प्रचुर लक्ष्मी	अल्पाय

मूल-पुरुष-चक्र

विभाग	शिर	मुख	स्कन्ध	बाहु	हाथ	हृदय	नाभि	गुप्तांग	जानु	पैर
घटी	५	७	४	८	३	९	२	१०	६	६
फल	राजा	पितृ-नाश	बली	बली	दानी	मन्त्री	ज्ञानी	कामी	बुद्धि-मान	बुद्धि-मान

मूल-कन्या-चक्र

विभाग	शिर	मुख	कण्ठ	हृदय	भुजा	हाथ	गुप्तांग	जंघा	जानु	पैर
घटी	४	६	५	५	१०	८	४	४	४	१०
फल	पशु-नाश	धन-नाश	धन-लाभ	कुटिलता	धन लाभ	धर्म-नाश	कामिनी	ज्ये.मातुल-नाश	भ्रातृ-नाश	विधवा

आश्लेषा नक्षत्रोत्पन्न पुत्र/कन्या-अङ्गविभाग

विभाग	शिर	मुख	नेत्र	ग्रीवा	स्कन्ध	हाथ	हृदय	नाभि	गुह्य	पैर
घटी	५	७	२	३	४	८	११	६	९	५
फल	पुत्र प्राप्ति	पितृ-नाश	मातृ-नाश	स्त्री-लम्पट	गुरु भक्ति	बली	आत्म-घाती	भ्रम	तपस्वी हानि	धन

आश्लेषा-वृक्ष-चक्र

विभाग	फल	पुष्प	पत्ता	शाखा	त्वचा	लता	स्कन्ध
घटी	१०	५	९	७	१३	१२	४
फल	धन	धन	राजभय	हानि	भ्रातृहानि	पितृहानि	अल्पायु

अभुक्त मूल-विचार-

ज्येष्ठा नक्षत्र के अन्त की ४ घटी मतान्तर से १ घटी और मूल नक्षत्र के प्रारम्भ की ४ घटी मतान्तर से आधी घटी अभुक्त मूल होता है। इस समय में कदाचित् बालक का जन्म हो, तो बालक के पिता को ८ वर्ष तक मतान्तर से ६ मास तक उसका मुख नहीं देखना चाहिए। इसकी शान्ति के लिए रुद्रार्चन अभिषेक एवं महामृत्युञ्जय की विधि सहित अभुक्त मूल शान्ति कर शुभ मुहूर्त में बालक का मुख देखना चाहिए ।

वि. सं. २०७८, शाके १९४३, चैत्र शुक्ल पक्ष (दि. १३ अप्रैल से २७ अप्रैल २०२१ ई.), उत्तरायण, उत्तर गोल, वसन्त/ग्रीष्म ऋतु, के. अहर्गण ३६६०, अयनांश २४°/०८'/५८

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैण्डर्ड समय में)
३१	३८	१	मं.	१०	३७	१०	१७	अश्वि.	२०	३७	१४	१९	वि.	२३	०२	ब.	१०	३७	६:०२	६:४१	चैत्र २३	वैशाख १	श. ३०	अप्रै. १३	मेष	गण्डमूल समा. १४:१९ बजे, सूर्य अश्विनी में (A)
३१	४२	२	बु.	१६	५७	१२	४८	भ.	२८	२२	१७	२२	प्री.	२५	३०	कौ.	१६	५७	६:०१	६:४२	२४	२	रम. १	१४	वृष २४:०९	मेष सं. पुण्यकाल सूर्योदय से मध्याह्न तक, (B)
३१	४६	३	गु.	२३	३७	१५	२७	कृ.	३६	२०	२०	३२	आयु.	२८	१७	ग.	२३	३७	६:००	६:४२	२५	३	२	१५	वृष	भद्रा २८:४७ से, मत्स्य जयन्ती (अपराह्न काल),(C)
३१	५०	४	शु.	३०	१७	१८	०६	रो.	४४	१२	२३	४०	सौ.	३०	५७	वि.	३०	१७	५:५९	६:४३	२६	४	३	१६	वृष	भद्रा १८:०६ बजे तक, बुध अश्विनी, (D)
३१	५४	५	श.	३६	२७	२०	३३	मृ.	५१	२७	२६	३३	शो.	३३	१७	ब.	०३	३०	५:५८	६:४४	२७	५	४	१७	मिथुन १३:४९	शुक्रोदय १८:४५ बजे, १८ अप्रैल
३१	५८	६	र.	४१	३५	२२	३५	आ.	५७	४०	२९	०१	अति.	३४	५२	कौ.	०६	१०	५:५७	६:४४	२८	६	५	१८	मिथुन	यमुना छठ, स्कन्द षष्ठी।
३२	०२	७	सो.	४५	१५	२४	०२	पुन.	६०	००	–	–	सु.	३५	२२	ग.	१३	४०	५:५६	६:४५	२९	७	६	१९	कर्क २४:२९	भद्रा २४:०२ से, सायन सूर्य वृष में २६:०३ बजे, (E)
३२	०६	८	मं.	४७	०२	२४	४४	पुन.	०२	२२	०६	५२	धृ.	३४	३०	वि.	१६	२५	५:५५	६:४५	३०	८	७	२०	कर्क	भद्रा १२:२९ बजे तक, शुक्र भरणी में २५:०५ बजे (F)
३२	१०	९	बु.	४६	४२	२४	३५	पु.	०५	१०	०७	५८	शू.	३२	००	बा.	१७	१०	५:५४	६:४६	रा.वै. १	९	८	२१	कर्क	गण्डमूल प्रा.०७:५८ बजे, राष्ट्रीय वैशाख प्रा.(G)
३२	१४	१०	गु.	४४	१७	२३	३६	आश्ले.	०५	५५	०८	१५	गं.	२७	४७	तै.	१५	४७	५:५३	६:४६	२	१०	९	२२	सिंह ८:१५	बुध भरणी में २८:२४ बजे, शुक्र बाल्यत्व समा. (H)
३२	१८	११	शु.	३९	५०	२१	४८	म.	०४	३२	०७	४१	वृ.	२१	५७	व.	१२	१०	५:५२	६:४७	३	११	१०	२३	सिंह	भद्रा १०:४८ से २१:४८ बजे तक, (I)
३२	२२	१२	श.	३३	३७	१९	१८	पू.फा. उ.फा.	०१ ५६	१७ २०	०६ २८	२२ २३	ध्रु.	१४	३५	ब.	०६	४७	५:५१	६:४८	४	१२	११	२४	कन्या ११:५६	मंगल आर्द्रा में २५:३८ बजे, शनि प्रदोष व्रत।
३२	२६	१३	र.	२५	५७	१६	१३	ह.	५०	१०	२५	५४	व्या. ह.	०५ ५६	५७ २०	कौ.	००	०२	५:५०	६:४८	५	१३	१२	२५	कन्या	महावीर जयन्ती (जैन), अनङ्ग त्रयोदशी।
३२	२९	१४	सो.	१७	१७	१२	४४	चि.	४३	१२	२३	०६	व.	४६	०५	व.	१७	१७	५:४९	६:४९	६	१४	१३	२६	तुला १२:३२	भद्रा १२:४४ से २२:५४ बजे तक, पूर्णिमा व्रत।
३२	३३	१५	मं.	०८	०२	०९	०१	स्वा.	३५	५०	२०	०८	सि.	३५	३५	ब.	०८	०२	५:४८	६:४९	७	१५	१४	२७	तुला	सूर्य भरणी में १८:२३ बजे, बुध उदय २४:५२ बजे।(J)

(A) मेष संक्रान्ति २६:३३ बजे, मंगल मिथुन में २५:१४ बजे।, वासन्तिक नवरात्रा प्रा., घटस्थापन, गुड़ी पड़वा, युगादि भारतीय नववर्षारम्भ वैशाखी, रामायण नवाह्न प्रा., कल्पादि, चन्द्रदर्शन। (B) मु. रमजान प्रा., सिन्धारा, झूलेलाल जयन्ती, अम्बेडकर जयन्ती। (C) गणगौरी तृतीया, मन्वादि, हिमाचल दिवस। (D) मेष राशि में २०:५८, विनायक चतुर्थी, रोहिणी व्रत। (E) ग्रीष्म ऋतु प्रा., शुक्र पश्चिम में उदय १८:४५ बजे।, (F) महानिशा पूजा, दुर्गाष्टमी, मेला मनसा देवी, मेला बाहुफोर्ट जम्मू। (G) श्री रामनवमी व्रत, श्री राम जयन्ती (मध्याह्न काल), श्री तारा जयन्ती, (औली जैन प्रा.), रामायण नवाह्न समा., नवरात्र समा.। (H) १८:४५ बजे।, नवरात्र व्रत पारणा। (I) गण्डमूल समा. ७:४१, कामदा एकादशी व्रत।(सर्वेषाम्)। (J) सत्यव्रत, मन्वादि, सिद्धाचल यात्रा, हनुमज्जयन्ती (दाक्षिणात्य), औली जैन समा., वैशाख स्नान प्रा.।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	००	०३	०२	००	१०	००	०९	०१	०७
अं.	०६	०३	०३	०७	०२	१२	१८	१८	१८
क.	०१	०६	४५	०७	३१	२२	२८	५६	५६
वि.	४५	४२	३०	३६	२१	२५	२२	०३	०३
गति	५८ ३४	७६३ ५७	३६ २०	१२७ ३०	०९ ४८	७४ ०६	०३ ०७	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	अश्वि. २ च.	पुन. ४ च.	मृग. ४ च.	अश्वि. ३ च.	धनि. ३ च.	अश्वि. ४ च.	श्रव. ३ च.	रोहि. ३ च.	ज्ये. १ च.

२० अप्रैल २०२१ ई., प्रातः ६:२७

रा. २ | सू.बु.शु. १ | १२ | गु. ११ | मं. ३ | चं. ४ | १० श. | ५ | ७ | ९ | ६ | ८ के.

चैत्र शु. ८, मंगलवार

विक्रम संवत् २०६८ चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तदनुसार १३ अप्रैल २०२१ ई. मंगलवार से राक्षस नामक नव-संवत्सर का प्रारम्भ हो रहा है। अतः नित्य नैमित्तिक कर्मानुष्ठान आदि के संकल्प में संवत्सर के अन्त तक इसका प्रयोग किया जायेगा। इस संवत्सर का राजा एवं मन्त्री मंगल होने के कारण सीमाओं पर सैनिक गतिविधियों के बढ़ने के साथ-साथ टकराव बढ़ने की भी सम्भावना है। उग्रवाद, नक्सलवाद एवं आतंवाद से समाज में भयावह वातावरण रहेगा। अग्निकाण्ड बम विस्फोट एवं यानदुर्घटनाओं से जन-धन की हानि होगी। वर्षा की कमी से कई देशों में दुर्भिक्ष एवं मँहगाई से जनता त्रस्त रहेगी।

२७ अप्रैल २०२१ ई., प्रातः ६:२७

रा. २ | सू.बु.शु. १ | १२ | गु. ११ | मं. ३ | ४ | १० श. | ५ | ७ चं. | ९ | ६ | ८ के.

चैत्र शु. १५, मंगलवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	००	०६	०२	२०	१०	००	०९	०१	०७
अं.	१२	११	०८	२१	०३	२१	१८	१८	१८
क.	५०	१९	००	५८	३७	००	४८	३३	३३
वि.	५८	२३	०७	१२	२९	५६	१६	४७	४७
गति	५८ २०	६९२ ४७	३६ २५	१२४ ११	०८ ५८	७४ ००	०२ २९	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	अश्वि. ४ च.	स्वा. २ च.	आर्द्रा. १ च.	भरणी ३ च.	धनि. ४ च.	भर. ३ च.	श्रव. ३ च.	रोहि. ३ च.	ज्ये. १ च.

गण्ड-मूलादि-जन्म विचार

अश्विनी, आश्लेषा, मघा, ज्येष्ठा, मूल एवं रेवती - ये ६ नक्षत्र गण्डमूल कहलाते हैं। इन नक्षत्रों में उत्पन्न बालक, माता, पिता, कुल या स्वयं को अरिष्टदायक होता है। यदि यह अरिष्ट से बच जाये तो अपने बल-बुद्धि से संसार में सुखपूर्व दीर्घायु प्राप्त करता है। इसलिए गण्डमूल में उत्पन्न शिशु के पिता को २७ दिन तक उसका मुख नहीं देखना चाहिए। और फिर प्रसूति-स्नान के बाद गण्डमूल की शान्ति गौदान आदि देकर बालक का मुख देखना चाहिए।

मूलनिवास-चक्र

मास के अनुसार	वैशा. ज्ये. मार्ग. फा.	चै.श्रा.का.पौ.	आषा. आश्वि.भाद्र. माघ
लग्न के अनुसार	२, ५, ८, ११	३, ६, ९, १२	१, ४, ७, १०
मूल निवास स्थान	पाताल	भूमि	स्वर्ग
फल	शुभ	कुलनाश	शुभ

मूल-आश्लेषा चरण-फल

मूल चरण-फल		आश्लेषा चरण-फल		समय-फल	
१	पितृनाश	१	शांति से शुभ	दिन में	पिता को भय
२	मातृनाश	२	धन नाश	सन्ध्या में	स्वशरीर भय
३	धननाश	३	मातृनाश	रात्रि में	माता को भय
४	शान्ति से शुभ	४	पितृनाश		

मूलजन्म में वृक्ष विभाग

विभाग	मूल	स्तम्भ	त्वचा	शाखा	पत्र	पुष्प	फल	शिखा
घटी	७	८	१०	११	१२	५	४	३
फल	मूल नाश	वंशनाश	मातृ-क्लेश	मातुल-कष्ट	राज्य लाभ	मन्त्री	प्रचुर लक्ष्मी	अल्पाय

मूल-पुरुष-चक्र

विभाग	शिर	मुख	स्कन्ध	बाहु	हाथ	हृदय	नाभि	गुप्तांग	जानु	पैर
घटी	५	७	४	८	३	९	२	१०	६	६
फल	राजा	पितृ-नाश	बली	बली	दानी	मन्त्री	ज्ञानी	कामी	बुद्धि-मान	बुद्धि-मान

मूल-कन्या-चक्र

विभाग	शिर	मुख	कण्ठ	हृदय	भुजा	हाथ	गुप्तांग	जंघा	जानु	पैर
घटी	४	६	५	५	१०	८	४	४	४	१०
फल	पशु-नाश	धन-नाश	धन-लाभ	कुटिलता	धन लाभ	धर्म-नाश	कामिनी	ज्येमातुल-नाश	भ्रातृ-नाश	विधवा

आश्लेषा नक्षत्रोत्पन्न पुत्र/कन्या-अङ्गविभाग

विभाग	शिर	मुख	नेत्र	ग्रीवा	स्कन्ध	हाथ	हृदय	नाभि	गुह्य	पैर
घटी	५	७	२	३	४	८	११	६	९	५
फल	पुत्र प्राप्ति	पितृ-नाश	मातृ-नाश	स्त्री-लम्पट	गुरु भक्ति	बली	आत्म-घाती	भ्रम	तपस्वी हानि	धन

आश्लेषा-वृक्ष-चक्र

विभाग	फल	पुष्प	पत्ता	शाखा	त्वचा	लता	स्कन्ध
घटी	१०	५	९	७	१३	१२	४
फल	धन	धन	राजभय	हानि	भ्रातृहानि	पितृहानि	अल्पायु

अभुक्त मूल-विचार-

ज्येष्ठा नक्षत्र के अन्त की ४ घटी मतान्तर से १ घटी और मूल नक्षत्र के प्रारम्भ की ४ घटी मतान्तर से आधी घटी अभुक्त मूल होता है। इस समय में कदाचित् बालक का जन्म हो, तो बालक के पिता को ८ वर्ष तक मतान्तर से ६ मास तक उसका मुख नहीं देखना चाहिए। इसकी शान्ति के लिए रुद्रार्चन अभिषेक एवं महामृत्युञ्जय की विधि सहित अभुक्त मूल शान्ति कर शुभ मुहूर्त में बालक का मुख देखना चाहिए ।

वि. सं. २०७८, शाके १९४३, चैत्र शुक्ल पक्ष (दि. १३ अप्रैल से २७ अप्रैल २०२१ ई.), उत्तरायण, उत्तर गोल, वसन्त/ग्रीष्म ऋतु, के. अहर्गण ३६६०, अयनांश २४°/०८'/५८"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैण्डर्ड समय में)
३१	३८	१	मं.	१०	३७	१०	१७	अश्वि.	२०	३७	१४	१६	वि.	२३	०२	ब.	१०	३७	६:०२	६:४१	चैत्र २३	वैशाख १	श. ३०	अप्रै. १३	मेष	गण्डमूल समा. १४:१६ बजे, सूर्य अश्विनी में (A)
३१	४२	२	बु.	१६	५७	१२	४८	भ.	२८	२२	१७	२२	प्री.	२५	३०	कौ.	१६	५७	६:०१	६:४२	२४	२	रम. १	१४	वृष २४:०६	मेष सं. पुण्यकाल सूर्योदय से मध्याह्न तक, (B)
३१	४६	३	गु.	२३	३७	१५	२७	कृ.	३६	२०	२०	३२	आयु.	२८	१७	ग.	२३	३७	६:००	६:४२	२५	३	२	१५	वृष	भद्रा २८:४७ से, मत्स्य जयन्ती (अपराह्न काल),(C)
३१	५०	४	शु.	३०	१७	१८	०६	रो.	४४	१२	२३	४०	सौ.	३०	५७	वि.	३०	१७	५:५९	६:४३	२६	४	३	१६	वृष	भद्रा १८:०६ बजे तक, बुध अश्विनी, (D)
३१	५४	५	श.	३६	२७	२०	३३	मृ.	५१	२७	२६	३३	शो.	३३	१७	ब.	०३	३०	५:५८	६:४४	२७	५	४	१७	मिथुन १३:४६	**शुक्रोदय १८:४५ बजे, १८ अप्रैल**
३१	५८	६	र.	४१	३५	२२	३५	आ.	५७	४०	२९	०१	अति.	३४	५२	कौ.	०६	१०	५:५७	६:४४	२८	६	५	१८	मिथुन	यमुना छठ, स्कन्द षष्ठी।
३२	०२	७	सो.	४५	१५	२४	०२	पुन.	६०	००	–	–	सु.	३५	२२	ग.	१३	४०	५:५६	६:४५	२९	७	६	१९	कर्क २४:२९	भद्रा २४:०२ से, सायन सूर्य वृष में २६:०३ बजे, (E)
३२	०६	८	मं.	४७	०२	२४	४४	पुन.	०२	२२	०६	५२	धृ.	३४	३०	वि.	१६	२५	५:५५	६:४५	३०	८	७	२०	कर्क	भद्रा १२:२९ बजे तक, शुक्र भरणी में २५:०५ बजे (F)
३२	१०	९	बु.	४६	४२	२४	३५	पु.	०५	१०	०७	५८	शू.	३२	००	बा.	१७	१०	५:५४	६:४६	रा.वै. १	९	८	२१	कर्क	गण्डमूल प्रा.०७:५८ बजे, राष्ट्रीय वैशाख प्रा.(G)
३२	१४	१०	गु.	४४	१७	२३	३६	आश्ले.	०५	५५	०८	१५	गं.	२७	४७	तै.	१५	४७	५:५३	६:४६	२	१०	९	२२	सिंह ८:१५	बुध भरणी में २८:२४ बजे, शुक्र बाल्यत्व समा. (H)
३२	१८	११	शु.	३९	५०	२१	४८	म.	०४	३२	०७	४१	वृ.	२१	५७	व.	१२	१०	५:५२	६:४७	३	११	१०	२३	सिंह	भद्रा १०:४८ से २१:४८ बजे तक, (I)
३२	२२	१२	श.	३३	३७	१९	१८	पू.फा. उ.फा.	०१ ५६	१७ २०	०६ २८	२२ २३	ध्रु.	१४	३५	ब.	०६	४७	५:५१	६:४८	४	१२	११	२४	कन्या ११:५६	मंगल आर्द्रा में २५:३८ बजे, शनि प्रदोष व्रत।
३२	२६	१३	र.	२५	५७	१६	१३	ह.	५०	१०	२५	५४	व्या. ह.	०५ ५६	५७ २०	कौ.	००	०२	५:५०	६:४८	५	१३	१२	२५	कन्या	महावीर जयन्ती (जैन), अनङ्ग त्रयोदशी।
३२	२९	१४	सो.	१७	१७	१२	४४	चि.	४३	१२	२३	०६	व.	४६	०५	व.	१७	१७	५:४९	६:४९	६	१४	१३	२६	तुला १२:३२	भद्रा १२:४४ से २२:५४ बजे तक, पूर्णिमा व्रत।
३२	३३	१५	मं.	०८	०२	०९	०१	स्वा.	३५	५०	२०	०८	सि.	३५	३५	ब.	०८	०२	५:४८	६:४९	७	१५	१४	२७	तुला	सूर्य भरणी में १८:२३ बजे, बुध उदय २४:५२ बजे।(J)

(A) मेष संक्रान्ति २६:३३ बजे, मंगल मिथुन में २५:१४ बजे।, वासन्तिक नवरात्रा प्रा., घटस्थापन, गुड़ी पड़वा, युगादि भारतीय नववर्षारम्भ वैशाखी, रामायण नवाह्न प्रा., कल्पादि, चन्द्रदर्शन। (B) मु. रमजान प्रा., सिन्धारा, झूलेलाल जयन्ती, अम्बेडकर जयन्ती। (C) गणगौरी तृतीया, मन्वादि, हिमाचल दिवस। (D) मेष राशि में २०:५८, विनायक चतुर्थी, रोहिणी व्रत। (E) ग्रीष्म ऋतु प्रा., शुक्र पश्चिम में उदय १८:४५ बजे।, (F) महानिशा पूजा, दुर्गाष्टमी, मेला मनसा देवी, मेला बाहुफोर्ट जम्मू। (G) श्री रामनवमी व्रत, श्री राम जयन्ती (मध्याह्न काल), श्री तारा जयन्ती, (औली जैन प्रा.), रामायण नवाह्न समा., नवरात्र समा.। (H) १८:४५ बजे।, नवरात्र व्रत पारणा। (I) गण्डमूल समा. ७:४१, कामदा एकादशी व्रत।(सर्वेषाम्)। (J) सत्यव्रत, मन्वादि, सिद्धाचल यात्रा, हनुमज्जयन्ती (दाक्षिणात्य), औली जैन समा., वैशाख स्नान प्रा.।

२० अप्रैल २०२१ ई., प्रातः ६:२७

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	००	०३	०२	००	१०	००	०९	०१	०७
अं.	०६	०३	०३	०७	०२	१२	१८	१८	१८
क.	०१	०६	४५	०७	३१	२२	२८	५६	५६
वि.	४५	४२	३०	३६	२१	२५	२२	०३	०३
गति	५८ ३४	७६३ ५७	३६ २०	१२७ ३०	०९ ४८	७४ ०६	०३ ०७	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	अश्वि. २ च.	पुन. ४ च.	मृग. ४ च.	अश्वि. ३ च.	धनि. ३ च.	अश्वि. ४ च.	श्रव. ३ च.	रोहि. ३ च.	ज्ये. १ च.

चक्र (चैत्र शु. ८, मंगलवार): १ सू.बु.शु.; २ रा.; ३ मं.; ४ चं.; ५; ६; ७; ८ के.; ९; १० श.; ११ गु.; १२

चैत्र शु. ८, मंगलवार

विक्रम संवत् २०६८ चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तदनुसार १३ अप्रैल २०२१ ई. मंगलवार से राक्षस नामक नव-संवत्सर का प्रारम्भ हो रहा है। अतः नित्य नैमित्तिक कर्मानुष्ठान आदि के संकल्प में संवत्सर के अन्त तक इसका प्रयोग किया जायेगा। इस संवत्सर का राजा एवं मन्त्री मंगल होने के कारण सीमाओं पर सैनिक गतिविधियों के बढ़ने के साथ-साथ टकराव बढ़ने की भी सम्भावना है। उग्रवाद, नक्सलवाद एवं आतंकवाद से समाज में भयावह वातावरण रहेगा। अग्निकाण्ड बम विस्फोट एवं यानदुर्घटनाओं से जन-धन की हानि होगी। वर्षा की कमी से कई देशों में दुर्भिक्ष एवं मँहगाई से जनता त्रस्त रहेगी।

२७ अप्रैल २०२१ ई., प्रातः ६:२७

चक्र (चैत्र शु. १५, मंगलवार): १ सू.बु.शु.; २ रा.; ३ मं.; ४; ५; ६; ७ चं.; ८ के.; ९; १० श.; ११ गु.; १२

चैत्र शु. १५, मंगलवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	००	०६	०२	२०	१०	००	०९	०१	०७
अं.	१२	११	०८	२१	०३	२१	१८	१८	१८
क.	५०	१९	००	५८	३७	००	४८	३३	३३
वि.	५८	२३	०७	१२	२९	५६	१९	४७	४७
गति	५८ २०	६९२ ४७	३६ २५	१२४ ११	०८ ५८	७४ ००	०२ २९	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	अश्वि. ४ च.	स्वा. २ च.	आर्द्रा. १ च.	भरणी ३ च.	धनि. ४ च.	भर. ३ च.	श्रव. ३ च.	रोहि. ३ च.	ज्ये. १ च.

वि. सं. २०७८, शाके १९४३, वैशाख कृष्ण पक्ष (दि. २८ अप्रैल से ११ मई २०२१ ई.), उत्तरायण, उत्तर गोल, ग्रीष्म ऋतु, के. अहर्गण ३६७५, अयनांश २४°/०९'/००"																											
दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैण्डर्ड समय में)
०	०	१	मं.	५६	३७	२६	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	प्रतिपदाक्षय।
३२	३७	२	बु.	४६	१७	२५	३४	वि.	२८	३२	१७	१२	व्य.	२५	०७	तै.	२४	००	५:४७	६:५०	रा.वै. ८	वैशाख १६	रम. १५	अप्रै. २८	वृश्चिक ११:५६	
३२	४१	३	गु.	४१	००	२२	१०	अनु.	२१	४७	१४	२६	वरि.	१५	३५	व.	१५	१०	५:४६	६:५१	९	१७	१६	२९	वृश्चिक	भद्रा ११:५० बजे से २२:१० बजे तक, (A)
३२	४४	४	शु.	३३	३२	१९	१०	ज्ये.	१५	५५	१२	०७	परि. शिव.	०५ ५७	४२ १७	ब.	०७	०७	५:४५	६:५१	१०	१८	१७	३०	धनु १२:०७	बुध वृष में २९:४१ बजे, च.उ. २३:०१ बजे।
३२	४८	५	श.	२७	२५	१६	४२	मू.	११	१७	१०	१५	सि.	५०	०७	कौ.	००	१७	५:४४	६:५२	११	१९	१८	मई. १	धनु	गण्डमूल समा. १०:१५ बजे, (B)
३२	५१	६	र.	२२	४५	१४	५०	पूषा.	०८	०७	०८	५९	सा.	४४	१०	व.	२२	४५	५:४४	६:५२	१२	२०	१९	२	मकर १४:४६	भद्रा १४:५० से २६:१० बजे तक। (C)
३२	५५	७	सो.	१९	५२	१३	४०	उषा.	०६	३७	०८	२२	शुभ.	३९	४५	ब.	१९	५२	५:४३	६:५३	१३	२१	२०	३	मकर	शर्करा सप्तमी, कालाष्टमी।
३२	५८	८	मं.	१८	४२	१३	११	श्र.	०६	५०	०८	२६	शु.	३६	३५	कौ.	१८	४२	५:४२	६:५४	१४	२२	२१	४	कुम्भ २०:४३	पञ्चक प्रा. २०:४३ से, (D)
३३	०२	९	बु.	१९	१२	१३	२२	धनि.	०८	४२	०९	१०	ब्र.	३४	४७	ग.	१९	१२	५:४१	६:५४	१५	२३	२२	५	कुम्भ	भद्रा २५:४२ से।
३३	०५	१०	गु.	२१	१५	१४	११	शत.	१२	०७	१०	३२	ऐं.	३४	०७	वि.	२१	१५	५:४१	६:५५	१६	२४	२३	६	कुम्भ	भद्रा १४:११ बजे तक, बुध रोहिणी में १७:३५ बजे।
३३	०९	११	शु.	२४	४०	१५	३२	पूभा.	१६	५५	१२	२६	वै.	३४	३२	बा.	२४	४०	५:४०	६:५५	१७	२५	२४	७	मीन ५:५५	वरूथिनी एकादशी व्रत (स.), (E)
३३	१२	१२	श.	२९	१५	१७	२१	उभा.	२२	५०	१४	४७	वि.	३५	४७	तै.	२९	१५	५:३९	६:५६	१८	२६	२५	८	मीन	गण्डमूल प्रा. १४:४७ बजे, शनि प्रदोष व्रत।
३३	१५	१३	र.	३४	४२	१९	३१	रे.	२९	३५	१७	२८	प्री.	३७	४०	ग.	०१	५५	५:३८	६:५७	१९	२७	२६	९	मेष १७:२८	भद्रा १९:३१ से, (F)
३३	१९	१४	सो.	४०	४५	२१	५६	अश्वि.	३९	५७	२०	२५	आयु.	४०	००	वि.	०७	४०	५:३८	६:५७	२०	२८	२७	१०	मेष	भद्रा ०८:४२ बजे तक, गण्डमूल समा.२०:२५ बजे।
३३	२२	३०	मं.	४७	१२	२४	३०	भ.	४४	४५	२३	३१	सौ.	४२	४०	चतु.	१३	५७	५:३७	६:५८	२१	२९	२८	११	मेष	सूर्य कृतिका में १२:३३ बजे, (G)

(A) गण्डमूल प्रा. १४:२९ बजे, बुध कृतिका में १३:२४ बजे, चन्द्रोदय २१:४९ बजे, चतुर्थी व्रत। (B) शुक्र कृतिका में २०:२९ बजे, श्रमिक दिवस। (C) कोकिला षष्ठी, आर्यभट जयन्ती।, (D) शुक्र वृष में १३:२६ बजे, शीतलाष्टमी।, (E) वल्लभाचार्य जयन्ती।, (F) पञ्चक समा. १७:२८ बजे तक, मास शिवरात्रि। (G) भौमवती अमावस्या।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	००	०९	०२	०१	१०	००	०९	०१	०७
अं.	१९	२२	१२	०५	०४	२९	१९	१८	१८
क.	३८	१४	१५	४२	३७	३८	०३	११	११
वि.	४२	५४	२१	३३	३२	३०	४३	३२	३२
गति	५८ ०९	७७८ ०२	३६ ३१	१०६ ५६	०८ ०३	७३ ५२	०१ ५०	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	भर. २ च.	श्रव. ४ च.	आर्द्रा. २ च.	कृत्ति. ३ च.	धनि. ४ च.	कृत्ति. १ च.	श्रव. ३ च.	रोहि. ३ च.	ज्ये. १ च.

४ मई २०२१ ई., प्रातः ६:२७

मं. ३ | बु.रा. २ | सू.शु. १ | ४ | १२ | ५ | ११ गु. | के. ८ | ६ | १० श.च. | ७ | ९

वैशाख कृ. ८, मंगलवार

इस मास में पाँच बुधवार हैं और वृष संक्रान्ति शुक्रवार को है, अतः धान्य के भाव सम रहेंगे। वर्षा कहीं कम कहीं अधिक होगी। चाँदी, रूई में घटाबढ़ी के बाढ़ तेजी रहेगी। वनस्वति, घी, गुड़, शक्कर, चीनी, तेल में तेजी का रुख रहेगा।

११ मई २०२१ ई., प्रातः ६:२७

मं. ३ | बु.शु.रा. २ | सू.चं. १ | ४ | १२ | ५ | ११ गु. | के. ८ | ६ | १० श. | ७ | ९

वैशाख कृ. ३०, मंगलवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	००	००	०२	०१	१०	०१	०९	०१	०७
अं.	२६	१८	१६	१६	०५	०८	१९	१७	१७
क.	२५	१६	३१	५७	३०	१५	१४	४९	४९
वि.	१३	२९	१८	३५	५६	१५	३२	१७	१७
गति	५७ ५९	७७८ ५२	३६ ३७	८१ ३४	०७ ०२	७३ ४५	०१ ०९	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	भर. ४ च.	भर. २ च.	आर्द्रा. ३ च.	रोहि. ३ च.	धनि. ४ च.	कृत्ति. ४ च.	श्रव. ३ च.	रोहि. ३ च.	ज्ये. १ च.

वि. सं. २०७८, शाके १९४३, वैशाख शुक्ल पक्ष (दि. १२ मई से २६ मई २०२१ ई.), उत्तरायण, उत्तर गोल, ग्रीष्म ऋतु, के. अहर्गण ३६८६, अयनांश २४°/०९'/०२"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैण्डर्ड समय में)
३३	२५	१	बु.	५३	५०	२७	०६	कृ.	५२	४०	२६	४०	शो.	४५	२७	किं.	२०	३०	५:३६	६:५९	रा.वैशाख २२	वैशाख २६	रम. २६	मई १२	वृष ६:१८	शुक्र रोहिणी में १६:३२ बजे।
३३	२८	२	गु.	६०	००	–	–	रो.	६०	००	–	–	अति.	४८	०५	बा.	२७	००	५:३६	६:५९	२३	३०	३०	१३	वृष	चन्द्रदर्शन, रोहिणी व्रत, ईद उल फित्तर।
३३	३१	२	शु.	००	१०	०५	३९	रो.	००	२५	०५	४५	सु.	५०	२५	कौ.	००	१०	५:३५	७:००	२४	ज्ये. १	श. १	१४	मिथुन १९:१४	वृष संक्रान्ति २३:२५ बजे, मु. शव्वाल प्रा. (A)
३३	३४	३	श.	०६	०२	०८	००	मृ.	०७	४०	०८	३९	धृ.	५२	१२	ग.	०६	०२	५:३५	७:००	२५	२	२	१५	मिथुन	भद्रा २१:०४ से, अक्षय तृतीया, (B)
३३	३७	४	र.	११	०७	१०	०१	आ.	१४	१०	११	१४	शू.	५३	१०	वि.	११	०७	५:३४	७:०१	२६	३	३	१६	मिथुन	भद्रा १०:०१ बजे तक, भौम पुनर्वसु में २३:०७ बजे,(C)
३३	४०	५	सो.	१५	०५	११	३५	पुन.	१६	३२	१३	२२	गं.	५३	०७	बा.	१५	०५	५:३३	७:०२	२७	४	४	१७	कर्क ६:५२	आद्य गुरु शंकराचार्य जयन्ती, (D)
३३	४३	६	मं.	१७	३०	१२	३३	पु.	२३	२५	१४	५५	वृ.	५१	४५	तै.	१७	३०	५:३३	७:०२	२८	५	५	१८	कर्क	गण्डमूल प्रा. १४:५५ बजे।
३३	४५	७	बु.	१८	१२	१२	५०	आश्ले.	२५	३७	१५	४८	ध्रु.	४९	००	व.	१८	१२	५:३३	७:०३	२९	६	६	१९	सिंह १५:४८	भद्रा १२:५० से २४:४२ बजे तक, (E)
३३	४८	८	गु.	१७	०७	१२	२३	म.	२६	०२	१५	५७	व्या.	४४	४५	ब.	१७	०७	५:३२	७:०३	३०	७	७	२०	सिंह	गण्डमूल समा. १५:५७ बजे, (F)
३३	५१	९	शु.	१४	०७	११	११	पू.फा.	२४	३५	१५	२२	ह.	३९	००	कौ.	१४	०७	५:३२	७:०४	३१	८	८	२१	कन्या २१:०७	सीता नवमी, जानकी नवमी, मैथिली दिवस।
३३	५३	१०	श.	०९	२२	०९	१६	उ.फा.	२१	२५	१४	०५	व.	३४	२५	ग.	०९	२२	५:३१	७:०५	रा.ज्ये. १	९	९	२२	कन्या	भद्रा २०:०४ से, गुरु शतभिषा में ६:४९ बजे, (G)
३३	५६	११ १२	र.	०३ ५५	०० २०	०६ २७	४३ ३९	ह.	१६	४२	१२	१२	सि.	२३	३२	वि.	०३	००	५:३१	७:०५	२	१०	१०	२३	तुला २३:०४	भद्रा ०६:४३ बजे तक, शुक्र मृगशिरा में १३:१९ बजे,(H)
३३	५८	१३	सो.	४६	४२	२४	११	चि.	१०	४७	०९	४९	व्य.	१४	१५	कौ.	२१	०७	५:३०	७:०६	३	११	११	२४	तुला	सोम प्रदोष व्रत।
३४	००	१४	मं.	३७	३०	२०	३०	स्वा. वि.	०४ ५६	०० ४२	०७ २८	०६ ११	वरि. परि.	०४ ५४	१५ ५०	ग.	१२	१०	५:३०	७:०६	४	१२	१२	२५	वृश्चिक २२:५५	भद्रा २०:३० से, सूर्य रोहिणी में ०८:४६ बजे।(I)
३४	०३	१५	बु.	२८	०५	१६	४४	अनु.	४९	२२	२५	१५	शिव.	४३	२२	वि.	०२	५२	५:३०	७:०७	५	१३	१३	२६	वृश्चिक	भद्रा ०६:३७ बजे तक, गण्डमूल प्रा. २५:१५ बजे, (J)

(A) परशुराम जयन्ती (प्रदोष काल), वृष संक्रान्ति पुण्यकाल मध्याह्नोत्तर। (B) त्रेतायुगादि, बद्री केदार यात्रा, मातङ्गी जयन्ती, विनायक चतुर्थी। (C) बुध मृगशिरा में १२:०३ बजे। (D) सूरदास जयन्ती, रामानुज जयन्ती। (E) गंगोत्पत्ति, गंगा सप्तमी। (F) सायन सूर्य मिथुन में २५:०७, दुर्गाष्टमी (मध्याह्न व्यापिनी), श्री बगलामुखी जयन्ती।(G) मोहिनी एकादशी व्रत (स्मा.), राष्ट्रीय ज्ये. प्रा.। (H) मोहिनी एकादशी व्रत (वै.), कल्कि ज.(सायंकाल), शनि वक्री १४:४६ बजे। (I) पूर्णिमा व्रत, नृसिंह जयन्ती (प्रदोष काल), श्री छिन्नमस्ता जयन्ती। (J) बुध मिथुन में ०८:३१ बजे, खग्रास चन्द्र ग्रहण, बुद्ध पूर्णिमा, बुद्ध जयन्ती (उदयकाल) सत्यव्रत, वैशाख स्नान समा., कूर्म जयन्ती (मध्याह्नकाल) ।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०१	०४	०२	०१	१०	०१	०९	०१	०७
अं.	०५	०८	२२	२६	०६	१९	१९	१७	१७
क.	०६	०२	०१	४४	२८	१८	२१	२०	२०
वि.	०२	१९	१८	२७	४८	१९	२६	४०	४०
गति	५७ ४४	८१० ०३	३६ ४४	४३ ४९	०७ ३८	७३ ३४	०० १६	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	कृत्ति. ३ च.	मघा. ३ च.	पुन. १ च.	मृग. २ च.	धनि. ४ च.	रोहि. ३ च.	श्रव. ३ च.	रोहि. ३ च.	ज्ये. १ च.

२० मई २०२१ ई., प्रातः ६:२७

मं. ३ | सू.बु. शु.रा. २ | १ | १२ | ११ गु. | १० श. | ९ | ८ के. | ७ | ६ | चं. ५ | ४

वैशाख शु. ८, गुरुवार

इस मास में सूर्य का पहले राहु, बुध, शुक्र से द्विर्द्वादश योग के उपरान्त इनसे युति सम्बन्ध तथा मंगल-शनि का षडष्टक योग होने के कारण नर्मदा नदी के पूर्व भाग बंगाल, कलिंग, मगध, यमुना के दक्षिण भाग में रहने वाले राजा, संग्राम में जीतने वाले, पशु, किसान, चीन देश के लिए यह समय कष्टकारक रहेगा। विस्फोट अग्निकाण्ड एवं शस्त्रप्रकोप से जन-धन की हानि होगी।

२६ मई २०२१ ई., प्रातः ६:२७

मं. ३ | सू.बु. शु.रा. २ | १ | १२ | ११ गु. | १० श. | ९ | चं. के. ८ | ७ | ६ | ५ | ४

वैशाख शु. १५, बुधवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०१	०७	०२	०१	१०	०१	०९	०१	०७
अं.	१०	०४	२५	२९	०७	२६	१९	१७	१७
क.	५२	४६	४१	५८	००	३९	२१	०१	०१
वि.	०२	१३	४५	२७	१०	२५	३८	३५	३५
गति	५७ ३५	९१० २१	३६ ४७	१५ ५६	०४ ३८	७३ २७	०० व १२	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	रोहि. १ च.	अनु. १ च.	पुन. २ च.	मृग. २ च.	शत. १ च.	मृग. १ च.	श्रव. ३ च.	रोहि. ३ च.	ज्ये. १ च.

वि. सं. २०७८, शाके १९४३, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष (दि. २७ मई से १० जून २०२१ ई.), उत्तरायण, उत्तर गोल, ग्रीष्म ऋतु, के. अहर्गण ३७०४, अयनांश २४°/०९'/०४"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैण्डर्ड समय में)
३४	०५	१	गु.	१८	५५	१३	०३	ज्ये.	४२	३०	२२	२९	सि.	३३	१२	कौ.	१८	५५	५:२९	७:०७	रा.ज्ये. ६	श. १४	श. १४	मई. २७	धनु २२:२९	नारद जयन्ती।
३४	०७	२	शु.	१०	१७	०९	३६	मू.	३६	२२	२०	०२	सा.	२३	४०	ग.	१०	१७	५:२९	७:०८	७	१५	१५	२८	धनु	भद्रा २०:०२ से, गण्डमूल समा. २०:०२ बजे, (A)
३४	०९	३ ४	श.	०२ ५६	४२ २७	०६ २८	३४ ०४	पूषा.	३१	२५	१८	०३	शुभ	१५	००	वि.	०२	४२	५:२९	७:०९	८	१६	१६	२९	मकर २३:३९	भद्रा ०६:३४ बजे तक, बुध वक्री २८:०४ बजे, (B)
३४	११	५	र.	५१	५२	२६	१३	उषा.	२८	०२	१६	४१	शु.	०७	३२	कौ.	२३	५७	५:२८	७:०९	९	१७	१७	३०	मकर	
३४	१३	६	सो.	४९	०५	२५	०६	श्र.	२६	२२	१६	०१	ब्र. ऐं.	०१ ५६	२७ ५२	ग.	२०	१५	५:२८	७:१०	१०	१८	१८	३१	कुम्भ २७:५८	भद्रा २५:०६ से, पञ्चक प्रा. २७:५८ से।(C)
३४	१५	७	मं.	४८	१५	२४	४६	धनि.	२६	३७	१६	०७	वै.	५३	५२	वि.	१८	२५	५:२८	७:१०	११	१९	१९	जू. १	कुम्भ	भद्रा १२:५० बजे तक, भानु सप्तमी।
३४	१७	८	बु.	४९	२२	२५	१३	शत.	२८	४७	१६	५९	वि.	५२	२२	बा.	१८	३५	५:२८	७:११	१२	२०	२०	२	कुम्भ	मङ्गल कर्क में ०६:५२ बजे, (D)
३४	१८	९	गु.	५२	१७	२६	२३	पूभा.	३२	४५	१८	३४	प्री.	५२	१७	तै.	२०	३७	५:२८	७:११	१३	२१	२१	३	मीन १२:०७	शुक्र आर्द्रा में १०:५३ बजे।
३४	२०	१०	शु.	५६	४२	२८	०८	उभा.	३८	२०	२०	४७	आयु.	५३	२२	व.	२४	२०	५:२७	७:१२	१४	२२	२२	४	मीन	भद्रा १५:११ से २८:०८ बजे तक, (E)
३४	२१	११	श.	६०	००	–	–	रे.	४५	००	२३	२७	सौ.	५५	१७	ब.	२९	२०	५:२७	७:१२	१५	२३	२३	५	मेष २३:२७	पञ्चक समा. २६:२७ बजे, (F)
३४	२३	११	र.	०२	१२	०६	१९	अश्वि.	५२	३०	२६	२७	शो.	५७	४७	बा.	०२	१२	५:२७	७:१३	१६	२४	२४	६	मेष	गण्डमूल समा. २६:२७ बजे। (G)
३४	२४	१२	सो.	०८	२५	०८	४९	भ.	६०	००	–	–	अति.	६०	००	तै.	०८	२५	५:२७	७:१३	१७	२५	२५	७	मेष	भौम पुष्य में १७:०२ बजे, सोम प्रदोष व्रत।
३४	२५	१३	मं.	१४	५५	११	२५	भ.	००	२२	०५	३६	अति.	००	३२	व.	१४	५५	५:२७	७:१३	१८	२६	२६	८	वृष १२:२३	भद्रा ११:२५ से २४:४२ बजे तक, (H)
३४	२७	१४	बु.	२१	१७	१३	५८	कृ.	०८	१२	०८	४४	सु.	०३	२०	शकु.	२१	१७	५:२७	७:१४	१९	२७	२७	९	वृष	
३४	२८	३०	गु.	२७	१७	१६	२२	रो.	१५	४२	११	४४	धृ.	०५	५०	ना.	२७	१७	५:२७	७:१४	२०	२८	२८	१०	मिथुन २५:०६	कंकण सूर्य ग्रहण भारत में अदृश्य (I)

(A) शुक्र मिथुन में २४:०१ बजे, (B) चन्द्रोदय २२:४७ बजे, चतुर्थी व्रत। (C) विश्व तम्बाकू निषेध दिवस। (D) वक्री बुध वृष में २६:३४ बजे, वक्री बुध अस्त १४:०३ बजे, कालाष्टमी। (E) गण्डकमूल प्रा.२०:४७ बजे। (F) विश्व पर्यावरण दिवस। (G) अपरा एकादशी व्रत (स.)। (H) सूर्य मृगशिरा में ०६:४० बजे, मास शिवरात्रि। (I) वट सावित्री व्रत, भावुका अमावस्या, रोहिणी व्रत।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०१	१०	०२	०२	१०	०२	०९	०१	०७
अं.	१७	१४	२९	००	०७	०५	१९	१६	१६
क.	३४	२३	५९	१२	२९	१३	१७	३९	३९
वि.	४६	५६	२२	३९	०१	०९	२७	२०	२०
गति	५७ २९	७५९ ३६	३६ ५१	११ व २४	०३ २५	७३ १९	०० व ५३	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	रोहि. ३च.	शत. ३च.	पुन. ३च.	मृग. ३च.	शत. १च.	मृग. ४च.	श्रव. ३च.	रोहि. २च.	अनु. ४च.

२ जून २०२१ ई., प्रातः ६:२७

भाव	ग्रह
१	
२	सू.रा.
३	बु.शु.मं.
४	
५	
६	
७	
८	के.
९	
१०	श.
११	गु.चं.
१२	

ज्येष्ठ कृ. ८, बुधवार

इस मास में पाँच गुरुवार हैं और मिथुन की संक्रान्ति मंगलवार को है, अतः अन्न, घी, गुड़ रसादि पदार्थों के भाव तेज रहेंगे। शेयर बाजार में घटाबढ़ी के बाद गिरावट का रुख रहेगा। सोना, चाँदी, ताँबा आदि धातुओं के भाव तेज रहेंगे।

१० जून २०२१ ई., प्रातः ६:२७

भाव	ग्रह
१	
२	सू.बु.चं.रा.
३	शु.
४	मं.
५	
६	
७	
८	के.
९	
१०	श.
११	गु
१२	

ज्येष्ठ कृ. ३०, गुरुवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०१	०१	०३	०१	१०	०२	०९	०१	०७
अं.	२५	२०	०४	२६	०७	१४	१९	१६	१६
क.	१४	४२	५४	४६	५१	५९	०७	१३	१३
वि.	१५	५४	३१	१३	११	१४	००	५३	५३
गति	५७ २३	७१५ २४	३६ ५७	३३ व ०५	०१ ५६	७३ ११	०१ व ३८	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	मृग. १च.	रोहि. ४च.	पुष्य. १च.	मृग. २च.	शत. १च.	आर्द्रा. ३च.	श्रवण. ३च.	रोहि. २च.	अनु. ४च.

वि. सं. २०७८, शाके १९४३, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष (दि. ११ जून से २४ जून २०२१ ई.), उत्तरायण/दक्षिणायन, उत्तर गोल, ग्रीष्म/वर्षा ऋतु, के. अहर्गण ३७१६, अयनांश २४°/०६'/०७"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैण्डर्ड समय में)
३४	२६	१	शु.	३२	४०	१८	३१	मृ.	२२	३७	१४	३०	शू.	०७	५५	किं.	००	०५	५:२७	७:१५	रा.ज्ये. २१	ज्ये. २६	श. २६	जून ११	मिथुन	चन्द्र दर्शन, काशी दशाश्वमेध स्नान प्रा.।
३४	३०	२	श.	३७	०७	२०	१८	आ.	२८	४५	१६	५७	गं.	०६	२२	बा.	०५	००	५:२७	७:१५	२२	३०	जि. १	१२	मिथुन	मु. जिल्काद प्रा.
३४	३०	३	र.	४०	३५	२१	४१	पुन.	३३	५२	१६	००	वृ.	१०	०७	तै.	०६	००	५:२७	७:१५	२३	३१	२	१३	कर्क १२:३२	रम्भा तृतीया, महाराणा प्रताप जयन्ती।
३४	३१	४	सो.	४२	५०	२२	३५	पु.	३७	५२	२०	३६	ध्रु.	०६	५७	व.	११	५०	५:२७	७:१६	२४	३२	३	१४	कर्क	भद्रा १०:११ से २२:३५ बजे तक (A)
३४	३२	५	मं.	४३	४५	२२	५७	आश्ले.	४०	३७	२१	४२	व्या.	०८	५२	ब.	१०	५७	५:२७	७:१६	२५	आषा. १	४	१५	सिंह २१:४२	मिथुन संक्रन्ति ०६:०१ बजे। (B)
३४	३२	६	बु.	४३	१७	२२	४६	म.	४१	५७	२२	१४	ह.	०६	४०	कौ.	१३	४२	५:२७	७:१६	२६	२	५	१६	सिंह	गण्डमूल समा. २२:१४ बजे, वक्री बुध (C)
३४	३३	७	गु.	४१	२२	२२	००	पूफा.	४१	५५	२२	१३	व्र. सि.	०३ ५८	२२ ५५	ग.	१२	३०	५:२७	७:१७	२७	३	६	१७	कन्या २८:०७	भद्रा २२:०० बजे।
३४	३३	८	शु.	३८	०२	२०	४०	उफा.	४०	२५	२१	३७	व्य.	५०	४७	वि.	०६	५२	५:२७	७:१७	२८	४	७	१८	कन्या	भद्रा ०६:२४ बजे तक, दुर्गाष्टमी, (D)
३४	३३	९	श.	३३	१५	१८	४६	ह.	३७	३०	२०	२८	वरि.	४६	३०	बा.	०५	४७	५:२८	७:१७	२९	५	८	१९	कन्या	
३४	३४	१०	र.	२७	१५	१६	२२	चि.	३३	२२	१८	४९	परि.	३८	४५	तै.	००	२२	५:२८	७:१७	३०	६	९	२०	तुला ०७:४२	भद्रा २७:०० बजे से, गुरु वक्री २०:३५ बजे,(E)
३४	३४	११	सो.	२०	१०	१३	३२	स्वा.	२८	१२	१६	४५	शि.	३०	१०	व.	२०	१०	५:२८	७:१८	३१	७	१०	२१	तुला	भद्रा १३:३२ बजे तक, सायन सूर्य कर्क में (F)
३४	३४	१२	मं.	१२	१५	१०	२२	वि.	२२	१५	१४	२२	सि.	२०	५७	बा.	१२	१५	५:२८	७:१८	रा.आ. १	८	११	२२	वृश्चिक ८:५९	शुक्र कर्क में १४:२२ बजे, सूर्य आर्द्रा में ०५:३८ बजे (G)
३४	३४	१३ १४	बु.	०३ ५५	५० १२	०७ २७	०० ३३	अनु.	१५	५०	११	४८	सा.	११	१७	तै.	०३	५०	५:२८	७:१८	२	९	१२	२३	वृश्चिक	भद्रा २७:३३ से, गण्डमूल प्रा. ११:४८ बजे।
३४	३३	१५	गु.	४६	४२	२४	१०	ज्ये.	०९	१५	०९	११	शुभ. शु.	०१ ५१	३० ५५	वि.	२०	५२	५:२९	७:१८	३	१०	१३	२४	धनु ९:११	भद्रा १३:५० बजे तक, (H)

(A) गण्डमूल प्रा. २०:३६ बजे, शुक्र पुनर्वसु से ०९:०८ बजे, विनायक चतुर्थी। (B) मिथुन संक्रान्ति पुण्यकाल मध्याह्न तक। (C) रोहिणी में २२:१० बजे, अरण्य षष्ठी, विन्ध्यवासिनी पूजा। (D) मेला क्षीर भवानी (काश्मीर), श्री धूमावती जयन्ती। (E) गंगा दशहरा, रामेश्वर प्रतिष्ठा, गंगावतरण। (F) ०६:०२ बजे, वर्षा ऋतु प्रा., गायत्री जयन्ती, निर्जला एकादशी व्रत, वर्ष का सबसे बड़ा दिन, अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस, सायन दक्षिणायन प्रा.। (G) बुध मार्गी २७:३० बजे, राष्ट्रिय आषाढ़ प्रा., व. बुध उदय २२:११ बजे, भौम प्रदोष व्रत। (H) पूर्णिमा व्रत, सत्यव्रत, वट सावित्री व्रत (दाक्षिणात्य), वट पूर्णिमा, कबीरदास जयन्ती, मन्वादि (वैवस्वत)।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०२	०५	०३	०१	१०	०२	०९	०१	०७
अं.	०२	०१	०९	२२	०८	२४	१८	१५	१५
क.	५२	१९	५०	४९	०१	४४	५०	४८	४८
वि.	५५	१६	२६	५४	१७	०६	४४	२७	२७
गति	५७ १७	८२७ ४३	३७ ०२	२१ व ५४	०० २४	७३ ००	०२ व २०	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	मृग. ३ च.	उफा. २ च.	पुष्य. २ च.	रोहि. ४ च.	शत. १ च.	पुन. २ च.	श्रव. ३ च.	रोहि. २ च.	अनु. ४ च.

१८ जून २०२१ ई., प्रातः ६:२७

मं. ४ | सू. शु. ३ | बु. रा. २ | ५ | १ | चं. ६ | १२ | ७ | ९ | ११ गु. | ८ के. | १० श.

ज्येष्ठ शु. ८, शुक्रवार

इस मास में पहले सूर्य-राहु की युति और बाद में बुध-राहु एवं मंगल से द्विर्द्वादश योग तथा शनि एवं केतु से षडष्टक योग होने के साथ ही पहले मंगल शनि का परस्पर षडष्टक योग और बाद में समसप्तक योग होने के कारण विश्व के अधिकतर भूभाग में प्राकृतिक प्रकोप, उग्रवाद, अग्निकाण्ड आन्तकवाद से जन जीवन अस्त-व्यस्त रहेगा। जम्मू-कश्मीर में आन्तकवादियों की घुसपैठ की घटनायें बढेंगी। चीन सीमा पर भी दोनों ओर से सैनिक गतिविधियाँ बढ़ेंगी।

२४ जून २०२१ ई., प्रातः ६:२७

मं. शु. ४ | सू. ३ | बु. रा. २ | ५ | १ | ६ | १२ | ७ | ९ | ११ गु. | ८ चं. के. | १० श.

ज्येष्ठ शु. १५, गुरुवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०२	०७	०३	०१	१०	०३	०९	०१	०७
अं.	०८	२८	१३	२२	०८	०२	१८	१५	१५
क.	३६	१८	३२	०१	००	०१	३५	२९	२९
वि.	२२	०३	४९	२३	४८	४५	०३	२३	२३
गति	५७ १२	८६४ ००	३७ ०६	०७ मा ३५	०० व ३३	७२ ५१	०२ व ४६	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	आर्द्रा. १ च.	ज्ये. ४ च.	पुष्य. ४ च.	रोहि. ४ च.	शत. १ च.	पुन. ४ च.	श्रव. ३ च.	रोहि. २ च.	अनु. ४ च.

वि. सं. २०७८, शाके १९४३, आषाढ़ कृष्ण पक्ष (दि. २५ जून से १० जुलाई २०२१ ई.), दक्षिणायण, उत्तर गोल, वर्षा ऋतु, के. अहर्गण ३७३३, अयनांश २४°/०९'/१०"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैण्डर्ड समय में)
३४	३३	१	शु.	३८	४५	२०	५९	मू. पूषा.	०२ ५६	५७ ५५	०६ २८	४० २५	ब्र.	४२	५०	बा.	१२	३७	५:२९	७:१८	रा.आ. ४	आषा. ११	जि. १४	जून. २५	धनु	गण्डमूल समा. ६:४० बजे, (A)
३४	३३	२	श.	३१	४५	१८	११	उषा.	५२	४७	२६	३६	ऐं.	३४	३२	तै.	०५	०७	५:२९	७:१८	५	१२	१५	२६	मकर ९:५५	भद्रा २८:५८ से।
३४	३२	३	र.	२६	०२	१५	५४	श्र.	४६	४०	२५	२१	वै.	२७	२०	वि.	२६	०२	५:२९	७:१९	६	१३	१६	२७	मकर	भद्रा १५:५४ बजे तक, (B)
३४	३२	४	सो.	२१	५५	१४	१६	धनि.	४८	१५	२४	४८	वि.	२१	२५	बा.	२१	५५	५:३०	७:१९	७	१४	१७	२८	कुम्भ १२:५९	पञ्चक प्रा. १२:५९ बजे, (C)
३४	३१	५	मं.	१९	४४	१३	२३	शत.	४८	५०	२५	०२	प्री.	१७	०२	तै.	१९	४४	५:३०	७:१९	८	१५	१८	२९	कुम्भ	भौम आश्लेषा में ०७:२८ बजे।
३४	३०	६	बु.	१९	३२	१३	१९	पूभा.	५१	२२	२६	०३	आयु.	१४	१७	व.	१९	३२	५:३०	७:१९	९	१६	१९	३०	मीन १९:४३	भद्रा १३:१९ से २५:३५ बजे तक।
३४	२९	७	गु.	२१	१७	१४	०२	उभा.	५५	४५	२७	४९	सौ.	१३	०७	ब.	२१	१७	५:३१	७:१९	१०	१७	२०	जुला. १	मीन	गण्डमूल प्रा. २७:४९ बजे, भानु सप्तमी,(D)
३४	२९	८	शु.	२४	५५	१५	२९	रे.	६०	००	-	-	शो.	१३	२२	कौ.	२४	५५	५:३१	७:१९	११	१८	२१	२	मीन	
३४	२८	९	श.	३०	००	१७	३१	रे.	०१	४५	०६	१३	अति.	१४	५२	ग.	३०	००	५:३१	७:१९	१२	१९	२२	३	मेष ६:१३	पञ्चक समा. ०६:१३ बजे।
३४	२६	१०	र.	३६	००	१९	५६	अश्वि.	०८	५२	०९	०५	सु.	१७	०७	व.	०२	५२	५:३२	७:१९	१३	२०	२३	४	मेष	भद्रा ६:४१ से १९:५६ बजे तक, (E)
३४	२५	११	सो.	४२	२७	२२	३१	भ.	१६	४०	१२	१२	धृ.	१९	५२	ब.	०९	१२	५:३२	७:१९	१४	२१	२४	५	वृष १८:५९	सूर्य पुनर्वसु में २९:१६ बजे, (F)
३४	२४	१२	मं.	४८	४५	२५	०३	कृ.	२४	२७	१५	२०	शू.	२२	३५	कौ.	१५	३७	५:३३	७:१९	१५	२२	२५	६	वृष	शुक्र आश्लेषा में ०८:१९ बजे।
२४	२३	१३	बु.	५४	३०	२७	२१	रो.	३१	५५	१८	१९	गं.	२५	०२	ग.	२१	४२	५:३३	७:१८	१६	२३	२६	७	वृष	भद्रा २७:२१ से, बुध मिथुन में ११:१३ बजे। (G)
३४	२१	१४	गु.	५९	१७	२९	१७	मृग.	३८	३०	२०	५८	वृ.	२६	५२	वि.	२७	००	५:३४	७:१८	१७	२४	२७	८	मिथुन ७:४१	भद्रा १६:२२ बजे तक, मास शिवरात्रि।
३४	२०	३०	शु.	६०	००	-	-	आ.	४४	१०	२३	१४	ध्रु.	२७	५५	चतु.	३१	१७	५:३४	७:१८	१८	२५	२८	९	मिथुन	अमावस्या श्राद्धादि।
३४	१८	३०	श.	०३	००	०६	४६	पुन.	४८	४०	२५	०२	व्या.	२८	०७	ना.	०३	००	५:३४	७:१८	१९	२६	२९	१०	कर्क १८:३७	शनैश्चरी अमावस्या।

(A) शुक्र पुष्य में ८:१४ बजे। (B) चन्द्रोदय २२:१० बजे। चतुर्थी व्रत। (C) बुध मृगशिरा में २४:३४ बजे। (D) कालाष्टमी। (E) गण्डमूल समा., ०९:०५ बजे। (F) योगिनी एकादशी व्रत (स.)।, (G) प्रदोष व्रत, रोहिणी व्रत।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०२	११	०३	०१	१०	०३	०९	०१	०७
अं.	१६	१८	१८	२५	०७	११	१८	१५	१५
क.	१३	००	२९	१५	४९	४३	०९	०३	०३
वि.	५७	३३	५८	१७	२५	५३	५९	५६	५६
गति	५७ १३	७२६ १५	३७ १२	४५ २२	०२ व ०५	७२ ३९	०३ व २२	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	आर्द्रा. ३ च.	रेव. १ च.	आश्ले. १ च.	मृग. १ च.	शत. १ च.	पुष्य. ३ च.	श्रव. ३ च.	रोहि. २ च.	अनु. ४ च.

२ जुलाई २०२१ ई., प्रातः ६:२७

मं.शु. ४
बु.रा. २
सू. ३
५
१
६
१२ चं.
७
९
११ गु.
८ के.
१० श.

आषाढ़ कृ. ८, शुक्रवार

इस मास में पाँच शनिवार हैं और कर्क की संक्रान्ति शुक्रवार को है अतः प्रजा में चोरी, डकेती, रोग, भय अशान्ति का वातावरण रहेगा। अन्नादि के भाव मन्दे रहेंगे। कृषक वर्ग चिन्तित रहेगा। शेयर बाजार में तेजी का रुख रहेगा। सोना चाँदी आदि धातुओं के भाव मन्दे रहेंगे।

१० जुलाई २०२१ ई., प्रातः ६:२७

५
सू.बु.चं. ३
मं. शु. ४
६
रा. २
७
१
के. ८
१० श.
१२
९
११ गु.

आषाढ़ कृ. ३०, शनिवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०२	०२	०३	०२	१०	०३	०९	०१	०७
अं.	२३	२३	२३	०३	०७	२१	१७	१४	१४
क.	५१	४२	२८	२२	२५	२४	४०	३८	३८
वि.	४१	२६	०४	१०	५८	२९	४८	३०	३०
गति	५७ १४	७४७ ३१	३७ २०	८० ०५	०३ व ३४	७२ ३७	०३ व ५०	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	पुन. २ च.	पुन. २ च.	आश्ले. ३ च.	मृग. ४ च.	शत. १ च.	आश्ले. २ च.	श्रव. ३ च.	रोहि. २ च.	अनु. ४ च.

वि. सं. २०७८, शाके १९४३, आषाढ़ शुक्ल पक्ष (दि. ११ जुलाई से २४ जुलाई २०२१ ई.), दक्षिणायण, उत्तर गोल, वर्षा ऋतु, के. अहर्गण ३७४६, अयनांश २४°/०९'/१३"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैण्डर्ड समय में)
३४	१७	१	र.	०५	३०	०७	४७	पु.	५१	५७	२६	२२	ह.	२७	२०	ब.	०५	३०	५:३५	७:१८	रा.आ. २०	आषा. २७	जि. ३०	जुला. ११	कर्क	गण्डमूल प्रा. २६:२२ बजे, (A)
३४	१५	२	सो.	०६	५२	०८	२०	आश्ले.	५४	०७	२७	१४	व.	२५	३७	कौ.	०६	५२	५:३५	७:१८	२१	२८	जि. १	१२	सिंह २७:१४	बुध आर्द्रा में १५:४४ बजे, मु. जिल्हेज प्रा.(B)
३४	१३	३	मं.	०७	००	०८	२४	म.	५५	१२	२७	४१	सि.	२३	००	ग.	०७	००	५:३६	७:१७	२२	२९	२	१३	सिंह	भद्रा २०:१७ से, गण्डमूल समा. २७:४१ बजे, (C)
३४	११	४	बु.	०६	०७	०८	०३	पूफा.	५५	१५	२७	४२	व्य.	१९	३२	वि.	०६	०७	५:३६	७:१७	२३	३०	३	१४	सिंह	भद्रा ०८:०३ बजे तक।
३४	०९	५	गु.	०४	०७	०७	१६	उफा.	५४	२०	२७	२१	वरि.	१५	१५	बा.	०४	०७	५:३७	७:१७	२४	३१	४	१५	कन्या ९:३९	
३४	०७	६ ७	शु.	०१ ५७	१२ २२	०६ २८	०६ ३४	ह.	५२	३०	२६	३७	परि.	१०	१२	तै.	०१	१२	५:३७	७:१६	२५	श्रा. १	५	१६	कन्या	भद्रा २८:३४ से, कर्क संक्रान्ति १६:५२ बजे।(D)
३४	०५	८	श.	५२	३७	२६	४१	चि.	४९	४५	२६	३२	शिव सि.	०४ ५७	२२ ५२	वि.	२५	०५	५:३८	७:१६	२६	२	६	१७	तुला १४:०७	भद्रा १५:४० बजे तक, शुक्र मघा, (E)
३४	०३	९	र.	४७	०७	२४	२९	स्वा.	४६	१५	२४	०८	सा.	५०	४५	बा.	१९	५७	५:३८	७:१६	२७	३	७	१८	तुला	भड्डली नवमी, गुप्त नवरात्र समा.।
३४	००	१०	सो.	४०	५२	२२	००	वि.	४२	००	२२	२७	शुभ.	४२	५७	तै.	१४	०५	५:३९	७:१५	२८	४	८	१९	वृश्चिक १६:५४	सूर्य पुष्य में २८:४४ बजे।
३३	५८	११	मं.	३४	०५	१९	१८	अनु.	३७	१०	२०	३२	शु.	३४	४५	व.	०७	३०	५:४०	७:१५	२९	५	९	२०	वृश्चिक	भद्रा ०८:४० से १९:१८ बजे तक, (F)
३३	५६	१२	बु.	२६	५७	१६	२७	ज्ये.	३२	०५	१८	३०	ब्र.	२६	१७	ब.	००	३२	५:४०	७:१४	३०	६	१०	२१	धनु १८:३०	वासुदेव द्वादशी, प्रदोष व्रत।
३३	५३	१३	गु.	१९	४०	१३	३३	मू.	२६	५०	१६	२५	ऐं.	१७	४०	तै.	१९	४०	५:४१	७:१४	३१	७	११	२२	धनु	गण्डमूल समा. १६:२५ बजे, सायन सूर्य सिंह में (G)
३३	५१	१४	शु.	१२	३७	१०	४४	पूषा.	२१	५२	१४	२६	वै.	०९	१५	व.	१२	३७	५:४१	७:१४	रा.श्रा. १	८	१२	२३	मकर १९:५८	भद्रा १०:४४ से २१:२३ बजे तक, (H)
३३	४८	१५	श.	०६	०२	०८	०७	उषा.	१७	२५	१२	४०	वि. प्रि.	०१ ५३	१० ५२	ब.	०६	०२	५:४२	७:१३	२	९	१३	२४	मकर	गुरु पूर्णिमा, व्यास पूर्णिमा, (I)

(A) गुप्त नवरात्रारम्भ, चन्द्र दर्शन। (B) श्री जगन्नाथ रथयात्रा, मनोरथ द्वितीया। (C) विनायक चतुर्थी। (D) कुसुम्बा षष्ठी, कुमार षष्ठी, शीतला सप्तमी, कर्क संक्रान्ति १६:५३ बजे, सं. पुण्यकाल सूर्योदय से १६:५३ तक। (E) सिंह में ६:२६ बजे, दुर्गाष्टमी, शीतलाष्टमी, अष्टाह्निक प्रा.। (F) गण्डमूल प्रा.२०:३२ बजे, भौम मघा, सिंह में १७:५५ बजे, बुध पुनर्वसु में ११:५६ बजे, वक्री गुरु धनिष्ठा में १०:२३ बजे, देवशयनी एकादशी व्रत (स.), चातुर्मास्यारम्भ (G) १६:५६ बजे। (H) राष्ट्रीय श्रावण प्रा., बुध अस्त १६:५८ बजे, पूर्णिमा व्रत, पवन परीक्षा। (I) अष्टाह्निक पर्व समा., सत्यव्रत, सन्यासियों का चातुर्मास्यारम्भ, कोकिला व्रत, जयापार्वती व्रत।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०३	०५	०३	०२	१०	०३	०९	०१	०७
अं.	००	२५	२७	१४	०६	२९	१७	१४	१४
क.	३२	३३	४९	०५	५६	५१	१२	१६	१६
वि.	२०	००	४४	०३	०७	०१	३६	१५	१५
गति	५७ १५	८४० ०३	३७ २६	१०६ २८	०४ व ४६	७२ १४	०४ व ०९	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	पुन. ४ च.	चित्रा. १ च.	आश्ले. ४ च.	आर्द्रा. ३ च.	शत. १ च.	आश्ले. ४ च.	श्रव. ३ च.	रोहि. २ च.	अनु. ४ च.

१७ जुलाई २०२१ ई., प्रातः ६:२७

५ | बु.३ | चं. ६ | सू.शु.मं. ४ | रा. २ | ७ | १ | के. ८ | १० श. | १२ | ९ | ११ गु.

आषाढ़ शु. ८, शनिवार

इस मास में सूर्य का मंगल-शुक्र एवं बुध-राहु से द्विर्द्वादश योग एवं केतु तथा शनि से षडष्टक योग और मंगल-शुक्र का शनि से समसप्तक योग होने के कारण पक्ष एवं विपक्ष में जोरदार नोंक झोंक होने की सम्भावना है। अग्निकाण्ड एवं प्राकृतिक आपदाओं से जन-धन की हानि होने की सम्भावना है।

२४ जुलाई २०२१ ई., प्रातः ६:२७

शु.मं. ५ | बु.३ | ६ | सू. ४ | रा. २ | ७ | १ | के. ८ | १० श. चं. | १२ | ९ | ११ गु.

आषाढ़ शु. १५, शनिवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०३	०९	०४	०२	१०	०४	०९	०१	०७
अं.	०७	०६	०२	२७	०६	०८	१६	१३	१३
क.	१३	१७	१२	२९	१८	१५	४२	५३	५३
वि.	०६	३०	०७	१७	२८	४९	४०	५९	५९
गति	५७ १७	८५२ ४३	३७ ३२	१२३ ३२	०५ व ४९	७१ ५७	०४ व २१	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	पुष्य. २ च.	उफा. ३ च.	मघा १ च.	पूफा. ३ च.	धनि. ४ च.	मघा ३ च.	श्रवण. ३ च.	रोहि. २ च.	अनु. ४ च.

वि. सं. २०७८, शाके १९४३, श्रावण कृष्ण पक्ष (दि. २५ जुलाई से ८ अगस्त २०२१ ई.), दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षा ऋतु, के. अहर्गण ३७६३, अयनांश २४°/०९'/१५"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैण्डर्ड समय में)
३३	४५	१ २	र.	०० ५५	२० ५५	०५ २८	५१ ०४	श्र.	१३	५७	११	१७	आयु.	४७	३०	कौ.	००	२०	५:४२	७:१३	रा.श्रा. ३	श्रा. १०	जि. १४	जु. २५	कुम्भ २२:४७	पञ्चक प्रा. २२:४७ बजे, (A)
३३	४३	३	सो.	५२	५७	२६	५५	धनि.	११	४७	१०	२६	सौ.	४२	१२	व.	२४	१२	५:४३	७:१२	४	११	१५	२६	कुम्भ	भद्रा १५:२४ से २६:५५ बजे तक, (B)
३३	४०	४	मं.	५१	५५	२६	२९	शत.	११	१७	१०	१४	शो.	३८	३७	ब.	२२	१२	५:४३	७:१२	५	१२	१६	२७	मीन २८:३३	चन्द्रोदय २१:५३ बजे (C)
३३	३७	५	बु.	५२	४२	२६	४९	पूभा.	१२	३२	१०	४५	अति.	३६	२२	कौ.	२२	०२	५:४४	७:११	६	१३	१७	२८	मीन	शुक्र पू.फा. में १२:०० बजे, (D)
३३	३४	६	गु.	५५	२५	२७	५५	उभा.	१५	४२	१२	०२	सु.	३५	४०	ग.	२३	४७	५:४५	७:११	७	१४	१८	२९	मीन	भद्रा २७:५५ से, गण्डमूल प्रा. १२:०२ बजे।
३३	३१	७	शु.	५९	५०	२९	४१	रे.	२०	४२	१४	०२	धृ.	३६	२२	वि.	२७	२५	५:४५	७:१०	८	१५	१९	३०	मेष १४:०२	भद्रा १६:४३ बजे तक, (E)
३३	२८	८	श.	६०	००	-	-	अश्वि	२७	०७	१६	३७	शू.	३८	०७	बा.	३२	३०	५:४६	७:०९	९	१६	२०	३१	मेष	गण्डमूल समा. १६:३७ बजे, कालाष्टमी।
३३	२५	८	र.	०५	२७	०७	५७	भ.	३४	३५	१९	३६	गं.	४०	३५	कौ.	०५	२७	५:४६	७:०९	१०	१७	२१	अग. १	वृष २६:२३	
३३	२२	९	सो.	११	४२	१०	२८	कृ.	४२	२०	२२	४३	वृ.	४३	१५	ग.	११	४२	५:४७	७:०८	११	१८	२२	२	वृष	भद्रा २३:४५ से, सूर्य आश्लेषा में २७:४२ बजे, (F)
३३	१९	१०	मं.	१८	०२	१३	००	रो.	४९	५२	२५	४४	ध्रु.	४५	४५	वि.	१८	०२	५:४७	७:०८	१२	१९	२३	३	वृष	मंगला गौरी व्रत, रोहिणी व्रत, (G)
३३	१६	११	बु.	२३	४५	१५	१८	मृग.	५६	३२	२८	२५	व्या.	४७	३५	बा.	२३	४५	५:४८	७:०६	१३	२०	२४	४	मिथुन १५:०७	कामिका एकादशी व्रत। (स.)
३३	१२	१२	गु.	२८	२२	१७	१०	आ.	६०	००	-	-	ह.	४८	३०	तै.	२८	२२	५:४९	७:०६	१४	२१	२५	५	मिथुन	प्रदोष व्रत।
३३	०९	१३	शु.	३१	४०	१८	२९	आ.	०२	००	०६	३७	व.	४८	२०	ग.	००	१०	५:४९	७:०५	१५	२२	२६	६	कर्क २५:५४	भद्रा १८:२९ से, मासशिवरात्रि।
३३	०६	१४	श.	३३	२५	१९	१२	पुन.	०६	०२	०८	१५	सि.	४६	५७	वि.	०२	४२	५:५०	७:०४	१६	२३	२७	७	कर्क	भद्रा ०६:५५ बजे तक।
३३	०२	३०	र.	३३	४५	१९	२०	पु.	०८	४२	०९	१९	व्य.	४४	२७	चतु.	०३	४५	५:५०	७:०३	१७	२४	२८	८	कर्क	गण्डमूल प्रा. ०९:१९ बजे, बुध मघा, (H)

(A) बुध कर्क में ११:४२ बजे, हिण्डोले प्रा. (व्रजमण्डल), अशून्य शयन व्रत (B) बुध पुष्य में २६:०१ बजे, श्रावण सोमवार व्रत। (C) चतुर्थी व्रत, मंगला गौरी व्रत। (D) नाग पञ्चमी (बंगाल, बिहार)। (E) पञ्चक समा. १४:०२ बजे, भानु सप्तमी, शीतला सप्तमी। (F) बुध आश्लेषा में १०:२३ बजे, श्रावण सोमवार व्रत। (G) भद्रा १३:०० बजे तक। (H) सिंह मे २५:३३ बजे, शुक्र उ.फा. में १६:१२ बजे, हरियाली अमावस्या।

प्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०३	००	०४	०३	१०	०४	०९	०१	०७
अं.	१४	२०	०७	१४	०५	१७	१६	१३	१३
क.	५१	११	१३	१४	२७	५०	०७	२८	२८
वि.	४५	०२	००	३१	२१	२३	१५	३३	३३
गति	५७ २४	७०९ ०९	३७ ४२	१२५ ०३	०६ व ४८	७१ ३८	०४ व २८	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	पुष्य. ४ च.	भर. ३ च.	मघा. ३ च.	पुष्य. ४ च.	धनि. ४ च.	पू.फा. २ च.	श्रव. २ च.	रोहि. २ च.	अनु. ४ च.

१ अगस्त २०२१ ई., प्रातः ६:२७

शु.मं. ५ | सू.बु. ४ | ३ | रा. २ | ६ | ७ | १ चं. | के. ८ | १० श. | १२ | ९ | ११ गु.

श्रावण कृ. ८, रविवार

इस मास में पाँच रविवार हैं और सिंह की संक्रान्ति सोमवार को है, अतः प्रजा में रोग के संक्रमण से अशान्ति एवं भय का वातावरण रहेगा। अनावृष्टि से कृषक वर्ग चिन्तित रहेगा। अन्न के भावों में घटाबढ़ी के बाद तेजी का रुख रहेगा। सुवर्ण, ताँबा आदि धातुओं के भाव तेज रहेंगे।

८ अगस्त २०२१ ई., प्रातः ६:२७

शु.मं. ५ | सू.बु.चं. ४ | ३ | रा. २ | ६ | ७ | १ | के. ८ | १० श. | १२ | ९ | ११ गु.

श्रावण कृ. ३०, रविवार

प्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०३	०३	०४	०३	१०	०४	०९	०१	०७
अं.	२१	१५	११	२८	०४	२६	१५	१३	१३
क.	३३	०७	३७	२७	३७	११	३६	०६	०६
वि.	५९	३७	२०	०६	०५	०१	०३	१८	१८
गति	५७ ३२	७८१ ०३	३७ ५१	११६ ३६	०७ व २६	७१ २१	०४ व २६	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	आश्ले. २ च.	पुष्य. ४ च.	मघा. ४ च.	आश्ले. ४ च.	धनि. ४ च.	पू.फा. ४ च.	श्रव. २ च.	रोहि. १ च.	अनु. ३ च.

वि. सं. २०७८, शाके १९४३, श्रावण शुक्ल पक्ष (दि. ९ अगस्त से २२ अगस्त २०२१ ई.), दक्षिणायण, उत्तर गोल, वर्षा/शरद् ऋतु, के. अहर्गण ३७७८, अयनांश २४°/०९'/१७"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैण्डर्ड समय में)
३२	५९	१	सो.	३२	४५	१८	५७	आश्ले.	०९	५७	०९	५०	वरि.	४०	५७	किं.	०३	२२	५:५१	७:०३	रा.श्रा. १८	श्रा. २५	जि. २९	अ. ९	सिंह ९:५०	चन्द्रदर्शन, श्रावण सोमवार व्रत।
३२	५६	२	मं.	३०	३७	१८	०६	म.	१०	०२	०९	५२	परि.	३६	३५	बा.	०१	४७	५:५१	७:०२	१९	२६	३०	१०	सिंह	गण्डमूल समा. ०९:५२ बजे, (A)
३२	५२	३	बु.	२७	३५	१६	५४	पूफा.	०९	१०	०९	३२	शि.	३१	२७	ग.	२७	३५	५:५२	७:०१	२०	२७	मु. १	११	कन्या १५:२३	भद्रा २८:११ से, शुक्र कन्या में ११:३२ बजे, (B)
३२	४९	४	गु.	२३	५०	१५	२५	उफा.	०७	२७	०८	५२	सि.	२५	४५	वि.	२३	५०	५:५३	७:००	२१	२८	२	१२	कन्या	भद्रा १५:२५ बजे तक। (C)
३२	४५	५	शु.	१९	३५	१३	४३	ह.	०५	१५	०७	५९	सा.	१९	४०	बा.	१९	३५	५:५३	६:५९	२२	२९	३	१३	तुला १९:२९	नाग पञ्चमी, ऋग्यजु हिरण्यकेशी श्रावणी उपाकर्म,(D)
३२	४१	६	श.	१४	५२	११	५१	चि. स्वा.	०२ ५९	३५ ३५	०६ २९	५६ ४४	शुभ.	१३	१२	तै.	१४	५२	५:५४	६:५८	२३	३०	४	१४	तुला	बुध उदय २०:१० बजे, वर्ण षष्ठी।
३२	३८	७	र.	०९	५५	०९	५२	वि.	५६	२०	२८	२६	शु. ब्र.	०६ ५९	३२ ३७	व.	०९	५५	५:५४	६:५७	२४	३१	५	१५	वृश्चिक २२:४६	भद्रा ०९:५२ से २०:४९ बजे तक, शीतला सप्तमी, (E)
३२	३४	८ ९	सो.	०४ ५९	३७ १०	०७ २९	४६ ३५	अनु.	५२	४७	२७	०२	ऐं.	५२	३०	ब.	०४	३७	५:५५	६:५७	२५	भाद्र. १	६	१६	वृश्चिक	गण्डमूल प्रा. २७:०२ बजे, सूर्य मघा में, (F)
३२	३०	१०	मं.	५३	३५	२७	२१	ज्ये.	४९	१०	२५	३५	वै.	४५	२०	तै.	२६	२२	५:५५	६:५६	२६	२	७	१७	धनु २५:३५	सिंह सं. पुण्यकाल, मध्याह्न तक, मंगला गौरी व्रत।
३२	२७	११	बु.	४७	५५	२५	०६	मू.	४५	२७	२४	०७	वि.	३८	०२	व.	२०	४२	५:५६	६:५५	२७	३	८	१८	धनु	भद्रा १४:१३ से २५:०६ बजे तक, (G)
३२	२३	१२	गु.	४२	२५	२२	५४	पूषा.	४१	५५	२२	४२	प्री.	३०	५२	ब.	१५	१०	५:५६	६:५४	२८	४	९	१९	मकर २८:२२	शुक्र हस्त में २२:२४ बजे। (H)
३२	१९	१३	शु.	३७	१२	२०	५०	उषा.	३८	३७	२१	२४	आ.	२३	५२	कौ.	०९	४५	५:५७	६:५३	२९	५	१०	२०	मकर	प्रदोष व्रत।
३२	१५	१४	श.	३२	४०	१९	०१	श्र.	३६	००	२०	२१	सौ.	१७	२२	ग.	०४	५०	५:५७	६:५२	३०	६	११	२१	मकर	भद्रा १९:०१ से, पूर्णिमा व्रत।
३२	११	१५	र.	२८	५५	१७	३२	धनि.	३४	१२	१९	३९	शो.	११	२७	वि.	००	३७	५:५८	६:५१	३१	७	१२	२२	कुम्भ ७:५८	भद्रा ०६:१३ बजे तक, पञ्चक प्रा. ०७:५७ बजे,(I)

(A) भौम पू.फा. में २३:३१ बजे, सिन्धारा, मंगला गौरी व्रत। (B) मंगल पश्चिम अस्त २७:१६ बजे तक, मु. मुहर्रम प्रा., हरियाली तीज, मधुश्रवा तृतीया, स्वर्णगौरी व्रत। (C) विनायक चतुर्थी, दूर्वा गणपति व्रत। (D) कल्कि जयन्ती (सायंकाल)। (E) भानु सप्तमी, तुलसीदास जयन्ती, स्वतन्त्रता दिवस। (F) सिंह संक्रान्ति २५:१७ बजे, बुध पू.फा. में ०६:४६ बजे। दुर्गाष्टमी, मेला श्री नयना देवी, मेला ज्वालाजी, मेला चिन्तपूर्णी, श्रावण सोमवार व्रत। (G) गण्डमूल समा., २४:०७ बजे।, पुत्रदा (पवित्रा) एकादशी व्रत (स्मा.+वै.)। (H) पुत्रदा एकादशी व्रत (निम्बार्क)। (I) सायन सूर्य कन्या में २७:०५ बजे, शरद् ऋतु प्रा., रक्षा बन्धन, सत्यव्रत, श्रावणी उपाकर्म, हयग्रीवावतार, अमरनाथ दर्शन, हिण्डोले समा. (व्रजमण्डल), संस्कृत दिवस।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०३	०७	०४	०४	१०	०५	०९	०१	०७
अं.	२९	०४	१६	१३	०३	०५	१५	१२	१२
क.	१४	३१	४०	१८	३५	४०	०१	४०	४०
वि.	४५	३१	४३	२५	३८	२३	१३	५२	५२
गति	५७ ४०	८४९ ३२	३८ ०१	१०४ ४३	०७ व ५०	७० ५५	०४ व १६	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	आश्ले. ४ च.	अनु. १ च.	पू.फा. २ च.	मघा. ४ च.	धनि. ४ च.	उ.फा. ३ च.	श्रव. २ च.	रोहि. १ च.	अनु. ३ च.

१६ अगस्त २०२१ ई., प्रातः ६:२७

शु. ६ | सू. ४ | बु. मं. ५ | ७ | ३ | चं. ८ के. | २ रा. | ९ | ११ गु. | १ | १० श. | १२

श्रावण शु. ८/९, सोमवार

इस मास के प्रारम्भ में सूर्य-बुध की युति उनका शनि से समसप्तक सम्बन्ध तथा गुरु से षडष्टक योग तथा अन्त में सूर्य-मंगल-बुध की युति उनका गुरु से समसप्तक सम्बन्ध तथा शनि से षडष्टक योग होने के कारण प्राकृतिक प्रकोप आन्तकवाद, उग्रवाद से जन-धन की हानि की सम्भावना है। सीमाप्रान्त में घुसपैठ एवं नक्सलग्रस्त क्षेत्रों में आन्तकवादी घटनायें बढ़ेंगी।

२२ अगस्त २०२१ ई., प्रातः ६:२७

शु. ६ | ४ | सू.बु.मं. ५ | ७ | ३ | के. ८ | २ रा. | ९ | ११ गु. | १ | १० श. चं. | १२

श्रावण शु. १५, रविवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०४	०९	०४	०४	१०	०५	०९	०१	०७
अं.	०५	२९	२०	२३	०२	१२	१४	१२	१२
क.	०१	०८	२९	२५	४८	४५	३६	२१	२१
वि.	०१	२३	०७	११	२८	०१	२१	४७	४७
गति	५७ ४७	८१७ ०६	३८ ०९	९६ १०	०७ व ५४	७० ३३	०४ व ०२	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	मघा. २ च.	धनि. २ च.	पू.फा. ३ च.	पू.फा. ४ च.	धनि. ३ च.	हस्त. १ च.	श्रवण. २ च.	रोहि. १ च.	अनु. ३ च.

वि. सं. २०७८, शाके १९४३, भाद्रपद कृष्ण पक्ष (दि. २३ अगस्त से ७ सितम्बर २०२१ ई.), दक्षिणायन, उत्तर गोल, शरद् ऋतु, के. अहर्गण ३७९२, अयनांश २४°/०९'/१९"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैण्डर्ड समय में)
३२	०८	१	सो.	२६	२२	१६	३१	शत.	३३	४०	१९	२६	अति.	०६	२७	कौ.	२६	२२	५:५८	६:५०	रा.भा. १	भाद्र. ८	मु. १३	अग. २३	कुम्भ	राष्ट्रीय भाद्र पद प्रा., अशून्य शयन व्रत।
३२	०४	२	मं.	२५	१५	१६	०५	पू.भा.	३४	३०	१९	४७	सु. धृ.	०२ ५९	३० ५०	ग.	२५	१५	५:५९	६:४९	२	९	१४	२४	मीन १३:३८	भद्रा २८:०७ से, बुध उ.फा. ०७:२६ बजे।
३२	००	३	बु.	२५	४७	१६	१९	उ.भा.	३७	००	२०	४८	शू.	५८	३०	वि.	२५	४७	६:००	६:४८	३	१०	१५	२५	मीन	भद्रा १६:१९ बजे तक, गण्डमूल प्रा. २०:४८ बजे, (A)
३१	५६	४	गु.	२८	०५	१७	१४	रे.	४१	१२	२२	२९	गं.	५८	३०	बा.	२८	०५	६:००	६:४७	४	११	१६	२६	मेष २२:२९	पञ्चक समा. २२:२९ बजे, (B)
३१	५२	५	शु.	३२	००	१८	४९	अश्वि.	४६	५५	२४	४७	वृ.	५९	४०	कौ.	३२	००	६:०१	६:४५	५	१२	१७	२७	मेष	गण्डमूल समा. २४:४७ बजे।
३१	४८	६	श.	३७	२०	२०	५७	भ.	५३	५५	२७	३५	ध्रु.	६०	००	ग.	०४	३२	६:०१	६:४४	६	१३	१८	२८	मेष	भद्रा २०:५७ बजे, बलराम जयन्ती, (C)
३१	४४	७	र.	४३	३०	२३	२६	कृ.	६०	००	-	-	ध्रु.	०१	४२	वि.	१०	१७	६:०२	६:४३	७	१४	१९	२९	वृष १०:२०	भद्रा १०:०९ बजे तक, शीतला सप्तमी, (D)
३१	४०	८	सो.	४९	५५	२६	००	कृ.	०१	३२	०६	३९	व्या.	०४	१७	बा.	१६	४२	६:०२	६:४२	८	१५	२०	३०	वृष	सूर्य पू.फा. में २१:२० बजे, (E)
३१	३६	९	मं.	५५	५२	२८	२४	रो.	०९	१२	०९	४४	ह.	०६	५२	तै.	२२	५७	६:०३	६:४१	९	१६	२१	३१	मिथुन २३:१२	भौम उ.फा. में २३:०९ बजे, (F)
३१	३२	१०	बु.	६०	००	-	-	मृ.	१६	१७	१२	३४	व.	०९	००	व.	२८	३०	६:०३	६:४०	१०	१७	२२	सि. १	मिथुन	भद्रा १७:२७ से।
३१	२८	१०	गु.	००	४५	०६	२२	आ.	२२	१२	१७	५७	सि.	१०	१०	वि.	००	४५	६:०४	६:३९	११	१८	२३	२	मिथुन	भद्रा ०६:२२ बजे तक, बुध हस्त में ०७:३१ बजे।
३१	२४	११	शु.	०४	१०	०७	४४	पुन.	२६	३५	१६	४२	व्य.	१०	१२	बा.	०४	१०	६:०४	६:३८	१२	१९	२४	३	कर्क १०:१९	अजा एकादशी व्रत (स.)।
३१	२०	१२	श.	०५	५०	०८	२५	पु.	२९	१०	१७	४५	वरि.	०८	५०	तै.	०५	५०	६:०५	६:३७	१३	२०	२५	४	कर्क	गण्डमूल प्रा. १७:४५ बजे, शनि प्रदोष व्रत।
३१	१६	१३	र.	०५	४२	०८	२२	आश्ले.	३०	०५	१८	०७	परि.	०६	०५	व.	०५	४२	६:०५	६:३५	१४	२१	२६	५	सिंह १८:०७	भद्रा ०८:२२ से २०:०५ बजे तक (G)
३१	११	१४	सो.	०३	५५	०७	३९	म.	२९	२५	१७	५१	शिव. सि.	०२ ५६	०० ४७	शकु.	०३	५५	६:०५	६:३४	१५	२२	२७	६	सिंह	गण्डमूल समा. १७:५१ बजे, (H)
३१	०७	३०	मं.	००	४०	०६	२२	पू.फा.	२७	२७	१७	०५	सा.	५०	३५	ना.	००	४०	६:०६	६:३३	१६	२३	२८	७	कन्या २२:४९	अमावस्या स्नानदानादि।

(A) चन्द्रोदय २०:००, कज्जली तृतीया, बहुला चतुर्थी, चतुर्थी व्रत। (B) बुध कन्या में ११:१९ बजे। (C) हल षष्ठी, चन्दन षष्ठी, चम्पा षष्ठी। (D) भानु सप्तमी। (E) चं.उ. २३:३० बजे, कालाष्टमी, श्री कृष्ण जयन्ती (निशीथ काल) श्री कृष्ण जन्माष्टमी व्रत, श्री महाकाली जयन्ती (निशीथ काल) (F) शुक्र चित्रा में ०७:१६ बजे, रोहिणी व्रत, गोगा नवमी, गोकुलोत्सव। (G) भौम कन्या में २७:५८ बजे, शुक्र तुला में २४:५० बजे, पर्यूषण पर्वारम्भ (जैन), मासशिवरात्रि, डाकिनी चतुर्दशी, शिक्षक दिवस। (H) अमावस्या श्राद्ध ादि, कुशोत्पाटिनी अमावस्या।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०४	०१	०४	०५	१०	०५	०९	०१	०७
अं.	१२	०९	२५	०५	०१	२२	१४	११	११
क.	४४	५४	३४	३५	४६	०७	०५	५६	५६
वि.	०२	१८	५८	३९	२५	३६	४१	२१	२१
गति	५८ ००	७०८ ३७	३८ २१	८५ ००	०७ व ३७	७० ०१	०३ व ३९	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	मघा ४ च.	कृत्ति. ४ च.	पू.फा. ४ च.	उ.फा. ४ च.	धनि. ३ च.	हस्त. ४ च.	श्रवण २ च.	रोहि. १ च.	अनु. ३ च.

३० अगस्त २०२१ ई., प्रातः ६:२७

बु. शु. ६ | सू. मं. ५ | ४ | ७ | ३ | के. ८ | २ चं.रा. | ९ | ११ गु. | १ | १० श. | १२

भाद्रपद कृ. ८, सोमवार

इस मास में पाँच सोमवार हैं, और कन्या की संक्रान्ति गुरुवार को है, अतः वर्षा समयानुकूल उत्तम होगी। कपूर, केसर, कस्तूरी, चन्दन आदि सुगन्धित द्रव्यों तथा रूई के भाव तेज रहेंगे। गेहूँ, जौ, चावल, मक्की, ज्वार, बाजरा, उड़द, मूँग, मसूर तथा सोना, चाँदी ताम्बा, जस्ता, लोहा आदि धातुओं के भाव मन्दे रहेंगे। तिल, सरसों, मूँगफली, अलसी के भावों में घटाबढ़ी का रुख रहेगा।

७ सितम्बर २०२१ ई., प्रातः ६:२७

बु. मं. ६ | शु. ७ | सू. चं. ५ | ४ | ३ | के. ८ | २ रा. | ९ | ११ गु. | १ | १० श. | १२

भाद्रपद कृ. ३०, मंगलवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०४	०४	०५	०५	१०	०६	०९	०१	०७
अं.	२०	२०	००	१६	००	०१	१३	११	११
क.	२८	३१	४२	१३	४७	२५	३८	३०	३०
वि.	५९	५२	३१	०४	५९	४८	४६	५५	५५
गति	५८ १५	८३४ ५८	३८ ३४	७२ १५	०७ व ०१	६९ २६	०३ व ०८	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	पू.फा. ३ च.	पू.फा. ३ च.	उ.फा. २ च.	हस्त. २ च.	धनि. ३ च.	चित्रा ३ च.	श्रव. २ च.	रोहि. १ च.	अनु. ३ च.

वि. सं. २०७८, शाके १९४३, भाद्रपद शुक्ल पक्ष (दि. ८ सितम्बर से २० सितम्बर २०२१ ई.), दक्षिणायण, उत्तर गोल, शरद् ऋतु, के. अहर्गण ३८०८, अयनांश २४°/०९'/२१"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैण्डर्ड समय में)
०	०	१	मं.	५६	१७	२८	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३१	०३	२	बु.	५१	१०	२६	३४	उ.फा.	२४	३२	१५	५५	शुभ	४३	४५	बा.	२३	५०	६:०६	६:३२	रा.भा. १७	भाद्र. २४	मु. २६	सि. ८	कन्या	चन्द्र दर्शन।
३०	५६	३	गु.	४५	३०	२४	१६	ह.	२१	००	१४	३१	शु.	३६	२५	तै.	१८	२०	६:०७	६:३१	१८	२५	स. १	९	तुला २५:४५	सामवेदियों का उपाकर्म, हरतालिका तीज, (A)
३०	५५	४	शु.	३९	३७	२१	५८	चि.	१७	०७	१२	५७	ब्र.	२८	५५	व.	१२	३५	६:०७	६:३०	१९	२६	२	१०	तुला	भद्रा ११:०९ से २१:५८ बजे तक, (B)
३०	५१	५	श.	३३	४२	१९	३७	स्वा.	१३	०५	११	२२	ऐं.	२१	२२	ब.	०६	३७	६:०८	६:२८	२०	२७	३	११	वृश्चिक २८:१३	शुक्र स्वाती में १९:१७ बजे, ऋषि पंचमी, (C)
३०	४६	६	र.	२८	०२	१७	२१	वि.	०९	१५	०९	५५	वै.	१३	५५	कौ.	००	५२	६:०८	६:२७	२१	२८	४	१२	वृश्चिक	स्कन्द षष्ठी, सूर्य षष्ठी, बलदेव छठ, (D)
३०	४२	७	सो.	२२	३५	१५	११	अनु.	०५	३५	०८	२३	वि. प्री.	०६ ५९	४० ४२	व.	२२	३५	६:०९	६:२६	२२	२९	५	१३	वृश्चिक	भद्रा १५:११ से २६:०९ बजे तक, (E)
३०	३८	८	मं.	१७	३२	१३	१०	ज्ये. मू.	०२ ५९	१७ २५	०७ २९	०४ ५५	आयु.	५३	०५	ब.	१७	३२	६:०९	६:२५	२३	३०	६	१४	धनु ७:०४	गण्डमूल समा. २९:५५ बजे, वक्री गुरु मकर में (F)
३०	३४	९	बु.	१२	५०	११	१८	पू.षा.	५६	५५	२८	५६	सौ.	४६	४५	कौ.	१२	५०	६:१०	६:२३	२४	३१	७	१५	धनु	श्री चन्द नवमी, अदुःख नवमी, मेला श्री रामदेव जी (राज.)।
३०	३०	१०	गु.	०८	३७	०९	३७	उ.षा.	५४	५५	२८	०८	शो.	४०	५२	ग.	०८	३७	६:१०	६:२२	२५	आश्वि. १	८	१६	मकर १०:४३	भद्रा २०:५१ से, कन्या संक्रान्ति २५:१३ बजे।
३०	२५	११	शु.	०४	५५	०८	०८	श्र.	५३	३५	२७	३९	अति.	३५	२२	वि.	०४	५५	६:११	६:२१	२६	२	९	१७	मकर	भद्रा ०८:०८ बजे तक। (G)
३०	२१	१२ १३	श.	०१ ५९	५० ३२	०६ ३०	५५ ००	धनि.	५२	५५	२७	२१	सु.	३०	३०	बा.	०१	५०	६:११	६:२०	२७	३	१०	१८	कुम्भ १५:२६	पञ्चक प्रा. १५:२६ बजे, श्री भुवनेश्वरी जयन्ती,(H)
३०	१७	१४	र.	५८	१२	२९	२९	शत.	५३	१०	२७	२८	धृति.	२६	१७	ग.	२८	४२	६:१२	६:१९	२८	४	११	१९	कुम्भ	भद्रा २९:२९ से, अनन्त चतुर्दशी, गणेश विसर्जन।
३०	१३	१५	सो.	५८	०२	२९	२५	पू.भा	५४	३५	२८	०२	शू.	२२	५७	वि.	२७	५७	६:१२	६:१७	२९	५	१२	२०	मीन २१:५१	भद्रा १७:२३ बजे, पूर्णिमा व्रत, सत्य व्रत, (I)

(A) अर्घ्यदान, वराह जयन्ती (अपराह्न काल), मु. सफ्फर प्रा. (B) चन्द्रास्त २०:५४ बजे, गणेश चतुर्थी व्रत, विनायक चतुर्थी (महाराष्ट्र), चन्द्र दर्शन निषेध, कलङ्क चतुर्थी, पत्थर चौथ, जैन संवत्सरी चतुर्थी पक्ष। (C) जैन संवत्सरी पंचमी पक्ष। (D) लोलार्क षष्ठी, ललिता षष्ठी, मेला देव छठ (व्रजमण्डल), स्वामी कार्तिकेय दर्शन। (E) गण्डमूल प्रा. ०८:२३ बजे, सूर्य उ.फा. में १५:०६ बजे, बुध चित्रा में १५:४६ बजे। (F) १४:२१ बजे, राधाष्टमी, दुर्गाष्टमी, दूर्वाष्टमी, महालक्ष्मी व्रतारम्भ, हिन्दी दिवस। (G) कन्या सं. पुण्यकाल मध्याह्न तक, पार्श्व परिवर्तिनी एकादशी व्रत (स.), वामन द्वादशी, वामन जयन्ती (मध्याह्न काल)। (H) शनि प्रदोष व्रत, ओणम। (I) पूर्णिमा श्राद्ध, प्रौष्ठपदी पूर्णिमा, महालयारम्भ।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०४	०७	०५	०५	१०	०६	०९	०१	०७
अं.	२७	२९	०५	२३	००	०९	१३	११	११
क.	१७	३८	१३	५५	०२	३०	१९	०८	०८
वि.	२०	०३	०३	५५	०१	०२	००	३९	३९
गति	५८ २७	८४७ ३९	३८ ४५	५६ ४५	०६ व १२	६८ ४८	०२ व ३५	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	उ.फा. १ च.	ज्ये. ४ च.	उ.फा. ३ च.	चित्रा. १ च.	धनि. ३ च.	स्वा. १ च.	श्रव. १ च.	रोहि. १ च.	अनु. ३ च.

१४ सितम्बर २०२१ ई., प्रातः ६:२७

शु. ७ — बु. मं. ६ — सू. ५ — ४ — चं. के. ८ — ९ — ३ — श. १० — १२ — २ रा. — ११ गु. — १

भाद्रपद शु. ८, मंगलवार

इस मास में सूर्य का केतु-गुरु-राहु से केन्द्रीय योग मंगल, बुध तथा शुक्र से द्विर्द्वादश योग तथा शनि से षडष्टक योग होने के कारण नक्सलवादी एवं आन्तकवादी घटनाओं में जन-धन हानि की सम्भावना है। कश्मीर में भी आन्तकवादी घटनायें बढ़ेंगी। सरकार एवं विपक्ष में नोक-झोंक बढ़ेगी। देश के पश्चिमी प्रान्तों में तूफान, अतिवृष्टि, बाढ़ आदि प्राकृतिक आपदाओं से जन-जीवन अस्त-व्यस्त रहेगा।

२० सितम्बर २०२१ ई., प्रातः ६:२७

शु. ७ — सू.बु.मं. ६ — ५ — ४ — के. ८ — ९ — ३ — गु. श. १० — १२ — २ रा. — ११ चं. — १

भाद्रपद शु. १५, सोमवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०५	१०	०५	०५	०९	०६	०९	०१	०७
अं.	०३	२१	०९	२८	२९	१६	१३	१०	१०
क.	०८	३८	०५	४९	२७	२१	०५	४९	४९
वि.	२४	००	५९	४०	४५	१५	१५	३५	३५
गति	५८ ३६	७७६ ५८	३८ ५५	३६ १८	०५ व २०	६८ ०९	०२ व ०४	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	उ.फा. २ च.	पू.भा. १ च.	उ.फा. ४ च.	चित्रा. २ च.	धनि. २ च.	स्वा. ३ च.	श्रव. १ च.	रोहि. १ च.	अनु. ३ च.

वि. सं. २०७८, शाके १९४३, आश्विन कृष्ण पक्ष (दि. २१ सितम्बर से ६ अक्टूबर २०२१ ई.), दक्षिणायण, उत्तर/दक्षिण गोल, शरद् ऋतु, के. अहर्गण ३८२१, अयनांश २४°/०९'/००"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैण्डर्ड समय में)
३०	०८	१	मं.	५६	०७	२६	५२	उ.भा.	५७	१२	२६	०६	गं.	२०	३०	बा.	२८	२२	६:१३	६:१६	रा.भा. ३०	आश्वि. ६	स. १३	सि. २१	मीन	गण्डमूल प्रा. २६:०६ बजे, भौम हस्त में १५:४५ बजे (A)
३०	०४	२	बु.	६०	००	-	-	रे.	६०	००	-	-	वृ.	१६	१०	तै.	३०	१५	६:१३	६:१५	३१	७	१४	२२	मीन	सायन सूर्य तुला में २४:५१ बजे, बुध तुला में ०८:१० बजे (B)
३०	००	२	गु.	०१	४०	०६	५४	रे.	०१	१५	०६	४४	ध्रु.	१८	५५	ग.	०१	४०	६:१४	६:१४	रा.आ. १	८	१५	२३	मेष ६:४४	भद्रा १६:३८ से पञ्चक समा. ०६:४४ (C)
२६	५६	३	शु.	०५	४०	०८	३०	अश्वि.	०६	४०	०८	५४	व्या.	१६	४५	वि.	०५	४०	६:१४	६:१३	२	९	१६	२४	मेष	भद्रा ०८:३० बजे से, गण्डमूल समा ८:५४ में, (D)
२६	५१	४	श.	१०	५२	१०	३६	भ.	१३	१५	११	३३	ह.	२१	२७	बा.	१०	५२	६:१५	६:११	३	१०	१७	२५	वृष १८:१६	पंचमी श्राद्ध।
२६	४७	५	र.	१७	०५	१३	०५	कृ.	२०	४५	१४	३३	व.	२३	५०	तै.	१७	०५	६:१५	६:१०	४	११	१८	२६	वृष	
२६	४३	६	सो.	२३	३७	१५	४३	रो.	२८	३२	१७	४१	सि.	२६	२७	व.	२३	३७	६:१६	६:०९	५	१२	१९	२७	वृष	भद्रा १५:४३ से २९:०२ बजे तक, (E)
२६	३९	७	मं.	३०	०२	१८	१७	मृग.	३६	१०	२०	४४	व्य.	२८	५५	ब.	३०	०२	६:१६	६:०८	६	१३	२०	२८	मिथुन ७:१४	वक्री बुध अस्त २१:४४ बजे, सप्तमी श्राद्ध, (F)
२६	३४	८	बु.	३५	३२	२०	३०	आ.	४२	५०	२३	२५	वरि.	३०	४२	बा.	०२	५५	६:१७	६:०६	७	१४	२१	२९	मिथुन	जीवितपुत्रिका व्रत, जीमूतवानव्रत, अष्टमी श्राद्ध।
२६	३०	९	गु.	३९	४०	२२	०९	पुन.	४८	१०	२५	३३	परि.	३१	२७	तै.	०७	४७	६:१७	६:०५	८	१५	२२	३०	कर्क १९:०५	सधवा नवमी, मातृ नवमी, नवमी श्राद्ध, (G)
२६	२६	१०	शु.	४१	५५	२३	०४	पु.	५१	३७	२६	५७	शि.	३०	५०	व.	११	००	६:१८	६:०४	९	१६	२३	अक्टू. १	कर्क	भद्रा १०:४२ से २३:०४ बजे तक, (H)
२६	२२	११	श.	४२	१२	२३	११	आश्ले.	५३	१२	२७	३५	सि.	२८	४०	ब.	१२	२०	६:१८	६:०३	१०	१७	२४	२	सिंह २७:३५	शुक्र वृश्चिक में ०९:४७ बजे, (I)
२६	१७	१२	र.	४०	२७	२२	३०	म.	५२	४७	२७	२६	सा.	२४	५२	कौ.	११	३२	६:१९	६:०२	११	१८	२५	३	सिंह	गण्डमूल समा. २७:२६ बजे, (J)
२६	१३	१३	सो.	३६	५७	२१	०६	पू.फा.	५०	४०	२६	३५	शुभ	१९	४०	ग.	०८	५५	६:१९	६:०१	१२	१९	२६	४	सिंह	भद्रा २१:०६ से, सोम प्रदोष व्रत, (K)
२६	०९	१४	मं.	३१	५०	१९	०४	उ.फा.	४७	०५	२५	१०	शु.	१३	०५	वि.	०४	३२	६:२०	५:५९	१३	२०	२७	५	कन्या ८:१७	भद्रा ०८:०९ बजे तक, शुक्र अनुराधा १०:०४ बजे, (L)
२६	०५	३०	बु.	२५	३७	१६	३५	ह.	४२	२७	२३	१९	ब्र. ऐं.	०५ ५७	३० ०७	ना.	२५	३७	६:२०	५:५८	१४	२१	२८	६	कन्या	अमावस्या श्राद्ध, सर्वपितृ अमावस्या, (M)

(A) प्रतिपदा श्राद्ध। (B) दक्षिण गोल प्रा. विषुव दिन, अशून्य शयन व्रत, शरत् सम्पात, द्वितीया श्राद्ध। (C) में ११:३८ बजे, राष्ट्रीय आश्विन प्रा., तृतीया का श्राद्ध। (D) चं.उ. २०:२१ बजे, चतुर्थी व्रत, चतुर्थी श्राद्ध, भरणी श्राद्ध। (E) बुध वक्री १०:४० बजे, सूर्य हस्त में ०६:४१ बजे, षष्ठी श्राद्ध, रोहिणी व्रत। (F) कालाष्टमी, महालक्ष्मी व्रत समा.। (G) अन्वष्टका श्राद्ध। (H) वक्री बुध कन्या में २७:०१ बजे, गण्डमूल प्रा. २६:५७, दशमी श्राद्ध। (I) इन्दिरा एकादशी व्रत (स.), गाँधी जयन्ती, श्री लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती, एकादशी श्राद्ध। (J) द्वादशी श्राद्ध, मघा श्राद्ध, सन्यासियों का श्राद्ध। (K) मास शिवरात्रि, त्रयोदशी श्राद्ध। (L) चतुर्दशी श्राद्ध, विष-शस्त्रादि से हतों का श्राद्ध। (M) सर्व पितृ विसर्जन, पितृ पक्ष समा., गजच्छाया योग।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०५	०२	०५	०६	०९	०६	०९	०१	०७
अं.	११	११	१४	०१	२८	२६	१२	१०	१०
क.	५७	२९	५७	०७	४६	३०	५०	२०	२०
वि.	०९	४४	२२	२९	५९	१०	३९	५८	५८
गति	५८ ५६	७२३ ३२	३९ १२	०९ व १४	०३ व ५१	६७ ००	०१ व १५	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	हस्त. १ च.	आर्द्रा २ च.	हस्त. २ च.	चित्रा. ३ च.	धनि. २ च.	विशा. २ च.	श्रव. १ च.	रोहि. १ च.	अनु. ३ च.

२६ सितम्बर २०२१ ई., प्रातः ६:२७

बु.शु. ७; सू.मं. ६; ५; के. ८; ४; ९; ३ चं.; गु. श. १०; १२; २ रा.; ११; १

आश्विन कृ. ८, बुधवार

इस मास में पाँच मंगलवार और पाँच बुधवार हैं और, तुला की संक्रान्ति रविवार को है, अतः प्रजा में परस्पर द्वेष, कलह, रक्त विकार आदि से अशान्ति का वातावरण रहेगा। वर्षा कहीं कम तो कहीं अतिवृष्टि होगी। लाल वस्तुओं तथा वनस्पति, घी, गुड़, शक्कर, चीनी के भाव तेज रहेंगे। गेहूँ, चना, चावल, उड़द, मूँग, मक्का, बाजरा आदि अन्न के भाव मन्दे रहेंगे।

६ अक्टूबर २०२१ ई., प्रातः ६:२७

७; सू.बु. मं.चं. ६; ५; शु. के. ८; ४; ९; ३; गु. श. १०; १२; २ रा.; ११; १

आश्विन कृ. ३०, बुधवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०५	०५	०५	०५	०९	०७	०९	०१	०७
अं.	१५	१३	१९	२६	२८	०४	१२	०९	०९
क.	५०	०९	३२	३५	२५	१६	४४	५८	५८
वि.	२८	३४	३०	२५	१६	०९	३८	४२	४२
गति	५९ १२	८७० ०८	३९ २६	५६ व ४५	०२ व ३२	६५ ५७	०० ३४	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	हस्त. ३ च.	हस्त. १ च.	हस्त. ३ च.	चित्रा. १ च.	धनि. २ च.	अनु. १ च.	श्रव. १ च.	कृत्ति. ४ च.	अनु. २ च.

वि. सं. २०७८, शाके १९४३, आश्विन शुक्ल पक्ष (दि. ७ अक्टूबर से २० अक्टूबर २०२१ ई.), दक्षिणायण, दक्षिण गोल, शरद् ऋतु, के. अहर्गण ३८३७, अयनांश २४°/०९'/२४"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैण्डर्ड समय में)
२६	००	१	गु.	१८	३५	१३	४७	चि.	३७	१०	२१	१३	वै.	४८	१५	ब.	१८	३५	६:२१	५:५७	रा.भा. १५	आश्वि. २२	स. २६	अक्टू. ७	तुला १०:१७	चन्द्रदर्शन, मातामह श्राद्ध, शारदीय नवरात्र प्रा.,(A)
२८	५६	२	शु.	११	१०	१०	४६	स्वा.	३१	३५	१८	५६	वि.	३६	१५	कौ.	११	१०	६:२१	५:५६	१६	२३	र. १	८	तुला	वक्री बुध हस्त में २७:३४ बजे, मु. रवि-उल्लाबल प्रा.।
२८	५२	३ ४	श.	०३ ५६	३७ २५	०७ २८	४६ ५६	वि.	२६	०२	१६	४७	प्री.	३०	१७	ग.	०३	३७	६:२२	५:५५	१७	२४	२	९	वृश्चिक ११:१९	भद्रा १८:२१ से २८:५६ बजे तक। (B)
२८	४८	५	र.	४९	४२	२६	१५	अ.	२०	५५	१४	४४	आ.	२१	४२	ब.	२२	५७	६:२२	५:५४	१८	२५	३	१०	वृश्चिक	गण्डमूल प्रा. १४:४४ बजे, सूर्य चित्रा में (C)
२८	४३	६	सो.	४३	४०	२३	५१	ज्ये.	१६	२०	१२	५५	सौ.	१३	३२	कौ.	१६	३२	६:२३	५:५३	१९	२६	४	११	धनु १२:५५	भौम चित्रा में२४:३८ बजे, शनि मार्गी ०७:४७ बजे,(D)
२८	३९	७	मं.	३८	३०	२१	४८	मू.	१२	३५	११	२६	शो. अति.	०६ ५९	०५ २२	ग.	१०	५७	६:२४	५:५१	२०	२७	५	१२	धनु	भद्रा २१:४८ से, गण्डमूल समा. ११:२६ बजे, (E)
२८	३५	८	बु.	३४	२०	२०	०८	पू.षा.	०९	४७	१०	१९	सु.	५३	२७	वि.	०६	१७	६:२४	५:५०	२१	२८	६	१३	मकर १६:०५	भद्रा ०८:५५ बजे तक, दुर्गाष्टमी, (F)
२८	३१	९	गु.	३१	१०	१८	५३	उ.षा.	०७	५५	०९	३५	धृ.	४८	१७	बा.	०२	३५	६:२५	५:४९	२२	२९	७	१४	मकर	सरस्वती बलिदान, महानवमी, नवमी व्रत, (G)
२८	२७	१०	शु.	२६	०२	१८	०२	श्र.	०७	०७	०९	१६	शू.	४४	०२	तै.	००	०२	६:२५	५:४८	२३	३०	८	१५	कुम्भ २१:१५	भद्रा २९:४७ से, पञ्चक प्रा. २१:१६ बजे, (H)
२८	२३	११	श.	२८	००	१७	३८	ध.	०७	२०	०९	२२	गं.	४०	३५	वि.	२८	००	६:२६	५:४७	२४	३१	९	१६	कुम्भ	भद्रा १७:३८ बजे तक, पापांकुशा एकादशी व्रत (स.),(I)
२८	१९	१२	र.	२८	०२	१७	३६	श.	०८	३२	०९	५२	वृ.	३७	५७	बा.	२८	०२	६:२७	५:४६	२५	का. १	१०	१७	मीन २८:३३	तुला संक्रान्ति १३:१२ बजे, शुक्र ज्येष्ठा में (J)
२८	१४	१३	सो.	२६	१२	१८	०८	पू.भा.	१०	५५	१०	४६	ध्रु.	३६	१७	तै.	२६	१२	६:२७	५:४५	२६	२	११	१८	मीन	बुध मार्गी २०:४७ बजे, गुरु मार्गी ११:०० बजे।
२८	१०	१४	मं.	३१	२७	१९	०३	उ.भा.	१४	२०	१२	१२	व्या.	३५	२५	ग.	००	१०	६:२८	५:४४	२७	३	१२	१९	मेष १४:०१	भद्रा १९:०३ से, गण्डमूल प्रा.१२:१२ बजे। (K)
२८	०६	१५	बु.	३४	५७	२०	२७	रे.	१८	५५	१४	०२	ह.	३५	२७	वि.	०३	०२	६:२८	५:४३	२८	४	१३	२०	मेष	भद्रा ०७:४१ बजे तक, पञ्चक समा.१४:०२ बजे,(L)

(A) घटस्थापन, महाराजा अग्रसेन जयन्ती। (B) विनायक चतुर्थी। (C) १९:३७ बजे, उपांग ललिता व्रत, ललिता पञ्चमी। (D) सरस्वती आवाहन, पत्रिका प्रवेश। बिल्वाभिमन्त्रण (ज्येष्ठा नक्षत्र में)। (E) महानिशीथ पूजन। (F) महाष्टमी, औली जैन प्रा., सन्धि पूजा। (G) त्रिशूलिनी पूजा, (H) बुध (वक्री) उदय १२:४२ बजे, अपराजिता पूजा, विजयादशमी, सरस्वती विसर्जन, विद्यापीठ स्थापना दिवस, नवरात्र पारणा, शमी पूजा, शस्त्र पूजा, दशहरा, सीमोल्लंघन। (I) मेला भरत मिलाप, मध्वाचार्य जयन्ती। (J) १७:२५ बजे, पद्मनाभ द्वादशी, प्रदोष व्रत, तुला सं. पुण्यकाल ९/१२ बजे से १७/१२ बजे तक। (K) कोजागरा व्रत, रास महोत्सव, लक्ष्मी पूजन, कोजागरी पूर्णिमा।, (L) पूर्णिमा व्रत, सत्यव्रत, बाल्मीकि जयन्ती, मीराबाई जयन्ती, औली जैन समा. कार्तिक स्नान प्रा., शरत् पूर्णिमा।

१३ अक्टूबर २०२१ ई., प्रातः ६:२७

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०५	०८	०५	०५	०९	०७	०९	०१	०७
अं.	२५	२४	२४	१८	२८	११	१२	०९	०९
क.	४५	२५	०९	४६	१३	५३	४३	३६	३६
वि.	२८	५४	१४	०४	०३	५४	३०	२७	२७
गति	५९ ५४	८१७ ११	३८ ३९	५२ ३६	०० व ५६	६४ ३६	०० १५	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	चित्रा १ च.	पू.भा. ४ च.	चित्रा. १ च.	हस्त. ३ च.	धनि. २ च.	अनु. ३ च.	श्रव. १ च.	कृत्ति. ४ च.	अनु. २ च.

कुण्डली (आश्विन शु. ८, बुधवार): ७; सू.बु.मं. ६; ५; ४; के. ८ शु.; ३; चं. ९; गु. श. १०; १२; रा. २; ११; १

आश्विन शु. ८, बुधवार

इस मास के आदि में सूर्य-मंगल की युति तथा बुध-शुक्र से द्विर्द्वादश तथा मासान्त में सूर्य का केतु-शुक्र और मंगल बुध से द्विर्द्वादश तथा गुरु शनि से केन्द्रीय योग होने के कारण उग्रवाद, अग्निकाण्ड, बम विस्फोट व प्राकृतिक प्रकोप आदि से जन-धन की हानि होगी। सीमाप्रान्तों में सैनिक गतिविधियाँ बढ़ेगी। पक्ष एवं विपक्ष में परस्पर राजनैतिक विद्वेष बढ़ेगा। विश्व में कहीं तख्ता-पलट की भी सम्भावना है।

२० अक्टूबर २०२१ ई., प्रातः ६:२७

कुण्डली (आश्विन शु. १५, बुधवार): के.शु. ८; सू. ७; बु.मं. ६; ९; ५; श. गु. १०; ४; १; ११; ३; १२ चं.; २ रा.

आश्विन शु. १५, बुधवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०६	११	०५	०५	०९	०७	०९	०१	०७
अं.	०२	२६	२८	१६	२८	१९	१२	०९	०९
क.	४१	०६	४७	०८	१०	२१	४७	१४	१४
वि.	५५	४२	३२	५६	४०	०३	२०	१२	१२
गति	५९ ३७	७३५ १४	३९ ५३	२० मा २४	०० २८	६२ ५२	०० ५७	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	चित्रा. ३ च.	रे. ३ च.	स्वा. २ च.	ह. २ च.	धनि. २ च.	ज्ये. १ च.	श्रव. १ च.	कृत्ति. ४ च.	अनु. २ च.

वि. सं. २०७८, शाके १९४३, कार्तिक कृष्ण पक्ष (दि. २१ अक्टूबर से ०४ नवम्बर २०२१ ई.), दक्षिणायन, दक्षिण गोल, शरद्/हेमन्त ऋतु, के. अहर्गण ३८५१, अयनांश २४°/०९'/२५"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैण्डर्ड समय में)
२८	०२	१	गु.	३९	२७	२२	१६	अ.	२४	३०	१६	१७	व.	३६	१७	बा.	०७	०२	६:२९	५:४२	रा.आ. २९	का. ५	र. १४	अक्टू. २१	मेष	गण्डमूल समा. १६:१७ बजे, भौम तुला में २६:०२ बजे।
२७	५८	२	शु.	४५	००	२४	३०	भ.	३१	०५	१८	५६	सि.	३७	५२	तै.	१२	०५	६:३०	५:४१	३०	६	१५	२२	वृष २५:३८	
२७	५४	३	श.	५१	२०	२७	०२	कृ.	३८	२७	२१	५३	व्य.	४०	०५	व.	१८	०५	६:३०	५:४०	रा.क्र. १	७	१६	२३	वृष	भद्रा १३:४४ से २७:०२ बजे तक, सायन (A)
२७	५०	४	र.	५८	०५	२९	४४	रो.	४६	१५	२५	०१	व.	४२	३५	ब.	२४	३७	६:३१	५:३९	२	८	१७	२४	वृष	च. उ. २०:०० बजे, रोहिणी व्रत, (B)
२७	४६	५	सो.	६०	००	-	-	मृ.	५३	३५	२८	१०	प.	४५	१०	कौ.	३१	२२	६:३२	५:३८	३	९	१८	२५	मिथुन १४:३७	
२७	४२	५	मं.	०४	४०	०८	२४	आ.	६०	००	-	-	शि.	४७	२७	तै.	०४	४०	६:३२	५:३७	४	१०	१९	२६	मिथुन	स्कन्द षष्ठी।
२७	३८	६	बु.	१०	४५	१०	५१	आ.	०१	२७	०७	०८	सि.	४८	५७	व.	१०	४५	६:३३	५:३७	५	११	२०	२७	कर्क २७:०६	भद्रा १०:५१ से २३:५४ बजे तक।
२७	३४	७	गु.	१५	३७	१२	४९	पुन.	०७	४७	०९	४०	सा.	४९	२५	ब.	१५	३७	६:३४	५:३६	६	१२	२१	२८	कर्क	बुध चित्रा में १७:०१ बजे, अहोई अष्टमी, (C)
२७	३०	८	शु.	१८	५७	१४	१०	पु.	१२	३७	११	३८	शुभ	४८	२७	कौ.	१८	५७	६:३५	५:३५	७	१३	२२	२९	कर्क	गण्डमूल प्रा. ११:३८ बजे।
२७	२७	९	श.	२०	२२	१४	४४	आश्ले.	१५	४०	१२	५१	शु.	४६	००	ग.	२०	२२	६:३५	५:३४	८	१४	२३	३०	सिंह १२:५१	भद्रा २६:४२ से, शुक्र मूल, धनु राशि में १६:११ बजे।
२७	२३	१०	र.	१९	३७	१४	२७	म.	१६	४०	१३	१६	ब्र.	४१	५०	वि.	१९	३७	६:३६	५:३३	९	१५	२४	३१	सिंह	भद्रा १४:२७ बजे तक, गण्डमूल समा (D)
२७	१९	११	सो.	१६	५२	१३	२२	पू.फा.	१५	३७	१२	५२	ऐं.	३६	०७	बा.	१६	५२	६:३७	५:३२	१०	१६	२५	नव. १	कन्या १८:३९	रमा एकादशी व्रत (स.), गोवत्स द्वादशी।
२७	१५	१२	मं.	१२	१५	११	३१	उ.फा.	१२	३७	११	४४	वै.	२९	००	तै.	१२	१५	६:३७	५:३२	११	१७	२६	२	कन्या	बुध तुला में ०९:५४ बजे, (E)
२७	११	१३ १४	बु.	०६ ५८	०२ ३२	०९ ३०	०२ ०३	ह.	०८	२०	०९	५७	वि.	२०	३५	व.	०६	०२	६:३८	५:३१	१२	१८	२७	३	तुला २०:५३	भद्रा ०९:०२ से १९:३६ बजे तक, (F)
२७	०८	३०	गु.	५०	१२	२९	४४	चि. स्वा.	०२ ५६	३७ १०	०७ २९	४२ ०७	प्री.	११	१५	च.	१६	५७	६:३९	५:३०	१३	१९	२८	४	तुला	अमावस्या, दीपावली, महालक्ष्मी पूजन, (G)

(A) सूर्य वृश्चिक में १०:२१ बजे, सूर्य स्वाती में ३०:१२ बजे, हेमन्त ऋतु प्रा., राष्ट्रीय कार्तिक प्रा.। (B) चतुर्थी व्रत, करवा चौथ, करक चतुर्थी। (C) कालाष्टमी, राधा कुण्ड स्नान रात्रि समाप्ति पर अरूणोदय में। (D) १३:१६ बजे, भौम स्वाती में २५:१८ बजे। (E) भौम प्रदोष व्रत, धनतेरस, धनवन्तरि जयन्ती, यम दीपदान।, (F) मासशिवरात्रि, हनुमज्जयन्ती, नरक चतुर्दशी, रूप चौदस, यमदीप दान। (G) केदारगौरी व्रत, कमला जयन्ती (प्रदोषकाल), महावीर निर्वाण दिवस, दयानन्द निर्वाण दिवस, शंकराचार्य निर्वाण दिवस, श्री महा. काली पूजा, उल्का भ्रमण, विद्यापीठ संस्थापक कुलपति डॉ. मण्डन मिश्र निर्वाण दिवस।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०६	०३	०६	०५	०९	०७	०९	०१	०७
अं.	११	१३	०४	२४	२८	२८	१२	०८	०८
क.	३९	५८	२७	०३	२२	३५	५९	४५	४५
वि.	४५	२४	५२	५९	०३	५०	२७	३५	३५
गति	५९ ५६	७५६ ००	४० १३	८१ २८	०२ १५	५९ ५८	०१ ५१	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	स्वाति. २च.	पु. ४च.	चित्रा ४च.	चित्रा १च.	धनि. २च.	ज्ये. ४च.	श्रव. १च.	कृत्ति. ४च.	अनु. २च.

२६ अक्टूबर २०२१ ई., प्रातः ६:२७

के.शु. ८ | बु. ६ | सू.मं. ७ | ९ | ५ | गु. श. १० | ४ चं. | ११ | १ | ३ | १२ | २ रा.

कार्तिक कृ. ८, शुक्रवार

इस मास में पाँच गुरुवार और पाँच शुक्रवार हैं और वृश्चिक की संक्रान्ति मंगलवार को है, अतः गेहूँ, जौ, चना, मटर, अरहर, मसूर, उड़द, गुड़, खाण्ड शक्कर, मिर्च के भाव मन्दे रहेंगे। शेयर बाजार में घटाबढ़ी के बाद गिरावट का रुख रहेगा।

४ नवम्बर २०२१ ई., प्रातः ६:२७

के. ८ | शु. ९ | सू.मं.चं. बु. ७ | ६ | ५ | गु. श. १० | ४ | ११ | १ | ३ | १२ | २ रा.

कार्तिक कृ. ३०, गुरुवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०६	०६	०६	०६	०९	०८	०९	०१	०७
अं.	१७	०५	०८	०२	२८	०४	१३	०८	०८
क.	३९	५३	४९	५१	३८	२९	११	२६	२६
वि.	५५	२६	४६	०६	३२	४५	५९	३०	३०
गति	६० ०८	८९६ २४	४० २६	९३ ५८	०३ २५	५८ ३०	०२ २५	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	स्वा. ४च.	चित्रा ४च.	स्वा. १च.	चित्रा ३च.	धनि. २च.	मूल २च.	श्रव. १च.	कृत्ति. ४च.	अनु. २च.

वि. सं. २०७८, शाके १९४३, कार्तिक शुक्ल पक्ष (दि. ०५ नवम्बर से १९ नवम्बर २०२१ ई.), दक्षिणायण, दक्षिण गोल, हेमंत ऋतु, के. अहर्गण ३८६६, अयनांश २४°/०९'/२७"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैण्डर्ड समय में)
२७	०४	१	शु.	४१	२७	२३	१५	वि.	४९	१५	२६	२२	आ. सौ.	०१ ५१	२० ०७	किं.	१५	५०	६:४०	५:२६	रा.का. १४	का. २०	र. २९	नवम्बर ५	वशिचक २१:०४	गोवर्धन पूजा, अन्नकूट, विश्वकर्मा पूजा, गो पूजा।
२७	००	२	श.	३२	४०	१९	४४	अ.	४२	२५	२३	३८	शो.	४०	५७	बा.	०७	०२	६:४०	५:२६	१५	२१	३०	६	वृश्चिक	गण्डमूल प्रा. २३:३८ बजे, सूर्य विशाखा में (A)
२६	५७	३	र.	२४	१२	१६	२२	ज्ये.	३५	५७	२१	०४	अ.	३१	०७	ग.	२४	१२	६:४१	५:२८	१६	२२	रुं १	७	धनु २१:०४	भद्रा २६:४७ बजे।
२६	५३	४	सो.	१६	०२	१३	१७	मू.	३०	२०	१८	४६	सु.	२१	५०	वि.	१६	०२	६:४२	५:२८	१७	२३	२	८	धनु	भद्रा १३:१७ बजे तक, गण्डमूल समा.१८:४६ बजे, (B)
२६	५०	५	मं.	०९	४२	१०	३६	पू.षा.	२५	४०	१६	५९	धृ.	१३	२७	बा.	०९	४२	६:४३	५:२७	१८	२४	३	९	मकर २२:३७	लाभ पञ्चमी, ज्ञान पञ्चमी, पाण्डव पञ्चमी, (C)
२६	४६	६	बु.	०४	१२	०८	२५	उ.षा.	२२	२२	१५	४१	शू.	०६	०५	तै.	०४	१२	६:४४	५:२६	१९	२५	४	१०	मकर	छठ पूजा, सूर्य षष्ठी, प्रतिहार षष्ठी व्रत, (D)
२६	४३	७ ८	गु.	०० ५७	१५ ५०	०६ २९	५० ५२	श्र.	२०	३७	१४	५९	गं. वृ.	०० ५४	०५ ५७	व.	००	१५	६:४४	५:२६	२०	२६	५	११	कुम्भ २६:५१	भद्रा ०६:५० से १८:१६ बजे तक, पञ्चक (E)
२६	४०	९	शु.	५६	५५	२९	३१	ध.	२०	२०	१४	५३	ध्रु.	५१	१५	बा.	२७	१०	६:४५	५:२५	२१	२७	६	१२	कुम्भ	बुध अस्त ११:०६ बजे, अक्षय नवमी, (F)
२६	३६	१०	श.	५७	३५	२९	४८	श.	२१	३५	१५	२४	व्या.	४८	४५	तै.	२८	३०	६:४६	५:२५	२२	२८	७	१३	कुम्भ	शुक्र पू.षा. में २०:५० बजे, मेला कंस (मथुरा)।
२६	३३	११	र.	५९	४२	३०	४०	पू.भा.	२४	२०	१६	३१	ह.	४७	२२	व.	२८	२७	६:४७	५:२४	२३	२९	८	१४	मीन १०:११	भद्रा १८:१० से ३०:४० बजे तक, बुध विशाखा (G)
२६	३०	१२	सो.	६०	००	-	-	उ.भा.	२८	२२	१८	०९	व.	४६	४७	ब.	३१	१२	६:४८	५:२४	२४	३०	९	१५	मीन	गण्डमूल प्रा. १८:०९ बजे, (H)
२६	२७	१२	मं.	०३	०२	०८	०२	रे.	३३	३२	२०	१४	सि.	४७	२२	बा.	०३	०२	६:४९	५:२३	२५	मार्ग १	१०	१६	मेष २०:१४	पञ्चक समा. २०:१४ बजे, वृश्चिक संक्रान्ति (I)
२६	२४	१३	बु.	०७	३०	०९	५०	अ.	३९	४२	२२	४३	व्य.	४८	३२	तै.	०७	३०	६:५०	५:२३	२६	२	११	१७	मेष	गण्डमूल समा. २२:४३ बजे, वैकुण्ठ चतुर्दशी।
२६	२१	१४	गु.	१२	५५	१२	०१	भ.	४६	३५	२५	२९	व.	५०	१७	व.	१२	५५	६:५१	५:२२	२७	३	१२	१८	मेष	भद्रा १२:०१ से २५:१२ बजे तक, (J)
२६	१८	१५	शु.	१८	५७	१४	२७	कृ.	५४	०२	२८	२९	प.	५२	५७	ब.	१८	५७	६:५२	५:२२	२८	४	१३	१९	वृष ०८:१३	सूर्य अनुराधा में २०:२४ बजे, भौम पूर्व में (K)

(A) १४:१९ बजे, बुध स्वाती में १९:३१ बजे, चन्द्रदर्शन, भ्रातृ द्वितीया, यम द्वितीया, चित्र गुप्त पूजन, यमुना स्नान (मथुरा)। (B) विनायक चतुर्थी। (C) सायंकालीन सूर्य अर्घ्यदान। (D) प्रातः कालीन सूर्य को अर्घ्य दान। (E) प्रा. २६:५१ बजे, अष्टाह्निक पर्व प्रा., गोपाष्टमी, दुर्गाष्टमी, मेला गोचारण (मथुरा), औली जैन. प्रा.। (F) सत्य युगादि, कूष्माण्ड नवमी, मथुरा परिक्रमा। (G) में २३:११ बजे, प्रबोधिनी/देवोत्थान एकादशी व्रत (स्मा.), तुलसी विवाह, कालिदास जयन्ती, भीष्मपंचक प्रा., चातुर्मास्य समा. (सन्यासी), बाल दिवस। (H) देवोत्थान/प्रबोधिनी एकादशी व्रत (वैष्णव एवं निम्बार्क), मन्वादि। (I) १३:०३ बजे, भौम प्रदोष व्रत, सं. पुण्यकाल सूर्योदय से १३:०३ बजे तक। (J) मणिकर्णिका स्नान, काशी विश्वनाथ स्थापना दिवस, पूर्णिमा व्रत, देव दीपावली। (K) उदय ३०:१८ बजे, खण्डग्रास चन्द्रग्रहण, सत्यव्रत, भीष्म पंचक समा., पुष्कर स्नान, गुरु नानक जयन्ती, मेला गढ़गंगा (मुक्तेश्वर), मेला हरिहर क्षेत्र, औली जैन समा., कार्तिक स्नान समा., मन्वादि।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०६	०९	०६	०६	०९	०८	०९	०१	०७
अं.	२४	१८	१३	१४	२९	११	१३	०८	०८
क.	४१	२९	३३	०१	०६	०१	३०	०४	०४
वि.	३१	३०	३९	४७	३०	३८	५७	१५	१५
गति	६० २०	८१० ३५	४० ४१	९६ ५७	०४ ४४	५३ ४५	०३ ०४	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	विशा. २ च.	श्रव. ३ च.	स्वा. ३ च.	स्वा. ३ च.	धनि. २ च.	मूल. ४ च.	श्रव. २ च.	कृत्ति. ४ च.	अनु. २ च.

११ नवम्बर २०२१ ई., प्रातः ६:२७

के. ८ | सू.बु.मं. ७ | ६ | ५ | शु. ९ | गु. चं. श. १० | ४ | ११ | १ | ३ | १२ | २ रा.

कार्तिक शु. ८, गुरुवार

इस मास के मध्य तक सूर्य-मंगल की युति उनका केतु से द्विर्द्वादश तथा राहु से षडष्टक तथा मासान्त में सूर्य-केतु की युति उनका शुक्र तथा मंगल बुध से द्विर्द्वादश तथा राहु से समसप्तक सम्बन्ध होने के कारण उग्रवाद एवं आतंकवाद से आम जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। चीन और पाकिस्तान से राजनयिक सम्बन्धों में दरार पड़ने की सम्भावना है। पक्ष और विपक्ष में जबरदस्त घमासान होगा।

१९ नवम्बर २०२१ ई., प्रातः ६:२७

सू.के. ८ | बु.मं. ७ | ६ | ५ | शु. ९ | श. गु. १० | ४ | ११ | १ चं. | ३ | १२ | २ रा.

कार्तिक शु. १५, शुक्रवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०७	००	०६	०६	०९	०८	०९	०१	०७
अं.	०२	२९	१९	२६	२९	१७	१३	०७	०७
क.	४४	०७	००	५४	४६	५२	५८	३८	३८
वि.	४८	३१	१३	४८	२३	१९	०४	४८	४८
गति	६० ३१	७१० ३२	४१ ००	९५ ५५	०६ ०९	४७ ५३	०३ ४७	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	विशा. ४ च.	कृत्ति. १ च.	स्वा. ४ च.	विशा. ३ च.	धनि. २ च.	पू.षा. २ च.	श्रव. २ च.	कृत्ति. ४ च.	अनु. २ च.

वि. सं. २०७८, शाके १९४३, मार्गशीर्ष कृ. पक्ष (दि. २० नवम्बर से ०४ दिसम्बर २०२१ ई.), दक्षिणायन, दक्षिण गोल, हेमन्त ऋतु, के. अहर्गण ३८८१, अयनांश २४°/०९'/३०"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैण्डर्ड समय में)
२६	१५	१	श.	२५	३२	१७	०५	रो.	६०	००	-	-	शि.	५४	५२	कौ.	२५	३२	६:५२	५:२२	रा.क्रा. २९	मार्ग. ५	र. १४	नवम्बर २०	वृष	बुध वृश्चिक में २८:५० बजे, (A)
२६	१२	२	र.	३२	१७	१९	४८	रो.	०१	४७	०७	३६	सि.	५७	२०	ग.	३२	१७	६:५३	५:२१	३०	६	१५	२१	मिथुन २१:०९	
२६	०९	३	सो.	३८	५५	२२	२७	मृ.	०९	३५	१०	४३	सा.	५९	३७	व.	०५	३७	६:५३	५:२१	रा.मा. १	७	१६	२२	मिथुन	भद्रा ०९:०८ से २२:२७ बजे तक, (B)
२६	०६	४	मं.	४५	०५	२४	५६	आ.	१७	०५	१३	४४	शुभ	६०	००	ब.	१२	०५	६:५४	५:२१	२	८	१७	२३	मिथुन	बुध अनुराधा में ०७:०७ बजे, (C)
२६	०४	५	बु.	५०	२२	२७	०४	पुन.	२३	५५	१६	२९	शुभ	०१	२५	कौ.	१७	५०	६:५५	५:२१	३	९	१८	२४	कर्क ०९:५०	
२६	०१	६	गु.	५४	२५	२८	४२	पु.	२९	४२	१८	४९	शु.	०२	३२	ग.	२२	३५	६:५६	५:२०	४	१०	१९	२५	कर्क	भद्रा २८:४२ से, गण्डमूल प्रा. १८:४९ बजे।
२५	५९	७	शु.	५६	५५	२९	४३	आश्ले.	३४	०७	२०	३६	ब्र.	०२	४०	वि.	२५	५२	६:५७	५:२०	५	११	२०	२६	सिंह २०:३६	भद्रा १७:१८ बजे तक।
२५	५६	८	श.	५७	३७	३०	००	म.	३६	५५	२१	४३	ऐं. वै.	०१ ५९	३७ १०	बा.	२७	३०	६:५७	५:२०	६	१२	२१	२७	सिंह	गण्डमूल समा. २१:४३ बजे, (D)
२५	५४	९	र.	५६	२२	२९	३१	पू.फा.	३७	४७	२२	०५	वि.	५५	०७	तै.	२७	१२	६:५८	५:२०	७	१३	२२	२८	कन्या २८:०३	
२५	५२	१०	सो.	५३	०७	२८	१४	उ.फा.	३६	४७	२१	४२	प्री.	४९	३५	व.	२४	५७	६:५९	५:२०	८	१४	२३	२९	कन्या	भद्रा १६:५८ से २८:१४ बजे तक।
२५	५०	११	मं.	४८	०५	२६	१४	ह.	३३	५५	२०	३४	आ.	४२	३५	ब.	२०	४७	७:००	५:२०	९	१५	२४	३०	कन्या	उत्पन्ना एकादशी व्रत (स्मा.+वै.)।
२५	४७	१२	बु.	४१	३०	२३	३६	चि.	२९	२७	१८	४७	सौ.	३४	१७	कौ.	१४	५७	७:००	५:२०	१०	१६	२५	दिसं. १	तुला ०७:४५	बुध ज्येष्ठा में १८:०१ बजे, शुक्र उ.षा.(E)
२५	४५	१३	गु.	३३	३५	२०	२७	स्वा.	२३	३५	१६	२७	शो.	२४	५५	ग.	०७	४०	७:०१	५:२०	११	१७	२६	२	तुला	भद्रा २०:२७ से ३०:४४ बजे तक, (F)
२५	४४	१४	शु.	२४	४५	१६	५६	वि.	१६	४५	१३	४४	अ.	१४	४२	श.	२४	४५	७:०२	५:२०	१२	१८	२७	३	वृश्चिक ०८:२७	
२५	४२	३०	श.	१५	२५	१३	१३	अ.	०९	२०	१०	४७	सु. धृ.	०४ ५३	०२ १५	ना.	१५	२५	७:०३	५:२०	१३	१९	२८	४	वृश्चिक	गण्डमूल प्रा. १०:४७ बजे, भौम वृश्चिक में (G)

(A) गुरु कुम्भ में २३:३१ बजे, रोहिणी व्रत, भौम विशाखा में १७:२७ बजे। (B) सायन सूर्य धनु में ०८:०४ बजे, राष्ट्रीय मार्गशीर्ष प्रा.। (C) चं. उ.२०:१४ बजे, चतुर्थी व्रत, (D) कालभैरव जयन्ती, कालाष्टमी। (E) में १९:३५ बजे, उत्पन्ना एकादशी व्रत (निम्बार्क)। (F) सूर्य ज्येष्ठा में २४:४४ बजे, प्रदोष व्रत, मासशिवरात्रि। (G) २९:५८ बजे, शनैश्चरी अमावस्या, खग्रास सूर्य ग्रहण (भारत में अदृश्य)।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०७	०४	०६	०७	१०	०८	०९	०१	०७
अं.	१०	०५	२४	०९	००	२३	१४	०७	०७
क.	४९	११	२९	३६	४३	४८	३०	१३	१३
वि.	४२	००	१५	५९	०७	५२	३६	२२	२२
गति	६० ४४	७७२ ५०	४१ १८	६४ ३४	०७ २६	४९ ५०	०४ २६	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	अनु. १ च.	मघा. २ च.	विशा. २ च.	अनु. २ च.	धनि. ३ च.	पू.षा. ४ च.	श्रव. २ च.	कृत्ति. ४ च.	अनु. २ च.

२७ नवम्बर २०२१ ई., प्रातः ६:२७

शु. ९ — ७ मं. — श. १० — सू.बु.के. ८ — ६ — गु. ११ — ५ चं. — १२ — २ रा. — ४ — १ — ३

मार्गशीर्ष कृ. ८, शनिवार

इस मास में पाँच शनिवार और पाँच रविवार है और धनु की संक्रान्ति बुधवार को है, अतः प्रजा में रोग, चोरी, डकैति, आतंककवाद, उग्रवाद से अशान्ति का वातावरण रहेगा। उड़द, मूँग, बाजरा आदि अन्न के भाव मन्दे रहेंगे। किशमिश, छुहारा, चिरौंजी, लौंग, जीरा के भावों में मन्दी के बाद तेजी रहेगी। वर्षा की कमी से कृषकवर्ग चिन्तित रहेगा।

४ दिसम्बर २०२१ ई., प्रातः ६:२७

शु. ९ — ७ मं. — श. १० — सू.बु.के. चं. ८ — ६ — गु. ११ — ५ — १२ — २ रा. — ४ — १ — ३

मार्गशीर्ष कृ. ३०, शनिवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०७	०७	०६	०७	१०	०८	०९	०१	०७
अं.	१७	१३	२९	२०	०१	२८	१५	०६	०६
क.	५५	५४	१९	३७	३८	००	०३	५१	५१
वि.	२०	४४	१५	००	२२	४९	११	०७	०७
गति	६० ५४	६१४ ३१	४१ ३५	६४ ०४	०८ ३०	३० २२	०४ ५७	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	ज्ये. १ च.	अनु. ४ च.	विशा. ३ च.	ज्ये. २ च.	धनि. ३ च.	उ.षा. १ च.	श्रव. २ च.	कृत्ति. ४ च.	अनु. २ च.

वि. सं. २०७८, शाके १९४३, मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष (दि. ५ दिसम्बर से १९ दिसम्बर २०२१ ई.), दक्षिणायन, दक्षिण गोल, हेमन्त ऋतु, के. अहर्गण ३८६६, अयनांश २४°/०९'/३२''

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैण्डर्ड समय में)
२५	४०	१/२	र.	०६/५६	००/५७	०९/२९	२८/५१	ज्ये./मू.	०१/५४	४७/३५	०७/२८	४७/५४	शू.	४२	३५	ब.	०६	००	७:०४	५:२०	रा.मा. १४	मार्ग. २०	र. २९	दि. ५	धनु ७:४७	गुण्डमूल समा. २८:५४ बजे, चन्द्रदर्शन।
२५	३८	३	सो.	४८	४०	२६	३२	पू.षा.	४८	०७	२६	१९	गं.	३२	३०	तै.	२२	४०	७:०४	५:२०	१५	२१	ज. १	६	धनु	मु. जमादि-उल्लावल प्रा.
२५	३७	४	मं.	४१	३०	२३	४१	उ.षा.	४२	४५	२४	११	वृ.	२३	१५	व.	१४	५५	७:०५	५:२०	१६	२२	२	७	मकर ७:४४	भद्रा १३:०२ से २३:४१ बजे तक, (A)
२५	३५	५	बु.	३५	५०	२१	२६	श्र.	३८	५५	२२	४०	ध्रु.	१५	०५	ब.	०८	२७	७:०६	५:२०	१७	२३	३	८	मकर	शुक्र मकर में १३:५१ बजे, (B)
२५	३४	६	गु.	३२	००	१९	५४	ध.	३६	५२	२१	५१	व्या.	०८	२२	कौ.	०३	४२	७:०६	५:२०	१८	२४	४	९	कुम्भ १०:०९	पञ्चक प्रा. १०:०९ बजे, बुध मूल धनु में (C)
२५	३३	७	शु.	३०	०७	१९	१०	श.	३६	४२	२१	४८	ह./व.	०३/५९	०५/४५	ग.	००	४५	७:०७	५:२०	१९	२५	५	१०	कुम्भ	भद्रा १९:१० से ३१:०५ बजे तक।
२५	३२	८	श.	३०	१२	१९	१३	पू.भा.	३८	३०	२२	३२	सि.	५७	१५	वि.	००	०२	७:०८	५:२१	२०	२६	६	११	मीन १६:१६	दुर्गाष्टमी।
२५	३०	९	र.	३२	१७	२०	०३	उ.भा.	४२	०७	२३	५९	व्य.	५६	३२	बा.	०१	००	७:०८	५:२१	२१	२७	७	१२	मीन	गण्डमूल प्रा. २३:५९ बजे।
२५	२९	१०	सो.	३६	००	२१	३३	रे.	४७	२०	२६	०५	व.	५६	५७	तै.	०३	५५	७:०९	५:२१	२२	२८	८	१३	मेष २६:०५	पञ्चक समा. २६:०५ बजे।
२५	२९	११	मं.	४१	०५	२३	३६	अ.	५३	४५	२८	४०	प.	६०	००	व.	०८	२२	७:१०	५:२१	२३	२९	९	१४	मेष	भद्रा १०:३१ से २३:३६ बजे तक, (D)
२५	२८	१२	बु.	४७	१०	२६	०२	भ.	६०	००	-	-	प.	००	०२	ब.	१४	०२	७:१०	५:२२	२४	पौष. १	१०	१५	मेष	सूर्य मूल में, धनु संक्रान्ति २७:४४ बजे,(E)
२५	२७	१३	गु.	५३	४५	२८	४१	भ.	०१	००	०७	३५	शि.	००	१२	कौ.	२०	२२	७:११	५:२२	२५	२	११	१६	वृष १४:२०	प्रदोष व्रत, अनंग त्रयोदशी, (F)
२५	२७	१४	शु.	६०	००	-	-	कृ.	०८	४०	१०	४०	सि.	०१	५७	ग.	२७	०७	७:१२	५:२२	२६	३	१२	१७	वृष	पिशाचमोचन श्राद्ध।
२५	२६	१४	श.	००	३२	०७	२५	रो.	१६	३०	१३	४८	सा.	०५	००	व.	००	३२	७:१२	५:२३	२७	४	१३	१८	मिथुन २७:२१	भद्रा ०७:२५ से २०:४६ बजे तक, (G)
२५	२६	१५	र.	०७	१०	१०	०५	मृ.	२४	०७	१६	५२	शुभ.	०७	१७	ब.	०७	१०	७:१३	५:२३	२८	५	१४	१९	मिथुन	शुक्र वक्री १६:०६ बजे, (H)

(A) विनायक चतुर्थी। (B) विवाह पञ्चमी, सीताराम विवाह, विहार पंचमी, नाग पंचमी (दाक्षिणात्य), स्वामी हरिदास जयन्ती, रामदास जयन्ती, बाबू बैजनाथ जयन्ती। (C) ३०:०५ बजे, भौम अनु में २५:०६ बजे, स्कन्द षष्ठी, चम्पा षष्ठी। (D) गण्डमूल समा. २८:४० बजे, मोक्षदा एकादशी व्रत (स.), गीता जयन्ती, मौनी एकादशी (जैन) पं. मदनमोहन मालवीय जयन्ती। (E) मत्स्य द्वादशी । (F) धनु सं. पुण्यकाल १०:०८ बजे तक। (G) बुध पू.षा. में १७:४१ बजे, रोहिणी व्रत, पूर्णिमा व्रत, दत्तात्रेय जयन्ती, त्रिपुरभैरवी जयन्ती (प्रदोष व्यापिनी)। (H) सत्यव्रत, पूर्णिमा स्नानदानादि।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०७	१०	०७	०८	१०	०९	०९	०१	०७
अं.	२५	२४	०४	०१	०२	००	१५	०६	०६
क.	२१	४२	११	३५	४०	५७	३९	२८	२८
वि.	५४	४६	०७	३३	४३	४७	१७	५१	५१
गति	६०/५९	७७८/२८	४१/५१	९४/१२	०९/२६	२७/५२	०५/२५	०३/११	०३/११
नक्षत्र चरण	ज्ये. ३ च.	पू.भा. २ च.	अनु. १ च.	मूल. १ च.	धनि. ३ च.	उ.षा. २ च.	श्रव. २ च.	कृत्ति. ३ च.	अनु. १ च.

११ दिसम्बर २०२१ ई., प्रातः ६:२७

बु. ९ | सू.मं.के. ८ | ७ | ६
शु. श. १० | चं. गु. ११ | ५
१२ | २ रा. | ४
१ | ३

मार्गशीर्ष शु. ८, शनिवार

इस मास के आदि में सूर्य-बुध-केतु की युति उनका मंगल एवं शुक्र से द्विर्द्वादश तथा राहु से समसप्तक सम्बन्ध तथा मासान्त में सूर्य-बुध की युति शनि-शुक्र एवं मंगल-केतु से द्विर्द्वादश तथा राहु से षडष्टक सम्बन्ध होने के कारण पाकिस्तान की सीमा पर आन्तकवादी घटनायें बढ़ेगी। एशिया में बर्फिले तूफान, भूकम्प एवं प्राकृतिक प्रकोष से जन-धन की हानि की सम्भावना है। विश्व के कुछ देशों को दुर्भिक्ष एवं मँहगाई की मार से जनाक्रोश का सामना करना पड़ेगा।

१९ दिसम्बर २०२१ ई., प्रातः ६:२७

बु.सू. ९ | मं. के. ८ | ७ | ६
श. शु. १० | गु. ११ | ५
१२ | २ रा. | ४
१ | ३ चं.

मार्गशीर्ष शु. १५, रविवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०८	०२	०७	०८	१०	०९	०९	०१	०७
अं.	०३	०१	०९	१४	०३	०२	१६	०६	०६
क.	१०	३१	४६	१०	५९	१९	२४	०३	०३
वि.	०१	३८	५५	११	४५	३८	२०	२५	२५
गति	६१/०३	७११/३८	४२/०९	९४/२१	१०/२५	०० व/१५	०५/५३	०३/११	०३/११
नक्षत्र चरण	मूल. १ च.	मृग. ३ च.	अनु. २ च.	पू.षा. १ च.	धनि. ४ च.	उ.षा. २ च.	श्रव. २ च.	कृत्ति. ३ च.	अनु. २ च.

वि. सं. २०७८, शाके १९४३, पौष कृ. पक्ष (दि. २० दिसम्बर २०२१ से ०२ जनवरी २०२२ ई.), दक्षिणायन/उत्तरायण, दक्षिण गोल, हेमन्त/शिशिर ऋतु, के. अहर्गण ३६११, अयनांश २४°/०९'/३५"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैण्डर्ड समय में)
२५	२६	१	सो.	१३	३०	१२	३७	आ.	३१	२२	१९	४६	शु.	०९	२२	कौ.	१३	३०	७:१३	५:२४	रा.मा. २९	पौष. ६	ज. १५	दिसं. २०	मिथुन	बुध उदय ०८:३३ बजे।
२५	२५	२	मं.	१९	१०	१४	५४	पुन.	३७	५७	२२	२५	ब्र.	१०	५७	गर	१९	१०	७:१४	५:२४	३०	७	१६	२१	कर्क १५:४७	भद्रा २७:५६ से, सायन सूर्य मकर में (A)
२५	२५	३	बु.	२४	०७	१६	५३	पु.	४३	४७	२४	४५	ऐं.	१२	००	वि.	२४	०७	७:१४	५:२५	रा.पौ. १	८	१७	२२	कर्क	भद्रा १६:५३ बजे तक, गण्डमूल प्रा. (B)
२५	२५	४	गु.	२८	०२	१८	२८	आश्ले.	४८	३५	२६	४१	वै.	१२	२०	बा.	२८	०२	७:१५	५:२५	२	९	१८	२३	सिंह २६:४१	
२५	२६	५	शु.	३०	५०	१९	३५	म.	५२	१५	२८	०६	वि.	११	५०	तै.	३०	५०	७:१५	५:२६	३	१०	१९	२४	सिंह	गण्डमूल समा. २८:०६ बजे।
२५	२६	६	श.	३२	१५	२०	१०	पू.फा.	५४	३२	२९	०५	प्री.	१०	२२	ग.	०१	४०	७:१६	५:२६	४	११	२०	२५	सिंह	भद्रा २१:१० से, क्रिसमस दिवस, (C)
२५	२६	७	र.	३२	१२	२०	०९	उ.फा.	५५	२२	२९	२५	आ.	०७	४७	वि.	०२	२५	७:१६	५:२७	५	१२	२१	२६	कन्या ११:१४	भद्रा ०८:१४ बजे तक, (D)
२५	२७	८	सो.	३०	३२	१९	२९	ह.	५४	३७	२९	०७	सौ. शो.	०४ ५८	०० ५७	बा.	०१	३५	७:१६	५:२७	६	१३	२२	२७	कन्या	
२५	२७	९	मं.	२७	१२	१८	१०	चि.	५२	१५	२८	११	अति.	५२	३२	ग.	२७	१२	७:१७	५:२८	७	१४	२३	२८	तुला १६:४४	भद्रा २९:१६ से, सूर्य पू.षा. नक्षत्र में ३०:०२ बजे (E)
२५	२८	१०	बु.	२२	२०	१६	१३	स्वा.	४८	२२	२६	३८	सु.	४५	००	वि.	२२	२०	७:१७	५:२८	८	१५	२४	२९	तुला	भद्रा १६:१२ बजे तक, बुध मकर में ११:३१ बजे।
२५	२९	११	गु.	१६	००	१३	४१	वि.	४३	१२	२४	३४	धृ.	३६	२०	बा.	१६	००	७:१७	५:२९	९	१६	२५	३०	वृश्चिक १९:०८	वक्री शुक्र धनु में ०७:५६ बजे, (F)
२५	३०	१२	शु.	०८	२५	१०	४०	अ.	३६	५५	२२	०४	शू.	२६	४२	तै.	०८	२५	७:१८	५:३०	१०	१७	२६	३१	वृश्चिक	गण्डमूल प्रा. २२:०४ बजे, (G)
२५	३१	१३ १४	श.	०० ५१	०५ ००	०७ २७	२० ४२	ज्ये.	२९	५७	१९	१७	गं.	१६	३०	व.	००	०५	७:१८	५:३०	११	१८	२७	जन. १	धनु १९:१७	भद्रा ०७:१८ से १७:३१ बजे तक, (H)
२५	३२	३०	र.	४१	५२	२४	०३	मूल	२२	४२	१६	२३	वृ. ध्रु.	०६ ५५	०० २७	च.	१६	२५	७:१८	५:३१	१२	१९	२८	२	धनु	गण्डमूल समा. १६:२३ बजे, (I)

(A) २१:२९ बजे, उत्तरायण प्रा. शिशिर ऋतु प्रा., वर्ष का सबसे छोटा दिन। (B) २४:४५ बजे, राष्ट्रीय पौष प्रा., चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय २०:०५ बजे। (C) ईसामसीह जयन्ती। (D) बुध उ.षा में ३०:४३ बजे, कालाष्टमी। (E) भौम ज्ये. में २४:४० बजे। (F) सफला एकादशी व्रत (स.)। (G) रूप द्वादशी, प्रदोष व्रत। (H) मास शिवरात्रि, आंग्ल नववर्षारम्भ। (I) गुरु शतभिषा में १५:५१ बजे, अमावस्या।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०८	०५	०७	०८	१०	०९	०९	०१	०७
अं.	११	१०	१५	२६	०५	०१	१७	०५	०५
क.	१८	३४	२५	३८	२६	०८	१२	३७	३७
वि.	४६	१७	१५	५९	११	०६	५४	५९	५९
गति	६१ ०८	८११ १६	४२ २८	६१ ३०	११ १७	१९ व ५६	०६ ५७	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	मृग. ४ च.	हस्त. १ च.	अनु. ४ च.	उ.षा. १ च.	धनि. ४ च.	उ.षा. २ च.	श्रव. ३ च.	कृत्ति. ३ च.	अनु. १ च.

२७ दिसम्बर २०२१ ई., प्रातः ६:२७

शु.श. १०, के.मं. ८, गु. ११, सू.बु. ९, ७, १२, ६ चं., ३, १, ५, २ रा., ४

पौष कृ. पक्ष ८, सोमवार

इस मास में पाँच सोमवार हैं और मकर की संक्रान्ति शुक्रवार को है, अतः वर्षा समयानुकूल उत्तम होगी, लाल मिर्च, लाल चन्दन, गेहूँ, जौ, चना, चावल, गुड़, शक्कर के भाव मन्दे रहेंगे। तेल, सरसों, अलसी, मक्का, बाजरा, पोस्त, ऊन, रेशम के भाव तेज रहेंगे। लोहा, जस्ता, पीतल के भाव तेजी के बाद मन्दे रहेंगे। शेयर बाजार में मन्दी का रुख रहेगा।

२ जनवरी २०२२ ई., प्रातः ६:२७

बु.श. १०, के.मं. ८, गु. ११, सू.चं.शु. ९, ७, १२, ६, ३, १, ५, २ रा., ४

पौष कृ. पक्ष ३०, रविवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०८	०८	०७	०९	१०	०८	०९	०१	०७
अं.	१७	०७	१९	०५	०६	२८	१७	०५	०५
क.	२५	०३	४०	२८	३५	३६	५१	१८	१८
वि.	४३	०३	४१	५८	२२	४९	१९	५५	५५
गति	६१ ११	९०९ २३	४२ ४३	६१ ४६	११ ५२	३१ व ४१	०६ ३३	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	पू.षा. २ च.	मृग. ३ च.	ज्ये. १ च.	उ.षा. ३ च.	धनि. ४ च.	उ.षा. १ च.	श्रव. ३ च.	कृत्ति. ३ च.	अनु. १ च.

वि. सं. २०७८, शाके १९४३, पौष शुक्ल पक्ष (दि. ३ जनवरी से १७ जनवरी २०२२ ई.), उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु, के. अहर्गण ३९२५, अयनांश २४°/०९'/३८"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैण्डर्ड समय में)
२५	३३	१	सो.	३३	०५	२०	३२	पू.षा.	१५	३७	१३	३३	व्या.	४५	१५	किं	०७	२५	७:१८	५:३२	रा.पौ. १३	पौष. २०	ज. २९	जन. ३	मकर १८:५२	शुक्र वार्धक्य प्रा. १७:३४ बजे।
२५	३४	२	मं.	२५	००	१७	१९	उ.षा.	०९	०५	१०	५७	ह.	३५	४२	कौ.	२५	००	७:१९	५:३२	१४	२१	३०	४	मकर	चन्द्र दर्शन।
२५	३६	३	बु.	१८	१०	१४	३५	श्र. ध.	०३ ५९	३७ ४०	०८ ३१	४६ ११	व.	२७	१७	ग.	१८	१०	७:१९	५:३३	१५	२२	ज. १	५	कुम्भ १९:५३	भद्रा २५:२७ से, पञ्चक प्रा.१९:५३ बजे, (A)
२५	३७	४	गु.	१२	५७	१२	३०	श.	५७	३२	३०	२०	सि.	२०	१२	वि.	१२	५७	७:१९	५:३४	१६	२३	२	६	कुम्भ	भद्रा १२:३० बजे तक, (B)
२५	३९	५	शु.	०६	४०	११	१०	पू.भा.	५७	३०	३०	१९	व्य.	१४	४०	बा.	०६	४०	७:१९	५:३५	१७	२४	३	७	मीन २४:१४	
२५	४०	६	श.	०८	३०	१०	४३	उ.भा.	५९	३७	३१	१०	व.	१०	५०	तै.	०८	३०	७:१९	५:३५	१८	२५	४	८	मीन	गण्डमूल प्रा. ३१:१० बजे।
२५	४२	७	र.	०६	३५	११	०९	रेव.	६०	००	-	-	प.	०८	४२	व.	०६	३५	७:१९	५:३६	१९	२६	५	९	मीन	भद्रा ११:०९ से २३:४१ बजे।
२५	४४	८	सो.	१२	४५	१२	२५	रे.	०३	४५	०८	४९	शि.	०८	१०	ब.	१२	४५	७:१९	५:३७	२०	२७	६	१०	मेष ०८:४९	पञ्चक समा. ०८:४९ बजे, दुर्गाष्टमी।
२५	४६	९	मं.	१७	३७	१४	२२	अ.	०६	३५	११	०९	सि.	०८	५७	कौ.	१७	३७	७:१९	५:३८	२१	२८	७	११	मेष	गण्डमूल समा. ११:०९ बजे, सूर्य उ.षा. में (C)
२५	४८	१०	बु.	२३	४५	१६	४९	भ.	१६	४२	१४	००	सा.	१०	४५	ग.	२३	४५	७:१९	५:३९	२२	२९	८	१२	वृष २०:४५	भद्रा ३०:१० से, स्वामी विवेकानन्द जयन्ती।
२५	५०	११	गु.	३०	३५	१९	३३	कृ.	२४	३०	१७	०७	शुभ.	१३	०७	वि.	३०	३५	७:१९	५:३९	२३	३०	९	१३	वृष	भद्रा १९:३३ बजे तक (D)
२५	५२	१२	शु.	३७	३०	२२	१९	रो.	३२	२५	२०	१७	शु.	१५	४०	ब.	०४	१०	७:१९	५:४०	२४	माघ १	१०	१४	वृष	मकर संक्रान्ति १४:२९ बजे, (E)
२५	५४	१३	श.	४४	०५	२४	५७	मृ.	४०	०५	२३	२१	ब्र.	१८	०२	कौ.	१०	५२	७:१९	५:४१	२५	२	११	१५	मिथुन ०९:५१	शनिप्रदोष व्रत।
२५	५७	१४	र.	५०	००	२७	१९	आ.	४७	०५	२६	०९	ऐं.	२०	००	ग.	१७	०७	७:१९	५:४२	२६	३	१२	१६	मिथुन	भद्रा २७:१९ से, भौम मूल में, धनु राशि में १६:३१ बजे।
२५	५९	१५	सो.	५४	५७	२९	१८	पुन.	५३	१५	२८	३७	वै.	२१	२२	वि.	२२	३५	७:१९	५:४३	२७	४	१३	१७	कर्क २२:०२	भद्रा १६:२१ बजे तक, (F)

(A) बुध श्रवण में १८:०२ बजे, वक्री शुक्र पू.षा. में १८:३७ बजे, मु. जमादिलाखर प्रा.। (B) शुक्र (वक्री) पश्चिम में अस्त १७:३४ बजे, विनायक चतुर्थी। (C) ०७:५७ बजे, शुक्र (वक्री) पूर्व में उदय ०७:१८ बजे। (D) पुत्रदा एकादशी व्रत (स.), लोहड़ी। (E) बुध वक्री १७:११ बजे, शुक्र वार्धक्य समा. ०७:१८ बजे, रोहिणी व्रत, मकर संक्रान्ति १४:२९ बजे, सं. पुण्यकाल सूर्यास्त तक। (F) पूर्णिमा व्रत, सत्यव्रत, माघ स्नान प्रा., शाकम्भरी जयन्ती।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०८	११	०७	०९	१०	०८	०९	०१	०७
अं.	२५	२८	२५	१४	०८	२३	१८	०४	०४
क.	३५	४७	२३	२६	१२	५६	४४	५३	५३
वि.	०२	०४	२२	५८	४२	३०	४२	२८	२८
गति	६१ ०९	७३१ १४	४३ ००	३९ ५०	१२ ३२	३६ व २८	०६ ५०	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	पू.षा. ४ च.	रेव. ४ च.	ज्ये. ३ च.	श्रव. २ च.	शत. १ च.	पू.षा. ४ च.	श्रव. ३ च.	कृति. ३ च.	अनु. १ च.

१० जनवरी २०२२ ई., प्रातः ६:२७

बु.श. १०
के.मं. ८
गु. ११
सू. शु. ९
७
चं. १२
६
१
३
५
२ रा.
४

पौष शु. ८, सोमवार

इस मास में सूर्य-शुक्र की युति उनका बुध-शनि एवं मंगल-केतु से द्विर्द्वादश तथा राहु से षडष्टक होने के कारण सत्तापक्ष एवं विपक्ष में जबरदस्त खींचतान होगी। पश्चिम में बुधोदय होने के कारण पश्चिमी देशों में बर्फीले तूफान, भूकम्प आदि प्राकृतिक प्रकोप से जन-धन की हानि होगी।

१७ जनवरी २०२२ ई., प्रातः ६:२७

बु.श.सू. १०
के. ८
गु. ११
मं. शु. ९
७
१२
६
१
३ चं.
५
२ रा.
४

पौष शु. १५, सोमवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०९	०२	०८	०९	१०	०८	०९	०१	०७
अं.	०२	२२	००	१५	०९	२०	१९	०४	०४
क.	४२	०९	२५	३२	४१	००	३३	३१	३१
वि.	४८	१२	०६	३२	५८	३३	०१	१३	१३
गति	६१ ०४	७२६ ३९	४३ १६	३५ व ३४	१३ ०१	२८ व ००	०६ ५९	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	उ.षा. २ च.	पुन. १ च.	मृग. १ च.	श्रव. २ च.	शत. १ च.	पू.षा. ३ च.	श्रव. ३ च.	कृति. ३ च.	अनु. १ च.

वि. सं. २०७८, शाके १९४३, माघ कृष्ण पक्ष (दि. १८ जनवरी से ०१ फरवरी २०२२ ई.), उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु, के. अहर्गण ३६४०, अयनांश २४°/०९'/४१"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैण्डर्ड समय में)
२६	०२	१	मं.	५६	२७	३०	५४	पु.	५८	२७	३०	४२	वि.	२२	०२	बा.	२७	०५	७:१९	५:४४	रा.पौ. २८	माघ. ५	ज. १४	जन. १८	कर्क	गण्डमूल प्रा. ३०:४२ बजे, बुध (वक्री) अस्त (A)
२६	०४	२	बु.	६०	००	–	–	आश्ले.	६०	००	–	–	प्री.	२१	५७	तै.	३०	३७	७:१८	५:४४	२९	६	१५	१९	कर्क	
२६	०७	२	गु.	०१	५७	०८	०५	आश्ले.	०२	४५	०८	२४	आयु.	२१	०५	ग.	०१	५७	७:१८	५:४५	३०	७	१६	२०	सिंह ०८:२४	भद्रा २०:३२ से, सायन सूर्य कुम्भ में ०८:०९ बजे।
२६	१०	३	शु.	०३	५५	०८	५२	म.	०६	००	०९	४३	सौ.	१९	२५	वि.	०३	५५	७:१८	५:४६	रा.मा. १	८	१७	२१	सिंह	भद्रा ०८:५२ बजे तक, गण्डमूल समा. (B)
२६	१३	४	श.	०४	५२	०९	१५	पू.फा.	०८	२०	१०	३८	शो.	१७	००	बा.	०४	५२	७:१८	५:४७	२	९	१८	२२	कन्या १६:४८	वक्री बुध उ.षा. २५:१९ बजे, शनि अस्त १७:४७ बजे।
२६	१५	५	र.	०४	४७	०९	१२	उ.फा.	०९	४०	११	०९	अति.	१३	५२	तै.	०४	४७	७:१७	५:४८	३	१०	१९	२३	कन्या	
२६	१८	६	सो.	०३	३७	०८	४४	ह.	०९	५५	११	१५	सु.	०९	४५	व.	०८	४४	७:१७	५:४९	४	११	२०	२४	तुला २३:०८	भद्रा ०८:४४ से २०:२० बजे तक, (C)
२६	२१	७ ८	मं.	०१ ५७	२० ५२	०७ ३०	४६ २६	चि.	०९	०२	१०	५४	धृ. शू.	०४ ५८	४७ ५५	ब.	०१	२०	७:१७	५:५०	५	१२	२१	२५	तुला	कालाष्टमी, हिमाचल प्रदेश पूर्ण राज्य दिवस।
२६	२४	९	बु.	५३	१५	२८	३४	स्वा.	०७	०५	१०	०६	गं.	५२	१०	तै.	२५	४०	७:१६	५:५०	६	१३	२२	२६	वृश्चिक २७:१२	गणतन्त्र दिवस।
२६	२८	१०	गु.	४७	३२	२६	१७	वि. अ.	०३ ५९	५७ ४५	०८ ३१	५१ १०	वृ.	४४	२७	व.	२०	३२	७:१६	५:५१	७	१४	२३	२७	वृश्चिक	भद्रा १५:२९ से २६:१७ बजे तक, (D)
२६	३१	११	शु.	४०	५०	२३	३६	ज्ये.	५४	३७	२९	०७	ध्रु.	३६	००	ब.	१४	१७	७:१६	५:५२	८	१५	२४	२८	धनु २९:०७	बुध (वक्री) उदय १६:५१ बजे, (E)
२६	३४	१२	श.	३३	२७	२०	३८	मू.	४८	५५	२६	४९	व्या.	२६	५७	कौ.	०७	१५	७:१५	५:५३	९	१६	२५	२९	धनु	गण्डमूल समा. २६:४९ बजे, (F)
२६	३७	१३	र.	२५	३५	१७	२६	पू.षा.	४२	४७	२४	२२	हर्ष.	१७	३०	व.	२५	३५	७:१५	५:५४	१०	१७	२६	३०	मकर २९:४६	भद्रा १७:२९ से २७:५३ बजे तक, (G)
२६	४१	१४	सो.	१७	४०	१४	१५	उ.षा.	३६	४७	२१	५७	व. सि.	०७ ५८	५७ ३५	श.	१७	४०	७:१४	५:५५	११	१८	२७	३१	मकर	श्राद्धादि अमावस्या, यम तर्पण।
२६	४४	३०	मं.	१०	०५	११	१६	श्र.	३१	१५	१९	४४	व्य.	४९	४५	ना.	१०	०५	७:१४	५:५६	१२	१९	२८	फर. ०१	कुम्भ ३०:४५	पञ्चक प्रा. ३०:४५ बजे, (H)

(A) १८:०८ बजे। (B) ०९:४३ बजे, राष्ट्रीय माघ प्रा., संकष्ट चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय २१:०१ बजे, संकट चौथ, गणेशोत्पत्ति, तिल चतुर्थी। (C) सूर्य श्रवण में १०:२० बजे। (D) गण्डमूल प्रा. ३१:१० बजे। (E) षट्तिला एकादशी व्रत (स्मा.+वै.)। (F) शुक्र मार्गी १४:१९ बजे, षट्तिला एकादशी व्रत (निम्बार्क)। (G) प्रदोष व्रत, मासशिवरात्रि। (H) भौमवती अमावस्या, अमावस्या स्नानदानादि, मौनी अमावस्या, प्रयाग स्नान।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०९	०६	०८	०९	१०	०८	०९	०१	०७
अं.	१०	०४	०६	०७	११	१७	२०	०४	०४
क.	५१	०८	१२	१०	२७	१८	२९	०५	०५
वि.	०९	११	१२	२३	५५	०६	३०	४७	४७
गति	६१ ००	८२४ ४६	४३ ३४	७३ व ४५	१३ ३०	०९ व ३१	०७ ०८	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	श्रव. १च.	हस्त. ४च.	मूल. २च.	उ.षा. ४च.	शत. २च.	पू.षा. २च.	श्रव. ४च.	कृत्ति. ३च.	अनु. १च.

२५ जनवरी २०२२ ई., प्रातः ६:२७

श.बु.सू. १० | के. ८ | गु. ११ | मं. शु. ९ | चं. ७ | १२ | ६ | १ | ३ | ५ | २ रा. | ४

माघ कृ. ७, मंगलवार

इस मास में पाँच मंगलवार और पाँच बुधवार हैं और कुम्भ की संक्रान्ति शनिवार को है, अतः प्रजा में परस्पर द्वेष, कलह एवं अशान्ति का वातावरण रहेगा। गेहूँ, जौ, चना, दूध, घी, नमक, मिर्च के भाव तेज रहेंगे। मक्का, ज्वार, बाजारा, मूँग, मोठ, उड़द के भाव मन्दे रहेंगे। सोना, चाँदी, पीतल, ताँबा, जस्ता, लोहा आदि [illegible] में घटाबढ़ी रहेगी।

१ फरवरी २०२२ ई., प्रातः ६:२७

गु. ११ | शु.मं. ९ | १२ | श.सू.बु. चं. १० | के. ८ | १ | ७ | ४ | २ रा. | ६ | ३ | ५

माघ कृ. ३०, मंगलवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०९	०९	०८	०९	१०	०८	०९	०१	०७
अं.	१७	१५	११	००	१३	१७	२१	०३	०३
क.	५७	१३	१७	५२	०३	०३	१९	४३	४३
वि.	५९	१८	५३	१८	३२	२८	३८	३१	३१
गति	६० ५५	८७५ ५७	४३ ४८	२१ व २७	१३ ५१	०७ म २९	०७ १२	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	श्रव. ३च.	श्रव. २च.	मूल. ४च.	उ.षा. २च.	शत. २च.	पू.षा. २च.	श्रव. ४च.	कृत्ति. ३च.	अनु. १च.

वि. सं. २०७८, शाके १९४३, माघ शुक्ल पक्ष (दि. २ फरवरी से १६ फरवरी २०२२ ई.), उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु, के. अहर्गण ३९५५, अयनांश २४°/०९'/४४"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैण्डर्ड समय में)
२६	४८	१ २	बु.	०३ ५७	१५ ३७	०८ ३०	३१ १६	ध.	२६	४०	१७	५३	वरि.	४१	४२	ब.	०३	१५	७:१३	५:५६	रा.मा. १३	माघ २०	ज. २९	फर. २	कुम्भ	गुप्त नवरात्र प्रा. (शिशिर), चन्द्र दर्शन।
२६	५१	३	गु.	५३	३५	२८	३९	श.	२३	२२	१६	३४	प.	३५	०७	तै.	२५	२२	७:१३	५:५७	१४	२१	र. १	३	मीन १०:०२	भौम पू.षा. में २५:१८ बजे, मु. रज्जब प्रा.
२६	५५	४	शु.	५१	२७	२७	४७	पू.भा.	२१	५५	१५	५८	शि.	२९	५२	व.	२२	१७	७:१२	५:५८	१५	२२	२	४	मीन	भद्रा १६:०७ से २७:४७ बजे तक, (A)
२६	५८	५	श.	५१	३०	२७	४७	उ.भा.	२२	२२	१६	०८	सि.	२६	३०	ब.	२१	१५	७:११	५:५६	१६	२३	३	५	मीन	गण्डमूल प्रा. १६:०८ बजे, (B)
२७	०२	६	र.	५३	३७	२८	३८	रे.	२४	५७	१७	१०	सा.	२४	१५	कौ.	२२	१७	७:११	६:००	१७	२४	४	६	मेष १७:१०	पञ्चक समा. १७:१० बजे, (C)
२७	०६	७	सो.	५७	४५	३०	१६	अ.	२९	३०	१८	५८	शुभ.	२३	५२	ग.	२५	३०	७:१०	६:००	१८	२५	५	७	मेष	भद्रा ३०:१६ से, गण्डमूल समा. १८:५८ बजे, (D)
२७	०९	८	मं.	६०	००	-	-	भ.	३५	४५	२१	२७	शु.	२४	५०	वि.	२०	२७	७:०९	६:०१	१९	२६	६	८	वृष २८:०९	भद्रा १९:२० बजे तक, (E)
२७	१३	८	बु.	०३	२५	०८	३१	कृ.	४३	०५	२४	२३	ब्र.	२६	४२	ब.	०३	२५	७:०९	६:०२	२०	२७	७	९	वृष	
२७	१७	९	गु.	१०	००	११	०८	रो.	५१	००	२७	३१	ऐं.	२९	१०	कौ.	१०	००	७:०८	६:०३	२१	२८	८	१०	वृष	रोहिणी व्रत, गुप्त नवरात्र (शिशिर) समा.।
२७	२१	१०	शु.	१६	५२	१३	५२	मृ.	५८	४५	३०	३७	वै.	३१	४२	ग.	१६	५२	७:०७	६:०४	२२	२९	९	११	मिथुन १७:०५	भद्रा २७:१२ से।
२७	२४	११	श.	२३	२२	१६	२८	आ.	६०	००	-	-	वि.	३३	५०	वि.	२३	२२	७:०७	६:०४	२३	फाल्गु. १	१०	१२	मिथुन	भद्रा १६:२८ बजे तक, (F)
२७	२८	१२	र.	२९	००	१८	४२	आ.	०५	५२	०९	२७	प्री.	३५	२०	बा.	२९	००	७:०६	६:०५	२४	२	११	१३	कर्क २९:१९	भीष्म द्वादशी, तिल द्वादशी, (G)
२७	३२	१३	सो.	३३	३०	२०	२९	पुन.	१२	००	११	५३	आ.	३५	५७	कौ.	०१	२५	७:०५	६:०६	२५	३	१२	१४	कर्क	सोम प्रदोष व्रत, (H)
२७	३६	१४	मं.	३६	३७	२१	४३	पु.	१६	५०	१३	४८	सौ.	३५	३२	ग.	०५	१५	७:०४	६:०७	२६	४	१३	१५	कर्क	भद्रा २१:४३ से, गण्डमूल प्रा. १३:४८ बजे,(I)
२७	४०	१५	बु.	३८	२७	२२	२६	आश्ले.	२०	२७	१५	१४	शो.	३४	१०	शो.	०७	४५	७:०३	६:०८	२७	५	१४	१६	सिंह १५:१४	भद्रा १०:०९ बजे तक, माघी पूर्णिमा, (J)

(A) बुध मार्गी ०९:४३ बजे, विनायक चतुर्थी, तिल चतुर्थी। (B) वसन्त पंचमी, श्री पंचमी, सरस्वती पूजन। (C) सूर्य धनिष्ठा में १३:२३ बजे, स्कन्द षष्ठी। (D) रथ सप्तमी, भानु सप्तमी, अचला सप्तमी।, (E) भीष्माष्टमी, दुर्गाष्टमी, मन्वादि। (F) जया एकादशी व्रत (स.), कुम्भ संक्रान्ति २७:२७ बजे। (G) कुम्भ सं पुण्यकाल सूर्योदय से मध्याह्न तक। (H) मरु महोत्सव जैसलमेर (राज.) प्रा.। (I) हजरत अली जन्म दिवस। (J) पूर्णिमा व्रत, सत्यव्रत, गुरु रविदास जयन्ती, मरु महोत्सव समा., माघ स्नान समा., श्री ललिता जयन्ती।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०९	००	०८	०९	१०	०८	०९	०१	०७
अं.	२५	१९	१६	०१	१४	१८	२२	०३	०३
क.	०४	०८	२५	०४	४१	४०	१०	२१	२१
वि.	००	५५	१२	३२	१९	५८	००	१६	१६
गति	६० ४६	७१९ ३३	४४ ०२	२८ मा १५	१४ ०७	२१ ५६	०७ ११	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	धनि. १ च.	भर. २ च.	पू.षा. १ च.	उ.षा. २ च.	शत. ३ च.	पू.षा. २ च.	श्रव. ४ च.	कृति. ३ च.	अनु. १ च.

०८ फरवरी २०२२ ई., प्रातः ६:२७

गु. ११ | शु. मं. ९ | सू. बु. श. १० | के. ८ | १२ | चं. १ | ७ | रा. २ | ४ | ६ | ३ | ५

माघ शु. ८, मंगलवार

इस मास में सूर्य-बुध-शनि की युति उनका गुरु एवं मंगल-शुक्र से द्विर्द्वादश सम्बन्ध होने के कारण पक्ष एवं विपक्ष में जबरदस्त धमासान होगा। विश्व के कई भागों में बर्फिले तूफान, भूकम्प एवं प्राकृतिक प्रकोप से जन-धन की हानि होगी। उग्रवादी, नक्सलवादी एवं आन्तकवादी घटनाओं से प्रजा में अशान्ति का वातावरण रहेगा।

१६ फरवरी २०२२ ई., प्रातः ६:२७

सू. गु. ११ | बु. श. १० | शु. मं. ९ | के. ८ | १२ | १ | ७ | रा. २ | चं. ४ | ६ | ३ | ५

माघ शु. १५, बुधवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	१०	०३	०८	०९	१०	०८	०९	०१	०७
अं.	०३	२५	२२	०६	१६	२२	२३	०२	०२
क.	०९	२१	१८	५३	३५	२३	०७	५५	५५
वि.	२४	५९	१९	५५	०२	५१	१८	५०	५०
गति	६० ३३	७७४ २६	४३ १७	६० ३१	१४ २०	३४ ४६	०७ ०७	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	धनि. ३ च.	अश्ले. ३ च.	पू.षा. ३ च.	उ.षा. ४ च.	शत. ३ च.	पू.षा. ३ च.	श्रव. ४ च.	कृति. २ च.	विशा. ४ च.

वि. सं. २०७८, शाके १९४३, फाल्गुन कृष्ण पक्ष (दि. १७ फरवरी से २ मार्च २०२२ ई.), उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर/वसन्त ऋतु, के. अहर्गण ३९७०, अयनांश २४°/०९'/४५"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैण्डर्ड समय में)
२७	४४	१	गु.	३९	०७	२२	४१	म.	२२	५०	१६	१०	अति.	३१	५०	बा.	०८	५७	७:०२	६:०८	रा.मा. २८	फाल्गु. ६	र. १५	फर. १७	सिंह	गण्डमूल समा. १६:१० बजे, शनि धनिष्ठा में (A)
२७	४८	२	शु.	३८	४०	२२	३०	पू.फा.	२४	१०	१६	४२	सु.	२८	४०	तै.	०९	००	७:०२	६:०९	२९	७	१६	१८	कन्या २२:४६	सायन सूर्य मीन में २२:१३ बजे (B)
२७	५२	३	श.	३७	२०	२१	५७	उ.फा.	२४	३५	१६	५१	धृ.	२४	४७	व.	०८	०७	७:०१	६:१०	३०	८	१७	१९	कन्या	भद्रा १०:१६ से २१:५७ बजे तक, (C)
२७	५६	४	र.	३५	१५	२१	०६	ह.	२४	१५	१६	४२	शू.	२०	१७	ब.	०६	२२	७:००	६:११	रा.फा. १	९	१८	२०	तुला २८:३१	चं. उ. २१:५१ बजे, राष्ट्रीय फाल्गुन प्रा.।
२८	००	५	सो.	३२	२७	१९	५८	चि.	२३	१२	१६	१६	गं.	१५	१५	कौ.	०३	५७	६:५९	६:११	२	१०	१९	२१	तुला	भौम उ.षा. में २८:०१ बजे।
२८	०५	६	मं.	२९	०२	१८	३५	स्वा.	२१	३५	१५	३६	वृ.	०९	४२	ग.	००	५०	६:५८	६:१२	३	११	२०	२२	तुला	भद्रा १८:३५ से २९:४८ बजे तक, (D)
२८	०९	७	बु.	२५	००	१६	५७	वि.	१९	१५	१४	४०	ध्रु. व्या.	०३ ५७	४० ०५	ब.	२५	००	६:५७	६:१३	४	१२	२१	२३	वृश्चिक ०८:५६	कालाष्टमी।
२८	१३	८	गु.	२०	२०	१५	०४	अ.	१६	२७	१३	३१	ह.	५०	०५	कौ.	२०	२०	६:५६	६:१३	५	१३	२२	२४	वृश्चिक	गण्डमूल प्रा. १३:३१ बजे, (E)
२८	१७	९	शु.	१५	०७	१२	५८	ज्ये.	१३	००	१२	०७	व.	४२	३७	ग.	१५	०५	६:५५	६:१४	६	१४	२३	२५	धनु १२:०७	भद्रा २३:५० से
२८	२१	१०	श.	०९	२५	१०	४०	मू.	०९	०५	१०	३२	सि.	३४	५२	वि.	०९	२५	६:५४	६:१५	७	१५	२४	२६	धनु	भद्रा १०:४० बजे तक, गण्डमूल समा.१०:३२ बजे (F)
२८	२५	११ १२	र.	०३ ५७	२० ०५	०८ २९	१३ ४३	पू.षा.	०४	४७	०८	४८	व्य.	२६	५२	बा.	०३	२०	६:५३	६:१६	८	१६	२५	२७	मकर १४:२२	शुक्र मकर में १०:२० बजे, (G)
२८	३०	१३	सो.	५१	००	२७	१६	उ.फा. श्र.	०० ५६	२५ ०७	०७ २९	०२ १९	व.	१८	५२	ग.	२४	०२	६:५२	६:१६	९	१७	२६	२८	मकर	भद्रा २७:१६ से, सोम प्रदोष व्रत।
२८	३४	१४	मं.	४५	२५	२५	०१	ध.	५२	२२	२७	४८	प.	११	०२	वि.	१८	१०	६:५१	६:१७	१०	१८	२७	मार्च १	कुम्भ १६:३१	भद्रा १४:०७ बजे तक, (H)
२८	३८	३०	बु.	४०	३७	२३	०५	श.	४९	२७	२६	३७	शि. सि.	०३ ५७	४५ १०	च.	१२	५५	६:५०	६:१८	११	१९	२८	२	कुम्भ	गुरु पू.भा. में ११:१० बजे, (I)

(A) २५:२० बजे। (B) बुध श्रवण में ३०:२२ बजे, वसन्त ऋतु प्रा., गुरु वार्धक्य प्रा. १८:१२ बजे। (C) सूर्य शतभिषा में १७:५७ बजे, चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय २०: ५२ बजे। (D) शुक्र उ.षा. में २२:३९ बजे, गुरु पश्चिम में अस्त १८:१२ बजे। (E) शनि उदय १८:५७ बजे, हलाष्टमी, जानकी अष्टमी। (F) भौम मकर में १५:४६ बजे, महर्षि दयानन्द सरस्वती जयन्ती, विजया एकादशी व्रत (स्मा.)। (G) विजया एकादशी व्रत (वै.+नि.)। (H) पञ्चक प्रा.१६:३१ बजे, बुध धनिष्ठा में २०:३१ बजे, महा शिवरात्रि व्रत। (I) महाशिवरात्रि व्रत पारणा, युगादि अमावस्या।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	१०	०७	०८	०९	१०	०८	०९	०१	०७
अं.	११	१२	२८	१५	१८	२७	२४	०२	०२
क.	१३	३१	१३	५४	३०	३७	०३	३०	३०
वि.	१३	४९	२९	३४	१२	००	४७	२४	२४
गति	६० २३	८४६ ५३	४४ ३२	७६ १८	१४ २८	४४ १२	०६ ५८	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	शत. २ च.	अनु. ३ च.	उ.षा. १ च.	श्रव. २ च.	शत. ४ च.	उ.षा. १ च.	धनि. १ च.	कृत्ति. २ च.	विशा. ४ च.

२४ फरवरी २०२२ ई., प्रातः ६:२७

१२ | सू. गु. ११ | बु.श. १० | मं. ९ शु. | १ | रा. २ | ८ चं. के. | ३ | ५ | ७ | ४ | ६

फाल्गुन कृ. ८, गुरुवार

इस मास में पाँच गुरुवार और पाँच शुक्रवार हैं और मीन की संक्रान्ति सोमवार को है, अतः जौ, गेहूँ, चना में तेजी के बाद मन्दी का रुख रहेगा। ज्वार, बाजरा तिल, अलसी, सरसों के भाव मन्दे रहेंगे। लोहा, जस्ता, ताँबा के भावों में घटाबढ़ी रहेगी। शेयर बाजार में घटाबढ़ी के बाद गिरावट का रुख रहेगा।

२ मार्च २०२२ ई., प्रातः ६:२७

१२ | सू. गु. च. ११ | श.बु.शु. १० | ९ | १ | रा. २ | ८ के. | ३ | ५ | ७ | ४ | ६

फाल्गुन कृ. ३०, बुधवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	१०	१०	०९	०९	१०	०९	०९	०१	०७
अं.	१७	०८	०२	२३	१९	०२	२४	०२	०२
क.	१५	१३	४१	५४	५७	१५	४५	११	११
वि.	०७	४७	०८	४४	०९	५९	१७	१९	१९
गति	६० १३	८३९ ००	४४ ४२	८४ ५२	१४ ३१	४९ २७	०६ ४९	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	शत. ४ च.	शत. १ च.	उ.षा. २ च.	धनि. १ च.	शत. ४ च.	उ.षा. २ च.	धनि. १ च.	कृत्ति. २ च.	विशा. ४ च.

वि. सं. २०७८, शाके १९४३, फाल्गुन शुक्ल पक्ष (दि. ३ मार्च से १८ मार्च २०२२ ई.), उत्तरायण, दक्षिण गोल, वसन्त ऋतु, के. अहर्गण ३९८४, अयनांश २४°/०९'/४७"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैण्डर्ड समय में)
२८	४२	१	गु.	३७	००	२१	३७	पू.भा.	४५	१७	२५	५६	सा.	५१	३७	किं.	०८	४०	६:४९	६:१८	रा.प्र. १२	फाल्गु. २०	र. २९	मार्च ३	मीन २०:०३	
२८	४७	२	शु.	३४	५२	२०	४५	उ.भा.	४७	३७	२५	५१	शुभ	४७	२०	बा.	०५	४५	६:४८	६:१९	१३	२१	३०	४	मीन	गण्डमूल प्रा. २५:५१ बजे, सूर्य पू.भा. में (A)
२८	५१	३	श.	३४	३२	२०	३६	रे.	४९	१५	२६	२९	शु.	४४	२७	तै.	०४	३०	६:४७	६:१९	१४	२२	श. १	५	मेष २६:२९	पञ्चक समा. २६:२९ बजे, मु. शव्वान प्रा.।
२८	५५	४	र.	३६	०५	२१	१२	अ.	५२	४२	२७	५१	ब्र.	४३	०५	व.	०७	३२	६:४६	६:२०	१५	२३	२	६	मेष	भद्रा ०८:४८ से २१:१२ बजे तक, गण्डमूल (B)
२८	५९	५	सो.	३९	३०	२२	३३	भ.	५५	२२	२९	५४	ऐं.	४३	०५	ब.	०७	३५	६:४५	६:२०	१६	२४	३	७	मेष	
२९	०४	६	मं.	४४	३०	२४	३१	कृ.	६०	००	-	-	वै.	४४	२०	कौ.	११	५२	६:४३	६:२१	१७	२५	४	८	वृष १२:३०	
२९	०८	७	बु.	५०	३७	२६	५७	कृ.	०४	३२	०८	३१	वि.	४६	२२	ग.	१७	३०	६:४२	६:२२	१८	२६	५	९	वृष	भद्रा २६:५७ बजे से,
२९	१२	८	गु.	५७	१५	२९	३५	रो.	१२	०२	११	३०	प्री.	४८	५०	वि.	२३	५५	६:४१	६:२२	१९	२७	६	१०	मिथुन २५:०२	भद्रा १६:१५ बजे तक, बुध शतभिषा में १९:४३ बजे, (C)
२९	१७	९	शु.	६०	००	-	-	मृ.	१९	४७	१४	३५	आ.	५१	१५	बा.	३०	३२	६:४०	६:२३	२०	२८	७	११	मिथुन	भौम श्रवण में २५:३२ बजे,
२९	२१	९	श.	०३	४२	०८	०८	आ.	२७	१२	१७	३२	सौ.	५३	०७	कौ.	०३	४२	६:३९	६:२४	२१	२९	८	१२	मिथुन	
२९	२५	१०	र.	०९	२०	१०	२२	पुन.	३३	४०	२०	०६	शो.	५४	०७	ग.	०९	२०	६:३८	६:२४	२२	३०	९	१३	कर्क १३:३०	भद्रा २३:१८ से,
२९	३०	११	सो.	१३	४२	१२	०६	पु.	३८	४७	२२	०८	अति.	५४	००	वि.	१३	४२	६:३७	६:२५	२३	चै. १	१०	१४	कर्क	भद्रा १२:०६ बजे तक, गण्डमूल प्रा. २२:०८ बजे, (D)
२९	३४	१२	मं.	१६	३२	१३	१२	आश्ले.	४२	२५	२३	३३	सु.	५२	४२	बा.	१६	३२	६:३५	६:२५	२४	२	११	१५	सिंह २३:३३	भौम प्रदोष व्रत, (E)
२९	३८	१३	बु.	१७	४५	१३	४०	म.	४४	२७	२४	२१	धृ.	५०	०७	तै.	१७	४५	६:३४	६:२६	२५	३	१२	१६	सिंह	गण्डमूल समा. २४:२१ बजे।
२९	४३	१४	गु.	१७	२२	१३	३०	पू.फा.	४५	०२	२४	३४	शू.	४६	२५	व.	१७	२२	६:३३	६:२६	२६	४	१३	१७	सिंह	भद्रा १३:३० से २५:१३ बजे तक, (F)
२९	४७	१५	शु.	१५	३७	१२	४७	उ.फा.	४४	२२	२४	१७	गं.	४१	४२	ब.	१५	३७	६:३२	६:२७	२७	५	१४	१८	कन्या ०६:३२	सूर्य उ.भा. में ०८:३७ बजे, (G)

(A) २४:११ बजे, चन्द्र दर्शन, फुलैरा दोज, रामकृष्ण परमहंस जयन्ती। (B) समा. २७:५१ बजे, बुध कुम्भ में ११:२२ बजे, विनायक चतुर्थी। (C) शुक्र श्रवण में २७:५५ बजे, रोहिणी व्रत, दुर्गाष्टमी, अष्टाह्निक पर्व प्रा., औली जैन प्रा., होलाष्टक प्रा.। (D) मीन संक्रान्ति २४:१६ बजे, बुध अस्त २१:४६ बजे, आमलकी एकादशी व्रत (स.), रङ्गभरी एकादशी, (E) मीन सं. पुण्यकाल सूर्योदय से, गोविन्द द्वादशी। (F) अष्टाह्निक पर्व समा., होलाष्टक समा., औली जैन समा., पूर्णिमा व्रत, होलिका दहन २२:१५ से २३:२७ भद्रापुच्छभाग में। (G) बुध पू.भा. में २१:०७ बजे, होली, सत्यव्रत, धुलैण्डी, धूलिवन्दन, आम्रकलिका प्राशन, वसन्तोत्सव, चैतन्य महाप्रभु जयन्ती, मन्वादि।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	१०	०१	०९	१०	१०	०९	०९	०१	०७
अं.	२५	२०	०८	०५	२१	०९	२५	०१	०१
क.	१६	५०	३९	४७	५३	११	३८	४५	४५
वि.	००	४९	२४	५५	१६	०६	५८	५३	५३
गति	५९ ५७	७६८ ४७	४४ ५३	९४ २९	१४ ३०	५४ ५३	०६ ३३	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	पू.भा. २ च.	रे. ४ च.	उ.षा. ४ च.	धनि. ४ च.	पू.भा. १ च.	उ.षा. ४ च.	धनि. १ च.	कृत्ति. २ च.	विशा. ४ च.

१० मार्च २०२२ ई., प्रातः ६:२७

१२ — सू.गु.बु. ११ — श.मं.शु. १० — ९ — १ — रा. चं. २ — ८ के. — ३ — ५ — ७ — ४ — ६

फाल्गुन शु. ८, गुरुवार

इस मास में सूर्य-गुरु की युति उनका राहु एवं केतु से केन्द्रीय योग और मकर राशि में मंगल, बुध, शुक्र, शनि की युति होने के कारण भारत के उत्तर-पश्चिम के प्रान्तों विशेषकर कश्मीर की सीमा पर आन्तकवादी घटनाओं से जन-धन की हानि होगी। विश्व के कई स्थानों पर बम विस्फोट, भूकम्प एवं प्राकृतिक प्रकोप से अशान्ति एवं भय का वातावरण रहेगा।

१८ मार्च २०२२ ई., प्रातः ६:२७

१ — सू. १२ — बु. गु. ११ — शु. १० श. मं. — रा. २ — ३ — ९ — ६ — ४ — ८ के. — ५ चं. — ७

फाल्गुन शु. १५, शुक्रवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	११	०४	०९	१०	१०	०९	०९	०१	०७
अं.	०३	२९	१४	१८	२३	१६	२६	०१	०१
क.	१४	५७	३९	५६	४८	४३	३०	२०	२०
वि.	३७	०४	०४	३५	५८	१४	१६	२७	२७
गति	५९ ४०	८१२ ५६	४५ ०३	९३ ५८	१४ २५	५७ ३८	०६ १३	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	पू.भा. ४ च.	उ.फा. १ च.	श्रव. २ च.	शत. ४ च.	पू.भा. २ च.	श्रव. ३ च.	धनि. १ च.	कृत्ति. २ च.	विशा. ४ च.

वि. सं. २०७८, शाके १९४३, चैत्र कृष्ण पक्ष (दि. १९ मार्च से १ अप्रैल २०२२ ई.), उत्तरायण, दक्षिण/उत्तर गोल, वसन्त ऋतु, के. अहर्गण ४०००, अयनांश २४°/०९'/४९"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैण्डर्ड समय में)
२९	५१	१	श.	१२	४७	११	३८	ह.	४२	४५	२३	३८	वृ.	३६	१२	कौ.	१२	४७	६:३१	६:२८	रा.फा. २८	चैत्र. ६	श. १५	मार्च १९	कन्या	
२९	५६	२	र.	०९	०२	१०	०७	चि.	४०	२५	२२	४०	ध्रु.	३०	०५	ग.	०९	०२	६:३०	६:२८	२९	७	१६	२०	तुला ११:११	भद्रा २१:१५ से, सायन सूर्य मेष में २१:०३ बजे, (A)
३०	००	३	सो.	०४	४२	०८	२१	स्वा.	३७	३७	२१	३१	व्या.	२३	३५	वि.	०४	४२	६:२८	६:२९	३०	८	१७	२१	तुला	भद्रा ०८:२१ बजे तक, (B)
३०	०५	४ ५	मं.	०० ५४	०५ ५५	०६ २८	२९ २५	वि.	३४	२५	२०	१३	ह.	१६	४५	बा.	००	०५	६:२७	६:२९	रा.चै. १	९	१८	२२	वृश्चिक १४:३३	राष्ट्रीय चैत्र प्रा., रंग पंचमी, (C)
३०	१०	६	बु.	४९	३७	२६	१७	अ.	३१	०५	१८	५२	व.	०९	४२	ग.	२२	१५	६:२६	६:३०	२	१०	१९	२३	वृश्चिक	भद्रा २६:१७ से, गण्डमूल प्रा. १८:५२ बजे,(D)
३०	१४	७	गु.	४४	२२	२४	१०	ज्ये.	२७	४२	१७	३०	सि. व्य.	०२ ५५	३७ २७	वि.	१७	००	६:२५	६:३०	३	११	२०	२४	धनु १७:३०	भद्रा १३:१३ बजे तक, बुध मीन में (E)
३०	१८	८	शु.	३९	१५	२२	०५	मू.	२४	२०	१६	०७	वरि.	४८	२७	बा.	११	५०	६:२३	६:३१	४	१२	२१	२५	धनु	गण्डमूल समा.१६:०७ बजे, (F)
३०	२२	९	श.	३४	१०	२०	०२	पू.षा.	२१	०२	१४	४८	प.	४१	३०	तै.	०६	४२	६:२२	६:३१	५	१३	२२	२६	मकर २०:२८	
३०	२७	१०	र.	२९	१७	१८	०४	उ.षा.	१७	५७	१३	३२	शि.	३४	४५	व.	०१	४२	६:२१	६:३२	६	१४	२३	२७	मकर	भद्रा ०७:०२ से १८:०४ बजे तक।
३०	३१	११	सो.	२४	४७	१६	१५	श्र.	१५	१०	१२	२४	सि.	२८	१५	बा.	२४	४७	६:२०	६:३३	७	१५	२४	२८	कुम्भ २३:५४	पञ्चक प्रा. २३:५४ बजे, गुरु बाल्यत्व समा. (G)
३०	३५	१२	मं.	२०	५०	१४	३९	ध.	१२	५२	११	२८	सा.	२२	१५	तै.	२०	५०	६:१९	६:३३	८	१६	२५	२९	कुम्भ	भौम धनिष्ठा में १९:१९ बजे, (H)
३०	४०	१३	बु.	१७	३२	१३	१९	श.	११	१५	१०	४८	शुभ	१६	४७	व.	१७	३२	६:१८	६:३४	९	१७	२६	३०	मीन २८:३१	भद्रा १३:१९ से २४:४८ बजे, (I)
३०	४४	१४	गु.	१५	१७	१२	२३	पू.भा.	१०	३५	१०	३०	शु.	१२	०७	श.	१५	१७	६:१६	६:३४	१०	१८	२७	३१	मीन	शुक्र कुम्भ में ०८:४१ बजे, (J)
३०	४८	३०	शु.	१४	०७	११	५४	उ.भा.	११	०२	१०	४०	ब्र.	०८	२२	ना	१४	०७	६:१५	६:३५	११	१९	२८	अप्रैल १	मेष ११:२१	गण्डमूल प्रा. १०:४० बजे, (K)

(A) उत्तर गोल प्रा., विषुवद् दिन। (B) चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय २१:५१ बजे। (C) मेला नवचण्डी प्रा. (मेरठ)। (D) एकनाथ षष्ठी। (E) १०:५७ बजे, शुक्र धनिष्ठा में २१:४९ बजे। (F) बुध उ.भा.२९:४२ बजे, गुरु पूर्व मे उदय ०९:२२ बजे, मेला नवचण्डी (मेरठ) समा., कालाष्टमी, शीतलाष्टमी, बासोडा। (G) ०९:२२ बजे।, पापमोचिनी एकादशी व्रत (स.)। (H) भौम प्रदोष व्रत। (I) मासशिवरात्रि। (J) सूर्य रेवती में १६:२५ बजे, अमावस्या श्राद्धादि। (K) अमावस्या स्नानदानादि, मेला पेहूवा (पृथुदक) हरियाणा, बैंक अवकाश, विक्रम संवत् २०७८ समाप्त।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	११	०८	०९	११	१०	०९	०९	०१	०७
अं.	१०	०७	१९	०१	२५	२३	२७	००	००
क.	११	३८	५४	३०	३९	४१	१२	५८	५८
वि.	३९	१३	५२	४२	२४	५६	४७	११	११
गति	५९ २८	८४७ ४६	४५ १२	११२ ५०	१४ १६	६१ १६	०६ १२	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	उ.भा. ३ च.	मृग. ३ च.	श्रव. ३ च.	पू.भा. ४ च.	पू.भा. २ च.	धनि. १ च.	धनि. २ च.	कृत्ति. २ च.	विशा. ४ च.

२५ मार्च २०२२ ई., प्रातः ६:२७

१ सू. बु. १२ | २ रा. | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ के. | ९ चं. | १० मं. शुु. | ११ गु. | श.

चैत्र कृ. ८, शुक्रवार

इस मास में गुरु-शुक्र की युति उनका सूर्य-बुध एवं मंगल-शनि से द्विर्द्वादश तथा राहु एवं केतु से केन्द्रीय योग होने के कारण भूकम्प एवं प्राकृतिक प्रकोप से जन-धन कि हानि होगी। ओला वृष्टि से खड़ी फसल को भारी मात्रा में हानि पहुँचने से दुर्भिक्ष की सम्भावना है। विपक्षी पार्टियाँ मँहगाई एवं बेरोजगारी को मुद्‌दा बनाकर सरकार को घेरने का प्रयास करेंगी।

१ अप्रैल २०२२ ई., प्रातः ६:२७

१ | १२ सू.चं.बु. | २ रा. | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ के. | ९ | १० श. मं. | ११ गु.शु.

चैत्र कृ. ३०, शुक्रवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	११	११	०९	११	१०	१०	०९	०१	०७
अं.	१७	१४	२५	१५	२७	००	२७	००	००
क.	०७	२१	११	०६	०८	५७	५२	३५	३५
वि.	१४	४४	३२	५२	३९	१२	४३	३५	५६
गति	५९ १५	७८१ ०१	४५ १७	१२१ १६	१४ ०३	६३ १७	०५ १८	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	रेव. १ च.	उ.भा. ४ च.	धनि. १ च.	उ.भा. ४ च.	पू.भा. ३ च.	धनि. ३ च.	धनि. २ च.	कृत्ति. २ च.	विशा. ४ च.

विक्रम सम्वत् २०७८, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, मार्च २०२१ (स्टैं. समय प्रातः०६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	सोम	१० १६ ३० ३५	०५ ०६ १७ ३६	०१ ०४ ०३ २१	०६ १६ ५६ ०३	०६ २२ २८ १६	१० १० १२ ४७	०६ १४ १६ २३	०१ २१ ३५ ०१	०७ २१ ३५ ०१
२	मंगल	१० १७ ३० ४६	०५ २३ ५३ ४२	०१ ०४ ३७ ५६	०६ २० ४३ ३६	०६ २२ ४१ ५४	१० ११ २७ ४४	०६ १४ २५ ४७	०१ २१ ३१ ५१	०७ २१ ३१ ५१
३	बुध	१० १८ ३० ५७	०६ ०८ २७ ५३	०१ ०५ १२ ४०	०६ २१ ३१ ४७	०६ २२ ५५ २६	१० १२ ४२ ४०	०६ १४ ३२ ०८	०१ २१ २८ ४०	०७ २१ २८ ४०
४	गुरु	१० १६ ३१ ०५	०६ २२ ५४ ४०	०१ ०५ ४७ २५	०६ २२ २३ २१	०६ २३ ०६ ०१	१० १३ ५७ ३६	०६ १४ ३८ २७	०१ २१ २५ २६	०७ २१ २५ २६
५	शुक्र	१० २० ३१ १२	०७ ०७ १० २७	०१ ०६ २२ १३	०६ २३ १८ ०३	०६ २३ २२ ३१	१० १५ १२ ३२	०६ १४ ४४ ४३	०१ २१ २२ १८	०७ २१ २२ १८
६	शनि	१० २१ ३१ १८	०७ २१ १३ ३०	०१ ०६ ५७ ०५	०६ २४ १५ ४२	०६ २३ ३५ ५६	१० १६ २७ २७	०६ १४ ५० ५६	०१ २१ १६ ०७	०७ २१ १६ ०७
७	रवि	१० २२ ३१ २२	०८ ०५ ०३ ३३	०१ ०७ ३२ ००	०६ २५ १६ ०६	०६ २३ ४६ २३	१० १७ ४२ २१	०६ १४ ५७ ०७	०१ २१ १५ ५७	०७ २१ १५ ५७
८	सोम	१० २३ ३१ २५	०८ १८ ४१ १०	०१ ०८ ०६ ५८	०६ २६ १६ ०४	०६ २४ ०२ ४५	१० १८ ५७ १५	०६ १५ ०३ १५	०१ २१ १२ ४६	०७ २१ १२ ४६
९	मंगल	१० २४ ३१ २५	०६ ०२ ०७ ०८	०१ ०८ ४१ ५६	०६ २७ २४ २६	०६ २४ १६ ०४	१० २० १२ ०८	०६ १५ ०६ २०	०१ २१ ०६ ३५	०७ २१ ०६ ३५
१०	बुध	१० २५ ३१ २५	०६ १५ २२ ०२	०१ ०६ १७ ०३	०६ २८ ३२ ०५	०६ २४ २६ २०	१० २१ २७ ००	०६ १५ १५ २२	०१ २१ ०६ २४	०७ २१ ०६ २४
११	गुरु	१० २६ ३१ २२	०६ २८ २५ ५६	०१ ०६ ५२ ११	०६ २६ ४१ ५२	०६ २४ ४२ ३२	१० २२ ४१ ५१	०६ १५ २१ २१	०१ २१ ०३ १४	०७ २१ ०३ १४
१२	शुक्र	१० २७ ३१ १८	१० ११ १८ ४५	०१ १० २७ २१	१० ०० ५३ ४१	०६ २४ ५५ ४२	१० २३ ५६ ४२	०६ १५ २७ १७	०१ २१ ०० ०३	०७ २१ ०० ०३
१३	शनि	१० २८ ३१ १२	१० २३ ५६ ४६	०१ ११ ०२ ३४	१० ०२ ०७ २६	०६ २५ ०८ ४८	१० २५ ११ ३२	०६ १५ ३३ १०	०१ २० ५६ ५२	०७ २० ५६ ५२
१४	रवि	१० २६ ३१ ०४	११ ०६ २८ ५२	०१ ११ ३७ ५०	१० ०३ २३ ०१	०६ २५ २१ ५०	१० २६ २६ २१	०६ १५ ३६ ००	०१ २० ५३ ४१	०७ २० ५३ ४१
१५	सोम	११ ०० ३० ५४	११ १८ ४५ ५७	०१ १२ १३ ०६	१० ०४ ४० २३	०६ २५ ३४ ४६	१० २७ ४१ ०६	०६ १५ ४४ ४६	०१ २० ५० ३०	०७ २० ५० ३०
१६	मंगल	११ ०१ ३० ४२	०० ०० ५१ ५५	०१ १२ ४८ ३१	१० ०५ ५६ २६	०६ २५ ४७ ४५	१० २८ ५५ ५७	०६ १५ ५० २६	०१ २० ४७ २०	०७ २० ४७ २०
१७	बुध	११ ०२ ३० २७	०० १२ ४८ ३०	०१ १३ २३ ५५	१० ०७ २० ०६	०६ २६ ०० ३७	११ ०० १० ४३	०६ १५ ५६ ०६	०१ २० ४४ ०६	०७ २० ४४ ०६
१८	गुरु	११ ०३ ३० ११	०० २४ ३८ २८	०१ १३ ५६ २२	१० ०८ ४२ २२	०६ २६ १३ २५	११ ०१ २५ २८	०६ १६ ०१ ४५	०१ २० ४० ५८	०७ २० ४० ५८
१९	शुक्र	११ ०४ २६ ५२	०१ ०६ २५ २६	०१ १४ ३४ ५१	१० १० ०६ १०	०६ २६ २६ ०६	११ ०२ ४० १२	०६ १६ ०७ १८	०१ २० ३७ ४७	०७ २० ३७ ४७
२०	शनि	११ ०५ २६ ३२	०१ १८ १४ ०२	०१ १५ १० २२	१० ११ ३१ २७	०६ २६ ३८ ४६	११ ०३ ५४ ५५	०६ १६ १२ ४७	०१ २० ३४ ३७	०७ २० ३४ ३७
२१	रवि	११ ०६ २६ ०८	०२ ०० ०६ १४	०१ १५ ४५ ५६	१० १२ ५८ १३	०६ २६ ५१ २५	११ ०५ ०६ ३७	०६ १६ १८ १३	०१ २० ३१ २६	०७ २० ३१ २६
२२	सोम	११ ०७ २८ ४३	०२ १२ १६ ३३	०१ १६ २१ ३१	१० १४ २६ २४	०६ २७ ०३ ५७	११ ०६ २४ १८	०६ १६ २३ ३५	०१ २० २८ १५	०७ २० २८ १५
२३	मंगल	११ ०८ २८ १५	०२ २४ ४१ २७	०१ १६ ५७ ०६	१० १५ ५६ ००	०६ २७ १६ २५	११ ०७ ३८ ५८	०६ १६ २८ ५३	०१ २० २५ ०४	०७ २० २५ ०४
२४	बुध	११ ०६ २७ ४५	०३ ०७ २८ ५४	०१ १७ ३२ ४६	१० १७ २७ ००	०६ २७ २८ ४६	११ ०८ ५३ ३७	०६ १६ ३४ ०७	०१ २० २१ ५४	०७ २० २१ ५४
२५	गुरु	११ १० २७ १३	०३ २० ४२ ४१	०१ १८ ०८ ३०	१० १८ ५६ २३	०६ २७ ४१ ०८	११ १० ०८ १४	०६ १६ ३६ १७	०१ २० १८ ४३	०७ २० १८ ४३
२६	शुक्र	११ ११ २६ ३६	०४ ०४ २४ ४७	०१ १८ ४४ १३	१० २० ३३ ०६	०६ २७ ५३ २३	११ ११ २२ ५०	०६ १६ ४४ २४	०१ २० १५ ३२	०७ २० १५ ३२
२७	शनि	११ १२ २६ ०२	०४ १८ ३४ ३०	०१ १६ १६ ५८	१० २२ ०८ १६	०६ २८ ०५ ३३	११ १२ ३७ २६	०६ १६ ४६ २६	०१ २० १२ २१	०७ २० १२ २१
२८	रवि	११ १३ २५ २३	०५ ०३ ०८ ०६	०१ १६ ५५ ४५	१० २३ ४४ ४६	०६ २८ १७ ३६	११ १३ ५२ ००	०६ १६ ५४ २५	०१ २० ०६ १०	०७ २० ०६ १०
२९	सोम	११ १४ २४ ४२	०५ १७ ५८ ५८	०१ २० ३१ ३३	१० २५ २२ ३७	०६ २८ २६ ४०	११ १५ ०६ ३३	०६ १६ ५६ २०	०१ २० ०६ ००	०७ २० ०६ ००
३०	मंगल	११ १५ २३ ५६	०६ ०२ ५८ २३	०१ २१ ०७ २२	१० २७ ०१ ५१	०६ २८ ४१ ३६	११ १६ २१ ०५	०६ १७ ०४ १०	०१ २० ०२ ४६	०७ २० ०२ ४६
३१	बुध	११ १६ २३ १४	०६ १७ ५७ ०२	०१ २१ ४३ १४	१० २८ ४२ २८	०६ २८ ५३ २८	११ १७ ३५ ३६	०६ १७ ०८ ५६	०१ १६ ५६ ३८	०७ १६ ५६ ३८

विक्रम सम्वत् २०७८, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, अप्रैल २०२१ (स्टैं. समय प्रात:०६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	गुरु	११ १७ २२ २७	०७ ०२ ४६ ३५	०१ २२ १९ ०७	११ ०० २४ २७	०९ २९ ०५ १४	११ १८ ५० ०६	०९ १७ १३ ३८	०१ १९ ५६ २७	०७ १९ ५६ २७
२	शुक्र	११ १८ २१ ३८	०७ १७ २० ५१	०१ २२ ५५ ०१	११ ०२ ०७ ५१	०९ २९ १६ ५६	११ २० ०४ ३५	०९ १७ १८ १९	०१ १९ ५३ १७	०७ १९ ५३ १७
३	शनि	११ १९ २० ४८	०८ ०१ ३६ १०	०१ २३ ३० ५७	११ ०३ ५२ ३८	०९ २९ २८ ३३	११ २१ १९ ०३	०९ १७ २२ ४९	०१ १९ ५० ०६	०७ १९ ५० ०६
४	रवि	११ २० १९ ५६	०८ १५ ३१ १७	०१ २४ ०६ ५४	११ ०५ ३८ ५१	०९ २९ ४० ०४	११ २२ ३३ ३०	०९ १७ २७ १९	०१ १९ ४६ ५५	०७ १९ ४६ ५५
५	सोम	११ २१ १९ ०२	०८ २९ ०६ ४३	०१ २४ ४२ ५३	११ ०७ २६ २९	०९ २९ ५१ ३०	११ २३ ४७ ५७	०९ १७ ३१ ४३	०१ १९ ४३ ४४	०७ १९ ४३ ४४
६	मंगल	११ २२ १८ ०६	०९ १२ २४ ००	०१ २५ १८ ५४	११ ०९ १५ ३४	१० ०० ०२ ५१	११ २५ ०२ २२	०९ १७ ३६ ०३	०१ १९ ४० ३४	०७ १९ ४० ३४
७	बुध	११ २३ १७ ०९	०९ २५ २५ ०९	०१ २५ ५४ ५६	११ ११ ०६ ०५	१० ०० १४ ०६	११ २६ १६ ४६	०९ १७ ४० १९	०१ १९ ३७ २३	०७ १९ ३७ २३
८	गुरु	११ २४ १६ ०९	१० ०८ १२ ०९	०१ २६ ३१ ००	११ १२ ५८ ०३	१० ०० २५ १६	११ २७ ३१ १०	०९ १७ ४४ ३०	०१ १९ ३४ १२	०७ १९ ३४ १२
९	शुक्र	११ २५ १५ ०८	१० २० ४६ ४४	०१ २७ ०७ ०५	११ १४ ५१ २८	१० ०० ३६ २०	११ २८ ४५ ३२	०९ १७ ४८ ३६	०१ १९ ३१ ०१	०७ १९ ३१ ०१
१०	शनि	११ २६ १४ ०५	११ ०३ १० १६	०१ २७ ४३ १२	११ १६ ४६ २१	१० ०० ४७ १८	११ २९ ५९ ५४	०९ १७ ५२ ३८	०१ १९ २७ ५०	०७ १९ २७ ५०
११	रवि	११ २७ १३ ०१	११ १५ २३ ५६	०१ २८ १९ २०	११ १८ ४२ ४०	१० ०० ५८ ११	०० ०१ १४ १४	०९ १७ ५६ ३५	०१ १९ २४ ४०	०७ १९ २४ ४०
१२	सोम	११ २८ ११ ५४	११ २७ २८ ५०	०१ २८ ५५ ३०	११ २० ४० २५	१० ०१ ०८ ५७	०० ०२ २८ ३३	०९ १८ ०० २६	०१ १९ २१ २९	०७ १९ २१ २९
१३	मंगल	११ २९ १० ४५	०० ०९ २६ ११	०१ २९ ३१ ४१	११ २२ ३९ ३४	१० ०१ १९ ३७	०० ०३ ४२ ५२	०९ १८ ०४ १४	०१ १९ १८ १८	०७ १९ १८ १८
१४	बुध	०० ०० ०९ ३४	०० २१ १७ ३७	०२ ०० ०७ ५३	११ २४ ४० ०५	१० ०१ ३० ११	०० ०४ ५७ ०९	०९ १८ ०७ ५६	०१ १९ १५ ०७	०७ १९ १५ ०७
१५	गुरु	०० ०१ ०८ २१	०१ ०३ ०५ १६	०२ ०० ४४ ०६	११ २६ ४१ ५५	१० ०१ ४० ३९	०० ०६ ११ २४	०९ १८ ११ ३३	०१ १९ ११ ५७	०७ १९ ११ ५७
१६	शुक्र	०० ०२ ०७ ०६	०१ १४ ५१ ५६	०२ ०१ २० २१	११ २८ ४४ ५९	१० ०१ ५१ ०१	०० ०७ २५ ३९	०९ १८ १५ ०५	०१ १९ ०८ ४६	०७ १९ ०८ ४६
१७	शनि	०० ०३ ०५ ४९	०१ २६ ४१ ०३	०२ ०१ ५६ ३७	०० ०० ४९ १३	१० ०२ ०१ १६	०० ०८ ३९ ५३	०९ १८ १८ ३२	०१ १९ ०५ ३५	०७ १९ ०५ ३५
१८	रवि	०० ०४ ०४ ३०	०२ ०८ ३६ ४६	०२ ०२ ३२ ५४	०० ०२ ५४ २९	१० ०२ ११ २४	०० ०९ ५४ ०५	०९ १८ २१ ५४	०१ १९ ०२ २४	०७ १९ ०२ २४
१९	सोम	०० ०५ ०३ ०८	०२ २० ४३ ४०	०२ ०३ ०९ ११	०० ०५ ०० ४०	१० ०२ २१ २६	०० ११ ०८ १६	०९ १८ २५ ११	०१ १८ ५९ १३	०७ १८ ५९ १३
२०	मंगल	०० ०६ ०१ ४५	०३ ०३ ०६ ४२	०२ ०३ ४५ ३०	०० ०७ ०७ ३६	१० ०२ ३१ २१	०० १२ २२ २५	०९ १८ २८ २२	०१ १८ ५६ ०३	०७ १८ ५६ ०३
२१	बुध	०० ०७ ०० १९	०३ १५ ५० ३९	०२ ०४ २१ ५०	०० ०९ १५ ०६	१० ०२ ४१ ०९	०० १३ ३६ ३४	०९ १८ ३१ २९	०१ १८ ५२ ५२	०७ १८ ५२ ५२
२२	गुरु	०० ०७ ५८ ५१	०३ २८ ५९ ४६	०२ ०४ ५८ ११	०० ११ २२ ५७	१० ०२ ५० ५०	०० १४ ५० ४१	०९ १८ ३४ ३०	०१ १८ ४९ ४१	०७ १८ ४९ ४१
२३	शुक्र	०० ०८ ५७ २०	०४ १२ ३६ ५६	०२ ०५ ३४ ३३	०० १३ ३० ५४	१० ०३ ०० २४	०० १६ ०४ ४६	०९ १८ ३७ २६	०१ १८ ४६ ३०	०७ १८ ४६ ३०
२४	शनि	०० ०९ ५५ ४८	०४ २६ ४३ ००	०२ ०६ १० ५५	०० १५ ३८ ४१	१० ०३ ०९ ५१	०० १७ १८ ५१	०९ १८ ४० १६	०१ १८ ४३ २०	०७ १८ ४३ २०
२५	रवि	०० १० ५४ १३	०५ ११ १५ ५८	०२ ०६ ४७ १८	०० १७ ४६ ०२	१० ०३ १९ ११	०० १८ ३२ ५४	०९ १८ ४३ ०१	०१ १८ ४० ०९	०७ १८ ४० ०९
२६	सोम	०० ११ ५२ ३७	०५ २६ १० ४५	०२ ०७ २३ ४२	०० १९ ५२ ३९	१० ०३ २८ २४	०० १९ ४६ ५६	०९ १८ ४५ ४१	०१ १८ ३६ ५८	०७ १८ ३६ ५८
२७	मंगल	०० १२ ५० ५८	०६ ११ १९ २३	०२ ०८ ०० ०७	०० २१ ५८ १२	१० ०३ ३७ २९	०० २१ ०० ५६	०९ १८ ४८ १६	०१ १८ ३३ ४७	०७ १८ ३३ ४७
२८	बुध	०० १३ ४९ १८	०६ २६ ३२ १०	०२ ०८ ३६ ३२	०० २४ ०२ २३	१० ०३ ४६ २७	०० २२ १४ ५६	०९ १८ ५० ४५	०१ १८ ३० ३७	०७ १८ ३० ३७
२९	गुरु	०० १४ ४७ ३६	०७ ११ ३९ १०	०२ ०९ १२ ५८	०० २६ ०४ ५३	१० ०३ ५५ १७	०० २३ २८ ५४	०९ १८ ५३ ०८	०१ १८ २७ २६	०७ १८ २७ २६
३०	शुक्र	०० १५ ४५ ५२	०७ २६ ३१ ४९	०२ ०९ ४९ २५	०० २८ ०५ २५	१० ०४ ०४ ००	०० २४ ४२ ५१	०९ १८ ५५ २६	०१ १८ २४ १५	०७ १८ २४ १५

विक्रम सम्वत् २०७८, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, मई २०२१ (स्टैं. समय प्रातः०६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	शनि	०० १६ ४४ ०७	०८ ११ ०३ ५६	०२ १० २५ ५३	०१ ०० ०३ ४२	१० ०४ १२ ३५	०० २५ ५६ ४७	०९ १८ ५७ ३६	०१ १८ २१ ०४	०७ १८ २१ ०४
२	रवि	०० १७ ४२ २०	०८ २५ १२ ०५	०२ ११ ०२ २१	०१ ०१ ५९ २८	१० ०४ २१ ०२	०० २७ १० ४३	०९ १८ ५९ ४६	०१ १८ १७ ५३	०७ १८ १७ ५३
३	सोम	०० १८ ४० ३२	०९ ०८ ५५ २३	०२ ११ ३८ ५१	०१ ०३ ५२ ३०	१० ०४ २९ २१	०० २८ २४ ३७	०९ १९ ०१ ४७	०१ १८ १४ ४३	०७ १८ १४ ४३
४	मंगल	०० १९ ३८ ४२	०९ २२ १४ ५४	०२ १२ १५ २१	०१ ०५ ४२ ३३	१० ०४ ३७ ३२	०० २९ ३८ ३०	०९ १९ ०३ ४३	०१ १८ ११ ३२	०७ १८ ११ ३२
५	बुध	०० २० ३६ ५१	१० ०५ १२ ५६	०२ १२ ५१ ५२	०१ ०७ २९ २९	१० ०४ ४५ ३५	०१ ०० ५२ २२	०९ १९ ०५ ३३	०१ १८ ०८ २१	०७ १८ ०८ २१
६	गुरु	०० २१ ३४ ५८	१० १७ ५२ २६	०२ १३ २८ २४	०१ ०९ १३ ०६	१० ०४ ५३ ३०	०१ ०२ ०६ १४	०९ १९ ०७ १७	०१ १८ ०५ १०	०७ १८ ०५ १०
७	शुक्र	०० २२ ३३ ०४	११ ०० १६ ३६	०२ १४ ०४ ५७	०१ १० ५३ १७	१० ०५ ०१ १६	०१ ०३ २० ०४	०९ १९ ०८ ५५	०१ १८ ०२ ००	०७ १८ ०२ ००
८	शनि	०० २३ ३१ ०९	११ १२ २८ २६	०२ १४ ४१ ३१	०१ १२ २९ ५५	१० ०५ ०८ ५४	०१ ०४ ३३ ५३	०९ १९ १० २८	०१ १७ ५८ ४९	०७ १७ ५८ ४९
९	रवि	०० २४ २९ १२	११ २४ ३० ४४	०२ १५ १८ ०६	०१ १४ ०२ ५४	१० ०५ १६ २३	०१ ०५ ४७ ४१	०९ १९ ११ ५५	०१ १७ ५५ ३८	०७ १७ ५५ ३८
१०	सोम	०० २५ २७ १३	०० ०६ २६ ००	०२ १५ ५४ ४१	०१ १५ ३२ ०९	१० ०५ २३ ४४	०१ ०७ ०१ २९	०९ १९ १३ १६	०१ १७ ५२ २७	०७ १७ ५२ २७
११	मंगल	०० २६ २५ १३	०० १८ १६ २९	०२ १६ ३१ १८	०१ १६ ५७ ३५	१० ०५ ३० ५६	०१ ०८ १५ १५	०९ १९ १४ ३२	०१ १७ ४९ १७	०७ १७ ४९ १७
१२	बुध	०० २७ २३ १२	०१ ०० ०४ २१	०२ १७ ०७ ५५	०१ १८ १९ ०९	१० ०५ ३७ ५८	०१ ०९ २९ ००	०९ १९ १५ ४१	०१ १७ ४६ ०६	०७ १७ ४६ ०६
१३	गुरु	०० २८ २१ ०९	०१ ११ ५१ ४२	०२ १७ ४४ ३३	०१ १९ ३६ ४५	१० ०५ ४४ ५२	०१ १० ४२ ४४	०९ १९ १६ ४५	०१ १७ ४२ ५५	०७ १७ ४२ ५५
१४	शुक्र	०० २९ १९ ०४	०१ २३ ४० ५२	०२ १८ २१ १२	०१ २० ५० २२	१० ०५ ५१ ३७	०१ ११ ५६ २७	०९ १९ १७ ४३	०१ १७ ३९ ४४	०७ १७ ३९ ४४
१५	शनि	०१ ०० १६ ५८	०२ ०५ ३४ २५	०२ १८ ५७ ५१	०१ २१ ५९ ५४	१० ०५ ५८ १२	०१ १३ १० ०८	०९ १९ १८ ३४	०१ १७ ३६ ३३	०७ १७ ३६ ३३
१६	रवि	०१ ०१ १४ ५०	०२ १७ ३५ १८	०२ १९ ३४ ३१	०१ २३ ०५ १९	१० ०६ ०४ ३८	०१ १४ २३ ४९	०९ १९ १९ २०	०१ १७ ३३ २३	०७ १७ ३३ २३
१७	सोम	०१ ०२ १२ ४१	०२ २९ ४६ ५३	०२ २० ११ १२	०१ २४ ०६ ३३	१० ०६ १० ५५	०१ १५ ३७ २८	०९ १९ २० ०१	०१ १७ ३० १२	०७ १७ ३० १२
१८	मंगल	०१ ०३ १० ३०	०३ १२ १२ ४७	०२ २० ४७ ५४	०१ २५ ०३ ३१	१० ०६ १७ ०२	०१ १६ ५१ ०६	०९ १९ २० ३५	०१ १७ २७ ०१	०७ १७ २७ ०१
१९	बुध	०१ ०४ ०८ १७	०३ २४ ५६ ४५	०२ २१ २४ ३६	०१ २५ ५६ ११	१० ०६ २३ ००	०१ १८ ०४ ४३	०९ १९ २१ ०३	०१ १७ २३ ५०	०७ १७ २३ ५०
२०	गुरु	०१ ०५ ०६ ०२	०४ ०८ ०२ १९	०२ २२ ०१ १८	०१ २६ ४४ २७	१० ०६ २८ ४८	०१ १९ १८ १९	०९ १९ २१ २६	०१ १७ २० ४०	०७ १७ २० ४०
२१	शुक्र	०१ ०६ ०३ ४६	०४ २१ ३२ २२	०२ २२ ३८ ०२	०१ २७ २८ १६	१० ०६ ३४ २६	०१ २० ३१ ५३	०९ १९ २१ ४२	०१ १७ १७ २९	०७ १७ १७ २९
२२	शनि	०१ ०७ ०१ २८	०५ ०५ २८ २४	०२ २३ १४ ४५	०१ २८ ०७ ३४	१० ०६ ३९ ५५	०१ २१ ४५ २६	०९ १९ २१ ५३	०१ १७ १४ १८	०७ १७ १४ १८
२३	रवि	०१ ०७ ५९ ०९	०५ १९ ५० ०२	०२ २३ ५१ ३०	०१ २८ ४२ १७	१० ०६ ४५ १४	०१ २२ ५८ ५८	०९ १९ २१ ५८	०१ १७ ११ ०७	०७ १७ ११ ०७
२४	सोम	०१ ०८ ५६ ४८	०६ ०४ ३४ २०	०२ २४ २८ १४	०१ २९ १२ २२	१० ०६ ५० २२	०१ २४ १२ २८	०९ १९ २१ ५७	०१ १७ ०७ ५६	०७ १७ ०७ ५६
२५	मंगल	०१ ०९ ५४ २५	०६ १९ ३५ ४३	०२ २५ ०५ ००	०१ २९ ३७ ४६	१० ०६ ५५ २१	०१ २५ २५ ५७	०९ १९ २१ ५०	०१ १७ ०४ ४६	०७ १७ ०४ ४६
२६	बुध	०१ १० ५२ ०२	०७ ०४ ४६ १३	०२ २५ ४१ ४५	०१ २९ ५८ २७	१० ०७ ०० १०	०१ २६ ३९ २५	०९ १९ २१ ३८	०१ १७ ०१ ३५	०७ १७ ०१ ३५
२७	गुरु	०१ ११ ४९ ३७	०७ १९ ५६ ३४	०२ २६ १८ ३२	०२ ०० १४ २३	१० ०७ ०४ ४८	०१ २७ ५२ ५२	०९ १९ २१ १९	०१ १६ ५८ २४	०७ १६ ५८ २४
२८	शुक्र	०१ १२ ४७ ११	०८ ०४ ५७ २७	०२ २६ ५५ १९	०२ ०० २५ ३५	१० ०७ ०९ १७	०१ २९ ०६ १७	०९ १९ २० ५५	०१ १६ ५५ १३	०७ १६ ५५ १३
२९	शनि	०१ १३ ४४ ४३	०८ १९ ४० ५१	०२ २७ ३२ ०६	०२ ०० ३२ ०४	१० ०७ १३ ३५	०२ ०० १९ ४२	०९ १९ २० २५	०१ १६ ५२ ०३	०७ १६ ५२ ०३
३०	रवि	०१ १४ ४२ १५	०९ ०४ ०१ ०१	०२ २८ ०८ ५४	०२ ०० ३३ ५४	१० ०७ १७ ४२	०२ ०१ ३३ ०५	०९ १९ १९ ४९	०१ १६ ४८ ५२	०७ १६ ४८ ५२
३१	सोम	०१ १५ ३९ ४६	०९ १७ ५४ ५५	०२ २८ ४५ ४३	०२ ०० ३१ ११	१० ०७ २१ ३९	०२ ०२ ४६ २७	०९ १९ १९ ०८	०१ १६ ४५ ४१	०७ १६ ४५ ४१

विक्रम सम्वत् २०७८, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, जून २०२१ (स्टैं. समय प्रातः०६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	मंगल	०१ १६ ३७ १६	१० ०१ २२ ०३	०२ २९ २२ ३२	०२ ०० २४ ०३	१० ०७ २५ २५	०२ ०३ ५९ ४९	०९ १९ १८ २०	०१ १६ ४२ ३०	०७ १६ ४२ ३०
२	बुध	०१ १७ ३४ ४६	१० १४ २३ ५६	०२ २९ ५९ २२	०२ ०० १२ ३९	१० ०७ २९ ०१	०२ ०५ १३ ०९	०९ १९ १७ २७	०१ १६ ३९ २०	०७ १६ ३९ २०
३	गुरु	०१ १८ ३२ १५	१० २७ ०३ ३२	०३ ०० ३६ १३	०१ २९ ५७ १४	१० ०७ ३२ २६	०२ ०६ २६ २८	०९ १९ १६ २९	०१ १६ ३६ ०९	०७ १६ ३६ ०९
४	शुक्र	०१ १९ २९ ४३	११ ०९ २४ ३९	०३ ०१ १३ ०५	०१ २९ ३८ ०५	१० ०७ ३५ ४०	०२ ०७ ३९ ४६	०९ १९ १५ २४	०१ १६ ३२ ५८	०७ १६ ३२ ५८
५	शनि	०१ २० २७ १०	११ २१ ३१ २४	०३ ०१ ४९ ५७	०१ २९ १५ ३०	१० ०७ ३८ ४३	०२ ०८ ५३ ०४	०९ १९ १४ १४	०१ १६ २९ ४७	०७ १६ २९ ४७
६	रवि	०१ २१ २४ ३६	०० ०३ २७ ५५	०३ ०२ २६ ५०	०१ २८ ४९ ५३	१० ०७ ४१ ३५	०२ १० ०६ २०	०९ १९ १२ ५८	०१ १६ २६ ३६	०७ १६ २६ ३६
७	सोम	०१ २२ २२ ०२	०० १५ १८ ०२	०३ ०३ ०३ ४४	०१ २८ २१ ३९	१० ०७ ४४ १६	०२ ११ १९ ३५	०९ १९ ११ ३७	०१ १६ २३ २६	०७ १६ २३ २६
८	मंगल	०१ २३ १९ २७	०० २७ ०५ १५	०३ ०३ ४० ३९	०१ २७ ५१ १७	१० ०७ ४६ ४५	०२ १२ ३२ ४९	०९ १९ १० १०	०१ १६ २० १५	०७ १६ २० १५
९	बुध	०१ २४ १६ ५२	०१ ०८ ५२ ३९	०३ ०४ १७ ३४	०१ २७ १९ १७	१० ०७ ४९ ०४	०२ १३ ४६ ०२	०९ १९ ०८ ३८	०१ १६ १७ ०४	०७ १६ १७ ०४
१०	गुरु	०१ २५ १४ १५	०१ २० ४२ ५४	०३ ०४ ५४ ३१	०१ २६ ४६ १३	१० ०७ ५१ ११	०२ १४ ५९ १४	०९ १९ ०७ ००	०१ १६ १३ ५३	०७ १६ १३ ५३
११	शुक्र	०१ २६ ११ ३८	०२ ०२ ३८ १८	०३ ०५ ३१ २८	०१ २६ १२ ३८	१० ०७ ५३ ०७	०२ १६ १२ २५	०९ १९ ०५ १६	०१ १६ १० ४३	०७ १६ १० ४३
१२	शनि	०१ २७ ०९ ००	०२ १४ ४० ५६	०३ ०६ ०८ २५	०१ २५ ३९ ०६	१० ०७ ५४ ५१	०२ १७ २५ ३५	०९ १९ ०३ २७	०१ १६ ०७ ३२	०७ १६ ०७ ३२
१३	रवि	०१ २८ ०६ २२	०२ २६ ५२ ४६	०३ ०६ ४५ २४	०१ २५ ०६ १२	१० ०७ ५६ २४	०२ १८ ३८ ४३	०९ १९ ०१ ३३	०१ १६ ०४ २१	०७ १६ ०४ २१
१४	सोम	०१ २९ ०३ ४२	०३ ०९ १५ ४६	०३ ०७ २२ २३	०१ २४ ३४ ३१	१० ०७ ५७ ४६	०२ १९ ५१ ५१	०९ १८ ५९ ३४	०१ १६ ०१ १०	०७ १६ ०१ १०
१५	मंगल	०२ ०० ०१ ०२	०३ २१ ५१ ५४	०३ ०७ ५९ २३	०१ २४ ०४ ३३	१० ०७ ५८ ५६	०२ २१ ०४ ५७	०९ १८ ५७ २९	०१ १५ ५८ ००	०७ १५ ५८ ००
१६	बुध	०२ ०० ५८ २०	०४ ०४ ४३ १३	०३ ०८ ३६ २३	०१ २३ ३६ ४९	१० ०७ ५९ ५४	०२ २२ १८ ०१	०९ १८ ५५ १९	०१ १५ ५४ ४९	०७ १५ ५४ ४९
१७	गुरु	०२ ०१ ५५ ३८	०४ १७ ५१ ४५	०३ ०९ १३ २४	०१ २३ ११ ४८	१० ०८ ०० ४१	०२ २३ ३१ ०४	०९ १८ ५३ ०४	०१ १५ ५१ ३८	०७ १५ ५१ ३८
१८	शुक्र	०२ ०२ ५२ ५५	०५ ०१ १९ १६	०३ ०९ ५० २६	०१ २२ ४९ ५४	१० ०८ ०१ १७	०२ २४ ४४ ०६	०९ १८ ५० ४४	०१ १५ ४८ २७	०७ १५ ४८ २७
१९	शनि	०२ ०३ ५० १२	०५ १५ ०६ ५९	०३ १० २७ २८	०१ २२ ३१ ३०	१० ०८ ०१ ४१	०२ २५ ५७ ०६	०९ १८ ४८ २०	०१ १५ ४५ १६	०७ १५ ४५ १६
२०	रवि	०२ ०४ ४७ २७	०५ २९ १५ ०९	०३ ११ ०४ ३१	०१ २२ १६ ५५	१० ०८ ०१ ५३	०२ २७ १० ०५	०९ १८ ४५ ५०	०१ १५ ४२ ०६	०७ १५ ४२ ०६
२१	सोम	०२ ०५ ४४ ४२	०६ १३ ४२ २७	०३ ११ ४१ ३५	०१ २२ ०६ २५	१० ०८ ०१ ५४	०२ २८ २३ ०२	०९ १८ ४३ १५	०१ १५ ३८ ५५	०७ १५ ३८ ५५
२२	मंगल	०२ ०६ ४१ ५५	०६ २८ २५ ४७	०३ १२ १८ ३९	०१ २२ ०० १३	१० ०८ ०१ ४३	०२ २९ ३५ ५८	०९ १८ ४० ३६	०१ १५ ३५ ४४	०७ १५ ३५ ४४
२३	बुध	०२ ०७ ३९ ०९	०७ १३ १९ ५७	०३ १२ ५५ ४३	०१ २१ ५८ ३०	१० ०८ ०१ २१	०३ ०० ४८ ५२	०९ १८ ३७ ५२	०१ १५ ३२ ३३	०७ १५ ३२ ३३
२४	गुरु	०२ ०८ ३६ २२	०७ २८ १८ ०३	०३ १३ ३२ ४९	०१ २२ ०१ २३	१० ०८ ०० ४८	०३ ०२ ०१ ४५	०९ १८ ३५ ०३	०१ १५ २९ २३	०७ १५ २९ २३
२५	शुक्र	०२ ०९ ३३ ३४	०८ १३ १२ ०३	०३ १४ ०९ ५५	०१ २२ ०८ ५८	१० ०८ ०० ०२	०३ ०३ १४ ३६	०९ १८ ३२ १०	०१ १५ २६ १२	०७ १५ २६ १२
२६	शनि	०२ १० ३० ४६	०८ २७ ५३ ५७	०३ १४ ४७ ०१	०१ २२ २१ १८	१० ०७ ५९ ०६	०३ ०४ २७ २५	०९ १८ २९ १३	०१ १५ २३ ०१	०७ १५ २३ ०१
२७	रवि	०२ ११ २७ ५८	०९ १२ १६ ५१	०३ १५ २४ ०९	०१ २२ ३८ २४	१० ०७ ५७ ५८	०३ ०५ ४० १३	०९ १८ २६ ११	०१ १५ १९ ५०	०७ १५ १९ ५०
२८	सोम	०२ १२ २५ १०	०९ २६ १५ ५४	०३ १६ ०१ १७	०१ २३ ०० १८	१० ०७ ५६ ३८	०३ ०६ ५३ ००	०९ १८ २३ ०५	०१ १५ १६ ४०	०७ १५ १६ ४०
२९	मंगल	०२ १३ २२ २१	१० ०९ ४८ ४६	०३ १६ ३८ २६	०१ २३ २६ ५९	१० ०७ ५५ ०७	०३ ०८ ०५ ४५	०९ १८ १९ ५४	०१ १५ १३ २९	०७ १५ १३ २९
३०	बुध	०२ १४ १९ ३३	१० २२ ५५ ३२	०३ १७ १५ ३५	०१ २३ ५८ २४	१० ०७ ५३ २४	०३ ०९ १८ २९	०९ १८ १६ ४०	०१ १५ १० १८	०७ १५ १० १८

विक्रम सम्वत् २०७८, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, जुलाई २०२१ (स्टैं. समय प्रात:०६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	गुरु	०२ १५ १६ ४५	११ ०५ ३८ १६	०३ १७ ५२ ४६	०१ २४ ३४ ३०	१० ०७ ५१ ३०	०३ १० ३१ १२	०९ १८ १३ २१	०१ १५ ०७ ०७	०७ १५ ०७ ०७
२	शुक्र	०२ १६ १३ ५७	११ १८ ०० ३३	०३ १८ २९ ५८	०१ २५ १५ १७	१० ०७ ४९ २५	०३ ११ ४३ ५३	०९ १८ ०९ ५९	०१ १५ ०३ ५६	०७ १५ ०३ ५६
३	शनि	०२ १७ ११ १०	०० ०० ०६ ४८	०३ १९ ०७ १०	०१ २६ ०० ३९	१० ०७ ४७ ०८	०३ १२ ५६ ३२	०९ १८ ०६ ३२	०१ १५ ०० ४६	०७ १५ ०० ४६
४	रवि	०२ १८ ०८ २२	०० १२ ०१ ५४	०३ १९ ४४ २३	०१ २६ ५० ३३	१० ०७ ४४ ४०	०३ १४ ०९ ११	०९ १८ ०३ ०२	०१ १४ ५७ ३५	०७ १४ ५७ ३५
५	सोम	०२ १९ ०५ ३५	०० २३ ५० ४१	०३ २० २१ ३८	०१ २७ ४४ ५७	१० ०७ ४२ ०१	०३ १५ २१ ४७	०९ १७ ५९ २८	०१ १४ ५४ २४	०७ १४ ५४ २४
६	मंगल	०२ २० ०२ ४८	०१ ०५ ३७ ४७	०३ २० ५८ ५३	०१ २८ ४३ ४६	१० ०७ ३९ १०	०३ १६ ३४ २३	०९ १७ ५५ ५१	०१ १४ ५१ १३	०७ १४ ५१ १३
७	बुध	०२ २१ ०० ०१	०१ १७ २७ २०	०३ २१ ३६ ०९	०१ २९ ४६ ५७	१० ०७ ३६ ०८	०३ १७ ४६ ५७	०९ १७ ५२ १०	०१ १४ ४८ ०३	०७ १४ ४८ ०३
८	गुरु	०२ २१ ५७ १४	०१ २९ २२ ५२	०३ २२ १३ २७	०२ ०० ५४ २७	१० ०७ ३२ ५६	०३ १८ ५९ २९	०९ १७ ४८ २६	०१ १४ ४४ ५२	०७ १४ ४४ ५२
९	शुक्र	०२ २२ ५४ २७	०२ ११ २७ १२	०३ २२ ५० ४५	०२ ०२ ०६ १३	१० ०७ २९ ३२	०३ २० १२ ००	०९ १७ ४४ ३८	०१ १४ ४१ ४१	०७ १४ ४१ ४१
१०	शनि	०२ २३ ५१ ४१	०२ २३ ४२ २६	०३ २३ २८ ०४	०२ ०३ २२ १०	१० ०७ २५ ५८	०३ २१ २४ २९	०९ १७ ४० ४८	०१ १४ ३८ ३०	०७ १४ ३८ ३०
११	रवि	०२ २४ ४८ ५५	०३ ०६ ०९ ५७	०३ २४ ०५ २४	०२ ०४ ४२ १५	१० ०७ २२ १३	०३ २२ ३६ ५६	०९ १७ ३६ ५४	०१ १४ ३५ १९	०७ १४ ३५ १९
१२	सोम	०२ २५ ४६ ०९	०३ १८ ५० ३०	०३ २४ ४२ ४५	०२ ०६ ०६ २३	१० ०७ १८ १७	०३ २३ ४९ २२	०९ १७ ३२ ५७	०१ १४ ३२ ०९	०७ १४ ३२ ०९
१३	मंगल	०२ २६ ४३ २३	०४ ०१ ४४ २४	०३ २५ २० ०७	०२ ०७ ३४ ३२	१० ०७ १४ ११	०३ २५ ०१ ४५	०९ १७ २८ ५८	०१ १४ २८ ५८	०७ १४ २८ ५८
१४	बुध	०२ २७ ४० ३७	०४ १४ ५१ ३९	०३ २५ ५७ ३०	०२ ०९ ०६ ३४	१० ०७ ०९ ५५	०३ २६ १४ ०७	०९ १७ २४ ५६	०१ १४ २५ ४७	०७ १४ २५ ४७
१५	गुरु	०२ २८ ३७ ५२	०४ २८ १२ १२	०३ २६ ३४ ५४	०२ १० ४२ २५	१० ०७ ०५ २९	०३ २७ २६ २७	०९ १७ २० ५२	०१ १४ २२ ३६	०७ १४ २२ ३६
१६	शुक्र	०२ २९ ३५ ०६	०५ ११ ४५ ५९	०३ २७ १२ १८	०२ १२ २१ ५७	१० ०७ ०० ५३	०३ २८ ३८ ४५	०९ १७ १६ ४५	०१ १४ १९ २६	०७ १४ १९ २६
१७	शनि	०३ ०० ३२ २०	०५ २५ ३३ ००	०३ २७ ४९ ४४	०२ १४ ०५ ०३	१० ०६ ५६ ०७	०३ २९ ५१ ०१	०९ १७ १२ ३६	०१ १४ १६ १५	०७ १४ १६ १५
१८	रवि	०३ ०१ २९ ३५	०६ ०९ ३३ ०३	०३ २८ २७ १०	०२ १५ ५१ ३१	१० ०६ ५१ ११	०४ ०१ ०३ १५	०९ १७ ०८ २५	०१ १४ १३ ०४	०७ १४ १३ ०४
१९	सोम	०३ ०२ २६ ४९	०६ २३ ४५ ३२	०३ २९ ०४ ३७	०२ १७ ४१ १२	१० ०६ ४६ ०६	०४ ०२ १५ २६	०९ १७ ०४ ११	०१ १४ ०९ ५३	०७ १४ ०९ ५३
२०	मंगल	०३ ०३ २४ ०४	०७ ०८ ०८ ५९	०३ २९ ४२ ०५	०२ १९ ३३ ५३	१० ०६ ४० ५२	०४ ०३ २७ ३६	०९ १६ ५९ ५६	०१ १४ ०६ ४३	०७ १४ ०६ ४३
२१	बुध	०३ ०४ २१ १९	०७ २२ ४० ४१	०४ ०० १९ ३४	०२ २१ २९ १८	१० ०६ ३५ २९	०४ ०४ ३९ ४२	०९ १६ ५५ ४०	०१ १४ ०३ ३२	०७ १४ ०३ ३२
२२	गुरु	०३ ०५ १८ ३५	०८ ०७ १६ २७	०४ ०० ५७ ०४	०२ २३ २७ १३	१० ०६ २९ ५८	०४ ०५ ५१ ४७	०९ १६ ५१ २१	०१ १४ ०० २१	०७ १४ ०० २१
२३	शुक्र	०३ ०६ १५ ५०	०८ २१ ५० ५०	०४ ०१ ३४ ३५	०२ २५ २७ १८	१० ०६ २४ १७	०४ ०७ ०३ ४९	०९ १६ ४७ ०१	०१ १३ ५७ १०	०७ १३ ५७ १०
२४	शनि	०३ ०७ १३ ०६	०९ ०६ १७ ३०	०४ ०२ १२ ०७	०२ २७ २९ १७	१० ०६ १८ २८	०४ ०८ १५ ४९	०९ १६ ४२ ४०	०१ १३ ५३ ५९	०७ १३ ५३ ५९
२५	रवि	०३ ०८ १० २३	०९ २० ३० १३	०४ ०२ ४९ ३९	०२ २९ ३२ ४९	१० ०६ १२ ३१	०४ ०९ २७ ४६	०९ १६ ३८ १७	०१ १३ ५० ४९	०७ १३ ५० ४९
२६	सोम	०३ ०९ ०७ ४१	१० ०४ २३ ४३	०४ ०३ २७ १३	०३ ०१ ३७ ३४	१० ०६ ०६ २६	०४ १० ३९ ४१	०९ १६ ३३ ५४	०१ १३ ४७ ३८	०७ १३ ४७ ३८
२७	मंगल	०३ १० ०४ ५९	१० १७ ५४ ३४	०४ ०४ ०४ ४८	०३ ०३ ४३ १४	१० ०६ ०० १३	०४ ११ ५१ ३४	०९ १६ २९ २९	०१ १३ ४४ २७	०७ १३ ४४ २७
२८	बुध	०३ ११ ०२ १८	११ ०१ ०१ २८	०४ ०४ ४२ २४	०३ ०५ ४९ २८	१० ०५ ५३ ५३	०४ १३ ०३ २५	०९ १६ २५ ०३	०१ १३ ४१ १६	०७ १३ ४१ १६
२९	गुरु	०३ ११ ५९ ३८	११ १३ ४५ १७	०४ ०५ २० ०१	०३ ०७ ५६ ००	१० ०५ ४७ २५	०४ १४ १५ १३	०९ १६ २० ३७	०१ १३ ३८ ०६	०७ १३ ३८ ०६
३०	शुक्र	०३ १२ ५६ ५९	११ २६ ०८ ३९	०४ ०५ ५७ ३९	०३ १० ०२ ३१	१० ०५ ४० ५१	०४ १५ २६ ५८	०९ १६ १६ १०	०१ १३ ३४ ५५	०७ १३ ३४ ५५
३१	शनि	०३ १३ ५४ २१	०० ०८ १५ ३७	०४ ०६ ३५ १९	०३ १२ ०८ ४६	१० ०५ ३४ ०९	०४ १६ ३८ ४२	०९ १६ ११ ४३	०१ १३ ३१ ४४	०७ १३ ३१ ४४

विक्रम सम्वत् २०७८, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, अगस्त २०२१ (स्टैं. समय प्रात:०६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	रवि	०३ १४ ५१ ४५	०० २० ११ ०२	०४ ०७ १३ ००	०३ १४ १४ ३१	१० ०५ २७ २१	०४ १७ ५० २३	०९ १६ ०७ १५	०१ १३ २८ ३३	०७ १३ २८ ३३
२	सोम	०३ १५ ४९ ०९	०१ ०२ ०० ११	०४ ०७ ५० ४२	०३ १६ १९ ३४	१० ०५ २० २७	०४ १९ ०२ ०१	०९ १६ ०२ ४७	०१ १३ २५ २३	०७ १३ २५ २३
३	मंगल	०३ १६ ४६ ३५	०१ १३ ४८ २४	०४ ०८ २८ २५	०३ १८ २३ ४४	१० ०५ १३ २६	०४ २० १३ ३८	०९ १५ ५८ १९	०१ १३ २२ १२	०७ १३ २२ १२
४	बुध	०३ १७ ४४ ०१	०१ २५ ४० ४३	०४ ०९ ०६ ०९	०३ २० २६ ५३	१० ०५ ०६ २०	०४ २१ २५ ११	०९ १५ ५३ ५१	०१ १३ १९ ०१	०७ १३ १९ ०१
५	गुरु	०३ १८ ४१ २९	०२ ०७ ४१ ३९	०४ ०९ ४३ ५५	०३ २२ २८ ५३	१० ०४ ५९ ०९	०४ २२ ३६ ४३	०९ १५ ४९ २३	०१ १३ १५ ५०	०७ १३ १५ ५०
६	शुक्र	०३ १९ ३८ ५८	०२ १९ ५४ ५३	०४ १० २१ ४२	०३ २४ २९ ३८	१० ०४ ५१ ५२	०४ २३ ४८ ११	०९ १५ ४४ ५६	०१ १३ १२ ३९	०७ १३ १२ ३९
७	शनि	०३ २० ३६ २८	०३ ०२ २३ ०४	०४ १० ५९ ३१	०३ २६ २९ ०४	१० ०४ ४४ ३१	०४ २४ ५९ ३८	०९ १५ ४० २९	०१ १३ ०९ २९	०७ १३ ०९ २९
८	रवि	०३ २१ ३३ ५९	०३ १५ ०७ ३७	०४ ११ ३७ २०	०३ २८ २७ ०६	१० ०४ ३७ ०५	०४ २६ ११ ०१	०९ १५ ३६ ०३	०१ १३ ०६ १८	०७ १३ ०६ १८
९	सोम	०३ २२ ३१ ३१	०३ २८ ०८ ४०	०४ १२ १५ ११	०४ ०० २३ ४२	१० ०४ २९ ३५	०४ २७ २२ २२	०९ १५ ३१ ३७	०१ १३ ०३ ०७	०७ १३ ०३ ०७
१०	मंगल	०३ २३ २९ ०४	०४ ११ २५ १२	०४ १२ ५३ ०४	०४ ०२ १८ ५१	१० ०४ २२ ०१	०४ २८ ३३ ४०	०९ १५ २७ १३	०१ १२ ५९ ५६	०७ १२ ५९ ५६
११	बुध	०३ २४ २६ ३९	०४ २४ ५५ १८	०४ १३ ३० ५७	०४ ०४ १२ ३१	१० ०४ १४ २४	०४ २९ ४४ ५५	०९ १५ २२ ४६	०१ १२ ५६ ४६	०७ १२ ५६ ४६
१२	गुरु	०३ २५ २४ १४	०५ ०८ ३६ ३३	०४ १४ ०८ ५२	०४ ०६ ०४ ४१	१० ०४ ०६ ४३	०५ ०० ५६ ०७	०९ १५ १८ २७	०१ १२ ५३ ३५	०७ १२ ५३ ३५
१३	शुक्र	०३ २६ २१ ५०	०५ २२ २६ ३४	०४ १४ ४६ ४८	०४ ०७ ५५ २१	१० ०३ ५९ ००	०५ ०२ ०७ १६	०९ १५ १४ ०६	०१ १२ ५० २४	०७ १२ ५० २४
१४	शनि	०३ २७ १९ २७	०६ ०६ २३ १८	०४ १५ २४ ४५	०४ ०९ ४४ ३१	१० ०३ ५१ १५	०५ ०३ १८ २१	०९ १५ ०९ ४७	०१ १२ ४७ १३	०७ १२ ४७ १३
१५	रवि	०३ २८ १७ ०६	०६ २० २५ १८	०४ १६ ०२ ४४	०४ ११ ३२ १२	१० ०३ ४३ २८	०५ ०४ २९ २४	०९ १५ ०५ २९	०१ १२ ४४ ०२	०७ १२ ४४ ०२
१६	सोम	०३ २९ १४ ४५	०७ ०४ ३१ ३१	०४ १६ ४० ४३	०४ १३ १८ २५	१० ०३ ३५ ३८	०५ ०५ ४० २३	०९ १५ ०१ १३	०१ १२ ४० ५२	०७ १२ ४० ५२
१७	मंगल	०४ ०० १२ २५	०७ १८ ४१ ०३	०४ १७ १८ ४४	०४ १५ ०३ ०८	१० ०३ २७ ४८	०५ ०६ ५१ १८	०९ १४ ५६ ५९	०१ १२ ३७ ४१	०७ १२ ३७ ४१
१८	बुध	०४ ०१ १० ०५	०८ ०२ ५२ ४४	०४ १७ ५६ ४६	०४ १६ ४६ २५	१० ०३ १९ ५७	०५ ०८ ०२ १०	०९ १४ ५२ ४६	०१ १२ ३४ ३०	०७ १२ ३४ ३०
१९	गुरु	०४ ०२ ०७ ४७	०८ १७ ०४ ३६	०४ १८ ३४ ५०	०४ १८ २८ १५	१० ०३ १२ ०५	०५ ०९ १२ ५८	०९ १४ ४८ ३६	०१ १२ ३१ १९	०७ १२ ३१ १९
२०	शुक्र	०४ ०३ ०५ ३१	०९ ०१ १३ ४६	०४ १९ १२ ५४	०४ २० ०८ ३८	१० ०३ ०४ १२	०५ १० २३ ४३	०९ १४ ४४ २९	०१ १२ २८ ०९	०७ १२ २८ ०९
२१	शनि	०४ ०४ ०३ १५	०९ १५ १६ २८	०४ १९ ५१ ००	०४ २१ ४७ ३७	१० ०२ ५६ २०	०५ ११ ३४ २४	०९ १४ ४० २३	०१ १२ २४ ५८	०७ १२ २४ ५८
२२	रवि	०४ ०५ ०१ ०१	०९ २९ ०८ २३	०४ २० २९ ०७	०४ २३ २५ ११	१० ०२ ४८ २८	०५ १२ ४५ ०१	०९ १४ ३६ २१	०१ १२ २१ ४७	०७ १२ २१ ४७
२३	सोम	०४ ०५ ५८ ४८	१० १२ ४५ २९	०४ २१ ०७ १६	०४ २५ ०१ २१	१० ०२ ४० ३७	०५ १३ ५५ ३४	०९ १४ ३२ २०	०१ १२ १८ ३६	०७ १२ १८ ३६
२४	मंगल	०४ ०६ ५६ ३६	१० २६ ०४ ३२	०४ २१ ४५ २६	०४ २६ ३६ ०८	१० ०२ ३२ ४६	०५ १५ ०६ ०३	०९ १४ २८ २३	०१ १२ १५ २६	०७ १२ १५ २६
२५	बुध	०४ ०७ ५४ २६	११ ०९ ०३ ४६	०४ २२ २३ ३७	०४ २८ ०९ ३२	१० ०२ २४ ५८	०५ १६ १६ २८	०९ १४ २४ २८	०१ १२ १२ १५	०७ १२ १२ १५
२६	गुरु	०४ ०८ ५२ १८	११ २१ ४३ ०८	०४ २३ ०१ ५०	०४ २९ ४१ ३२	१० ०२ १७ १०	०५ १७ २६ ५०	०९ १४ २० ३६	०१ १२ ०९ ०४	०७ १२ ०९ ०४
२७	शुक्र	०४ ०९ ५० ११	०० ०४ ०४ १४	०४ २३ ४० ०५	०५ ०१ १२ ०९	१० ०२ ०९ २५	०५ १८ ३७ ०७	०९ १४ १६ ४८	०१ १२ ०५ ५३	०७ १२ ०५ ५३
२८	शनि	०४ १० ४८ ०६	०० १६ १० १०	०४ २४ १८ २१	०५ ०२ ४१ २३	१० ०२ ०१ ४३	०५ १९ ४७ २१	०९ १४ १३ ०२	०१ १२ ०२ ४२	०७ १२ ०२ ४२
२९	रवि	०४ ११ ४६ ०३	०० २८ ०५ ११	०४ २४ ५६ ३९	०५ ०४ ०९ १३	१० ०१ ५४ ०२	०५ २० ५७ ३०	०९ १४ ०९ २०	०१ ११ ५९ ३२	०७ ११ ५९ ३२
३०	सोम	०४ १२ ४४ ०२	०१ ०९ ५४ १८	०४ २५ ३४ ५८	०५ ०५ ३५ ३९	१० ०१ ४६ २५	०५ २२ ०७ ३६	०९ १४ ०५ ४१	०१ ११ ५६ २१	०७ ११ ५६ २१
३१	मंगल	०४ १३ ४२ ०२	०१ २१ ४२ ५५	०४ २६ १३ १९	०५ ०७ ०० ३९	१० ०१ ३८ ५२	०५ २३ १७ ३७	०९ १४ ०२ ०६	०१ ११ ५३ १०	०७ ११ ५३ १०

विक्रम सम्वत् २०७८, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, सितम्बर २०२१ (स्टैं. समय प्रात:०६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	बुध	०४ १४ ४० ०५	०२ ०३ ३६ ३२	०४ २६ ५१ ४१	०५ ०८ २४ ११	१० ०१ ३१ २२	०५ २४ २७ ३५	०९ १३ ५८ ३४	०१ ११ ४९ ५९	०७ ११ ४९ ५९
२	गुरु	०४ १५ ३८ ०९	०२ १५ ४० २५	०४ २७ ३० ०५	०५ ०९ ४६ १६	१० ०१ २३ ५६	०५ २५ ३७ २८	०९ १३ ५५ ०६	०१ ११ ४६ ४९	०७ ११ ४६ ४९
३	शुक्र	०४ १६ ३६ १५	०२ २७ ५९ ११	०४ २८ ०८ ३१	०५ ११ ०६ ४९	१० ०१ १६ ३४	०५ २६ ४७ १७	०९ १३ ५१ ४२	०१ ११ ४३ ३८	०७ ११ ४३ ३८
४	शनि	०४ १७ ३४ २३	०३ १० ३६ २६	०४ २८ ४६ ५८	०५ १२ २५ ५०	१० ०१ ०९ १८	०५ २७ ५७ ०१	०९ १३ ४८ २२	०१ ११ ४० २७	०७ ११ ४० २७
५	रवि	०४ १८ ३२ ३३	०३ २३ ३४ २०	०४ २९ २५ २८	०५ १३ ४३ १५	१० ०१ ०२ ०६	०५ २९ ०६ ४१	०९ १३ ४५ ०६	०१ ११ ३७ १६	०७ ११ ३७ १६
६	सोम	०४ १९ ३० ४५	०४ ०६ ५३ १८	०५ ०० ०३ ५८	०५ १४ ५९ ०१	१० ०० ५५ ००	०६ ०० १६ १७	०९ १३ ४१ ५४	०१ ११ ३४ ०६	०७ ११ ३४ ०६
७	मंगल	०४ २० २८ ५९	०४ २० ३१ ५२	०५ ०० ४२ ३१	०५ १६ १३ ०४	१० ०० ४७ ५९	०६ ०१ २५ ४८	०९ १३ ३८ ४६	०१ ११ ३० ५५	०७ ११ ३० ५५
८	बुध	०४ २१ २७ १४	०५ ०४ २६ ५०	०५ ०१ २१ ०५	०५ १७ २५ १९	१० ०० ४१ ०४	०६ ०२ ३५ १४	०९ १३ ३५ ४३	०१ ११ २७ ४४	०७ ११ २७ ४४
९	गुरु	०४ २२ २५ ३१	०५ १८ ३३ ४६	०५ ०१ ५९ ४१	०५ १८ ३५ ४३	१० ०० ३४ १६	०६ ०३ ४४ ३६	०९ १३ ३२ ४४	०१ ११ २४ ३३	०७ ११ २४ ३३
१०	शुक्र	०४ २३ २३ ५०	०६ ०२ ४७ ४८	०५ ०२ ३८ १८	०५ १९ ४४ ०९	१० ०० २७ ३५	०६ ०४ ५३ ५२	०९ १३ २९ ५०	०१ ११ २१ २२	०७ ११ २१ २२
११	शनि	०४ २४ २२ १०	०६ १७ ०४ २०	०५ ०३ १६ ५७	०५ २० ५० ३०	१० ०० २१ ००	०६ ०६ ०३ ०३	०९ १३ २७ ००	०१ ११ १८ १२	०७ ११ १८ १२
१२	रवि	०४ २५ २० ३२	०७ ०१ १९ ४२	०५ ०३ ५५ ३७	०५ २१ ५४ ४१	१० ०० १४ ३३	०६ ०७ १२ ०८	०९ १३ २४ १५	०१ ११ १५ ०१	०७ ११ १५ ०१
१३	सोम	०४ २६ १८ ५५	०७ १५ ३१ २६	०५ ०४ ३४ १९	०५ २२ ५६ ३२	१० ०० ०८ १३	०६ ०८ २१ ०८	०९ १३ २१ ३५	०१ ११ ११ ५०	०७ ११ ११ ५०
१४	मंगल	०४ २७ १७ २०	०७ २९ ३८ ०३	०५ ०५ १३ ०३	०५ २३ ५५ ५५	१० ०० ०२ ०१	०६ ०९ ३० ०२	०९ १३ १९ ००	०१ ११ ०८ ३९	०७ ११ ०८ ३९
१५	बुध	०४ २८ १५ ४७	०८ १३ ३८ ४२	०५ ०५ ५१ ४८	०५ २४ ५२ ४०	०९ २९ ५५ ५७	०६ १० ३८ ५०	०९ १३ १६ ३०	०१ ११ ०५ २९	०७ ११ ०५ २९
१६	गुरु	०४ २९ १४ १५	०८ २७ ३२ ४२	०५ ०६ ३० ३५	०५ २५ ४६ ३५	०९ २९ ५० ०१	०६ ११ ४७ ३२	०९ १३ १४ ०४	०१ ११ ०२ १८	०७ ११ ०२ १८
१७	शुक्र	०५ ०० १२ ४४	०९ ११ १९ ११	०५ ०७ ०९ २३	०५ २६ ३७ २९	०९ २९ ४४ १४	०६ १२ ५६ ०८	०९ १३ ११ ४४	०१ १० ५९ ०७	०७ १० ५९ ०७
१८	शनि	०५ ०१ ११ १६	०९ २४ ५६ ४६	०५ ०७ ४८ १४	०५ २७ २५ ०८	०९ २९ ३८ ३५	०६ १४ ०४ ३७	०९ १३ ०९ २९	०१ १० ५५ ५६	०७ १० ५५ ५६
१९	रवि	०५ ०२ ०९ ४९	१० ०८ २३ ४२	०५ ०८ २७ ०५	०५ २८ ०९ १७	०९ २९ ३३ ०५	०६ १५ १२ ५९	०९ १३ ०७ १९	०१ १० ५२ ४५	०७ १० ५२ ४५
२०	सोम	०५ ०३ ०८ २४	१० २१ ३८ ००	०५ ०९ ०५ ५९	०५ २८ ४९ ४०	०९ २९ २७ ४५	०६ १६ २१ १५	०९ १३ ०५ १५	०१ १० ४९ ३५	०७ १० ४९ ३५
२१	मंगल	०५ ०४ ०७ ००	११ ०४ ३७ ५८	०५ ०९ ४४ ५४	०५ २९ २५ ५८	०९ २९ २२ ३३	०६ १७ २९ २४	०९ १३ ०३ १६	०१ १० ४६ २४	०७ १० ४६ २४
२२	बुध	०५ ०५ ०५ ३९	११ १७ २२ ३०	०५ १० २३ ५१	०५ २९ ५७ ५४	०९ २९ १७ ३२	०६ १८ ३७ २५	०९ १३ ०१ २२	०१ १० ४३ १३	०७ १० ४३ १३
२३	गुरु	०५ ०६ ०४ २०	११ २९ ५१ २९	०५ ११ ०२ ५०	०६ ०० २५ ०५	०९ २९ १२ ४०	०६ १९ ४५ २०	०९ १२ ५९ ३३	०१ १० ४० ०२	०७ १० ४० ०२
२४	शुक्र	०५ ०७ ०३ ०२	०० १२ ०५ ५४	०५ ११ ४१ ५०	०६ ०० ४७ १०	०९ २९ ०७ ५७	०६ २० ५३ ०७	०९ १२ ५७ ५०	०१ १० ३६ ५२	०७ १० ३६ ५२
२५	शनि	०५ ०८ ०१ ४७	०० २४ ०७ ५६	०५ १२ २० ५३	०६ ०१ ०३ ४७	०९ २९ ०३ २५	०६ २२ ०० ४७	०९ १२ ५६ १३	०१ १० ३३ ४१	०७ १० ३३ ४१
२६	रवि	०५ ०९ ०० ३४	०१ ०६ ०० ५२	०५ १२ ५९ ५७	०६ ०१ १४ ३०	०९ २८ ५९ ०३	०६ २३ ०८ १९	०९ १२ ५४ ४१	०१ १० ३० ३०	०७ १० ३० ३०
२७	सोम	०५ ०९ ५९ २३	०१ १७ ४८ ५१	०५ १३ ३९ ०४	०६ ०१ १८ ५७	०९ २८ ५४ ५१	०६ २४ १५ ४४	०९ १२ ५३ १५	०१ १० २७ १९	०७ १० २७ १९
२८	मंगल	०५ १० ५८ १५	०१ २९ ३६ ४४	०५ १४ १८ १२	०६ ०१ १६ ४३	०९ २८ ५० ५०	०६ २५ २३ ०१	०९ १२ ५१ ५४	०१ १० २४ ०९	०७ १० २४ ०९
२९	बुध	०५ ११ ५७ ०९	०२ ११ २९ ४४	०५ १४ ५७ २२	०६ ०१ ०७ २९	०९ २८ ४६ ५९	०६ २६ ३० १०	०९ १२ ५० ३९	०१ १० २० ५८	०७ १० २० ५८
३०	गुरु	०५ १२ ५६ ०५	०२ २३ ३३ १६	०५ १५ ३६ ३४	०६ ०० ५० ५४	०९ २८ ४३ २०	०६ २७ ३७ १०	०९ १२ ४९ ३०	०१ १० १७ ४७	०७ १० १७ ४७

विक्रम सम्वत् २०७८, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, अक्टूबर २०२१ (स्टैं. समय प्रात:०६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	शुक्र	०५ १३ ५५ ०३	०३ ०५ ५२ ३१	०५ १६ १५ ४६	०६ ०० २६ ४६	०६ २८ ३६ ५१	०६ २८ ४४ ०२	०६ १२ ४८ २७	०१ १० १४ ३६	०७ १० १४ ३६
२	शनि	०५ १४ ५४ ०४	०३ १८ ३१ ५८	०५ १६ ५५ ०५	०५ २६ ५४ ५६	०६ २८ ३६ ३३	०६ २६ ५० ४६	०६ १२ ४७ २६	०१ १० ११ २५	०७ १० ११ २५
३	रवि	०५ १५ ५३ ०६	०४ ०१ ३४ ५८	०५ १७ ३४ २३	०५ २६ १५ ३५	०६ २८ ३३ २७	०७ ०० ५७ २०	०६ १२ ४६ ३७	०१ १० ०८ १५	०७ १० ०८ १५
४	सोम	०५ १६ ५२ ११	०४ १५ ०३ ०३	०५ १८ १३ ४४	०५ २८ २८ ४६	०६ २८ ३० ३२	०७ ०२ ०३ ४६	०६ १२ ४५ ५२	०१ १० ०५ ०४	०७ १० ०५ ०४
५	मंगल	०५ १७ ५१ १६	०४ २८ ५५ ३६	०५ १८ ५३ ०६	०५ २७ ३५ १०	०६ २८ २७ ४८	०७ ०३ १० ०२	०६ १२ ४५ १२	०१ १० ०१ ५३	०७ १० ०१ ५३
६	बुध	०५ १८ ५० २८	०५ १३ ०६ ३४	०५ १६ ३२ ३०	०५ २६ ३५ २५	०६ २८ २५ १६	०७ ०४ १६ ०६	०६ १२ ४४ ३८	०१ ०६ ५८ ४२	०७ ०६ ५८ ४२
७	गुरु	०५ १६ ४६ ४०	०५ २७ ३६ ४२	०५ २० ११ ५६	०५ २५ ३० ३६	०६ २८ २२ ५६	०७ ०५ २२ ०६	०६ १२ ४४ १०	०१ ०६ ५५ ३२	०७ ०६ ५५ ३२
८	शुक्र	०५ २० ४८ ५३	०६ १२ १६ १६	०५ २० ५१ २४	०५ २४ २२ ०५	०६ २८ २० ४७	०७ ०६ २७ ५२	०६ १२ ४३ ४८	०१ ०६ ५२ २१	०७ ०६ ५२ २१
९	शनि	०५ २१ ४८ ०८	०६ २७ ०१ १६	०५ २१ ३० ५४	०५ २३ ११ २६	०६ २८ १८ ५०	०७ ०७ ३३ २८	०६ १२ ४३ ३२	०१ ०६ ४६ १०	०७ ०६ ४६ १०
१०	रवि	०५ २२ ४७ २६	०७ ११ ३६ ०६	०५ २२ १० २६	०५ २२ ०० ३७	०६ २८ १७ ०६	०७ ०८ ३८ ५२	०६ १२ ४३ २३	०१ ०६ ४५ ५६	०७ ०६ ४५ ५६
११	सोम	०५ २३ ४६ ४५	०७ २६ ०७ ४५	०५ २२ ५० ००	०५ २० ५१ २६	०६ २८ १५ ३३	०७ ०६ ४४ ०५	०६ १२ ४३ १६	०१ ०६ ४२ ४६	०७ ०६ ४२ ४६
१२	मंगल	०५ २४ ४६ ०५	०८ १० २३ ५६	०५ २३ २६ ३६	०५ १६ ४५ ५७	०६ २८ १४ १२	०७ १० ४६ ०६	०६ १२ ४३ २२	०१ ०६ ३६ ३८	०७ ०६ ३६ ३८
१३	बुध	०५ २५ ४५ २८	०८ २४ २५ ५४	०५ २४ ०६ १४	०५ १८ ४६ ०४	०६ २८ १३ ०३	०७ ११ ५३ ५४	०६ १२ ४३ ३०	०१ ०६ ३६ २७	०७ ०६ ३६ २७
१४	गुरु	०५ २६ ४४ ५२	०६ ०८ १३ ०५	०५ २४ ४८ ५३	०५ १७ ५३ २८	०६ २८ १२ ०७	०७ १२ ५८ ३०	०६ १२ ४३ ४५	०१ ०६ ३३ १६	०७ ०६ ३३ १६
१५	शुक्र	०५ २७ ४४ १८	०६ २१ ४५ ४०	०५ २५ २८ ३५	०५ १७ ०६ ३८	०६ २८ ११ २२	०७ १४ ०२ ५२	०६ १२ ४४ ०५	०१ ०६ ३० ०५	०७ ०६ ३० ०५
१६	शनि	०५ २८ ४३ ४६	१० ०५ ०४ ०६	०५ २६ ०८ १८	०५ १६ ३५ ४१	०६ २८ १० ४६	०७ १५ ०७ ००	०६ १२ ४४ ३२	०१ ०६ २६ ५५	०७ ०६ २६ ५५
१७	रवि	०५ २६ ४३ १५	१० १८ ०६ ०५	०५ २६ ४८ ०४	०५ १६ १२ २३	०६ २८ १० २६	०७ १६ १० ५३	०६ १२ ४५ ०५	०१ ०६ २३ ४४	०७ ०६ २३ ४४
१८	सोम	०६ ०० ४२ ४७	११ ०१ ०० ५२	०५ २७ २७ ५१	०५ १६ ०० ०८	०६ २८ १० २१	०७ १७ १४ ३२	०६ १२ ४५ ४४	०१ ०६ २० ३३	०७ ०६ २० ३३
१९	मंगल	०६ ०१ ४२ २०	११ १३ ३६ ५६	०५ २८ ०७ ४०	०५ १५ ५६ ०३	०६ २८ १० २४	०७ १८ १७ ५६	०६ १२ ४६ २६	०१ ०६ १७ २२	०७ ०६ १७ २२
२०	बुध	०६ ०२ ४१ ५५	११ २६ ०६ ४२	०५ २८ ४७ ३२	०५ १६ ०८ ५६	०६ २८ १० ४०	०७ १६ २१ ०३	०६ १२ ४७ २०	०१ ०६ १४ १२	०७ ०६ १४ १२
२१	गुरु	०६ ०३ ४१ ३२	०० ०८ २१ ५६	०५ २६ २७ २५	०५ १६ २६ २०	०६ २८ ११ ०८	०७ २० २३ ५४	०६ १२ ४८ १७	०१ ०६ ११ ०१	०७ ०६ ११ ०१
२२	शुक्र	०६ ०४ ४१ ११	०[illegible] २० २६ ४६	०६ ०० ०७ २१	०५ १६ ५६ ४१	०६ २८ ११ ४८	०७ २१ २६ २६	०६ १२ ४६ १६	०१ ०६ ०७ ५०	०७ ०६ ०७ ५०
२३	शनि	०६ ०५ ४० ५२	[illegible]१ ०२ २२ ५८	०६ ०० ४७ १६	०५ १७ ३६ १३	०६ २८ १२ ४०	०७ २२ २८ ४६	०६ १२ ५० २८	०१ ०६ ०४ ३६	०७ ०६ ०४ ३६
२४	रवि	०६ ०६ ४० ३६	०१ १४ १२ ५७	०६ ०१ २७ १६	०५ १८ २७ १०	०६ २८ १३ ४४	०७ २३ ३० ४५	०६ १२ ५१ ४३	०१ ०६ ०१ २६	०७ ०६ ०१ २६
२५	सोम	०६ ०७ ४० २१	०१ २५ ५६ ४७	०६ ०२ ०७ २१	०५ १६ २२ ४०	०६ २८ १५ ००	०७ २४ ३२ २५	०६ १२ ५३ ०४	०१ ०८ ५८ १८	०७ ०८ ५८ १८
२६	मंगल	०६ ०८ ४० ०६	०२ ०७ ४७ १५	०६ ०२ ४७ २५	०५ २० २४ ५३	०६ २८ १६ २८	०७ २५ ३३ ४७	०६ १२ ५४ ३१	०१ ०८ ५५ ०७	०७ ०८ ५५ ०७
२७	बुध	०६ ०६ ३६ ५८	०२ १६ ३६ ३६	०६ ०३ २७ ३२	०५ २१ ३३ ०१	०६ २८ १८ ०७	०७ २६ ३४ ४८	०६ १२ ५६ ०४	०१ ०८ ५१ ५६	०७ ०८ ५१ ५६
२८	गुरु	०६ १० ३६ ५०	०३ ०१ ४१ ४४	०६ ०४ ०७ ४१	०५ २२ ४६ १७	०६ २८ १६ ५६	०७ २७ ३५ २६	०६ १२ ५७ ४३	०१ ०८ ४८ ४५	०७ ०८ ४८ ४५
२९	शुक्र	०६ ११ ३६ ४५	०३ १३ ५८ २४	०६ ०४ ४७ ५२	०५ २४ ०३ ५६	०६ २८ २२ ०३	०७ २८ ३५ ५०	०६ १२ ५६ २७	०१ ०८ ४५ ३५	०७ ०८ ४५ ३५
३०	शनि	०६ १२ ३६ ४१	०३ २६ ३४ २४	०६ ०५ २८ ०५	०५ २५ २५ २७	०६ २८ २४ १८	०७ २६ ३५ ४८	०६ १३ ०१ १८	०१ ०८ ४२ २४	०७ ०८ ४२ २४
३१	रवि	०६ १३ ३६ ३६	०४ ०६ ३३ ५[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible] १३ ०३ १४	०१ ०८ ३६ १३	०७ ०८ ३६ १३

विक्रम सम्वत् २०७८, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, नवम्बर २०२१ (स्टैं. समय प्रात:०६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	सोम	०६ १४ ३९ ४०	०४ २२ ५९ ४०	०६ ०६ ४८ ३८	०५ २८ १७ २५	०९ २८ २९ २४	०८ ०१ ३४ ३६	०९ १३ ०५ १७	०१ ०८ ३६ ०२	०७ ०८ ३६ ०२
२	मंगल	०६ १५ ३९ ४३	०५ ०६ ५२ ५४	०६ ०७ २८ ५९	०५ २९ ४६ ५७	०९ २८ ३२ १५	०८ ०२ ३३ २५	०९ १३ ०७ २५	०१ ०८ ३२ ५२	०७ ०८ ३२ ५२
३	बुध	०६ १६ ३९ ४८	०५ २१ १२ ११	०६ ०८ ०९ २१	०६ ०१ १८ १७	०९ २८ ३५ १७	०८ ०३ ३१ ४८	०९ १३ ०९ ३९	०१ ०८ २९ ४१	०७ ०८ २९ ४१
४	गुरु	०६ १७ ३९ ५५	०६ ०५ ५३ २६	०६ ०८ ४९ ४६	०६ ०२ ५१ ०६	०९ २८ ३८ ३२	०८ ०४ २९ ४५	०९ १३ ११ ५९	०१ ०८ २६ ३०	०७ ०८ २६ ३०
५	शुक्र	०६ १८ ४० ०३	०६ २० ५० ००	०६ ०९ ३० १२	०६ ०४ २५ ०४	०९ २८ ४१ ५७	०८ ०५ २७ १५	०९ १३ १४ २४	०१ ०८ २३ १९	०७ ०८ २३ १९
६	शनि	०६ १९ ४० १४	०७ ०५ ५३ ३३	०६ १० १० ४१	०६ ०५ ५९ ५८	०९ २८ ४५ ३४	०८ ०६ २४ १७	०९ १३ १६ ५६	०१ ०८ २० ०८	०७ ०८ २० ०८
७	रवि	०६ २० ४० २६	०७ २० ५५ १०	०६ १० ५१ १३	०६ ०७ ३५ ३४	०९ २८ ४९ २३	०८ ०७ २० ४९	०९ १३ १९ ३३	०१ ०८ १६ ५८	०७ ०८ १६ ५८
८	सोम	०६ २१ ४० ४०	०८ ०५ ४६ ४५	०६ ११ ३१ ४६	०६ ०९ ११ ४१	०९ २८ ५३ २३	०८ ०८ १६ ५१	०९ १३ २२ १५	०१ ०८ १३ ४७	०७ ०८ १३ ४७
९	मंगल	०६ २२ ४० ५६	०८ २० २१ ५९	०६ १२ १२ २१	०६ १० ४८ १०	०९ २८ ५७ ३४	०८ ०९ १२ २१	०९ १३ २५ ०३	०१ ०८ १० ३६	०७ ०८ १० ३६
१०	बुध	०६ २३ ४१ १२	०९ ०४ ३६ ५०	०६ १२ ५२ ५९	०६ १२ २४ ५४	०९ २९ ०१ ५६	०८ १० ०७ १७	०९ १३ २७ ५७	०१ ०८ ०७ २५	०७ ०८ ०७ २५
११	गुरु	०६ २४ ४१ ३१	०९ १८ २९ ३०	०६ १३ ३३ ३९	०६ १४ ०१ ४७	०९ २९ ०६ ३०	०८ ११ ०१ ३८	०९ १३ ३० ५७	०१ ०८ ०४ १५	०७ ०८ ०४ १५
१२	शुक्र	०६ २५ ४१ ५१	१० ०२ ०० ०५	०६ १४ १४ २०	०६ १५ ३८ ४४	०९ २९ ११ १४	०८ ११ ५५ २३	०९ १३ ३४ ०१	०१ ०८ ०१ ०४	०७ ०८ ०१ ०४
१३	शनि	०६ २६ ४२ १२	१० १५ ०९ ५९	०६ १४ ५५ ०४	०६ १७ १५ ४०	०९ २९ १६ ०९	०८ १२ ४८ ३०	०९ १३ ३७ १२	०१ ०७ ५७ ५३	०७ ०७ ५७ ५३
१४	रवि	०६ २७ ४२ ३४	१० २८ ०१ २४	०६ १५ ३५ ५०	०६ १८ ५२ ३२	०९ २९ २१ १५	०८ १३ ४० ५७	०९ १३ ४० २७	०१ ०७ ५४ ४२	०७ ०७ ५४ ४२
१५	सोम	०६ २८ ४२ ५८	११ १० ३६ ५१	०६ १६ १६ ३८	०६ २० २९ १८	०९ २९ २६ ३२	०८ १४ ३२ ४३	०९ १३ ४३ ४८	०१ ०७ ५१ ३२	०७ ०७ ५१ ३२
१६	मंगल	०६ २९ ४३ २३	११ २२ ५८ ५२	०६ १६ ५७ २९	०६ २२ ०५ ५६	०९ २९ ३१ ५९	०८ १५ २३ ४६	०९ १३ ४७ १४	०१ ०७ ४८ २१	०७ ०७ ४८ २१
१७	बुध	०७ ०० ४३ ५०	०० ०५ ०९ ५३	०६ १७ ३८ २१	०६ २३ ४२ २४	०९ २९ ३७ ३७	०८ १६ १४ ०४	०९ १३ ५० ४६	०१ ०७ ४५ १०	०७ ०७ ४५ १०
१८	गुरु	०७ ०१ ४४ १८	०० १७ १२ ०४	०६ १८ १९ १६	०६ २५ १८ ४२	०९ २९ ४३ २५	०८ १७ ०३ ३५	०९ १३ ५४ २२	०१ ०७ ४१ ५९	०७ ०७ ४१ ५९
१९	शुक्र	०७ ०२ ४४ ४८	०० २९ ०७ ३१	०६ १९ ०० १३	०६ २६ ५४ ४८	०९ २९ ४९ २३	०८ १७ ५२ १९	०९ १३ ५८ ०४	०१ ०७ ३८ ४८	०७ ०७ ३८ ४८
२०	शनि	०७ ०३ ४५ १९	०१ १० ५८ १३	०६ १९ ४१ १३	०६ २८ ३० ४३	०९ २९ ५५ ३२	०८ १८ ४० १२	०९ १४ ०१ ५१	०१ ०७ ३५ ३८	०७ ०७ ३५ ३८
२१	रवि	०७ ०४ ४५ ५२	०१ २२ ४६ १५	०६ २० २२ १४	०७ ०० ०६ २६	१० ०० ०१ ५०	०८ १९ २७ १२	०९ १४ ०५ ४३	०१ ०७ ३२ २७	०७ ०७ ३२ २७
२२	सोम	०७ ०५ ४६ २६	०२ ०४ ३३ ५३	०६ २१ ०३ १९	०७ ०१ ४१ ५८	१० ०० ०८ १९	०८ २० १३ १८	०९ १४ ०९ ३९	०१ ०७ २९ १६	०७ ०७ २९ १६
२३	मंगल	०७ ०६ ४७ ०२	०२ १६ २३ ४३	०६ २१ ४४ २५	०७ ०३ १७ १८	१० ०० १४ ५७	०८ २० ५८ २८	०९ १४ १३ ४१	०१ ०७ २६ ०५	०७ ०७ २६ ०५
२४	बुध	०७ ०७ ४७ ४०	०२ २८ १८ ४६	०६ २२ २५ ३४	०७ ०४ ५२ २८	१० ०० २१ ४५	०८ २१ ४२ ३८	०९ १४ १७ ४८	०१ ०७ २२ ५५	०७ ०७ २२ ५५
२५	गुरु	०७ ०८ ४८ १९	०३ १० २२ २६	०६ २३ ०६ ४५	०७ ०६ २७ २८	१० ०० २८ ४३	०८ २२ २५ ४७	०९ १४ २१ ५९	०१ ०७ १९ ४४	०७ ०७ १९ ४४
२६	शुक्र	०७ ०९ ४८ ५९	०३ २२ ३८ ३१	०६ २३ ४७ ५९	०७ ०८ ०२ १८	१० ०० ३५ ५०	०८ २३ ०७ ५३	०९ १४ २६ १५	०१ ०७ १६ ३३	०७ ०७ १६ ३३
२७	शनि	०७ १० ४९ ४२	०४ ०५ ११ ००	०६ २४ २९ १५	०७ ०९ ३६ ५९	१० ०० ४३ ०७	०८ २३ ४८ ५२	०९ १४ ३० ३६	०१ ०७ १३ २२	०७ ०७ १३ २२
२८	रवि	०७ ११ ५० २६	०४ १८ ०३ ५०	०६ २५ १० ३३	०७ ११ ११ ३३	१० ०० ५० ३३	०८ २४ २८ ४२	०९ १४ ३५ ०२	०१ ०७ १० १२	०७ ०७ १० १२
२९	सोम	०७ १२ ५१ ११	०५ ०१ २० ३०	०६ २५ ५१ ५४	०७ १२ ४६ ००	१० ०० ५८ ०९	०८ २५ ०७ २०	०९ १४ ३९ ३२	०१ ०७ ०७ ०१	०७ ०७ ०७ ०१
३०	मंगल	०७ १३ ५१ ५८	०५ १५ ०३ २५	०६ २६ ३३ १८	०७ १४ २० २०	१० ०१ ०५ ५४	०८ २५ ४४ ४४	०९ १४ ४४ ०७	०१ ०७ ०३ ५०	०७ ०७ ०३ ५०

विक्रम सम्वत् २०७८, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, दिसम्बर २०२१ (स्टैं. समय प्रात:०६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	बुध	०७ १४ ५२ ४७	०५ २६ १३ २०	०६ २७ १४ ४३	०७ १५ ५४ ३६	१० ०१ १३ ४७	०८ २६ २० ४६	०६ १४ ४८ ४६	०१ ०७ ०० ३६	०७ ०७ ०० ३६
२	गुरु	०७ १५ ५३ ३७	०६ १३ ४८ ३५	०६ २७ ५६ ११	०७ १७ २८ ४७	१० ०१ २१ ५०	०८ २६ ५५ ३५	०६ १४ ५३ ३०	०१ ०६ ५७ २८	०७ ०६ ५७ २८
३	शुक्र	०७ १६ ५४ २८	०६ २८ ४४ ४७	०६ २८ ३७ ४२	०७ १९ ०२ ५५	१० ०१ ३० ०२	०८ २७ २८ ५५	०६ १४ ५८ १९	०१ ०६ ५४ १८	०७ ०६ ५४ १८
४	शनि	०७ १७ ५५ २०	०७ १३ ५४ ४४	०६ २९ १९ १५	०७ २० ३७ ००	१० ०१ ३८ २२	०८ २८ ०० ४९	०६ १५ ०३ ११	०१ ०६ ५१ ०७	०७ ०६ ५१ ०७
५	रवि	०७ १८ ५६ १४	०७ २९ ०९ १५	०७ ०० ०० ५०	०७ २२ ११ ०४	१० ०१ ४६ ५२	०८ २८ ३१ ११	०६ १५ ०८ ०८	०१ ०६ ४७ ५६	०७ ०६ ४७ ५६
६	सोम	०७ १९ ५७ ०९	०८ १४ १८ २०	०७ ०० ४२ २७	०७ २३ ४५ ०७	१० ०१ ५५ ३०	०८ २८ ५९ ५८	०६ १५ १३ १०	०१ ०६ ४४ ४५	०७ ०६ ४४ ४५
७	मंगल	०७ २० ५८ ०४	०८ २९ १२ ४५	०७ ०१ २४ ०७	०७ २५ १९ १०	१० ०२ ०४ १६	०८ २९ २७ ०६	०६ १५ १८ १५	०१ ०६ ४१ ३५	०७ ०६ ४१ ३५
८	बुध	०७ २१ ५९ ०१	०९ १३ ४५ १९	०७ ०२ ०५ ४८	०७ २६ ५३ १३	१० ०२ १३ १०	०८ २९ ५२ ३१	०६ १५ २३ २५	०१ ०६ ३८ २४	०७ ०६ ३८ २४
९	गुरु	०७ २२ ५९ ५८	०९ २७ ५१ ४३	०७ ०२ ४७ ३२	०७ २८ २७ १८	१० ०२ २२ १३	०९ ०० १६ ०९	०६ १५ २८ ३८	०१ ०६ ३५ १३	०७ ०६ ३५ १३
१०	शुक्र	०७ २४ ०० ५६	१० ११ ३० ३१	०७ ०३ २९ १९	०८ ०० ०१ २४	१० ०२ ३१ २४	०९ ०० ३७ ५६	०६ १५ ३३ ५६	०१ ०६ ३२ ०२	०७ ०६ ३२ ०२
११	शनि	०७ २५ ०१ ५४	१० २४ ४२ ४६	०७ ०४ ११ ०७	०८ ०१ ३५ ३३	१० ०२ ४० ४३	०९ ०० ५७ ४७	०६ १५ ३९ १७	०१ ०६ २८ ५१	०७ ०६ २८ ५१
१२	रवि	०७ २६ ०२ ५३	११ ०७ ३१ १४	०७ ०४ ५२ ५८	०८ ०३ ०९ ४५	१० ०२ ५० ०९	०९ ०१ १५ ३९	०६ १५ ४४ ४२	०१ ०६ २५ ४१	०७ ०६ २५ ४१
१३	सोम	०७ २७ ०३ ५२	११ १९ ५९ ४०	०७ ०५ ३४ ५१	०८ ०४ ४३ ५९	१० ०२ ५९ ४४	०९ ०१ ३१ २८	०६ १५ ५० ११	०१ ०६ २२ ३०	०७ ०६ २२ ३०
१४	मंगल	०७ २८ ०४ ५२	०० ०२ १२ १९	०७ ०६ १६ ४६	०८ ०६ १८ १६	१० ०३ ०९ २६	०९ ०१ ४५ ०९	०६ १५ ५५ ४४	०१ ०६ १९ १९	०७ ०६ १९ १९
१५	बुध	०७ २९ ०५ ५३	०० १४ १३ २०	०७ ०६ ५८ ४३	०८ ०७ ५२ ३७	१० ०३ १९ १५	०९ ०१ ५६ ३९	०६ १६ ०१ २०	०१ ०६ १६ ०८	०७ ०६ १६ ०८
१६	गुरु	०८ ०० ०६ ५४	०० २६ ०६ ३६	०७ ०७ ४० ४३	०८ ०९ २६ ५९	१० ०३ २९ १२	०९ ०२ ०५ ५४	०६ १६ ०७ ००	०१ ०६ १२ ५८	०७ ०६ १२ ५८
१७	शुक्र	०८ ०१ ०७ ५६	०१ ०७ ५५ ३३	०७ ०८ २२ ४५	०८ ११ ०१ २३	१० ०३ ३९ १६	०९ ०२ १२ ५१	०६ १६ १२ ४३	०१ ०६ ०९ ४७	०७ ०६ ०९ ४७
१८	शनि	०८ ०२ ०८ ५८	०१ १९ ४३ ०५	०७ ०९ ०४ ४९	०८ १२ ३५ ४७	१० ०३ ४९ २७	०९ ०२ १७ २७	०६ १६ १८ ३०	०१ ०६ ०६ ३६	०७ ०६ ०६ ३६
१९	रवि	०८ ०३ १० ०१	०२ ०१ ३१ ३८	०७ ०९ ४६ ५५	०८ १४ १० ११	१० ०३ ५९ ४५	०९ ०२ १९ ३८	०६ १६ २४ २०	०१ ०६ ०३ २५	०७ ०६ ०३ २५
२०	सोम	०८ ०४ ११ ०४	०२ १३ २३ १६	०७ १० २९ ०४	०८ १५ ४४ ३२	१० ०४ १० १०	०९ ०२ १९ २३	०६ १६ ३० १३	०१ ०६ ०० १५	०७ ०६ ०० १५
२१	मंगल	०८ ०५ १२ ०९	०२ २५ १९ ४९	०७ ११ ११ १६	०८ १७ १८ ४८	१० ०४ २० ४२	०९ ०२ १६ ४०	०६ १६ ३६ १०	०१ ०५ ५७ ०४	०७ ०५ ५७ ०४
२२	बुध	०८ ०६ १३ १३	०३ ०७ २३ ०२	०७ ११ ५३ ३०	०८ १८ ५२ ५७	१० ०४ ३१ २१	०९ ०२ ११ २८	०६ १६ ४२ १०	०१ ०५ ५३ ५३	०७ ०५ ५३ ५३
२३	गुरु	०८ ०७ १४ १८	०३ १९ ३४ ५०	०७ १२ ३५ ४६	०८ २० २६ ५३	१० ०४ ४२ ०६	०९ ०२ ०३ ४५	०६ १६ ४८ १२	०१ ०५ ५० ४२	०७ ०५ ५० ४२
२४	शुक्र	०८ ०८ १५ २४	०४ ०१ ५७ १८	०७ १३ १८ ०४	०८ २२ ०० ३४	१० ०४ ५२ ५८	०९ ०१ ५३ ३२	०६ १६ ५४ १८	०१ ०५ ४७ ३१	०७ ०५ ४७ ३१
२५	शनि	०८ ०९ १६ ३१	०४ १४ ३२ ५२	०७ १४ ०० २६	०८ २३ ३३ ५३	१० ०५ ०३ ५६	०९ ०१ ४० ५०	०६ १७ ०० २७	०१ ०५ ४४ २१	०७ ०५ ४४ २१
२६	रवि	०८ १० १७ ३८	०४ २७ २४ १६	०७ १४ ४२ ४९	०८ २५ ०६ ४४	१० ०५ १५ ०१	०९ ०१ २५ ४०	०६ १७ ०६ ३९	०१ ०५ ४१ १०	०७ ०५ ४१ १०
२७	सोम	०८ ११ १८ ४६	०५ १० ३४ १७	०७ १५ २५ १५	०८ २६ ३८ ५९	१० ०५ २६ ११	०९ ०१ ०८ ०९	०६ १७ १२ ५४	०१ ०५ ३७ ५९	०७ ०५ ३७ ५९
२८	मंगल	०८ १२ १९ ५४	०५ २४ ०५ ३३	०७ १६ ०७ ४३	०८ २८ १० २९	१० ०५ ३७ २८	०९ ०० ४८ ११	०६ १७ १९ ११	०१ ०५ ३४ ४८	०७ ०५ ३४ ४८
२९	बुध	०८ १३ २१ ०३	०६ ०७ ५९ ५४	०७ १६ ५० १४	०८ २९ ४१ ०३	१० ०५ ४८ ५१	०९ ०० २५ ५९	०६ १७ २५ ३२	०१ ०५ ३१ ३८	०७ ०५ ३१ ३८
३०	गुरु	०८ १४ २२ १२	०६ २२ १७ ४८	०७ १७ ३२ ४७	०९ ०१ १० २७	१० ०६ ०० २०	०९ ०० ०१ ३८	०६ १७ ३१ ५५	०१ ०५ २८ २७	०७ ०५ २८ २७
३१	शुक्र	०८ १५ २३ २२	०७ ०६ ५७ ३७	०७ १८ १५ २३	०९ ०२ ३८ २७	१० ०६ ११ ५५	०८ २९ ३५ १४	०६ १७ ३८ २०	०१ ०५ २५ १६	०७ ०५ २५ १६

विक्रम सम्वत् २०७८, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, जनवरी २०२२ (स्टैं. समय प्रातः०६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	शनि	०८ १६ २४ ३३	०७ २१ ५५ ०३	०७ १८ ५८ ०१	०९ ०४ ०४ ४४	१० ०६ २३ ३६	०८ २९ ०६ ५४	०९ १७ ४४ ४८	०१ ०५ २२ ०५	०७ ०५ २२ ०५
२	रवि	०८ १७ २५ ४३	०८ ०७ ०३ ०३	०७ १९ ४० ४१	०९ ०५ २८ ५८	१० ०६ ३५ २२	०८ २८ ३६ ४९	०९ १७ ५१ १९	०१ ०५ १८ ५५	०७ ०५ १८ ५५
३	सोम	०८ १८ २६ ५४	०८ २२ १२ २६	०७ २० २३ २४	०९ ०६ ५० ४४	१० ०६ ४७ १४	०८ २८ ०५ ०८	०९ १७ ५७ ५२	०१ ०५ १५ ४४	०७ ०५ १५ ४४
४	मंगल	०८ १९ २८ ०४	०९ ०७ १३ १०	०७ २१ ०६ ०८	०९ ०८ ०९ ३५	१० ०६ ५९ ११	०८ २७ ३२ ०३	०९ १८ ०४ २७	०१ ०५ १२ ३३	०७ ०५ १२ ३३
५	बुध	०८ २० २९ १५	०९ २१ ५६ ०३	०७ २१ ४८ ५५	०९ ०९ २४ ५९	१० ०७ ११ १४	०८ २६ ५७ ४६	०९ १८ ११ ०४	०१ ०५ ०९ २२	०७ ०५ ०९ २२
६	गुरु	०८ २१ ३० २५	१० ०६ १४ १०	०७ २२ ३१ ४४	०९ १० ३६ २१	१० ०७ २३ २१	०८ २६ २२ ३०	०९ १८ १७ ४४	०१ ०५ ०६ ११	०७ ०५ ०६ ११
७	शुक्र	०८ २२ ३१ ३५	१० २० ०३ ४४	०७ २३ १४ ३६	०९ ११ ४३ ००	१० ०७ ३५ ३४	०८ २५ ४६ २९	०९ १८ २४ २६	०१ ०५ ०३ ०१	०७ ०५ ०३ ०१
८	शनि	०८ २३ ३२ ४५	११ ०३ २४ ०७	०७ २३ ५७ २९	०९ १२ ४४ १२	१० ०७ ४७ ५२	०८ २५ ०९ ५९	०९ १८ ३१ ०९	०१ ०४ ५९ ५०	०७ ०४ ५९ ५०
९	रवि	०८ २४ ३३ ५४	११ १६ १७ १८	०७ २४ ४० २४	०९ १३ ३९ ०८	१० ०८ ०० १४	०८ २४ ३३ १४	०९ १८ ३७ ५५	०१ ०४ ५६ ३९	०७ ०४ ५६ ३९
१०	सोम	०८ २५ ३५ ०२	११ २८ ४७ ०४	०७ २५ २३ २२	०९ १४ २६ ५८	१० ०८ १२ ४२	०८ २३ ५६ ३०	०९ १८ ४४ ४२	०१ ०४ ५३ २८	०७ ०४ ५३ २८
११	मंगल	०८ २६ ३६ ११	०० १० ५८ १८	०७ २६ ०६ २२	०९ १५ ०६ ४८	१० ०८ २५ १४	०८ २३ २० ०२	०९ १८ ५१ ३२	०१ ०४ ५० १८	०७ ०४ ५० १८
१२	बुध	०८ २७ ३७ १८	०० २२ ५६ १४	०७ २६ ४९ २४	०९ १५ ३७ ४३	१० ०८ ३७ ५०	०८ २२ ४४ ०५	०९ १८ ५८ २३	०१ ०४ ४७ ०७	०७ ०४ ४७ ०७
१३	गुरु	०८ २८ ३८ २५	०१ ०४ ४६ ०२	०७ २७ ३२ २८	०९ १५ ५८ ५२	१० ०८ ५० ३१	०८ २२ ०८ ५५	०९ १९ ०५ १५	०१ ०४ ४३ ५६	०७ ०४ ४३ ५६
१४	शुक्र	०८ २९ ३९ ३२	०१ १६ ३२ ३०	०७ २८ १५ ३४	०९ १६ ०९ २७	१० ०९ ०३ १७	०८ २१ ३४ ४५	०९ १९ १२ ०९	०१ ०४ ४० ४५	०७ ०४ ४० ४५
१५	शनि	०९ ०० ४० ३८	०१ २८ १९ ४३	०७ २८ ५८ ४३	०९ १६ ०८ ४९	१० ०९ १६ ०६	०८ २१ ०१ ५०	०९ १९ १९ ०५	०१ ०४ ३७ ३५	०७ ०४ ३७ ३५
१६	रवि	०९ ०१ ४१ ४३	०२ १० ११ ०६	०७ २९ ४१ ५३	०९ १५ ५६ ३४	१० ०९ २९ ००	०८ २० ३० २२	०९ १९ २६ ०२	०१ ०४ ३४ २४	०७ ०४ ३४ २४
१७	सोम	०९ ०२ ४२ ४८	०२ २२ ०९ १२	०८ ०० २५ ०६	०९ १५ ३२ ३२	१० ०९ ४१ ५८	०८ २० ०० ३३	०९ १९ ३३ ०१	०१ ०४ ३१ १३	०७ ०४ ३१ १३
१८	मंगल	०९ ०३ ४३ ५२	०३ ०४ १५ ५१	०८ ०१ ०८ २२	०९ १४ ५६ ५८	१० ०९ ५४ ५९	०८ १९ ३२ ३३	०९ १९ ४० ००	०१ ०४ २८ ०२	०७ ०४ २८ ०२
१९	बुध	०९ ०४ ४४ ५६	०३ १६ ३२ ०९	०८ ०१ ५१ ३९	०९ १४ १० ३०	१० १० ०८ ०५	०८ १९ ०६ ३२	०९ १९ ४७ ०१	०१ ०४ २४ ५१	०७ ०४ २४ ५१
२०	गुरु	०९ ०५ ४५ ५९	०३ २८ ५८ ४८	०८ ०२ ३४ ५९	०९ १३ १४ १४	१० १० २१ १४	०८ १८ ४२ ३८	०९ १९ ५४ ०४	०१ ०४ २१ ४१	०७ ०४ २१ ४१
२१	शुक्र	०९ ०६ ४७ ०२	०४ ११ ३६ १४	०८ ०३ १८ २१	०९ १२ ०९ ४१	१० १० ३४ २७	०८ १८ २० ५७	०९ २० ०१ ०७	०१ ०४ १८ ३०	०७ ०४ १८ ३०
२२	शनि	०९ ०७ ४८ ०४	०४ २४ २४ ५५	०८ ०४ ०१ ४५	०९ १० ५८ ४७	१० १० ४७ ४४	०८ १८ ०१ ३६	०९ २० ०८ ११	०१ ०४ १५ १९	०७ ०४ १५ १९
२३	रवि	०९ ०८ ४९ ०६	०५ ०७ २५ ४०	०८ ०४ ४५ १२	०९ ०९ ४३ ४२	१० ११ ०१ ०४	०८ १७ ४४ ३८	०९ २० १५ १७	०१ ०४ १२ ०८	०७ ०४ १२ ०८
२४	सोम	०९ ०९ ५० ०८	०५ २० ३९ ३६	०८ ०५ २८ ४१	०९ ०८ २६ ४८	१० ११ १४ २८	०८ १७ ३० ०८	०९ २० २२ २३	०१ ०४ ०८ ५८	०७ ०४ ०८ ५८
२५	मंगल	०९ १० ५१ ०९	०६ ०४ ०८ ११	०८ ०६ १२ १२	०९ ०७ १० २३	१० ११ २७ ५५	०८ १७ १८ ०६	०९ २० २९ ३०	०१ ०४ ०५ ४७	०७ ०४ ०५ ४७
२६	बुध	०९ ११ ५२ ०९	०६ १७ ५२ ५७	०८ ०६ ५५ ४६	०९ ०५ ५६ ३८	१० ११ ४१ २५	०८ १७ ०८ ३५	०९ २० ३६ ३८	०१ ०४ ०२ ३६	०७ ०४ ०२ ३६
२७	गुरु	०९ १२ ५३ ०९	०७ ०१ ५४ ५५	०८ ०७ ३९ २२	०९ ०४ ४७ ३०	१० ११ ५४ ५९	०८ १७ ०१ ३५	०९ २० ४३ ४७	०१ ०३ ५९ २५	०७ ०३ ५९ २५
२८	शुक्र	०९ १३ ५४ ०८	०७ १६ १४ ०७	०८ ०८ २३ ००	०९ ०३ ४४ ३०	१० १२ ०८ ३५	०८ १६ ५७ ०४	०९ २० ५० ५६	०१ ०३ ५६ १४	०७ ०३ ५६ १४
२९	शनि	०९ १४ ५५ ०७	०८ ०० ४८ ४३	०८ ०९ ०६ ४०	०९ ०२ ४८ ५१	१० १२ २२ १५	०८ १६ ५५ ०२	०९ २० ५८ ०६	०१ ०३ ५३ ०४	०७ ०३ ५३ ०४
३०	रवि	०९ १५ ५६ ०५	०८ १५ ३४ ४१	०८ ०९ ५० २२	०९ ०२ ०१ २१	१० १२ ३५ ५८	०८ १६ ५५ २७	०९ २१ ०५ १६	०१ ०३ ४९ ५३	०७ ०३ ४९ ५३
३१	सोम	०९ १६ ५७ ०२	०९ ०० २५ ३४	०८ १० ३४ ०७	०९ ०१ २२ २७	१० १२ ४९ ४४	०८ १६ ५८ १७	०९ २१ १२ २७	०१ ०३ ४६ ४२	०७ ०३ ४६ ४२

विक्रम सम्वत् २०७८, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, फरवरी २०२२ (स्टैं. समय प्रात:०६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	मंगल	०९ १७ ५७ ५९	०९ १५ १३ १८	०८ ११ १७ ५३	०९ ०० ५२ १८	१० १३ ०३ ३२	०८ १७ ०३ २८	०९ २१ १९ ३८	०१ ०३ ४३ ३१	०७ ०३ ४३ ३१
२	बुध	०९ १८ ५८ ५४	०९ २९ ४९ १५	०८ १२ ०१ ४१	०९ ०० ३० ५१	१० १३ १७ २३	०८ १७ १० ५७	०९ २१ २६ ५०	०१ ०३ ४० २१	०७ ०३ ४० २१
३	गुरु	०९ १९ ५९ ४८	१० १४ ०५ ५३	०८ १२ ४५ ३२	०९ ०० १७ ५१	१० १३ ३१ १६	०८ १७ २० ४१	०९ २१ ३४ ०२	०१ ०३ ३७ १०	०७ ०३ ३७ १०
४	शुक्र	०९ २१ ०० ४१	१० २७ ५७ ५१	०८ १३ २९ २४	०९ ०० १२ ५५	१० १३ ४५ १२	०८ १७ ३२ ३६	०९ २१ ४१ १३	०१ ०३ ३३ ५९	०७ ०३ ३३ ५९
५	शनि	०९ २२ ०१ ३३	११ ११ २२ ४३	०८ १४ १३ १८	०९ ०० १५ ३७	१० १३ ५९ ११	०८ १७ ४६ ३९	०९ २१ ४८ २५	०१ ०३ ३० ४८	०७ ०३ ३० ४८
६	रवि	०९ २३ ०२ २३	११ २४ २० ४८	०८ १४ ५७ १५	०९ ०० २५ २८	१० १४ १३ ११	०८ १८ ०२ ४७	०९ २१ ५५ ३७	०१ ०३ २७ ३८	०७ ०३ २७ ३८
७	सोम	०९ २४ ०३ १२	०० ०६ ५४ ४६	०८ १५ ४१ १३	०९ ०० ४१ ५६	१० १४ २७ १४	०८ १८ २० ५४	०९ २२ ०२ ४८	०१ ०३ २४ २७	०७ ०३ २४ २७
८	मंगल	०९ २५ ०४ ००	०० १९ ०८ ५५	०८ १६ २५ १२	०९ ०१ ०४ ३२	१० १४ ४१ १९	०८ १८ ४० ५८	०९ २२ १० ००	०१ ०३ २१ १६	०७ ०३ २१ १६
९	बुध	०९ २६ ०४ ४६	०१ ०१ ०८ २८	०८ १७ ०९ १४	०९ ०१ ३२ ४७	१० १४ ५५ २६	०८ १९ ०२ ५४	०९ २२ १७ ११	०१ ०३ १८ ०५	०७ ०३ १८ ०५
१०	गुरु	०९ २७ ०५ ३०	०१ १२ ५९ ०३	०८ १७ ५३ १८	०९ ०२ ०६ १३	१० १५ ०९ ३५	०८ १९ २६ ३९	०९ २२ २४ २२	०१ ०३ १४ ५४	०७ ०३ १४ ५४
११	शुक्र	०९ २८ ०६ १३	०१ २४ ४६ १०	०८ १८ ३७ २३	०९ ०२ ४४ २४	१० १५ २३ ४५	०८ १९ ५२ ०९	०९ २२ ३१ ३३	०१ ०३ ११ ४४	०७ ०३ ११ ४४
१२	शनि	०९ २९ ०६ ५४	०२ ०६ ३४ ५८	०८ १९ २१ ३१	०९ ०३ २६ ५७	१० १५ ३७ ५७	०८ २० १९ २१	०९ २२ ३८ ४३	०१ ०३ ०८ ३३	०७ ०३ ०८ ३३
१३	रवि	१० ०० ०७ ३४	०२ १८ २९ ५४	०८ २० ०५ ४०	०९ ०४ १३ २९	१० १५ ५२ ११	०८ २० ४८ १०	०९ २२ ४५ ५२	०१ ०३ ०५ २२	०७ ०३ ०५ २२
१४	सोम	१० ०१ ०८ १२	०३ ०० ३४ ३४	०८ २० ४९ ५१	०९ ०५ ०३ ४१	१० १६ ०६ २७	०८ २१ १८ ३४	०९ २२ ५३ ०१	०१ ०३ ०२ ११	०७ ०३ ०२ ११
१५	मंगल	१० ०२ ०८ ४९	०३ १२ ५१ २८	०८ २१ ३४ ०४	०९ ०५ ५७ १५	१० १६ २० ४४	०८ २१ ५० २९	०९ २३ ०० १०	०१ ०२ ५९ ०१	०७ ०२ ५९ ०१
१६	बुध	१० ०३ ०९ २४	०३ २५ २१ ५९	०८ २२ १८ १९	०९ ०६ ५३ ५५	१० १६ ३५ ०२	०८ २२ २३ ५१	०९ २३ ०७ १८	०१ ०२ ५५ ५०	०७ ०२ ५५ ५०
१७	गुरु	१० ०४ ०९ ५७	०४ ०८ ०६ २५	०८ २३ ०२ ३६	०९ ०७ ५३ २६	१० १६ ४९ २२	०८ २२ ५८ ३७	०९ २३ १४ २५	०१ ०२ ५२ ३९	०७ ०२ ५२ ३९
१८	शुक्र	१० ०५ १० ३०	०४ २१ ०४ १२	०८ २३ ४६ ५५	०९ ०८ ५५ ३६	१० १७ ०३ ४३	०८ २३ ३४ ४४	०९ २३ २१ ३१	०१ ०२ ४९ २८	०७ ०२ ४९ २८
१९	शनि	१० ०६ ११ ००	०५ ०४ १४ ०९	०८ २४ ३१ १६	०९ १० ०० १२	१० १७ १८ ०५	०८ २४ १२ ०९	०९ २३ २८ ३६	०१ ०२ ४६ १८	०७ ०२ ४६ १८
२०	रवि	१० ०७ ११ ३०	०५ १७ ३४ ५८	०८ २५ १५ ३८	०९ ११ ०७ ०५	१० १७ ३२ २८	०८ २४ ५० ४९	०९ २३ ३५ ४०	०१ ०२ ४३ ०७	०७ ०२ ४३ ०७
२१	सोम	१० ०८ ११ ५७	०६ ०१ ०५ ३२	०८ २६ ०० ०३	०९ १२ १६ ०६	१० १७ ४६ ५३	०८ २५ ३० ४१	०९ २३ ४२ ४३	०१ ०२ ३९ ५६	०७ ०२ ३९ ५६
२२	मंगल	१० ०९ १२ २४	०६ १४ ४५ १५	०८ २६ ४४ ३०	०९ १३ २७ ०५	१० १८ ०१ १८	०८ २६ ११ ४२	०९ २३ ४९ ४६	०१ ०२ ३६ ४५	०७ ०२ ३६ ४५
२३	बुध	१० १० १२ ४९	०६ २८ ३३ ५८	०८ २७ २८ ५८	०९ १४ ३९ ५७	१० १८ १५ ४५	०८ २६ ५३ ४९	०९ २३ ५६ ४७	०१ ०२ ३३ ३४	०७ ०२ ३३ ३४
२४	गुरु	१० ११ १३ १३	०७ १२ ३१ ४६	०८ २८ १३ २९	०९ १५ ५४ ३४	१० १८ ३० १२	०८ २७ ३७ ००	०९ २४ ०३ ४७	०१ ०२ ३० २४	०७ ०२ ३० २४
२५	शुक्र	१० १२ १३ ३६	०७ २६ ३८ ४२	०८ २८ ५८ ०१	०९ १७ १० ५२	१० १८ ४४ ४०	०८ २८ २१ १२	०९ २४ १० ४५	०१ ०२ २७ १३	०७ ०२ २७ १३
२६	शनि	१० १३ १३ ५७	०८ १० ५३ ५२	०८ २९ ४२ ३५	०९ १८ २८ ४४	१० १८ ५९ ०९	०८ २९ ०६ २२	०९ २४ १७ ४२	०१ ०२ २४ ०२	०७ ०२ २४ ०२
२७	रवि	१० १४ १४ १७	०८ २५ १५ १३	०९ ०० २७ ११	०९ १९ ४८ ०७	१० १९ १३ ३८	०८ २९ ५२ २८	०९ २४ २४ ३८	०१ ०२ २० ५१	०७ ०२ २० ५१
२८	सोम	१० १५ १४ ३५	०९ ०९ ३९ ०९	०९ ०१ ११ ४८	०९ २१ ०८ ५६	१० १९ २८ ०८	०९ ०० ३९ २८	०९ २४ ३१ ३३	०१ ०२ १७ ४१	०७ ०२ १७ ४१

विक्रम सम्वत् २०७८, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, मार्च २०२२ (स्टैं. समय प्रात:०६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	मंगल	१० १६ १४ ५२	०९ २४ ०० ३९	०९ ०१ ५६ २७	०९ २२ ३१ १०	१० १९ ४२ ३८	०९ ०१ २७ १९	०९ २४ ३८ २५	०१ ०२ १४ ३०	०७ ०२ १४ ३०
२	बुध	१० १७ १५ ०७	१० ०८ १३ ४७	०९ ०२ ४१ ०८	०९ २३ ५४ ४४	१० १९ ५७ ०९	०९ ०२ १५ ५९	०९ २४ ४५ १७	०१ ०२ ११ १९	०७ ०२ ११ १९
३	गुरु	१० १८ १५ २०	१० २२ १२ ४७	०९ ०३ २५ ५०	०९ २५ १९ ३६	१० २० ११ ४०	०९ ०३ ०५ २६	०९ २४ ५२ ०६	०१ ०२ ०८ ०८	०७ ०२ ०८ ०८
४	शुक्र	१० १९ १५ ३२	११ ०५ ५२ ५३	०९ ०४ १० ३४	०९ २६ ४५ ४४	१० २० २६ ११	०९ ०३ ५५ ३९	०९ २४ ५८ ५४	०१ ०२ ०४ ५७	०७ ०२ ०४ ५७
५	शनि	१० २० १५ ४२	११ १९ ११ ०८	०९ ०४ ५५ १९	०९ २८ १३ ०६	१० २० ४० ४२	०९ ०४ ४६ ३४	०९ २५ ०५ ३९	०१ ०२ ०१ ४७	०७ ०२ ०१ ४७
६	रवि	१० २१ १५ ४९	०० ०२ ०६ ४४	०९ ०५ ४० ०५	०९ २९ ४१ ४२	१० २० ५५ १३	०९ ०५ ३८ १२	०९ २५ १२ २३	०१ ०१ ५८ ३६	०७ ०१ ५८ ३६
७	सोम	१० २२ १५ ५५	०० १४ ४० ५७	०९ ०६ २४ ५३	१० ०१ ११ २९	१० २१ ०९ ४४	०९ ०६ ३० २९	०९ २५ १९ ०५	०१ ०१ ५५ २५	०७ ०१ ५५ २५
८	मंगल	१० २३ १५ ५९	०० २६ ५६ ४४	०९ ०७ ०९ ४२	१० ०२ ४२ २८	१० २१ २४ १५	०९ ०७ २३ २५	०९ २५ २५ ४५	०१ ०१ ५२ १४	०७ ०१ ५२ १४
९	बुध	१० २४ १६ ००	०१ ०८ ५८ २०	०९ ०७ ५४ ३२	१० ०४ १४ ३६	१० २१ ३८ ४६	०९ ०८ १६ ५८	०९ २५ ३२ २३	०१ ०१ ४९ ०४	०७ ०१ ४९ ०४
१०	गुरु	१० २५ १६ ००	०१ २० ५० ४९	०९ ०८ ३९ २४	१० ०५ ४७ ५५	१० २१ ५३ १६	०९ ०९ ११ ०६	०९ २५ ३८ ५८	०१ ०१ ४५ ५३	०७ ०१ ४५ ५३
११	शुक्र	१० २६ १५ ५७	०२ ०२ ३९ ३६	०९ ०९ २४ १७	१० ०७ २२ २४	१० २२ ०७ ४६	०९ १० ०५ ४९	०९ २५ ४५ ३१	०१ ०१ ४२ ४२	०७ ०१ ४२ ४२
१२	शनि	१० २७ १५ ५२	०२ १४ ३० ०५	०९ १० ०९ ११	१० ०८ ५८ ०२	१० २२ २२ १६	०९ ११ ०१ ०५	०९ २५ ५२ ०२	०१ ०१ ३९ ३१	०७ ०१ ३९ ३१
१३	रवि	१० २८ १५ ४५	०२ २६ २७ २६	०९ १० ५४ ०७	१० १० ३४ ५०	१० २२ ३६ ४४	०९ ११ ५६ ५३	०९ २५ ५८ ३१	०१ ०१ ३६ २१	०७ ०१ ३६ २१
१४	सोम	१० २९ १५ ३५	०३ ०८ ३६ ०९	०९ ११ ३९ ०४	१० १२ १२ ४९	१० २२ ५१ १३	०९ १२ ५३ ११	०९ २६ ०४ ५७	०१ ०१ ३३ १०	०७ ०१ ३३ १०
१५	मंगल	११ ०० १५ २४	०३ २० ५९ ४९	०९ १२ २४ ०२	१० १३ ५१ ५८	१० २३ ०५ ४०	०९ १३ ५० ००	०९ २६ ११ २१	०१ ०१ २९ ५९	०७ ०१ २९ ५९
१६	बुध	११ ०१ १५ १०	०४ ०३ ४० ४८	०९ १३ ०९ ०१	१० १५ ३२ १८	१० २३ २० ०७	०९ १४ ४७ १७	०९ २६ १७ ४२	०१ ०१ २६ ४८	०७ ०१ २६ ४८
१७	गुरु	११ ०२ १४ ५४	०४ १६ ४० ०४	०९ १३ ५४ ०२	१० १७ १३ ५०	१० २३ ३४ ३३	०९ १५ ४५ ०२	०९ २६ २४ ००	०१ ०१ २३ ३७	०७ ०१ २३ ३७
१८	शुक्र	११ ०३ १४ ३७	०४ २९ ५७ ०४	०९ १४ ३९ ०४	१० १८ ५६ ३५	१० २३ ४८ ५८	०९ १६ ४३ १४	०९ २६ ३० १६	०१ ०१ २० २७	०७ ०१ २० २७
१९	शनि	११ ०४ १४ १७	०५ १३ ३० ००	०९ १५ २४ ०७	१० २० ४० ३३	१० २४ ०३ २३	०९ १७ ४१ ५२	०९ २६ ३६ २९	०१ ०१ १७ १६	०७ ०१ १७ १६
२०	रवि	११ ०५ १३ ५५	०५ २७ १६ ०३	०९ १६ ०९ ११	१० २२ २५ ४५	१० २४ १७ ४६	०९ १८ ४० ५५	०९ २६ ४२ ३९	०१ ०१ १४ ०५	०७ ०१ १४ ०५
२१	सोम	११ ०६ १३ ३१	०६ ११ ११ ५९	०९ १६ ५४ १७	१० २४ १२ १२	१० २४ ३२ ०८	०९ १९ ४० २२	०९ २६ ४८ ४६	०१ ०१ १० ५४	०७ ०१ १० ५४
२२	मंगल	११ ०७ १३ ०६	०६ २५ १४ ३०	०९ १७ ३९ २४	१० २५ ५९ ५४	१० २४ ४६ २६	०९ २० ४० १२	०९ २६ ५४ ५१	०१ ०१ ०७ ४४	०७ ०१ ०७ ४४
२३	बुध	११ ०८ १२ ३९	०७ ०९ २१ ०२	०९ १८ २४ ३२	१० २७ ४८ ५३	१० २५ ०० ४८	०९ २१ ४० २५	०९ २७ ०० ५३	०१ ०१ ०४ ३३	०७ ०१ ०४ ३३
२४	गुरु	११ ०९ १२ १०	०७ २३ २९ २८	०९ १९ ०९ ४२	१० २९ ३९ ०९	१० २५ १५ ०७	०९ २२ ४१ ००	०९ २७ ०६ ५१	०१ ०१ ०१ २२	०७ ०१ ०१ २२
२५	शुक्र	११ १० ११ ३९	०८ ०७ ३८ १३	०९ १९ ५४ ५२	११ ०१ ३० ४२	१० २५ २९ २४	०९ २३ ४१ ५६	०९ २७ १२ ४७	०१ ०० ५८ ११	०७ ०० ५८ ११
२६	शनि	११ ११ ११ ०७	०८ २१ ४५ ५९	०९ २० ४० ०४	११ ०३ २३ ३२	१० २५ ४३ ४०	०९ २४ ४३ १२	०९ २७ १८ ३९	०१ ०० ५५ ०१	०७ ०० ५५ ०१
२७	रवि	११ १२ १० ३२	०९ ०५ ५१ १८	०९ २१ २५ १६	११ ०५ १७ ३९	१० २५ ५७ ५४	०९ २५ ४४ ४८	०९ २७ २४ २८	०१ ०० ५१ ५०	०७ ०० ५१ ५०
२८	सोम	११ १३ ०९ ५६	०९ १९ ५२ २०	०९ २२ १० ३०	११ ०७ १३ ०३	१० २६ १२ ०६	०९ २६ ४६ ४२	०९ २७ ३० १४	०१ ०० ४८ ३९	०७ ०० ४८ ३९
२९	मंगल	११ १४ ०९ १९	१० ०३ ४६ ४२	०९ २२ ५५ ४४	११ ०९ ०९ ४३	१० २६ २६ १७	०९ २७ ४८ ५४	०९ २७ ३५ ५६	०१ ०० ४५ २८	०७ ०० ४५ २८
३०	बुध	११ १५ ०८ ३९	१० १७ ३१ ३५	०९ २३ ४१ ००	११ ११ ०७ ३६	१० २६ ४० २६	०९ २८ ५१ २४	०९ २७ ४१ ३५	०१ ०० ४२ १७	०७ ०० ४२ १७
३१	गुरु	११ १६ ०७ ५८	११ ०१ ०४ ०६	०९ २४ २६ १५	११ १३ ०६ ४०	१० २६ ५४ ३४	०९ २९ ५४ १०	०९ २७ ४७ ११	०१ ०० ३९ ०७	०७ ०० ३९ ०७

विक्रम सम्वत् २०७८, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, अप्रैल २०२२ (स्टैं. समय प्रातः०६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	शुक्र	११ १७ ०७ १४	११ १४ २१ ४४	०९ २५ ११ ३२	११ १५ ०६ ५२	१० २७ ०८ ३९	१० ०० ५७ १२	०९ २७ ५२ ४३	०१ ०० ३५ ५६	०७ ०० ३५ ५६
२	शनि	११ १८ ०६ २९	११ २७ २२ ४५	०९ २५ ५६ ४९	११ १७ ०८ ०८	१० २७ २२ ४२	१० ०२ ०० २९	०९ २७ ५८ ११	०१ ०० ३२ ४५	०७ ०० ३२ ४५
३	रवि	११ १९ ०५ ४१	०० १० ०६ ३२	०९ २६ ४२ ०७	११ १९ १० २३	१० २७ ३६ ४४	१० ०३ ०४ ०२	०९ २८ ०३ ३६	०१ ०० २९ ३४	०७ ०० २९ ३४
४	सोम	११ २० ०४ ५२	०० २२ ३३ ४४	०९ २७ २७ २५	११ २१ १३ २८	१० २७ ५० ४३	१० ०४ ०७ ४८	०९ २८ ०८ ५७	०१ ०० २६ २४	०७ ०० २६ २४
५	मंगल	११ २१ ०४ ००	०१ ०४ ४६ १२	०९ २८ १२ ४३	११ २३ १७ १७	१० २८ ०४ ३९	१० ०५ ११ ४८	०९ २८ १४ १४	०१ ०० २३ १३	०७ ०० २३ १३
६	बुध	११ २२ ०३ ०६	०१ १६ ४६ ५८	०९ २८ ५८ ०२	११ २५ २१ ३९	१० २८ १८ ३४	१० ०६ १६ ०२	०९ २८ १९ २७	०१ ०० २० ०२	०७ ०० २० ०२
७	गुरु	११ २३ ०२ ०९	०१ २८ ३९ ५२	०९ २९ ४३ २२	११ २७ २६ २२	१० २८ ३२ २६	१० ०७ २० २९	०९ २८ २४ ३६	०१ ०० १६ ५१	०७ ०० १६ ५१
८	शुक्र	११ २४ ०१ ११	०२ १० २९ २७	१० ०० २८ ४१	११ २९ ३१ १३	१० २८ ४६ १५	१० ०८ २५ ०८	०९ २८ २९ ४२	०१ ०० १३ ४०	०७ ०० १३ ४०
९	शनि	११ २५ ०० १०	०२ २२ २० ३८	१० ०१ १४ ०१	०० ०१ ३५ ५८	१० २९ ०० ०२	१० ०९ २९ ५९	०९ २८ ३४ ४३	०१ ०० १० ३०	०७ ०० १० ३०
१०	रवि	११ २५ ५९ ०७	०३ ०४ १८ २७	१० ०१ ५९ २१	०० ०३ ४० १९	१० २९ १३ ४६	१० १० ३५ ०३	०९ २८ ३९ ४०	०१ ०० ०७ १९	०७ ०० ०७ १९
११	सोम	११ २६ ५८ ०१	०३ १६ २७ ४८	१० ०२ ४४ ४२	०० ०५ ४३ ५८	१० २९ २७ २८	१० ११ ४० १७	०९ २८ ४४ ३३	०१ ०० ०४ ०८	०७ ०० ०४ ०८
१२	मंगल	११ २७ ५६ ५४	०३ २८ ५३ ०५	१० ०३ ३० ०२	०० ०७ ४६ ३५	१० २९ ४१ ०६	१० १२ ४५ ४३	०९ २८ ४९ २२	०१ ०० ०० ५७	०७ ०० ०० ५७
१३	बुध	११ २८ ५५ ४४	०४ ११ ३७ ४८	१० ०४ १५ २३	०० ०९ ४७ ५१	१० २९ ५४ ४२	१० १३ ५१ २०	०९ २८ ५४ ०७	०० २९ ५७ ४७	०६ २९ ५७ ४७
१४	गुरु	११ २९ ५४ ३१	०४ २४ ४४ ११	१० ०५ ०० ४४	०० ११ ४७ २४	११ ०० ०८ १५	१० १४ ५७ ०७	०९ २८ ५८ ४७	०० २९ ५४ ३६	०६ २९ ५४ ३६
१५	शुक्र	०० ०० ५३ १७	०५ ०८ १२ ५४	१० ०५ ४६ ०६	०० १३ ४४ ५३	११ ०० २१ ४५	१० १६ ०३ ०५	०९ २९ ०३ २४	०० २९ ५१ २५	०६ २९ ५१ २५
१६	शनि	०० ०१ ५२ ०१	०५ २२ ०२ ४४	१० ०६ ३१ २७	०० १५ ३९ ५८	११ ०० ३५ १२	१० १७ ०९ १३	०९ २९ ०७ ५५	०० २९ ४८ १४	०६ २९ ४८ १४
१७	रवि	०० ०२ ५० ४२	०६ ०६ १० ४१	१० ०७ १६ ४९	०० १७ ३२ १९	११ ०० ४८ ३५	१० १८ १५ ३१	०९ २९ १२ २३	०० २९ ४५ ०४	०६ २९ ४५ ०४
१८	सोम	०० ०३ ४९ २२	०६ २० ३२ १७	१० ०८ ०२ ११	०० १९ २१ ३८	११ ०१ ०१ ५५	१० १९ २१ ५८	०९ २९ १६ ४५	०० २९ ४१ ५३	०६ २९ ४१ ५३
१९	मंगल	०० ०४ ४७ ५९	०७ ०५ ०२ ०९	१० ०८ ४७ ३३	०० २१ ०७ ३६	११ ०१ १५ १३	१० २० २८ ३५	०९ २९ २१ ०४	०० २९ ३८ ४२	०६ २९ ३८ ४२
२०	बुध	०० ०५ ४६ ३५	०७ १९ ३४ ४१	१० ०९ ३२ ५५	०० २२ ४६ ५९	११ ०१ २८ २६	१० २१ ३५ २१	०९ २९ २५ १८	०० २९ ३५ ३१	०६ २९ ३५ ३१
२१	गुरु	०० ०६ ४५ १०	०८ ०४ ०४ ४८	१० १० १८ १७	०० २४ २८ ३२	११ ०१ ४१ ३७	१० २२ ४२ १५	०९ २९ २९ २७	०० २९ ३२ २०	०६ २९ ३२ २०
२२	शुक्र	०० ०७ ४३ ४२	०८ १८ २८ १७	१० ११ ०३ ४०	०० २६ ०३ ०३	११ ०१ ५४ ४४	१० २३ ४९ १९	०९ २९ ३३ ३१	०० २९ २९ १०	०६ २९ २९ १०
२३	शनि	०० ०८ ४२ १३	०९ ०२ ४२ ०२	१० ११ ४९ ०२	०० २७ ३३ २१	११ ०२ ०७ ४७	१० २४ ५६ ३१	०९ २९ ३७ ३१	०० २९ २५ ५९	०६ २९ २५ ५९
२४	रवि	०० ०९ ४० ४३	०९ १६ ४३ ५८	१० १२ ३४ २४	०० २८ ५९ १६	११ ०२ २० ४७	१० २६ ०३ ५०	०९ २९ ४१ २६	०० २९ २२ ४८	०६ २९ २२ ४८
२५	सोम	०० १० ३९ ११	१० ०० ३२ ५४	१० १३ १९ ४६	०१ ०० २० ४०	११ ०२ ३३ ४३	१० २७ ११ १८	०९ २९ ४५ १६	०० २९ १९ ३७	०६ २९ १९ ३७
२६	मंगल	०० ११ ३७ ३७	१० १४ ०८ १०	१० १४ ०५ ०७	०१ ०१ ३७ २५	११ ०२ ४६ ३५	१० २८ १८ ५३	०९ २९ ४९ ०२	०० २९ १६ २७	०६ २९ १६ २७
२७	बुध	०० १२ ३६ ०१	१० २७ २९ ३०	१० १४ ५० २८	०१ ०२ ४९ २५	११ ०२ ५९ २३	१० २९ २६ ३५	०९ २९ ५२ ४२	०० २९ १३ १६	०६ २९ १३ १६
२८	गुरु	०० १३ ३४ २५	११ १० ३६ ५०	१० १५ ३५ ४९	०१ ०३ ५६ ३४	११ ०३ १२ ०७	११ ०० ३४ २५	०९ २९ ५६ १७	०० २९ १० ०५	०६ २९ १० ०५
२९	शुक्र	०० १४ ३२ ४६	११ २३ ३० १६	१० १६ २१ ०९	०१ ०४ ५८ ४७	११ ०३ २४ ४७	११ ०१ ४२ २१	०९ २९ ५९ ४८	०० २९ ०६ ५४	०६ २९ ०६ ५४
३०	शनि	०० १५ ३१ ०६	०० ०६ १० १०	१० १७ ०६ २८	०१ ०५ ५५ ५९	११ ०३ ३७ २२	११ ०२ ५० २३	१० ०० ०३ १३	०० २९ ०३ ४४	०६ २९ ०३ ४४

विक्रम सम्वत् २०२१-२२ की दैनिक लग्नसारिणी, नई दिल्ली में लग्नों का समाप्तिकाल (भा.स्टैं.टा.)

मार्च, २०२१, अयनांश : २४:०८:५४

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
०१	१०:२८	१२:२४	१४:३९	१६:५९	१९:१६	२१:३३	२३:५२	०२:१५	०४:१९	०६:०१	०७:२८	०८:५३
०२	१०:२५	१२:२०	१४:३५	१६:५५	१९:१२	२१:२९	२३:४८	०२:११	०४:१५	०५:५७	०७:२४	०८:४९
०३	१०:२१	१२:१६	१४:३१	१६:५१	१९:०८	२१:२५	२३:४४	०२:०७	०४:११	०५:५३	०७:२०	०८:४५
०४	१०:१७	१२:१२	१४:२७	१६:४७	१९:०४	२१:२१	२३:४०	०२:०३	०४:०७	०५:४९	०७:१७	०८:४१
०५	१०:१३	१२:०८	१४:२३	१६:४३	१९:००	२१:१७	२३:३६	०१:५९	०४:०३	०५:४५	०७:१३	०८:३८
०६	१०:०९	१२:०४	१४:१९	१६:३९	१८:५७	२१:१३	२३:३२	०१:५५	०३:५९	०५:४१	०७:०९	०८:३४
०७	१०:०५	१२:००	१४:१५	१६:३५	१८:५३	२१:०९	२३:२८	०१:५१	०३:५५	०५:३७	०७:०५	०८:३०
०८	१०:०१	११:५६	१४:११	१६:३१	१८:४९	२१:०५	२३:२५	०१:४७	०३:५१	०५:३३	०७:०१	०८:२६
०९	०९:५७	११:५३	१४:०७	१६:२७	१८:४५	२१:०१	२३:२१	०१:४३	०३:४७	०५:२९	०६:५७	०८:२२
१०	०९:५३	११:४९	१४:०३	१६:२४	१८:४१	२०:५७	२३:१७	०१:३९	०३:४३	०५:२५	०६:५३	०८:१८
११	०९:४९	११:४५	१३:५९	१६:२०	१८:३७	२०:५३	२३:१३	०१:३५	०३:३९	०५:२२	०६:४९	०८:१४
१२	०९:४५	११:४१	१३:५५	१६:१६	१८:३३	२०:४९	२३:०९	०१:३१	०३:३५	०५:१८	०६:४५	०८:१०
१३	०९:४१	११:३७	१३:५१	१६:१२	१८:२९	२०:४५	२३:०५	०१:२७	०३:३१	०५:१४	०६:४१	०८:०६
१४	०९:३७	११:३३	१३:४७	१६:०८	१८:२५	२०:४१	२३:०१	०१:२३	०३:२७	०५:१०	०६:३७	०८:०२
१५	०९:३३	११:२९	१३:४४	१६:०४	१८:२१	२०:३७	२२:५७	०१:१९	०३:२४	०५:०६	०६:३३	०७:५८
१६	०९:२९	११:२५	१३:४०	१६:००	१८:१७	२०:३४	२२:५३	०१:१६	०३:२०	०५:०२	०६:२९	०७:५४
१७	०९:२६	११:२१	१३:३६	१५:५६	१८:१३	२०:३०	२२:४९	०१:१२	०३:१६	०४:५८	०६:२५	०७:५०
१८	०९:२२	११:१७	१३:३२	१५:५२	१८:०९	२०:२६	२२:४५	०१:०८	०३:१२	०४:५४	०६:२१	०७:४६
१९	०९:१८	११:१३	१३:२८	१५:४८	१८:०५	२०:२२	२२:४१	०१:०४	०३:०८	०४:५०	०६:१८	०७:४२
२०	०९:१४	११:०९	१३:२४	१५:४४	१८:०२	२०:१८	२२:३७	०१:००	०३:०४	०४:४६	०६:१४	०७:३९
२१	०९:१०	११:०५	१३:२०	१५:४०	१७:५८	२०:१४	२२:३३	००:५६	०३:००	०४:४२	०६:१०	०७:३५
२२	०९:०६	११:०१	१३:१६	१५:३६	१७:५४	२०:१०	२२:२९	००:५२	०२:५६	०४:३८	०६:०६	०७:३१
२३	०९:०२	१०:५७	१३:१२	१५:३२	१७:५०	२०:०६	२२:२६	००:४८	०२:५२	०४:३४	०६:०२	०७:२७
२४	०८:५८	१०:५४	१३:०८	१५:२८	१७:४६	२०:०२	२२:२२	००:४४	०२:४८	०४:३०	०५:५८	०७:२३
२५	०८:५४	१०:५०	१३:०४	१५:२५	१७:४२	१९:५८	२२:१८	००:४०	०२:४४	०४:२६	०५:५४	०७:१९
२६	०८:५०	१०:४६	१३:००	१५:२१	१७:३८	१९:५४	२२:१४	००:३६	०२:४०	०४:२३	०५:५०	०७:१५
२७	०८:४६	१०:४२	१२:५६	१५:१७	१७:३४	१९:५०	२२:१०	००:३२	०२:३६	०४:१९	०५:४६	०७:११
२८	०८:४२	१०:३८	१२:५२	१५:१३	१७:३०	१९:४६	२२:०६	००:२८	०२:३२	०४:१५	०५:४२	०७:०७
२९	०८:३८	१०:३४	१२:४८	१५:०९	१७:२६	१९:४२	२२:०२	००:२४	०२:२८	०४:११	०५:३८	०७:०३
३०	०८:३४	१०:३०	१२:४५	१५:०५	१७:२२	१९:३८	२१:५८	००:२१	०२:२५	०४:०७	०५:३४	०६:५९
३१	०८:३०	१०:२६	१२:४१	१५:०१	१७:१८	१९:३५	२१:५४	००:१७	०२:२१	०४:०३	०५:३०	०६:५५

अप्रैल, २०२१, अयनांश : २४:०८:५७

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
०१	०८:२७	१०:२२	१२:३७	१४:५७	१७:१४	१९:३१	२१:५०	००:१३	०२:१७	०३:५९	०५:२६	०६:५१
०२	०८:२३	१०:१८	१२:३३	१४:५३	१७:१०	१९:२७	२१:४६	००:०९	०२:१३	०३:५५	०५:२२	०६:४७
०३	०८:१९	१०:१४	१२:२९	१४:४९	१७:०६	१९:२३	२१:४२	००:०५	०२:०९	०३:५१	०५:१९	०६:४३
०४	०८:१५	१०:१०	१२:२५	१४:४५	१७:०३	१९:१९	२१:३८	२३:५७	०२:०५	०३:४७	०५:१५	०६:४०
०५	०८:११	१०:०६	१२:२१	१४:४१	१६:५९	१९:१५	२१:३४	२३:५३	०२:०१	०३:४३	०५:११	०६:३६
०६	०८:०७	१०:०२	१२:१७	१४:३७	१६:५५	१९:११	२१:३०	२३:४९	०१:५७	०३:३९	०५:०७	०६:३२
०७	०८:०३	०९:५८	१२:१३	१४:३३	१६:५१	१९:०७	२१:२७	२३:४५	०१:५३	०३:३५	०५:०३	०६:२८
०८	०७:५९	०९:५५	१२:०९	१४:२९	१६:४७	१९:०३	२१:२३	२३:४१	०१:४९	०३:३१	०४:५९	०६:२४
०९	०७:५५	०९:५१	१२:०५	१४:२६	१६:४३	१८:५९	२१:१९	२३:३७	०१:४५	०३:२८	०४:५५	०६:२०
१०	०७:५१	०९:४७	१२:०१	१४:२२	१६:३९	१८:५५	२१:१५	२३:३३	०१:४१	०३:२४	०४:५१	०६:१६
०१	०७:४७	०९:४३	११:५७	१४:१८	१६:३५	१८:५१	२१:११	२३:२९	०१:३७	०३:२०	०४:४७	०६:१२
१२	०७:४३	०९:३९	११:५३	१४:१४	१६:३१	१८:४७	२१:०७	२३:२५	०१:३३	०३:१६	०४:४३	०६:०८
१३	०७:३९	०९:३५	११:४९	१४:१०	१६:२७	१८:४३	२१:०३	२३:२२	०१:२९	०३:१२	०४:३९	०६:०४
१४	०७:३५	०९:३१	११:४६	१४:०६	१६:२३	१८:४०	२०:५९	२३:१८	०१:२६	०३:०८	०४:३५	०६:००
१५	०७:३२	०९:२७	११:४२	१४:०२	१६:१९	१८:३६	२०:५५	२३:१४	०१:२२	०३:०४	०४:३१	०५:५६
१६	०७:२८	०९:२३	११:३८	१३:५८	१६:१५	१८:३२	२०:५१	२३:१०	०१:१८	०३:००	०४:२७	०५:५२
१७	०७:२४	०९:१९	११:३४	१३:५४	१६:११	१८:२८	२०:४७	२३:०६	०१:१४	०२:५६	०४:२४	०५:४८
१८	०७:२०	०९:१५	११:३०	१३:५०	१६:०७	१८:२४	२०:४३	२३:०२	०१:१०	०२:५२	०४:२०	०५:४५
१९	०७:१६	०९:११	११:२६	१३:४६	१६:०४	१८:२०	२०:३९	२२:५८	०१:०६	०२:४८	०४:१६	०५:४१
२०	०७:१२	०९:०७	११:२२	१३:४२	१६:००	१८:१६	२०:३५	२२:५४	०१:०२	०२:४४	०४:१२	०५:३७
२१	०७:०८	०९:०३	११:१८	१३:३८	१५:५६	१८:१२	२०:३२	२२:५०	००:५८	०२:४०	०४:०८	०५:३३
२२	०७:०४	०९:००	११:१४	१३:३४	१५:५२	१८:०८	२०:२८	२२:४६	००:५४	०२:३६	०४:०४	०५:२९
२३	०७:००	०८:५६	११:१०	१३:३१	१५:४८	१८:०४	२०:२४	२२:४२	००:५०	०२:३२	०४:००	०५:२५
२४	०६:५६	०८:५२	११:०६	१३:२७	१५:४४	१८:००	२०:२०	२२:३८	००:४६	०२:२९	०३:५६	०५:२१
२५	०६:५२	०८:४८	११:०२	१३:२३	१५:४०	१७:५६	२०:१६	२२:३४	००:४२	०२:२५	०३:५२	०५:१७
२६	०६:४८	०८:४४	१०:५८	१३:१९	१५:३६	१७:५२	२०:१२	२२:३०	००:३८	०२:२१	०३:४८	०५:१३
२७	०६:४४	०८:४०	१०:५४	१३:१५	१५:३२	१७:४८	२०:०८	२२:२६	००:३४	०२:१७	०३:४४	०५:०९
२८	०६:४०	०८:३६	१०:५१	१३:११	१५:२८	१७:४४	२०:०४	२२:२३	००:३१	०२:१३	०३:४०	०५:०५
२९	०६:३६	०८:३२	१०:४७	१३:०७	१५:२४	१७:४१	२०:००	२२:१९	००:२७	०२:०९	०३:३६	०५:०१
३०	०६:३३	०८:२८	१०:४३	१३:०३	१५:२०	१७:३७	१९:५६	२२:१५	००:२३	०२:०५	०३:३२	०४:५७

विक्रम सम्वत् २०२१-२२ की दैनिक लग्नसारिणी, नई दिल्ली में लग्नों का समाप्तिकाल (भा.स्टैं.टा.)

मई, २०२१, अयनांश : २४:०९:०१

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
०१	६:२९	०८:२४	१०:३६	१२:५६	१५:१६	१७:३३	१९:५२	२२:११	००:१९	०२:०१	०३:२८	०४:५३
०२	०६:२५	०८:२०	१०:३५	१२:५५	१५:१२	१७:२९	१९:४८	२२:०७	००:१५	०१:५७	०३:२५	०४:४९
०३	०६:२१	०८:१६	१०:३१	१२:५१	१५:०९	१७:२५	१९:४४	२२:०३	००:११	०१:५३	०३:२१	०४:४६
०४	०६:१७	०८:१२	१०:२७	१२:४७	१५:०५	१७:२१	१९:४०	२१:५९	००:०७	०१:४९	०३:१७	०४:४२
०५	०६:१३	०८:०८	१०:२३	१२:४३	१५:०१	१७:१७	१९:३६	२१:५५	२३:५९	०१:४५	०३:१३	०४:३८
०६	०६:०९	०८:०४	१०:१९	१२:३९	१४:५७	१७:१३	१९:३३	२१:५१	२३:५५	०१:४१	०३:०९	०४:३४
०७	०६:०५	०८:०१	१०:१५	१२:३५	१४:५३	१७:०९	१९:२९	२१:४७	२३:५१	०१:३७	०३:०५	०४:३०
०८	०६:०१	०७:५७	१०:११	१२:३२	१४:४९	१७:०५	१९:२५	२१:४३	२३:४७	०१:३३	०३:०१	०४:२६
०९	०५:५७	०७:५३	१०:०७	१२:२८	१४:४५	१७.०१	१९:२१	२१:३९	२३:४३	०१:३०	०२:५७	०४:२२
१०	०५:५३	०७:४९	१०:०३	१२:२४	१४:४१	१६:५७	१९:१७	२१:३५	२३:३९	०१:२६	०२:५३	०४:१८
११	०५:४९	०७:४५	०९:५६	१२:२०	१४:३७	१६:५३	१९:१३	२१:३१	२३:३५	०१:२२	०२:४९	०४:१४
१२	०५:४५	०७:४१	०९:५५	१२:१६	१४:३३	१६:४९	१९:०९	२१:२८	२३:३२	०१:१८	०२:४५	०४:१०
१३	०५:४१	०७:३७	०९:५२	१२:१२	१४:२९	१६:४५	१९:०५	२१:२४	२३:२८	०१:१४	०२:४१	०४:०६
१४	०५:३७	०७:३३	०९:४८	१२:०८	१४:२५	१६:४२	१९:०१	२१:२०	२३:२४	०१:१०	०२:३७	०४:०२
१५	०५:३४	०७:२९	०९:४४	१२:०४	१४:२१	१६:३८	१८:५७	२१:१६	२३:२०	०१:०६	०२:३३	०३:५८
१६	०५:३०	०७:२५	०९:४०	१२:००	१४:१७	१६:३४	१८:५३	२१:१२	२३:१६	०१:०२	०२:२९	०३:५४
१७	०५:२६	०७:२१	०९:३६	११:५६	१४:१३	१६:३०	१८:४९	२१:०८	२३:१२	००:५८	०२:२६	०३:५०
१८	०५:२२	०७:१७	०९:३२	११:५२	१४:१०	१६:२६	१८:४५	२१:०४	२३:०८	००:५४	०२:२२	०३:४७
१९	०५:१८	०७:१३	०९:२८	११:४८	१४:०६	१६:२२	१८:४१	२१:००	२३:०४	००:५०	०२:१८	०३:४३
२०	०५:१४	०७:०९	०९:२४	११:४४	१४:०२	१६:१८	१८:३७	२०:५६	२३:००	००:४६	०२:१४	०३:३९
२१	०५:१०	०७:०५	०९:२०	११:४०	१३:५८	१६:१४	१८:३४	२०:५२	२२:५६	००:४२	०२:१०	०३:३५
२२	०५:०६	०७:०२	०९:१६	११:३६	१३:५४	१६:१०	१८:३०	२०:४८	२२:५२	००:३८	०२:०६	०३:३१
२३	०५:०२	०६:५८	०९:१२	११:३३	१३:५०	१६:०६	१८:२६	२०:४४	२२:४८	००:३५	०२:०२	०३:२७
२४	०४:५८	०६:५४	०९:०८	११:२९	१३:४६	१६:०२	१८:२२	२०:४०	२२:४४	००:३१	०१:५८	०३:२३
२५	०४:५४	०६:५०	०९:०४	११:२५	१३:४२	१५:५८	१८:१८	२०:३६	२२:४०	००:२७	०१:५४	०३:१९
२६	०४:५०	०६:४६	०९:००	११:२१	१३:३८	१५:५४	१८:१४	२०:३२	२२:३६	००:२३	०१:५०	०३:१५
२७	०४:४६	०६:४२	०८:५६	११:१७	१३:३४	१५:५०	१८:१०	२०:२९	२२:३३	००:१९	०१:४६	०३:११
२८	०४:४२	०६:३८	०८:५३	११:१३	१३:३०	१५:४७	१८:०६	२०:२५	२२:२९	००:१५	०१:४२	०३:०७
२९	०४:३९	०६:३४	०८:४९	११:०९	१३:२६	१५:४३	१८:०२	२०:२१	२२:२५	००:११	०१:३८	०३:०३
३०	०४:३५	०६:३०	०८:४५	११:०५	१३:२२	१५:३९	१७:५८	२०:१७	२२:२१	००:०७	०१:३४	०२:५९
३१	०४:३१	०६:२६	०८:४१	११:०१	१३:१८	१५:३५	१७:५४	२०:१३	२२:१७	२३:५९	०१:३१	०२:५५

जून, २०२१, अयनांश : २४:०९:०६

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
०१	०४:२७	०६:२२	०८:३७	१०:५७	१३:१४	१५:३१	१७:५०	२०:०९	२२:१३	२३:५५	०१:२७	०२:५२
०२	०४:२३	०६:१८	०८:३३	१०:५३	१३:११	१५:२७	१७:४६	२०:०५	२२:०९	२३:५१	०१:२३	०२:४८
०३	०४:१९	०६:१४	०८:२९	१०:४९	१३:०७	१५:२३	१७:४२	२०:०१	२२:०५	२३:४७	०१:१९	०२:४४
०४	०४:१५	०६:१०	०८:२५	१०:४५	१३:०३	१५:१९	१७:३९	१९:५७	२२:०१	२३:४३	०१:१५	०२:४०
०५	०४:११	०६:०७	०८:२१	१०:४१	१२:५९	१५:१५	१७:३५	१९:५३	२१:५७	२३:३९	०१:११	०२:३६
०६	०४:०७	०६:०३	०८:१७	१०:३८	१२:५५	१५:११	१७:३१	१९:४९	२१:५३	२३:३६	०१:०७	०२:३२
०७	०४:०३	०५:५९	०८:१३	१०:३४	१२:५१	१५:०७	१७:२७	१९:४५	२१:४९	२३:३२	०१:०३	०२:२८
०८	०३:५९	०५:५५	०८:०९	१०:३०	१२:४७	१५:०३	१७:२३	१९:४१	२१:४५	२३:२८	००:५९	०२:२४
०९	०३:५५	०५:५१	०८:०५	१०:२६	१२:४३	१४:५९	१७:१९	१९:३७	२१:४१	२३:२४	००:५५	०२:२०
१०	०३:५१	०५:४७	०८:०१	१०:२२	१२:३९	१४:५५	१७:१५	१९:३३	२१:३८	२३:२०	००:५१	०२:१६
११	०३:४७	०५:४३	०७:५८	१०:१८	१२:३५	१४:५१	१७:११	१९:३०	२१:३४	२३:१६	००:४७	०२:१२
१२	०३:४३	०५:३९	०७:५४	१०:१४	१२:३१	१४:४८	१७:०७	१९:२६	२१:३०	२३:१२	००:४३	०२:०८
१३	०३:४०	०५:३५	०७:५०	१०:१०	१२:२७	१४:४४	१७:०३	१९:२२	२१:२६	२३:०८	००:३९	०२:०४
१४	०३:३६	०५:३१	०७:४६	१०:०६	१२:२३	१४:४०	१६:५९	१९:१८	२१:२२	२३:०४	००:३५	०२:००
१५	०३:३२	०५:२७	०७:४२	१०:०२	१२:१९	१४:३६	१६:५५	१९:१४	२१:१८	२३:००	००:३२	०१:५६
१६	०३:२८	०५:२३	०७:३८	०९:५८	१२:१६	१४:३२	१६:५१	१९:१०	२१:१४	२२:५६	००:२८	०१:५३
१७	०३:२४	०५:१९	०७:३४	०९:५४	१२:१२	१४:२८	१६:४७	१९:०६	२१:१०	२२:५२	००:२४	०१:४९
१८	०३:२०	०५:१५	०७:३०	०९:५०	१२:०८	१४:२४	१६:४३	१९:०२	२१:०६	२२:४८	००:२०	०१:४५
१९	०३:१६	०५:११	०७:२६	०९:४६	१२:०४	१४:२०	१६:४०	१८:५८	२१:०२	२२:४४	००:१६	०१:४१
२०	०३:१२	०५:०८	०७:२२	०९:४२	१२:००	१४:१६	१६:३६	१८:५४	२०:५८	२२:४०	००:१२	०१:३७
२१	०३:०८	०५:०४	०७:१८	०९:३९	११:५६	१४:१२	१६:३२	१८:५०	२०:५४	२२:३७	००:०८	०१:३३
२२	०३:०४	०५:००	०७:१४	०९:३५	११:५२	१४:०८	१६:२८	१८:४६	२०:५०	२२:३३	००:०४	०१:२९
२३	०३:००	०४:५६	०७:१०	०९:३१	११:४८	१४:०४	१६:२४	१८:४२	२०:४६	२२:२९	२३:५६	०१:२५
२४	०२:५६	०४:५२	०७:०६	०९:२७	११:४४	१४:००	१६:२०	१८:३८	२०:४२	२२:२५	२३:५२	०१:२१
२५	०२:५२	०४:४८	०७:०२	०९:२३	११:४०	१३:५६	१६:१६	१८:३५	२०:३९	२२:२१	२३:४८	०१:१७
२६	०२:४८	०४:४४	०६:५९	०९:१९	११:३६	१३:५२	१६:१२	१८:३१	२०:३५	२२:१७	२३:४४	०१:१३
२७	०२:४४	०४:४०	०६:५५	०९:१५	११:३२	१३:४९	१६:०८	१८:२७	२०:३१	२२:१३	२३:४०	०१:०९
२८	०२:४१	०४:३६	०६:५१	०९:११	११:२८	१३:४५	१६:०४	१८:२३	२०:२७	२२:०९	२३:३६	०१:०५
२९	०२:३७	०४:३२	०६:४७	०९:०७	११:२४	१३:४१	१६:००	१८:१९	२०:२३	२२:०५	२३:३३	०१:०१
३०	०२:३३	०४:२८	०६:४३	०९:०३	११:२०	१३:३७	१५:५६	१८:१५	२०:१९	२२:०१	२३:२९	००:५७

विक्रम सम्वत् २०२१-२२ की दैनिक लग्नसारिणी, नई दिल्ली में लग्नों का समाप्तिकाल (भा.स्टैं.टा.)

जुलाई, २०२१, अयनांश : २४:०९:११

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
०१	०२:२९	०४:२४	०६:३९	०८:५९	११:१७	१३:३३	१५:५२	१८:११	२०:१५	२१:५७	२३:२५	००:५४
०२	०२:२५	०४:२०	०६:३५	०८:५५	११:१३	१३:२९	१५:४८	१८:०७	२०:११	२१:५३	२३:२१	००:५०
०३	०२:२१	०४:१६	०६:३१	०८:५१	११:०९	१३:२५	१५:४४	१८:०३	२०:०७	२१:४९	२३:१७	००:४६
०४	०२:१७	०४:१२	०६:२७	०८:४७	११:०५	१३:२१	१५:४१	१७:५९	२०:०३	२१:४५	२३:१३	००:४२
०५	०२:१३	०४:०९	०६:२३	०८:४३	११:०१	१३:१७	१५:३७	१७:५५	१९:५९	२१:४२	२३:०९	००:३८
०६	०२:०९	०४:०५	०६:१९	०८:४०	१०:५७	१३:१३	१५:३३	१७:५१	१९:५५	२१:३८	२३:०५	००:३४
०७	०२:०५	०४:०१	०६:१५	०८:३६	१०:५३	१३:०९	१५:२९	१७:४७	१९:५१	२१:३४	२३:०१	००:३०
०८	०२:०१	०३:५७	०६:११	०८:३२	१०:४९	१३:०५	१५:२५	१७:४३	१९:४७	२१:३०	२२:५७	००:२६
०९	०१:५७	०३:५३	०६:०७	०८:२८	१०:४५	१३:०१	१५:२१	१७:३९	१९:४३	२१:२६	२२:५३	००:२२
१०	०१:५३	०३:४९	०६:०३	०८:२४	१०:४१	१२:५७	१५:१७	१७:३६	१९:४०	२१:२२	२२:४९	००:१८
११	०१:४९	०३:४५	०६:००	०८:२०	१०:३७	१२:५४	१५:१३	१७:३२	१९:३६	२१:१८	२२:४५	००:१४
१२	०१:४६	०३:४१	०५:५६	०८:१६	१०:३३	१२:५०	१५:०९	१७:२८	१९:३२	२१:१४	२२:४१	००:१०
१३	०१:४२	०३:३७	०५:५२	०८:१२	१०:२९	१२:४६	१५:०५	१७:२४	१९:२८	२१:१०	२२:३८	००:०६
१४	०१:३८	०३:३३	०५:४८	०८:०८	१०:२५	१२:४२	१५:०१	१७:२०	१९:२४	२१:०६	२२:३४	२३:५९
१५	०१:३४	०३:२९	०५:४४	०८:०४	१०:२१	१२:३८	१४:५७	१७:१६	१९:२०	२१:०२	२२:३०	२३:५५
१६	०१:३०	०३:२५	०५:४०	०८:००	१०:१८	१२:३४	१४:५३	१७:१२	१९:१६	२०:५८	२२:२६	२३:५१
१७	०१:२६	०३:२१	०५:३६	०७:५६	१०:१४	१२:३०	१४:४९	१७:०८	१९:१२	२०:५४	२२:२२	२३:४७
१८	०१:२२	०३:१७	०५:३२	०७:५२	१०:१०	१२:२६	१४:४६	१७:०४	१९:०८	२०:५०	२२:१८	२३:४३
१९	०१:१८	०३:१४	०५:२८	०७:४८	१०:०६	१२:२२	१४:४२	१७:००	१९:०४	२०:४६	२२:१४	२३:३९
२०	०१:१४	०३:१०	०५:२४	०७:४५	१०:०२	१२:१८	१४:३८	१६:५६	१९:००	२०:४३	२२:१०	२३:३५
२१	०१:१०	०३:०६	०५:२०	०७:४१	०९:५८	१२:१४	१४:३४	१६:५२	१८:५६	२०:३९	२२:०६	२३:३१
२२	०१:०६	०३:०२	०५:१६	०७:३७	०९:५४	१२:१०	१४:३०	१६:४८	१८:५२	२०:३५	२२:०२	२३:२७
२३	०१:०२	०२:५८	०५:१२	०७:३३	०९:५०	१२:०६	१४:२६	१६:४४	१८:४८	२०:३१	२१:५८	२३:२३
२४	००:५८	०२:५४	०५:०८	०७:२९	०९:४६	१२:०२	१४:२२	१६:४०	१८:४५	२०:२७	२१:५४	२३:१९
२५	००:५४	०२:५०	०५:०५	०७:२५	०९:४२	११:५८	१४:१८	१६:३७	१८:४१	२०:२३	२१:५०	२३:१५
२६	००:५०	०२:४६	०५:०१	०७:२१	०९:३८	११:५५	१४:१४	१६:३३	१८:३७	२०:१९	२१:४६	२३:११
२७	००:४७	०२:४२	०४:५७	०७:१७	०९:३४	११:५१	१४:१०	१६:२९	१८:३३	२०:१५	२१:४२	२३:०७
२८	००:४३	०२:३८	०४:५३	०७:१३	०९:३०	११:४७	१४:०६	१६:२५	१८:२९	२०:११	२१:३९	२३:०३
२९	००:३९	०२:३४	०४:४९	०७:०९	०९:२६	११:४३	१४:०२	१६:२१	१८:२५	२०:०७	२१:३५	२३:००
३०	००:३५	०२:३०	०४:४५	०७:०५	०९:२३	११:३९	१३:५८	१६:१७	१८:२१	२०:०३	२१:३१	२२:५६
३१	००:३१	०२:२६	०४:४१	०७:०१	०९:१९	११:३५	१३:५४	१६:१३	१८:१७	१९:५९	२१:२७	२२:५२

अगस्त, २०२१, अयनांश : २४:०९:१६

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
०१	००:२७	०२:२२	०४:३७	०६:५७	०९:१५	११:३१	१३:५०	१६:०९	१८:१३	१९:५५	२१:२३	२२:४८
०२	००:२३	०२:१८	०४:३३	०६:५३	०९:११	११:२७	१३:४७	१६:०५	१८:०९	१९:५१	२१:१९	२२:४४
०३	००:१९	०२:१५	०४:२९	०६:४९	०९:०७	११:२३	१३:४३	१६:०१	१८:०५	१९:४७	२१:१५	२२:४०
०४	००:१५	०२:११	०४:२५	०६:४६	०९:०३	११:१९	१३:३९	१५:५७	१८:०१	१९:४४	२१:११	२२:३६
०५	००:११	०२:०७	०४:२१	०६:४२	०८:५९	११:१५	१३:३५	१५:५३	१७:५७	१९:४०	२१:०७	२२:३२
०६	००:०७	०२:०३	०४:१७	०६:३८	०८:५५	११:११	१३:३१	१५:४९	१७:५३	१९:३६	२१:०३	२२:२८
०७	२३:५९	०१:५९	०४:१३	०६:३४	०८:५१	११:०७	१३:२७	१५:४५	१७:४९	१९:३२	२०:५९	२२:२४
०८	२३:५५	०१:५५	०४:०९	०६:३०	०८:४७	११:०३	१३:२३	१५:४२	१७:४६	१९:२८	२०:५५	२२:२०
०९	२३:५१	०१:५१	०४:०६	०६:२६	०८:४३	१०:५९	१३:१९	१५:३८	१७:४२	१९:२४	२०:५१	२२:१६
१०	२३:४८	०१:४७	०४:०२	०६:२२	०८:३९	१०:५६	१३:१५	१५:३४	१७:३८	१९:२०	२०:४७	२२:१२
११	२३:४४	०१:४३	०३:५८	०६:१८	०८:३५	१०:५२	१३:११	१५:३०	१७:३४	१९:१६	२०:४३	२२:०८
१२	२३:४०	०१:३९	०३:५४	०६:१४	०८:३१	१०:४८	१३:०७	१५:२६	१७:३०	१९:१२	२०:४०	२२:०४
१३	२३:३६	०१:३५	०३:५०	०६:१०	०८:२७	१०:४४	१३:०३	१५:२२	१७:२६	१९:०८	२०:३६	२२:०१
१४	२३:३२	०१:३१	०३:४६	०६:०६	०८:२४	१०:४०	१२:५९	१५:१८	१७:२२	१९:०४	२०:३२	२१:५७
१५	२३:२८	०१:२७	०३:४२	०६:०२	०८:२०	१०:३६	१२:५५	१५:१४	१७:१८	१९:००	२०:२८	२१:५३
१६	२३:२४	०१:२३	०३:३८	०५:५८	०८:१६	१०:३२	१२:५१	१५:१०	१७:१४	१८:५६	२०:२४	२१:४९
१७	२३:२०	०१:१९	०३:३४	०५:५४	०८:१२	१०:२८	१२:४८	१५:०६	१७:१०	१८:५२	२०:२०	२१:४५
१८	२३:१६	०१:१६	०३:३०	०५:५०	०८:०८	१०:२४	१२:४४	१५:०२	१७:०६	१८:४९	२०:१६	२१:४१
१९	२३:१२	०१:१२	०३:२६	०५:४७	०८:०४	१०:२०	१२:४०	१४:५८	१७:०२	१८:४५	२०:१२	२१:३७
२०	२३:०८	०१:०८	०३:२२	०५:४३	०८:००	१०:१६	१२:३६	१४:५४	१६:५८	१८:४१	२०:०८	२१:३३
२१	२३:०४	०१:०४	०३:१८	०५:३९	०७:५६	१०:१२	१२:३२	१४:५०	१६:५४	१८:३७	२०:०४	२१:२९
२२	२३:००	०१:००	०३:१४	०५:३५	०७:५२	१०:०८	१२:२८	१४:४६	१६:५०	१८:३३	२०:००	२१:२५
२३	२२:५६	००:५६	०३:१०	०५:३१	०७:४८	१०:०४	१२:२४	१४:४३	१६:४७	१८:२९	१९:५६	२१:२१
२४	२२:५३	००:५२	०३:०७	०५:२७	०७:४४	१०:०१	१२:२०	१४:३९	१६:४३	१८:२५	१९:५२	२१:१७
२५	२२:४९	००:४८	०३:०३	०५:२३	०७:४०	०९:५७	१२:१६	१४:३५	१६:३९	१८:२१	१९:४८	२१:१३
२६	२२:४५	००:४४	०२:५९	०५:१९	०७:३६	०९:५३	१२:१२	१४:३१	१६:३५	१८:१७	१९:४५	२१:०९
२७	२२:४१	००:४०	०२:५५	०५:१५	०७:३२	०९:४९	१२:०८	१४:२७	१६:३१	१८:१३	१९:४१	२१:०६
२८	२२:३७	००:३६	०२:५१	०५:११	०७:२८	०९:४५	१२:०४	१४:२३	१६:२७	१८:०९	१९:३७	२१:०२
२९	२२:३३	००:३२	०२:४७	०५:०७	०७:२५	०९:४१	१२:००	१४:१९	१६:२३	१८:०५	१९:३३	२०:५८
३०	२२:२९	००:२८	०२:४३	०५:०३	०७:२१	०९:३७	११:५६	१४:१५	१६:१९	१८:०१	१९:२९	२०:५४
३१	२२:२५	००:२४	०२:३९	०४:५९	०७:१७	०९:३३	११:५३	१४:११	१६:१५	१७:५७	१९:२५	२०:५०

विक्रम सम्वत् २०२१-२२ की दैनिक लग्नसारिणी, नई दिल्ली में लग्नों का समाप्तिकाल (भा.स्टैं.टा.)

सितम्बर, २०२१, अयनांश : २४:०९:२०

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
०१	२२:२१	००:२१	०२:३५	०४:५५	०७:१३	०९:२९	११:४९	१४:०७	१६:११	१७:५३	१९:२१	२०:४६
०२	२२:१७	००:१७	०२:३१	०४:५२	०७:०९	०९:२५	११:४५	१४:०३	१६:०७	१७:५०	१९:१७	२०:४२
०३	२२:१३	००:१३	०२:२७	०४:४८	०७:०५	०९:२१	११:४१	१३:५९	१६:०३	१७:४६	१९:१३	२०:३८
०४	२२:०९	००:०९	०२:२३	०४:४४	०७:०१	०९:१७	११:३७	१३:५५	१५:५९	१७:४२	१९:०९	२०:३४
०५	२२:०५	००:०५	०२:१९	०४:४०	०६:५७	०९:१३	११:३३	१३:५१	१५:५५	१७:३८	१९:०५	२०:३०
०६	२२:०१	२३:५७	०२:१५	०४:३६	०६:५३	०९:०९	११:२९	१३:४७	१५:५२	१७:३४	१९:०१	२०:२६
०७	२१:५७	२३:५३	०२:१२	०४:३२	०६:४९	०९:०५	११:२५	१३:४४	१५:४८	१७:३०	१८:५७	२०:२२
०८	२१:५४	२३:४९	०२:०८	०४:२८	०६:४५	०९:०२	११:२१	१३:४०	१५:४४	१७:२६	१८:५३	२०:१८
०९	२१:५०	२३:४५	०२:०४	०४:२४	०६:४१	०८:५८	११:१७	१३:३६	१५:४०	१७:२२	१८:४९	२०:१४
१०	२१:४६	२३:४१	०२:००	०४:२०	०६:३७	०८:५४	११:१३	१३:३२	१५:३६	१७:१८	१८:४६	२०:१०
११	२१:४२	२३:३७	०१:५६	०४:१६	०६:३३	०८:५०	११:०९	१३:२८	१५:३२	१७:१४	१८:४२	२०:०७
१२	२१:३८	२३:३३	०१:५२	०४:१२	०६:३०	०८:४६	११:०५	१३:२४	१५:२८	१७:१०	१८:३८	२०:०३
१३	२१:३४	२३:२९	०१:४८	०४:०८	०६:२६	०८:४२	११:०१	१३:२०	१५:२४	१७:०६	१८:३४	१९:५९
१४	२१:३०	२३:२५	०१:४४	०४:०४	०६:२२	०८:३८	१०:५७	१३:१६	१५:२०	१७:०२	१८:३०	१९:५५
१५	२१:२६	२३:२२	०१:४०	०४:००	०६:१८	०८:३४	१०:५४	१३:१२	१५:१६	१६:५८	१८:२६	१९:५१
१६	२१:२२	२३:१८	०१:३६	०३:५६	०६:१४	०८:३०	१०:५०	१३:०८	१५:१२	१६:५४	१८:२२	१९:४७
१७	२१:१८	२३:१४	०१:३२	०३:५३	०६:१०	०८:२६	१०:४६	१३:०४	१५:०८	१६:५१	१८:१८	१९:४३
१८	२१:१४	२३:१०	०१:२८	०३:४९	०६:०६	०८:२२	१०:४२	१३:००	१५:०४	१६:४७	१८:१४	१९:३९
१९	२१:१०	२३:०६	०१:२४	०३:४५	०६:०२	०८:१८	१०:३८	१२:५६	१५:००	१६:४३	१८:१०	१९:३५
२०	२१:०६	२३:०२	०१:२०	०३:४१	०५:५८	०८:१४	१०:३४	१२:५२	१४:५६	१६:३९	१८:०६	१९:३१
२१	२१:०२	२२:५८	०१:१६	०३:३७	०५:५४	०८:१०	१०:३०	१२:४९	१४:५३	१६:३५	१८:०२	१९:२७
२२	२०:५८	२२:५४	०१:१३	०३:३३	०५:५०	०८:०६	१०:२६	१२:४५	१४:४९	१६:३१	१७:५८	१९:२३
२३	२०:५५	२२:५०	०१:०९	०३:२९	०५:४६	०८:०३	१०:२२	१२:४१	१४:४५	१६:२७	१७:५४	१९:१९
२४	२०:५१	२२:४६	०१:०५	०३:२५	०५:४२	०७:५९	१०:१८	१२:३७	१४:४१	१६:२३	१७:५०	१९:१५
२५	२०:४७	२२:४२	०१:०१	०३:२१	०५:३८	०७:५५	१०:१४	१२:३३	१४:३७	१६:१९	१७:४७	१९:११
२६	२०:४३	२२:३८	००:५७	०३:१७	०५:३४	०७:५१	१०:१०	१२:२९	१४:३३	१६:१५	१७:४३	१९:०८
२७	२०:३९	२२:३४	००:५३	०३:१३	०५:३१	०७:४७	१०:०६	१२:२५	१४:२९	१६:११	१७:३९	१९:०४
२८	२०:३५	२२:३०	००:४९	०३:०९	०५:२७	०७:४३	१०:०२	१२:२१	१४:२५	१६:०७	१७:३५	१९:००
२९	२०:३१	२२:२६	००:४५	०३:०५	०५:२३	०७:३९	०९:५८	१२:१७	१४:२१	१६:०३	१७:३१	१८:५६
३०	२०:२७	२२:२३	००:४१	०३:०१	०५:१९	०७:३५	०९:५५	१२:१३	१४:१७	१५:५९	१७:२७	१८:५२

अक्तूबर, २०२१, अयनांश : २४:०९:२३

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
०१	२०:२३	२२:१९	००:३७	०२:५७	०५:१५	०७:३१	०९:५१	१२:०९	१४:१३	१५:५६	१७:२३	१८:४८
०२	२०:१९	२२:१५	००:३३	०२:५४	०५:११	०७:२७	०९:४७	१२:०५	१४:०९	१५:५२	१७:१९	१८:४४
०३	२०:१५	२२:११	००:२९	०२:५०	०५:०७	०७:२३	०९:४३	१२:०१	१४:०५	१५:४८	१७:१५	१८:४०
०४	२०:११	२२:०७	००:२५	०२:४६	०५:०३	०७:१९	०९:३९	११:५७	१४:०१	१५:४४	१७:११	१८:३६
०५	२०:०७	२२:०३	००:२१	०२:४२	०४:५९	०७:१५	०९:३५	११:५३	१३:५७	१५:४०	१७:०७	१८:३२
०६	२०:०३	२१:५९	००:१७	०२:३८	०४:५५	०७:११	०९:३१	११:५०	१३:५४	१५:३६	१७:०३	१८:२८
०७	२०:००	२१:५५	००:१४	०२:३४	०४:५१	०७:०८	०९:२७	११:४६	१३:५०	१५:३२	१६:५९	१८:२४
०८	१९:५६	२१:५१	००:१०	०२:३०	०४:४७	०७:०४	०९:२३	११:४२	१३:४६	१५:२८	१६:५५	१८:२०
०९	१९:५२	२१:४७	००:०६	०२:२६	०४:४३	०७:००	०९:१९	११:३८	१३:४२	१५:२४	१६:५२	१८:१६
१०	१९:४८	२१:४३	२३:५८	०२:२२	०४:३९	०६:५६	०९:१५	११:३४	१३:३८	१५:२०	१६:४८	१८:१३
११	१९:४४	२१:३९	२३:५४	०२:१८	०४:३५	०६:५२	०९:११	११:३०	१३:३४	१५:१६	१६:४४	१८:०९
१२	१९:४०	२१:३५	२३:५०	०२:१४	०४:३२	०६:४८	०९:०७	११:२६	१३:३०	१५:१२	१६:४०	१८:०५
१३	१९:३६	२१:३१	२३:४६	०२:१०	०४:२८	०६:४४	०९:०३	११:२२	१३:२६	१५:०८	१६:३६	१८:०१
१४	१९:३२	२१:२८	२३:४२	०२:०६	०४:२४	०६:४०	०९:००	११:१८	१३:२२	१५:०४	१६:३२	१७:५७
१५	१९:२८	२१:२४	२३:३८	०२:०२	०४:२०	०६:३६	०८:५६	११:१४	१३:१८	१५:००	१६:२८	१७:५३
१६	१९:२४	२१:२०	२३:३४	०१:५९	०४:१६	०६:३२	०८:५२	११:१०	१३:१४	१४:५७	१६:२४	१७:४९
१७	१९:२०	२१:१६	२३:३०	०१:५५	०४:१२	०६:२८	०८:४८	११:०६	१३:१०	१४:५३	१६:२०	१७:४५
१८	१९:१६	२१:१२	२३:२६	०१:५१	०४:०८	०६:२४	०८:४४	११:०२	१३:०६	१४:४९	१६:१६	१७:४१
१९	१९:१२	२१:०८	२३:२२	०१:४७	०४:०४	०६:२०	०८:४०	१०:५८	१३:०२	१४:४५	१६:१२	१७:३७
२०	१९:०८	२१:०४	२३:१९	०१:४३	०४:००	०६:१६	०८:३६	१०:५४	१२:५९	१४:४१	१६:०८	१७:३३
२१	१९:०४	२१:००	२३:१५	०१:३९	०३:५६	०६:१२	०८:३२	१०:५१	१२:५५	१४:३७	१६:०४	१७:२९
२२	१९:०१	२०:५६	२३:११	०१:३५	०३:५२	०६:०९	०८:२८	१०:४७	१२:५१	१४:३३	१६:००	१७:२५
२३	१८:५७	२०:५२	२३:०७	०१:३१	०३:४८	०६:०५	०८:२४	१०:४३	१२:४७	१४:२९	१५:५६	१७:२१
२४	१८:५३	२०:४८	२३:०३	०१:२७	०३:४४	०६:०१	०८:२०	१०:३९	१२:४३	१४:२५	१५:५३	१७:१७
२५	१८:४९	२०:४४	२२:५९	०१:२३	०३:४०	०५:५७	०८:१६	१०:३५	१२:३९	१४:२१	१५:४९	१७:१४
२६	१८:४५	२०:४०	२२:५५	०१:१९	०३:३७	०५:५३	०८:१२	१०:३१	१२:३५	१४:१७	१५:४५	१७:१०
२७	१८:४१	२०:३६	२२:५१	०१:१५	०३:३३	०५:४९	०८:०८	१०:२७	१२:३१	१४:१३	१५:४१	१७:०६
२८	१८:३७	२०:३२	२२:४७	०१:११	०३:२९	०५:४५	०८:०४	१०:२३	१२:२७	१४:०९	१५:३७	१७:०२
२९	१८:३३	२०:२९	२२:४३	०१:०७	०३:२५	०५:४१	०८:०१	१०:१९	१२:२३	१४:०५	१५:३३	१६:५८
३०	१८:२९	२०:२५	२२:३९	०१:०३	०३:२१	०५:३७	०७:५७	१०:१५	१२:१९	१४:०१	१५:२९	१६:५४
३१	१८:२५	२०:२१	२२:३५	०१:००	०३:१७	०५:३३	०७:५३	१०:११	१२:१५	१३:५८	१५:२५	१६:५०

विक्रम सम्वत् २०२१-२२ की दैनिक लग्नसारिणी, नई दिल्ली में लग्नों का समाप्तिकाल (भा.स्टैं.टा.)

नवम्बर, २०२१, अयनांश : २४:०९:२७

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
०१	१८:२१	२०:१७	२२:३१	००:५६	०३:१३	०५:२९	०७:४९	१०:०७	१२:११	१३:५४	१५:२१	१६:४६
०२	१८:१७	२०:१३	२२:२७	००:५२	०३:०९	०५:२५	०७:४५	१०:०३	१२:०७	१३:५०	१५:१७	१६:४२
०३	१८:१३	२०:०९	२२:२३	००:४८	०३:०५	०५:२१	०७:४१	०९:५९	१२:०३	१३:४६	१५:१३	१६:३८
०४	१८:०९	२०:०५	२२:२०	००:४४	०३:०१	०५:१७	०७:३७	०९:५६	१२:००	१३:४२	१५:०९	१६:३४
०५	१८:०५	२०:०१	२२:१६	००:४०	०२:५७	०५:१३	०७:३३	०९:५२	११:५६	१३:३८	१५:०५	१६:३०
०६	१८:०२	१९:५७	२२:१२	००:३६	०२:५३	०५:१०	०७:२९	०९:४८	११:५२	१३:३४	१५:०१	१६:२६
०७	१७:५८	१९:५३	२२:०८	००:३२	०२:४९	०५:०६	०७:२५	०९:४४	११:४८	१३:३०	१४:५७	१६:२२
०८	१७:५४	१९:४९	२२:०४	००:२८	०२:४५	०५:०२	०७:२१	०९:४०	११:४४	१३:२६	१४:५४	१६:१८
०९	१७:५०	१९:४५	२२:००	००:२४	०२:४१	०४:५८	०७:१७	०९:३६	११:४०	१३:२२	१४:५०	१६:१५
१०	१७:४६	१९:४१	२१:५६	००:२०	०२:३८	०४:५४	०७:१३	०९:३२	११:३६	१३:१८	१४:४६	१६:११
११	१७:४२	१९:३७	२१:५२	००:१६	०२:३४	०४:५०	०७:०९	०९:२८	११:३२	१३:१४	१४:४२	१६:०७
१२	१७:३८	१९:३३	२१:४८	००:१२	०२:३०	०४:४६	०७:०५	०९:२४	११:२८	१३:१०	१४:३८	१६:०३
१३	१७:३४	१९:३०	२१:४४	००:०८	०२:२६	०४:४२	०७:०२	०९:२०	११:२४	१३:०६	१४:३४	१५:५९
१४	१७:३०	१९:२६	२१:४०	००:०४	०२:२२	०४:३८	०६:५८	०९:१६	११:२०	१३:०३	१४:३०	१५:५५
१५	१७:२६	१९:२२	२१:३६	२३:५७	०२:१८	०४:३४	०६:५४	०९:१२	११:१६	१२:५९	१४:२६	१५:५१
१६	१७:२२	१९:१८	२१:३२	२३:५३	०२:१४	०४:३०	०६:५०	०९:०८	११:१२	१२:५५	१४:२२	१५:४७
१७	१७:१८	१९:१४	२१:२८	२३:४९	०२:१०	०४:२६	०६:४६	०९:०४	११:०८	१२:५१	१४:१८	१५:४३
१८	१७:१४	१९:१०	२१:२४	२३:४५	०२:०६	०४:२२	०६:४२	०९:००	११:०४	१२:४७	१४:१४	१५:३९
१९	१७:१०	१९:०६	२१:२१	२३:४१	०२:०२	०४:१८	०६:३८	०८:५७	११:०१	१२:४३	१४:१०	१५:३५
२०	१७:०७	१९:०२	२१:१७	२३:३७	०१:५८	०४:१५	०६:३४	०८:५३	१०:५७	१२:३९	१४:०६	१५:३१
२१	१७:०३	१८:५८	२१:१३	२३:३३	०१:५४	०४:११	०६:३०	०८:४९	१०:५३	१२:३५	१४:०२	१५:२७
२२	१६:५९	१८:५४	२१:०९	२३:२९	०१:५०	०४:०७	०६:२६	०८:४५	१०:४९	१२:३१	१३:५९	१५:२३
२३	१६:५५	१८:५०	२१:०५	२३:२५	०१:४६	०४:०३	०६:२२	०८:४१	१०:४५	१२:२७	१३:५५	१५:२०
२४	१६:५१	१८:४६	२१:०१	२३:२१	०१:४२	०३:५९	०६:१८	०८:३७	१०:४१	१२:२३	१३:५१	१५:१६
२५	१६:४७	१८:४२	२०:५७	२३:१७	०१:३९	०३:५५	०६:१४	०८:३३	१०:३७	१२:१९	१३:४७	१५:१२
२६	१६:४३	१८:३८	२०:५३	२३:१३	०१:३५	०३:५१	०६:१०	०८:२९	१०:३३	१२:१५	१३:४३	१५:०८
२७	१६:३९	१८:३५	२०:४९	२३:०९	०१:३१	०३:४७	०६:०७	०८:२५	१०:२९	१२:११	१३:३९	१५:०४
२८	१६:३५	१८:३१	२०:४५	२३:०६	०१:२७	०३:४३	०६:०३	०८:२१	१०:२५	१२:०७	१३:३५	१५:००
२९	१६:३१	१८:२७	२०:४१	२३:०२	०१:२३	०३:३९	०५:५९	०८:१७	१०:२१	१२:०४	१३:३१	१४:५६
३०	१६:२७	१८:२३	२०:३७	२२:५८	०१:१९	०३:३५	०५:५५	०८:१३	१०:१७	१२:००	१३:२७	१४:५२

दिसम्बर, २०२१, अयनांश : २४:०९:३१

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
०१	१६:२३	१८:१९	२०:३३	२२:५४	०१:१५	०३:३१	०५:५१	०८:०९	१०:१३	११:५६	१३:२३	१४:४८
०२	१६:१९	१८:१५	२०:२९	२२:५०	०१:११	०३:२७	०५:४७	०८:०५	१०:०९	११:५२	१३:१९	१४:४४
०३	१६:१५	१८:११	२०:२६	२२:४६	०१:०७	०३:२३	०५:४३	०८:०१	१०:०६	११:४८	१३:१५	१४:४०
०४	१६:११	१८:०७	२०:२२	२२:४२	०१:०३	०३:१९	०५:३९	०७:५८	१०:०२	११:४४	१३:११	१४:३६
०५	१६:०८	१८:०३	२०:१८	२२:३८	००:५९	०३:१६	०५:३५	०७:५४	०९:५८	११:४०	१३:०७	१४:३२
०६	१६:०४	१७:५९	२०:१४	२२:३४	००:५५	०३:१२	०५:३१	०७:५०	०९:५४	११:३६	१३:०३	१४:२८
०७	१६:००	१७:५५	२०:१०	२२:३०	००:५१	०३:०८	०५:२७	०७:४६	०९:५०	११:३२	१३:००	१४:२४
०८	१५:५६	१७:५१	२०:०६	२२:२६	००:४७	०३:०४	०५:२३	०७:४२	०९:४६	११:२८	१२:५६	१४:२१
०९	१५:५२	१७:४७	२०:०२	२२:२२	००:४४	०३:००	०५:१९	०७:३८	०९:४२	११:२४	१२:५२	१४:१७
१०	१५:४८	१७:४३	१९:५८	२२:१८	००:४०	०२:५६	०५:१५	०७:३४	०९:३८	११:२०	१२:४८	१४:१३
११	१५:४४	१७:३९	१९:५४	२२:१४	००:३६	०२:५२	०५:११	०७:३०	०९:३४	११:१६	१२:४४	१४:०९
१२	१५:४०	१७:३६	१९:५०	२२:१०	००:३२	०२:४८	०५:०८	०७:२६	०९:३०	११:१२	१२:४०	१४:०५
१३	१५:३६	१७:३२	१९:४६	२२:०७	००:२८	०२:४४	०५:०४	०७:२२	०९:२६	११:०८	१२:३६	१४:०१
१४	१५:३२	१७:२८	१९:४२	२२:०३	००:२४	०२:४०	०५:००	०७:१८	०९:२२	११:०५	१२:३२	१३:५७
१५	१५:२८	१७:२४	१९:३८	२१:५९	००:२०	०२:३६	०४:५६	०७:१४	०९:१८	११:०१	१२:२८	१३:५३
१६	१५:२४	१७:२०	१९:३४	२१:५५	००:१६	०२:३२	०४:५२	०७:१०	०९:१४	१०:५७	१२:२४	१३:४९
१७	१५:२०	१७:१६	१९:३०	२१:५१	००:१२	०२:२८	०४:४८	०७:०६	०९:१०	१०:५३	१२:२०	१३:४५
१८	१५:१६	१७:१२	१९:२७	२१:४७	००:०८	०२:२४	०४:४४	०७:०३	०९:०७	१०:४९	१२:१६	१३:४१
१९	१५:१२	१७:०८	१९:२३	२१:४३	००:०४	०२:२०	०४:४०	०६:५९	०९:०३	१०:४५	१२:१२	१३:३७
२०	१५:०९	१७:०४	१९:१९	२१:३९	२३:५६	०२:१७	०४:३६	०६:५५	०८:५९	१०:४१	१२:०८	१३:३३
२१	१५:०५	१७:००	१९:१५	२१:३५	२३:५२	०२:१३	०४:३२	०६:५१	०८:५५	१०:३७	१२:०४	१३:२९
२२	१५:०१	१६:५६	१९:११	२१:३१	२३:४८	०२:०९	०४:२८	०६:४७	०८:५१	१०:३३	१२:०१	१३:२५
२३	१४:५७	१६:५२	१९:०७	२१:२७	२३:४५	०२:०५	०४:२४	०६:४३	०८:४७	१०:२९	११:५७	१३:२२
२४	१४:५३	१६:४८	१९:०३	२१:२३	२३:४१	०२:०१	०४:२०	०६:३९	०८:४३	१०:२५	११:५३	१३:१८
२५	१४:४९	१६:४४	१८:५९	२१:१९	२३:३७	०१:५७	०४:१६	०६:३५	०८:३९	१०:२१	११:४९	१३:१४
२६	१४:४५	१६:४०	१८:५५	२१:१५	२३:३३	०१:५३	०४:१२	०६:३१	०८:३५	१०:१७	११:४५	१३:१०
२७	१४:४१	१६:३७	१८:५१	२१:११	२३:२९	०१:४९	०४:०९	०६:२७	०८:३१	१०:१३	११:४१	१३:०६
२८	१४:३७	१६:३३	१८:४७	२१:०८	२३:२५	०१:४५	०४:०५	०६:२३	०८:२७	१०:१०	११:३७	१३:०२
२९	१४:३३	१६:२९	१८:४३	२१:०४	२३:२१	०१:४१	०४:०१	०६:१९	०८:२३	१०:०६	११:३३	१२:५८
३०	१४:२९	१६:२५	१८:३९	२१:००	२३:१७	०१:३७	०३:५७	०६:१५	०८:१९	१०:०२	११:२९	१२:५४
३१	१४:२५	१६:२१	१८:३५	२०:५६	२३:१३	०१:३३	०३:५३	०६:११	०८:१५	०९:५८	११:२५	१२:५०

विक्रम सम्वत् २०२१-२२ की दैनिक लग्नसारिणी, नई दिल्ली में लग्नों का समाप्तिकाल (भा.स्टैं.टा.)

जनवरी, २०२२, अयनांश : २४:०९:३७

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
०१	१४:२१	१६:१७	१८:३१	२०:५२	२३:०९	०१:२९	०३:४९	०६:०७	०८:११	०९:५४	११:२१	१२:४६
०२	१४:१७	१६:१३	१८:२८	२०:४८	२३:०५	०१:२५	०३:४५	०६:०४	०८:०८	०९:५०	११:१७	१२:४२
०३	१४:१४	१६:०९	१८:२४	२०:४४	२३:०१	०१:२२	०३:४१	०६:००	०८:०४	०९:४६	११:१३	१२:३८
०४	१४:१०	१६:०५	१८:२०	२०:४०	२२:५७	०१:१८	०३:३७	०५:५६	०८:००	०९:४२	११:०९	१२:३४
०५	१४:०६	१६:०१	१८:१६	२०:३६	२२:५३	०१:१४	०३:३३	०५:५२	०७:५६	०९:३८	११:०६	१२:३०
०६	१४:०२	१५:५७	१८:१२	२०:३२	२२:४९	०१:१०	०३:२९	०५:४८	०७:५२	०९:३४	११:०२	१२:२७
०७	१३:५८	१५:५३	१८:०८	२०:२८	२२:४६	०१:०६	०३:२५	०५:४४	०७:४८	०९:३०	१०:५८	१२:२३
०८	१३:५४	१५:४९	१८:०४	२०:२४	२२:४२	०१:०२	०३:२१	०५:४०	०७:४४	०९:२६	१०:५४	१२:१९
०९	१३:५०	१५:४५	१८:००	२०:२०	२२:३८	००:५८	०३:१७	०५:३६	०७:४०	०९:२२	१०:५०	१२:१५
१०	१३:४६	१५:४२	१७:५६	२०:१६	२२:३४	००:५४	०३:१३	०५:३२	०७:३६	०९:१८	१०:४६	१२:११
११	१३:४२	१५:३८	१७:५२	२०:१३	२२:३०	००:५०	०३:१०	०५:२८	०७:३२	०९:१४	१०:४२	१२:०७
१२	१३:३८	१५:३४	१७:४८	२०:०९	२२:२६	००:४६	०३:०६	०५:२४	०७:२८	०९:११	१०:३८	१२:०३
१३	१३:३४	१५:३०	१७:४४	२०:०५	२२:२२	००:४२	०३:०२	०५:२०	०७:२४	०९:०७	१०:३४	११:५९
१४	१३:३०	१५:२६	१७:४०	२०:०१	२२:१८	००:३८	०२:५८	०५:१६	०७:२०	०९:०३	१०:३०	११:५५
१५	१३:२६	१५:२२	१७:३६	१९:५७	२२:१४	००:३४	०२:५४	०५:१२	०७:१६	०८:५९	१०:२६	११:५१
१६	१३:२२	१५:१८	१७:३३	१९:५३	२२:१०	००:३०	०२:५०	०५:०८	०७:१३	०८:५५	१०:२२	११:४७
१७	१३:१८	१५:१४	१७:२९	१९:४९	२२:०६	००:२६	०२:४६	०५:०५	०७:०९	०८:५१	१०:१८	११:४३
१८	१३:१५	१५:१०	१७:२५	१९:४५	२२:०२	००:२३	०२:४२	०५:०१	०७:०५	०८:४७	१०:१४	११:३९
१९	१३:११	१५:०६	१७:२१	१९:४१	२१:५८	००:१९	०२:३८	०४:५७	०७:०१	०८:४३	१०:१०	११:३५
२०	१३:०७	१५:०२	१७:१७	१९:३७	२१:५४	००:१५	०२:३४	०४:५३	०६:५७	०८:३९	१०:०७	११:३१
२१	१३:०३	१४:५८	१७:१३	१९:३३	२१:५१	००:११	०२:३०	०४:४९	०६:५३	०८:३५	१०:०३	११:२८
२२	१२:५९	१४:५४	१७:०९	१९:२९	२१:४७	००:०७	०२:२६	०४:४५	०६:४९	०८:३१	०९:५९	११:२४
२३	१२:५५	१४:५०	१७:०५	१९:२५	२१:४३	२३:५९	०२:२२	०४:४१	०६:४५	०८:२७	०९:५५	११:२०
२४	१२:५१	१४:४६	१७:०१	१९:२१	२१:३९	२३:५५	०२:१८	०४:३७	०६:४१	०८:२३	०९:५१	११:१६
२५	१२:४७	१४:४३	१६:५७	१९:१७	२१:३५	२३:५१	०२:१५	०४:३३	०६:३७	०८:१९	०९:४७	११:१२
२६	१२:४३	१४:३९	१६:५३	१९:१४	२१:३१	२३:४७	०२:११	०४:२९	०६:३३	०८:१५	०९:४३	११:०८
२७	१२:३९	१४:३५	१६:४९	१९:१०	२१:२७	२३:४३	०२:०७	०४:२५	०६:२९	०८:१२	०९:३९	११:०४
२८	१२:३५	१४:३१	१६:४५	१९:०६	२१:२३	२३:३९	०२:०३	०४:२१	०६:२५	०८:०८	०९:३५	११:००
२९	१२:३१	१४:२७	१६:४१	१९:०२	२१:१९	२३:३५	०१:५९	०४:१७	०६:२१	०८:०४	०९:३१	१०:५६
३०	१२:२७	१४:२३	१६:३७	१८:५८	२१:१५	२३:३१	०१:५५	०४:१३	०६:१७	०८:००	०९:२७	१०:५२
३१	१२:२३	१४:१९	१६:३४	१८:५४	२१:११	२३:२७	०१:५१	०४:१०	०६:१४	०७:५६	०९:२३	१०:४८

फरवरी, २०२२, अयनांश : २४:०९:४३

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
०१	१२:१९	१४:१५	१६:३०	१८:५०	२१:०७	२३:२४	०१:४७	०४:०६	०६:१०	०७:५२	०९:१९	१०:४४
०२	१२:१६	१४:११	१६:२६	१८:४६	२१:०३	२३:२०	०१:४३	०४:०२	०६:०६	०७:४८	०९:१५	१०:४०
०३	१२:१२	१४:०७	१६:२२	१८:४२	२०:५९	२३:१६	०१:३९	०३:५८	०६:०२	०७:४४	०९:११	१०:३६
०४	१२:०८	१४:०३	१६:१८	१८:३८	२०:५५	२३:१२	०१:३५	०३:५४	०५:५८	०७:४०	०९:०८	१०:३२
०५	१२:०४	१३:५९	१६:१४	१८:३४	२०:५२	२३:०८	०१:३१	०३:५०	०५:५४	०७:३६	०९:०४	१०:२९
०६	१२:००	१३:५५	१६:१०	१८:३०	२०:४८	२३:०४	०१:२७	०३:४६	०५:५०	०७:३२	०९:००	१०:२५
०७	११:५६	१३:५१	१६:०६	१८:२६	२०:४४	२३:००	०१:२३	०३:४२	०५:४६	०७:२८	०८:५६	१०:२१
०८	११:५२	१३:४७	१६:०२	१८:२२	२०:४०	२२:५६	०१:१९	०३:३८	०५:४२	०७:२४	०८:५२	१०:१७
०९	११:४८	१३:४४	१५:५८	१८:१८	२०:३६	२२:५२	०१:१६	०३:३४	०५:३८	०७:२०	०८:४८	१०:१३
१०	११:४४	१३:४०	१५:५४	१८:१५	२०:३२	२२:४८	०१:१२	०३:३०	०५:३४	०७:१७	०८:४४	१०:०९
११	११:४०	१३:३६	१५:५०	१८:११	२०:२८	२२:४४	०१:०८	०३:२६	०५:३०	०७:१३	०८:४०	१०:०५
१२	११:३६	१३:३२	१५:४६	१८:०७	२०:२४	२२:४०	०१:०४	०३:२२	०५:२६	०७:०९	०८:३६	१०:०१
१३	११:३२	१३:२८	१५:४२	१८:०३	२०:२०	२२:३६	०१:००	०३:१८	०५:२२	०७:०५	०८:३२	०९:५७
१४	११:२८	१३:२४	१५:३८	१७:५९	२०:१६	२२:३२	००:५६	०३:१४	०५:१८	०७:०१	०८:२८	०९:५३
१५	११:२४	१३:२०	१५:३५	१७:५५	२०:१२	२२:२९	००:५२	०३:११	०५:१५	०६:५७	०८:२४	०९:४९
१६	११:२१	१३:१६	१५:३१	१७:५१	२०:०८	२२:२५	००:४८	०३:०७	०५:११	०६:५३	०८:२०	०९:४५
१७	११:१७	१३:१२	१५:२७	१७:४७	२०:०४	२२:२१	००:४४	०३:०३	०५:०७	०६:४९	०८:१६	०९:४१
१८	११:१३	१३:०८	१५:२३	१७:४३	२०:००	२२:१७	००:४०	०२:५९	०५:०३	०६:४५	०८:१३	०९:३७
१९	११:०९	१३:०४	१५:१९	१७:३९	१९:५६	२२:१३	००:३६	०२:५५	०४:५९	०६:४१	०८:०९	०९:३४
२०	११:०५	१३:००	१५:१५	१७:३५	१९:५३	२२:०९	००:३२	०२:५१	०४:५५	०६:३७	०८:०५	०९:३०
२१	११:०१	१२:५६	१५:११	१७:३१	१९:४९	२२:०५	००:२८	०२:४७	०४:५१	०६:३३	०८:०१	०९:२६
२२	१०:५७	१२:५२	१५:०७	१७:२७	१९:४५	२२:०१	००:२४	०२:४३	०४:४७	०६:२९	०७:५७	०९:२२
२३	१०:५३	१२:४९	१५:०३	१७:२३	१९:४१	२१:५७	००:२०	०२:३९	०४:४३	०६:२५	०७:५३	०९:१८
२४	१०:४९	१२:४५	१४:५९	१७:२०	१९:३७	२१:५३	००:१७	०२:३५	०४:३९	०६:२१	०७:४९	०९:१४
२५	१०:४५	१२:४१	१४:५५	१७:१६	१९:३३	२१:४९	००:१३	०२:३१	०४:३५	०६:१८	०७:४५	०९:१०
२६	१०:४१	१२:३७	१४:५१	१७:१२	१९:२९	२१:४५	००:०९	०२:२७	०४:३१	०६:१४	०७:४१	०९:०६
२७	१०:३७	१२:३३	१४:४७	१७:०८	१९:२५	२१:४१	००:०५	०२:२३	०४:२७	०६:१०	०७:३७	०९:०२
२८	१०:३३	१२:२९	१४:४३	१७:०४	१९:२१	२१:३७	२३:५७	०२:१९	०४:२३	०६:०६	०७:३३	०८:५८

विक्रम सम्वत् २०२१-२२ की दैनिक लग्नसारिणी, नई दिल्ली में लग्नों का समाप्तिकाल (भा.स्टैं.टा.)

मार्च, २०२२, अयनांश : २४:०९:४७

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
०१	१०:२९	१२:२५	१४:४०	१७:००	१९:१७	२१:३४	२३:५३	०२:१६	०४:२०	०६:०२	०७:२९	०८:५४
०२	१०:२६	१२:२१	१४:३६	१६:५६	१९:१३	२१:३०	२३:४९	०२:१२	०४:१६	०५:५८	०७:२५	०८:५०
०३	१०:२२	१२:१७	१४:३२	१६:५२	१९:०९	२१:२६	२३:४५	०२:०८	०४:१२	०५:५४	०७:२१	०८:४६
०४	१०:१८	१२:१३	१४:२८	१६:४८	१९:०५	२१:२२	२३:४१	०२:०४	०४:०८	०५:५०	०७:१८	०८:४२
०५	१०:१४	१२:०९	१४:२४	१६:४४	१९:०२	२१:१८	२३:३७	०२:००	०४:०४	०५:४६	०७:१४	०८:३९
०६	१०:१०	१२:०५	१४:२०	१६:४०	१८:५८	२१:१४	२३:३३	०१:५६	०४:००	०५:४२	०७:१०	०८:३५
०७	१०:०६	१२:०१	१४:१६	१६:३६	१८:५४	२१:१०	२३:२९	०१:५२	०३:५६	०५:३८	०७:०६	०८:३१
०८	१०:०२	११:५७	१४:१२	१६:३२	१८:५०	२१:०६	२३:२६	०१:४८	०३:५२	०५:३४	०७:०२	०८:२७
०९	०९:५८	११:५४	१४:०८	१६:२८	१८:४६	२१:०२	२३:२२	०१:४४	०३:४८	०५:३०	०६:५८	०८:२३
१०	०९:५४	११:५०	१४:०४	१६:२५	१८:४२	२०:५८	२३:१८	०१:४०	०३:४४	०५:२६	०६:५४	०८:१९
११	०९:५०	११:४६	१४:००	१६:२१	१८:३८	२०:५४	२३:१४	०१:३६	०३:४०	०५:२३	०६:५०	०८:१५
१२	०९:४६	११:४२	१३:५६	१६:१७	१८:३४	२०:५०	२३:१०	०१:३२	०३:३६	०५:१९	०६:४६	०८:११
१३	०९:४२	११:३८	१३:५२	१६:१३	१८:३०	२०:४६	२३:०६	०१:२८	०३:३२	०५:१५	०६:४२	०८:०७
१४	०९:३८	११:३४	१३:४८	१६:०९	१८:२६	२०:४२	२३:०२	०१:२४	०३:२८	०५:११	०६:३८	०८:०३
१५	०९:३४	११:३०	१३:४५	१६:०५	१८:२२	२०:३८	२२:५८	०१:२१	०३:२५	०५:०७	०६:३४	०७:५९
१६	०९:३०	११:२६	१३:४१	१६:०१	१८:१८	२०:३५	२२:५४	०१:१७	०३:२१	०५:०३	०६:३०	०७:५५
१७	०९:२७	११:२२	१३:३७	१५:५७	१८:१४	२०:३१	२२:५०	०१:१३	०३:१७	०४:५९	०६:२६	०७:५१
१८	०९:२३	११:१८	१३:३३	१५:५३	१८:१०	२०:२७	२२:४६	०१:०९	०३:१३	०४:५५	०६:२२	०७:४७
१९	०९:१९	११:१४	१३:२९	१५:४९	१८:०६	२०:२३	२२:४२	०१:०५	०३:०९	०४:५१	०६:१९	०७:४३
२०	०९:१५	११:१०	१३:२५	१५:४५	१८:०३	२०:१९	२२:३८	०१:०१	०३:०५	०४:४७	०६:१५	०७:४०
२१	०९:११	११:०६	१३:२१	१५:४१	१७:५९	२०:१५	२२:३४	००:५७	०३:०१	०४:४३	०६:११	०७:३६
२२	०९:०७	११:०२	१३:१७	१५:३७	१७:५५	२०:११	२२:३०	००:५३	०२:५७	०४:३९	०६:०७	०७:३२
२३	०९:०३	१०:५८	१३:१३	१५:३३	१७:५१	२०:०७	२२:२७	००:४९	०२:५३	०४:३५	०६:०३	०७:२८
२४	०८:५९	१०:५५	१३:०९	१५:२९	१७:४७	२०:०३	२२:२३	००:४५	०२:४९	०४:३१	०५:५९	०७:२४
२५	०८:५५	१०:५१	१३:०५	१५:२६	१७:४३	१९:५९	२२:१९	००:४१	०२:४५	०४:२७	०५:५५	०७:२०
२६	०८:५१	१०:४७	१३:०१	१५:२२	१७:३९	१९:५५	२२:१५	००:३७	०२:४१	०४:२४	०५:५१	०७:१६
२७	०८:४७	१०:४३	१२:५७	१५:१८	१७:३५	१९:५१	२२:११	००:३३	०२:३७	०४:२०	०५:४७	०७:१२
२८	०८:४३	१०:३९	१२:५३	१५:१४	१७:३१	१९:४७	२२:०७	००:२९	०२:३३	०४:१६	०५:४३	०७:०८
२९	०८:३९	१०:३५	१२:४९	१५:१०	१७:२७	१९:४३	२२:०३	००:२५	०२:२९	०४:१२	०५:३९	०७:०४
३०	०८:३५	१०:३१	१२:४६	१५:०६	१७:२३	१९:४०	२१:५९	००:२२	०२:२६	०४:०८	०५:३५	०७:००
३१	०८:३१	१०:२७	१२:४२	१५:०२	१७:१९	१९:३६	२१:५५	००:१८	०२:२२	०४:०४	०५:३१	०६:५६

अप्रैल, २०२२, अयनांश : २४:०९:५०

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
०१	०८:२८	१०:२३	१२:३८	१४:५८	१७:१५	१९:३२	२१:५१	००:१४	०२:१८	०४:००	०५:२७	०६:५२
०२	०८:२४	१०:१९	१२:३४	१४:५४	१७:११	१९:२८	२१:४७	००:१०	०२:१४	०३:५६	०५:२३	०६:४८
०३	०८:२०	१०:१५	१२:३०	१४:५०	१७:०७	१९:२४	२१:४३	००:०६	०२:१०	०३:५२	०५:२०	०६:४४
०४	०८:१६	१०:११	१२:२६	१४:४६	१७:०४	१९:२०	२१:३९	२३:५८	०२:०६	०३:४८	०५:१६	०६:४१
०५	०८:१२	१०:०७	१२:२२	१४:४२	१७:००	१९:१६	२१:३५	२३:५४	०२:०२	०३:४४	०५:१२	०६:३७
०६	०८:०८	१०:०३	१२:१८	१४:३८	१६:५६	१९:१२	२१:३२	२३:५०	०१:५८	०३:४०	०५:०८	०६:३३
०७	०८:०४	०९:५९	१२:१४	१४:३४	१६:५२	१९:०८	२१:२८	२३:४६	०१:५४	०३:३६	०५:०४	०६:२९
०८	०८:००	०९:५६	१२:१०	१४:३१	१६:४८	१९:०४	२१:२४	२३:४२	०१:५०	०३:३२	०५:००	०६:२५
०९	०७:५६	०९:५२	१२:०६	१४:२७	१६:४४	१९:००	२१:२०	२३:३८	०१:४६	०३:२९	०४:५६	०६:२१
१०	०७:५२	०९:४८	१२:०२	१४:२३	१६:४०	१८:५६	२१:१६	२३:३४	०१:४२	०३:२५	०४:५२	०६:१७
११	०७:४८	०९:४४	११:५८	१४:१९	१६:३६	१८:५२	२१:१२	२३:३०	०१:३८	०३:२१	०४:४८	०६:१३
१२	०७:४४	०९:४०	११:५४	१४:१५	१६:३२	१८:४८	२१:०८	२३:२६	०१:३४	०३:१७	०४:४४	०६:०९
१३	०७:४०	०९:३६	११:५१	१४:११	१६:२८	१८:४४	२१:०४	२३:२३	०१:३०	०३:१३	०४:४०	०६:०५
१४	०७:३६	०९:३२	११:४७	१४:०७	१६:२४	१८:४१	२१:००	२३:१९	०१:२७	०३:०९	०४:३६	०६:०१
१५	०७:३३	०९:२८	११:४३	१४:०३	१६:२०	१८:३७	२०:५६	२३:१५	०१:२३	०३:०५	०४:३२	०५:५७
१६	०७:२९	०९:२४	११:३९	१३:५९	१६:१६	१८:३३	२०:५२	२३:११	०१:१९	०३:०१	०४:२८	०५:५३
१७	०७:२५	०९:२०	११:३५	१३:५५	१६:१२	१८:२९	२०:४८	२३:०७	०१:१५	०२:५७	०४:२५	०५:४९
१८	०७:२१	०९:१६	११:३१	१३:५१	१६:०९	१८:२५	२०:४४	२३:०३	०१:११	०२:५३	०४:२१	०५:४६
१९	०७:१७	०९:१२	११:२७	१३:४७	१६:०५	१८:२१	२०:४०	२२:५९	०१:०७	०२:४९	०४:१७	०५:४२
२०	०७:१३	०९:०८	११:२३	१३:४३	१६:०१	१८:१७	२०:३६	२२:५५	०१:०३	०२:४५	०४:१३	०५:३८
२१	०७:०९	०९:०४	११:१९	१३:३९	१५:५७	१८:१३	२०:३३	२२:५१	००:५९	०२:४१	०४:०९	०५:३४
२२	०७:०५	०९:०१	११:१५	१३:३५	१५:५३	१८:०९	२०:२९	२२:४७	००:५५	०२:३७	०४:०५	०५:३०
२३	०७:०१	०८:५७	११:११	१३:३२	१५:४९	१८:०५	२०:२५	२२:४३	००:५१	०२:३३	०४:०१	०५:२६
२४	०६:५७	०८:५३	११:०७	१३:२८	१५:४५	१८:०१	२०:२१	२२:३९	००:४७	०२:३०	०३:५७	०५:२२
२५	०६:५३	०८:४९	११:०३	१३:२४	१५:४१	१७:५७	२०:१७	२२:३५	००:४३	०२:२६	०३:५३	०५:१८
२६	०६:४९	०८:४५	१०:५९	१३:२०	१५:३७	१७:५३	२०:१३	२२:३१	००:३९	०२:२२	०३:४९	०५:१४
२७	०६:४५	०८:४१	१०:५५	१३:१६	१५:३३	१७:४९	२०:०९	२२:२८	००:३५	०२:१८	०३:४५	०५:१०
२८	०६:४१	०८:३७	१०:५२	१३:१२	१५:२९	१७:४५	२०:०५	२२:२४	००:३२	०२:१४	०३:४१	०५:०६
२९	०६:३७	०८:३३	१०:४८	१३:०८	१५:२५	१७:४२	२०:०१	२२:२०	००:२८	०२:१०	०३:३७	०५:०२
३०	०६:३४	०८:२९	१०:४४	१३:०४	१५:२१	१७:३८	१९:५७	२२:१६	००:२४	०२:०६	०३:३३	०४:५८

षड्वर्ग-चक्र

अंश		२	३	४	५	६	७	८	१०	१२	१२	१२	१३	१५	१६	१७	१७	१८	२०	२१	२३	२३	२५	२५	२६	२७	३०
कला		३०	३०	१७	०	४०	३०	३४	०	०	३०	५१	२०	०	४०	८	३०	०	०	२५	३०	२०	०	४२	४०	३०	०
विकला		०	०	८	०	०	०	१७	०	०	०	२५	०	०	०	३४	०	०	०	४२	०	०	०	५१	०	०	०
मेष	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	१	१	१	१	१	१	१	१	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	९	९	९	९	९	९	९	९
	स.	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७
	न.	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	४	४	५	५	६	६	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९
	द्वा.	१	२	२	२	३	३	४	४	५	५	६	६	६	७	७	७	८	८	९	९	१०	१०	११	११	११	१२
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
वृष	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	२	२	२	२	२	२	२	२	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०
	स.	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२
	न.	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	३	३	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६
	द्वा.	२	३	३	३	४	४	५	५	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१
	त्रिं.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८
मि.	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	३	३	३	३	३	३	३	३	७	७	७	७	७	७	७	७	७	७	११	११	११	११	११	११	११	११
	स.	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९
	न.	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	२	२	२	३	३
	द्वा.	३	४	४	४	५	५	६	६	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१	१	१	२
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
क.	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	४	४	४	४	४	४	४	४	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२
	स.	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४
	न.	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	७	७	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२
	द्वा.	४	५	५	५	६	६	७	७	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१	१	२	२	२	३
	त्रिं.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८
सिं.	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	५	५	५	५	५	५	५	५	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	१	१	१	१	१	१	१	१
	स.	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११
	न.	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	४	४	५	५	६	६	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९
	द्वा.	५	६	६	६	७	७	८	८	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१	१	२	२	३	३	३	४
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
कं.	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	६	६	६	६	६	६	६	६	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	२	२	२	२	२	२	२	२
	स.	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६
	न.	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	३	३	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६
	द्वा.	६	७	७	७	८	८	९	९	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१	१	२	२	३	३	४	४	४	५
	त्रिं.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८

षड्वर्ग-चक्र

अंश		२	३	४	५	६	७	८	१०	१२	१२	१२	१३	१५	१६	१७	१७	१८	२०	२१	२३	२३	२५	२५	२६	२७	३०
कला		३०	३०	१७	०	४०	३०	३४	०	०	३०	५१	२०	०	४०	८	३०	०	०	२५	३०	२०	०	४२	४०	३०	०
विफला		०	०	८	०	०	०	१७	०	०	०	२५	०	०	०	३४	०	०	०	४२	०	०	०	५१	०	०	०
तुला	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	७	७	७	७	७	७	७	७	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	३	३	३	३	३	३	३	३
	स.	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१
	न.	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	२	२	२	३	३
	द्वा.	७	८	८	८	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१	१	१	२	२	३	३	४	४	५	५	५	६
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
वृ.	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	८	८	८	८	८	८	८	८	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	४	४	४	४	४	४	४	४
	स.	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८
	न.	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	७	७	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२
	द्वा.	८	९	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१	१	१	२	२	२	३	३	४	४	५	५	६	६	६	७
	त्रिं.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८
धनु	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	९	९	९	९	९	९	९	९	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	५	५	५	५	५	५	५	५
	स.	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३
	न.	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	४	४	५	५	६	६	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९
	द्वा.	९	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	५	५	६	६	७	७	७	८
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
मकर	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	६	६	६	६	६	६	६	६
	स.	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०
	न.	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	३	३	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६
	द्वा.	१०	११	११	११	१२	१२	१	१	२	२	३	३	३	४	४	४	५	५	६	६	७	७	८	८	८	९
	त्रिं.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८
कुम्भ	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	११	११	११	११	११	११	११	११	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	७	७	७	७	७	७	७	७
	स.	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५
	न.	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	२	२	२	३	३
	द्वा.	११	१२	१२	१२	१	१	२	२	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६	७	७	८	८	९	९	९	१०
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
मीन	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	८	८	८	८	८	८	८	८
	स.	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२
	न.	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	७	७	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२
	द्वा.	१२	१	१	१	२	२	३	३	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	८	८	९	९	१०	१०	१०	११
	त्रिं.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८

विंशोत्तरीदशा-सारिणी

राशि	मे. सिं. ध.			वृ. कं. म.			मि. तु. कुं.			क. वृ. मी.		
	भोग्यदशा			भोग्यदशा			भोग्यदशा			भोग्यदशा		
स्प.चन्द्र	व.	मा.	दि.	व.	मा.	दि.	व.	मा.	दि.	व.	मा.	दि.
अं. क.	के.			सू.			भौ.			गु.		
० ००	७	०	०	४	६	०	३	६	०	४	०	०
० २०	६	९	२७	४	४	६	३	३	२७	३	७	६
० ४०	६	७	२४	४	२	१२	३	१	२४	३	२	१२
१ ००	६	५	२१	४	०	१८	२	११	२१	२	९	१८
१ २०	६	३	१८	३	१०	२४	२	९	१८	२	४	२४
१ ४०	६	१	१५	३	९	०	२	७	१५	२	०	०
२ ००	५	११	१२	३	७	६	२	५	१२	१	७	६
२ २०	५	९	९	३	५	१२	२	३	९	१	२	१२
२ ४०	५	७	६	३	३	१८	२	१	६	०	९	१८
३ ००	५	५	३	३	१	२४	१	११	३	०	४	२४
३ २०	५	३	०	३	०	०	१	९	०	श. १९	०	०
३ ४०	५	०	२७	२	१०	६	१	६	२७	१८	६	९
४ ००	४	१०	२४	२	८	१२	१	४	२४	१८	०	१८
४ २०	४	८	२१	२	६	१८	१	२	२१	१७	६	२७
४ ४०	४	६	१८	२	४	२४	१	०	१८	१७	१	६
५ ००	४	४	१५	२	३	०	०	१०	१५	१६	७	१५
५ २०	४	२	१२	२	१	६	०	८	१२	१६	१	२४
५ ४०	४	०	९	१	११	१२	०	६	९	१५	८	३
६ ००	३	१०	६	१	९	१८	०	४	६	१५	२	१२
६ २०	३	८	३	१	७	२४	०	२	३	१४	८	२१
६ ४०	३	६	०	१	६	०	रा. १८	०	०	१४	३	०
७ ००	३	३	२७	१	४	६	१७	६	१८	१३	९	९
७ २०	३	१	२४	१	२	१२	१७	१	६	१३	३	८
७ ४०	२	११	२१	१	०	१८	१६	७	२४	१२	९	२७
८ ००	२	९	१८	०	१०	२४	१६	२	१२	१२	४	६
८ २०	२	७	१५	०	९	०	१५	९	०	११	१०	१५
८ ४०	२	५	१२	०	७	६	१५	३	१८	११	४	२४
९ ००	२	३	९	०	५	१२	१४	१०	६	१०	११	३
९ २०	२	१	६	०	३	१८	१४	४	२४	१०	५	१२
९ ४०	१	११	३	०	१	२४	१३	११	१२	९	११	२१
१०००	१	९	०	च. १०	०	०	१३	६	०	९	६	०

राशि	मे. सिं. ध.			वृ. कं. म.			मि. तु. कुं.			क. वृ. मी.		
	भोग्यदशा			भोग्यदशा			भोग्यदशा			भोग्यदशा		
स्प.चन्द्र	व.	मा.	दि.	व.	मा.	दि.	व.	मा.	दि.	व.	मा.	दि.
अं. क.	के.			चं.			रा.			श.		
१० २०	१	६	२७	९	९	०	१३	०	१८	९	०	९
१० ४०	१	४	२४	९	६	०	१२	७	६	८	६	१८
११ ००	१	२	२१	९	३	०	१२	१	२४	८	०	२७
११ २०	१	०	१८	९	०	०	११	८	१२	७	७	६
११ ४०	०	१०	१५	८	९	०	११	३	०	७	१	१५
१२ ००	०	८	१२	८	६	०	१०	९	१८	६	७	२४
१२ २०	०	६	९	८	३	०	१०	४	६	६	२	३
१२ ४०	०	४	६	८	०	०	९	१०	२४	५	८	१२
१३ ००	०	२	३	७	९	०	९	५	१२	५	२	२१
१३ २०	शु. २०	०	०	७	६	०	९	०	०	४	९	०
१३ ४०	१९	६	०	७	३	०	८	६	१८	४	३	९
१४ ००	१९	०	०	७	०	०	८	१	६	३	९	१८
१४ २०	१८	६	०	६	९	०	७	७	२४	३	३	२७
१४ ४०	१८	०	०	६	६	०	७	२	१२	२	१०	६
१५ ००	१७	६	०	६	३	०	६	९	०	२	४	१५
१५ २०	१७	०	०	६	०	०	६	३	१८	१	१०	२४
१५ ४०	१६	६	०	५	९	०	५	१०	६	१	५	३
१६ ००	१६	०	०	५	६	०	५	४	२४	०	११	१२
१६ २०	१५	६	०	५	३	०	४	११	१२	०	५	२१
१६ ४०	१५	०	०	५	०	०	४	६	०	बु. १७	०	०
१७ ००	१४	६	०	४	९	०	४	०	१८	१६	६	२७
१७ २०	१४	०	०	४	६	०	३	७	६	१६	१	२४
१७ ४०	१३	६	०	४	३	०	३	१	२४	१५	८	२१
१८ ००	१३	०	०	४	०	०	२	८	१२	१५	३	१८
१८ २०	१२	६	०	३	९	०	२	३	०	१४	१०	१५
१८ ४०	१२	०	०	३	६	०	१	९	१८	१४	५	१२
१९ ००	११	६	०	३	३	०	१	४	६	१४	०	९
१९ २०	११	०	०	३	०	०	०	१०	२४	१३	७	६
१९ ४०	१०	६	०	२	९	०	०	५	१२	१३	२	३
२० ००	१०	०	०	२	६	०	गु. १६	०	०	१२	९	०

राशि	मे. सिं. ध.			वृ. कं. म.			मि. तु. कुं.			क. वृ. मी.		
	भोग्यदशा			भोग्यदशा			भोग्यदशा			भोग्यदशा		
स्प.चन्द्र	व.	मा.	दि.	व.	मा.	दि.	व.	मा.	दि.	व.	मा.	दि.
अं. क.	शु.			चं.			गु.			बु.		
२० २०	९	६	०	२	३	०	१५	७	६	१२	३	२७
२० ४०	९	०	०	२	०	०	१५	२	१२	११	१०	२४
२१ ००	८	६	०	१	९	०	१४	९	१८	११	५	२१
२१ २०	८	०	०	१	६	०	१४	४	२४	११	०	१८
२१ ४०	७	६	०	१	३	०	१४	०	०	१०	७	१५
२२ ००	७	०	०	१	०	०	१३	७	६	१०	२	१२
२२ २०	६	६	०	०	९	०	१३	२	१२	९	९	९
२२ ४०	६	०	०	०	६	०	१२	९	१८	९	४	६
२३ ००	५	६	०	०	३	०	१२	४	२४	८	११	३
२३ २०	५	०	०	भौ. ७	०	०	१२	०	०	८	६	०
२३ ४०	४	६	०	६	९	२७	११	७	६	८	०	२७
२४ ००	४	०	०	६	७	२४	११	२	१२	७	७	२४
२४ २०	३	६	०	६	५	२१	१०	९	१८	७	२	२१
२४ ४०	३	०	०	६	३	१८	१०	४	२४	६	९	१८
२५ ००	२	६	०	६	१	१५	१०	०	०	६	४	१५
२५ २०	२	०	०	५	११	१२	९	७	६	५	११	१२
२५ ४०	१	६	०	५	९	९	९	२	१२	५	६	९
२६ ००	१	०	०	५	७	६	८	९	१८	५	१	६
२६ २०	०	६	०	५	५	३	८	४	२४	४	८	३
२६ ४०	सू. ६	०	०	५	३	०	८	०	०	४	३	०
२७ ००	५	१०	६	५	०	२७	७	७	६	३	९	२७
२७ २०	५	८	१२	४	१०	२४	७	२	१२	३	४	२४
२७ ४०	५	६	१८	४	८	२१	६	९	१८	२	११	२१
२८ ००	५	४	२४	४	६	१८	६	४	२४	२	६	१८
२८ २०	५	३	०	४	४	१५	६	०	०	२	१	१५
२८ ४०	५	१	६	४	२	१२	५	७	६	१	८	१२
२९ ००	४	११	१२	४	०	९	५	२	१२	१	३	९
२९ २०	५	९	१८	३	१०	३	४	९	१८	०	१०	६
२९ ४०	४	७	२४	३	८	६	४	४	२४	०	५	३
३० ००	४	६	०	३	६	०	४	०	०	०	०	०

विंशोत्तरीदशा-कलासारिणी

	केतु ७ वर्ष		शुक्र २० वर्ष		सूर्य ६ वर्ष		चन्द्र १० वर्ष		मंगल ७ वर्ष		राहु १८ वर्ष		गुरु १६ वर्ष		शनि १९ वर्ष		बुध १७ वर्ष		
क.	मा.	दि.	मा.	दि.	मा.	दि.	मा.	दि.	मा.	दि.	मा.	दि.	मा.	दि.	मा.	दि.	मा.	दि.	क.
१	०	३	०	९	०	३	०	५	०	३	०	८	०	७	०	९	०	८	१
२	०	६	०	१८	०	५	०	९	०	६	०	१६	०	१४	०	१७	०	१५	२
३	०	९	०	२७	०	८	०	१४	०	९	०	२४	०	२२	०	२६	०	२३	३
४	०	१३	१	६	०	११	०	१८	०	१३	१	२	०	२९	१	४	१	१	४
५	०	१६	१	१५	०	१४	०	२३	०	१६	१	११	१	६	१	१३	१	८	५
६	०	१९	१	२४	०	१६	०	२७	०	१९	१	१९	१	१३	१	२१	१	१६	६
७	०	२२	२	३	०	१९	१	२	०	२२	१	२७	१	२०	२	०	१	२४	७
८	०	२५	२	१२	०	२२	१	६	०	२५	२	५	१	२८	२	८	२	१	८
९	०	२८	२	२१	०	२४	१	११	०	२८	२	१३	२	५	२	१७	२	९	९
१०	१	१	३	०	०	२७	१	१५	१	१	२	२१	२	१२	२	२६	२	१७	१०
१५	१	१७	४	१५	१	११	२	८	१	१७	४	२	३	१८	४	८	३	२५	१५
२०	२	३	६	०	१	२४	३	०	२	३	५	१२	४	२४	५	२१	५	३	२०

दशासाधन-विधि

सर्वप्रथम स्पष्टचन्द्र बनाकर उसकी राशि के कोष्ठक में अंश एवं कलाओं के अनुसार विंशोत्तरी दशा का भोग्य निकालना चाहिए। यहाँ २०-२० कलाओं के अन्तर पर दशा भोग्यमान वर्ष, मास एवं दिन में दिया गया है, फिर २० कलाओं से जितनी कलायें अधिक या कम हों उनके अनुसार कला सारिणी से उस ग्रह के कोष्ठक से मासादि फल जानकर पूर्वानीत फल में घटाना या जोड़ना चाहिए। इस प्रकार स्पष्टचन्द्र के राशि अंश एवं कलाओं के आधार पर विंशोत्तरी दशा का भोग्यमान सुगमता से जाना जा सकता है।

विंशोत्तरीदशान्तर्दशा-चक्र

	सूर्य				चन्द्र				मंगल			
	कृ. उ.फा. उ.षा.				रोहि. ह. श्रवण				मृ. चि. ध.			
	ग्रह	वर्ष	मास	दिन	ग्रह	वर्ष	मास	दिन	ग्रह	वर्ष	मास	दिन
अन्तर्दशामानानि	सू.	०	३	१८	चं.	०	१०	०	मं.	०	४	२७
	चं.	०	६	०	मं.	०	७	०	रा.	१	०	१८
	मं.	०	४	६	रा.	१	६	०	बृ.	०	११	६
	रा.	०	१०	२४	बृ.	१	४	०	श.	१	१	९
	बृ.	०	९	१८	श.	१	७	०	बु.	०	११	२७
	श.	०	११	१२	बु.	१	५	०	के.	०	४	२७
	बु.	०	१०	६	के.	०	७	०	शु.	१	२	०
	के.	०	४	६	शु.	१	८	०	सू.	०	४	६
	शु.	१	०	०	सू.	०	६	०	चं.	०	७	०

	राहु				गुरु				शनि			
	आर्द्रा. स्वा. शत.				पुन. वि. पू. भा.				पुष्य. अनु. उ.भा.			
	ग्रह	वर्ष	मास	दिन	ग्रह	वर्ष	मास	दिन	ग्रह	वर्ष	मास	दिन
अन्तर्दशामानानि	रा.	२	८	१२	बृ.	२	१	१८	श.	३	०	३
	वृ.	२	४	२४	श.	२	६	१२	बु.	२	८	९
	श.	२	१०	०६	बु.	२	३	६	के.	१	१	९
	बु.	२	६	१८	के.	०	११	६	शु.	३	२	०
	के.	१	०	१८	शु.	२	८	०	सू.	०	११	१२
	शु.	३	०	०	सू.	०	९	१८	चं.	१	७	०
	सू.	०	१०	२४	चं.	१	४	०	मं.	१	१	९
	चं.	१	६	०	मं.	०	११	६	रा.	२	१०	६
	मं.	१	०	१८	रा.	२	४	२४	बृ.	२	६	१२

	बुध				केतु				गुरु			
	आश्ले. ज्ये. रेवती				मघा. मू. अश्वि.				पू.फा. पू.षा. भ.			
	ग्रह	वर्ष	मास	दिन	ग्रह	वर्ष	मास	दिन	ग्रह	वर्ष	मास	दिन
अन्तर्दशामानानि	बु.	२	४	२७	के.	०	४	२७	शु.	३	४	०
	के.	०	११	२७	शु.	१	२	०	सू.	१	०	०
	शु.	२	१०	०	सू.	०	४	६	चं.	१	८	०
	सू.	०	१०	६	चं.	०	७	०	मं.	१	२	०
	चं.	१	५	०	मं.	०	४	२७	रा.	३	०	०
	मं.	०	११	२७	रा.	१	०	१८	बृ.	२	८	०
	रा.	२	६	१८	बृ.	०	११	६	श.	३	२	०
	बृ.	२	३	६	श.	१	१	९	बु.	२	१०	०
	श.	२	८	९	बु.	०	११	२७	के.	१	२	०

वेधसिद्ध (नवीन) वर्षमानानुसारेण वर्षप्रवेशसारिणी

गताब्द संख्या	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०
वार	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१
घटी	१५	३०	४६	१	१६	३२	४७	३	१८	३३	४९	४	१९	३५	५०	६	२१	३६	५२	७	२३	३८	५३	९	२४	३९	५५	१०	२६	४१	५६	१२	२७	४३	५८	१३	२९	४४	५९	१५
पल	२२	४५	८	३१	५४	१७	४०	३	२६	४९	१२	३५	५८	२१	४४	७	३०	५३	१६	३९	१	२४	४७	१०	३३	५६	१९	४२	५	२८	५१	१४	३७	०	२३	४६	९	३२	५५	१८
विपल	५७	५४	५१	४८	४५	४२	३९	३६	३३	३०	२७	२४	२१	१८	१५	१२	९	६	३	०	५७	५४	५१	४८	४५	४२	३९	३६	३३	३०	२७	२४	२१	१८	१५	१२	९'	६	३	०
गताब्द संख्या	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०
वार	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२
घटी	३०	४६	१	१६	३२	४७	२	१८	३३	४९	४	१९	३५	५०	६	२१	३६	५२	७	२२	३८	५३	९	२४	३९	५५	१०	२६	४१	५६	१२	२७	४३	५८	१३	२९	४४	५९	१५	३०
पल	४०	३	२६	४९	१२	३५	५८	२१	४४	७	३०	५३	१६	३९	२	२५	४८	११	३४	५७	१९	४२	५	२८	५१	१४	३७	०	२३	४६	९	३२	५५	१८	४१	४	२७	५०	१३	३६
विपल	५७	५४	५१	४८	४५	४२	३९	३६	३३	३०	२७	२४	२१	१८	१५	१२	९	६	३	०	५७	५४	५१	४८	४५	४२	३९	३६	३३	३०	२७	२४	२१	१८	१५	१२	९	६	३	०

प्राचीनमानानुसारेण वर्षप्रवेश सारिणी

गताब्द संख्या	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	
वार	१	२	३	५	६	०	१	३	४	००	६	१	२	३	४	६	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	००	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१
घटी	१५	३१	४६	२	१७	३३	४८	४	१९	३५	५०	६	२१	३७	५२	८	२३	३९	५४	१०	२६	४१	५७	१२	२८	४३	५९	१४	३०	४५	१	१६	३२	४७	३	१८	३४	४९	५	२१
पल	३१	३	३४	६	३७	००	४०	१२	४३	१५	४६	१८	४९	२१	५२	२४	५५	२७	५८	३०	१	३३	४	३६	७	३९	१०	४२	१३	४५	१६	४८	१९	५१	२२	५४	२५	५७	२८	०
विपल	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०
गताब्द संख्या	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०
वार	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२
घटी	३६	५२	७	२३	३८	५४	९	२५	४०	५६	११	२७	४२	५८	१३	२९	४४	०	१५	३१	४७	२	१८	३३	४९	४	२०	३५	५१	६	२२	३७	५३	८	२४	३९	५५	१०	२६	४२
पल	३१	३	३४	६	३७	९	४०	१२	४३	१५	४६	१८	४९	२१	५२	२४	५५	२७	५८	३०	१	३३	४	३६	७	३९	१०	४२	१३	४५	१६	४८	१९	५१	२२	५४	२५	५७	२८	०
विपल	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०

विं. मुद्दादशाचक्र

सूर्य	चन्द्र	मं.	राहु	गुरु	शनि	बुध	के.	शुक्र
०	१	०	१	१	१	१	०	२
१८	०	२१	२४	१८	२७	२१	२१	०

योगिनीक्रमेण मुद्दादशाचक्र

यो.	मं.	पिं.	धा.	भ्रा.	भ.	उ.	सि.	सं.
मा.	०	०	१	१	१	२	२	२
दि.	१०	२०	०	१०	२०	०	१०	२०

त्रिराशिपतिचक्र

लग्नम्	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु.	मी.
दि.प.	सू.	शु.	श.	शु.	गु.	चं.	बु.	मं.	श.	मं.	गु.	चं.
लग्नम्	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु.	मी.
रा.प.	गु.	चं.	बु.	मं.	सू.	शु.	श.	शु.	श.	मं.	गु.	चं.

वर्षफल निर्माण विधि

जिस वर्ष का वर्षफल् अभीष्ट हो, उस अभीष्ट संवत् में से जन्म सवंत् घटाने पर जो शेष बचे वे जन्म से गतवर्ष अर्थात् 'गताब्द' होते हैं उन गताब्दों से पृष्ट १३१ पर दी गई प्राचीन मतानुसार वर्ष प्रवेश सारिणी के नीचे दिए वार, घटी, पलादि फल लेकर उसमें जन्म वार इष्टवटी, पलादि जोड़ने पर वर्षप्रवेशकालिक वारादि इष्टकालज्ञात होता है। पल, घटी आदि यदि ६० से अधिक हों तो उन्हें सवर्ण करके तथा यदि वारादि संख्या ७ हो तो ७ अधिक का भाग देने पर एकादि शेष रहने पर रवि आदि क्रम से वार तथा आगे वर्षेष्ट घटी पलादि होते हैं। जन्मकालिक स्पष्ट सूर्य के राश्यंशादि की तरह वर्ष प्रवेशकालिक लग्न सिद्ध होता है। इस प्रकार वर्ष प्रवेश कालिक ग्रह स्थापित करने पर वर्ष कुण्डली बनती है।

मुन्थासाधन-

वर्ष कुण्डली में मुन्था भी लगाई जाती है। जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुन्था होती है, यह प्रतिवर्ष एक-एक राशि बढ़ती है। अत: गतवर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़ने पर यदि १२ से अधिक हो तो १२ का भाग देने पर शेष मुन्था की राशि होती है।

मुद्दादशासाधन-

गत वर्ष संख्या में जन्म नक्षत्र संख्या जोड़कर जो संख्या उपलब्ध हो, उसमें २ घटाकर ९ का भाग देने पर एकादि शेष बचने पर सूर्य, चन्द्र, मंगल, राहु, गुरु, शनि, बुध, केतु, शुक्र की दशा होती है। सूर्यादि मुद्दादशा दिन पृ.सं. ९४ पर दिए गए मुद्दादशा चक्र से जानें।

हर्षबलसाधन-

वर्ष कुण्डली में स्थानबल, स्वोच्चबल, पुरुषस्त्रीबल तथा दिनरात्रिबल- ये चार हर्ष बल कहलाते हैं

स्थानबल-

वर्ष लग्न से ९ स्थान में सूर्य, ३ में चन्द्रमा, ६ में मंगल, १ में बुध, ११ में गुरु, ५ में शुक्र तथा १२ में शनि ५ हर्षबल होते हैं।

स्वोच्चबल-

प्रत्येक ग्रह अपनी तथा उच्च राशि में ५ हर्षबल देते हैं। अर्थात् सूर्य १।५ चन्द्र २।४, मंगल १।८।१०, बुध ३।६।, गुरु ४।९।१२, शुक्र २।७।१२, शनि १०।११।७ इन स्वोच्च राशियों में सूर्यादि ग्रह हर्षित होते हैं।

पुरुषस्त्रीबल-

स्त्रीग्रह (चं.बु.शु.श.) १।२।३।७।९ स्थानों में तथा पुरुषग्रह (सू. मं.गु) ४।५।६।१०।११।१२ स्थानों में ५ हर्षबल होते हैं।

दिनरात्रिबल-

दिन में वर्षप्रवेश हो तो पुरुषग्रह तथा रात्रि में हो तो स्त्री ग्रह ५ हर्षबल देते हैं। यहाँ यह ध्यान देना चाहिए जहाँ बल प्राप्त हो वहाँ ५ तथा जहाँ बल प्राप्त न हों वहाँ ० शून्य रखना चाहिए। इस प्रकार सूर्यादि ग्रहों के चारों स्थानादि बलों का योग हर्षबल कहलाता है।

वर्षेश-निर्णय -

जन्म लग्नपति, वर्ष लग्नपति, मुन्थाधिपति, त्रिराशिपति, दिन में वर्ष प्रवेश हो तो सूर्य जिस राशि पर हो उस राशि का स्वामी तथा रात्रि में वर्ष प्रवेश हो तो चन्द्रमा जिस राशि पर हो उस राशि का स्वामी में पञ्चाधिकारी कहलाते है। इन पञ्चाधिकारियों में जो बलवान् होकर लग्न को देखता हो, वह वर्षेश होता है। बलवान् होने पर भी यदि लग्न को न देखता हो तो वर्षेश नहीं होगा। समान बली होने पर जो लग्न को अधिक दृष्टि से देखता हो वह वर्षेश होगा। लग्न को देखने वाला ग्रह यदि अल्पबल हो तो मुन्थेश अर्थात् मुन्था जिस राशि में हो उस राशि का स्वामी वर्षेश होगा। यदि पञ्चाधिकारियों में कोई भी ग्रह लग्न को न देखता हो तो जो ग्रह सबसे बलवान हो वह वर्षेश होगा। यदि चन्द्र वर्षेश प्राप्त हो तो वह पञ्चाधिकारियों में जिससे इत्थशाल करे वह वर्षेश होगा। यदि इत्थाशाल न करे तो चन्द्र जिस राशि में बैठा हो वह वर्षेश होगा।

वर्ष दृष्टि-विचार-

वर्ष कुण्डली में जो ग्रह जिस स्थान में स्थित हो, उससे ५।९ स्थान को प्रत्यक्ष मित्र दृष्टि से, ३।११ स्थान का गुप्त मित्र दृष्टि से १/७ स्थान को प्रत्यक्ष शत्रु दृष्टि से तथा ४।१० स्थान को गुप्त शत्रु दृष्टि से देखता है। प्रत्यक्ष मित्र दृष्टि सभी कार्यों में शीघ्र सफलता देने वाली होती है, गुप्त मित्र दृष्टि कार्यों में कठिनता से सफलता देने वाली होती है। प्रत्यक्ष शत्रु दृष्टि शत्रुता उत्पन्न करने वाली, मित्र से शत्रुता कराने वाली, बनते काम बिगड़ने वाली हानिकारक होती है। गुप्त शत्रु दृष्टि कार्यों को कठिनता से सफल कराने वाली तथा गुप्त रूप से शत्रु उत्पन्न कराने वाली होती है।

* लग्नसारिणी *

अक्षांश २३° । ००", पलभा ५ । ५ । ३४, अयनांश २४° । ०५ स्वोदयपल (२२८, २५८, ३०५, ३३९, ३४०, ३३०)

इन्दौर, उज्जैन, कलकत्ता, जबलपुर, डाकोर, दाहोद, नड़ियाद, भोपाल, मोरवी, मांडवी, वीरमगाम आदि स्थानों के लिए-

	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	३ २ २४	३ १० ००	३ १७ ३६	३ २५ १२	३ ३२ ४८	३ ४० २४	३ ४८ ००	३ ५६ ३६	४ ५ १२	४ १३ ४८	४ २२ २४	४ ३१ ००	४ ३९ ३६	४ ४८ १२	४ ५६ ४८	५ ५ २४	५ १४ ००	५ २२ ३६	५ ३१ १२	५ ३९ ४८	५ ४८ २४	५ ५७ ००	६ ५ ३६	६ १४ १२	६ २२ ४८	६ ३१ २४	६ ४० ००	६ ४८ ३६	६ ५७ १२	७ ५ ४८
१ वृष	७ १४ २४	७ २३ ००	७ ३१ ३६	७ ४० १२	७ ४८ ४८	७ ५७ २४	८ ६ ०	८ १६ १०	८ २६ २०	८ ३६ ३०	८ ४६ ४०	८ ५६ ५०	९ ७ ०	९ १७ १०	९ २७ २०	९ ३७ ३०	९ ४७ ४०	९ ५७ ५०	१० ८ ०	१० १८ १०	१० २८ २०	१० ३८ ३०	१० ४८ ४०	१० ५८ ५०	११ ९ ०	११ १९ १०	११ २९ २०	११ ३९ ३०	११ ४९ ४०	११ ५९ ५०
२ मिथुन	१२ १० ०	१२ २० १०	१२ ३० २०	१२ ४० ३०	१२ ५० ४०	१३ ० ५०	१३ ११ ०	१३ २२ १८	१३ ३३ ३६	१३ ४४ ५४	१३ ५६ १२	१४ ७ ३०	१४ १८ ४८	१४ ३० ०६	१४ ४१ २४	१४ ५२ ४२	१५ ०४ ००	१५ १५ १८	१५ २६ ३६	१५ ३७ ५४	१५ ४९ १२	१६ ० ३०	१६ ११ ४८	१६ २३ ०६	१६ ३४ २४	१६ ४५ ४२	१६ ५७ ००	१७ ८ १८	१७ १९ ३६	१७ ३० ५४
३ कर्क	१७ ४२ १२	१७ ५३ ३०	१८ ४ ४८	१८ १६ ०६	१८ २७ २४	१८ ३८ ४२	१८ ५० ००	१९ १ २०	१९ १२ ४०	१९ २४ ००	१९ ३५ २०	१९ ४६ ४०	१९ ५८ ००	२० ९ २०	२० २० ४०	२० ३२ ००	२० ४३ २०	२० ५४ ४०	२१ ०६ ००	२१ १७ २०	२१ २८ ४०	२१ ४० ००	२१ ५१ २०	२२ ०२ ४०	२२ १४ ००	२२ २५ २०	२२ ३६ ४०	२२ ४८ ००	२२ ५९ २०	२३ १० ४०
४ सिंह	२३ २२ ००	२३ ३३ २०	२३ ४४ ४०	२३ ५६ ००	२४ ७ २०	२४ १८ ४०	२४ ३० ०	२४ ४१ ०	२४ ५२ ०	२५ ०३ ०	२५ १४ ०	२५ २५ ०	२५ ३६ ०	२५ ४७ ०	२५ ५८ ०	२६ ९ ०	२६ २० ०	२६ ३१ ०	२६ ४२ ०	२६ ५३ ०	२७ ०४ ०	२७ १५ ०	२७ २६ ०	२७ ३७ ०	२७ ४८ ०	२७ ५९ ०	२८ १० ०	२८ २१ ०	२८ ३२ ०	२८ ४३ ०
५ कन्या	२८ ५४ ०	२९ ५ ०	२९ १६ ०	२९ २७ ०	२९ ३८ ०	२९ ४९ ०	३० ० ०	३० ११ ०	३० २२ ०	३० ३३ ०	३० ४४ ०	३० ५५ ०	३१ ६ ०	३१ १७ ०	३१ २८ ०	३१ ३९ ०	३१ ५० ०	३२ ०१ ०	३२ १२ ०	३२ २३ ०	३२ ३४ ०	३२ ४५ ०	३२ ५६ ०	३३ ७ ०	३३ १८ ०	३३ २९ ०	३३ ४० ०	३३ ५१ ०	३४ ०२ ०	३४ १३ ०
६ तुला	३४ २४ ०	३४ ३५ ०	३४ ४६ ०	३४ ५७ ०	३५ ०८ ०	३५ १९ ०	३५ ३० ०	३५ ४१ २०	३५ ५२ ४०	३६ ४ ०	३६ १५ २०	३६ २६ ४०	३६ ३८ ०	३६ ४९ २०	३७ ० ४०	३७ १२ ०	३७ २३ २०	३७ ३४ ४०	३७ ४६ ०	३७ ५७ २०	३८ ८ ४०	३८ २० ०	३८ ३१ २०	३८ ४२ ४०	३८ ५४ ०	३९ ०५ २०	३९ १६ ४०	३९ २८ ०	३९ ३९ २०	३९ ५० ४०
७ वृश्चिक	४० ०२ ००	४० १३ २०	४० २४ ४०	४० ३६ ०	४० ४७ २०	४० ५८ ४०	४१ १० ००	४१ २१ १८	४१ ३२ ३६	४१ ४३ ५४	४१ ५५ १२	४२ ०६ ३०	४२ १७ ४८	४२ २९ ०६	४२ ४० २४	४२ ५१ ४२	४३ ०३ ००	४३ १४ १८	४३ २५ ३६	४३ ३६ ५४	४३ ४८ १२	४३ ५९ ३०	४४ १० ४८	४४ २२ ०६	४४ ३३ २४	४४ ४४ ४२	४४ ५६ ००	४५ ७ १८	४५ १८ ३६	४५ २९ ५४
८ धनु	४५ ४० १२	४५ ५१ ३०	४६ ०३ ४८	४६ १५ ०६	४६ २६ २४	४६ ३७ ४२	४६ ४९ ००	४६ ५९ १०	४७ ९ २०	४७ १९ ३०	४७ २९ ४०	४७ ३९ ५०	४७ ५० ००	४८ ० १०	४८ १० २०	४८ २० ३०	४८ ३० ४०	४८ ४० ५०	४८ ५१ ०	४९ १ १०	४९ ११ २०	४९ २१ ३०	४९ ३१ ४०	४९ ४१ ५०	४९ ५२ ००	५० ०२ १०	५० १२ २०	५० २२ ३०	५० ३२ ४०	५० ४२ ५०
९ मकर	५० ५३ ००	५१ ०३ १०	५१ १३ २०	५१ २३ ३०	५१ ३३ ४०	५१ ४३ ५०	५१ ५४ ००	५२ ०२ ३६	५२ ११ १२	५२ १९ ४८	५२ २८ २४	५२ ३७ ०	५२ ४५ ३६	५२ ५४ १२	५३ ०२ ४८	५३ ११ २४	५३ २० ०	५३ २८ ३६	५३ ३७ १२	५३ ४५ ४८	५३ ५४ २४	५४ ०३ ००	५४ ११ ३६	५४ २० १२	५४ २८ ४८	५४ ३७ २४	५४ ४६ ००	५४ ५४ ३६	५५ ३ १२	५५ ११ ४८
१० कुम्भ	५५ २० २४	५५ २९ ०	५५ ३७ ३६	५५ ४६ १२	५५ ५४ ४८	५६ ०३ २४	५६ १२ ००	५६ १९ ३६	५६ २७ १२	५६ ३४ ४८	५६ ४२ २४	५६ ५० ००	५६ ५७ ३६	५७ ०५ १२	५७ १२ ४८	५७ २० २४	५७ २८ ००	५७ ३५ ३६	५७ ४३ १२	५७ ५० ४८	५७ ५८ २४	५८ ०६ ००	५८ १३ ३६	५८ २१ १२	५८ २८ ४८	५८ ३६ २४	५८ ४४ ००	५८ ५१ ३६	५८ ५९ १२	५९ ६ ४८
११ मीन	५९ १४ २४	५९ २२ ०	५९ २९ ३६	५९ ३७ १२	५९ ४४ ४८	५९ ५२ २४	० ० ०	० ७ ३६	० १५ १२	० २२ ४८	० ३० २४	० ३८ ०	० ४५ ३६	० ५३ १२	१ ० ४८	१ ८ २४	१ १६ ०	१ २३ ३६	१ ३१ १२	१ ३८ ४८	१ ४६ २४	१ ५४ ०	२ ०१ ३६	२ ९ १२	२ १६ ४८	२ २४ २४	२ ३२ ००	२ ३९ ३६	२ ४७ १२	२ ५४ ४८

✵ लग्नसारिणी ✵

अक्षांश २५° । ००", पलभा ५ । ३५ । ४४, अयनांश २४° । ०५

आबू, इलाहाबाद, उदयपुर, कराची, काशी, कोटा, जमालपुर, जालोर, झांसी, मालदा, मिर्जापुर, मुंगेर, मोकामा, बूंदी आदि स्थानों के लिए-

स्वोदयपल (२२३, २५४, ३०३, ३४१, ३४४, ३३५)

	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६
० मेष	५८	५	१३	२०	२८	३५	४३	५१	५९	८	१६	२५	३३	४२	५०	५९	७	१६	२४	३३	४१	५०	५८	६	१५	२३	३२	४०	४९	५७
	२४	५०	१६	४२	०८	३४	००	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४	१२	४०	०८	३६	०४	३२	००	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४
	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११
१ वृष	६	१४	२३	३१	४०	४८	५७	०७	१७	२७	३७	४७	५७	०७	१७	२७	३८	४८	५८	८	१८	२८	३८	४८	५८	८	१९	२९	३९	४९
	१२	४०	०८	३६	०४	३२	००	०६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	००	०६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	००	०६	१२	१८
	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७
२ मिथुन	५९	९	१९	२९	३९	४९	००	११	२२	३४	४५	५६	८	१९	३०	४२	५३	०५	१६	२७	३९	५०	१	१३	२४	३५	४७	५८	१०	२१
	२४	३०	३६	४२	४८	५४	००	२२	४४	०६	२८	५०	१२	३४	५६	१८	४०	०२	२४	४६	०८	३०	५२	१४	३६	५८	२०	४२	०४	२६
	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३
३ कर्क	३२	४४	५५	०६	१८	२९	४१	५२	३	१५	२६	३८	४९	१	१२	२४	३५	४७	५८	१०	२१	३३	४४	५५	०७	१८	३०	४१	५३	०४
	४८	१०	३२	५४	१६	३८	००	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४	१२	४०	०८	३६	०४	३२	००	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४
	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
४ सिंह	१६	२७	३९	५०	०२	१३	२५	३६	४७	५८	०९	२०	३२	४३	५४	०५	१६	२७	३९	५०	१	१२	२३	३४	४६	५७	०८	१९	३०	४१
	१२	४०	०८	३६	४	३२	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०
	२८	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४
५ कन्या	५३	४	१५	२६	३७	४८	००	११	२२	३३	४४	५५	०७	१८	२९	४०	५१	०२	१४	२५	३६	४७	५८	९	२१	३२	४३	५४	०५	१६
	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०
	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९
६ तुला	२८	३९	५०	१	१२	२३	३५	४६	५७	९	२०	३२	४३	५५	६	१८	२९	४१	५२	०४	१५	२७	३८	४९	१	१२	२४	३५	४७	५८
	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	२८	५६	२४	४२	२०	४८	१६	४४	१२	४०	०८	३६	०४	३२	००	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४
	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५
७ वृश्चिक	१०	२१	३३	४४	५६	७	१९	३०	४१	५३	०४	१५	२७	३८	४९	०१	१२	२४	३५	४६	५८	१०	२१	३३	४४	५५	७	१८	३०	४१
	१२	४०	०८	३६	०४	३२	००	२२	४४	०६	२८	५०	१२	३४	५६	१८	४०	०२	२४	४६	०८	३०	५२	१४	३६	५८	२०	४२	४	२६
	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०
८ धनु	५२	४	१५	२६	३८	४९	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४१	५१	०१	११	२१	३१	४१	५१	०१	११	२२	३२	४२	५२
	४८	१०	३२	५४	१६	३८	००	०६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	००	०६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	०६	१२	१८
	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५
९ मकर	२	१२	२२	३२	४२	५२	०३	११	१९	२८	३६	४५	५३	२	१०	१९	२७	३६	४४	५३	०१	१०	१८	२६	३५	४३	५२	००	०९	१७
	२४	३०	३६	४२	४८	५४	००	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४	१२	४०	०८	३६	०४	३२	००	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४
	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९
१० कुम्भ	२६	३४	४३	५१	००	०८	१७	२४	३१	३९	४६	५४	०१	०९	१६	२३	३१	३८	४६	५३	०१	०८	१५	२३	३०	३८	४५	५३	००	०७
	१२	४०	०८	३६	०४	३२	००	२६	५२	१८	४४	१०	३६	०२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	०४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	०६	३२	५८
	५९	५९	५९	५९	५९	५९	००	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२
११ मीन	१५	२२	३०	३७	४५	५२	००	७	१४	२२	२९	३७	४४	५२	५९	०६	१४	२१	२९	३६	४४	५१	५८	०६	१३	२१	२८	३६	४३	५०
	२४	५०	१६	४२	०८	३४	००	२६	५२	१८	४४	१०	३६	०२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	०४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	०६	३२	५८

✵ लग्नसारिणी ✵

अक्षांश २७° । ००", पलभा ६ । ६ । ५२, अयनांश २४° । ०५

स्वोदयपल (२१७, २५०, ३०३, ३४३, ३४८, ३३९)

अयोध्या, अलीगढ़, आगरा, इटावा, उन्नाव, कन्नौज, गोरखपुर, फैजाबाद, आदि स्थानों के लिए-

	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	२ ५३ ३६	३ ० ५०	३ ८ ४	३ १५ १८	३ २२ ३२	३ २९ ४६	३ ३७ ०	३ ४५ २०	३ ५३ ४०	४ २ ०	४ १० २०	४ १८ ४०	४ २७ ०	४ ३५ २०	४ ४३ ४०	४ ५२ ०	५ ० २०	५ ८ ४०	५ १७ ०	५ २५ २०	५ ३३ ४०	५ ४२ ०	५ ५० २०	५ ५८ ४०	६ ७ ०	६ १५ २०	६ २३ ४०	६ ३२ ०	६ ४० २०	६ ४८ ४०
१ वृष	६ ५७ ०	७ ५ २०	७ १३ ४०	७ २२ ०	७ ३० २०	७ ३८ ४०	७ ४७ ०	७ ५७ ६	८ ७ १२	८ १७ १८	८ २७ २४	८ ३७ ३०	८ ४७ ३६	८ ५७ ४२	९ ७ ४८	९ १७ ५४	९ २८ ०	९ ३८ ६	९ ४८ १२	९ ५८ १८	१० ८ २४	१० १८ ३०	१० २८ ३६	१० ३८ ४२	१० ४८ ४८	१० ५८ ५४	११ ९ ०	११ १९ ६	११ २९ १२	११ ३९ १८
२ मिथुन	११ ४९ २४	११ ५९ ३०	१२ ९ ३६	१२ १९ ४२	१२ २९ ४८	१२ ३९ ५४	१२ ५० ०	१३ १ २६	१३ १२ ५२	१३ २४ १८	१३ ३५ ४४	१३ ४७ १०	१३ ५८ ३६	१४ १० २	१४ २१ २८	१४ ३२ ५४	१४ ४४ २०	१४ ५५ ४६	१५ ७ १२	१५ १८ ३८	१५ ३० ४	१५ ४१ ३०	१५ ५२ ५६	१६ ४ २२	१६ १५ ४८	१६ २७ १४	१६ ३८ ४०	१६ ५० ६	१७ १ ३२	१७ १२ ५८
३ कर्क	१७ २४ २४	१७ ३५ ५०	१७ ४७ १६	१७ ५८ ४२	१८ १० ८	१८ २१ ३४	१८ ३३ ०	१८ ४४ ३६	१८ ५६ १२	१९ ७ ४८	१९ १९ २४	१९ ३१ ०	१९ ४२ ३६	१९ ५४ १२	२० ५ ४८	२० १७ २४	२० २९ ०	२० ४० ३६	२० ५२ १२	२१ ३ ४८	२१ १५ २४	२१ २७ ०	२१ ३८ ३६	२१ ५० १२	२२ १ ४८	२२ १३ २४	२२ २५ ०	२२ ३६ ३६	२२ ४८ १२	२२ ५९ ४८
४ सिंह	२३ ११ २४	२३ २३ ०	२३ ३४ ३६	२३ ४६ १२	२३ ५७ ४८	२४ ९ २४	२४ २१ ०	२४ ३२ १८	२४ ४३ ३६	२४ ५४ ५४	२५ ६ १२	२५ १७ ३०	२५ २८ ४८	२५ ४० ६	२५ ५१ २४	२६ २ ४२	२६ १४ ०	२६ २५ १८	२६ ३६ ३६	२६ ४७ ५४	२६ ५९ १२	२७ १० ३०	२७ २१ ४८	२७ ३३ ६	२७ ४४ २४	२७ ५५ ४२	२८ ७ ०	२८ १८ १८	२८ २९ ३६	२८ ४० ५४
५ कन्या	२८ ५२ १२	२९ ३ ३०	२९ १४ ४८	२९ २६ ६	२९ ३७ २४	२९ ४८ ४२	३० ० ०	३० ११ १८	३० २२ ३६	३० ३३ ५४	३० ४५ १२	३० ५६ ३०	३१ ७ ४८	३१ १९ ६	३१ ३० २४	३१ ४१ ४२	३१ ५३ ०	३२ ४ १८	३२ १५ ३६	३२ २६ ५४	३२ ३८ १२	३२ ४९ ३०	३३ ० ४८	३३ १२ ६	३३ २३ २४	३३ ३४ ४२	३३ ४६ ०	३३ ५७ १८	३४ ८ ३६	३४ १९ ५४
६ तुला	३४ ३१ १२	३४ ४२ ३०	३४ ५३ ४८	३५ ५ ६	३५ १६ २४	३५ २७ ४२	३५ ३९ ०	३५ ५० ३६	३६ २ १२	३६ १३ ४८	३६ २५ २४	३६ ३७ ०	३६ ४८ ३६	३७ ० १२	३७ ११ ४८	३७ २३ २४	३७ ३५ ०	३७ ४६ ३६	३७ ५८ १२	३८ ९ ४८	३८ २१ २४	३८ ३३ ०	३८ ४४ ३६	३८ ५६ १२	३९ ७ ४८	३९ १९ २४	३९ ३१ ०	३९ ४२ ३६	३९ ५४ १२	४० ५ ४८
७ वृश्चिक	४० १७ २४	४० २९ ०	४० ४० ३६	४० ५२ १२	४१ ३ ४८	४१ १५ २४	४१ २७ ०	४१ ३८ २६	४१ ४९ ५२	४२ १ १८	४२ १२ ४४	४२ २४ १०	४२ ३५ ३६	४२ ४७ २	४२ ५८ २८	४३ ९ ५४	४३ २१ २०	४३ ३२ ४६	४३ ४४ १२	४३ ५५ ३८	४४ ७ ४	४४ १८ ३०	४४ २९ ५६	४४ ४१ २२	४४ ५२ ४८	४५ ४ १४	४५ १५ ४०	४५ २७ ६	४५ ३८ ३२	४५ ४९ ५८
८ धनु	४६ १ २४	४६ १२ ५०	४६ २४ १६	४६ ३५ ४२	४६ ४७ ८	४६ ५८ ३४	४७ १० ०	४७ २० ६	४७ ३० १२	४७ ४० १८	४७ ५० २४	४८ ० ३०	४८ १० ३६	४८ २० ४२	४८ ३० ४८	४८ ४० ५४	४८ ५१ ०	४९ १ ६	४९ ११ १२	४९ २१ १८	४९ ३१ २४	४९ ४१ ३०	४९ ५१ ३६	५० १ ४२	५० ११ ४८	५० २१ ५४	५० ३२ ०	५० ४२ ६	५० ५२ १२	५१ २ १८
९ मकर	५१ १२ २४	५१ २२ ३०	५१ ३२ ३६	५१ ४२ ४२	५१ ५२ ४८	५२ २ ५४	५२ १३ ०	५२ २१ २०	५२ २९ ४०	५२ ३८ ०	५२ ४६ २०	५२ ५४ ४०	५३ ३ ०	५३ ११ २०	५३ १९ ४०	५३ २८ ०	५३ ३६ २०	५३ ४४ ४०	५३ ५३ ०	५४ १ २०	५४ ९ ४०	५४ १८ ०	५४ २६ २०	५४ ३४ ४०	५४ ४३ ०	५४ ५१ २०	५४ ५९ ४०	५५ ८ ०	५५ १६ २०	५५ २४ ४०
१० कुम्भ	५५ ३३ ०	५५ ४१ २०	५५ ४९ ४०	५५ ५८ ०	५६ ६ २०	५६ १४ ४०	५६ २३ ०	५६ ३० १४	५६ ३७ २८	५६ ४४ ४२	५६ ५१ ५६	५६ ५९ १०	५७ ६ २४	५७ १३ ३८	५७ २० ५२	५७ २८ ६	५७ ३५ २०	५७ ४२ ३४	५७ ४९ ४८	५७ ५७ २	५८ ४ १६	५८ ११ ३०	५८ १८ ४४	५८ २५ ५८	५८ ३३ १२	५८ ४० २६	५८ ४७ ४०	५८ ५४ ५४	५९ २ ८	५९ ९ २२
११ मीन	५९ १६ ३६	५९ २३ ५०	५९ ३१ ४	५९ ३८ १८	५९ ४५ ३२	५९ ५२ ४६	० ० ०	० ७ १४	० १४ २८	० २१ ४२	० २८ ५६	० ३६ १०	० ४३ २४	० ५० ३८	० ५७ ५२	१ ५ ६	१ १२ २०	१ १९ ३४	१ २६ ४८	१ ३४ २	१ ४१ १६	१ ४८ ३०	१ ५५ ४४	२ २ ५८	२ १० १२	२ १७ २६	२ २४ ४०	२ ३१ ५४	२ ३९ ८	२ ४६ २२

✵ लग्नसारिणी ✵

अक्षांश २८° । ३९", पलभा ६ । ३३ । ६, अयनांश २४° । ०५ स्वोदयपल (२१३, २४७, ३००, ३४४, ३५१, ३४५)
दिल्ली, गाजियाबाद, टनकपुर, नैनीताल, मुजफ्फरनगर, मेरठ, गुड़गाँव, रोहतक, मुक्तिनाथ आदि स्थानों के लिए-

	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६
	५०	५७	४	११	१८	२५	३३	४१	४९	५७	५	१४	२२	३०	३८	४७	५५	०३	११	२०	२८	३६	४४	५२	१	९	१७	२५	३४	४२
	२४	३०	३६	४२	४८	५४	००	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	०६	२०	३४	४८	०२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	०८	२२
१ वृष	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११
	५०	५८	७	१५	२३	३१	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०
	३६	५०	४	१८	३२	४६	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००
२ मिथुन	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७
	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५१	२	१४	२५	३७	४८	०	११	२३	३४	४६	५७	०९	२०	३२	४३	५४	०६	१७	२९	४०	५२	०३
	००	००	००	००	००	००	००	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४	१२	४०	०८	३६	०४	३२	००	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४
३ कर्क	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२
	१५	२६	३८	४९	१	१२	२४	३५	४७	५९	१०	२२	३४	४५	५७	०९	२१	३२	४४	५६	०७	१९	३१	४२	५४	०६	१८	२९	४१	५३
	१२	४०	०८	३६	४	३२	००	४२	२४	०६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	००	४२	२४	०६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	००	४२	२४	०६
४ सिंह	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
	०४	१६	२८	३९	५१	३	१५	२६	३८	४९	०१	१२	२४	३५	४७	५८	१०	२१	३३	४४	५६	०७	१९	३०	४२	५३	०५	१६	२८	३९
	४८	३०	१२	५४	३६	१८	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०
५ कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४
	५१	०२	१४	२५	३७	४८	००	११	२३	३४	४६	५७	०९	२०	३२	४३	५५	०६	१८	२९	४१	५२	०४	१५	२७	३८	५०	०१	१३	२४
	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०
६ तुला	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०
	३६	४७	५९	१०	२२	३३	४५	५६	८	२०	३१	४३	५५	०६	१८	३०	४२	५३	०५	१७	२८	४०	५२	०३	१५	२७	३९	५०	०२	१४
	००	३०	००	३०	००	३०	००	४२	२४	०६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	००	४२	२४	०६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	००	४२	२४	०६
७ वृश्चिक	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५
	२५	३७	४९	००	१२	२४	३६	४७	५८	१०	२१	३३	४४	५६	०७	१९'	३०	४२	५३	०५	१६	२८	३९	५०	२	१३	२५	३६	४८	५९
	४८	३०	१२	५४	३६	१८	००	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४	१२	४०	०८	३६	०४	३२	००	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४
८ धनु	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१
	११	२२	३४	४५	५७	०८	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०
	१२	४०	८	३६	४	३२	००	००	०	०	०	०	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००
९ मकर	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५
	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	२८	३६	४४	५२	०१	९	१७	२५	३४	४२	५०	५८	०७	१५	२३	३१	३९	४८	५६	४	१२	२१	२९
	००	००	००	००	००	००	००	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	०६	२०	३४	४८	०२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	०८	२२
१० कुम्भ	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९
	३७	४५	५४	०२	१०	१८	२७	३४	४१	४८	५५	०२	०९	१६	२३	३०	३८	४५	५२	५९	०६	१३	२०	२७	३४	४१	४९	५६	०३	१०
	३६	५०	०४	१८	३२	४६	००	०६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	००	०६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	००	०६	१२	१८
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२
	१७	२४	३१	३८	४५	५२	०	७	१४	२१	२८	३५	४२	४९	५६	३	११	१८	२५	३२	३९	४६	५३	००	०७	१४	२२	२९	३६	४३
	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	०६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	००	०६	१२	१८

✱ लग्नसारिणी ✱

अक्षांश ३०° । ००" पलभा ६ । ५५ । ४२, अयनांश २४° । ०५ स्वोदयपल (२१०, २४४, २९९, ३४५, ३५४, ३४८)

अल्मोड़ा, सहारनपुर, हरिद्वार, पटियाला, फाजिल्का, भटिण्डा, शाहबाद, मुल्तान आदि स्थानों के लिए-

	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६
	४८	५५	०२	९	१६	२३	३०	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३५	४३	५१	५९	७	१५	२३	३२	४०	४८	५६	०४	१२	२०	२८	३७
	०	०	०	०	०	०	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	०४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	००	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	०४
१ वृष	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११
	४५	५३	१	०९	१७	२५	३४	४३	५३	३	१३	२३	३३	४३	५३	३	१३	२३	३३	४३	५३	०३	१३	२३	३३	४३	५३	३	१३	२३
	१२	२०	२८	३६	४४	५२	००	५८	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४
२ मिथुन	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६
	३३	४३	५३	०३	१३	२३	३३	४४	५६	०७	१९	३०	४२	५३	५	१६	२८	३९	५१	०२	१४	२५	३७	४८	००	११	२३	३४	४६	५७
	१२	१०	०८	०६	०४	०२	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०
३ कर्क	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२
	०९	२०	३२	४३	५५	०६	१८	२९	४१	५३	०५	१७	२८	४०	५२	०४	१६	२७	३९	५१	३	१५	२६	३८	५०	०२	१४	२५	३७	४९
	००	३०	००	३०	००	३०	००	४८	३६	२४	१२	००	४८	३६	२४	१२	००	४८	३६	२४	१२	००	४८	३६	२४	१२	००	४८	३६	२४
४ सिंह	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
	१	१३	२४	३६	४८	००	१२	२३	३५	४६	५८	१०	२१	३३	४४	५६	८	१९	३१	४२	५४	०६	१७	२८	४०	५२	०४	१५	२७	३८
	१२	००	४८	३६	२४	१२	००	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	००	३६	१२	४८	२४	००	३६	१२	४८	२४	००	३६	१२	४८
५ कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४
	५०	०२	१३	२५	३६	४८	००	११	२३	३४	४६	५८	०९	२१	३२	४४	५६	०७	१९	३०	४२	५४	५	१७	२८	४०	५२	३	१५	२६
	२४	००	३६	१२	४८	२४	००	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	००	३६	१२	४८	२४	००	३६	१२	४८	२४	००	३६	१२	४८
६ तुला	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०
	३८	५०	१	१३	२४	३६	४८	५९	११	२३	३५	४७	५८	१०	२२	३४	४६	५७	०९	२१	३३	४५	५६	०८	२०	३२	४४	५५	०७	१९
	२४	००	३६	१२	४८	२४	००	४८	३६	२४	१२	००	४८	३६	२४	१२	००	४८	३६	२४	१२	००	४८	३६	२४	१२	००	४८	३६	२४
७ वृश्चिक	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६
	३१	४३	५४	०६	१८	३०	४२	५३	०५	१६	२८	३९	५१	०२	१४	२५	३७	४८	००	११	२३	३४	४६	५७	९	२०	३२	४३	५५	६
	१२	००	४८	३६	२४	१२	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०
८ धनु	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१
	१८	२९	४१	५२	०४	१५	२७	३६	४६	५६	०६	१६	२६	३६	४६	५६	०६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६
	००	३०	००	३०	००	३०	००	५८	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४
९ मकर	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५
	२६	३६	४६	५६	०६	१६	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३१	३९	४७	५५	३	११	१९	२८	३६	४४	५२	००	८	१६	२४	३३
	१२	१०	०८	०६	०४	०२	००	०८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	०४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	००	०८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४
१० कुम्भ	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९
	४१	४९	५७	५	१३	२१	३०	३७	४४	५१	५८	०५	१२	१९	२६	३३	४०	४७	५४	१	०८	१५	२२	२९	३६	४३	५०	५७	४	११
	१२	२०	२८	३६	४४	५२	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२
	१८	२५	३२	३९	४६	५३	०	७	१४	२१	२८	३५	४२	४९	५६	३	१०	१७	२४	३१	३८	४५	५२	५९	०६	१३	२०	२७	३४	४१
	००	००	००	००	००	००	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

✻ लग्नसारिणी ✻

अक्षांश ३१° । ००", पलभा ७/१२/३९, अयनांश २४° । ०५
सोलन, फिरोजपुर, उत्तरकाशी, लुधियाना, फरीदकोट, रोपड़, शिमला आदि स्थानों के लिए-

स्वोदयपल (२०७, २४१, २९८, ३४६, ३५७, ३५१)

	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६
	४५	५२	५९	६	१३	२०	२७	३५	४३	५१	५९	७	१५	२३	३१	३९	४७	५५	३	११	१९	२७	३५	४३	५१	५९	७	१५	२३	३१
	३६	३०	३४	२८	२२	१६	१०	१२	१४	१६	१८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२	३४	३६	३८	४०	४२	४४	४६	४८	५०	५२	५४	५६
१ वृष	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११
	३९	४८	५६	०४	१२	२०	२८	३८	४८	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२६	३६	४६	५६	०६	१६
	५८	००	०२	०४	०६	०८	१०	०६	०२	५८	५४	५०	४६	४२	३८	३४	३०	२६	२२	१८	१४	१०	६	०२	५८	५४	५०	४६	४२	३८
२ मिथुन	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६
	२६	३६	४६	५६	०६	१६	२६	३७	४९	००	१२	२३	३५	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१९	३०	४२	५३	५	१६	२८	३९	९९
	३४	३०	२६	२२	१८	१४	१०	४२	१४	४६	१८	४०	१२	४४	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	००	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	१६
३ कर्क	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२
	०२	१४	२५	३७	४८	००	१२	२३	३५	४७	५९	११	२३	३५	४७	५१	११	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२१	३३	४५
	४८	२०	५२	२४	५६	२८	००	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	०६	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	०६	०	५४	४८	४२
४ सिंह	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
	५७	९	२१	३३	४५	५७	०९	२०	३२	४४	५५	०७	१९	३०	४२	५४	०६	१७	२९	४१	५२	०४	१६	२७	३९	५१	०३	१४	२६	३८
	३६	३०	२४	१८	१२	०६	००	४२	२४	०६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	००	४२	२४	०६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	००	४२	२४	०६
५ कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४
	४९	१	१३	२४	३६	४८	००	११	२३	३५	४६	५८	१०	२१	३३	४५	५७	८	२०	३२	४३	५५	०७	१८	३०	४२	५४	०५	१७	२९
	४८	३०	१२	५४	३६	१८	००	४२	२४	०६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	००	४२	२४	०६	४८	३०	१२	५४	२३	१८	००	४२	२४	०६
६ तुला	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०
	४०	५२	०४	१५	२७	३९	५१	२	१४	२६	३८	५०	२	१४	२६	३८	५०	१	१३	२५	३७	४९	१	१३	२५	३७	४९	००	१२	२४
	४८	३०	१२	५४	३६	१८	००	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	०६	००	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	०६	००	५४	४८	४२
७ वृश्चिक	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६
	३६	४८	००	१२	२४	३६	४८	५९	११	२२	३४	४५	५७	८	२०	३१	४३	५४	६	१७	२९	४१	५२	४	१५	२७	३८	५०	०१	१३
	३६	३०	२४	१८	१२	०६	००	३२	०४	३६	०८	४०	१२	४४	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	००	३२	४	३६	०८	४०	१२	४४	१६
८ धनु	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१
	२४	३६	४७	५९	१०	२२	३४	४३	५३	३	१३	२३	३३	४३	५३	०३	१३	२३	३३	४३	५३	०३	१२	२२	३२	४२	५२	०२	१२	२२
	४८	२०	५२	२४	५६	२८	००	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	१६	१२	०८	०४	००	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८
९ मकर	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५
	३२	४२	५२	०२	१२	२२	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	०४	१२	२०	२८	३६
	२४	२०	१६	१२	०८	०४	००	०२	०४	०६	०८	१०	१२	१४	१६	१८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२	३४	३६	३८	४०	४२	४४	४६
१० कुम्भ	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९
	४४	५२	००	०८	१६	२४	३३	३९	४६	५३	००	०७	१४	२१	२८	३५	४२	४८	५५	०२	९	१६	२३	३०	३६	४३	५०	५७	४	११
	४८	५०	५२	५४	५६	५८	००	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	०६	००	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	०६	००	५४	४८	४२
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२
	१८	२५	३२	३९	४६	५३	०	६	१३	२०	२७	३४	४१	४८	५५	०२	०९	१५	२२	२९	३६	४३	५०	५७	०४	११	१८	२४	३१	३८
	३६	३०	२४	१८	१२	०६	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	०६	००	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	०६	००	५४	४८	४२

* दशम-लग्न-सारिणी *

विशेष : दशम लग्न निकालने के लिए अभीष्ट अक्षांश से सम्बन्धित लग्न-सारिणी से सूर्य के राशि अंश का फल लेकर इष्टकाल जोड़ना चाहिए। जुड़े हुए फल में से १५ घटी घटा कर शेष फल को दशम लग्न सारिणी में बाईं ओर राशि एवं ऊपर अंश देखकर उसके तुल्य दशम लग्न होगा। सूक्ष्म फल हेतु अनुपात द्वारा कला विकला का आनयन करना चाहिए।

	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८
	४०	४९	५८	८	१७	२६	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	४५	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४
	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	१०	८	६	४	२	०	५८	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८
१ वृष	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३
	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	५	१६	२७	३७	४८	५९	१०	२०	३१	४२	५३	३	१४	२५	३५	४६	५७	८	१८	२९	४०
	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०
२ मिथुन	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८
	५१	१	१२	२३	३४	४४	५५	६	१६	२७	३८	४९	५९	१०	२१	३२	४२	५३	४	१५	२५	३६	४७	५७	८	१९	३०	४०	५१	२
	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०
३ कर्क	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२४
	१३	२३	३४	४५	५६	६	१७	२८	३८	४८	५८	८	१८	२८	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७
	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	१०	८	६	४	२	०	५८	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८
४ सिंह	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	२८
	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३६	४५	५५	४	१३	२२	३१	४०	४९	५९	८	१७	२७	३६	४५	५५	४	१३	२२	३२	४१	५०
	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८
५ कन्या	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३
	०	९	१८	२८	३७	४६	५५	५	१५	२४	३४	४३	५२	२	११	२०	२९	३९	४८	५७	७	१६	२५	३५	४४	५३	२	१२	२१	३०
	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८
६ तुला	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८
	४०	४९	५८	८	१७	२६	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	४५	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४
	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	१०	८	६	४	२	०	५८	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८
७ वृश्चिक	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३
	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	५	१६	२७	३७	४८	५९	१०	२०	३१	४२	५३	३	१४	२५	३५	४६	५७	८	१८	२९	४०
	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०
८ धनु	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९
	५१	१	१२	२३	३४	४४	५५	६	१६	२७	३८	४९	५९	१०	२१	३२	४२	५३	४	१५	२५	३६	४७	५७	८	१९	३०	४०	५१	२
	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०
९ मकर	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४
	१३	२३	३४	४५	५६	६	१७	२८	३८	४८	५८	८	१८	२८	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७
	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	१०	८	६	४	२	०	५८	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	५२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८
१० कुम्भ	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८
	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३६	४५	५५	४	१३	२३	३२	४१	५०	०	९	१८	२८	३७	४६	५६	५५	१४	२३	३३	४२	५१
	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३
	१	१०	१९	२९	३८	४७	५६	६	१५	२४	३४	४३	५२	२	११	२०	२९	३९	४८	५७	७	१६	२५	३५	४४	५३	२	१२	२१	३०
	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८

नैसर्गिक ग्रह-मैत्री चक्र

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु
मित्र	चं. मं. गु.	सू. बु.	सू. चं. गु.	सू. शु.	सू. चं. मं.	बु. श.	बु. शु.	बु. शु. श.
शत्रु	शु. श.	रा.	बु.	चं.	बु. शु.	सू. चं.	सू.चं.मं.	सू.चं.मं
सम	बु.	मं. गु. श.	शु. श.	मं. गु. श.	श.	मं. गु.	गु.	गु.

तात्कालिक-मैत्री

ग्रह स्थान से २, ३, ४, १०, ११, १२ स्थान में स्थित ग्रह मित्र तथा ग्रह स्थान से १, ५, ६, ७, ८, ९ स्थान में स्थित ग्रह शत्रु होते हैं।

नक्षत्रों की अन्धाक्ष-मन्दाक्ष-सुलोचनादि संज्ञा

अन्धाक्ष	रो., पु., उ.फा., वि., पू.षा., ध., रे.,	पूर्व	शीघ्र लाभ
मन्दाक्ष	मृ., आश्ले., ह., अनु., उ.षा., शत., अश्वि.,	दक्षिण	प्रयत्न से लाभ
मध्याक्ष	आ., म., चि., ज्ये., अभि., पू.भा., भ.	पश्चिम	दूरश्रवण, लाभ नहीं
सुलोचन	पुन., पू.फा., स्वा., मू., श्रव., उ.भा., कृ.	उत्तर	न श्रवण न लाभ

तिथि-वार-नक्षत्रदिवस सिद्ध्यादि योगचक्र

वार	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सिद्धि योग	३।८।१३	१।६।११	३।८।१३	२।७।१२	५।१०।१५	१।६।११	४।९।१४
अमृत योग	५।१०।१५	५।१०।१५	२।७।१२	१।६।११	३।८।१३	४।९।१४	१।६।११
सर्वार्थ सिद्धि योग	अश्वि.पुष्य हस्त, मूल उ.फा.,उ.षा. उ.भा.	रो.मृ.पुष्य श्रवण अनु.	अश्वि. उ.भा. कृ., आश्ले.	रो.मृ. ह. अनु.	अश्वि. पुष्य पुन.अनु.रे.	अश्वि. पुन.अनु. श्रव.रे.	रो.स्वा. श्रवण
मृत्यु योग	१।६।११	२।७।१२	१।६।११	३।८।१३	४।९।१४	२।७।१२	५।१०।१५
राज्यप्रद योग	X	X	४।९।१४	X	X	X	४।९।१४

शिव-वास

वर्तमान तिथि को दो से गुणा करके पाँच जोड़ने पर जो प्राप्त हो, उसको सात से भाग देने पर एक शेष रहने पर कैलाश में श्रेष्ठ, दो से गौरी पार्श्व में श्रेष्ठ, तीन से वृषोपरि श्रेष्ठ, चार से सभा में सामान्य, पाँच से ज्ञानलेवा में श्रेष्ठ, छः से क्रीड़ा में नेष्ट तथा शून्य से श्मशान में मृत्युकारक है।

विविध-मुहूर्त्तों का विचार

गर्भाधान के मुहूर्त्त का विचार- रजोदर्शन प्रारम्भ से ४ रात्रि उपरान्त सम-रात्रियों में रो०, ह०, स्वा०, मृ०, अनु०, श्र०, ध०, शतभिषा तीनों उत्तरा इन नक्षत्रों में मेष, कर्क, सिंह, तुला, धनु, मकर इन लग्नों में तथा लग्न से ३-६-११वें स्थानों पर पाप ग्रह हो रवि, मंगल और गुरु की लग्न पर दृष्टि, नवांश विषम राशि का हो, (स्त्री को विशेष रूप से चन्द्र श्रेष्ठ हो) ऐसे समय का विचार कर गर्भाधान संस्कार करें। (पुन०, अश्वि०, पुष्य, चित्रा) इन नक्षत्रों में गर्भाधान मध्यम है।

गर्भाधान-मुहूर्त्त-चक्र

रो०, हस्त, स्वाती, मृग०, अनु०, श्र०, ध०, शत०, तीनों उत्तरा	श्रेष्ठ नक्षत्र
पुनर्वसु, अश्विनी, पुष्य, चित्रा	मध्यम नक्षत्र
१-४-५-७-९-१०	लग्न
लग्न से ३-६-११वें पापग्रह हों	
१-३-५-७-९-११	नवांश
रजोदर्शन से ६-८-१०-१२-१४-१६वीं	रात्रियाँ

पुंसवन तथा सीमन्त मुहूर्त्त विचार- गर्भ के तृतीय मास में रवि, मंगल, गुरुवार को दम्पति के श्रेष्ठ चन्द्र में, तारा शुद्धि में, रो०, मृग०, पुष्य, पुन०, हस्त, मू०, श्रवण, ३ उत्तरा नक्षत्रों में जन्म को त्याग कर, शुक्ल पक्ष १-२-३-५-७-१०-११, १३ तथा कृष्ण पक्ष की में दशमी पर्यन्त तिथियों में दिन में पूर्व भाग में पुरूष संज्ञक नवमांश लग्न में होने पर तथा लग्न से १-४-५-७-९-१० स्थानों पर शुभ ग्रह तथा ३-६-११वें स्थानों पर पापग्रहों की स्थिति में एवं चन्द्र की १-६-८-१२वें स्थिति न होने पर पुंसवन व सीमन्त संस्कार शुभ हैं इस संस्कार में गुरु शुक्रास्त अविचारणीय है। (गर्भ से) ६-८ मासों में मासाधिपति बली होने पर शुभ है।

पुंसवन तथा सीमन्त मुहूर्त्त चक्र

गर्भ से तृतीय मास में तथा मासाधिपति बली होने पर ६, ८ मासों में	मास
शुक्ल पक्ष की १-२-३-५-७-१०-११ -१३, कृष्ण पक्ष की १ से १०	तिथि
(जन्म नक्षत्र को छोड़कर) रो०, मृग०, पुष्य, पुन०, हस्त, मूल, श्रवण तीनों उत्तरा	नक्षत्र
१-३-५-७-११	लग्न
रवि, मंगल, गुरु मतान्तर से सोम, बुध, शुक्र	वार

स्तनपान कराने का मुहूर्त्त- जन्म के पाँचवें दिन अथवा भद्रा, व्यतिपात, वैधृति ४-९-१४ तिथि को छोड़कर शुभ तिथि को सोम, बुध, गुरु, शुक्र वारों में पुन०, पुष्य, मृ०, म०, श्र०, रे० नक्षत्रों में बालक को प्रथम बार स्तनपान शुभ है।

स्तनपान मुहूर्त्त चक्र

२-३-५-८-१०-११-१३-१५	तिथि
सोम, बुध, गुरु, शुक्र	वार
पुन०, पुष्य, मृ०, म०, श्र०, रे०	नक्षत्र
भद्रा, व्यतिपात, वैधृति, रिक्ता तिथि	त्याज्य

जलपूजन करने का मुहूर्त्त- जन्म के अनन्तर प्रथम मास की समाप्ति पर बुध, गुरु, चन्द्र वारों में ४-९-१४-३० तिथियों को छोड़कर अन्य तिथियों में मृ०, पुन०, पुष्य, हस्त, अनु०, मूल, श्रवण नक्षत्रों में प्रसूता स्त्री द्वारा जलपूजन करना (कुंआ-पूजना) श्रेष्ठ है।

चैत्र, पौष, अधिमास, गुरु-शुक्रास्त का विचार १ मास के बाद ही करें।

जल पूजन करने के लिए मुहूर्त्त-चक्र

१-२-३-५-६-८-१०-११-१२-१३-१	तिथि
बुध, गुरु, सोम	वार
मृग०, पुन०, पुष्य, हस्त, अनु०, मूल, श्रवण	नक्षत्र
प्रथममासोपरान्तचैत्र, पौष अधिक-मास, गु-शुक्रास्त, रिक्ता व अमा० तिथि	त्याज्य

जातकर्म और नामकरण संस्कार मुहूर्त्त-

जातकर्म अर्थात् शिशु के जन्म होने के बाद का कार्य नाल छेदन से पूर्व करना उचित है। नामकरण सूतक निवृत्ति के उपरान्त ब्राह्मण ११वें दिन, क्षत्रिय १३वें दिन, शूद्र २१वें दिन कुल की परम्परा के अनुसार करें। दस दिन से पूर्व कदापि शुद्धि के अभाव के कारण नामकरण संस्कार न करें। सूतक समाप्ति पर ११वें या १२वें दिन नाम संस्कार बिना मुहूर्त्त विचार कर लें। १२ दिन के बाद भद्रा, व्यतिपात, वैधृति, संक्रान्ति रहित दिनों में रिक्ता १-२-३-५-६-७-१०-११-१२-१३ इन तिथियों में शुभ वार, अश्वि०, रो०, मृ०, पुन०, पुष्य, हस्त, चि०, स्वा०, अनु०, तीनों उत्तरा, अभि०, श्र०, ध०, श०, रे०, नक्षत्रों में लग्न नवांश बल का विचार कर नामकरण करें।

नामकरण संस्कार मुहूर्त्त चक्र

१-२-३-५-६-७-८-१०-११-१२-१३	तिथि
सोम, बुध, गुरु, शुक्र	वार
अश्वि०, रो०, मृ०, पुन०, पुष्य, ह०, चि०, स्वा०, अनु०, ३ उत्तरा, अभि०, श्रव०, धनि०, शत, रेवती	नक्षत्र
जन्म से १० दिन, भद्रा, व्यतिपात, वैधृति, संक्रान्ति रहित दिन, पर्व व रिक्ता तिथि।	त्याज्य

निष्क्रमण मुहूर्त्त अर्थात् बालक के प्रथम बार घर से निकलने का मुहूर्त्त-

जन्म से बारहवें दिन बिना मुहूर्त्त विचार के बालक का निष्क्रमण कर, सूर्य नक्षत्रों का पूजन करके सूर्य नक्षत्र व देवताओं का दर्शन करावें। यदि बारहवें दिन यह न हो पावें तब जन्म से ३ मास में मंगल शनि वर्जित वारों व रिक्ता, विष्टि, अमा० आदि अशुभ योग से भिन्न शुभ दिन में अश्वि०, रो०, पुन०, पुष्य, हस्त, अनुराधा, स्वाति, मूल, श्रवण, धनिष्ठा नक्षत्रों में प्रथम निष्क्रमण शुभ है।

बालक के प्रथम बार घर से निष्क्रमण के लिए मुहूर्त्त चक्र

तिथि	१-२-३-५-६-७-८-१०-११-१२-१३
वार	रवि, सोम, बुध, गुरु, शुक्र
नक्षत्र	अश्वि०, रो०, पुन०, पुष्य, हस्त, अनु० स्वा०, मूल, श्र०, धनि०
त्याज्य	मंगल, शनिवार, रिक्ता, अमा०, विष्टि, अशुभ योग

भूमि पर प्रथमोपवेश का विचार- जन्म से पंचम मास में रिक्ता, अमा०, रहित तिथि, शुभवार, अश्वि०, रो०, मृ०, पुष्य, हस्त, अनु०, ज्येष्ठा, अभि०, ३ उत्तरा नक्षत्रों में स्थिर लग्न का विचार कर बालक की कमर में काला सूत्र बांधकर पृथवी और वराह का पूजन कर 'पृथ्वी' पर बैठावें। इस समय बालक के सामने विविध वस्तुएँ रखें आजीविका की जिस वस्तु को वह उठावे उसी से आजीविका समझनी चाहिए।

भूमि पर पहली बार बैठाने के लिए मुहूर्त्त चक्र

तिथि	पंचममास में १-२-३-५-६-७-८-१० ११-१२-१३-१५

वार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र
नक्षत्र	अश्वि०, रो०, मृ०, पुष्य, हस्त, अनु०, ज्ये०, ३ उत्तरा
लग्न	२-५-८-११

अन्नप्राशन कराने का विचार- बालक के नामकरण, निष्क्रमण, भूमि उपवेशन के बाद ६, ८, १०, १२वें मास में पुत्र को और ५, ७, ९, ११वें मास में कन्या को अन्नप्राशन करावें।

विशेष-

उक्त मासों में भद्रा व्यतिपात दोष रहित १, ३, ५, ७, १०, १३, १५ तिथियों में शुभवार अश्वि०, रो०, मृ०, पुन०, पु०, हस्त, चि०, स्वा०, अनु०, श्र०, ध०, शत०, तीनों उत्तरा, रेवती नक्षत्रों में १, ३, ४, ५, ७, ९ स्थानों में शुभ ग्रह हों जन्म-लग्न व जन्म राशि से अष्टम लग्न या नवांश तथा १२, १, ८ लग्न को त्यागकर पाप शुद्ध दशम भाव इन सभी बातों का ध्यान कर अन्नप्राशन कराना श्रेष्ठ है।

अन्नप्राशन कराने के लिए मुहूर्त्त-चक्र

मास	पुत्र को - ६, ८, १०, १२
	कन्या को - ५, ७, ९, ११
तिथि	१, ३, ५, ७, १०, १३, १५
वार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र
नक्षत्र	अश्वि०, रो०, मृ०, पुन०, पु०, हस्त, चि०, स्वा०, अनु०, श्र०, ध०, श०, तीनों उत्तरा, रेवती
लग्न	२, ३, ४, ५, ६, ७, ९, १०, ११
त्याज्य	जन्म लग्न से व जन्म राशि से अष्टम लग्न या नवांश तथा १२, १, ८ लग्न। दशम में पाप ग्रह, भद्राव्यतिपातादि दोष।

कर्ण-वेध करने का विचार- समवर्ष, चैत्र, पौष, जन्ममास, देवशयन, जन्म नक्षत्र व तिथि, क्षयतिथि व रिक्ता को त्यागकर जन्म से १२वें या १६वें दिन अथवा ६, ७, ८वें मास में या विषम वर्षों में शुभवार, अश्वि०, मृ०, पुन०, पुष्य, हस्त, चि०, अनु०, श्र०, धनि०, रे० नक्षत्रों में लग्न से अष्टम शुद्ध समय में वृष, तुला, धनु, मीन, लग्न में तथा गुरु की लग्न में स्थिति होने पर कर्ण-वेध श्रेष्ठ होता है।

कर्णवेध-मुहूर्त्त चक्र

वर्षादि	विषम वर्ष । ६, ७, ८वें मास। जन्म से १२वें या १३वें दिन।
तिथि	१, २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १३, १५
वार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र
नक्षत्र	अश्वि०, मृ०, पुन०, पु०, हस्त, चि०, अनु०, श्र०, धनि०, रे०
लग्न	२, ७, ९, १२
वार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र
त्याज्य	समवर्ष, देवशयन, (आषाढ़ शु० ११) से कार्तिक शु० ११ तक) चैत्र, पौष, जन्ममास-तिथि-नक्षत्र, क्षय तथा रिक्ता तिथि ।

चूडाकर्म (मुण्डन) संस्कार विचार- अपने कुल की परम्परा के अनुसार इष्टदेव या तीर्थ स्थान पर मुण्डन संस्कार और कर्ण वेध किया जा सकता है। यह चौल कर्म विषम वर्ष, उत्तरायण, २, ३, ५, ७, १०, ११, १३ तिथियों में शुभ वारों में अश्वि०, मृ०, पुन०, पुष्य, हस्त, चि०, स्वा०, ज्ये०, श्र०, धनि०, शत०, रे० नक्षत्रों में करना श्रेष्ठ है। अष्टम भाव शुद्ध होना चाहिए। ज्येष्ठ, चैत्र मास में न करें। बालक की माता को ५ मास की गर्भ स्थिति होने पर ५ वर्ष से न्यून अवस्था के शिशु का मुण्डन न करें।

चूडाकर्म संस्कार के मुहूर्त्त के लिए चक्र

वर्ष	विषम । सूर्य उत्तरायण होने पर
तिथि	२, ३, ५, ७, १०, ११, १३
वार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र	अश्वि०, मृग०, पुन०, पुष्य, हस्त, चि०, स्वा०, ज्ये०, श्रव०, धनि०, श०, रे०
त्याज्य	लग्न से अष्टम ग्रह, ज्येष्ठ, चैत्रमास समवर्ष, दक्षिणायन।

कन्या के नाक बिंधवाने का विचार- शुक्ल पक्ष रिक्ता व अमा० रहित तिथि, सोम, बुध, गुरु, शुक्र, अशुभ योग रहित प्रथम प्रहर, अश्वि०, मृ०, पुन०, पुष्य, हस्त, चि०, अनु०, श्र०, धनि०, रे०, ३ उत्तरा, स्वाती, शत०, इन नक्षत्रों में कन्या की नाक बींधना शुभ है।

कन्या नासिकाछेदन-मुहूर्त्त-चक्र

पक्ष	शुक्ल पक्ष
तिथि	१, २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १३, १५
वार	सोम-बुध-गुरु-शुक्र
प्रहर	प्रथम
नक्षत्र	अश्वि०, मृग०, पुन०, हस्त, चि०, स्वा०, अनु०, श्रव०, धनि०, शत०, तीनों उत्तरा, रेवती

अक्षरारम्भ करने का विचार- बालक को विद्यारम्भ से पूर्व अक्षर अंक आदि ज्ञानार्थ अक्षरारम्भ का विचार होता है। सूर्य उत्तरायण हो, जन्म से ५, ७वें वर्ष में। १,२, ३,५, ६, १०, ११,१२ तिथि, शुभवार, अश्वि०, आर्द्रा, पुन०, पुष्य, ह०, चि०, स्वा०, अनु०, श्रव०, रे०, इन नक्षत्रों में चरलग्नों को छोड़कर अन्य लग्नों में गणेश, विष्णु, सरस्वती, लक्ष्मी तथा अपने कुल देवताओं का पूजन कर अक्षरारम्भ मुहूर्त्त करें।

अक्षरारम्भ मुहूर्त्त-चक्र

अयन	उत्तरायण
वर्ष	५वां, ७वां
वार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र
तिथि	२, ३, ५, ६, ८, ९, ११, १२
लग्न	२, ३, ५, ६, ८, ९, ११, १२
नक्षत्र	अश्वि०, आर्द्रा, पुन०, पुष्य, हस्त, चि०, स्वा०, अनु०, श्र०, रेवती।

विद्यारम्भ कराने का विचार- अक्षरारम्भ के उपरान्त विशेष ज्ञान बढ़ाने वाली किसी भी भाषास्थ विद्या (विशेषतः संस्कृत भाषास्थ विद्या) का प्रारम्भ फाल्गुन मास छोड़कर उत्तरायण, २, ३, ५, ६, १०, ११, १२ तिथियों में, रवि बुध, गुरु, शुक्र वारों में और अश्वि०, आश्ले०, मृग०, आर्द्रा, पुन०, पुष्य, हस्त, चि०, स्वा०, अनु०, मूल, श्र०, ध०, श०, तीनों पूर्वा, रेवती इन नक्षत्रों में श्रेष्ठ है। अंग्रेजी, फारसी, उर्दू के विद्यारम्भ के लिए रवि, मंगल, शनिवार, रिक्ता तिथि, ज्ये०, आश्ले०, म०, ३ पूर्वा, भ०, कृ०, वि०, आर्द्रा, उ०षा०, शत०, इन नक्षत्रों में शुभ है।

विद्यारम्भ मुहूर्त्त-चक्र

अयन		उत्तरायण
तिथि		२, ३, ५, ६, १०, ११, १२
संस्कृत व हिंदी विद्यारम्भ त्याज्य		फाल्गुन मास, रिक्तादि तिथि अशुभवार
वार		रवि, बुध, गुरु, शुक्र
नक्षत्र		अश्वि०, रो०, मृ०,
ग्राह्य		आर्द्रा, पुन०, पुष्य०, आ०, ह०, चि०, स्वा०, अनु, मू०, श्र०, ध०, श०, ३ पूर्वा, रे०
अंग्रेजी फारसी उर्दू आदि	वार	रवि, मंगल, शनि
	तिथि	४, ९, १४
	नक्षत्र	ज्ये०, आश्ले०, म०, ३ पूर्वा०, मू०, कृ०, वि०, आर्द्रा, उ० षा०, शत० ।

उपनयन संस्कार के मुहूर्त्त का विचार-

यज्ञोपवीतपरिधान (उपनयन संस्कार) ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य तीनों को करना चाहिए। बालक के जन्म से या गर्भ से ब्राह्मण ८वें, क्षत्रिय ११वें, वैश्य १२वें वर्ष में यज्ञोपवीत संस्कार करे इस काल के व्यतीत हो जाने पर ब्राह्मण १६वें, क्षत्रिय २२वें, वैश्य २४वें वर्ष तक उपनयन करा सकते हैं। बालक (बटुक) का गुरुबल तथा चन्द्रबल विचारें। देवशयन से पूर्व तक उत्तरायण सूर्य में, रवि, चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्रवारों में शुक्ल पक्ष की २, ३, ५, १०, ११, १२ तथा कृष्णपक्ष की २, ३, ५ तिथियों में अश्वि०, रो०, मृ०, आर्द्रा, पुन०, पुष्य, आश्ले०, तीनों पूर्वा, तीनों उत्तरा, हस्त, चि०, स्वा०, अनु०, मूल, श्र०, ध०, शत०, रेवती इन नक्षत्रों के क्रूर तथा वेधरहित होने पर पूर्वाह्न में, अभिजित मुहूर्त्त में यज्ञोपवीत संस्कार करावें।

चैत्र मास, मीन के सूर्य में, वृष या कर्क के पूर्ण चन्द्रमा के लग्न में रहने पर विशेष श्रेष्ठतम होता है।

सामवेदियों को मंगलवार भी श्रेष्ठ है तथा भौमबल विचार भी आवश्यक है। उपनयन संस्कार में दक्षिणायन सूर्य, देवशयन, गुरु, शुक्र का बाल वृद्धास्त, अपराह्न, ज्ये०, शु० २, आषाढ़ शु० १०, पौष शु० ११, माघ शु० १२, संक्रान्ति दिन, रोगबाण, रवि के ८, १७, २६ गतांश, लग्नेश और चन्द्र, शुक्र, गुरु की ६, ८, १२ में स्थिति, १, ५, ८वें भावों में पापग्रह अशुभ है। अतः इन सब का परित्याग कर उपनयन संस्कार करें।

उपनयन मुहूर्त्त-चक्र

वर्ष	ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य (८ या १६) (११ या २२) (१२ या २४)		
अयन	देवशयन से पूर्व उत्तरायण में,		
वार	रवि, चं.०, बुध, गुरु, शुक्र		
पक्ष तिथि	शुक्ल पक्ष की २, ३, ५, १०, ११,१२ कृष्ण पक्ष की २, ३, ५		
नक्षत्र	अश्वि०, रो०, मृग०, आर्द्रा०, पुन०, पुष्य, आश्ले०, तीनों पूर्वा, ३ उत्तरा, ह०, चि०, स्वा०, अनु०, मूल, श्र०, ध०, शत०, रेवती		
गुरु	५, ११, ९ २, ७ श्रेष्ठ	१०, ६ ३, १ पूज्य	४, ८, १२ निन्दित
अन्य ग्राह्य	पूर्वाह्न, अभिजित मुहूर्त्त (सामवेदियों को भौमबल व मंगलवार भी)		
त्याज्य	गुरु, शुक्र का बाल वृद्धास्त, दक्षिणायन, संक्रान्ति दिवस, रोगबाण तथा लग्नेश, चं०, शु०, गु०, की ६, ८, १२वें, पाप ग्रहों की १, ५, ८वें स्थिति।		

विवाह-संस्कार का विचार-

भारतीय मनीषियों ने मानव जीवन को ४ आश्रमों में विभाजि किया है- ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ, और संन्यास। इन चारों आश्रमों में गृहस्थाश्रम का मुख्याधार विवाह है यही संस्कार वस्तुतः धर्मार्थकाममोक्षस्वरूपी चतुर्वर्ग फल प्राप्ति का भी आधार है। इस संस्कार के उपरान्त ही मनुष्य सन्तानोत्पत्ति के साथ देवर्षिपितृ ऋणों से मुक्ति प्राप्त करता है। अतः 'विवाह' संस्कार के समय का निर्णय हमारे महर्षियों ने अतिसूक्ष्मता से किया है। धर्मशास्त्रोक्त अष्टविध विवाहों में विशेष रूप से आजकल गान्धर्व विवाह पद्धति (जिसको कि प्रेम-विवाह कहा जाता है) को अपनाया जा रहा है। 'ब्राह्म विवाह' विधि में मुख्यरूप से वरकन्या की गोत्रादि भिन्नता, मेलापक (नक्षत्र व मंगली आदि का मिलान), जाति का विचार किया जाता है।

स्त्री को मुख्य रूप से धर्म-अर्थ-काम की प्रदात्री मानकर तथा सन्तान सिद्धि का मुख्य साधन समझ कर विवाह के समय का विशेष विचार किया जाता है।

'भार्या त्रिवर्गकरणं शुभशीलयुक्ता
शीलं शुभं भवति लग्नवशेन तस्याः।
तस्माद्विवाहसमयः परिचिन्त्यते हि
तन्निघ्नतामुपगताः सुतशीलधर्माः॥'
"राम दैवज्ञ"

इस विवाह संस्कार को ब्रह्मचर्य के पश्चात् पुरुष २५ वर्षोपरान्त विषम वर्षों में, कन्या १६ वर्ष के अनन्तर समवर्षों में शुभ समय का विचार कर करें। विवाह से पूर्व उसके अंगभूत वरवरण व कन्यावरण का भी विचार कर लें। इन सब विचारों में नामराशि तथा जन्मराशि में से जन्म की राशि का ही ग्रहण करें, क्योंकि-

विवाहे सर्वमांगल्ये यात्रायां ग्रहगोचरे।
जन्मराशेः प्रधानत्वं नामराशिं च चिन्तयेत्॥१॥
कुर्यात् षोडशकर्माणि जन्मराशौ बलान्विते।
सर्वाण्यन्यानि कर्माणि नामराशौ बलान्विते॥२॥

यदि जन्म की राशि अज्ञात हो तो नामराशि में मेलापकादि कार्य किये जा सकते हैं, परन्तु महत्त्व जन्म राशि का ही है।

जन्मलग्नमिदमङ्गमङ्गिनाम् मेनिरे मन इतीन्दुमन्दिरम्।
सौहृदं हि मनसोर्न देहयोः मेलकस्तदयमिन्दुगेहयोः॥
(विवाह वृन्दावनम्)

यदि प्रसिद्ध नामराशि से मेलापक करना हो तो एक बात का विशेष ध्यान रहे कि वर का प्रसिद्ध नाम, कन्या का जन्म नाम व कन्या का प्रसिद्ध नाम वर का जन्म नाम ऐसा विपरीत ग्रहण न करें दोनों का जन्म नाम ही लें अथवा दोनों का प्रसिद्ध नाम ही लें क्योंकि-

जन्मर्भं जन्मधिष्ण्येन नामधिष्ण्येन नामभम्।
व्यत्ययेन यदा योज्यं दम्पत्योर्निधनप्रदम्॥

वर-कन्या की जन्मपत्रिका के मेलापक में अन्य विचार-

कन्या-वर की कुण्डली में वर्ण, वश्य, तारा, योनि, ग्रहमैत्री, गणमैत्री, भकूट तथा नाड़ी इन आठों बातों का विशेष रूप से विचार किया जाता है। वर्ण का १, वश्य के २, तारा के ३, योनि के ४, ग्रहमैत्री के ५, गणमैत्री के ६, भकूट के ७ तथा नाड़ी के ८ गुण उत्तरोत्तर वृद्धि से ग्रहण किए जाते हैं। इस प्रकार इन सभी गुणों का योग ३ होता है।

'वर्णो वश्यं तथा तारा योनिश्च ग्रह मैत्रकम्।
गणमैत्रं भकूटञ्च नाडी चैते गुणाधिकाः॥'

गुण संख्या के ग्रहण करने का विचार-

वर कन्या की कुण्डली का मिलान करने पर सोलह गुणों से कम गुण मिलने पर निन्द्य २० गुण मिलने पर मध्यम तथा तीस गुण या तीस गुण से अधिक गुण क्रमशः उत्तम कहे हैं।

'गुणाः षोडशभिर्न्यूना निन्द्या मध्यास्तु विंशतिः।
श्रेष्ठास्त्रिंशद् गुणाः प्रोक्ताः परतस्तूत्तमोत्तमाः॥

दुष्ट भकूट, गणकूट, ग्रहकूट का परिहार- यदि मिलान करने पर दुष्ट भकूट प्राप्त हो और वर-कन्या के राशि के स्वामी एक ही हों अथवा राशि के स्वामियों में परस्पर मित्रता हो, तथा नाड़ी नक्षत्र शुद्ध हो तो दुष्टभकूट का दोष नहीं होता तथा षडष्टक से भिन्न राशियों में परस्पर राशियों के स्वामियों की शत्रुता में भी यदि राशि के नवांश के स्वामी बली और आपस में मित्र हों और नाड़ी नक्षत्र शुद्धि हो, तो दुष्ट भकूट के दोष का नाश करता है तथा कन्या की तारा व नाड़ी नक्षत्र की परस्पर शुद्धि होने पर पुरुष राशि से स्त्री की राशि वश्य न होने पर भी दुष्ट-भकूट का परिहार हो जाता है।

'प्रोक्ते दुष्टभकूटके परिणयस्त्वेकाधिपत्येशुभो-
ऽथोराशीश्वरसौहृदेऽपि गदितो नाड्यर्क्षशुद्धिर्यदि।
अन्यर्क्षेऽशपयोर्बलित्वसखिते नाड्यर्क्षशुद्धौ तथा-
ताराशुद्धिवशेन राशिवशताभावे निरुक्तो बुधैः॥'
(मुहूर्त्त चिन्तामणि)

इसी प्रकार वर-कन्या के राशि के स्वामियों तथा नवांश के स्वामियों की परस्पर मित्रता होने पर गणदोष का नाश करती है, तथा शुभ भकूट ग्रह शत्रुता के दोष को नष्ट कर देता है।

'मैत्र्यां राशिस्वामिनोरंशनाथ-
द्वन्द्वस्याऽपि स्याद्गणानां न दोषः।
खेटारित्वं नाशयेत् सद् भकूटं
खेटप्रीतिश्चाऽपिदुष्टं भकूटम्।'
(मुहूर्त्त चिन्तामणि)

नाड़ी दोष तथा गण दोष का परिहार-

वर-कन्या की राशि एक हो और नक्षत्र भिन्न हो, अथवा नक्षत्र एक तथा राशि भिन्न हो तो नाड़ी दोष तथा गण के दोष का नाश होता है। एक नक्षत्र होने पर भी चरण के भेद से उक्त दोष नहीं होता।

'राशयैक्ये चेद् भिन्नमृक्षं द्वयोः स्यान्
नक्षत्रैक्येराशियुग्मं तथैव।
नाड़ी दोषो नो गणानां च दोषो
नक्षत्रैक्ये पादभेदे शुभं स्यात्॥'

(मुहूर्त्त चिन्तामणि)

'एकराशौ पृथग् धिष्ण्ये पुंतारा प्रथमा भवेत्।
अतीवशोभना प्रोक्ता स्त्रीतारा चेत्त्वशोभना॥'

(गर्ग)

वरवरण के मुहूर्त्त का विचार- विवाह संस्कार से पूर्व शुभ वार, शुभ लग्न, शुभ-नवांश में शुभ तिथि, कुयोगरहित दिन में कृ०, रो०, ३ पूर्वा, ३ उत्तरा इन नक्षत्रों में चन्द्र बल देखकर ब्राह्मण व कन्या का सहोदर (भाई) वस्त्र यज्ञोपवीत, द्रव्य, मिष्ठान्न, ऋतुफल आदि सहित वर के गृह पर आकर वर को वरण करे। अर्थात् तिलक लगावे।

कन्यावरण का मुहूर्त्त- वर की माता या स्वयं वर अथवा कुलाचार के अनुसार अन्य कोई-अशुभ योग रहित शुभ दिन में कृत्तिका, ३ पूर्वा, स्वा०, अनु०, उ०षा०, श्र०, धनिष्ठा तथा विवाहोक्त नक्षत्रों, (रो०, ३ उत्तरा, रे०, मू०, मृग०, मघा, हस्त)- में शुभ समय (लग्न) में वस्त्रभूषणादि सहित फलपुष्पादि से कन्या को वरण करें।

विवाहकाल निर्णय में अन्य विचार

ज्येष्ठमास, ज्येष्ठवर, ज्येष्ठकन्या (अर्थात् प्रथम गर्भ से उत्पन्न वर-कन्या) यह त्रिज्येष्ठ कहलाता है। यदि वर कन्या में से एक ज्येष्ठ हो तो ज्येष्ठ मास होने पर ज्येष्ठद्वन्द्व होता है। यहाँ **'ज्येष्ठद्वन्द्व' मध्यमं सम्प्रदिष्टं त्रिज्येष्ठं चेन्नैव युक्तं कदापि'** इस प्रकार त्रिज्येष्ठ त्याज्य तथा ज्येष्ठद्वन्द्व मध्यम कहलाता है।

जन्मराशि से विवाह मुहूर्त्तोपयोगी त्रिबलशुद्धि

बल	गुरु	चन्द्र	सूर्य
श्रेष्ठ	२, ५, ७, ९, ११	१, २, ३, ५, ६, ७, ९, १०, ११	३, ६, १०,११
पूज्य	१, ३, ६, १०	१२	१, २, ५, ७, ९
नेष्ट	४, ८, १२	४, ८	४, ८, १२

यहाँ वर को सूर्यबल कन्या को गुरुबल तथा दोनों को चन्द्रबल देखना चाहिए।

'वरस्य भास्करबलं कन्यायाश्च गुरोर्बलम्।
द्वयोश्चन्द्रबलं ग्राह्यं विवाहो नान्यथा भवेत्॥

विशेष- गुरु व सूर्य स्वोच्च, स्वमित्र स्वराशि, स्वनवांश, वर्गोत्तम नवांश में होने पर ४, ८, १२वें होने पर भी शुभ माने जाते हैं।

'स्वोच्चे स्वभे स्वमैत्रे वा स्वांशे वर्गोत्तमे गुरौ।
रिष्फाष्टतुर्यगोऽपीष्टो नीचारिस्थः शुभोऽप्यसत्॥'

(राम दैवज्ञ)

यदि गुरु नीच या शत्रु राशि का हो तो शुभ होने पर भी अशुभ फलप्रद होता है अतः नीच या शत्रु राशिस्थ गुरु, कन्या की राशि से २, ५, ७, ९, ११वें होने पर भी अशुभ माना गया है यह पूजा, (गुरु का दान व्रत जपादि आचरण) करने पर ही शुभफलप्रद होता है। ऐसे ही सूर्य के ४, ८, १२वें होने पर परिहार वाक्य-

'स्वोच्चे स्वमित्रसदने स्वगृहे स्ववर्गे।
स्वांशे ततश्च निधनव्ययतुर्यगोऽपि॥
श्रेयस्तनोति रिपुनीचगतोऽप्यनिष्टम्।
तुल्यं फलं निगदितं रविजीवयोश्च॥

(दैवज्ञ कल्पद्रुम)

सूर्य यदि तुला राशि वाले वर के लिए २, ५, ९वें में हो तो शुभफलप्रद होता है उसकी पूजा की आवश्यकता नहीं होती। यथा-

'धर्मधीधनगतोदिवाकर-
स्तौलिराशिजनितस्य शोभनः॥

अन्य राशि वालों के लिए २, ५, ९वां रवि १३ अंश बीत जाने के उपरान्त शुभ माना जाता है। अर्थात् पूज्य नहीं होता यथा-

'गर्ग्याङ्गिरो वत्सवशिष्ठगौत-
मपराशराद्या मुनयो वदन्ति।
द्वितीयपंचाङ्गगतो दिवाकर
स्त्रयोदशाहात्परतः शुभावहः।'

वधू-प्रवेश मुहूर्त्त का विचार-

विवाह संस्कार हो जाने के बाद प्रथम बार वधू का पतिगृह में प्रवेश वधू-प्रवेश कहलाता है। विवाह से १६ दिन के अन्दर बिना तिथ्यादि का विचार किए भी स्थिर लग्न में वधू-प्रवेश शुभ है। एक मास तक विषम दिनों में, एक वर्ष के भीतर विषम मास में और एक वर्ष के उपरान्त स्थिर लग्न में । तीसरे, ५वें वर्ष में भी शुभ है। इसके उपरान्त शुभ मुहूर्त्त (तिथ्यादि का) विचार कभी हो सकता है। वधू -प्रवेश में रे०, अ०, रोहि०, मृ०, श्र०, ध०, ह०, चि०, स्वा०, म०, मू०, ३ उत्तरा, पुष्य, अनु०, इन नक्षत्रों में शुभ वारों में १, २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १३, १५ तिथियों में स्थिर लग्नों में चतुर्थाष्टम् शुद्ध होने पर शुभ होता है।

व्यतिपात, क्षयतिथि, ग्रहण, वैधृति, अमा०, संक्रान्ति, रिक्ता तिथियों में वधू-प्रवेश वर्जित है।

वधू-प्रवेश मुहूर्त्त-चक्र

दिन	१६ दिन तक अथवा ७, ५, ९वें दिन
मास, वर्ष	विषम मास, विषम वर्ष।
तिथि	१, २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १३, १५
नक्षत्र	रे०, अ०, रो०, मृ०, श्र०, ध०, हस्त, चि०, स्वा०, म०, मूल, पुष्य, अनु०, तीनों उत्तरा, अभि०
वार	चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र
लग्न	२, ५, ८, ११ लग्न ४, ८ भाव शुद्ध हो।
त्याज्य	व्यतीपात, क्षयतिथि, रिक्ता, अमा०, ग्रहण, वैधृति, संक्रान्ति दिन

विशेष-

'वधूप्रवेशो न दिवा प्रशस्तः
राजप्रवेशो न निशि प्रशस्तः।
दिवा च रात्रौ च गृहप्रवेशः
सत्कीर्तिदः स्यात्त्रिविधः प्रवेशः॥

द्विरागमन-मुहूर्त्त-

वधूप्रवेशोपरान्त द्वितीय बार पिता के घर से पतिगृह में प्रवेश द्विरागमन कहलाता है। यह १-३-५ इन विषम वर्षों में १-८-११ राशि के सूर्य में सूर्य, गुरु की शुद्धि देखकर शुभ वार १, २, ३, ६, ७, १२ लग्नों में ह०, अ०, रे०, तीनों उत्तरा, रो०, मृग०, स्वा०, पुन०, पु०, श्र०, ध०, शत०, मू०, चि०, अनु० नक्षत्रों में शुभ माना गया है।

वर्ष	विषम (५ वर्ष तक)
मास	१, ८, ११वीं राशि के सूर्य में, सूर्य गुरु की शुद्धि
तिथि	१, २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १५
वार	सोम, बुध, गुरु एवं शुक्र
नक्षत्र	ह०, चि०, अ०, रे०, रो०, स्वा०, पुन०, पुष्य०, श्र०, ध०, श०, मृग०, मू० अनु०, ३ उत्तरा
त्याज्य	सम्मुख तथा दखिण शुक्र। (रवेती से मृगशिरा तक चन्द्र के रहने पर शुक्र शुभ हो जाता है। सामान्य अवस्था में त्याज्य)

विशेष-

'रेवत्यादिमृगान्ते च यावत्तिष्ठति-
चन्द्रमा तावच्छुक्रो
भवेदन्धः सम्मुखे दक्षिणे शुभः॥'

जन्माक्षर-चक्र

	मेष	वृष	मिथुन	कर्क
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	शूद्र	विप्र
वश्य	चतुष्पद्	चतुष्पद्	मानव	जलचर, कीट
राशीश	मंगल	शुक्र	बुध	चन्द्र
घात मास	कार्तिक	मार्गशीर्ष	आषाढ़	पौष
घात तिथि	१-६-११	५-१०-१५	२-७-१२	२-७-१२
घात वार	रविवार	शनिवार	सोमवार	बुधवार
घात नक्षत्र	मघा	हस्त	स्वाती	अनुराधा
घात योग	विष्कुम्भ	सुकर्मा	परिध	व्याघात
घात करण	बव	शकुनी	चतुष्पाद्	नाग
घात प्रहर	प्रथम	चतुर्थ	तृतीय	प्रथम
स्त्री घा. चं.	१	८	७	९
पु. घा. चं.	१	५	९	२

नक्षत्र	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा
योनि	अश्व	गज	मेष	सर्प	सर्प	श्वान	मार्जार	मेष	मार्जार
गण	देव.	मनुष्य	राक्षस	मनुष्य	देव	मनुष्य	देव	देव	राक्षस
नाड़ी	आद्य	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आद्य	अन्त्य	मध्य	अन्त्य
युंजा	पूर्व	पूर्व	पूर्व	पूर्व	पूर्व	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य
दशाधीश	केतु	शुक्र	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	राहु	गुरु	शनि	बुध

नक्षत्र	अश्विनी				भरणी				कृत्तिका			
चरण	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४
अक्षर	चू	चे	चो	ला	ली	लू	ले	लो	आ	इ	उ	ए
वर्ग	सिं.	सिं.	सिं.	मृ.	मृ.	मृ.	मृ.	मृ.	ग.	ग.	ग.	ग.
नवांश	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
नवांशेश	मं.	शु.	बु.	चं.	सू.	बु.	शु.	मं.	गु.	श.	श.	गु
स्प. स्प. रा.	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१
अं.	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०	३	६	१०
क.	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
भुं. वि. दशा. व.	५	३	१	०	१५	१०	५	०	४	३	१	०
मा.	३	६	९	०	०	०	०	०	६	०	६	०
दि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

नक्षत्र	रोहिणी				मृगशिरा				आर्द्रा			
चरण	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४
अक्षर	ओ	वा	वि	वु	वे	वो	का	की	कु	घ	ङ	छ
वर्ग	ग.	मृ.	मृ.	मृ.	मृ.	मृ.	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	सिं.
नवांश	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
नवांशेश	मं.	शु.	बु.	चं.	सू.	बु.	शु.	मं.	गु.	श.	श.	गु.
स्प. स्प. रा.	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२
अं.	१३	१६	२०	२३	२६	००	३	६	१०	१३	१६	२०
क.	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
भुं. वि. दशा. व.	७	५	२	०	५	३	१	०	१३	९	४	०
मा.	६	०	६	०	३	६	९	०	६	०	६	०
दि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

नक्षत्र	पुनर्वसु				पुष्य				आश्लेषा			
चरण	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४
अक्षर	के	को	हा	ही	हू	हे	हो	डा	डी	डू	डे	डो
वर्ग	मा.	मा.	मे.	मे.	मे.	मे.	मे.	श्वा.	श्वा.	श्वा.	श्वा.	श्वा.
नवांश	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	मं.	कुं.	मी.
नवांशेश	मं.	शु.	बु.	चं.	सू.	बु.	शु.	मं.	गु.	श.	श.	गु.
स्प. स्प. रा.	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४
अं.	२३	२६	०	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०
क.	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
भुं. वि. दशा. व.	१२	८	४	०	१४	९	४	०	१२	८	४	०
मा.	०	०	०	०	३	६	९	०	९	६	३	०
दि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

जन्माक्षर-चक्र

	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	शूद्र	विप्र
वश्य	चतुष्पद्	मानव	मानव	कीट, सरीसृप
राशीश	सूर्य	बुध	शुक्र	मंगल
घात मास	ज्येष्ठ	भाद्रपद	माघ	आश्विन
घात तिथि	३-८-१३	५-१०-१५	४-९-१४	१-६-११
घात वार	शनिवार	शनिवार	गुरुवार	शुक्रवार
घात नक्षत्र	मूल	श्रवण	शतभिषा	रेवती
घात योग	धृति	शुभ	शुक्ल	व्यतिपात
घात करण	बव	कौलव	तैतिल	गर
घात प्रहर	प्रथम	प्रथम	चतुर्थ	प्रथम
स्त्री घा. चं.	४	३	६	२
पु. घा. चं.	६	१०	३	७

नक्षत्र	मघा	पूर्वा फाल्गुनी	उत्तरा फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा
योनि	मूषक	मूषक	गौ	महिषी	व्याघ्र	महिषी	व्याघ्र	मृग	मृग
गण	राक्षस	मनुष्य	मनुष्य	देव	राक्षस	देव	राक्षस	देव	राक्षस
नाड़ी	आद्य	मध्य	आद्य	आद्य	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आद्य
युंजा	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य	अन्त्य
दशाधीश	केतु	शुक्र	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	राहु	गुरु	शनि	बुध

		मघा				पूर्वा फाल्गुनी				उत्तरा फाल्गुनी			
चरण		१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४
अक्षर		मा	मी	मु	मे	मो	टा	टी	टू	टे	टो	पा	पी
वर्ग		मू.	मू.	मू.	मू.	मू.	श्वा.	श्वा.	श्वा.	श्वा.	श्वा.	मू.	मू.
नवांश		मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
नवांशेश		मं.	शु.	बु.	चं.	सू.	बु.	शु.	मं.	गु.	श.	श.	गु.
स्प.	रा.	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५
	अं.	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०	३	६	१०
	क.	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
भो. वि. दशा	व.	५	३	१	०	१५	१०	५	०	४	३	१	०
	मा.	३	६	९	०	०	०	०	०	६	०	६	०
	दि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

		हस्त				चित्रा				स्वाती			
चरण		१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४
अक्षर		पू	ष	ण	ठ	पे	पो	रा	री	रु	रे	रो	ता
वर्ग		मू.	मे.	श्वा.	श्वा.	मू.	मू.	मृ.	मृ.	मृ.	मृ.	मृ.	स.
नवांश		मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
नवांशेश		मं.	शु.	बु.	चं.	सू.	बु.	शु.	मं.	गु.	श.	श.	गु.
स्प.	रा.	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६
	अं.	१३	१६	२०	२३	२६	०	३	६	१०	१३	१६	२०
	क.	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
भो. वि. दशा	व.	७	५	२	०	५	३	१	०	१३	९	४	०
	मा.	६	०	६	०	३	६	९	०	६	०	६	०
	दि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

		विशाखा				अनुराधा				ज्येष्ठा			
चरण		१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४
अक्षर		ती	तू	ते	तो	ना	नी	नू	ने	नो	या	यी	यू
वर्ग		स.	स.	स.	स.	स.	स.	स.	स.	स.	मृ.	मृ.	मृ.
नवांश		मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
नवांशेश		मं.	शु.	बु.	चं.	सू.	बु.	शु.	मं.	गु.	श.	श.	गु.
स्प.	रा.	६	६	७	७	७	७	७	७	७	७	७	८
	अं.	२३	२६	०	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०
	क.	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
भो. वि. दशा	व.	१२	८	४	०	१४	९	४	०	१२	८	४	०
	मा.	०	०	०	०	३	६	९	०	९	६	३	०
	दि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

जन्माक्षर-चक्र

	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	शूद्र	विप्र
वश्य	मानव १५चतु. १५	चतु. १५ जलचर १५	मानव	जलचर
राशीश	गुरु	शनि	शनि	गुरु
घात मास	श्रावण	वैशाख	चैत्र	फाल्गुन
घात तिथि	३-८-१३	४-९-१४	३-८-१३	५-१०-१५
घात वार	शुक्रवार	मंगलवार	गुरुवार	शुक्रवार
घात नक्षत्र	भरणी	रोहिणी	आर्द्रा	आश्लेषा
घात योग	वज्र	वैधृति	गंड	वज्र
घात करण	तैतिल	शकुनी	वणिज	विष्टि
घात प्रहर	प्रथम	चतुर्थ	तृतीय	चतुर्थ
स्त्री घा. चं.	१०	११	५	१२
पु. घा. चं.	४	८	११	१२

नक्षत्र	मूल				पूर्वाषाढा				उत्तराषाढा			
योनि	श्वान				वानर				नकुल			
गण	राक्षस				मनुष्य				मनुष्य			
नाड़ी	आद्य				मध्य				अन्त्य			
युंजा	आन्त्य				अन्त्य				अन्त्य			
चरण	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४
अक्षर	ये	यो	भा	भी	भू	धा	फा	ढ़ा	भे	भो	जा	जी
वर्ग	मृ.	मृ.	मू.	मू.	मू.	सर्प	मू.	श्वा	मू.	मू.	सिं.	सिं
नवांश	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
नवांशेश	मं.	शु.	बु.	च.	सू.	बु.	शु.	मं.	गु.	श.	श.	गु.
रा.	८	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९
अं.	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०	३	६	१०
क.	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
व.	५	३	१	०	१५	१०	५	०	४	३	१	०
मा.	३	६	९	०	०	०	०	०	६	०	६	०
दि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
दशाधीश	केतु				शुक्र				सूर्य			

नक्षत्र	श्रवण				धनिष्ठा				शतभिषा			
योनि	वानर				सिंह				अश्व			
गण	देव				राक्षस				राक्षस			
नाड़ी	अन्त्य				मध्य				आद्य			
युंजा	अन्त्य				अन्त्य				अन्त्य			
चरण	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४
अक्षर	खी	खू	खे	खो	गा	गी	गू	गे	गो	सा	सी	सू
वर्ग	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	मे.	मे.	मे.
नवांश	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु.	मी.
नवांशेश	मं.	शु.	बु.	चं.	सू.	बु.	शु.	मं.	गु.	श.	श.	गु.
रा.	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०
अं.	१३	१६	२०	२३	२६	००	३	६	१०	१३	१६	२०
क.	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
व.	७	५	२	०	५	३	१	०	१३	९	४	०
मा.	६	०	६	०	३	६	९	०	६	०	६	०
दि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
दशाधीश	चन्द्रमा				मंगल				राहु			

नक्षत्र	पूर्वाभाद्रपदा				उत्तराभाद्रपदा				रेवती			
योनि	सिंह				गौ				गज			
गण	मनुष्य				मनुष्य				देव			
नाड़ी	आद्य				मध्य				अन्त्य			
युंजा	अन्त्य				अन्त्य				पूर्व			
चरण	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४
अक्षर	से	सो	दा	दी	दू	थ	झ	ञ	दे	दो	चा	ची
वर्ग	मे.	मे.	स.	स.	स.	स.	सिं.	सिं.	स.	स.	सिं.	सिं.
नवांश	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
नवांशेश	मं.	शु.	बु.	चं.	स.	वु.	शु.	मं.	गु.	श.	श.	गु.
रा.	१०	९	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११
अं.	२३	२६	०	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०
क.	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
व.	१२	८	४	०	१४	९	४	०	१२	८	४	०
मा.	०	०	०	०	३	६	९	०	९	६	३	०
दि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
दशाधीश	गुरु				शनि				बुध			

मेलापक सारिणी

ऊर्ध्वाधरस्थान्यपि भानि पुंसां पार्श्वद्वयस्थानि तथा वधूनाम्॥ संपातकोष्ठे शुभयोर्गुणैक्यं सर्वं शुभं तत्स्मृतितोऽधिकं यत्॥

कन्या \ वर		मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या		
		अश्वि. १,२,३,४	भर. १,२,३,४	कृत्ति. १	कृत्ति. २,३,४	रोहि. १,२,३,४	मृग. १,२	मृग. ३,४	आर्द्रा १,२,३,४	पुन. १,२,३	पुन. ४	पुष्य १,२,३,४	आश्ले. १,२,३,४	मघा १,२,३,४	पू.फा. १,२,३,४	उ.फा. १	उ.फा. २,३,४	हस्त १,२,३,४	चित्रा १,२
मेष	अश्वि. १,२,३,४	२८ न	३३	२८।। त	१८।। बमत	२१।। बमत	२२।। बमत	२६ बतर	१७ बनतर	१६ बनतर	२३।। नत	३१।। त	२८ ग	२१ वमग	२५ वम	१५।। वमनत	११ बभनतर	६ तबभयनर	१३ वभतर
	भर. १,२,३,४	३४	२८ न	२६ ग	१६ बगभ	२१।। बमत	१४।। बमतन	१८ नबतर	२६ बतर	२७ बतर	३१।। त	२३।। नत	२५।। गत	२० गवभ	१८ वभन	२६ वभ	२१।। बमर	२० बमबरत	४ भगनतर
	कृति. १	२७।। गत	२६ ग	२८ न	१८ बमन	१० गबनभ	१६।। गबभत	२० गबत	२० गबत	२१ गबतर	२५।। गत	२६।। गत	२३।। नत	१६।। वमनत	२० गवभ	२० गवभ	१५।। गवभ	१५।। गवभर	१८ बभत
वृष	कृति. २,३,४	१८।। गभत	२० गभ	१६ भन	२८ न	२० गन	२६।। गत	१७।। गवभत	१७।। बगभत	१८।। गबभत	२२ गतर	२३ गतर	२० नतर	१८।। नवतर	२२ रवग	२२ रवग	२१ गभ	२१ गभ	२३।। भत
	रोहि. १,२,३,४	२३।। भत	२३।। भत	११ गभन	२० गन	२८ न	३६	२७।। बम	२३।। वभत	२२।। भवतय	२६ तरय	२७ तर	१२ गनतरय	१०।। रवगनतय	२४।। रवतय	२७ रव	२६ भ	२६ भ	२० गभ
	मृग. १,२	२३।। भत	१४।। भनत	१८।। भतग	२७।। तग	३५	२८ न	१६ बभन	२४ बभ	२२।। बमतय	२६ तयर	१६ तरन	२१ तरयग	१६।। गरवतय	१५।। रवतनय	२४।। रवत	२३।। भत	२६ भ	१३ भनग
मिथुन	मृग. ३,४	२७ तर	१८ नतर	२२ तरग	१६।। भगत	२७ भ	२० भन	२८ न	३३	३१।। तय	१६ भवतयर	१२ भनवतर	१४ भवतयगर	२३।। वतयग	१६।। वनतय	२८।। वत	३१।। त	३४	२१ नग
	आर्द्रा १,२,३,४	१६ तरन	२७ तर	२१ तरग	१८।। गभत	२४।। भत	२६ भ	३४	२८ न	२५ नय	१२।। भनतयर	२० भवतर	१३ गभरवतय	२३।। गतव	२६।। वत	२१।। नवत	२४।। नत	२४।। नत	२७ गय
	पुन. १,२,३,	२० नतर	२७ तर	२३ तर	२०।। भतग	२२।। भत	२३।। भतय	३१।। तय	२४ नय	२८ न	१५।। नभवर	२२।। भवर	१७।। भवतरग	२२।। यवतग	२६।। यवत	२१।। नवत	२४।। नत	२५।। नत	२७।। तग
कर्क	पुन. ४	२२।। बनत	२६।। वत	२५।। वतग	२२ वगतर	२४ वतयर	२५ वतयर	१८ बभवरतय	१०।। बभवनयर	१४।। बभरनत	२८ न	३५	२६।। तगगत	१६।। बभयतय	२०।। बमनत	१५।। बमतर	१८ नभवतर	१६ नववतर	२१ बग
	पुष्य १,२,३,४	३०।। वत	२१।। वनत	२६।। वतग	२३ वतरग	२५ वतर	१८ वनतर	११ वभनवतर	१८ बभवतर	२१।। बभवर	३५	२८ न	३० ग	१६।। वभगत	१५।। बभनत	२३।। बभत	२६ बवतर	२७ बवतर	१२ नबवयतरग
	आश्ले. १,२,३,४	२६ वग	२४।। बगत	२२।। नवत	१६ नवतर	११ गवतनयर	१६ गवतयर	१२ गबतभवयर	१२ गबभवतयर	१५ गवतभवर	२८।। गत	२६ ग	२८ न	१५ यबभन	१५।। गवयभत	१८।। गबभत	२१ गबवतर	२१ गबवतर	२६ बवतर
सिंह	मघा १,२,३,४	२० गवभ	२० गवभ	१६।। भवनत	१७।। ववरनत	६।। ववतगरनय	१७।। ववतगरय	२१।। ववगतय	२२।। ववगत	२०।। ववगयत	१६।। गभयत	१६।। गभत	१६ नभय	२८ न	३० ग	२७।। गत	१६।। वभगभत	१६।। वभगभत	२१।। ववभत
	पू.फा. १,२,३,४	२६ वभ	१८ वभन	२० गवभ	२१ ववरग	२३।। ववरतय	१५।। ववनरतय	१६।। ववनतय	२८।। ववत	२६।। ववतय	२२।। यभत	१७।। भनत	१६।। गभयत	३० ग	२८ न	३५	२४ ववभ	२२।। ववभत	७।। ववतगनभ
	उ.फा. १	१६।। वभतन	२६ वभ	२० वगभ	२१ ववगर	२६ ववर	२४।। ववरत	२८।। ववत	२०।। ववनत	२१।। ववनत	१७।। भनत	२५।। भत	१६।। गभत	२७।। गत	३५	२८ न	१७ ववभन	१६ ववभन	१३।। वयवतगभ
कन्या	उ.फा. २,३,४	१३ भनतर	२२।। भर	१६।। गभर	२१ गभ	२६ भ	२४।। भत	३१।। वत	२३।। नवत	२४।। नवत	२० नवतर	२८ वतर	२२ गवतर	१७।। गवभत	२५ भव	१८ वभन	२८ न	२७ न	२४।। यगत
	हस्त १,२,३,४	१० यभनतर	२० भतर	१७।। भरग	२२ भग	२५ भ	२६ भ	३३ व	२२।। नवत	२४।। नवत	२० नवतर	२८ वतर	२३ वतरग	१८।। वभतग	२२।। वभत	१६ वभन	२६ न	२८ न	२८ यग
	चित्रा १,२	१३ गभतयर	५ गभनतयर	१६ भतयर	२३।। भतय	२० गभ	१२ गभन	१६ गवन	२६ गवय	२५।। गवत	२१ गवतर	१२ गनवतयर	२७ वतर	२२।। वभत	८।। गवभनत	१४।। वयगभत	२४।। गयत	२७ गय	२८ न

(ब = वर्णदोष । व वश्यदोष । त = तारादोष । य = योनिदोष । र = राशिदोष । ग = गणदोष । म = मकूट दोष । न = नाड़ी दोष।)

मेलापक सारिणी

ऊर्ध्वाधरस्थान्यपि भानि पुंसां पार्श्वद्वयस्थानि तथा वधूनाम्॥ संपातकोष्ठे शुभयोर्गुणैक्यं सर्वं शुभं तत्स्मृतितोऽधिकं यत्॥

वर → / कन्या ↓		तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
		चित्रा ३,४	स्वाती १,२,३,४	विशा. १,२,३	विशा. ४	अनु. १,२,३,४	ज्ये. १,२,३,४	मूल १,२,३,४	पू.षा. १,२,३,४	उ.षा. १	उ.षा. २,३,४	श्रव. १,२,३,४	धनि. १,२	धनि. ३,४	शत. १,२,३,४	पू.भा. १,२,३	पू.भा. ४	उ.भा. १,२,३,४	रेव. १,२,३,४
मेष	अश्वि. १,२,३,४	२२॥ बयतग	२६॥ बयत	२२॥ तबयग	१८॥ गभतय	२५॥ भत	१४ भनग	१३॥ भनग	२५ भ	२३॥ भत	२५ बतर	२६ बतर	२० बतयरग	२० बतयरग	१५ बनतरग	१६ बनतयर	१४॥ नभतय	२४॥ भत	२६ भ
	भर. १,२,३,४	१३॥ बगनतय	२६॥ बत	२१॥ गबतय	१७॥ गभतय	१७॥ नभत	१६॥ गभत	२० गभ	१८ नभ	२६ भ	२७॥ वर	२६ बतर	१० बयगनतर	१० बयगनतर	२० गबतर	२४ बयतर	२२॥ तभ	१७॥ नभत	२६॥ भत
	कृत्ति. १	२७॥ बतय	१५॥ बगनत	१६॥ बनतय	१५॥ भनतय	१६॥ गभत	२५॥ भत	२४॥ भत	१८ गभय	१२ गभन	१३॥ बगनर	११॥ बयरगन	२५ बतयर	२५ बतयर	२७ बतर	१६ बगतयर	१७॥ गभतय	१६॥ गभत	११॥ गभतन
वृष	कृत्ति. २,३,४	२२॥ बभतय	१०॥ गबभनत	१४॥ बभतनय	२०॥ नतय	२४॥ गत	३०॥ त	२० भतर	१३॥ यगभर	७॥ गभनर	१२ गभन	१० यगभन	२३॥ भतय	२६॥ बतय	३१॥ बत	२३॥ गबतय	२० गतयर	२२ गगतर	१४ नतर
	रोहि. १,२,३,४	१६ गबभ	१५॥ बभनत	६॥ तबगनभ	१५॥ गनत	२६॥ त	२३॥ गत	१४ गभतर	१६ रभतय	११॥ यभनर	१६ भयन	१७ नभय	२० गभ	२६॥ गब	२४॥ गवत	३०॥ बत	२७ तर	२७ तर	१६ रनत
	मृग. १,२	१२ बभनग	२५ बभ	१८॥ बभतग	२४॥ तग	२१॥ नत	२४॥ तग	१५ भतरग	१० नभतयर	१७ यभतर	२१॥ भयत	२५ भय	१३ नभग	१६ बगन	२७ बग	२६॥ बत	२६ तर	१८ नतर	२७ तर
मिथुन	मृग. ३,४	१४ नभग	२७ भ	२०॥ भतग	१४ भवतरग	११ भवनतर	१४ भवतरग	२३ तरग	१८ नतयर	२५ यतर	२० भयवत	२३॥ भवय	११॥ नभवग	१३ भनग	२१ भग	२३॥ भत	२५॥ तवर	१७॥ नवतर	२६॥ वतर
	आर्द्रा १,२,३,४	२० गभय	२७ भ	२० गभय	१३॥ रगवभय	१७ तभवयर	३ यतगवभनर	१६ गनतर	२८ तर	२८ तर	२३ भवत	२३ भवत	१७॥ गभवय	१६ गभय	१२ गभन	१७ नभय	१६ नरवय	२६॥ वतर	२६॥ वतर
	पुन. १,२,३	२०॥ भतग	२८ भ	२२ भग	१५॥ वभरग	२१॥ वभर	७ रगवभनत	१४ यरतनग	२७ तर	२७ तर	२२ वतभ	२३ वतभ	१७ वतभयग	१८॥ भगतय	१४ नभग	१६ नभय	१८ रनयव	२८ रव	२७॥ वतर
कर्क	पुन. ४	२०॥ बतरग	२८ वरब	२२ वरबग	२० गभ	२६ भभन	११॥ तगभगनय	८ वतबवत	२१ बभवत	२१ बभर	२६ बतर	२७ बतयर	२१ बगततयगर	१२॥ बभवनगर	८ बभवनवय	१० बभरय	१६ नभ	२० भ	२५॥ भत
	पुष्य १,२,३,४	११॥ गनबवतयर	२६॥ बवतर	२१ रबगवय	१६ भयग	१८ भन	२१ भग	१७ गबभवत	११ यबभतनव	२१ बभवत	२६ बतर	२५ बयतर	१३ गबनतयर	४॥ भवगयवनतर	१४॥ बवतरगभ	१८ बभवयर	२४ भय	१८ नभ	२७ भ
	आश्ले. १,२,३,४	२५॥ बवतर	१२॥ गबवतरन	१७॥ नबवतर	१५॥ नभत	२० गभ	२६ भ	२२॥ बभवय	१६ गबवभत	८ गबवभनत	१३ गबरनत	१३ बगतनर	२६ बतयर	१७॥ बभवतरय	१६॥ बभवतर	११॥ गबभवतयर	१७॥ गभतय	२१ गभ	१३ गभन
सिंह	मघा. १,२,३,४	२४॥ बवतर	११॥ बवतरगन	१६॥ बवतरन	२२॥ नवत	२५॥ गवत	३३ व	२५ भव	१६ गवभ	८॥ वगभनतय	३॥ बरतयगभन	४॥ बरतगभन	१८॥ बरतभ	२४॥ बवतर	२५॥ बवतर	१८॥ बवरगत	१८॥ गभत	१६॥ गभत	१३ गभन
	पू.फा. १,२,३,४	१०॥ बवतरगन	२५॥ बवतर	१८॥ बवरगत	२४॥ गवत	२३॥ नवत	२५॥ गवत	१६ गवभ	१७ भवन	२४ भवन	१७ बरभय	१८॥ बतभत	४॥ बरतगभन	१०॥ बवतरगन	१६॥ बवरगत	२४॥ बवरत	२४॥ भत	१७॥ नभत	२५॥ भत
	उ.फा. १	१६॥ बवतयगर	२५॥ बवतर	१६॥ बवयगतर	२२॥ यवगत	३१॥ वत	१७॥ गवतन	६॥ गवनभत	२५ भव	२५ भव	२० बरभ	२० बरभ	११॥ बरतगभय	१७॥ बवतगरय	११॥ बवतगनर	१५॥ बवतनरय	१५॥ नभतय	२६॥ भत	२५॥ भत
कन्या	उ.फा. २,३,४	१६॥ गबयभत	२५॥ बभत	१६॥ गबयभत	१८ यवतगर	२७ वतर	१३ गवतनर	१४ गनतर	२६॥ र	२६॥ र	२४॥ भव	२४॥ भव	१६ गभवतय	१६॥ गबभतय	१०॥ गबनभत	१४॥ बभनतय	१७॥ तनवयर	२८॥ वतर	२७॥ वतर
	हस्त १,२,३,४	२० बभयग	२६॥ बभत	१८॥ बभतयग	२० वगतयर	२६ वतर	१३ नवतरग	१५ नतरग	२७ तर	२८॥ र	२३॥ भव	२४॥ भव	१८॥ भगवय	१६ बभयग	८॥ बयभनतग	१३॥ बभनतय	१६॥ वनतयर	२६॥ वतर	२७॥ वतर
	चित्रा १,२	२० बभन	१६ गबभय	२६॥ बभत	२८ वतर	११ गवनतयर	२५ वतयर	२७ तयर	१४ गनतर	२२ गतर	१७ गभत	१८॥ गभव	१५॥ भवनय	१६ बयभन	२४ बभय	१६॥ गबतभय	१६॥ गवतयर	१०॥ गयवनतर	१६॥ वगतयर

(ब = वर्णदोष । व वश्यदोष । त = तारादोष । य = योनिदोष । र = राशिदोष । ग = गणदोष । भ = भकूट दोष । न = नाड़ी दोष।)

मेलापक सारिणी

ऊर्ध्वाधरस्थान्यपि भानि पुंसां पार्श्वद्वयस्थानि तथा वधूनाम्॥ संपातकोष्ठे शुभयोर्गुणैक्यं सर्वं शुभं तत्स्मृतितोऽधिकं यत्॥

वर / कन्या		मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या		
		अश्वि. १,२,३,४	भर. १,२,३,४	कृत्ति. १	कृत्ति. २,३,४	रोहि. १,२,३,४	मृग. १,२	मृग. ३,४	आर्द्रा १,२,३,४	पुन. १,२,३	पुन. ४	पुष्य १,२,३,४	आश्ले. १,२,३,४	मघा १,२,३,४	पू.फा. १,२,३,४	उ.फा. १	उ.फा. २,३,४	हस्त १,२,३,४	चित्रा १,२
तुला	चित्रा ३,४	२२।। गत य	१४।। गन तय	२८।। तय	२३।। भत य	२० गभ न	१२ गभ न	१३ गभ	२१ गभ त	१९।। गभ वत	२०।। गर वरत	११।। गनय र	२६।। वत त	२५।। वर नत	११।। वरग गरत	१७।। वय भत	१७।। यग य	२० गभ	२१ भन
	स्वाती १,२,३,४	२७।। यत	२९।। त	१७।। नत	१२।। भन त	१५।। भन त	२६ भ	२७ भ	२६ भ	२८ भ	२९ वर	२७।। वत र	१४।। नव तर	१३।। वन तग	२५।। वर त	२५।। वर त	२५।। भत	२७।। भत	२१ भय ग
	विशा. १,२,३	२२।। तय ग	२२।। तय ग	२०।। तय न	१५।। तभ नय	१०।। गभ तन	१८।। गभ त	१९।। गभ त	२० गभ य	२१ गभ	२२ गव र	२१ गत र	१८।। नव तर	१७।। वर तन	१९।। वर तग	१७।। वयर गत	१७।। यगत भ	१८।। गभ तय	२७।। भत
वृश्चिक	विशा. ४	१६।। बगभ यत	१६।। बगभ यत	१४।। बभ नयत	१९।। बन यत	१४।। बग नत	२२।। बग तग	१२ बवर भत	१२।। वबय गभर	१३।। बव गभर	१९ गभ	१८ गभ य	१५।। भन त	२१।। बव नत	२३।। बव गत	२१।। बव गयत	१७ तबव गयर	१८ बवग तयर	२७ बव तर
	अनु. १,२,३,४	२४।। बभ त	१५।। बभ नत	१९।। बभ गत	२४।। बत ग	२७।। बत	२०।। बन त	१० बवत नभर	१५।। तबव रभय	२०।। बव भर	२६ भ	१८ भन	२१ भग	२४।। बव तग	२०।। बव तन	२९।। बव त	२५ बव तर	२६ बव त	११ बरव तनय
	ज्येष्ठा १,२,३,४	१२ बग भन	१८।। बग तभ	२४।। बभ त	२९।। बत त	२२।। बग त	२२।। बग गभर	१२ तबव गभनर	२ तवबय गभन	५ तबवर भन	१०।। तग	२० गभ	२६ भ	३१ बव	२३।। बव गत	१६।। तबव गन	१२ तबव गनर	१२ तबव गनर	२४ बवत यर
धनु	मूल १,२,३,४	१२ गभ न	२० गभ	२४।। भत	१९ बभ तर	१३ बग तभर	१३ रबग तभ	२१ बग तर	१५ बगन तर	१२ रबग तनय	८ यगभ वनत	१७ गभ वत	२३।। भव य	२५ वभ	१९ वग भ	९।। तवग भन	१३ तरब गन	१३ तरब गन	२६ रब तय
	पू.षा. १,२,३,४	२६ भ	१८ भन	१८ गभ य	१२।। बय गभर	१८ बभ तयर	१० रबभ तनय	१८ बन तयर	२७ बत र	२७ बत र	२३ भव त	१३ यभ नवत	१७ गभ वत	१९ वग भ	१७ वभ न	२५ वभ	२८।। बर	२७ बत र	१३ तबग नर
	उ.षा. १	२४।। भत	२६ भ	१२ गभ न	६।। रबय भन	१०।। बयर भन	१७ बय तभर	२५ बय तर	२७ बत र	२७ बत र	२३ भव त	२३ भव त	९ गभ वनत	८।। तगव यभन	२४ वभ य	२५ वभ	२८।। बर	२८।। बर	२१ गब तर
मकर	उ.षा. २,३,४	२७ तर	२८।। र	१४।। गन र	१२ गभ न	१६ भन य	२२।। यभ त	२० बय तभ	२२ बभ त	२२ बभ वत	२८ तर	२८ तर	१४ गन तर	४।। तयर गभन	२० रभ य	२१ रभ	२४।। भत	२४।। वभ	१७ गभ वत
	श्रव. १,२,३,४	२७ तर	२६ तर	१३।। यन र	११ यभ गन	१६ भन य	२५ भय	२२।। बभ वय	२१ बभ वत	२२ बभ वत	२८ त	२६ यत र	१५ नत	६।। तगर रभन	१८।। रभ त	२० भर	२३।। भव	२४।। भव	१९।। भव
	धनि. १,२,३,४	२० गत यर	११ यगन तर	२६ तय र	२३।। भत य	२० गभ	१२ गभ न	९।। वबग भन	१६।। वयब गभ	१६ बगव तभ	२२ गत र	१३ रगन तय	२८ तर	१९।। रभ त	५।। तगर भन	१२।। तयर गभ	१६ गभव तयव	१७।। गभ व	१५।। भन य
कुम्भ	धनि. ३,४	२० गत यर	११ यगत नर	२६ तय र	३०।। तय	२७ ग	१९ गन न	१२ गभ य	१९ गभ त	१८।। गभ वतर	१३।। गभ गभनव	४।। तयर तर	१९।। भव र	२५।। वत गन	११।। वतर तय	१८।। वरग तय	१७।। गभ य	१९ गभ न	१७ यभ
	शत. १,२,३,४	१५ गन तर	२१ गत र	२८ तर	३२।। त	२५।। गत	२७ ग	२० गभ	१२ गभ न	१३ गभ न	८ गभव नर	१४।। गभव तर	२०।। वभ तर	२६।। वर त	२०।। वर गत	१२।। वरत गन	११।। तग नभ	८।। तयग नभ	२५ भय
	पू.भा. १,२,३	१८ नत यर	२५ यत र	२० गर तय	२४।। गत य	३१।। त	३१।। त	२४।। भत	१७ भन य	१८ भन	१३ भन व	२० भर वय	१३।। गभव तर	१९।। वर तग	२५।। वर त	१६।। वरय नत	१५।। भन त	१५।। भन त	१७।। गभ यतय
मीन	पू.भा. ४	१४।। बभत नय	२१।। बय तभ	१६।। गबत भय	१९ गबत यर	२६ बत र	२६ बत र	२५।। बव तर	१८ बनव यर	१९ नब वर	१८ नभ	२५ भय	१८।। गभ त	१७।। बग तभ	२३।। बभ त	१४।। बभत नय	१६।। रबन वतय	१६।। रबन वतय	१८।। रबग वतय
	उ.भा. १,२,३,४	२४।। बभ त	१६।। बभ तन	१८।। गब तभ	२१ गब तर	२६ बत र	१८ नब तर	१७।। नब वतर	२५।। बर वत	२८ बव र	२७ भ	१९ भन	२१ गभ	१८।। गब तभ	१६।। बभ न	२५।। बभ त	२७।। बव तर	२६।। बव तर	९।। बतर वयगन
	रेव. १,२,३,४	२५ बभ	२४।। बभ त	११।। तगब भन	१४ गबन तर	१७ वन तर	२६ बत र	२५।। बर वत	२४।। रब वत	२६।। रब वत	२५।। भत	२७ भ	१४ भन ग	१३ बभ गन	२३।। बभ त	२३।। बभ त	२५।। बर वत	२६।। बर वत	१९।। बयर वतग

(ब = वर्णदोष । व वश्यदोष । त = तारादोष । य = योनिदोष । र = राशिदोष । ग = गणदोष । भ = भकूट दोष । न = नाड़ी दोष।)

मेलापक सारिणी

ऊर्ध्वाधरस्थान्यपि भानि पुंसां पार्श्वद्वयस्थानि तथा वधूनाम्॥ संपातकोष्ठे शुभयोर्गुणैक्यं सर्वं शुभं तत्स्मृतितोऽधिकं यत्॥

कन्या \ वर		तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
		चित्रा ३,४	स्वाती १,२,३,४	विशा. १,२,३	विशा. ४	अनु. १,२,३,४	ज्ये. १,२,३,४	मूल १,२,३,४	पू.षा. १,२,३,४	उ.षा. १	उ.षा. २,३,४	श्रव. १,२,३,४	धनि. १,२	धनि. ३,४	शत. १,२,३,४	पू.भा. १,२,३	पू.भा. ४	उ.भा. १,२,३,४	रेव. १,२,३,४
तुला	चित्रा ३,४	२८ न	२७ गय	३४॥ त	२३॥ भवत	६॥ यगवतनभ	२०॥ भवतय	२७ तयर	१४ गभतर	२२ गतर	२५ गतव	२६॥ गव	२३॥ नवय	१८ नभय	२६ भय	१८॥ गभतय	१२॥ गभवतयर	३॥ वतयगभनर	१२॥ यगरभवत
	स्वाती १,२,३,४	२८ यग	२८ न	२० नयग	६ भवयनग	२१॥ भवत	१६॥ भवतग	२३ तरग	२७ तरग	१६ तनर	२२ नवत	२३ नवत	२६॥ वयग	२१ यगभ	२० गयभ	२५ यभ	१६ वभयर	१६॥ वतभर	१२॥ वतभनर
	विशा. १,२,३,	३४॥ त	१६ गनय	२८ न	१७ भवन	१६ गवभय	२०॥ भवतय	२७ तयर	२२ गतर	१४ गनतर	१७ गनवत	१७ गनवत	३० वतय	२४॥ भतय	२६ भय	२० गभय	१४ गभवयर	१३ गयभतर	४॥ गभवनयतर
वृश्चिक	विशा. ४	२२॥ बवभत	७ बवगनभय	१६ बवनभ	२८ न	२७ गय	३१॥ तय	२१॥ बवतयभ	१६॥ बवगभत	८॥ बवगनभत	१२ गबनतर	१२ बनगतर	२५ बतयर	२४ बवतयर	२५॥ बवयर	१६॥ बवगयर	१६ गभय	१८ गयभ	६॥ गभनतय
	अनु. १,२,३,४	६॥ बवतभयगन	२१॥ बवभत	१६ बवभयग	२८ यग	२८ न	३१ ग	१५॥ बवतगयभ	१३॥ तबवनभ	२१॥ बवतभ	२५ बतर	२६ बतर	१२ तयबनरग	११ तयबवनरग	२१ बवतरग	२४॥ बवयर	२४ भय	१८ नभ	२७ भ
	ज्येष्ठा १,२,३,४	१६॥ बवतभय	१५॥ तबवगभ	१६॥ बवभतय	३१॥ तय	३० ग	२८ न	१४ बवनभय	१६॥ बवतगभ	१६॥ बवतगभ	२० वतर	२० वतर	२५ बतयर	२४ बवतयर	१८ बवनरत	१० तबवयगनर	६॥ गभतनय	२१ गभ	२१ गभ
धनु	मूल १,२,३,४	२६ तबयर	२१ गबतर	२६ तबयर	२२॥ भवतय	१५॥ गवभयत	१५ यवनभ	२८ न	२८ ग	२६॥ गत	१५ गबभवत	१५ गबभवत	२० बभवतय	२८॥ बवय	२१॥ बनत	१४॥ गनबतय	१६ गनवतय	२५ गवत	२६ गव
	पू.षा. १,२,३,४	१३ गबतनर	२७ बतर	२१ गबतर	१७॥ गवभत	१५॥ भवनत	१७॥ गवभत	२८ ग	२८ न	३४	२२॥ बभव	२३ बभवत	६ गबवभनतय	१४॥ गबतनय	२३॥ गबत	२८॥ बतय	३० वतयत	२३ नव	३१ वत
	उ.षा. १	२१ गबतर	१६ नबतर	१३ गबनतर	६॥ गवभनत	२३॥ भवत	१७॥ गवभत	२६॥ गत	३४	२८ न	१६॥ बभवन	१४॥ बभवन	१५ गबवभत	२३॥ गबत	२३॥ गबत	२६॥ बतत	३१ वत	३१ वत	२३ नव
मकर	उ.षा. २,३,४	२४ गबत	२२ नबवत	१६ गबनत	१३ गनतर	२७ तर	२१ गतर	१६ गभवत	२३॥ भव	१७॥ नभव	२८ न	२६ न	२६॥ गत	१७ गबभवत	१७ गबवभत	२३ बभवत	३०॥ त	३०॥ त	२२॥ नत
	श्रव. १,२,३,४	२६॥ बवग	२२ नबवत	१७ नबगवत	१४ नतर	२७ तर	२२ तर	१७ भवतग	२३ भवत	१४॥ नभव	२५ न	२८ न	२८ यग	१८॥ बभवयग	१८ बभवतग	२१ बभवतय	२८॥ तय	२६॥ त	२२॥ नत
	धनि. १,२	२२॥ नबवय	२४॥ गबवय	२६ बवतय	२६ तयर	१२ गनतयर	२६ तयर	२१ भवतय	७ गभयवनत	१६ गभवत	२६॥ गत	२७ गय	२८ न	१८॥ बभनव	२३॥ बभवय	१६ गबवतभ	२६॥ गत	१५॥ गनतय	२२॥ गयत
कुम्भ	धनि. ३,४	१८ नभय	२० गभय	२४॥ भतय	२५ तवयर	११ गवयतनर	२५ तवयर	२६॥ तय	१५॥ गतनय	२४॥ तग	१८ गभवत	१८॥ गभवय	१६॥ भवन	२८ न	३३ य	२८॥ गत	१८ गभवत	७ तगभवनय	१४ गयवभत
	शत. १,२,३,४	२६ भय	१६ भयग	२६ भय	२६॥ यवर	२१ गवतर	१६ नवतर	२२॥ नत	२४॥ गत	२४॥ गत	१८ गभवत	१८ गभवत	२४॥ भवय	३३ य	२८ न	१६ गनय	८॥ गभवनय	१७ गभवत	१६ गभवत
	पू.भा. १,२,३	१८॥ गभतय	२६ भय	२० गभय	२०॥ गवयर	२६॥ वयर	११ गवतयनर	१५॥ नगतय	२६॥ तय	३०॥ त	२४ भवत	२३ भवतय	२० भगवत	२८॥ गत	१६ नगय	२८ न	१७॥ नभव	२२॥ भवय	२० भयवत
मीन	पू.भा. ४	११॥ गबभवतयर	१६ बभवयर	१३ गबवभयर	१६ गभय	२५ भय	६॥ गभनतय	१५ गबतनय	२६ बवतय	३० बवत	२६॥ बत	२८॥ बतय	२५॥ गबत	१७ गबभत	७॥ गबयभतन	१६॥ बभतन	२८ न	३३ य	३०॥ यत
	उ.भा. १,२,३,४	२॥ यवबरगभनत	१६॥ भवबतर	१२ गवरभयब	१८ गयभ	१६ नभ	२१ गभ	२४ गबवत	२२ नबवत	३० बवत	२६॥ बत	२६॥ बत	१४॥ गबतनय	६ गबवनभतय	१६ गबवभत	२१॥ बभतय	३३ य	२८ न	३५
	रेव. १,२,३,४	१२॥ बभवतयर	११॥ बभतवनर	४॥ बभवनतगयर	१०॥ नभतयग	२७ भ	२२ भग	२६॥ बगव	२६ बवत	२१ नबवत	२०॥ नबत	२१॥ नबत	२२॥ बयतग	१४ बवयभतग	१६ बभवतग	१८ बयभवत	२६॥ यत	३४	२८ न

(ब = वर्णदोष । व वश्यदोष । त = तारादोष । य = योनिदोष । र = राशिदोष । ग = गणदोष । भ = भकूट दोष । न = नाड़ी दोष।)

मंगली दोष विचार

ज्योतिषशास्त्र मेलापक द्वारा दम्पत्ति के आगामी जीवन के सुख-दुःख, सम्पत्ति, विपत्ति, आय-व्यय तथा आने वाली घटनाओं का मनोवैज्ञानिक एवं तात्त्विक विवेचन करता है। अतः वर-कन्या के शुभ-अशुभ ग्रह योगों की सामञ्जस्यता एवं मित्रता होगी, तो आगामी जीवन सुखमय तथा आनन्दमय होगा। यदि ग्रहों में परस्पर शत्रुता एवं एक की कुण्डली में सौम्यग्रह तथा एक की कुण्डली में अरिष्टकारक ग्रह बैठे हों तो संघर्षमय जीवन के साथ-साथ एक-दूसरे को घातक सिद्ध हो सकते हैं। अतः कुण्डली मिलान के समय अरिष्ट योगों का विशेष रूप से विचार किया जाता है। यदि वर या कन्या किसी एक की जन्मकुण्डली या चन्द्रकुण्डली से लग्न, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम या व्यय स्थान में मंगल स्थित हो तो इस प्रकार की कुण्डली मंगली कही जाती है। यदि वर की कुण्डली में उपरोक्त स्थानों में मंगल हो तो कन्या को तथा यदि कन्या की कुण्डली में हो तो वर के लिए नेष्ट होता है।

'लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
कन्याभर्तृविनाशाय भर्ताकन्याविनाशदः॥'

(मुहूर्त्त-संग्रह-दर्पण)

मंगली दोष परिहार-

उपरोक्त कथनानुसार यदि वर-कन्या में से किसी एक की कुण्डली में मंगलीयोगकारक ग्रह स्थित हो तो परस्पर अरिष्टकारक होते हैं, किन्तु 'लोहा लोहे को काटता है' इस तथ्य के अनुसारयदि वर-कन्या दोनों की कुण्डली में समान मंगली योगकारक ग्रह स्थित हों तो दोनों का मंगली दोष कट जाता है, यह ध्यान रहे कि वर के मंगली योग का कन्या से प्रबल होना आवश्यक है। इसी प्रकार यदि एक की कुण्डली में मंगल योगकारक स्थानों १, ४, ७, ८, १२ में हो तथा दूसरे की कुण्डली में इन्हीं स्थानों में मंगल अरिष्ट योगकारक शनि, राहु, केतु आदि पापग्रह स्थित हों तो एक-दूसरे के दोष को नष्ट कर देते हैं-

'शनिभौमोऽथवा कश्चित्-
पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्॥'

(फलित नवरत्न संग्रह)

'यामित्रे च यदा सौरिर्लग्ने वा हिबुके तथा।
अष्टमे द्वादशे चैव भौमदोषो न विद्यते॥''

यदि मेष राशि का मंगल लग्न में, वृश्चिक राशि का चतुर्थ में, मकर राशि का सप्तम में, कर्क राशि का अष्टम में तथा धनु राशि का व्यय स्थान में हो तो मंगल का दोष नहीं होता-

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके कुजे।
द्यूने मृगे कर्कि चाष्टौ भौम दोषो न विद्यते॥

अन्य आचार्य के मत में वृष राशि के मंगल को सप्तम भाव तथा कुम्भ राशि के भौम को अष्टम भाव में होने पर भौम दोष नहीं होता-

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके कुजे।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौमदोषो न विद्यते॥

बली गुरु शुक्र के लग्न या सप्तम भाव मे होने पर तथा मंगल के वक्री, नीचस्थ, शत्रुगृही तथा अस्तंगत होने पर भी मंगल का दोष समाप्त हो जाता है।

सबले गुरौ भृगौ वा लग्ने द्यूनेऽथवा भौमे।
वक्रनीचारिगृहस्थे वाऽस्तेऽपि न कुजदोषः॥

द्वितीय भाव में चन्द्र और शुक्र स्थित हो, मंगल पर गुरु की दृष्टि हो तथा केन्द्र स्थित राहु मंगल की युति हो, तो मंगली का दोष नहीं होता।

न मंगली चन्द्रभृगुर्द्वितीये,
न मंगली पश्यति यस्य जीवः।
न मंगली केन्द्रगते च राहुर्न-
मंगली मंगलराहुयोगे॥

केन्द्र त्रिकोण में शुभग्रह तथा ३, ६, ११वें भाव में अशुभ ग्रह सप्तमेश स्वगृही हो तो भौम का दोष नहीं होता-

'केन्द्रकोणे शुभाढ्ये च त्रिषडायेऽप्यसद्ग्रहाः।
तदा भौमस्य दोषो न मदने मदनपस्तथा॥'

राशि की मित्रता, गण की ऐक्यता तथा गुणों की बहुलता मंगली दोष को नष्ट कर देती है-

'राशिमैत्रं यदायाति गणैक्यं वा यदा भवेत्।
अथवा गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते॥'

उपरोक्त मंगली दोष परिहार से स्पष्ट है कि रामाचार्य ने बालवैधव्य का विचार करके सावित्री या पीपल के वृक्ष का व्रत कराकर विष्णु की प्रतिमा (शालिग्राम) पीपल वृक्ष या कुम्भ से विवाह के अनन्तर चिरंजीवी वर के साथ विवाह का जो विधान किया है, उसका भी यही तात्पर्य है-

"जन्मोत्थं च विलोक्य बालविधवायोगं विधाय व्रतं,
सावित्र्या उत पैप्पलं हि सुतया दद्यादिमां वा रहः।
सल्लग्नेऽच्युतमूर्तिपिप्पलघटैः कृत्वा विवाह स्फुटं
दद्यातां चिरंजीविनेऽत्र न भवेद्दोषः पुनर्भूभवः॥"

विवाहादिकार्यों में सूर्य, गुरु व चन्द्र का अष्टक वर्ग विचार- विवाहादि शुभ कार्यों में यदि नाम राशि या जन्म राशि से गोचरीय ग्रह शुद्धि प्राप्त न हो तो अष्टकवर्गशुद्धि का विचार करना चाहिए, क्योंकि अष्टकवर्ग द्वारा शुद्ध गुरु, चन्द्र व सूर्य गोचर के अशुद्ध होने पर भी ग्राह्य माने जाते हैं। कहा भी है-

"अष्टकवर्गविशुद्धेषु गुरुशीतांशुभानुषु।
व्रतोद्वाहौ च कर्त्तव्यौ गोचरेण कदाचन॥"

क्योंकि........

"अष्टकवर्गेण ये शुद्धास्ते शुद्धाः सर्वकर्मसु
सूक्ष्माष्टवर्गसंशुद्धिः स्थूलाशुद्धिस्तु गोचरे"

सूर्याष्टकवर्ग रेखा - ४८

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ल.
१	३	१	३	५	६	१	३
२	६	२	५	६	७	२	४
४	१०	४	६	९	१२	४	६
७	११	७	९	११		७	१०
८		८	१०			८	११
९		९	११			९	१२
१०		१०	१२			१०	
११		११				११	

गुरु का अष्टकवर्ग रेखा - ४९

गु०	शु०	श०	सू०	चं०	मं०	बु०	ल०
१	२	३	१	२	१	१	१
२	५	५	२	५	२	२	२
३	६	६	३	७	४	४	४
४	९	१२	४	९	७	५	५
७	१०		७	११	८	६	६
८	११		८		१०	९	७
१०			९		११	१०	९
११			१०			११	१०
			११				११

चन्द्राष्टकवर्ग रेखा - ५६

च०	मं०	बु०	गु०	शु०	श०	सू०	ल०
१	२	१	१	३	३	३	३
३	३	३	४	४	५	६	६
६	५	४	७	५	६	७	१०
७	६	५	८	७	११	८	११
१०	९	७	१०	९		१०	
११	१०	८	११	१०		११	
	११	१०	१२	११			
		११					

यात्रा मुहूर्त्त का विचार- यात्रा करने में चन्द्रवास, दिक्शूल, योगिनी, चन्द्रबल ये ४ बातें मुख्य विचारणीय हैं, साथ ही तिथि नक्षत्र आदि का भी विचार है। ह०, श्र०, अश्वि०, मृ०, पुष्य, पुन०, ध०, अनु०, रे० नक्षत्र सर्वश्रेष्ठ हैं अत्यावश्यकता में निन्द्य नक्षत्रों (भ०, कृ०, आर्द्रा, आश्ले०, म०, चि०, स्वा०, वि०, ज्ये०) की प्रारम्भ की क्रमश ७-२१-१०-१४-११-४०-१४-१४-१४ घटियां यात्रा में त्याज्य हैं। रो०, तीनों उत्तरा, तीनों पूर्वा, मूल ये नक्षत्र मध्यम माने हैं। कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा, शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि में यात्रा शुभ है। जन्मलग्न और जन्म राशि से अष्टम लग्न व नवांश में, कुम्भ लग्न या कुम्भ के नवांश में यात्रा सर्वथा निषिद्ध है।

चन्द्रवास का विचार-

मेषे च सिंहे धनुपूर्वभागे वृषे च-
कन्यामकरे च याम्ये।
युग्मे तुलायां च घटे प्रतीच्यां-
कर्कालिमीने दिशि चोत्तरस्याम्॥१॥

दिशा	पूर्व	दक्षिण	पश्चिम	उत्तर
राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क
राशि	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक
राशि	धनु	मकर	कुम्भ	मीन

यात्राफल- यात्रा काल में चन्द्रमा सम्मुख होने पर अर्थलाभ, दक्षिण होने पर सुख-सम्पत्ति, पृष्ठ होने पर मरण तुल्य कष्ट या मरण, वाम होने पर धन की हानि करता है।

'सर्वे दोषाः लयं यान्ति पूर्णचन्द्रे ही सम्मुखे।'

दिशा	सम्मुख	दक्षिण	पृष्ठ	वाम
फल	अर्थलाभ	सुख-सम्पत्ति	मरण	धनक्षय

(महाकष्ट)

यथा **सम्मुखे अर्थलाभाय दक्षिणे सुखसम्पदः।**
पृष्ठतो मरणं चैव वामे चन्द्रे धनक्षयः॥२॥

योगिनी विचार- प्रतिपदा से प्रारम्भ कर पूर्व, उत्तर अग्नि, नैऋत्य, दक्षिण, पश्चिम, वायव्य, ईशान इन दिशाओं में क्रमशः योगिनी का भ्रमण होता है। यह योगिनी यात्रा करने वालों के लिए सम्मुख तथा वाम शुभ नहीं होती। दक्षिण तथा पृष्ठ में रहने पर शुभ होती है।

योगिनीवासचक्र

तिथियाँ	दिशा
१-९	पूर्व
२-१०	उत्तर
३-११	अग्नि
४-१२	नैऋत्य
५-१३	दक्षिण
६-१४	पश्चिम
७-१५	वायव्य
८-३०	ईशान

योगिनीवासचक्रम्

योगिनी का विशेष-विचार- योगिनी के शुभा-शुभत्व के विषय में ज्योतिष ग्रन्थों में दोनों प्रकार के वाक्य उपलब्ध होते हैं। यथा-

योगिनी सम्मुखे द्यूते गमे युद्धे च मृत्युदा।
अशुभा वामभागस्था पृष्ठे दक्षे जयप्रदा॥२॥

(मुहूर्त्त गणपति)

इसके विपरीत शीघ्रबोध में निम्नवाक्य मिलता है।

योगिनी सुखदा वामे पृष्ठे वांछितदायिनी।
दक्षिणे धनहन्त्री च सम्मुखे मरणप्रदा॥२॥

(शीघ्रबोध)

तथा **जयदा पृष्ठदक्षस्था भंगदा वामसम्मुखी।**
त्रिविधंयोगिनीचक्रम् इत्युक्तं ब्रह्मयामले॥३॥

(स्वरोदय)

मुहूर्त्त चिन्तामणिकार द्वारा-

'सम्मुखवामगा न शस्ता' यह कहा गया है॥४॥

तथा च-

पृष्ठतो दक्षिणे वापि योगिनी गमने हिता।
वामसम्मुखयोर्नेष्टा वायुमेवं विचिन्तयेत्॥५॥

(विजय कल्पलता)

तथा-

वामे शुभकरीदेवी पृष्ठेसर्वार्थदायिनी।
वंशबन्धकरी चाग्रे दक्षिणे मृत्युदायिनी॥७॥

(ज्योतिस्तत्त्व)

इस प्रकार के विरोधी वचनों को देखते हुए मुहूर्त्तचिन्तामणि, मुहूर्त्तगणपति, स्वरोदय एवं विजय कल्पलता के वचनों के आधार पर दक्षिण तथा पृष्ठस्थ योगिनी शुभ एवं वाम और सम्मुखस्थ योगिनी को अशुभ माना है।

दिक्शूल-विचार

वार	दिशा
सोम, शनि	पूर्व
सोम, गुरु	आग्नेय
गुरु	दक्षिण
रवि, शुक्र	नैऋत्य
रवि, शुक्र	पश्चिम
मंगल	वायव्य
मंगल, बुध	उत्तर
बुध, शनि	ईशान

आवश्यक कार्य में रविवार में घृतपान, सोम को दूध, मंगल को गुड़, बुध को तिल, गुरु को दधि, शुक्र को यवान्न, शनि को उड़द तेल या तेल की वस्तु का सेवन करके जाना शुभ है।

पूर्व	दक्षिण	पश्चिम	उत्तर	दिशा
ज्येष्ठा	पू०भा०	रोहिणी	उ०फा०	नक्षत्र

विशेष- यात्रा में घातचन्द्र, शुक्रास्त, जन्मराशीश, जन्मदशेश के अस्त होने पर शुभफल नहीं होता है।

पहली तीर्थ यात्रा गुरु, शुक्र होने पर वर्ज्य है। सिंह राशि का गुरु एवं नीच राशि का गुरुवर्ज्य है।

समयशूल-विचार

पूर्व	दक्षिण	पश्चिम	उत्तर
प्रातःकाल	मध्याह्न	सायंकाल	अर्धरात्रि

दिक्शूल परिहार-

'न वारदोषाः प्रभवन्ति रात्रौ
देवेज्यदैत्येज्यदिवाकराणाम्।
दिवा शशांकार्कजभूसुतानां
सर्वत्र निन्द्यो बुधवारदोषः॥'

दिशाओं के विभाग से लग्न-विचार

दिशा	शुभ लग्न	मध्यम	भय	महाभय
पूर्व	१-५-९	२-६-१०	४-८-१२	३-७-११
दक्षिण	२-१०-६	३-७-११	१-५-९	४-८-१२
पश्चिम	३-७-११	४-८-१२	२-६-१०	१-५-९
उत्तर	४-८-१२	१-५-९	३-७-११	२-६-१०

प्रस्थान-विचार- यात्रा मुहूर्त्त में विलम्ब होने पर यात्रा के तीन दिन के अन्दर वर्णानुसार यज्ञोपवीतादि वस्तु या मन की सबसे प्रियवस्तु को किसी के यहां रख दें। पुनः यात्रा में जाते समय ले जायें।

गृहारम्भ विचार- नवीन गृहनिर्माण के पूर्व नींव खोदने के उपरान्त इष्टिका स्थापना का विचार करना चाहिए। नींव खनन करते समय राहुमुख का विचार कर राहुमुख के पीछे वाली दिशा से खात (नींव) खनन प्रारम्भ करें।

राहुमुख एवं खातदिशा ज्ञान के लिए चक्र

कोण	ईशा	वायव्य	नैऋत्य	अग्नि
गृहारम्भ	सिंह, कन्या, तुला	वृश्चि., धनु मकर	कुम्भ, मीन मेष	वृष, मिथुन, कर्क
देवालया-रम्भ	मीन, मेष वृष	मि०, कर्क सिंह	कन्या, तुला वृश्चिक	धनु, म०, कुम्भ
जलाशया-रम्भ	म०, कुम्भ, मीन	मेष, वृष मिथुन	कर्क, सिंह, कन्या	तुला, वृ०, धनु
खातदिशा	आग्नेय	ईशान	वायव्य	नैऋत्य

गृहारम्भ से पूर्व भूमि के शुभाशुभत्व की भी परीक्षा कर लेनी चाहिए। भूमि में एक हाथ चौड़ा एक हाथ लम्बा, एक हाथ गहरा गड्ढा बनाकर रात्रि में उसे जल से भरकर प्रातःकाल देखें की यदि जलयुक्त हो तो शुभ, निर्जल हो तो मध्यम, जलहीन के साथ फटी हो तो भूमि अशुभ समझें।

	गृहारम्भ मुहूर्त्त-चक्र	वार	बुध, गुरु, शुक्र, सोम, शनि	त्याज्य	भद्रा, अशुभ योग, अष्टमचन्द्र, चक्र अशुद्धि।
नक्षत्र	तीनों उत्तरा, मृग०, पुष्य, अनु०, ध०, श०, चि०, ह०, स्वा०, रे०, रो०	तिथियाँ लग्न	२, ३, ५, ७, १०, ११, १३, १५ २, ३, ५, ६, ८, ११, १२		
मास	वै०, श्रा०, मार्ग०, माघ, फाल्गुन इन मासों में। सूर्य क्रमशः १, ४, ५, ८, १०, ११ राशियों में स्थित होने पर।	लग्न शुद्धि	स्वामी की दृष्टि हो, लग्न से १, ४, ७, १०, ५, ९वें शुभ ग्रह, ३, ६, ११वें, पाप ग्रह तथा ८, १२ स्थान शुभ पाप से रहित।		

विशेष :- शुक्ल पक्ष, गुरु-शुक्र के उदय में गृहराम्भ विशेष शुभ है।

यात्रा में दिन में दिनमान अष्टमांश से, रात्रि में रात्रि के अष्टमांश से वेलाफल बोधक चक्र-

चतुर्घटिका (चौघड़िया) मुहूर्त्त

घटी	रवि	रवि	सोम	सोम	मंगल	मंगल	बुध	बुध	गुरु	गुरु	शुक्र	शुक्र	शनि	शनि
	दिन	रात्रि	दिन	रात्रि	दिन	रात्रि	दिन	रात्रि	दिन	रात्रि	दिन	रात्रि	दिन	रात्रि
४	उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ
४	चर	अमृत	काल	रोग	उद्वेग	लाभ	अमृत	शुभ	रोग	चर	लाभ	काल	शुभ	उद्वेग
४	लाभ	चर	शुभ	काल	चर	उद्वेग	काल	अमृत	उद्वेग	रोग	अमृत	लाभ	रोग	शुभ
४	अमृत	रोग	रोग	लाभ	लाभ	शुभ	शुभ	चर	चर	काल	काल	उद्वेग	उद्वेग	अमृत
४	काल	काल	उद्वेग	उद्वेग	अमृत	अमृत	रोग	रोग	लाभ	लाभ	शुभ	शुभ	चर	चर
४	शुभ	लाभ	चर	शुभ	काल	चर	उद्वेग	काल	अमृत	उद्वेग	रोग	अमृत	लाभ	रोग
४	रोग	उद्वेग	लाभ	अमृत	शुभ	रोग	चर	लाभ	काल	शुभ	उद्वेग	चर	अमृत	काल
४	उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ

विशेष - विजयदशमी को बिना मुहूर्त्त के भी यात्रा शुभ है वाम स्वर चलने पर पूर्व व ईशान, दक्षिण स्वर चलते समय दक्षिण व नैर्ऋत्य कोण में जाना अशुभ है।

मन की तीव्र इच्छा भी एक मुहूर्त्त है। मन के निषेध करने पर न जावें। मन के कहने पर बिना मुहूर्त्त भी यात्रा शुभ है। श्वास ग्रहण करते समय वाहन पर पैर रखें तो यात्रा सुरक्षित कहलाती है।

चैत्रादि मास में गृहारम्भ का मास के अनुसार फल

मास	फल
चैत्र	शोक
वैशाख	धान्य
ज्येष्ठ	पशु मरण
आषाढ़	हानि
श्रावण	द्रव्य वृद्धि
भाद्रपद	नाश
आश्विन	शुभ
कार्तिक	मृत्यु
माघ	धन
पौष	श्री प्राप्ति
मार्गशीर्ष	वह्निभय
फाल्गुन	लक्ष्मी लाभ

गृहारम्भ में शिलान्यास (प्रथम इष्टिका स्थापना) पूर्व दक्षिण कोण (अग्निकोण) में करें।

'क्षेत्रभित्तिशिलान्यासस्तम्भस्यारोपणं तथा।
पूर्वदक्षिणयोर्मध्ये कुर्यादित्याह कश्यपः॥'

वत्स चक्र विचार- सूर्य जिस नक्षत्र पर हो उससे गृहारम्भ नक्षत्र तक अभिजित् सहित गणना करें पुनः चक्रानुसार फल विचारें।

वत्स-चक्र

नक्षत्र	स्थान	फल
३	शीर्ष	वह्निभय
४	अग्रिमपाद	रिक्त, अशुभ
४	पृष्ठपाद	स्थिरता
३	पृष्ठ	श्रीलाभ
४	दक्षिण कुक्षि	शुभ लाभ
३	पुच्छ	स्वामिनाश
४	वाम कुक्षि	निर्धनता
३	मुख	अशुभ, कष्ट

अन्य विशेष- पुष्य, ३ उत्तरा, रो०, म०, आश्ले०, पू०षा०, इन नक्षत्रों में, गुरु जिस नक्षत्र पर हो उस नक्षत्र में, गुरुवार को गृहारम्भ पुत्र और लक्ष्मीदायक माना गया है। रो०, ह०, श्र०, उ०फा०, चि०, इनमें बुधाधिष्ठित नक्षत्र में बुधवार को गृहारम्भ पुत्र और सुखप्रद है। वि०, चि०, आ०, आश्ले०, ध०, श० इनमें शुक्राधिष्ठित नक्षत्र में शुक्रवार को गृहारम्भ धनधान्यप्रद होता है।

भूमि शयन- नींव खनन में भूमि शयन का भी विचार करें। सूर्य नक्षत्र से ५, ७, ९, १२, १९, २६ संख्यक नक्षत्रों में भूमि खनन अशुभ है। अत्यावश्यकता में इन नक्षत्रों की ५, ११, ७, ६, २, १० ये घड़ी वर्जित करें।

कुँआ या नल लगाने के लिए- गृह में उत्तर, ईशान, पूर्व व पश्चिम दिशायें श्रेष्ठ है अन्य शुभ हैं।

कुंआ खोदने व नल लगाने के लिए चक्र

दिशा	फल
पूर्व	ऐश्वर्य
अग्नि	सुत हानि
दक्षिण	स्त्री नाश
नैर्ऋत्य	गृहपति नाश
पश्चिम	सम्पत्ति
वायव्य	शत्रुभय
उत्तर	सुख
ईशान	पुष्टि
मध्य	अर्थ हानि

द्वार शाखा (द्वारस्थापन) विचार

द्वार चक्र- सूर्य नक्षत्र से गणना करके चक्र देखकर शुभ फलदायक नक्षत्र में चक्रबल शुद्धि में द्वार (मुख्यद्वार) की स्थापना करें।

द्वारस्थापन-चक्र

नक्षत्र	स्थान	फल
४	शिर	श्री प्राप्ति
८	कोण	उद्वसन
८	शाखा	सौख्य
३	देहली	गृहेशनाश
४	मध्य	सौख्य

जीर्ण व नूतन गृह-प्रवेश मुहूर्त्त-चक्र

मास	वै०, ज्ये०, माघ, फाल्गुन
नक्षत्र	तीनों उत्तरा, अनु०, रो०, मृ०, चि०, रे०, इन नक्षत्रों में कुम्भ चक्र शुद्धि होने पर ।
वार	चं०, बु, गु०, शु०, श०
तिथियाँ	१, २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १३
लग्न	(२, ५, ८, ११) शुभ (३, ६, ९, १२) मध्यम
लग्न शुद्धि	लग्न से १, २, ३, ५, ७, ९, १०, ११वें स्थानों पर शुभ ग्रह ३, ६, ११ पाप तथा ४, ८ स्थान ग्रह रहित श्रेष्ठ हैं।
जीर्ण	उपरोक्त मास तथा श्रा०, मार्ग०, कार्तिक भी ग्राह्य है। गुरु शुक्रास्त में भी।
गृह-प्रवेश	शत०, पुष्य, स्वाती और धनिष्ठा नक्षत्रों में शुभ है।

जीर्ण व नूतन गृह-प्रवेश मुहूर्त्त विचार- गृह निर्माण के बाद मास, तिथि, वार नक्षत्र, लग्न व चन्द्र तारा शुद्धि में कुम्भचक्रशुद्धि तथा जन्म लग्न व जन्म राशि से प्रवेश लग्न अष्टम से अन्य होने पर दम्पत्ति जलपूर्ण कलश पर पुष्पमाला, पञ्चपल्लव तथा नारिकेल रखकर, गीत-वाद्य ब्राह्मण, कन्या व गौ के सहित गृहप्रवेश करें।

कुम्भ-चक्र- सूर्य नक्षत्र से गणना कर विचार करें।

५	८	८	६
अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ

सूर्य नक्षत्र से गृह-प्रवेश तक उक्त चक्रानुसार गणना कर शुभफल के समय में ही प्रवेश करना चाहिए।

स्पष्ट फल ज्ञान के लिए अन्य कुम्भ-चक्र

नक्षत्र	स्थान	फल
१	मुख	अग्निदाह
४	पूर्व	उद्वसन
४	दक्षिण	लाभ
४	पश्चिम	लक्ष्मीप्राप्ति
४	उत्तर	कलह
४	गर्भ	विनाश
३	अधः	स्थिरता
३	कण्ठ	स्थिरता

दुकान (विपणि) करने का मुहूर्त्त

नक्षत्र	रो०, तीनों उत्तरा, ह०, पुष्य, चि०, रे०, अनु०, मृ०, अश्वि०
वार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र
तिथि	२, ३, ५, ७, १०, १२, १३
अन्य	चन्द्रशुद्धि, शुभलग्न

क्रय नक्षत्र- रे०, अ०, शत०, स्वा०, श्र०, चित्रा नक्षत्र बुध तथा रविवार श्रेष्ठ हैं।

विक्रय नक्षत्र- पू०, फा०, पू०षा०, पू०भा०, वि०, चि०, कृ०, आश्ले०, भर० ये सात नक्षत्र गुरुवार और सोमवार श्रेष्ठ हैं।

विशेष- बेचने के नक्षत्रों में खरीदना तथा खरीदने के नक्षत्रों में बेचना हानिप्रद है।

बड़ा व्यापार करने का मुहूर्त्त

नक्षत्र	हस्त, पुष्य, तीनों उत्तरा, चित्रा।
वार	बुध, गुरु, शुक्र
तिथि	२, ३, ५, ७, ११, १३

नौकरी करने का मुहूर्त्त– हस्त, चित्रा, अनु०, रे०, अ०, मृ०, पुष्य नक्षत्रों में बुध, गुरु, शुक्र, रवि इन वारों में रिक्ता, अमा०, रहित तिथियों में नौकरी प्रारम्भ करनी श्रेष्ठ है

मुकद्दमा दायर करने का मुहूर्त्त

नक्षत्र	ज्ये०, आर्द्रा०, म०, तीनों उत्तरा, मृ०, आश्ले०, भ०
वार	रवि, बुध, गुरु, शुक्र
तिथि	३, ५, ८, १०, १५
लग्न	३, ६, ७, ८, १२
लग्नशुद्धि	सूर्य, बुध, गुरु, शुक्र, चन्द्र ये ग्रह १, ४, ७, १० इन स्थानों में, पापग्रह ३, ६, ११ स्थानों पर शुभ हैं। अष्टम स्थान में कोई ग्रह न हो।

विशेष– लग्न में कोई प्रबल पाप ग्रह हो ऐसे लग्न में मुकदमा दायर करना अत्यन्त शुभ है।

मशीनरी चालू करने का मुहूर्त्त

वार	बुधवार, अत्युत्तम है अन्य शुभ वार
नक्षत्र	धनि०, अश्वि०, ह०, चि०, अनु०, पु०, पुष्य, ज्ये०, एवं रेवती।
लग्नशुद्धि	श०, मं०, शु०, श० शुभ स्थानों में हों।
अन्य	शनि की होरा, चन लग्न

गाय बैल आदि पशु लेने का मुहूर्त– गाय खरीदने के लिए उ.फा. नक्षत्र से वर्तमान नक्षत्र तक (खरीदने के नक्षत्र तक) गणना करें, वह नक्षत्र ४, ५, २६ या २७वाँ हो तो गाय लेना अशुभ है। शेष सभी नक्षत्रों में गाय खरीदना शुभ है। भैंस लेने के लिए नक्षत्र से गणना करने पर ४, ५, २६, २७वाँ नक्षत्रों को त्याग कर शेष श्रेष्ठ हैं। बैल लेने के लिए उ.फा. से ३-४-२६-२७वें नक्षत्रों को छोड़कर शेष नक्षत्र लाभपद हैं। तिथियों में ९-१४-४ (रिक्ता) तथा मंगलवार को कभी भी पशु न लें।

मन्दिर निर्माण का मुहूर्त्त

मास	माघ, फा०, वै०, ज्ये, मार्ग, पौष
नक्षत्र	पुष्य, तीनों उत्तरा, मृग०, श्र०, अश्वि०, चि०, पुन०, आर्द्रा, ह०, ध०, रो०।
वार	सो०, बु, गुरु, शुक्र
तिथि	२, ३, ५, ७, ११, १२, १३

जलाशयारामसुरप्रतिष्ठामुहूर्त्त

समय	उत्तरायण, गुरु, शुक्र व मंगल के बली होने पर
तिथि	शुक्ल पक्ष की १-२-५-१०-१३-१५ कृष्ण पक्ष की १-२-५ मतान्तर से शुक्लपक्ष की ७-११।
नक्षत्र	पुष्य, तीनों उत्तरा, ह०, रे०, रो०, अश्वि०, मृ०, श्र०, ध०, पुन०, (मतान्तर से चि०, स्वा०, भ०, मू०, अत्यावश्यक होने पर।)
वार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र।
लग्न शुद्धि	२, ३, ५, ९, ११, १२ (लग्न राशियाँ) केन्द्र त्रिकोण में शुभ ग्रह ३, ६, ११वें पापग्रह, अष्टम शुद्ध हो।
अन्य	पूर्वाह्न, अपने-अपने मास तिथि, नक्षत्र में दक्षिणायन में प्रतिष्ठा के लिए शास्त्राज्ञा। (यथा चतुर्दशी में शंकर चतुर्थी में गणेश) इत्यादि।

प्रतिष्ठामुहूर्त्त- देवतारामवाप्यादिप्रतिष्ठामुत्तरायणे। माघादिपञ्च-मासेषु कृष्णेऽप्यापंचमीदिने। मातृभैरववाहारनारसिंहत्रिविक्रमाः। महिषासुरहन्त्री च स्थाप्या च वै दक्षिणायने।

चुल्लिचक्र विचार

सूर्य जिस नक्षत्र पर हो उस से चन्द्र नक्षत्र (दिन नक्षत्र) तक गणना करके पुनः चक्रानुसार फल का विचार करें।

नक्षत्र संख्या	६	४	८	३	६
फल	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ

हल प्रवहण मुहूर्त्त

मृगशीर्ष, रेवती, चित्रा, अनुराधा, रोहिणी, तीनों उत्तरा, हस्त, अश्विनी, पुष्य, अभिजित्, स्वाती, पुनर्वसु, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, मूल, मघा और विशाखा इन नक्षत्रों में रिक्ता, अमावस्या, षष्ठी और अष्टमी तिथियों को छोड़कर शेष तिथियों में १,५,७,१०,११ इन लग्नों को छोड़कर भूमिशयन एवं भद्रादि का विचार कर हलचक्र शुद्धि होने पर प्रथम बार हल प्रवहण करना श्रेयस्कर होता है।

हल चक्र - सूर्य नक्षत्र से दिन नक्षत्र (चन्द्र नक्षत्र) तक गणना करके निम्न चक्रानुसार शुभाशुभ फल का विचार करें।

नक्षत्र संख्या	३	७	९	८
फल	अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ

बीजवपन मुहूर्त्त

हस्त, अश्विनी, पुष्य, तीनों उत्तरा, रोहिणी, चित्रा, अनुराधा, मृगशीर्ष, रेवती, स्वाती, धनिष्ठा, मघा एवं मूल इन नक्षत्रों में, रिक्ता तिथि, अष्टमी, अमा, भद्रा, क्षीण चन्द्र, तिथिक्षय, सूर्य, मंगल और शनिवार, रात्रि एवं दोनों सन्ध्याओं को छोड़कर राहु नक्षत्र से बीजोप्ति चक्र के अनुसार बीजवपन शुभ होता है।

राहु नक्षत्र से बीजोप्ति चक्र

नक्षत्र	स्थान	फल
३	शिर	धान्यनाश
३	गला	कालिमा युक्त
१२	उदर	वृद्धि
४	पुच्छ	तुष
५	बाह्य	नाश

औषधसेवन मुहूर्त्त

हस्त, चित्रा, स्वाती पुनर्वसु, पुष्य, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, अश्विनी, रेवती, अनुराधा, मृगशीर्ष मूल नक्षत्र तथा रविवार व शुभ दिनों (चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र) में रिक्ता, अष्टमी, अमा एवं भद्रा तिथियों को छोड़कर, शुभ ग्रहों के बली होने पर तथा लग्न से ६, ७, ८, १२ भावों के शुद्ध (ग्रहरहित) होने पर औषध निर्माण व सेवन आयुष्यवर्धक एवं शुभ होता है।

वाहन आरोहण मुहूर्त्त

रेवती, अश्विनी, शतभिषा, स्वाती, मृगशीर्ष, चित्रा, पुनर्वसु, श्रवण, हस्त, पुष्य व धनिष्ठा नक्षत्र तथा सूर्य, चन्द्र, बुध, गुरु व शुक्र वारों में, रिक्ता, अमा एवं भद्रा रहित तिथियों में तथा चर लग्नों में प्रथम बार वाहन की सवारी करना शुभ होता है।

ग्रहों के दान, दान समय, जप-संख्या, जपनीय-मन्त्र एवं हवनसमिधा ज्ञानार्थ-चक्र

दान-पदार्थ													दान समय	जप संख्या	जपनीय मन्त्र	हवन समिधा
सूर्य	माणिक	सुवर्ण	ताम्र	गेहूँ	गुड़	घी	रक्तपुष्प	केशर	मूंग	रक्तगी	र.वस्त्र	र. चन्दन	सूर्योदय	७०००	ॐ ह्राँ ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः	अर्क
चन्द्र	मोती	सुवर्ण	रजत	चावल	मिश्री	दही	श्वेतपुष्प	शंख	कर्पूर	श्वेतबैल	श्वे.वस्त्र	श्वे.चन्दन	सन्ध्या	११०००	ॐ श्रां श्रीं श्रौं सः चन्द्राय नमः	पलाश
भौम	मूंगा	सुवर्ण	ताम्र	मसूर	गुड़	घी	रक्तकेशर	केशर	कस्तूरी	रक्तबैल	रक्तवस्त्र	र.चन्दन	घ.२ शेष दिन	१००००	ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः	खदिर
बुध	पन्ना	सुवर्ण	कांसी	मूंग	खांड	घी	सर्वपुष्प	हाथीदांत	कर्पूर	शस्त्र	ह.वस्त्र	फल	घ.५ शेष दिन	१९०००	ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः	अ.मार्ग
गुरु	पुखराज	सुवर्ण	कांसी	दा.चना	खांड	घी	पीतपुष्प	हल्दी	पुस्तक	घोड़ा	पीतवस्त्र	पीतफल	सन्ध्या	२९०००	ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरवे नमः	अश्वत्थ
शुक्र	हीरा	सुवर्ण	रजत	चावल	मिश्री	दूध	श्वेतपुष्प	सुगन्ध	दधि	श्वे.घोड़ा	श्वे.वस्त्र	श्वे.चन्दन	सूर्योदय	६०००	ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः	उदुंबर
शनि	नीलम	सुवर्ण	लोहा	उड़द	कुलथी	तेल	कृष्णपुष्प	कस्तूरी	कृष्णांग	भैंस	कृ.वस्त्र	उपानह	मध्याह्न	२३०००	ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनये नमः	शमी
राहु	गोमेद	सुवर्ण	सीसा	तिल	सरसों	तेल	कृष्णपुष्प	खड्ग	कम्बल	घोड़ा	नी.वस्त्र	शस्त्र	रात्रि	१८०००	ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः	दूर्वा
केतु	लसन	सुवर्ण	लोहा	तिल	सप्तथा	तेल	धूम्रपुष्प	नारियल	कम्बल	बकरा	धूम्रवस्त्र	शस्त्र	रात्रि	१७०००	ॐ स्रां स्रीं स्रौं सः केतवे नमः	कुशा
मुन्था	भौम	सुवर्ण	चाँदी	चावल	सुवर्ण	घी	श्वेतपुष्प	कपूर	मिश्री	श्वेतवस्त्र	श्वे.चन्दन	हाथीदांत	मुं.काल	मुन्थेशवत्	मुन्थेशमन्त्रवत्	

भारत के प्रमुख नगरों के पलभा, अक्षांश, रेखांश, एवं देशान्तर

(नोट- यहाँ (+) चिह्न का अर्थ दिल्ली से पूर्व तथा (-) चिह्न का अर्थ दिल्ली से पश्चिम समझना चाहिए)

नगर	पलभा	अक्षांश	रेखांश	देशान्तर	नगर	पलभा	अक्षांश	रेखांश	देशान्तर
अजमेर	५।५८।१२	२६.२७	७४.४२	-१०.००	गोरखपुर	६।२।५५	२६.४२	८३.२४	+२४.४८
अम्बाला	७।१।२५	३०.२१	७६.५२	-१.२०	गोंडल	४।४९।४१	२१.५५	७०.५३	-२५.२०
अमरावती	४।३५।२५	२०.५६	७७.४८	+२.२४	गोंडा	६।१४।१७	२७.२८	८२.१	+१९.१६
अमृतसर	७।२३।१४	३१.३७	७४.५५	-९.०८	गोहाटी	५।५४।१	२६.११	९१.४७	+५८.२०
अयोध्या	६।३।४२	२६.४८	८२.१४	+२०.०८	चण्डीगढ़	७।८।४	३०।४४	७६।२५	-३.४८
अलवर	६।१५।५२	२७.३४	७६.३८	-२.१६	चितौड़गढ़	५।३४।१३	२४.५४	७४.४२	-१०.००
अलीगढ़	६।२१।१३	२७.५४	७८.०६	+३.३६	छत्तीसगढ़	४।४३।३७	२१.३०	८२.००	+१९.१२
अलीपुर (उ.प्र.)	४।५८।४३	२२.३२	८८.२४	+४४.४८	छपरा	५।४७।४८	२५.४७	८४.११	+२९.५६
अल्मोड़ा	६।४९।१८	२९.३७	७९.४०	+९.५२	जम्मू	७।४२।४९	३२.४४	७४.५४	-९.१२
अहमदनगर	४।१९।५	१९.५	७४.४८	-९.३६	जबलपुर	५।८।६	२३.१०	७९.५९	+११.०८
अहमदाबाद	५।६।७	२३.२	७२.३७	-१८.२०	जयपुर	६।५।३२	२६.५५	७५.५२	-५.२०
आगरा	६।१।३०	२७.१०	७८.५	+३.३२	जालन्धर	७।१८।३	३१.१९	७५.१८	-७.३६
आजमगढ़	५।५१।५७	२६.३	८३.१३	+२४.४	जामनगर	४।५७।३०	२२.२७	७०.५	-२८.२८
आबू	५।३०।३९	२४.४०	७२.४५	-१७.४८	जूनागढ़	४।४३।५१	२१.३१	७०.३६	-२६.२४
आसनसोल	५।१६।३	२३.४२	८७.१	+३९.१६	जोधपुर	५।५५।५१	२६.१८	७३.४	-१६.३२
आनन्द	४।४९।२८	२२.३५	७२.५८	-१६.५६	जौनपुर	५।४७।३३	२५.४६	८२.४४	+२२.८
इटारसी	४।५८।१४	२२.३०	७७.५५	+२.५२	झालावाड़	५।२९।३९	२४.३६	७४.९	-१२.१२
इटावा	६।३।२६	२६.४७	७९.२	+७.२०	झांसी	५।४२।३९	२५.२७	७८.३७	+५.४०
इन्द्रगढ़	५/४७/२	२५.४४	७६.१२	-४.००	टोंक	५।५४।१	२६.११	७५.५०	-५.२८
इन्दौर	५।१।४०	२२.४४	७५.५४	-५.१२	डूंगरपुर	५।१८।३	२३.५०	७३.५०	-१३.२८
इलाहाबाद	५।४२।५५	२५.२८	८१.५४	+१८.४८	तिरुपति	२।५५।४	१३.४०	७९.२०	+८.३२
उज्जैन	५।७।५१	२३.९	७५.४३	-५.५६	तूतीकोरिन	१।५०।४९	८.४५	७८.११	+३.५६
उदयपुर	५।३१।१०	२४.४२	७३.३३	-१४.३६	त्रिवेन्द्रम	१।४७।२३	८.२९	७६.५९	-०.५२
उदयगिरि	३।११।०८	१४.५२	७९.१९	+८.२८	त्रिनेवल्ली	१।५०।२३	८.५३	७७.५७	+३.००
उन्नाव	६।३।४२	२६.४८	८०.४३	+१४.०४	थानेसर	६।५८।८	२९.२५	७६.५६	-१.४
एकलिंगजी	५।३१।२५	२४.४३	७३.४३	-१३.५६	दरभंगा	५।५३।४६	२६.१०	८५.५१	+३४.३६
औरंगाबाद	४।२०।२४	१९.५३	७५.२३	-७.१६	दिल्ली	६।३३।६	२८.३८	७७.१२	०.००
कटक	४।२८।४३	२०.२८	८५.५४	+३४.४८	द्वारका	४।५४।१९	२२.१४	६९.०१	-३२.४४
कन्नौज	६।७।३९	२७.३	७९.५८	+११.०४	देवास	५।५।८	२२.५८	७६.०६	-४.२४
कलकत्ता	४।४९।१३	२२.३४	८८.२४	+४४.४८	देहरादून	७।०१।०१	३०.१९	७८.४	+३.२८
करनाल	६।५०।५१	२९.४२	७७.२	-०.४०	धर्मशाला	७।३४।३५	३२.१६	७६.२३	-३.१६
कानपुर	५।५८।२७	२६.२८	८०.२०	+१२.३२	धार	४।५९।२८	२२.३५	७५.२०	-७.२८
किशनगढ़	६।०।१७	२६.३५	७४.५६	-९.४	धरमपुर (गुजरात)	४।२९।४०	२०.३२	७३.१३	-१५.५६
कोटा	५।३८।१८	२५.१०	७५.५२	-५.२०	धौलपुर	६।२।७	२६.४२	७७.५३	+२.४४
कोल्हापुर	३।३६।१	१६.४२	७४.१६	-११.४४	धांगड़ा	५।५।२२	२२.५६	७१.३१	-२२.४४
कांगड़ा	७।३१।२२	३२.०५	७६.१८	-३.३६	नडीआद	५।०।५६	२२.४१	७२.५५	-७.८
खंडवा	४।४८।२८	२१.५०	७६.२३	-३.१६	नवसारी	४।३८।४	२१.७	७२.५५	-१७.८
गया	५।३२।५६	२४.४९	८५.१	+३१.१६	नवलगढ़	६।२०।२५	२७.५१	७५.१६	-७.४४
गढ़वाल	५।५९।५३	३०.१५	७९.३०	+९.१२	नसीराबाद	५।५५।५१	२६.१८	७४.४६	-९.४४
ग्वालियर	५।५४।४८	२६.१४	७८.१०	+३.५२	नागपुर	४।३८।३३	२१.९	७९.९	+७.४८
गाजियावाद	६।३२।३९	२८.४०	७७.२८	+१.४	नाथद्वार	५।३४।४३	२४.५६	७३.४८	-१३.३६
गाजीपुर	५।४४।२७	२५.३४	८३.३५	+२५.३२	नालंदा	५।३८।२	२५.९	८५.२४	+३२.४८
गंगापुर	५।५८।४३	२६.२९	७६.४५	-१.४८	नासिक	४।२२।३२	२०.२	७३.५०	-१३.२८
गुड़गांव	६।३२।५०	२८.३७	७७.४	-०.३२	नीमच	५।२७।२२	२४.२७	७४.५२	-९.२०
गुरुदासपुर	७।३०।४७	३२.०३	७५.२७	-७.००	नैनीताल	६।४५।२५	२९.२३	७९.३०	+९.१२
गोवा	३।१९।४०	१५.३०	७३.५७	-१३.००	पजिम	३।१९।४०	१५.३०	७३.५५	-१३.८

नगर	पलभा	अक्षांश	रेखांश	देशान्तर	नगर	पलभा	अक्षांश	रेखांश	देशान्तर
पन्ना	५।३१।२५	२४.४३	८०.१२	+१२.००	मथुरा	६।१४।१७	२७.२८	७७.४१	+१.५६
पटना	५।४५।१३	२५.३७	८५.१३	+३२.०४	एटा (कासगंज)	६।१६।०८	२७.३५	७८.४१	+५.५६
पठानकोट	७।३४।५२	३२.१७	७५.४२	-६.००	मद्रास	२।४७।०६	१३.४	८०.१७	+१२.२०
प्रतापगढ़ (राज०)	५।२२।४	२४.२	७४.४५	-९.४८	माणसा	५।१२।४	२३.२६	७२.४०	-१८.८
प्रतापगढ़ (यूपी)	५।४९।२१	२५.५३	८१.५८	+१९.४	मिर्जापुर	५।३८।१८	२५.१०	८२.३७	+२१.४०
पटियाला	७।१।१८	३०.२०	७६.२५	-३.८	मुगलसराय	५।४०।५	२५.१७	८३.११	+२३.५६
प्रयाग	५।४३।२५	२५.३०	८१.५६	+१८.५६	मेरठ	६।३९।२३	२९.१	७७।४५	+२.१२
पानीपत	६।४५।२५	२९.२३	७७.१	-०.४४	राँची	५।११।१९	२३.२३	८५.२३	+३२.४४
पांडिचेरी	२।३२।१०	११.५६	७९.५३	-१०.४४	रायबरेली	५।५४।४८	२६.१४	८१.१६	+१६.१६
पीलीभीत	६।३३।०६	२८.३८	७५.५१	-५.२४	रेवाड़ी	६।२६।४	२८.१२	७६.३६	-२.२४
पुरी जगन्नाथ	४।१९।१३	१९.४८	८५.५२	+३४.४०	रोहतक	६।३७।२८	२८।५४	७६.३८	-२.१६
पूना	४।०।५५	१८.३०	७३.५८५	-१३.०८	लखनऊ	६।५।३२	२६.५५	८०.५९	+१५.०८
पोर्टब्लेवर	२।२८।५३	११.४१	९२.४३	+६२.४	लद्दाख	७।२९।५४	३२.००	८०.०	+११.०
पोरबन्दर	४।४५।१९	२१.३७	६९.४९	-२९.३२	लुधियाना	७।११।२९	३०.५६	७५.५२	-५.२०
फतेहगढ़	६।१२।५७	२७.२३	७९.४०	+९.५२	वाराणसी	५।४०।३६	२५.१९	८३.१	+२३.१६
फतेहपुर	५।४९।५२	२५.५५	८०.५२	+१४.४०	वृन्दावन	६।१५।३६	२७.३३	७७.४४	+२.०८
फतेहाबाद	६।४७।३८	२९.३१	७५.२०	-७.२८	शिमला	७।१४।२०	३१.०६	७७.१०	-०.०८
फार्रुखाबाद	६।१३।१३	२७.२४	७९.३७	+९.४०	शिलांग	५।४४।२७	२५.३८	९१.५६	+५८.५६
फैजाबाद	६।३।२६	२६.४७	८२.१२	+२०.००	श्रीगंगानगर	६।५४।३५	२९.५६	७३.५२	-१३.२०
बक्सर	५।४४।२७	२५.३४	८४.१	+२७.१६	श्रीनगर	८।७।२९	३४.६	७४.५१	-९.२४
बड़ौदा	४।५५।१८	२२.१८	७३.१६	-१५.४४	सतना	५।२९।२८	२४.३४	८०.५५	+१४.५२
बद्रीनाथ	७।८।४	३०.४४	७९.३२	+९.२०	सागर	५।१८।३	२३.५०	७८.५०	+६.३२
बम्बई	४।६।४५	१८.५५	७२.५०	-१७.२८	सहारनपुर	६।५५।८	१९.५८	७७.२३	+०.४४
बरेली	६।२८।७६	२८.२२	७९.२७	+९.००	सूरत	४।३९।१६	२१.१२	७२.५२	-१७.२०
बीकानेर	६।२३।६	२८.१	७३.२२	+१५.२०	सोमनाथ	४।३७।२१	२१.४	७०.२६	-२७.०४
बीजापुर	३।३७।५०	१६.५०	७५.४७	-५.४०	हरिद्वार	६।५५।८	२९.५८	७८.१३	+४.०४
बैंगलोर	२।४५।४७	१२.५८	७७.३८	+१.४४	हावड़ा (प०बं०)	४।५९।२८	२२.३५	८८.२३	+४४.४४
भरतपुर	६।१०।४९	२७.१५	७७.३०	+१.१२	हैदराबाद	३।४४।४३	१७.२०	७८.३०	+५.१२
भीलवाड़ा	५।४१।७	२५.२१	७४.३८	-१०.१६	होशियापुर	७।२१।४८	३१.३२	७५.५७	-५.००
भोपाल	५।०९।३५	२३.१६	७७.३६	+१.३६	होशंगाबाद	५।२।१०	२२.४६	७७.४५	+२.१२

लग्नसाधन के लिए पलभा से चरखण्ड तथा स्वदेशीय उदयमान बनाने की विधिः

विद्यापीठ पञ्चाङ्ग में अक्षांश रेखांश सारिणी में दी गई पलभा अथवा पलभा के ज्ञान से पलभा को क्रम से १०।८।१०/३ से गुणा करके अभीष्ट स्थानीय चरखण्ड सिद्ध होगें।

उदाहरण- दिल्ली की पलभा ६।३३।०६

६।३३।०६ X १०=६०।३३०।६०=६६ प्रथम चरखण्ड स्वल्पान्तरात्
६।३३।०६ X ८=४८।२६४।४८=५२ द्वितीय चरखण्ड स्वल्पान्तरात्

प्रथम चरखण्ड ६६/३=२२ तृतीय चरखण्ड।

लङ्कोदयमान		चरखण्ड		स्वदेशीय उदयमान
मे. २७९ मी.	-	६६	=	मे. २१३ मी.
वृ. २९९ कुं	-	५२	=	वृ. २४७ कुं.
मि. ३२२ म.	-	२२	=	मि. ३०० म.
क. ३२२ ध.	+	२२	=	क. ३४४ ध.
सि. २९९ वृ.	+	५२	=	सिं. ३५१ वृ.
क. २७९ तु.	+	६६	=	क. ३४५ तु.

इस प्रकार चरखण्ड का साधन करके केतकर के मत से मेषादि द्वादश राशियों के लंकोदयमान २७९।२९९।३२२, ३२२।२९९।२७९, २७९।२९९।३२२, ३२२।२९९।२७९ तीन-तीन राशियों में मेषादि क्रमोत्क्रम से चरखण्ड का ऋण-धन, धन-ऋण, संस्कार करने पर स्वदेशीय उदयमान सिद्ध होंगे।

इस प्रकारस्वदेशीय उदयमान द्वारा "तत्कालार्कः सायनः स्वोदयघ्ना भोग्यांशाः" इत्यादि विधि द्वारा लग्न साधन किया जा सकता है।

लघुरित्थ सारिणी

मि.क्र.	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	मि.क्र.
↓ ००		१.३८०२	१.०७९२	९०३१	७७८१	६८१२	६०२१	५३५१	४७७१	४२६०	३८०२	३३८८	३०१०	↓ ००
१	३.०१५८४	१.३७३०	१.०७५६	९००७	७७६३	६७९८	६००९	५३४१	४७६२	४२५२	३७७५	३३८२	३००४	१
२	२.८५७३	१.३६६०	१.०७२०	८९८३	७७४५	६७८४	५९९८	५३३०	४७५३	४२४४	३७८८	३३७५	२९९८	२
३	२.६८१२	१.३५९०	१.०६८५	८९५९	७७२८	६७६९	५९८५	५३२०	४७४४	५३३६	३७८०	३३६८	२९९२	३
४	२.५५६३	१.३५२२	१.०६४९	८९३५	७७१०	६७५५	५९७३	५३१०	४७३५	४२२८	३७७३	३३६२	२९५६	४
५	२.४५९४	१.३४५४	१.०६१४	८९१२५	७६९२	६७४१	५९४१	५३००	४७२६	४२२०	३७६६	३३५५	२९८०	५
६	२.३८०२	१.३३८८	१०.०५८०	८८८८	७६७४	६७२६	५९४९	५२८९	४७१७	४२१२	३७५९	३३४९	२९७४	६
७	२.३१३३	१.३२२३	१.०५४६	८८६५	७६५७	६७१२	५९३७	५२७९	४७०८	४२०४	३७५२	३३४२	२९६८	७
८	२.२५५३	१.३२५८	१.०५११	८८४२	७६३८	६६९८	५९२५	५२६९	४६९९	४१९६	३७४५	३३३६	२९६२	८
९	२.२०४१	१३१९५	१.०४७८	८८१९	७६२२	६६८४	५९१३	५२५९	४६९०	४१८८	३७३७	३३२९	२९५६	९
१०	२.१५८४	१.३१३३	१.०४४४	८७९६	७६०४	६६७०	५९०२	५२४९	४६८२	४१८०	३७३०	३३२३	२९५०	१०
११	२.११७०	१.३०७१	१.०४११	८७७३	७५८७	६६५६	५८९०	५२३९	४६७३	४१७२५	३७२३	३३१६	२९४४	११
१२	२.०७९२	१.३०१०	१.०३७८	५७५१	७५७०	६६४२	५८७८	५२२९	४६६४	४१६४	३७१६	३३१०	२९३८	१२
१३	२.०४४४	१.२९५०	१.०३४५	८७२८	७५५२	६६२८	५८६६	५२१९	४६५५	४१५६	३७०९	३३०३	२९३३	१३
१४	२.०१२२	१.२८९१	१.०३१३	८७०६	७५१८	६६००	८५४३	५१९९	४६३८	४१४१	६३९५	३२९१	२९२१	१४
१५	१.९५४२	१.२७७५	१.०२४८	८६६१	७५०१	६५८७	५८३२	५१८९	४६२९	४१३३	३६८८	३२८४	२९१५	१५
१६	१.९५४२	१.२७७५	१.०२४८	८६६१	७५०१	६५८७	५८३२	५१८९	४६२९	४१३३	३६८८	३२८४	२९१५	१६
१७	१.९२७९	१.२७१९	१.०२१६	८६३९	७४८४	६५७३	५८२०	५१७९	४६२०	४१२५	३६८१	१२७८	२९०८	१७
१८	१.९०३१	१.२६६३	१.०१८५	७६१७	७४६७	६५५९	५८०९	५१६९	५६११	४११७	३६७४	३२७१	२९०३	१८
१९	१.८७९६	१.२६०७	१.०१५३	८५९५	७४५१	६५४६	५७९७	५१५९	४६०३	४१०९	३६६७	३२६५	२८९७	१९
२०	१.८५७३	१.२५५३	१.०१२२	८५७३	७४३४	६५३२	५७८६	५१४९	४१०२	४१०२	३६६०	३२५८	२८९१	२०
२१	१.८३६१	१.२४९९	१.००९१	८५५२	७४१७	६५१९	५७७४	५१३९	४५८५	४०९४	३६५३	३२५२	२८८५	२१
२२	१.८१५९	१.२४४५	१.००६१	८५३०	७४०१	६५०५	५७६३	५१२९	४५७७	४०८६	३६४६	३२४६	२८८०	२२
२३	१.७९६६	१.२३९३	१.०४३०	८५०९	७३८४	६४९२	५७५२	५१२०	४५६८	४०७९	३६३९	३२३९	२८७४	२३
२४	१.७७८११	.२३४१	१.००००	८४८७	७३६८	६४७८	५७४०	५११०	४५५९	४०७१	३६३२	३२३३	२८६८	२४
२५	१.७६०४	१.२२८९	०.९९७०	८४६६	७३५१	६४६५	५७२९	५१००	४५५१	४०६३	३६२५	३२२७	२८६३	२५
२६	१.७४३४	१.२२३९	०.९९४०	८४४५	७३३५	६४५१	५७१८	५०९०	४५४२	४०५५	३६१८	३२२०	२८५६	२६
२७	१.७२७०	१.२१८८	०.९९१०	८४२४	७३१८	६४३८	५७०६	५०८१	४५३४	४०४८	३६११	३२१४	२८५०	२७
२८	१.७११२	१.२१३९	०.९८८१	८४०३	७३०२	६४२५	५६९५	५०७१	४५२५	४०४०	३६०४	३२०८	२८४५	२८
२९	१.६९६०	१.२०९०	०.९८५२	८३८२	७२८६	६४१२	५६८४	५०६१	४५१६	४०३२	३५९७	३२०१	२८३९	२९
३०	१.६८१२	१.२०४१	०.९८२३	८३६१	७२७०	६३९८	५६७३	५०५१	४५०८	४०२५	३५९०	३१९५	२८३३	३०
३१	१.६६७०	१.१९९३	०.९७९४	८३४१	७२५४	६३८५	५६६२	५०४२	४४९९	४०१७	३५८३	३१८९	२८२७	३१
३२	१.९५३२	१.१९४६	०.९७६५	८३२०	७२३८	६३७२	५६५१	५०३२	४४९१	४०१०	३५७६	३१८३	२८२१	३२
३३	१.६३९८	१.१८९९	०.९७३७	८३००	७२२२	६३५९	५६४०	५०२३	४४८२	४००२	३५७०	३१७६	२८१६	३३
३४	१.६२६९	१.१८५२	०.९७०८	८२७९	७२०६	६३४६	५६२९	५०१३	४४६६	३९९४	३५६३	३१७०	२८१०	३४
३५	१.६१४३	१.१८०६	०.९६८०	८२५९	७१९०	६३३३	५६१८	५००३	४४६६	३९८७	३५५६	३१६४	२८०४	३५
३६	१.६०२१	१.१७६१	०.५६५२	८२३९	७१७४	६३२०	५६०७	४९९४	४४५७	३९७९	३५४९	३१५७	२७९८	३६
३७	१.५९०२	१.१७१६	०.९६२५	८२६९	७१५९	६३०७	५५९६	४९८४	४४४९	३९७२	३५४२	३१५१	२७९३	३७
३८	१.५७८६	१.१६७१	०.९५९७	८१९९	७१४३	६२९४	५५८५	४९७५	४४४०	३९६४	३५३५	३१४५	२७८७	३८
३९	१.५६७३	१.१६२७	०.९५७०	८१७९	७१२८	६२८२	५५७४	४९६५	४४३२	३९५७	३५२९	३१३९	२७८१	३९
४०	१.५५६३	१.१५८४	०.९५४२	८१५९	७११२	६२६९	५५६३	४९५६	४४२४	३९४९	३५२२	३१३३	२७७५	४०
४१	१.५४५६	१.१५४०	०.९५१५	८१४०	७३९७	६२५६	५५५२	४९४७	३९४२	३९४२	३५१५	३१२६	२७७०	४१
४२	१.५३५१	१.१४९८	०.९४८८	८१२०	७०८१	६२४३	५५४१	४९३७	४४०७	३९३४	३५०८	३१२०	२७६४	४२
४३	१.५२४९	१.१४५५	०.९४६२	८१०१	७०६६	६२३१	५५३१	४९२८	४३९९	३९२७	३५०१	३११४	२७५८	४३
४४	१.५१४९	१.१४१३	०.९४३५	८०८१	७०५०	६२१८	५५२०	४९१८	४२९०	३९१९	३४९५	३१०८	२७५३	४४
४५	१.५०५१	१.१३७२	०.९४०९	८०६३	७०३५	६२०५	५५०९	४९०९	४३८२	३९१२	३४८८	३१०२	२७४७	४५
४६	१.४९५६	१.१३३१	०.९३८३	८०४३	७०२०	६१९३	५४९८	४९००	४३७४	३९०५	३४८१	३०९६	२७४१	४६
४७	१.४८६३	१.१२९०	०.९३५६	८०२३	७००५	६१८०	५४८८	४८९०	४३६५	३८९७	३४७५	३०८९	२७३६	४७
४८	१.४७७१	१.१२४९	०.९३३०	८००४	६९९०	६१६८	५४७७	४८८१	५३५७	३८९०	३४६८	३०८३	२७३०	४८
४९	१.४६८२	१.१२०८	०.९३०५	७९८५	६९७५	६१५५	५४६६	४८७२	४३४९	३८८२	३४६१	३०७७	२७२४	४९
५०	१.४५९४	१.११७०	०.९२७९	७९६६	६९६०	६१४३	५४५६	४८६३	४३४१	३८७५	३४५४	३०७१	२७१९	५०
५१	१.४५०८	१.११३०	०.९२५४	७९४७	६९४५	६१३१	५४४५	४८५३	५३३३	३८६८	३४४८	३०६५	२७१३	५१
५२	१.४४२४	१.१०९१	०.९२२८	७९२९	६९३०	४११८	५४३५	४८४४	४३२४	३८६०	३४४१	३०५९	२७०७	५२
५३	१.४३४१	१.१०५३	०.९२०३	७९१०	६९१५	६१०६	५४२४	४८३५	४३१६	३८५३	३४३४	३०५३	२७०२	५३
५४	१.४२६०	१.१०१५	०.९१७८	७८९१	६९००	६०९४	५४१४	४८२६	४३०८	३८४६	३४२८	३०४७	२६९६	५४
५५	१.४१८०	१.०९७७	०.९१५३	७८७३	६८८५	६०८१	५४०३	४८१७	४३००	३८३८	३४२१	३०४१	२६९१	५५
५६	१.४१०२	१.०९३९	०.९१२८	७८५४	६८७१	६०६९	५३९३	४८०८	४२९२	३८३१	३४१५	३०३४	२६८५	५६
५७	१.४०२५	१०.९०२	०.९१०४	७८३६	४८५६	६०५७	५३८२	४७९८	४२८४	३८२४	३४०८	३०२८	२६७९	५७
५८	१.३९४९	१.०८६५	०.९०७९	७८१८	६८४१	६०४५	५३७२	४७८९	४२७६	३८१७	३४०१	३०२२	२६७४	५८
५९	१.३८७५	१.०८२८	०.९०५५	७८००६	६८२७	६०३३	५३६१	४७८०	४२६८	३८०९	३३९५	३०१६	२६६८	५९

लघुरित्थ सारिणी

मि.क्र.	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	मि.क्र.
↓००	२६६३	२३४१	२०४१	१७६१	१४९८	१२४९	१०१५	०७९२	०५८०	०३७८	०१८५	↓ ००
१	२६५२	२३३०	२०३६	१७५६	१४९३	१२४५	१०११	०७८८	०५७७	०३७५	०१८२	१
२	२६५२	२३३०	२०३२	१७५२	१४८९	१२४१	१००७	०७८५	०५७३	०३७१	०१७९	२
३	२६४६	२३२५	२०२७	१७४७	१४८५	१२३७	१००३	०७८१	०५७०	०३६८	०१७५	३
४	२६४०	२३२०	२०२२	१७४४३	१४८१	१२३३	०९९९	०७७७	०५६६	०३६५	०१७२	४
५	२६३५	२३१५	२०१७	१७३८	१४७६	१२२९	०९९६	०७७४	०५६३	०३६१	०१६९	५
६	२६२९	२३१०	२०१२	१७३४	१४७२	१२२५	०९९२	०७७०	०५५९	०३५८	०१६६	६
७	२६२४	२३०५	२००८	१७२९	१४६८	१२२१	०९८८	०७६७	०५५६	०३५५	०१६३	७
८	२६१८	२३००	२००३	१७२५	१४६४	१२१७	०९८४	०७६३	०५५२	०३५२	०१६०	८
९	२६१३	२२९५	१९९८	१७२०	१४५९	१२१३	०९८०	०७५९	०५४९	०३४८	०१५७	९
१०	२६०७	२२८९	१९९३	१७१६	१४५५	१२०९	०९७७	०७५६	०५४६	०३४५	०१५४	१०
११	२६०२	२२८४	१९८८	१७११	१४५१	१२०५	०९७३	०७५२	०५४२	०३४२	०१५०	११
१२	२५९६	२२७९	१९८४	१७०७	१४४७	१२०१	०९६९	०७४९	०५३९	०३३९	०१४७	१२
१३	२५९१	२२७४	१९७४	१६९८	१४३८	११९३	०९६२	०७४१	०५३२	०३३२	०१४१	१३
१४	२५८५	२२६९	१९७४	१६९८	१४३८	११९३	०९६२	०७४१	०५३२	०३३२	०१४१	१४
१५	२५८०	२२६४	१९६९	१६९४	१४३४	११९०	०९५८	०७३८	०५२५	०३२९	०१३८	१५
१६	२५७४	२२५९	१९६५	१६८९	१४३०	११८६	०९५४	०७३४	०५२५	०३२६	०१३५	१६
१७	२५६९	२२५४	१९६०	१६८५	१४२६	११८२	०९५०	०७३१	०५२२	०३२२	०१३२	१७
१८	२५६४	२२४९	१९५५	१६८०	१४२२	११७८	०९४७	०७२७	०५१८	०३१९	०१२९	१८
१९	२५५८	२२४४	१९५०	१६७६	१४१७	११७४	०९४३	०७२४	०५१५	०३१६	०१२६	१९
२०	२५५३	२२३९	१९४६	१६७१	१४१३	११७०	०९३९	०७२०	०५१२	०३१३	०१२२	२०
२१	२५४७	२२३४	१९४१	१६६७	१४०९	११६६	०९३५	०७१६	०५०८	०३०९	०११९	२१
२२	२५४२	२२२९	१९३६	१६६२	१४०५	११२२	०९३२	०७१३	०५०५	०३०६	०११६	२२
२३	२५३६	२२२३	१९३२	१६५८	१४०१	११५८	०९२८	०७०९	०५०१	०३०३	०११३	२३
२४	२५३१	२२१८	१९२७	१६५४	१३९७	११५४	०९२४	०७०६	०४९८	०३००	०११०	२४
२५	२५२६	२२१३	१९२२	१६४९	१३९२	११५०	०९२०	०७०२	०४९५	०२९६	०१०७	२५
२६	२५२०	२२०८	१९१७	१६४५	१३८८	११४६	०९१७	०६९९	०४९१	०२९३	०१०४	२६
२७	२५१५	२२०३	१९१३	१६४०	१३८४	११४२	०९१३	०६९५	०४८८	०२९०	०१०१	२७
२८	२५०९	२१९८	१९०८	१६३६	१६८०	११३८	०९०९	०६९२	०४८४	०२८७	००९८	२८
२९	२५०४	२१९३	१९०३	१६३२	१३७६	११३४	०९०६	०६८८	०४८१	०२८४	००९५	२९
३०	२४९९	२१८८	१८९९	१६२७	१३७२	११३०	०९०२	०६८५	०४७८	०२८०	००९१	३०
३१	२४९३	२१८३	१८९८	१६२३	१३६८	११२७	०८९८	०६८१	०४७४	०२७७	००८८	३१
३२	२४८८	२१७८	१८८९	१६१८	१३६४	११२२	०८९४	०६७८	०४७१	०२७४	००८५	३२
३३	३४८३	२१७३	१८८५	१६१४	११५९	११११	०८९१	०६७४	०४६८	०२७१	००८२	३३
३४	२४७७	२१६८	१८८०	१६१०	१३५५	१११५	०८८७	०६७१	०४६४	०२६७	००७९	३४
३५	२४७२	२१६४	१८७५	१६०५	१३५१	११११	०८८३	०६६७	०४६१	०२६४	००७६	३५
३६	२४६७	२१५९	१८७१	१६०१	१३४७	११०७	०८८०	०६४३	०४५८	०२६१	००७३	३६
३७	२४६१	२१५४	१८६६	१५९८	१३४३	११०३	०८७६	०६६०	०४५४	०२५८	००७०	३७
३८	२४५६	२१४९	१८६२	१५९२	१३३९	१०९९	०८७२	०६५६	०४५१	०२५५	००६७	३८
३९	२४५१	२१४४	१८५७	१५८८	१३३५	१०९५	०८६९	०६५३	०४४८	०२५१	००६४	३९
४०	२४४५	२१३९	१८५२	१५८४	१३३१	१०९१	०८६५	०६४९	०४४४	०२४८	००६१	४०
४१	२४४०	२१३४	१८४८	१५७९	१३२६	१०८८	०८६१	०६४६	०४४१	०२४५	००५८	४१
४२	२४३५	२१२९	१८४३	१५७५	१३२२	१०८४	०८५७	०६४२	०६३८	०२४२	००५५	४२
४३	२४३०	२१२४	१८३८	१५७१	१३१८	१०८०	०८५४	०६३९	०४३४	०२३९	००५२	४३
४४	२४२४	२११९	१८३४	१५६६	१३१४	१०७६	०८५०	०६३५	०४३१	०२३६	००४९	४४
४५	२४१६	२११४	१८२९	१५६२	१३१०	१०७२	०८४७	०६३२	०४२८	०२३२	००४६	४५
४६	२४१४	२१०९	१८२५	१५५८	१३०६	१०६८	०८४३	०६२८	०४२४	०२२९	००४२	४६
४७	२४०९	२१०४	१८३०	१५५३	१३०२	१०६४	०८३९	०६२५	०४२१	०२२६	००३९	४७
४८	२४०३	२०९९	१८१६	१५४९	१२९८	१०६१	०८३५	०६२२	०४१८	०२२३	००३६	४८
४९	२३९८	२०९५	१८११	१५४५	१२९४	१०५	०८३२	०६१८	०४१४	०२२०	००३३	४९
५०	२३९३	२०९०	१८०६	१५४०	१२९०	१०५३	०८२८	०६१५	०४११	०२१६	००३०	५०
५१	२३८८	२०८५	१८०२	१५३६	१२८६	१०४९	०८२५	०६११	०४०८	०२१३	००२७	५१
५२	२३८३	२०८०	१७९७	१५३२	१२८२	१०४५	०८२१	०६०८	०४०४	०२१०	००२४	५२
५३	२३७७	२०७५	१७९३	१५२८	१२७८	१०४१	०८१७	०६०४	०४०१	०२०७	००२१	५३
५४	२३७२	२०७०	१७८८	१५२३	१२७४	१०३८	०८१४	०६०१	०३९८	०२०४	००४८	५४
५५	२३६७	२०६५	१७८४	१५१९	१२७०	१०३४	०८१०	०५९७	०३९४	०२०१	००१५	५५
५६	२३६२	२०६१	१७७९	१५१५	१२६६	१०३०	०८०६	०५९४	०३९१	०१९७	००१२	५६
५७	२३५६	२०५६	१७४	१५१०	१२६१	१०२६	०८०३	०५९०	०३८८	०१९४	०००९	५७
५८	२३५१	२०५१	१७७०	१५०६	१२५७	१०२२	०७९९	०५८७	०३८४	०१९१	०००६	५८
५९	२३४६	२०४६	१७६५	१५०२	१२५३	१०१८	०७९५	०५८३	०३८१	०१८८	०००३	५९

लघुरित्थ सारिणी द्वारा ग्रह स्पष्ट करने की विधि– लघुरित्थ से ग्रह स्पष्ट करने के लिए पञ्चाङ्ग में दिए गए ग्रह स्पष्ट के भारतीय स्टैण्डर्ड समय तथा जन्म समय के भारतीय स्टैण्डर्ड समय का अन्तर करने पर घण्टों मिनिटों में चालन आता है। यदि जन्म समय पञ्चाङ्ग में दिए गए ग्रह स्पष्ट समय से कम हो तो चालन ऋण, अधिक होने पर धन होता है। इस प्रकार सारिणी में घण्टे के नीचे तथा मिनिटों के सामने का चालन दशमलवात्मकलघुरित्थ लेकर तथा अभीष्ट ग्रह की दैनिक गति यदि अंशात्मक हो तो अंश के नीचे तथा कला के सामने के दशमलवात्मक लघुरित्थ को लेकर चालन में लघुरित्थ में जोड़ने पर जो प्राप्त हो, वह सारिणी में जिस अंश के नीचे तथा जिस कला के सामने मिले वही चालन फल होगा। यदि चालन ऋण हो तो पञ्चाङ्ग के ग्रह स्पष्ट में ऋण तथा यदि धन हो तो धन करने पर जन्मकालीन ग्रह स्पष्ट होगा। यह ध्यान रहे, कि सारिणी में घण्टे या अंश तथा मिनिट या कला का लघुरित्थ एक ही आता है, तथा जहाँ (३ अंश के नीचे से अन्त तक) लघुरित्थ के आगे दशमलव नहीं दिए गए हैं वहाँ दशमलव सहित लेना चाहिए, जैसे १०३१ के स्थान पर ०१०३१ इत्यादि।

अभीष्ट स्थान के सूर्योदय तथा इष्टकाल बनाने की विधि

अभीष्ट स्थान का इष्टकाल बनाने के लिए वहां के सूर्योदयकाल की आवश्यकता होती है, क्योंकि सूर्योदय से जन्मकाल तक के समय को इष्टकाल कहते है, या यूं कहिए कि जन्मकालीन स्टैण्डर्ड समय में से वहां का स्टैण्डर्ड सूर्योदय घटाने पर इष्टकाल बनता है, अतः किसी भी स्थान के स्टैण्डर्ड बनाने की विधि यहां दी जा रही है।

मान लीजिए १९ दिसम्बर १९८५ को स्टैण्डर्ड समय प्रातः १० बजकर २० मिनट पर दिल्ली का इष्टकाल निकालने के लिए यहां का स्टैण्डर्ड सूर्योदय बनाना है-

किसी भी स्थान का सूर्योदय बनाने के लिए वहां के अक्षांस उस दिन की क्रान्ति, वेलान्तर, रेखांश तथा रेखान्तर की आश्वयकता होती है। छः घण्टे में चर का संस्कार करने पर स्थानीय सूर्योदय, तथा पञ्चाङ्ग की सारिणी से वेलान्तर तथा रेखान्तर का विपरीत संस्कार अर्थात् यदि दोनों की ऋण हों तो धन, तथा धन हो तो ऋण करने पर वहां का स्टैण्डर्ड सूर्योदय बनता है।

दिल्ली का अक्षांश=२८°।३८', १९ दिसम्बर की क्रान्ति दक्षिणा=२३°।२५', वेलान्तर+३ मिनट, रेखांश ७७°।१२', रेखान्तर मि० २१ से. १२ ऋणात्मक है।

चरसाधन- उपरोक्त उपकरणों द्वारा पञ्चाङ्ग की चर सारिणी से अक्षांश तथा क्रान्ति के संस्कार से चर मिनिट लाने हैं। दिल्ली के अक्षांश २८°।३८' के सामने तथा कान्त्यंश २२° के नीचे चर मिनिट ५१ एवं २४° के नीचे मि० ५६ से. १८ लिखे हैं, किन्तु अभीष्ट चर क्रान्ति २३°।२५' का लाना है, अतः चर मिनिटादि दो अंशों के अन्तर पर होने के कारण अभीष्ट चर मिनिटादि लाने के लिए अनुपात किया:-

यदि दो क्रान्त्यंशो के अन्तर में चर ५ मिनिट १८ से. मिलते हैं तो क्रान्त्यंशान्तर २३°।२५'-२२°।००=१°।२५' में क्या ?

$$\frac{\text{मि० ५ से० १८} \times \text{१°।२५'}}{\text{२°}}$$ स्वल्पान्तरात् ४ मिनिट

इसको २२° क्रान्त्यंश के चर मिनिट ५१, में जोड़ने पर ५५ मिनिट अभीष्ट चर हुआ।

चर संस्कार विधि-

चर का साधन करके यदि उत्तरा क्रान्ति तथा उत्तरी अक्षांश हो, तो चर मिनिटादि ६ घण्टे में ऋण करने पर एवं दक्षिणा क्रान्ति व उत्तरी अक्षांश हो, तो ६ घण्टे में चर मिनिटादि धन करने पर, इसी प्रकार उत्तरा क्रान्ति दक्षिण अक्षांश हो तो ६ घण्टे में चर मिनिटादि धन करने पर स्थानीय सूर्योदय होगा। भारतवर्ष में सर्वत्र अक्षांश उत्तर दिशा के ही हैं। अतः भारतवर्ष में २१ मार्च से २२ सितम्बर तक चर मिनिटों का ६ घण्टे में घटाने पर तथा २३ सितम्बर से २० मार्च तक चर मिनिटों को ६ घण्टे में जोड़ने पर स्थानीय समय अर्थात् धूप घड़ी (स्थानीय) का सूर्योदय काल ज्ञात होता है। उसमें मध्यमान्तर और वेलान्तर का विपरीत संस्कार करने पर स्टैण्डर्ड समय में सूर्योदय काल प्राप्त होता है। अभीष्ट स्थानीय सूर्योदय साधन हेतु चर संस्कार ज्ञान के लिए चक्र:-

उत्तरी अक्षांश		दक्षिणी अक्षांश	
उत्तरा क्रान्ति	दक्षिणा क्रान्ति	उत्तरा क्रान्ति	दक्षिणा क्रान्ति
घं. ६- चर मि.	घं. ६ + चर मि.	घं. ६ + चर मि. घं.	६- चर मि.
= स्था. सूर्योदय	= स्था. सूर्योदय	= स्था. सूर्योदय	= स्था. सूर्योदय

१९ दिसम्बर को क्रान्ति दक्षिणा है, तथा अक्षांश उत्तरी है, अतः घं. ६+मि. ५५= घं. ६ मि. ५५=स्थानीय सूर्योदय।

इस दिन वेलान्तर+ ३ मिनट हैं, अतः स्थानीय सूर्योदय में वेलान्तर का विपरीत संस्कार करने पर घं. ६ मि. ५५ - मि.३ । = घं. ६ मि. ५२ = स्था. मध्यम सूर्योदय तथा रेखान्तर- मि. २१ सें. १२ का विपरीत संस्कार करने पर घं. ६ मि. ५२+मि. २१ सें. १२= घं. ७ मि. १३ से. १२ = स्टैं. सूर्योदय होगा।

सीनीय सूर्योदय	= ६/५५/००		मि./सें.
स्पष्टान्तर	= +१८/१२	मध्यमान्तर =	-२१/१२
स्टैं० समय सूर्योदय काल का	= ७/१३/१२	वेलान्तर =	+ ३/००
		सपष्टान्तर =	-१८/१२

स्पष्टान्तर द्वारा स्थानीय सूर्योदय से स्टैं. सूर्योदय, स्टै. सूर्योदय से स्थानीय सूर्योदय तथा स्टैं० समय से स्थानीय समय बनाने की विधि :-

स्पष्टान्तर साधन-

यदि रेखान्तर तथा वेलान्तर दोनों ऋण हो तो दोनों का योग करने पर ऋण (-) स्पष्टान्तर एवं दोनों धन हो तो दोनो का योग करने पर धन (+) स्पष्टान्तर तथा यदि एक संख्या धन एक ऋण हो तो अधिक संख्या में से घटाने पर अधिक संख्या वाला चिह्न लगाने पर स्पष्टान्तर होता हैं।

जैसे :- रेखान्तर-मि० २१ से० १२, वेलान्तर + मि० ३

अतः स्पष्टान्तर = -मि० २१ से० १२+मि० ३ = -मि० १८ से० १२

इस स्पष्टान्तर का स्टैं. सूर्योदय में यथावत् संस्कार करने पर स्थानीय सूर्योदय होगा।

स्टैं. सूर्योदय घं. ७ मि. १३ से. १२ - स्पष्टान्तर मि. १८ से. १२ = स्थानीय सूर्योदय घं. ६ मि. ५५

इसी प्रकार स्टैं. समय में स्पष्टान्तर का संस्कार करने पर स्थानीय समय होगा।

स्टैं. समय घं. १० मि. २०-मि. १८ से. १२= घं. १० मि. १ से. ४८ = स्थानीय समय ।

इसके विपरीत स्थानीय सूर्योदय में स्पष्टान्तर का विपरीत संस्कार करने पर स्टैं० सूर्योदय तथा स्थानीय समय में संस्कार विपरीत करने पर स्टैं० समय होगा।

स्थानीय सूर्योदय घं० ६ मि. ५५+मि. १८ से. १२ = स्टैं. सूर्योदय घं. ७ मि. १३ से. १२

स्था. समय घं. १० मि. १ से. ४८+मि. १८ से. १२ = स्टैं. समय घं १० मि. २०

इस प्रकार स्टैं. जन्म समय में स्टैं. सूर्योदय अथवा स्थानीय समय में स्थानीय सूर्योदय घटाने पर घण्टा मिनट में इष्टकाल तथा उसे २॥ से गुणा करने पर घटीपलात्मक इष्टकाल होता है।

यह ध्यान रहे कि यदि जन्म समय स्टैण्डर्ड हो तो सूर्योदय भी स्टैण्डर्ड तथा यदि जन्म समय स्थानीय हो तो सूर्योदय भी स्थानीय होना चाहिए।

स्थानीय समय तथा स्थानीय सूर्योदय से एवं स्टैं. समय तथा स्टैं. सूर्योदय से इष्टकाल साधन-

	घं. । मि. । से.		घं. । मि. । से.
स्टैं. जन्म समय =	१० । १२ । ००	स्थानीय जन्म समय =	१० । ०१ । ४८
स्टैं. सूर्योदय =	-७ । १३ । १२	स्थानीय सूर्योदय =	-६ । ५५ । ००
घण्टा मिनटात्मक इष्टकाल	= ३ । ०६ । ४८	घण्टा मिनटात्मक इष्टकाल =	३। ०६। ४८
अढ़ाई से गुणा करने पर	= X २ ॥	अढ़ाई से गुणा करने पर =	X २ ॥
	घं. । प. । वि.		घं. । प. । वि.
	७ । ३० । ००		७ । ३०। ००
	१५ । ००		१५ । ००
	७ । ४५ । ००		७ । ४५ । ००
घटीपलात्मक इष्टकाल =	७/४५/००	घटीपलात्मक इष्टकाल =	७/४५/००

✸ विभिन्न अंगों पर पल्ली (छिपकली/किरली) गिरने का फल एवं उपचार ✸

शरीर पर पल्ली (छिपकली/किरली) गिरने पर उस समय जो वस्त्र पहने हो उन वस्त्रों सहित स्नान करना चाहिए। जन्म नक्षत्र, दग्धा-तिथि, मृत्युयोग, पापग्रहयुक्त लग्न एवं अष्टम चन्द्रमा में पल्ली पतन अरिष्ट फलदायक होता है, अतः उसकी शान्ति के लिए पञ्चगव्य से स्नान कर छायापात्रदान, महामृत्युञ्जय का जाप, होमादि करना श्रेयस्कर होता है।

पल्ली-पतन के शुभ तिथि, वार एवं नक्षत्र :-

✸ अङ्ग विभागवश पल्ली-पतनफल जानने के लिए चक्र ✸

अङ्ग	फल	अङ्ग	फल	अङ्ग	फल	अङ्ग	फल
मस्तक	राज्यलाभ	कण्ठ	शत्रुनाशक	पृष्ठ मध्य	झगड़ा	कटिप्रदेश	रोग-भय
कपाल	ऐश्वर्य प्राप्ति	दक्षिण-भुज	मान-सम्मान	दक्षिण-पृष्ठ	सुखलाभ	दक्षिण जङ्घा	धन हानि
नासिकाग्र	व्याधि	वाम-भुज	राज-भय	वाम-पृष्ठ	रोग-भय	वाम जङ्घा	पुत्र-लाभ
मुख-प्रदेश	मिष्ठान-भोजन	दक्षिण-स्कन्ध	सफलता	दक्षिण-हस्त	धन-लाभ	गुदा	रोग-भय
दक्षिण-कर्ण	आयु-वृद्धि	वाम-स्कन्ध	शत्रुभय	वाम-हस्त	धन-हानि	गुप्ताङ्ग	मित्र-प्राप्ति
वाम-कर्ण	भूषण लाभ	स्तन-प्रदेश	दौर्भाग्य	नाभि-प्रदेश	पुत्र-प्राप्ति	दक्षिण-पाद	यात्रा
				हृदय	यश-प्रप्ति	वाम-पाद	रोग भय

अङ्ग स्फुरण फलः-

शकुन की दृष्टि से शरीर के किसी भी भाग में अचानक स्फुरण हो जाता है। यह स्फुरण यदि निरन्तर लम्बे समय तक होता रहे तो वह वायु विकार से सम्बन्धित होता है। वह स्फुरण निष्फल होता है। यदि क्षणिक अंग स्फुरण हो, तो वा शुभाशुभ फल बोधक होता है। सामान्यतया स्त्री का वामाङ्ग एवं पूरुष का दक्षिणाङ्ग स्फुरण शुभ माना गया ह। विस्तृत फल निम्न प्रकार ज्ञात करें।

स्थान	फल	स्थान	फल	स्थान	फल	स्थान	फल	स्थान	फल
मस्तक (सिर)	भूमिलाभ	भृकुटि	धन प्राप्ति	कण्ठ	भूषण प्राप्ति	पृष्ठ	पराजय	बाहु-प्रदेश	प्रिय-प्राप्ति
ललाट	स्थान लाभ	नासिका	सुगन्ध लाभ	ग्रीवा	शत्रु भय	नाभि	स्त्रीनाश	गुप्ताङ्ग	प्रिय-प्राप्ति
नेत्र	प्रियदर्शनलाभ	दक्षिण कर्ण	आयु-वृद्धि	स्कन्ध	मित्र-समागम	कुक्षि	सुप्रीति	जङ्घा	हानिप्रद
कपोल	स्त्री सुख	वाम-कर्ण	भूषण लाभ	वक्षः स्थल	विजय	कटि प्रदेश	प्रिय-प्राप्ति	घुटना	शत्रुसन्धि
भ्रूमध्य	सुख-प्राप्ति	अधर	प्रिय प्राप्ति	हृदय	इष्ट सिद्धि	हस्त	धन-प्राप्ति	पाद	स्थान-प्राप्ति

छींक (छिक्का) विचारः-

कोई शुभ कार्य प्रारम्भ करते समय अथवा यात्रा करते समय छींक आने पर अपशकुन माना जाता है। इसका विचार भारत वर्ष में प्रायः सभी प्रदेशों में होता है इसके विषय में अनेक लोकोक्ति अथवा घाघ, भड्डली इत्यादि की किवदन्तियाँ मुहावरों के रूप में प्रचलित हैं। संकेत में सारांश यह है, कि सुँघनी आदि पदार्थों के द्वारा ली गई बनावटी छींक निष्फल होती है। पीछे की छींक कुशलक्षेमकारक है। बाई ओर की छींक सभी कार्य को सिद्ध करने वाली सामने की छींक लड़ाई कराने वाली, दाहिनी ओर की छींक धन-नाश करने वाली, ऊँची छींक विजय देने वाली, नीची छींक भय करने वाली तथा अपनी अपनी छींक बहुत दुःख देने वाली होती है। कन्या, विधवा, मालिन, धोविन, रजस्वला, वैश्या की छींक बहुत अशुभफल देने वाली होती है। यदि भोजन के अन्त में छींक आए तो दूसरे दिन प्रिय भोजन प्राप्त होता है।

सन्ध्यावन्दनादि, शयन के समय, शौच के समय, दानकाल, भोजन के समय बाई ओर तथा पीछे की छींक शुभफल करने वाली होती है। छींक के विषय में अनेक किंवदन्तियाँ प्रचलित हैं, उनमें से प्रचलित उक्ति यहाँ दी जा रही हैं-

छींकत न्हइयै छींकत खड़यै, छींकत जइयै सोय। छींकत पर घर कबहूँ न जइयै सब सोने की होय। एक नाक दो छींका। इनसे सगुन होत है नीका।

✸ जन्म-कुण्डली में द्वादशभावस्थ सूर्यादिग्रहों का फल ✸

ग्रह	तनु १	धन २	सहज ३	सुख ४	पुत्र ५	शुत्र ६	स्त्री ७	मृत्यु ८	धर्म ९	कर्म १०	लाभ ११	व्यय १२
सूर्य	उच्च-शरीर प्रवासी, रोग	भाग्यवान, मितव्ययी	पराक्रमी, अशान्तिचित	बन्धुवैरी, अशान्तचित	बुद्धिमान, वञ्चक	चतुष्पदकष्ठ राज्यव्यय	स्त्रीकष्ट, व्यापारी	कार्यशी, व्यसनी	भ्रातृपीड़ित, चिन्तायुक्त	परिश्रमी, मातृपीड़क	सन्ततिहीन, राज्यभोगी	नेत्रकष्ट युद्धविजयी
चन्द्र	धनी,सुखी दुर्बल, मूर्ख	विलासी, कुटम्बस्नेही	परिश्रमी, भ्रातृकष्ट	उच्चाधिकारी, स्त्रीपुत्रादिसुख	निर्मलबुद्धि, व्यापारी	शुत्रुजित्, मातृकष्टप्रद	स्त्रीसुख, शत्रुकष्ट	संघर्षशील, व्याधियुक्त	साहसी, सुखी	धर्मात्मा, ऐश्वर्यशील	राज्यप्रतिष्ठा, कन्यासन्तति	नेत्ररोगी, अपूणमनोरथ
भौम	लौहाग्निकष्ट, स्त्रीपुत्रनाश	अल्पपरिवार, धनी	पराक्रमी, भ्रातृकष्ट	कुटुम्बकष्ट, राज्यलाभ	तीव्रजठराग्नि, सन्ततिनाशक	शत्रुजित्, बुद्धिमान्	स्त्रीनाशक, कर्त्तव्यहीन	दुर्भाग्यशीली, महाकष्ट	धनी, तेजस्वी	मंगलकार्यहीन, पराक्रमी	शत्रुनाशक, सन्ततिकष्ट	धर्मभ्रष्ट, वृथापवाद
बुध	अरिष्टनाश, श्रेष्ठबुद्धि	बुद्धिमान्, काव्यप्रेमी	नम्रस्वभाव, व्यापारवृत्ति	प्रधानधिकारी, पितृधनहीन	स्वार्थी, कपटी	मनुष्यविरोधी, शत्रुवशी	स्त्रीसुखदायक, सौन्दर्यशीली	दीर्घायु, व्यापारी	बुद्धिमान, प्रतापी	पितृधनभोगी, नीतिज्ञ	धनी, सौन्दर्यप्रमी	शत्रुजित्, अतिथिपूजक
गुरु	सुखी स्वल्पवीर्यवान्	कवि, मुखरोगी	सहोदरयुत, कृतघ्नी	अनुष्ठानकता, शत्रुसेवित	लेखक, वक्ता, विलासी	मातृरोग, स्त्रीसुख	विभूतिमान, सौन्दर्यशीली	प्रवासी, ईर्ष्यालु	ब्राह्मणप्रेमी, आलसी	पुत्रचिन्ता, ज्ञानी	आभूषणप्रेमी, परमार्थी	अपयशी, वञ्चक
शुक्र	सौन्दर्यवान्, सुखी	बुद्धिमान्, काव्यप्रेमी	बन्धुहीन, कायर	मातृसेवक, महान्	सुपुत्रवान्, कवि	प्रबलशत्रु, दुःखी	कटिरोग, विलासी	चतुष्पदव्यय, प्रवासी	व्यापारी, पाखण्डी	वंशावरोधक, विप्रवृत्ति	कीर्तिवान्, गुणी	क्रीडक, बन्धुवैरी
शनि	तृष्णावान् चिन्तित	कटुभाषी, प्रवासी	युक्तभाषी, विघ्नयुक्त	चतुष्पदहीन, वातरोगी	पुत्रहीन, मित्रद्रोही	शत्रुजित्, पशुसुख	चञ्चलस्त्री, वाद-विवादी	बन्धुवियोग, रोगी	संन्यासी, कपटबुद्धि	बन्धुहीन, युद्धविजय	स्थिरवृद्धि, अस्थिरसंपत्ति	निर्लज्ज, शत्रुनाशक
राहु	शत्रुबलहन्ता स्त्रीचिन्ता	कुटुम्बनाशक, निर्भय	पराक्रमी, सम्मानित	मातृरोगी, क्रोधी	पुत्रवान्, स्त्रीचिन्तित	शत्रुनाशक, स्थिरधनी	स्त्रीहीन, लोकनिन्दित	कुटुम्बत्यागी, पण्डित	तीर्थसेवी, दयालु	व्यसनी, लोकनिन्दित	पुत्रवान्, दुष्टात्मा	सिद्धमनोरथ, दीनमैत्री
केतु	दुर्जन-संतप्त स्त्रीपुत्रकष्ट	मुखरोगी, कुटुम्बविरोधी	बाहुरोगी, शत्रुनाशक	मातृसुखहीन, पितृधननाशक	भ्रातृरोग, कष्ट	व्याधिनाश, शत्रुनाश	धननाश, जलभय	गुदारोग, निजगृहसेवी	क्लेशनाशक, म्लेच्छमैत्री	पितृसुखहीन, चतुष्पदपतन	भाग्यवान्, विद्वान	सद्व्ययी, नेत्ररोगी

✸ वर्ष-कुण्डली में द्वादशभावस्थ सूर्यादिग्रहों का फल ✸

ग्रह	तनु १	धन २	सहज ३	सुख ४	पुत्र ५	शुत्र ६	स्त्री ७	मृत्यु ८	धर्म ९	कर्म १०	लाभ ११	व्यय १२
सूर्य	त्रिदोषपीड़ा	कुटुम्बविरोधी	भ्रातृपीड़ा	कृषि-पशुहानि	पित्तप्रकोप	शत्रुनाश	स्त्रीकष्ट	भ्रातृकष्ट	भ्रातृकष्ट	धनमानलाभ	धनी,विलासी	उद्विग्नता
चन्द्र	कफरोगी	कुटुम्बपरप्रभाव	भ्रातृसुख-धनी	व्यापारलाभ	प्रबुद्धमित्र	वाद-विवाद	खांसी, वातरोग	मूत्ररोग	भाग्योदय	वेरीनाश,धनी	व्यापारलाभ	नेत्ररोग
भौम	नेत्ररोगी	धनहानि	वाहनसुख	अग्निकष्ट,व्रण	सन्तानकष्ट	शत्रुनाश	स्त्रीरोग	शत्रुकष्ट	भाग्ययशवृद्धि	धनवृद्धि	राज्यधनलाभ	व्यय,व्याधि
बुध	स्त्रीसुखवृद्धि	वाहनलाभ	धनयशपुत्रसुख	भूमिलाभ	धनपुत्रलाभ	स्वीकष्ट	विलासी	कफ,ज्वर	धनपुत्रलाभ	पुत्रधनवृद्धि	धनयशवृद्धि	वैरीविवाद
गुरु	यशस्वी	धनलाभ	कीर्तिलाभ	वाहनसुख	सन्ततिसुख	शत्रु-स्त्रीकष्ट	दाम्पम्यसुख	ज्वरवृद्धि	धनलाभ	राज्यलाभ	विजयलाभ	रोगी,शत्रुवृद्धि
शुक्र	यशस्वी	धन-मानलाभ	सहोदरसुख	कृषिवाहनसुख	सन्तानवृद्धि	उदरविकार	स्त्रीसुख	शरीरकष्ट	धर्मशील	व्यापारी, धनी	सन्तानवृद्धि	नेत्र, चर्मरोग
शनि	वातरोगी	भ्रातृनाश	पराक्रमी	अग्निपीड़ा	पुत्रहानि	कीर्तिवृद्धि	स्त्रीकष्ट	ज्वरपीड़ा	भाग्योदय	कृषिहानि	कीर्तिवृद्धि	विशेषव्यय
राहु	स्त्रीकष्ट	बन्धुविवाद	धन-यशवृद्धि	वाहनकष्ट	बुद्धिनाश	शत्रुनाश	गुप्तरोग	मृत्युतुल्यकष्ट	धर्मवृद्धि	यशवृद्धि	शत्रुनाश	स्थानभ्रंश
केतु	चिन्ता	परिवारक्लेश	वंशवृद्धि	वाहनपीड़ा	कुबुद्धि	रोगनाश	विवाद	अरिष्टप्राप्ति	भाग्यनाश	अर्थप्राप्ति	विविधलाभ	रोग, शोक
मुन्था	शरीरपुष्टि	उत्साही	पराक्रमी,धनी	शरीरपीड़ा	पुत्रयशलाभ	दुर्बलता	धन-धर्मनाश	व्यसनी	भाग्योदय	राज्यसुख	ऐश्वर्यप्राप्ति	दुष्टसंगति

विक्रमी सम्वत् २०७८ पञ्चाङ्ग कार्यशाला में उपस्थित ज्योतिष एवं धर्मशास्त्र के महानुभाव









स्वर्णजयन्तीसदनम्
(ज्योतिष-विभाग)



१.	ज्योतिष–प्रवेशिका	यह षाण्मासिक प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम वैदिक ज्योतिष की मूल संकल्पना एवं प्राथमिक जानकारी पर आधारित है।
२.	ज्योतिष–प्राज्ञ	यह एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम ज्योतिष शास्त्र के आधारभूत सिद्धान्त और उनकी प्रयोग विधि द्वारा जन–जीवन की घटनाओं के पूर्वानुमान की विधि पर आधारित है।
३.	ज्योतिष–भूषण	यह द्विवर्षीय एडवान्स डिप्लोमा पाठ्यक्रम ज्योतिष शास्त्र की विशिष्ट जानकारी पर आधारित है।
४.	शास्त्री	यह तीन वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम है, जो सिद्धान्त ज्योतिष एवं फलित ज्योतिष दोनों विषयों में चलाया जाता है।
५.	आचार्य	यह द्विवर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम है, जो सिद्धान्त ज्योतिष एवं फलित ज्योतिष दोनों विषयों में चलाया जाता है।
६.	पी–एच.डी.	ज्योतिष शास्त्र के गम्भीर, जटिल एवं लोकोपयोगी पहलुओं पर शोध के माध्यम से नवीन तथ्यों की जानकारी के लिए यह अनुसन्धानमूलक पाठ्यक्रम चलाया जाता है।
७.	मेडिकल एस्ट्रोलॉजी	यू.जी.सी. द्वारा प्रदत्त SAP (DRS-I, II, III ज्यो.) प्रोग्राम के अन्तर्गत मेडिकल एस्ट्रोलॉजी में शोध एवं शिक्षण कार्य हेतु विश्वविद्यालय के ज्योतिष–विभाग का चयन किया गया है। एतदर्थ मेडिकल ऐस्ट्रोलॉजी में एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम जनवरी २००५ से प्रारम्भ किया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार स्वीकृति मिलने पर इसे भी प्रमाणपत्रीय, डिप्लोमा एवं एडवान्स डिप्लोमा पाठ्यक्रम के रूप में सञ्चालित किया जायेगा।

नोट – सभी पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया प्रतिवर्ष जून–जुलाई में विश्वविद्यालय के निर्धारित नियमों के अनुरूप सम्पन्न होती है।
प्रमाणपत्रीय एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की कक्षायें शनिवार एवं रविवार को सञ्चालित की जाती हैं।

मुद्रक : गणेश प्रिंटिंग प्रेस- नई दिल्ली ११००१६